प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

नवम्बर 2019 मूल्य ₹ 80.00

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

Vikas Bhadu

हल प्रश्न-पत्र

• सी.डी.एस., 19 • उ.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा, 16
• उ.प्र. पीसीएस सहायक शिक्षक (एल.टी.), 18 • यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 19 • उ.प्र. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन, 16
• उ.प्र. प्रवक्ता भर्ती, 16 • केनरा बैंक पी.ओ., 18 • आईडीबीआई एक्जीक्यूटिव, 19

बिहार सरकार की नवीनतम योजनाएँ

• 'हाउडी मोदी' : अमरीका में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का वृहद् कार्यक्रम
• मरुस्थलीकरण से निपटने को यूएन कन्वेंशन की 'कॉप-14'
• कारगिल टू कोहिमा (K2K) अल्ट्रा मैराथन-ग्लोरी रन
• प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना : लाभार्थियों की संख्या 1 करोड़ से अधिक हुई
• अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय वायु सेना में शामिल
• स्कॉर्पीन श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी खंदेरी नौसेना में शामिल
• गश्ती पोत आईसीजीएस वराह तटरक्षक बल में शामिल
• भारत-चीन के मध्य छठी रणनीतिक आर्थिक वार्ता • ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स (2019)
• अमरीकी ओपन टेनिस (2019) • क्रिस्टालिना जॉर्जीवा आईएमएफ की नई प्रबन्ध निदेशक
• राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार, राष्ट्रीय विश्वकर्मा पुरस्कार, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार, फीफा के खेल पुरस्कार, राइट लिवलीहुड पुरस्कार, मध्य प्रदेश शासन के विभिन्न पुरस्कार, आइफा पुरस्कार आदि
• विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप, विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप, विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (2019)

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

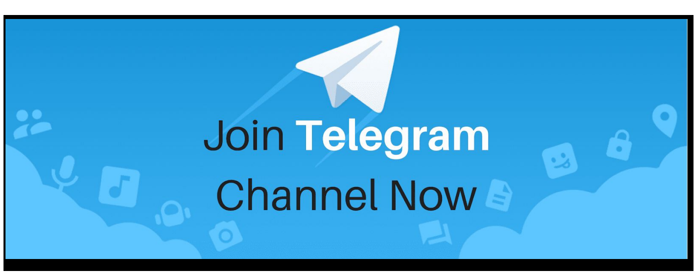

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2019

अक्टूबर—रेलवे रिक्रूटमेंट सैल ग्रुप 'डी' (लेवल–1) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019
अक्टूबर–नवम्बर—हरियाणा एस.एस.सी. पी.जी.टी. भर्ती परीक्षा
12, 13, 19 एवं 20 अक्टूबर—आई.बी.पी.एस. बैंक पी.ओ./एम.टी. प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
13 अक्टूबर—उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल सिविल न्यायालय ग्रुप 'डी' भर्ती परीक्षा, 2019
19-20 अक्टूबर—आर्मी पब्लिक स्कूल स्क्रीनिंग परीक्षा, 2019 (PGT, TGT & PRT)
20 अक्टूबर—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारी परीक्षा (ऑनलाइन)
21-22 अक्टूबर—एल.आई.सी. सहायक भर्ती प्रारम्भिक परीक्षा, 2019
24-25 अक्टूबर—दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड एलडीसी कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019
3 नवम्बर—उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कनिष्ठ सहायक (सामान्य चयन) परीक्षा, 2019
3 नवम्बर—उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय अधीनस्थ न्यायालयों में कनिष्ठ सहायक व आशुलिपिक/वैयक्तिक सहायक सीधी भर्ती परीक्षा
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 15 अक्टूबर, 2019)
3 नवम्बर—राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE), 2019-20 (कक्षा X)
3 नवम्बर—राष्ट्रीय साधन सह–प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (NNMSE), 2019-20 (कक्षा VIII)
6 नवम्बर—उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा I & II, 2019.
7 नवम्बर—बिहार माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (STET) 2019
9 नवम्बर—रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया ऑफिसर्स ग्रेड 'B' परीक्षा, 2019 (फेज-I)
17 नवम्बर—एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर–तकनीकी) स्टाफ कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2019 (द्वितीय चरण–वर्णनात्मक)
17 नवम्बर—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (II), 2019
24 नवम्बर—उत्तर प्रदेश विद्याज्ञान स्कूल प्रवेश प्रारम्भिक परीक्षा
(अन्तिम तिथि : 15 अक्टूबर, 2019)
26 नवम्बर—एस.एस.सी. जूनियर हिन्दी ट्रांसलेटर, जूनियर ट्रांसलेटर, सीनियर हिन्दी ट्रांसलेटर एवं हिन्दी प्राध्यापक परीक्षा, 2019 (पेपर-I)
30 नवम्बर—आई.बी.पी.एस. बैंक पी.ओ./एम.टी. मुख्य परीक्षा, 2019
दिसम्बर—उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग कृषि अधिकारी वर्ग–3 (समूह 'ग') सीधी भर्ती परीक्षा
1 दिसम्बर—रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया ऑफिसर्स ग्रेड 'B' परीक्षा, 2019 (फेज-II)
2-6 दिसम्बर—एनटीए यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2019
7, 8, 14 एवं 21 दिसम्बर—आई.बी.पी.एस. बैंक क्लर्क भर्ती परीक्षा 2020-21
8 दिसम्बर—केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) दिसम्बर, 2019
11-13 दिसम्बर—केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर्स व सीआईएसएफ असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर परीक्षा, 2019 **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 18 अक्टूबर, 2019)**
15 दिसम्बर—एनटीए सीएसआईआर–यूजीसी नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर, 2019

2020

5 जनवरी—अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा–2020 (कक्षा VI व IX)
11 जनवरी—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2019 (कक्षा–VI)
5-7 मई—एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' परीक्षा, 2019
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 18 अक्टूबर, 2019)

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"सार्वजनिक जीवन में नैतिकता"
अन्तिम तिथि—28 नवम्बर, 2019.
शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमश: ₹ 1500, ₹ 1000 व ₹ 500 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	80.00	80.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	725·00	720·00
रजिस्टर्ड डाक से	945.00	940·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1350·00	1345·00
रजिस्टर्ड डाक से	1790·00	1785·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	₹ 35.00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 315.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 530.00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 580.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1020.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website : www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम ____________________

पता ____________________

____

____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मो. नं. ....

मैं ₹.........मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक ________ प्रेषक के हस्ताक्षर ________

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**–282 002
फोन : 2530966, 2531101
Website : www.pdgroup.in
E-mail : care@pdgroup.in

Vikas Bhadu

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

➡ **सम्पादक**
महेन्द्र जैन

➡ **प्रधान सलाहकार**
डॉ. रवि कान्त

➡ **रजिस्टर्ड ऑफिस**
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002

➡ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966
ईमेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर : care@pdgroup.in

➡ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035

➡ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड (आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना) फोन–040-24557283
मो.–09391487283

➡ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना–800 004
फोन–0612-2303340
मो.–09334137572

➡ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन–033-25551510

➡ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया, लखनऊ–226 004
फोन–0522-4109080
मो.–09760181118

➡ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी, सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने, नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो.–09370877776

➡ **इन्दौर ऑफिस**
30-31, जिन्सी हाट मैदान, बाबा रामदेव मन्दिर के निकट, मल्हारगंज, इन्दौर–452 002 (म.प्र.)
फोन–9203908088

➡ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

Vikas Bhadu

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका '**प्रतियोगिता दर्पण**' का नवम्बर 2019 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन और भारत, भारत में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के अनुप्रयोग में तेजी, पर्यावरण के जैविक संघटकों का निर्माण, एवरेस्ट के बर्फीले पहाड़ों में गुम होती पर्वतारोहियों की जिन्दगियाँ, भारत की 'मिशन शक्ति' एवं अन्तरिक्ष की कुछ अन्य मंजिलें, एग्रीबिजनेस से किसानों का कायाकल्प.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन—सी.डी.एस. परीक्षा, 2019. उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 2016. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग सहायक शिक्षक (एल.टी.) परीक्षा, 2018.

ऐच्छिक विषय—राजनीति विज्ञान-यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019. गृह विज्ञान—उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा, 2016.

तर्कशक्ति—केनरा बैंक प्रॉबेशनरी ऑफीसर्स परीक्षा, 2018.

संख्यात्मक अभियोग्यता—आई.डी.बी.आई. एक्जीक्यूटिव परीक्षा, 2019.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

495 वाँ सफलतम अंक
प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक
वर्ष 42
चतुर्थ अंक
नवम्बर 2019

Vikas Bhadu

इस अंक में...

10 सम्पादकीय
11 राष्ट्रीय घटनाक्रम
17 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
25 आर्थिक–वाणिज्यिक परिदृश्य
30 नवीनतम सामान्य ज्ञान
38 राज्य समाचार
39 खेलकूद
45 रोजगार समाचार
47 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
48 युवा प्रतिभाएं
56 स्मरणीय तथ्य

फोकस

59 (1) जम्मू एवं कश्मीर राज्य को अनुच्छेद 370 के तहत् प्राप्त विशेष दर्जा समाप्त
62 (2) भारत में आर्थिक विकास के विविध आयाम : 9% की उच्च विकास दर से आर्थिक सुस्ती का दौर
65 (3) श्रम सुधार : कारोबारी सुगमता से मानवीय संवेदनाओं तक स्मरणीय तथ्य
67 विश्व परिदृश्य
71 भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व
77 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

77 अन्तर्राष्ट्रीय लेख–ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन और भारत
80 प्रौद्योगिकी लेख–भारत में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के अनुप्रयोग में तेजी
82 मीडिया लेख–समाचार एजेंसी : अवधारणा, विकास और समस्याएं
87 पर्यावरण लेख–(i) पर्यावरण के जैविक संघटकों का निर्माण
88 (ii) जैव विविधता पर संकट
91 अभियान लेख–एवरेस्ट के बर्फीले पहाड़ों में गुम होती पर्वतारोहियों की जिन्दगियाँ
93 कॅरियर लेख–एस.एस.बी. : सेना के तीनों अंगों के लिए क्या ? क्यों ? और कैसे ?
96 अन्तरिम विज्ञान लेख–भारत की 'मिशन-शक्ति' एवं अंतरिक्ष की कुछ अन्य मंजिलें
98 उद्यान लेख–सघन बागवानी : बढ़ती जनसंख्या के लिए आज की आवश्यकता
100 कृषि लेख–एग्री-बिजनेस से किसानों का कायाकल्प
103 सार संग्रह

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन

107 (i) सी.डी.एस. परीक्षा, 2019
114 (ii) उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 2016
125 (iii) उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग सहायक शिक्षक (एल. टी.) परीक्षा, 2018
127 बिहार : वस्तुनिष्ठ प्रश्न
129 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
131 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
133 ऐच्छिक विषय–(i) राजनीति विज्ञान–यू.जी.सी.-नेट/जे. आर.एफ. परीक्षा, 2019
139 (ii) गृह विज्ञान–उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा, 2016
144 (iii) नागरिक शास्त्र–उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2016

विविध/सामान्य

150 वार्षिक रिपोर्ट–2018-19–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के बढ़ते चरण : नई ऊँचाइयों की ओर
153 बिहार सरकार की नवीनतम योजनाएँ
158 तर्कशक्ति–केनरा बैंक प्रोबेशनरी ऑफीसर्स परीक्षा, 2018
163 संख्यात्मक अभियोग्यता–आई.डी.बी.आई. एक्जीक्यूटिव परीक्षा, 2019
168 क्या आप जानते हैं ?
169 अपना ज्ञान बढ़ाइए
170 प्रथम पुरस्कृत समीक्षा–भारत में लोकतान्त्रिक प्रणाली ने जातिवाद को और अधिक मुखर कर दिया है.
171 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध–बढ़ते जातिवाद के दौर में सामाजिक समरसता
174 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक 484 का परिणाम
176 English Language–Indian Bank Probationary Officers (Pre.) Exam., 2018.

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

सम्पादकीय

मानव की जय यात्रा के पथिक बनिए

Vikas Bhadu

"न मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किंचित्" अर्थात् मनुष्य से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है."

भर्तृहरि कहते हैं—"विद्वान् लोग ईर्ष्या से ग्रसित हैं, धनी गर्व से दूषित हैं, अन्य लोग अज्ञानी हैं. अतः श्रेष्ठ मानवीय भाव यों ही नष्ट हो जाते हैं."

निष्कर्ष स्पष्ट है—श्रेष्ठतर कोटि के मनुष्यों की संख्या अत्यन्त स्वल्प है तथा संदर्भित श्रेष्ठता सहज-प्राप्य न होकर प्रयत्न-साध्य है. एक अंग्रेज विद्वान् का कथन इस दिशा में हमारा मार्गदर्शन करता है—मनुष्य आधे वन्य पशु और आधे मानव-शिशु के रूप में जन्म लेता है. वन्य पशु को पालतू बनाना होता है और मानव-शिशु का पोषण करना होता है. मनुष्य के विकास की, उसके द्वारा पशुपति के पद की प्राप्ति की यात्रा संक्षेप में यही है.

हमने, आपने, सबने जब जन्म लिया था, तब आज जैसे नहीं थे. आदिमानव भी वैसा न था, जैसा वह आज है. यह उसकी युग-युगों की जय यात्रा के सुफल हैं.

क्या आपने देवदारु के दीर्घकाय वृक्ष को देखा है? वह जड़ शक्ति के दुर्वार आकर्षण-महाकर्षण (Force of gravitation) को पराभूत करते हुए निरन्तर ऊर्ध्वगामी बनकर उन्मुक्त व्योम-मण्डल में विहार करता है और पाषाण की कठोर छाती भेदकर अज्ञात पाताल से अपना रस खींचता रहता है. विशिष्टता यह है कि वह अपने स्थान पर दृढ़तापूर्वक विराजमान है.

वास्तविक मनुष्य वही है जो पशु-धरातल से-पाशविक गुणों से ऊपर उठा हो. मनुष्य और पशु में आदिम सहजात अनेक प्रवृत्तियाँ समान रूप से प्रबल हैं—आहार, निद्रा, भय, मैथुन, लोभ, स्वार्थ आदि. लेकिन मनुष्य फिर भी मनुष्य है, क्योंकि वह दूसरों के लिए अपना सर्वस्व उत्सर्ग कर सकता है. उसमें त्याग है, संयम है, दया है, ममता है, करुणा है, संतोष है, श्रद्धा है और सबसे ऊपर हैं— विवेक-बुद्धि और संकल्पशक्ति. इस संदर्भ में विलियम जेम्स का यह अप्रिय कथन उल्लेखनीय है कि "विवेकहीनता के क्षणों में जब मनुष्य का पशुत्व प्रबल हो जाता है तब वह पशु से भी बुरा होता है, वह ऐसा भयानक जन्तु बन जाता है जो व्यवस्थित ढंग से अपनी ही जाति के जन्तुओं का शिकार करता है", परन्तु ये क्षणिक आवेश होते हैं. मनुष्य अन्ततः मनुष्य ही रहता है. विवेक और संकल्पशक्ति के बल पर वह सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी बन गया. उसने प्रकृति की दासता कभी स्वीकार नहीं की और अपना सिर सीधा रखने वाला प्रकृति का एकमात्र जीवधारी बन गया. उसने प्रकृति को अपने अनु-रूप नियमित किया जिससे अपनी इच्छानुसार वह उसका उपयोग कर सका. वस्तुतः यहीं से सृष्टि का एक नया इतिहास शुरू हुआ, जिसमें मानव की जय यात्रा का अंकन आरम्भ हुआ. चट्टानें इसके पृष्ठ हैं और भग्नावशेष अक्षर हैं.

जड़ से चैतन्य, चैतन्य से मन-बुद्धि और मन-बुद्धि से मनुष्यत्व का विकास! यह सचमुच विस्मित कर देने वाली एक ऐसी घटना है, जिसकी अवधारणा रक्त-कणों में एक अपूर्व झनझनाहट की अनुभूति का हेतु बन जाती है.

महाकर्षण की शक्ति जड़ में सबसे बड़ी शक्ति है. वह चेतन को नीचे खींचती है, परन्तु खींच नहीं पाती है. चेतन की ऊर्ध्वमुखी वृत्ति निरन्तर उठती जाती है. ऊर्ध्वमुखी चेतन उल्लसित होता है. चैतन्य का उल्लास ही वास्तविक मनुषत्व है, जिसका स्थूल उदाहरण अन्यत्र इंगित देवदारु में देखने को मिलता है. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के शब्दों में "साहित्य और कला चित् तत्व की ओर आकर्षित करते हैं. इसीलिए वे उन विज्ञानों से श्रेष्ठ हैं जो चित् तत्व की ओर सीधे नहीं ले जाते."

जड़ से मनुष्यत्व तक के विकास की शृंखला न तो मात्र संयोग पर आधारित है, न यह सब कुछ यों ही निरर्थक और निरुद्देश्य है. सृष्टि की इस रहस्य-लीला के पीछे किसी शक्ति की, भले ही वह अभी तक अज्ञात है— प्रेरणा होनी चाहिए. त्रिपुर सुन्दरी का त्रैलोक्यमोहन रूप निश्चय ही किसी महान् उद्देश्य के लिए है. हमारे विचार से यह महान् गणितज्ञ शिल्पी की महायोजना का एक अंग है. यह योजना अथवा शृंखला अभी अधूरी है. क्या आप किसी ऐसे मनुष्य की ओर इंगित कर सकते हैं जिसमें दोष, कमी या खोट न हो. तब फिर **मैन** को अधूरा अथवा अपूर्ण विकसित छोड़कर सुपरमैन की बात क्यों की जाए? इतिहास में मनुष्य की धारावाहिक जय यात्रा की कहानी पढ़ेंगे, साहित्य और कला में इसी के आवेगों, उद्वेगों और उल्लासों का अनुभव करेंगे. राजनीति अर्थशास्त्र आदि सर्वत्र इसी की शक्ति को झाँकते हुए पाएंगे. जो कला या विज्ञान अनादिकाल-प्रवाह में प्रवहमान जीवंत मानव समाज की विकास कथा को न कहे, वह विज्ञान अथवा कला कहे जाने का अधिकारी कदापि नहीं हो सकता है.

मनुष्य में कुछ पशुत्व, पशु-संस्कार भी हैं, जो थोड़ी-सी उत्तेजना पाते ही, स्वार्थों में व्याघात उपस्थित होते ही, उसके अहंकार को बेकाबू कर देते हैं. इसी के फलस्वरूप संसार में मार-काट, झगड़े-टण्टे, नोच-खसोट, विनाशकारी युद्ध आदि दिखाई पड़ते हैं. मनुष्यता की उच्चभूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य इन्हें क्षणिक एवं अस्थायी मानते हैं. वे तो यहाँ तक सोचते हैं कि ये अपने को उत्सर्ग करके महाकाल की लीला में सहायक होने की मानसोल्लासिनी वेदना है. मनुष्य के नाखून बढ़ते अवश्य हैं, परन्तु वह उन्हें काटता भी तो रहता है. एक स्थान पर कवीन्द्र रवीन्द्र ने भी लिखा है कि लोहार की दूकान में दिखाई देने वाले कूड़ा-करकट तथा हथोड़े की चोटों की खटखट के पीछे वीणा के उन तारों का निर्माण हो रहा है जो सुमधुर संगीत का सृजन करेंगे. हम चाहते हैं कि हमारा युवावर्ग इस प्रकार की उदात्त एवं अन्तर्भेदी दृष्टि का धारणकर्ता बन सके. तभी यह सम्भव है कि वे मनुष्यता के उस सोपान पर पहुँच सकें जहाँ वे तादात्म्य स्थापन अथच एकत्व की अनुभूति कर सकें. इस श्रेष्ठतर भावभूमि को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि वे परम्परा से रस ग्रहण करें और प्रगतिशील बनें—यानी अनावश्यक रूढ़ियों, गलत वर्जनाओं को नकार कर मानव की जय यात्रा के पथिक बनने का प्रयत्न करें. विकसित मनुष्य की भाँति आप भी अपनी त्रुटियों एवं मूर्खताओं पर हँसना सीखिए. अवसर बनाइए, अवसर न होने की शिकायत कर्मवीर नहीं करते हैं. वे यहीं और अभी हैं.

एक सामान्य बालक अनवरत् प्रयत्न एवं दृढ़ संकल्पशक्ति द्वारा कितना श्रेष्ठ मनुष्य बन सकता है, महात्मा गांधी इसके जीवंत उदाहरण रहे. उन्होंने प्रवृत्तियों को छिपाया नहीं. वह उनसे डरे नहीं, उनके नाम पर वह लज्जित भी नहीं हुए, परन्तु साथ ही उनको नियन्त्रित करने में उन्होंने कभी किसी प्रकार की न कोताही बरती और न आगा-पीछा किया. उनका यह कथन हमारे युवा पाठकों का मार्गदर्शक होना चाहिए— "प्रत्येक मनुष्य का यह पावन कर्तव्य है कि वह अपने भीतर पूरी सावधानी से झाँक कर देखे— आत्म-निरीक्षण करे और अपने को उस रूप में देखे, जैसाकि वह वास्तव में है और फिर अपनी कमियों को दूर करने में कोई बात उठा न रखे. वह अपने द्वारा किए जाने वाले अन्याय दुष्टतापूर्ण एवं मिथ्या अहंकार आदि के कृत्यों के परिप्रेक्ष्य में अपना आकलन करे और उनके निवारणार्थ संघर्ष करें." विश्वास कीजिए मानव की जय यात्रा इसी मार्ग से आगे बढ़ी है. आप तैयार हो जाइए. ●●●

राष्ट्रीय घटनाक्रम

Vikas Bhadu

- मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स द्वारा निर्मित स्कॉर्पीन श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी खंडेरी नौसेना में शामिल
- वायु सेना के बेड़े में 8 अपाचे हेलीकॉप्टर शामिल
- कारगिल टु कोहिमा (K2K) अल्ट्रा मैराथन–ग्लोरी रन
- महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर देश खुले में शौच से मुक्त घोषित : वर्ष 2022 तक देश को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त करने का अब प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान
- आकाश से आकाश में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल के पाँच परीक्षण
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थियों की संख्या 1 करोड़ से अधिक हुई
- जम्मू-कश्मीर की परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के दोनों केन्द्रशासित क्षेत्रों में विभाजन हेतु उच्चस्तरीय समिति
- मसूद अजहर व हाफिज सईद सहित चार आतंकी संशोधित यूएपीए एक्ट के तहत् आतंकवादी घोषित
- देश में निर्मित पहले स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि का जलावतरण
- स्वदेश निर्मित गश्ती पोत आईसीजीएस 'वराह' तटरक्षक बल में शामिल
- चन्द्रयान-2 का विक्रम लैंडर चन्द्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर सका : चन्द्रयान-2 मिशन को धक्का
- मध्य प्रदेश में टाइम बैंक की योजना
- हरियाणा व महाराष्ट्र में विधान सभा चुनाव अक्टूबर 2019 में
- स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के आकलन हेतु नीति आयोग का नया स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स

मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स द्वारा निर्मित स्कॉर्पीन श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी खंडेरी नौसेना में शामिल

देश की अग्रणी जहाज निर्माण कम्पनी मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स लि. (MDL) द्वारा निर्मित स्कॉर्पीन श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी खंडेरी (Khanderi) को भारतीय नौसेना में 28 सितम्बर, 2019 को औपचारिक रूप से शामिल किया गया.

नवनिर्मित पनडुब्बी खंदेरी का यह नामकरण हिन्दमहासागर में पाई जाने वाली एक खतरनाक शिकारी मछली के नाम पर किया गया हो. इसी नाम से पहले एक खंडेरी पनडुब्बी 6 दिसम्बर, 1968 को भारतीय नौसेना में शामिल की गई थी. 20 वर्ष से अधिक समय तक नौसेना की सेवा में रही उस पनडुब्बी को 18 अक्टूबर, 1989 को सेवामुक्त किया गया था.

- *स्कॉर्पीन श्रेणी की छह पनडुब्बियों के भारत में ही निर्माण के लिए फ्रांसीसी नौसैनिक कम्पनी डीसीएनएस के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर अक्टूबर 2005 में सम्पन्न हुए थे. भारत में इनका निर्माण मुम्बई स्थित मझगाँव डॉकशिप बिल्डर्स लि. (MDL) द्वारा किया जा रहा है.*
- *इस श्रेणी की पहली पनडुब्बी आईएनएस कलवरी (INS Kalwari) थी, जिसका समुद्री परीक्षणों के लिए जलावतरण अप्रैल 2015 में हुआ था तथा जिसे 14 सितम्बर, 2017 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल किया था.*
- *खंडेरी इस श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी है, जिसका समुद्री परीक्षणों के लिए जलावतरण **12 जनवरी**, 2017 को हुआ था तथा 1 जून, 2017 से दो वर्ष से अधिक समय के समुद्री परीक्षणों के पश्चात् एमडीएल ने इसे 19 सितम्बर, 2019 को नौसेना को सौंप दिया, जिसे औपचारिक रूप से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 28 सितम्बर, 2019 को मुम्बई में आयोजित एक समारोह में नौसेना में कमीशन प्रदान किया.*
- *स्कॉर्पीन श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी आईएनएस करंज (Karanj) है, जिसका जलावतरण 31 जनवरी, 2018 को किया गया था. इसके समुद्री परीक्षण अभी जारी हैं. समुद्री परीक्षण पूरे होने के पश्चात् इसे नौसेना को सौंपा जाएगा.*
- *इस श्रेणी की चौथी पनडुब्बी आईएनएस वेला (Vela) है, जिसका जलावतरण 6 मई, 2019 को किया गया था. इसके भी समुद्री परीक्षण फिलहाल जारी हैं तथा समुद्री परीक्षणों के पश्चात् इसे नौसेना को सौंपा जाएगा.*
- *इस श्रेणी की दो अन्य पनडुब्बियाँ वागीर (Vagir) और वागशीर (Vagsheer) हैं, जो मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स लि., जिसे **शिप बिल्डर्स टु द नेशन** कहा जाता है, में ही निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं.*

वायु सेना के बेड़े में 8 अपाचे हेलीकॉप्टर शामिल

भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमता में वृद्धि सितम्बर 2019 में उस समय हुई, जब 8 लड़ाकू अपाचे एएच-64 ई (Apache-AH-64 E) हेलीकॉप्टर इसके बेड़े में औपचारिक रूप से शामिल कर लिए गए. अमरीका की बोइंग कम्पनी द्वारा निर्मित इन हेलीकॉप्टरों को पंजाब के पठानकोट एयरबेस पर 3 सितम्बर, 2019 को आयोजित समारोह में सलामी देकर वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया. बोइंग के एक अधिकारी ने इस समारोह में हेलीकॉप्टर की प्रतीकात्मक चाबी वायु सेना के तत्कालीन प्रमुख एयरचीफ मार्शल बी. एस. धनोआ, जो मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित थे, को सौंपी. हेलीकॉप्टरों की पूजा भी इस समारोह में की गई. वायु सेना में यह हेलीकॉप्टर पुराने हो रहे एमआई-35 हेलीकॉप्टरों का स्थान लेंगे.

अपाचे हेलीकॉप्टर

अमरीका की बोइंग कम्पनी द्वारा निर्मित अपाचे हेलीकॉप्टरों को अटैक के मामले में अत्यधिक शक्तिशाली माना जाता है. इसे लम्बे समय से अमरीकी सेना द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है. यह हेलीकॉप्टर लादेन किलर के नाम से भी विख्यात है, क्योंकि वर्ष 2011 में अमरीका ने इसी हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल पाकिस्तान में घुसकर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को मारने के लिए किया था.

भारतीय वायु सेना के लिए ऐसा पहला अपाचे हेलीकॉप्टर बोइंग ने अमरीका में एरिजोना (Arizona) स्थित अपने निर्माण

केन्द्र पर भारतीय वायुसेना के अधिकारियों को 10 मई, 2019 को सौंपा था.

बोइंग कम्पनी से 22 अपाचे एएच-64 ई हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए सौदा भारत ने 2015 में किया था. इनमें से आठ हेलीकॉप्टर भारत को प्राप्त हो चुके हैं तथा शेष 14 हेलीकॉप्टर विभिन्न चरणों में मार्च 2020 तक प्राप्त होने की सम्भावना है.

कई देशों को अब तक कुल मिलाकर लगभग 2100 अपाचे हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति बोइंग द्वारा की जा चुकी है.

Vikas Bhadu

कारगिल टु कोहिमा (K2K) अल्ट्रा मैराथन–ग्लोरी रन

कारगिल विजय के 20 वर्ष के उपलक्ष्य में कारगिल से कोहिमा तक एक अल्ट्रा मैराथन ग्लोरी रन (Glory Run) का आयोजन भारतीय वायु सेना द्वारा किया गया है. स्क्वैड्रन लीडर सुरेश राजदान के नेतृत्व में वायु सेना के 25 धावकों, जिनमें अधिकारी व एयरमैन शामिल हैं, ने यह दौड़ कारगिल में द्रास (Dras) स्थित कारगिल वार मेमोरियल से 21 सितम्बर, 2019 को शुरू की है तथा 4500 किमी से अधिक दूरी तय करके इसका समापन कोहिमा वार सिमेट्री (नगालैण्ड) में 6 नवम्बर, 2019 को होगा. इस दौरान औसतन 100 किमी से अधिक दूरी इन धावकों द्वारा प्रतिदिन तय की जाएगी. लद्दाख से शुरू हुई यह दौड़ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, प. बंगाल, असम होते हुए नगालैण्ड पहुँचेगी. इस दौड़ में वायु सेना की एक महिला अधिकारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट रिषभ जीत कौर भी शामिल हैं. भारतीय वायुसेना के इस साहसिक अभियान का उद्देश्य 'पैदलों की सुरक्षा' (Pedestrian Safety) तथा प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है.

कारगिल टु कोहिमा अल्ट्रा मैराथन–ग्लोरी रन के प्रमुख स्क्वैड्रन लीडर सुरेश राजदान को ग्लोरी मशाल सौंपकर विदाई देते हुए वायु सेना के तत्कालीन प्रमुख एयरचीफ मार्शल बी. एस. धनोआ

इस अभियान में शामिल दल को वायु सेना के तत्कालीन प्रमुख एयरचीफ मार्शल बी. एस. धनोआ ने औपचारिक विदाई 6 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली में वायु सेना भवन में आयोजित समारोह में दी थी.

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर देश खुले में शौच से मुक्त घोषित : वर्ष 2022 तक देश को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त करने का अब प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान

पाँच वर्ष पूर्व 15 अगस्त, 2014 को प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले से लांच किए गए स्वच्छता मिशन का लक्ष्य घोषित समय सीमा के भीतर ही प्राप्त कर लिया गया है.

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी.

2 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर साबरमती में रिवर फ्रंट पर आयोजित विशाल समारोह में देश-विदेश के राजदूतों, विचारकों एवं देश के लगभग 20 हजार सरपंचों की उपस्थित में प्रधानमन्त्री श्री मोदी ने यह घोषणा करते हुए देश को खुले में शौच से मुक्त (Open Defecation Free—ODF) घोषित किया. स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इससे महात्मा गांधी का सपना पूरा हुआ है. उन्होंने बताया कि आजादी के बाद की इस सबसे बड़ी सामाजिक क्रान्ति के तहत् 11 करोड़ से अधिक शौचालय विगत पाँच वर्षों में बने हैं. प्रधानमन्त्री ने कहा कि महात्मा गांधी का स्वच्छता का सपना उनकी 150वीं जयंती पर पूरा हुआ है.

यह सपना स्वेच्छा, स्वप्रेरणा व जन भागीदारी से ही पूरा हुआ बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह बापू के आह्वान पर देशवासी सत्याग्रह के लिए आगे आए थे, उसी तरह स्वच्छाग्रह के लिए करोड़ों लोग आगे आए. ***इस अवसर पर महात्मा गांधी पर एक डाक टिकट व ₹ 150 का स्मारक सिक्का भी प्रधानमन्त्री ने जारी किया.***

20 हजार सरपंचों के इस सम्मेलन में नए भारत के लिए 2022 तक देश को सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्त करने का संकल्प लेने का आह्वान भी प्रधानमन्त्री ने किया. *स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा व जीव सुरक्षा को महात्मा गांधी के प्रिय विषय बताते हुए प्लास्टिक को इन तीनों के लिए ही बड़ा खतरा प्रधानमन्त्री ने बताया. इसके लिए 2022 तक देश को प्लास्टिक मुक्त करने का लक्ष्य हासिल करने का आह्वान उन्होंने किया. इसको ही कृतज्ञ राष्ट्र की बापू के लिए सच्ची श्रद्धांजलि उन्होंने बताया.*

इससे पूर्व दिन में नई दिल्ली में राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि प्रधानमन्त्री ने अर्पित की. 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. पूर्व प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भी 2 अक्टूबर को ही होती है. उन्हें भी श्रद्धांजलि देशभर में इस अवसर पर अर्पित की गई.

आकाश से आकाश में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल के पाँच परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने पूर्णतः स्वदेश निर्मित अस्त्र मिसाइल के पाँच सफल परीक्षण सितम्बर 2019 में किए. यह परीक्षण 16–19 सितम्बर के दौरान सुखोई-30 एमकेआई विमान से विभिन्न परिस्थितियों में किए गए. इस विमान ने प. बंगाल के एक हवाई अड्डे से उड़ान भरकर ओडिशा के तट पर अपने निशाने पर सटीक वार इस **बियॉंड विज़ुअल रेंज एयर टु एयर मिसाइल** (BVRAAM) ने किए. रक्षा मंत्रालय की 19 सितम्बर की एक विज्ञप्ति के अनुसार अस्त्र बीबीआर एएएम की मारक क्षमता 100 किमी से अधिक है. विज्ञप्ति के अनुसार सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की 50 से अधिक इकाइयों का अस्त्र मिसाइल प्रणाली के निर्माण में योगदान रहा है.

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थियों की संख्या 1 करोड़ से अधिक हुई

गर्भवती महिलाओं व स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए सरकार की अग्रणी योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) का लाभ एक करोड़ से अधिक लाभार्थियों को पहुँचाया जा चुका है तथा ₹ 4000 करोड़ से अधिक राशि का वितरण इस योजना के तहत् लाभार्थियों को सितम्बर 2019 के अंत तक किया जा चुका है.

- *ओडिशा व तेलंगाना में इस योजना का कार्यान्वयन अभी शुरू नहीं किया गया है.*
- *इस योजना के तहत् लाभार्थियों की सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में क्रमशः 17·80 लाख व 12·52 लाख रही है.*

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (Direct Benefit Transfer–DBT) योजना है, जिसके तहत् गर्भवती महिलाओं को नकद लाभ सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जाता है, ताकि वह अपनी पौष्टिकता आवश्यकताओं को पूरा कर सकें तथा गर्भावस्था में हो रहे मजदूरी नुकसान की आंशिक भरपाई कर सकें.

1 जनवरी, 2017 से शुरू की गई इस योजना के तहत् उन गर्भवती महिलाओं व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पाँच हजार रुपए की राशि तीन किश्तों में उपलब्ध कराई जाती है, जिन्होंने–

→ अपने प्रसव का प्रारम्भिक पंजीकरण कराया हो,

→ प्रसूति जाँच (Ante-natal check up) कराई हो,

→ बच्चे के जन्म का पंजीकरण कराया हो,

→ शिशु के लिए टीकाकरण का चक्र पूरा किया हो.

पात्र लाभार्थियों को जननी सुरक्षा योजना (JSY) के तहत् नकद प्रोत्साहन भी दिया जाता है.

Vikas Bhadu

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत् लाभार्थियों की संख्या

(महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 19 सितम्बर, 2019 की विज्ञप्ति के अनुसार)

राज्य	लाभार्थियों की संख्या
उत्तर प्रदेश	17,79,558
मध्य प्रदेश	12,51,714
महाराष्ट्र	9,87,467
राजस्थान	8,35,630
आन्ध्र प्रदेश	6,85,334
कर्नाटक	5,67,536
बिहार	5,41,974
....	....
....	....
हरियाणा	3,01,096
छत्तीसगढ़	2,51,144
झारखण्ड	2,48,012
उत्तराखण्ड	87,718
दिल्ली	1,05,391
....	....
सम्पूर्ण भारत	**1,00,11,200**

जम्मू-कश्मीर की परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के दोनों केन्द्रशासित क्षेत्रों में विभाजन हेतु उच्चस्तरीय समिति

धारा 370 की समाप्ति के साथ ही जम्मू-कश्मीर राज्य को जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख नाम के दो अलग-अलग केन्द्र शासित क्षेत्रों में विभाजित करने के लिए संसद द्वारा अगस्त 2019 में पारित कानून–जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम (Jammu and Kashmir Reorganisation Act) 2019, 31 अक्टूबर, 2019 से प्रभावी होना है. इस प्रकार जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख 31 अक्टूबर, 2019 से केन्द्रशासित क्षेत्र हो जाएंगे. जम्मू कश्मीर राज्य की परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के दोनों प्रस्तावित केन्द्र शासित क्षेत्रों में विभाजन के लिए तीन सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन सरकार ने 9 सितम्बर, 2019 को किया है. पूर्व रक्षा सचिव संजय मित्रा की अध्यक्षता वाली इस

समिति में भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी अरुण गोयल तथा भारतीय सिविल लेखा सेवाओं (ICAS) के सेवानिवृत्त अधिकारी गिर्राज प्रसाद गुप्ता को सदस्य बनाया है.

- *जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के अनुच्छेद 84 के तहत् जम्मू-कश्मीर की परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के दोनों केन्द्र शासित क्षेत्रों में विभाजन होना है. इस विभाजन हेतु वांछित समितियों के गठन का अधिकार इस अधिनियम के अनुच्छेद 85 के तहत् केन्द्र को दिया गया है.*
- *संजय मित्रा की अध्यक्षता में गठित उपर्युक्त तीन सदस्यीय समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 6 माह का समय दिया गया है.*

Vikas Bhadu

मसूद अजहर व हाफिज सईद सहित चार आतंकी संशोधित यूएपीए एक्ट के तहत् आतंकवादी घोषित

देश में पहली बार चार आतंकियों को नए पारित किए गए गैर कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम [Unlawful Activities (Prevention) Act] 2019 के तहत् वैयक्तिक तौर पर आतंकवादी सरकार ने 4 सितम्बर, 2019 को घोषित किया है. इनमें जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर, लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद, 2008 के मुम्बई हमले के प्रमुख मास्टर माइंड जाकिर उर रहमान लखवी तथा 1993 के मुम्बई विस्फोटों में शामिल रहे दाउद इब्राहिम शामिल हैं. इन्हें आतंकवादी घोषित करते हुए इनके विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस भी सरकार ने सितम्बर 2019 में जारी किया है. पहला ही अवसर है, जब वैयक्तिक तौर पर किसी को आतंकवादी भारत सरकार द्वारा घोषित किया गया है. वैयक्तिक तौर पर किसी को आतंकवादी घोषित करने के लिए कोई कानूनी व्यवस्था अभी तक भारत में नहीं थी तथा ऐसी शक्ति प्राप्त करने के लिए ही 1967 के गैर कानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (UAPA Act) में संशोधन सरकार ने अगस्त 2019 में किया था.

पुलवामा हमले की जिम्मेदारी लेने वाले जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को भारत सरकार ने भले ही अब सितम्बर 2019 में आतंकवादी घोषित किया है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने वैश्विक आतंकियों की सूची में उसका नाम 1 मई, 2019 को ही शामिल कर लिया था.

देश में निर्मित पहले स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि का जलावतरण

स्वदेश निर्मित पी-17ए श्रेणी के पहले स्टील्थ फ्रिगेट (रडार की पकड़ में आसानी से न आने वाला युद्धपोत) आईएनएस नीलगिरि का समुद्री परीक्षणों के लिए जलावतरण मुम्बई स्थित

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि. (MDL) के डॉकयार्ड में 28 सितम्बर, 2019 को किया गया. इसका जलावतरण रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की पत्नी श्रीमती सावित्री देवी ने रक्षा मंत्री व नौसेनाध्यक्ष एडमिरल करमबीर सिंह की उपस्थिति में किया. नौसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे. यह युद्धपोत एमडीएल में प्रोजेक्ट पी-17-ए के तहत् बनाए जाने वाले सात स्टील्थ फ्रिगेट्स में से पहला है.

इसकी लांचिंग के अवसर पर रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के समुद्री हितों के लिए किसी भी पारम्परिक व अपारम्परिक खतरों से निपटने के लिए नौसेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ इसे बेहतरीन प्लेटफार्मों, हथियारों व सेंसर्स से लैस करने के लिए ठोस प्रयास सरकार द्वारा किए जा रहे हैं. ***उन्होंने बताया कि मूल्य की दृष्टि से भारत का 70 प्रतिशत तथा मात्रा की दृष्टि से 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से हो रहा है. ऐसे में समुद्री डकैती, आतंकवाद या संघर्ष के कारण समुद्री व्यापार में मामूली व्यवधान भी देश की आर्थिक वृद्धि एवं कल्याण पर गम्भीर प्रभाव डाल सकता है.*** *हिन्द महासागर क्षेत्र को तमाम गतिविधियों का केन्द्र बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया भारतीय नौसेना को एक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता के रूप में देखती है. उन्होंने कहा कि भूराजनीतिक एवं भूसामरिक आयाम में भारत के बढ़ते कद और उसके ऊपर पड़ोसियों की बढ़ती निर्भरता के मद्देनजर भारतीय नौसेना की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विश्वसनीय सुरक्षा और शांत एवं समृद्ध समुद्री मार्ग उपलब्ध कराए. इसी परिप्रेक्ष्य में रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आईएनएस नीलगिरि और इस परियोजना के अन्य छह युद्धपोत भारतीय ध्वज को गर्व के साथ महासागरों में लहराएंगे. साथ ही वे दुनिया भर में भारत की जहाज निर्माण क्षमता प्रदर्शित करते हुए भारत के शांति एवं शक्ति के संदेश को फैलाएंगे.*

इसी परिप्रेक्ष्य में देश में जहाज निर्माण उद्योग के विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जहाज निर्माण उद्योग में काफी श्रमबल की जरूरत होती है और इसमें न केवल इसी क्षेत्र में बल्कि विभिन्न उपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम उद्योगों के लिए रोजगार सृजन की अपार क्षमता मौजूदा रहती है. एक जीवंत जहाज निर्माण उद्योग देश के समग्र आर्थिक विकास में प्रमुख भूमिका निभा सकता है. उन्होंने बताया कि एक युद्धपोत के निर्माण से 8 वर्ष की अवधि के लिए 4,800 कर्मियों को प्रत्यक्ष और लगभग 27,000 कर्मियों को अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलता है. इसके साथ-साथ कुल युद्धपोत लागत की लगभग 87 प्रतिशत राशि भारतीय अर्थव्यवस्था में ही निवेश की जाती है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है.

स्वदेश निर्मित गश्ती पोत आईसीजीएस 'वराह' तटरक्षक बल में शामिल

भारतीय तटरक्षक बल (Coast Guard) की पेट्रोलिंग शक्ति में वृद्धि सितम्बर 2019 में उस समय हुई, जब स्वदेश निर्मित अत्याधुनिक गश्ती पोत (Patrol Vessel) आईसीजीएस वराह

(ICGS Varah) को औपचारिक रूप से इसके बेड़े में शामिल किया गया. रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 25 सितम्बर, 2019 को चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट में एक समारोह में स्मृति पट्टिका का अनावरण कर इस पोत को तटरक्षक बल में शामिल किया. लार्सन एण्ड टुब्रो (L & T) द्वारा निर्मित अपतटीय गश्ती पोत आईसीजीएस वराह उन सात पोतों में से चौथा पोत है, जिनका निर्माण एल एण्ड टी द्वारा किया जाना है. आईसीजीएस वराह का निर्माण एल एण्ड टी द्वारा उत्तरी चेन्नई में कटुपल्ली शिपबिल्डिंग यार्ड में किया गया है. अत्याधुनिक मशीनरी, नौवहन व संचार सेंसर्स से लैस यह पोत पश्चिमी तट पर न्यू मंगलोर बंदरगाह से कन्याकुमारी के बीच विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone) में गश्त करता हुआ तटरक्षक बल के बेड़े की निगरानी व गश्ती क्षमता में वृद्धि करेगा. इसी सन्दर्भ में प्रधानमंत्री के क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (Service And Growth for All in the Region–SAGAR) विजन का उल्लेख भी रक्षा मंत्री ने किया.

चन्द्रयान-2 का विक्रम लैंडर चन्द्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर सका : चन्द्रयान-2 मिशन को धक्का

Vikas Bhadu

भारत के महत्वाकांक्षी चन्द्रयान-2 मिशन को बड़ा धक्का उस समय लगा जब 7 सितम्बर, 2019 को चन्द्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग से चंद मिनट पूर्व उसके लैंडर विक्रम से 'इसरो' का सम्पर्क टूट गया जिससे अपने लक्षित मार्ग से भटक कर इसकी हार्ड लैंडिंग ही चन्द्रमा की सतह पर हो सकी, जिससे आगे की इसकी सभी गतिविधियों पर ब्रेक लग गया. विक्रम को 6-7 सितम्बर की मध्य रात्रि में चन्द्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करनी थी तथा इसके लिए 2 सितम्बर को चन्द्रमा की कक्षा में ही यह ऑर्बिटर से अलग हो गया था तथा चन्द्रमा की सतह पर उतरने के लिए धीरे-धीरे उसकी ओर यह बढ़ रहा था, किन्तु इसरो के साथ इसका सम्पर्क उस समय टूट गया जब यह चन्द्रमा की सतह से केवल 2·1 किमी की दूरी पर था. इसरो के लिए ही नहीं पूरे देश के लिए यह घडी अत्यंत निराशा की थी. पूरे देश की निगाहें विक्रम लैंडर के चन्द्रमा की सतह पर लैंडिंग की ओर लगी हुई थीं. इस दृश्य के अवलोकन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वयं 6 सितम्बर की रात्रि इसरो मुख्यालय में पहुँच गए थे. विक्रम के साथ इसरो का सम्पर्क टूटने के बाद भी श्री मोदी निराश नहीं हुए तथा 'इसरो' के वैज्ञानिकों को ढांढस उन्होंने बंधाया. 7 सितम्बर को प्रातः पुनः इसरो मुख्यालय पहुँच कर वैज्ञानिकों को सांत्वना देते हुए आने वाले कल के और अधिक चमकदार होने की आशा उन्होंने व्यक्त की.

इसरो प्रमुख के. सिवन को ढांढस बंधाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी.

सम्पर्क टूटने के बावजूद चन्द्रमा की सतह पर पड़े हुए विक्रम लैंडर को खोज निकालने में सफलता अगले ही दिन इसरो ने प्राप्त कर ली थी. इसका 'रोवर' प्रज्ञान भी इसके भीतर ही था. **सॉफ्ट लैंडिंग के लगभग 5 घण्टे पश्चात् प्रज्ञान को विक्रम से बाहर निकलकर एक चन्द्र दिन (पृथ्वी के 14 दिन के बराबर) तक चन्द्रमा की सतह पर विभिन्न प्रकार के शोध कार्यों को अंजाम देना था.** इन 14 दिनों के भीतर यदि विक्रम के साथ इसरो का सम्पर्क

चन्द्रयान-2 के विक्रम लैंडर की स्थिति के सम्बन्ध में अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' (NASA—National Aeronautics and Space Administration) ने भी यह दावा किया है कि चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर इसकी लैंडिंग 'हार्ड लैंडिंग' ही थी. इसके लैंडिंग के क्षेत्र के दो चित्र 'नासा' ने 27 सितम्बर, 2019 को जारी किए हैं. 'नासा' के उच्च क्वालिटी के निगरानी कैमरे लूनर रिकोनाइसेंस ऑर्बिटर (LRO) द्वारा लिए गए इन चित्रों में उस क्षेत्र को दिखाया गया है, जहाँ सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास विक्रम द्वारा किया गया था. एलआरओ कैमरे की टीम लैंडर का या उसके लैंडिंग पॉइंट का चित्र नहीं प्राप्त कर सकी है. इस दिशा में प्रयास अभी जारी हैं.

मध्य प्रदेश में टाइम बैंक की योजना

देश में पहली बार 'टाइम बैंक' की स्थापना की मध्य प्रदेश के हैप्पिनेस विभाग की योजना है. विभिन्न प्रकार के कौशल प्राप्त स्वयं सेवक इसमें अपने नाम दर्ज करा सकेंगे तथा कोई अन्य कौशल प्राप्त करने के लिए अपना कौशल किसी को प्रदान कर सकेंगे.

टाइम बैंक के तहत्, यदि कोई व्यक्ति अपना कौशल—यथा बागवानी, संगीत या कुकिंग आदि किसी को सिखाने के लिए एक घण्टा प्रदान करता है, तो यह एक घण्टा उसके खाते में जमा कर दिया जाएगा. किसी अन्य व्यक्ति से कोई अन्य कौशल सीखने के लिए अपने जमा समय का इस्तेमाल उसके द्वारा किया जा सकेगा. इस प्रकार टाइम बैंक में अपना समय जमा करके किसी अन्य समय पर इसका इस्तेमाल कोई काम सीखने के लिए कर सकता है. टाइम बैंक के जरिए 'टाइम' का आदान-प्रदान व्यक्ति-से-व्यक्ति, व्यक्ति से एजेंसी तथा एजेंसी-से-एजेंसी के बीच किया जा सकता है.

इस प्रकार के टाइम बैंक की अवधारणा सर्वप्रथम 1827 में सिनसिनाटी टाइम स्टोर के रूप में सामने आई थी तथा पहले टाइम बैंक की स्थापना जापान में 1973 में की गई थी तथा वर्तमान में 32 देशों में 500 से अधिक ऐसे समुदाय नेटवर्क विद्यमान हैं.

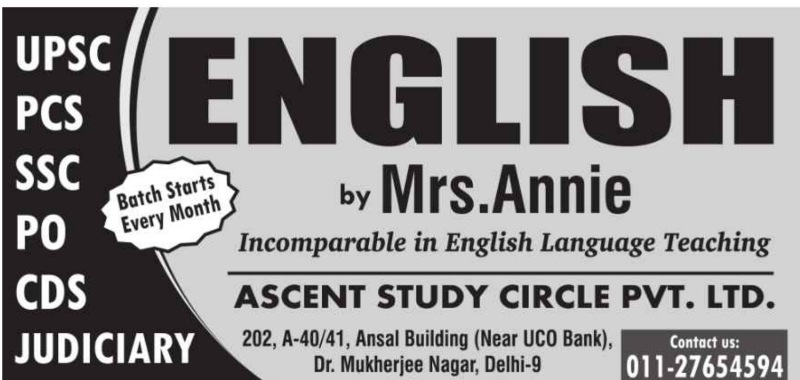

कायम हो जाता, तो इस दिशा में कुछ और सफलता हासिल की जा सकती थी, किन्तु यह सम्पर्क साधने में सफलता इसरो को नहीं मिल सकी. इस विफलता के बावजूद चन्द्रयान-2 मिशन के उद्देश्यों को काफी सीमा तक प्राप्त कर लिया गया, इसरो के वैज्ञानिकों ने बताया है. इसका तीसरा महत्वपूर्ण भाग ऑर्बिटर अभी भी सफलतापूर्वक चन्द्रमा की कक्षा में रहते हुए इसके चक्कर लगा रहा है. ऑर्बिटर का जीवनकाल मूलतः एक वर्ष निर्धारित था, किन्तु इसके अब सात वर्षों तक कार्यशील रहने की सम्भावना इसरो के वैज्ञानिकों ने व्यक्त की है.

Vikas Bhadu

हरियाणा व महाराष्ट्र में विधान सभा चुनाव अक्टूबर 2019 में

हरियाणा व महाराष्ट्र में मौजूदा विधान सभाओं के कार्यकाल क्रमशः 2 व 7 नवम्बर, 2019 को समाप्त होने हैं. इन राज्यों में नई विधान सभाओं के गठन हेतु मतदान 21 अक्टूबर, 2019 को होगा तथा मतगणना 24 अक्टूबर को होगी. इन राज्यों में नए चुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चुनाव आयोग ने 21 सितम्बर, 2019 को की है. घोषित कार्यक्रम के तहत् दोनों ही राज्यों में चुनाव हेतु औपचारिक अधिसूचना 27 सितम्बर, 2019 को जारी की गई.

- ***दोनों ही राज्यों में नामांकन की अन्तिम तिथि 4 अक्टूबर थी तथा मतदान एक ही चरण में 21 अक्टूबर को कराया जाएगा. दोनों राज्यों में मतगणना 24 अक्टूबर को सम्पन्न होगी.***

  दोनों ही राज्यों में प्रत्याशियों के लिए चुनावी खर्च की अधिकतम सीमा ₹ 28-28 लाख है.

- *हरियाणा में विधान सभा सीटों की कुल संख्या 90 है, जिसमें 17 सीटें अनुसूचित जाति हेतु आरक्षित हैं. 21 अक्टूबर के मतदान हेतु पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 1,82,98,714 है तथा कुल 19,425 मतदान केन्द्रों की स्थापना राज्य में की जाएगी. इससे पूर्व 2014 के पिछले चुनाव में राज्य में मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 16,244 थी.*

- *महाराष्ट्र में विधान सभा की कुल 288 सीटों में 29 अनुसूचित जाति हेतु व 25 अनुसूचित जनजाति हेतु आरक्षित हैं. 21 अक्टूबर के मतदान हेतु राज्य में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 8,95,62,706 है तथा इनके लिए 95,473 मतदान केन्द्रों की स्थापना की जाएगी. पिछले 2014 के चुनाव में राज्य में मतदान केन्द्रों की संख्या 90,403 थी.*

हरियाणा व महाराष्ट्र विधान सभाओं के चुनावों के साथ ही बिहार से लोक सभा की एक तथा विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं की 64 रिक्त सीटों के लिए उप-चुनाव भी 21 अक्टूबर को ही सम्पन्न होगा.

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के आकलन हेतु नीति आयोग का नया स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स

राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए नीति आयोग ने अपना पहला स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स (SEQI) 30 सितम्बर, 2019 को जारी किया. 30 विभिन्न मानकों के आधार पर 2016-17 के लिए तैयार किए गए इस सूचकांक से राज्यों में स्कूली शिक्षा की स्थिति के आकलन के साथ-साथ सम्बन्धित राज्य सरकारों की शिक्षा नीतियों का मूल्यांकन भी किया जा सकता है. ***तुलना को व्यावहारिक रूप देने के लिए राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों को 3 श्रेणियों–बड़े राज्य, छोटे राज्य व केन्द्रशासित क्षेत्र में विभाजित किया गया है. 20 राज्यों को बड़े राज्यों की श्रेणी में व 8 को छोटे राज्यों की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है. केन्द्रशासित क्षेत्र में सभी 7 नीति आयोग के इस इंडेक्स के आकलन हेतु अध्ययन में शामिल रहे हैं. प. बंगाल इस अध्ययन में शामिल नहीं है.***

- *स्कूली शिक्षा राज्यों का विषय होने के कारण राज्य सरकारों की अनुमति से ही किसी राज्य को इस अध्ययन में शामिल किया जा सकता था, ताकि राज्यों से सम्बन्धित आँकड़े जुटाए जा सकें.*
- *30 सितम्बर, 2019 को जारी पहले SEQIs के अनुसार 20 बड़े राज्यों में शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में पहला स्थान केरल का है, जिसे 76·63 स्कोर इस इंडेक्स में प्राप्त हुआ है. 72·86 स्कोर के साथ दूसरा स्थान राजस्थान का तथा 69·65 स्कोर के साथ तीसरा स्थान कर्नाटक का इस मामले में रहा है.*
- *बड़े राज्यों में सबसे पिछड़ी स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जिसका स्कोर सबसे कम 36·42 ही रहा है. उसके ऊपर क्रमशः जम्मू-कश्मीर (एसईक्यूआई स्कोर 41·06), पंजाब (41·14) व बिहार (42·05) हैं.*
- *8 छोटे राज्यों में 68·76 स्कोर के साथ शिक्षा की सबसे बेहतर स्थिति मणिपुर में पाई गई है, जिसके पश्चात् क्रमशः त्रिपुरा व गोवा के स्थान हैं.*
- *छोटे राज्यों में ओवरऑल परफॉर्मेंस की दृष्टि से सबसे निचला 8वाँ स्थान अरुणाचल प्रदेश का है, जिसका कुल स्कोर 24·64 आकलित किया गया है. उसके ऊपर 7वाँ व छठा स्थान क्रमशः मेघालय व सिक्किम का है.*
- *केन्द्रशासित क्षेत्रों में पहले तीन स्थान क्रमशः चंडीगढ़ (82·9), दादरा एवं नगर हवेली व दिल्ली (48·96) के हैं, जबकि सबसे निचला स्थान लक्षद्वीप का है. उससे ऊपर क्रमशः अंडमान-निकोबार तथा दमन एवं दियु है.*

ओवरऑल परफॉर्मेंस की दृष्टि से सबसे आगे व सबसे पिछड़े राज्य (2016-17)

राज्य	सबसे आगे	सबसे पिछड़े
बड़े राज्य	1. केरल	18. पंजाब
	2. राजस्थान	19. जम्मू-कश्मीर
	3. कर्नाटक	20. उत्तर प्रदेश
छोटे राज्य	1. मणिपुर	6. सिक्किम
	2. त्रिपुरा	7. मेघालय
	3. गोवा	8. अरुणाचल प्रदेश
केन्द्रशासित क्षेत्र	1. चंडीगढ़	4. दमन एवं दियु
	2. दादरा व नगर हवेली	5. अंडमान-निकोबार
	3. दिल्ली	6. लक्षद्वीप

'स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स' (SEQI) की दृष्टि से 20 बड़े राज्यों की रैंकिंग (2016-17 के आँकड़ों के आधार पर)

1. केरल, 2. राजस्थान, 3. कर्नाटक, 4. आन्ध्र प्रदेश, 5. गुजरात, 6. असम, 7. महाराष्ट्र, 8. तमिलनाडु, 9. हिमाचल प्रदेश, 10. उत्तराखण्ड, 11. हरियाणा, 12. ओडिशा, 13. छत्तीसगढ़, 14. तेलंगाना, 15. मध्य प्रदेश, 16. झारखण्ड, 17. बिहार, 18. पंजाब, 19. जम्मू-कश्मीर, 20. उत्तर प्रदेश.

●●●

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

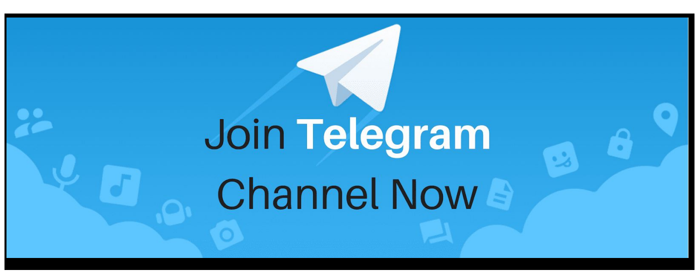

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

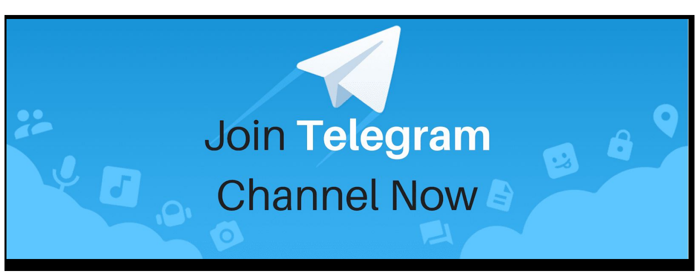

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

Vikas Bhadu

- जॉन बोल्टन के स्थान पर रॉबर्ट ओ'ब्रियन अब अमरीका में नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार
- ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स की दृष्टि से विएना रहने के लिए सबसे उपयुक्त शहर : दिल्ली व मुम्बई के क्रमशः 118 व 119वें स्थान
- मरुस्थलीकरण से निपटने को यूएन कन्वेंशन के पक्षों का 14वाँ सम्मेलन (CoP–14)
- मंगोलिया के राष्ट्रपति खाल्तमागिन बटुल्गा की भारत यात्रा
- राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की आइसलैण्ड, स्विटजरलैण्ड व स्लोवेनिया की यात्रा
- प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की रूस यात्रा
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमरीका यात्रा
- हाउडी मोदी : अमरीका में श्री नरेन्द्र मोदी का विशाल एवं प्रभावी कार्यक्रम

जॉन बोल्टन के स्थान पर रॉबर्ट ओ'ब्रियन अब अमरीका में नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

अमरीकी विदेशी विभाग में बंधक मामलों (Hostage affairs) में प्रमुख वार्ताकार रहे रॉबर्ट ओ'ब्रियन (Robert O'Brien) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नया राष्ट्रीय रक्षा सलाहकार (National Security Advisor–NSA) सितम्बर 2019 में नियुक्त किया है. इस पद पर जॉन बोल्टन का स्थान रॉबर्ट ओ'ब्रियन ने लिया है.

रॉबर्ट ओ'ब्रियन

ईरान, अफगानिस्तान व उत्तर कोरिया आदि से जुड़े मामलों में विदेश नीति पर बुनियादी असहमति के चलते जॉन बोल्टन को इस पद से त्यागपत्र देने को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सितम्बर माह में ही कहा था. जॉन बोल्टन को एच.आर. मैकमास्टर (H.R. McMaster) के स्थान पर एक वर्ष पूर्व, अप्रैल 2018 में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था.

53 वर्षीय रॉबर्ट ओ'ब्रियन ट्रंप प्रशासन में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किए जाने वाले चौथे व्यक्ति हैं. जनवरी 2017 में राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् मिशेल टी. फ्लाइन (Michael T. Flynn) को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोनाल्ड ट्रंप ने नियुक्त किया था, किन्तु एक माह के भीतर फरवरी 2017 में ही उनके स्थान पर एच. आर. मैकमास्टर (H. R. McMaster) की नियुक्ति इस पद पर की गई थी. मैकमास्टर अप्रैल 2018 तक इस पद पर रहे तथा अप्रैल 2018 में उन्हें हटाकर जॉन आर. बोल्टन को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया था. बोल्टन के स्थान पर रॉबर्ट ओ'ब्रियन की नियुक्ति अब सितम्बर 2019 में इस पद पर की गई है.

ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स की दृष्टि से विएना रहने के लिए सबसे उपयुक्त शहर : दिल्ली व मुम्बई के क्रमशः 118 व 119वें स्थान

विश्व में रहने के योग्य अच्छे शहरों की रैंकिंग-ग्लोबल, लिवेबिलिटी इंडेक्स के आधार पर ब्रिटेन के 'इकोनॉमिस्ट' ग्रुप के इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट (EIU) द्वारा प्रति वर्ष निर्धारित की जाती है. ईआईयू की वर्ष 2019 की ऐसी रैंकिंग सितम्बर 2019 में जारी की गई, जिसमें प्रमुख 140 शहरों के लिए ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स आकलित किए गए हैं. इनमें भारत के दो ही शहर दिल्ली व मुम्बई क्रमशः 118वें व 119वें स्थान पर हैं. दोनों ही शहरों की रैंकिंग पिछले वर्ष की तुलना में गिरी है. रिपोर्ट के अनुसार अपराधों एवं वायु प्रदूषण में वृद्धि के चलते दिल्ली की रैंक 112 से गिर कर 118वें स्थान पर जहाँ आई है वहीं मुम्बई की रैंक में भी 2 अंकों की गिरावट आई है. मुम्बई की रैंक में गिरावट के लिए संस्कृति एवं पर्यावरण के क्षेत्र में गिरावट को जिम्मेदार रिपोर्ट में बताया गया है. पूर्व वर्ष 2018 में भी ग्लोबल लिवेबिलिटी रिपोर्ट में भारत के दिल्ली व मुम्बई ही शामिल थे तथा 140 शहरों में इनकी रैंकिंग क्रमशः 112 व 117 थी.

ईआईयू के ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स का आकलन पाँच प्रमुख मानदण्डों के आधार पर किया जाता है. स्थिरता (Stability), संस्कृति एवं पर्यावरण (Culture and Environment) हैल्थकेयर (Health Care), शिक्षा (Education) एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर (Infrastructure) इनमें शामिल हैं.

ईआईयू की वर्ष 2019 की रैंकिंग में इंडेक्स के सर्वोच्च 99·1 मान के साथ शीर्ष स्थान आस्ट्रियाई शहर विएना का है, जबकि मेलबर्न व सिडनी क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं. पिछले वर्ष 2018 की ईआईयू रैंकिंग में भी शीर्ष दो स्थान क्रमशः विएना व मेलबर्न के ही थे. उससे पूर्व 2011 से 2017 तक लगातार आठ वर्ष तक मेलबर्न इस मामले में शीर्ष पर रहा था.

- *सीरिया की राजधानी दमिश्क (Damascus) 140 शहरों की वर्ष 2019 की इस सूची*

ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स (2019) की दृष्टि से रहने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शहर

लिवेबिलिटी रैंक	शहर
1	वियना (आस्ट्रिया)
2	मेलबर्न (आस्ट्रेलिया)
3	सिडनी (आस्ट्रेलिया)
4	ओसाका (जापान)
5	कैलगरी (कनाडा)
6	वैंकुवर (कनाडा)
7	टोकियो (जापान)
8	टोरंटो (कनाडा)
9	कोपेन हेगन (डेनमार्क)
10	एडीलेड (आस्ट्रेलिया)

में सबसे निचले 140वें स्थान पर है. पूर्व वर्ष 2018 में भी दमिश्क का 140वाँ अन्तिम स्थान ही इस सूची में था. बांग्लादेश की राजधानी ढाका वर्ष 2019 की सूची में सबसे निचले दस शहरों में नीचे से तीसरे 138वें तथा कराची (पाकिस्तान) नीचे से पाँचवें 136वें स्थान पर है.

- *ईआईयू की वर्ष 2019 की इस रैंकिंग के अनुसार रहने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त 10 शहरों में आस्ट्रेलिया व कनाडा के तीन-तीन शहर शामिल हैं, जबकि 2 शहर जापान के तथा एक-एक शहर आस्ट्रिया व डेनमार्क का है.*

Vikas Bhadu

मरुस्थलीकरण से निपटने को यूएन कन्वेंशन के पक्षों का 14वाँ सम्मेलन (CoP-14)

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र समझौते (United Nations Convention to Combat Desertification—UNCCD) में शामिल देशों का 14वाँ सम्मेलन (Conference of parties-CoP-14) ग्रेटर नोएडा में 2-13 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. नई दिल्ली के लिए निर्धारित इस सम्मेलन की बैठकें ग्रेटर नोएडा में आयोजित की गईं. इसका उद्घाटन केन्द्रीय पर्यावरण मन्त्री श्री प्रकाश जावडेकर ने 2 सितम्बर को किया. 196 देशों के 7000 से अधिक प्रतिनिधियों, जिनमें लगभग 100 देशों के मन्त्री भी शामिल थे, ने इस सम्मेलन में भाग लिया तथा मरुस्थलीकरण की रोकथाम एवं मृदा की उत्पादकता बनाए रखने, जलवायु परिवर्तन एवं सूखे जैसी समस्याओं से निपटने के लिए उपायों एवं पहलों पर परिचर्चा इस सम्मेलन में की गई. **यह पहला ही अवसर था जब 1994 में स्थापित UNCCD के सम्मेलन का आयोजन भारत में हुआ.** इसी के साथ अगले दो वर्षों के लिए कॉप की अध्यक्षता अब भारत के पास आ गई है.

कॉप-14 को सम्बोधित करते हुए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी.

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस सम्मेलन को 9 सितम्बर को सम्बोधित किया अपने इस सम्बोधन में श्री मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव पूरा विश्व महसूस कर रहा है. इस समस्या से निपटने के लिए विश्व भर के नेताओं के योगदान के लिए आह्वान उन्होंने किया. इस दिशा में भारत द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने बताया कि पिछले 200 वर्षों में पर्यावरण को, जो नुकसान हमने पहुँचाया है, उसकी क्षतिपूर्ति हमें करनी है. इसी सन्दर्भ में देश में अलग से जलशक्ति मन्त्रालय के गठन, बायो-फर्टिलाइजर्स के इस्तेमाल को बढ़ावा, माइक्रो इरीगेशन परियोजनाओं को बढ़ावा दिए जाने तथा 2015–2017 के दौरान देश में वन क्षेत्र में 8 लाख हेक्टेयर की वृद्धि होने आदि का उल्लेख उन्होंने किया.

CoP-14 में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन के मुख्य बिन्दु

मृदा की रक्षा हेतु कृषि के तौर-तरीकों में परिवर्तन

कृषि के तौर-तरीकों में परिवर्तन भारत द्वारा किया जा रहा है, जिनके तहत् बायो-फर्टिलाइजर्स व माइक्रो-इरिगेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रसायनिक कीटनाशकों के इस्तेमाल को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं.

2 वर्षों में देश में वन क्षेत्र में 8 लाख हेक्टेयर की वृद्धि

प्रधानमन्त्री श्री मोदी ने अपने सम्बोधन में बताया कि 2015 से 2017 के दौरान देश में वन क्षेत्र में 8 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है.

जलशक्ति मन्त्रालय का गठन

जल के बेहतर एवं नियोजित इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए अलग से जलशक्ति मन्त्रालय का गठन भारत में मई 2019 में किया गया है.

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक का इरादा

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भारत में सिंगल यूज़ प्लास्टिक व इस्तेमाल अगले कुछ वर्षों में बन्द करने की घोषणा श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में की.

10 दिन तक चले विचार-विमर्श के उपरान्त 13 सितम्बर को सम्मेलन में स्वीकार किए गए **दिल्ली घोषणा-पत्र** में पर्यावरणीय सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन (Climate Change) वनों की शांति (Peace forest Inititative) तथा भारत में क्षरण का शिकार हुई 50 लाख हेक्टेयर भूमि के प्रोन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है, ताकि कन्वेंशन के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके. भूक्षरण की भरपाई को 2030 तक प्राप्त करने के सतत् विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goal–SDG) को राष्ट्रीय लक्ष्य बनाने के प्रति प्रतिबद्धता इसमें व्यक्त की गई है. **सैंड एण्ड डस्ट स्टॉर्क्स** (SDS), जो CoP के 77 प्रतिशत देशों को प्रभावित करते हैं, के विरुद्ध नियन्त्रण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय गठबन्धन बनाने की बात इसमें कही गई है.

- *इस सम्मेलन का थीम **Restore Land, Sustain Future** था.*
- *इस सम्मेलन के आयोजन के साथ ही UNNCCD के CoP की अध्यक्षता 2021 तक के लिए अब भारत के पास आई है.*
- *UNCCD (United Nations Convention to Combat Desertification) के सम्बन्धित पक्षों (Conference of Parties–CoP) की बैठक 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होती है तथा ऐसी पिछले CoP-13 बैठक चीन में ओर्डोस (Ordos) में सितम्बर 2017 में सम्पन्न हुई थी. जिसके पश्चात् इसकी अध्यक्षता चीन के पास आ गई थी, जो अब CoP-14 के साथ ही भारत के पास आई है.*

मंगोलिया के राष्ट्रपति खाल्तमागिन बटुल्गा की भारत यात्रा

अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल के साथ मंगोलिया के राष्ट्रपति खाल्तमागिन बटुल्गा (Khaltmaagiin Battulga) ने 19–23 सितम्बर, 2019 को भारत की यात्रा की. एक दशक के अन्तराल के पश्चात् मंगोलिया के किसी राष्ट्रपति की भारत की यह यात्रा थी. भारत की ओर से प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मई 2015 में मंगोलिया की आधिकारिक यात्रा की थी जब दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी स्थापित हुई थी.

पाँच दिन की इस यात्रा के लिए श्री बटुल्गा 19 सितम्बर को नई दिल्ली पहुँचे जहाँ पालम हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी राज्यमन्त्री किरेन रिजिजू ने की. बाद में राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत अगले दिन, 20 सितम्बर को प्रातः गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया, जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की.

नई दिल्ली में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंगोलिया के राष्ट्रपति बटुल्गा.

बाद में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता से पूर्व विदेश राज्य मन्त्री वी. मुरलीधरन ने इनसे भेंट की. श्री

मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में सम्पन्न वार्ता में द्विपक्षीय सम्बन्धों की समीक्षा की गई तथा 2015 में श्री मोदी की यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित समझौता के कार्यान्वयन पर संतोष दोनों पक्षों ने व्यक्त किया. दोनों देशों के बीच होने वाले संयुक्त सैन्याभ्यासों भारत में होने वाले Nomadic Elephant तथा मंगोलिया में होने वाले Khaan Quest के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए रक्षा सम्बन्धों के विस्तार में रुचि दोनों पक्षों ने व्यक्त की. भारत की मदद से मंगोलिया में स्थापित की जा रही मंगोल रिफायनरी परियोजना के लिए 236 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त लाइन और क्रेडिट के लिए सहमति भारत की ओर से दी गई. इससे इस परियोजना के लिए भारत द्वारा उपलब्ध कराई गई कुल लाइन ऑफ क्रेडिट 1236 मिलियन डॉलर की हो गई. भारत की मदद से मंगोलिया में स्थापित किए जा रहे **अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी** के मामले में तेजी लाने पर सहमति दोनों पक्षों में बनी. मंगोलिया में विभिन्न बौद्ध केन्द्रों पर सुरक्षित प्राचीन बुद्ध हस्तलिपियों के डिजिटाइजेशन की भारत की पेशकश का मंगोलिया द्वारा स्वागत किया गया. एक-दूसरे देश ने पर्यटकों की अल्पकालिक यात्राओं के लिए ई-वीज़ा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सहमति दोनों पक्षों में बनी. **भारत व मंगोलिया के राजनयिक सम्बन्धों के 65 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अगले वर्ष 2020 में मंगोलिया में भारत महोत्सव (Festival of India) के आयोजन की घोषणा भारत की ओर से की गई.** भारत के नेतृत्व वाले अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन (ISA) में शामिल होने के लिए सहमति भी मंगोलिया ने व्यक्त की.

मेहमान राष्ट्रपति के साथ मिलकर प्रधानमन्त्री श्री मोदी ने उलानबटर (Ulaanbaatar) स्थित गंडन टेगचेनलिंग मठ (Gandan Tegchenling Monastery) में स्थापित भगवान बुद्ध की एक प्रतिमा का अनावरण रिमोट के जरिए किया. इस प्रतिमा की स्थापना भारत द्वारा की गई है. मई 2015 की अपनी मंगोलिया यात्रा के दौरान इस मठ में पूजा अर्चना के पश्चात् भगवान बुद्ध की प्रतिमा उपहारस्वरूप प्रदान करने की घोषणा प्रधानमन्त्री श्री मोदी ने की थी.

गंडन मठ (उलानबटर) में भारत द्वारा स्थापित भगवान बुद्ध की प्रतिमा का रिमोट द्वारा मिलकर अनावरण करते हुए प्रधानमन्त्री श्री मोदी व मंगोलिया के राष्ट्रपति बटुल्गा.

वार्ता के पश्चात् जारी समझा बयान में सभी तरह के आतंकवाद की निंदा करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद व्यापक कन्वैंशन (Comprehensive Convention on International Terrorism) के शीघ्र पारित कराए जाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है. संयुक्त राष्ट्र की विस्तृत सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए मंगोलिया के समर्थन को इसमें जहाँ दोहराया गया है वहीं 2021-22 के लिए भारत की तथा 2023-24 के लिए मंगोलिया की अस्थायी सदस्यता के लिए एक-दूसरे के लिए समर्थन भी साझा बयान में व्यक्त किया गया है.

20 सितम्बर को ही उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने भी हैदराबाद हाउस में ही मेहमान राष्ट्रपति के साथ भेंट की. उसी शाम उनके सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित रात्रिभोज के अवसर पर राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने भारत व मंगोलिया को सामरिक साझीदार (Strategic Partner) ही नहीं, बल्कि साझा बौद्ध विरासत से जुड़े

Vikas Bhadu

ऑक्सफ़ोर्ड
यूनिवर्सिटी प्रेस

OXFORD
UNIVERSITY PRESS

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित विश्व-स्तरीय पुस्तकें

भारत का प्राचीन इतिहास
राम शरण शर्मा
9780199489305 | 2018 | 406 pp | ₹ 295
यह पुस्तक भारत के प्राचीन इतिहास का विस्तृत और सिलेसिलेवार ब्यौरा प्रस्तुत करती है। धर्म और संप्रदायों की निर्मिति, साम्राज्यों के उत्थान और पतन को रेखांकित करती है। नवपाषाण युग, ताम्रयुग और वैदिक काल के साथ-साथ हड़प्पा सभ्यता की विशेषताओं पर चर्चा करती है। प्राचीन भारत से मध्ययुगीन भारत तक की पूरी प्रक्रिया और कालक्रम को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण किताब है।

खंडित आख्यान
भारतीय जनतंत्र में अदृश्य लोग
बद्री नारायण
9780199487295 | 2018 | 168pp | ₹ 295
खंडित आख्यान भेदभाव, उत्पीड़न और वंचना के अनुभव पर आधारित उन समुदायों की कहानी है जो लोकतंत्र में अदृश्य रह गए। यह किताब उनकी अदृश्य हुई आवाज़ों की तलाश है। दलित राजनीति के उभार के बावजूद दलित समुदायों के भीतर, एक और वंचित समुदाय है जिनके वृतांत को यह किताब प्रस्तुत करती है। यह दलित समाज के राजनैतिक उभार और उनके जीवन की स्थितियों को उन्हीं की आवाज़ में बताती है।

भारत की विदेश नीति
पुनरावलोकन एवं संभावनाएं
सुमित गांगुली
9780199485185 | 2018 | 436pp | ₹ 395
यह पुस्तक 1947 से 2010 तक भारत की विदेश नीति पर एक व्यापक ब्यौरा प्रस्तुत करती है। पुस्तक दुनिया के प्रमुख देशों और पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों की पड़ताल करती है। पुस्तक के अध्यायों में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक घटनाओं के विश्लेषण किए गए हैं। यह पुस्तक अलग-अलग मुल्कों के घटनाक्रमों को भी प्रस्तुत करती है। दुनिया के प्रमुख मुल्कों के साथ भारत के संबंधों के इतिहास को जानने और भारतीय विदेश नीति को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है।

भारत का संविधान
भारत का पारिस्थितिक इतिहास
माधव खोसला
9780199485192 | 2018 | 172pp | ₹ 225
यह पुस्तक संविधान को सार-संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए संविधान की बनावट और उसकी भूमिका की विवेचना करती है और संविधान के महत्वपूर्ण आयामों को सरल ढंग से आम पाठकों के समक्ष रखती है। उदाहरणों के ज़रिए यह संविधान के सैद्धांतिक व व्यवहारिक पक्षों को प्रस्तुत करती है।

फेसबुक: /OUPAcademicIndia; इंस्टाग्राम: @oupacademicindia

प्रमुख विक्रेता : **लखनऊ** | यूनिवर्सल बुक डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी • यूनिवर्सल बुक सेलर्स • यू बी एस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स • जैको पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स **बनारस** | हारमनी **इलाहाबाद** | ए एच व्हीलर • ज्ञान भारती • यूनिवर्सल बुक कम्पनी • विश्वविद्यालय प्रकाशन **दिल्ली** | जैन बुक एजेंसी • जैन बुक डिपो • बाहरी संस • मिडलैंड अपूर्व बुक शॉप • सिलेबस बुक सर्विसेज • अवाहर बुक डिपो • एशियन बुक शॉप • फुलसर्कल एंड • पीकॉक पब्लिशिंग हाउस • जिलेडार बुक शॉप • हरी ओम बुक शॉप • के. एल. मलिक • लवडेल • मित्तल बुक डिस्ट्रीब्यूटर • यू डी एच पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर **देहरादून** | बुक वर्ल्ड • इंग्लिश बुक डिपो **नैनीताल** | आर नारायण
ई-रिटेलर | एमज़ॉन, फ़्लिपकार्ट और इन्फीबीम

अध्यात्मिक पड़ोसी भी बताया. अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन में शामिल होने के मंगोलिया के फैसले की सराहना भी राष्ट्रपति श्री कोविंद ने की. **राष्ट्रपति भवन में ही द्विपक्षीय सहयोग के चार विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर दोनों राष्ट्रपतियों की उपस्थिति में किए गए. सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आपदा प्रबन्धन, अन्तरिक्ष विज्ञान तथा मत्स्यिकी, पशुपालन व डेयरिंग के क्षेत्रों में सहयोग समझौते इनमें शामिल थे.**

Vikas Bhadu

20 सितम्बर के इन राजकीय कार्यक्रमों के पश्चात् 21–23 सितम्बर को आगरा में ताजमहल के अवलोकन, बोधगया में बौद्धमठ में पूजा अर्चना व बेंगलूरू में इसरो मुख्यालय के अवलोकन के मेहमान राष्ट्रपति के कार्य-क्रम थे. 23 सितम्बर को बेंगलूरू से वापसी के पश्चात् उसी शाम उनकी स्वदेश वापसी हुई.

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की आइसलैण्ड, स्विट्जरलैण्ड व स्लोवेनिया की यात्रा

द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने यूरोप के तीन देशों-आइसलैण्ड, स्विट्जरलैण्ड व स्लोवेनिया की सपत्नीक यात्रा 9–17 सितम्बर, 2019 को की. महिला एवं बाल विकास राज्य मन्त्री श्रीमती देबश्री चौधरी तथा लोक सभा के दो सदस्य डॉ. रामपति राम त्रिपाठी व श्री बसंत कुमार पांडा के अतिरिक्त उच्चस्तरीय वाणिज्यिक प्रतिनिधि इस यात्रा पर उनके साथ गए शिष्टमण्डल में शामिल थे.

आइसलैण्ड

तीन देशों की 9 दिन की इस यात्रा के पहले चरण में 9 सितम्बर को राष्ट्रपति कोविंद आइसलैण्ड की राजधानी रिकजेविक (Reykjavik) पहुँचे, जहाँ मेजबान राष्ट्रपति गुडनी जोहानेसन (Gudni Johannesson) व प्रधानमन्त्री कात्रिन जाकोब्सडोटिर (Katrin Jakobsdottir) के साथ वार्ता के अतिरिक्त आइसलैण्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान का उनका कार्यक्रम था. इसके अतिरिक्त वहाँ रह रहे भारतीय मूल के जन समूह एवं उद्यमियों की बैठक को भी उन्होंने सम्बोधित किया.

- *श्री कोविंद की इस यात्रा से पूर्व 2005 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने आइसलैण्ड की यात्रा की थी.*
- *रिकजेविक में मेजबान राष्ट्रपति व प्रधान-मन्त्री के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं में भूतापीय (geothermal), ऊर्जा, मत्स्यिकी, पर्यटन एवं सांस्कृतिक सहयोग में रुचि दोनों पक्षों ने व्यक्त की. आर्कटिक मामलों में सहयोग पर विशेष चर्चा वार्ता में की गई. आइसलैण्ड आर्कटिक परिषद् (Arctic Council) का अध्यक्ष वर्तमान में है, जबकि भारत को पर्यवेक्षक का दर्जा इसमें प्राप्त है. जलवायु परिवर्तन, समुद्री कचरे व पर्यावरण सम्बन्धी अन्य मुद्दों पर आपस में सहयोग के लिए सहमति दोनों पक्षों में रही. आइसलैण्ड को अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन (ISA) की सदस्यता के लिए श्री कोविंद ने आमंत्रित किया. 75 देश अब तक भारत के नेतृत्व वाले इस गठबन्धन के सदस्य बन चुके हैं.*
- *आतंकवाद को समस्त मानवता के लिए खतरा स्वीकार करते हुए इसके विरुद्ध कड़े उपायों का समर्थन आइसलैण्ड ने किया. संयुक्त राष्ट्र संघ की विस्तृत सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए आइसलैण्ड के समर्थन को मेजबान राष्ट्रपति ने दोहराया.*
- *आइसलैण्ड विश्वविद्यालय में हिन्दी पीठ की स्थापना हेतु समस्त तैयारियों की समीक्षा वार्ता में की गई. भारत की मदद से यह पीठ शीघ्र ही वहाँ संचालित होगी. पारस्परिक सहयोग के जिन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए उनमें मत्स्यिकी एवं सांस्कृतिक सहयोग के अतिरिक्त राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट के समझौते शामिल हैं.*

स्विट्जरलैण्ड

तीन दिन के आइसलैण्ड प्रवास के पश्चात् राष्ट्रपति कोविंद 11 सितम्बर को स्विट्जरलैण्ड की राजधानी बर्न (Berne) पहुँचे जहाँ मेजबान राष्ट्रपति उएली मॉरेर (Ueli Maurer) तथा वहाँ की कैबिनेट के वरिष्ठ सदस्यों के साथ वार्ताओं के अतिरिक्त बर्न विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान, वहाँ रह रहे भारतीय मूल के समुदाय तथा इंडिया स्विस बिजनेस फोरम को सम्बोधन के उनके मुख्य कार्यक्रम थे.

- *मेजबान राष्ट्रपति मॉरेर ने अपनी कैबिनेट के सदस्यों के साथ बर्न में राष्ट्रपति कोविंद का औपचारिक स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया.*
- *मेजबान राष्ट्रपति व कैबिनेट के सदस्यों के साथ द्विपक्षीय वार्ता में दोनों देशों के आपसी सम्बन्धों की वर्तमान स्थिति पर संतोष दोनों पक्षों ने व्यक्त किया. शिक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, वित्तीय सेवाएं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा वार्ता में हुई. द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संवर्द्धन में सहमति दोनों पक्षों में रही. जम्मू-कश्मीर के मामले में हाल ही के घटनाक्रमों से स्विस प्रशासकों को श्री कोविंद ने अवगत कराया. आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संघर्ष का जोरदार समर्थन स्विट्जरलैण्ड ने द्विपक्षीय वार्ता में किया तथा अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र में लम्बित कन्वेंशन के मामले में भारत के साथ एकजुटता उसने व्यक्त की. नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) में भारत की सदस्यता के लिए अपना समर्थन एक बार पुनः स्विट्जरलैण्ड ने इस वार्ता में दोहराया.*
- *द्विपक्षीय सहयोग के तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् किए गए. लुसाने विश्वविद्यालय में हिन्दी चेयर के नवीकरण, जलवायु परिवर्तन के मामले में तकनीकी सहयोग तथा द्विपक्षीय विज्ञान एवं नवोन्मेष गठबन्धन के समझौते इनमें शामिल हैं. इनके अतिरिक्त पहाड़ी क्षेत्रों में रेलवे के विवरण.*
- *स्विट्जरलैण्ड के एक शहर विलेन्यूव (Villeneuve) में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण श्री कोविंद ने 14 सितम्बर को किया. महात्मा गांधी ने इस शहर की यात्रा 1931 में की थी. उनकी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी यह मूर्ति भारत द्वारा उपहारस्वरूप दी गई है.*
- *राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की स्विट्जर-लैण्ड की इस यात्रा से पूर्व स्विट्जरलैण्ड की तत्कालीन राष्ट्रपति डोरिस लियुथार्ड (Doris Leuthard) ने अगस्त-सितम्बर 2017 में भारत की यात्रा की थी.*
- *स्विट्जरलैण्ड में राष्ट्रपति का चुनाव 1-1 वर्ष के लिए ही होता है. इस प्रकार प्रति वर्ष राष्ट्रपति वहाँ बदले जाते हैं. इसी शृंखला में मौजूदा राष्ट्रपति उएली मॉरेर 1 जनवरी, 2019 से वहाँ राष्ट्रपति हैं तथा इस पद पर उनका यह कार्यकाल 31 दिसम्बर, 2019 तक ही रहेगा.*

स्लोवेनिया

स्विट्जरलैण्ड में 5 दिन के प्रवास के पश्चात्/तीन देशों की इस यात्रा के अन्तिम चरण में 15 सितम्बर को राष्ट्रपति श्री कोविंद स्लोवेनिया (Slovenia) की राजधानी ल्यूब्ल्याना (Ljubljana) पहुँचे. यूगोस्लाविया से विघटित होकर 1991 में ही स्वतन्त्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आए स्लोवेनिया की किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली ही यात्रा थी.

ल्यूब्ल्याना में श्री कोविंद का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत मेजबान राष्ट्रपति बोरुत पहौर (Borut Pahor) ने किया, जिसके पश्चात् युद्ध पीड़ितों के स्मारक (Memorial of Victims of All Wars) पर पुष्पांजलि श्री कोविंद ने अर्पित की.

- *मेजबान राष्ट्रपति श्री पहौर के साथ वार्ता में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा में भारत के विकास और स्लोवेनिया की प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षमता को एक-दूसरे की पूरक श्री कोविंद ने बताया. उच्च तकनीक (High Technology) विशेषतः स्वच्छ प्रौद्योगिकी (Clean technology), रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच परस्पर सहयोग की अपार सम्भावनाएं उन्होंने व्यक्त कीं.*

लुब्लियाना में स्लोवेनिया के राष्ट्रपति बोरुत पहौर के साथ राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद.

Vikas Bhatt

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के मामले में स्लोवेनिया के समर्थन के लिए मेजबान राष्ट्रपति पहौर को धन्यवाद श्री कोविंद ने दिया तथा नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) में भारत की सदस्यता के लिए स्लोवेनिया के निरन्तर सहयोग की इच्छा उन्होंने व्यक्त की. इसके साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय स्लोवेनिया के सौर गठबन्धन (International Solar Alliance–ISA) में शामिल होने का आग्रह भी मेजबान राष्ट्रपति से उन्होंने किया.
- सीमा पार आतंकवाद के मामले में भारत की चिन्ताओं को समर्थन प्रदान करने के लिए श्री कोविंद ने स्लोवेनिया को धन्यवाद दिया. आतंकवाद को मानवता के विरुद्ध सबसे गम्भीर चुनौती स्वीकार करते हुए इसे पराजित एवं नष्ट करने के लिए सम्पूर्ण विश्व की एकजुटता का आह्वान दोनों राष्ट्रपतियों ने किया. दोनों राष्ट्रपतियों की उपस्थिति में निवेश, खेल, संस्कृति, नदी संरक्षण (स्वच्छ गंगा मिशन), विज्ञान और प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित 6 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर 16 सितम्बर को किए गए.
- 16 सितम्बर को ही बाद में इंडिया-स्लोवेनिया बिजनेस फोरम की बैठक को श्री कोविंद ने सम्बोन्धित किया तथा भारत में निवेश की सम्भावनाओं को रेखांकित करते हुए इसके लिए आह्वान उद्यमियों से उन्होंने किया.
- 16 सितम्बर को ही स्लोवेनिया के प्रधानमन्त्री मार्जेन सारेक (Marjan Sarec) व 17 सितम्बर को नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष डेजॉन जिदान (Dejan Zidan) के साथ भी राष्ट्रपति श्री कोविंद की वार्ताएं हुईं.
- 17 सितम्बर को भारतीय मूल के एक समुदाय को सम्बोधन का श्री कोविंद का कार्यक्रम था तथा उसी दिन बाद में वह वापस नई दिल्ली के लिए रवाना हुए.

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की रूस यात्रा

फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन की एक सप्ताह की यात्रा से स्वदेश वापसी के एक सप्ताह पश्चात् ही प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रूस की यात्रा 4-5 सितम्बर, 2019 को की. **दो दिन की उनकी यह यात्रा दो उद्देश्यों से सम्पन्न की गई थी. एक तो, रूस के सुदूर पूर्व व्लादिवोस्तोक (Vladivostok) में पूर्वी आर्थिक फोरम (Eastern Economic Forum—EEF) की पाँचवीं बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी तथा दूसरे, भारत व रूस की 20वें वार्षिक शिखर बैठक में भाग लेना.** यह शिखर बैठक भी व्लादिवोस्तोक में ही आयोजित की गई थी. इसके साथ ही भारत रूस व्यापारिक वार्ता (India–Russia Business Dialogue) भी सितम्बर को व्लादिवोस्तोक में ही आयोजित थी जिसके लिए 'फिक्की' (FICCI) का एक शिष्टमण्डल भी प्रधानमन्त्री के साथ ही व्लादिवोस्तोक गया था.

रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2015 में स्थापित पूर्वी आर्थिक फोरम की बैठक प्रतिवर्ष सितम्बर माह में व्लादिवोस्तोक में ही सम्पन्न होती है. पिछले वर्ष 2018 में भारत की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्री ने तथा उससे पूर्व 2017 में विदेश मन्त्री ने इसमें भाग लिया था तथा इस वर्ष यह पहला ही अवसर था जब फोरम

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित

उपकार

नवीन प्रस्तुति

झारखण्ड

सामान्य योग्यताधारी

स्नातक स्तरीय

प्रारम्भिक परीक्षा

लेखकद्वय

डॉ. लाल एवं जैन

कोड 2403 ₹ 295/-

प्रमुख आकर्षण

पिछला प्रश्न-पत्र हल सहित

➡ सामान्य ज्ञान

➡ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम ➡ पर्यावरण

➡ भारत के पड़ोसी देश

➡ सामान्य विज्ञान

➡ सामान्य गणित

➡ मानसिक क्षमता जाँच

➡ झारखण्ड राज्य से सम्बन्धित ज्ञान

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

A Unit of SKG Group

No.1 Institute in India

हमारी कोई अन्य शाखा नहीं है

Sandeep Sir's दून डिफेंस अकादमी

DOON DEFENCE ACADEMY®

(Providing Job Opportunities in Defence & Merchant Navy)

Admission Open for Academic Year 2019-2020

NDA ★ SSB - INTERVIEW Best in India ★ INDIAN AIRFORCE (GROUP 'X' - 'Y') ★ INDIAN NAVY (AA/SSR/MR) ★ AFCAT ★ SPOKEN ENGLISH / PD

★ INDIAN ARMY / COAST GUARD ALL RECRUITMENTS

JOIN MERCHANT NAVY ➡ ★ DECK CADET (With Company Sponsorship) ★ IMU - CET Coaching ★ 04 year Marine Engineering

ADMISSION OPEN FOR SSB - INTERVIEW Best in India

Contact : Mr. Umesh Kuniyal (SSB Course Co-ordinator) Mob. : 08279640145

SSB - INTERVIEW EXPERTS TEAM AT DDA

● Interviewing Officer, DK Tanwar, Group Capt., IAF (Retd.)
● GTO, Psychologist & TO, H C Dhyani, Capt., IN (Retd.) ● GTO, Ravi Patel
● SSB Course Coordinator, Umesh Kuniyal, Chief Petty Officer, IN (Retd.)

FREE SSB-INTERVIEW COACHING FOR DDA STUDENTS

7060016868 ★ ★ www.facebook.com/doondefence ★ YouTube

www.doondefenceacademy.com

HEAD OFFICE : DOON DEFENCE ACADEMY

Opp. Green View Apartment (Near Touchwood School), Sahastradhara Road, Dehradun, Ph : 09897030757 / 07895616868 / 08279640145

Sandeep Sir

Vikas Bhadu

की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व स्वयं प्रधानमन्त्री ने किया. (ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम की तर्ज पर ही गठित सेंट पीटर्स बर्ग इकोनॉमिक फोरम की बैठक में जून 2017 में श्री मोदी ने भाग लिया था.)

भारत व रूस के बीच वार्षिक शिखर बैठक का सिलसिला वर्ष 2000 में शुरू हुआ था तथा इसके लिए दोनों देशों के शासन प्रमुख एक-दूसरे देश की यात्रा बारी-बारी से करते हैं. इस शृंखला में पिछली 19वीं शिखर बैठक के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अक्टूबर 2018 में नई दिल्ली आए थे. **उस शिखर बैठक के पश्चात् तथा व्लादिवोस्तोक शिखर बैठक के बीच चार बार** (ब्यूनस आयर्स व ओसाका में दिसम्बर 2018 व जून 2019 जी-20 शिखर सम्मेलनों में, जून 2019 में ही बिश्केक में एससीओ शिखर सम्मेलन में तथा नवम्बर 2018 में सिंगापुर में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में) **श्री मोदी व पुतिन के बीच अनौपचारिक मुलाकातें हो चुकी थीं.**

व्लादिवोस्तोक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ श्री नरेन्द्र मोदी.

भारत व रूस के बीच सिविल, न्यूक्लीयर व डिफेंस के क्षेत्रों में सम्बन्ध काफी गहरे रहे हैं. अर्थव्यवस्था के अन्य विभिन्न क्षेत्रों विशेषतः तेल एवं गैस तथा अन्तरिक्ष विज्ञान आदि क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार पर विशेष चर्चा द्विपक्षीय वार्ता में की गई. दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सालाना व्यापार को 2025 तक 30 अरब डॉलर करने की दिशा में प्रगति की समीक्षा वार्ता में की गई. भारत की मेक इन इंडिया पहल में रूस की भागीदारी बढ़ाने में रुचि श्री मोदी ने वार्ता में व्यक्त की. रूसी कम्पनियाँ अब भारत में अधिक निवेश करेंगी. रक्षा उपकरणों के भारत में ही निर्माण की दिशा में सहयोग बढ़ाया जाएगा. असैन्य उपयोग के लिए अगले 20 वर्षों में भारत में 20 से अधिक परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने की घोषणा रूसी राष्ट्रपति ने बातचीत के पश्चात् पत्रकार वार्ता में की. तीसरे देशों में परमाणु ऊर्जा संयंत्र मिलकर लगाने की दिशा में भी रुचि दोनों नेताओं ने वार्ता में व्यक्त की. भारत की गगनयान परियोजना के लिए अन्तरिक्ष यात्रियों को तैयार करने में रूस भारत की मदद करेगा. द्विपक्षीय कारोबार में वृद्धि के लिए व्लादिवोस्तोक बन्दरगाह से चेन्नई तक समुद्री मार्ग का विकास करने को सहमति दोनों पक्षों में बनी. संयुक्त राष्ट्र संघ, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन आदि बहुराष्ट्रीय मंचों पर आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दोनों पक्षों ने दिया. **कश्मीर मुद्दे पर हुई बातचीत में श्री मोदी ने उन हालातों से रूसी राष्ट्रपति को अवगत कराया, जिनकी वजह से अनुच्छेद 370 को हटाया जाना जरूरी हो गया था.** इसी सन्दर्भ में बातचीत के बाद जारी साझा बयान में कहा गया है कि भारत व रूस दोनों ही किसी देश के आन्तरिक मामलों में किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप के विरुद्ध हैं. इसके साथ ही बयान में कहा गया है कि भारत व रूस के रिश्ते किसी बाहरी प्रभाव में नहीं आएंगे आतंकवाद की कड़ी भर्त्सना भी साझा बयान में की गई है.

पूर्वी आर्थिक मंच में भारतीय प्रधानमन्त्री की भागीदारी के लिए रूसी राष्ट्रपति ने श्री मोदी को धन्यवाद दिया तथा **अगले वर्ष मई 2020 में रूस में 'ग्रेट पैट्रियोटिक वार' की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में मॉस्को में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उन्होंने श्री मोदी को आमंत्रित किया.** अगले वर्ष भारत में होने वाली 21वीं शिखर बैठक के लिए श्री मोदी ने पुतिन को निमन्त्रण भी इसके साथ ही दिया. ऊर्जा, व्यापार, निवेश, तेल, प्राकृतिक गैस कोयला खनन व करारोपण आदि क्षेत्रों में आपसी सहयोग के 15 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर शिखर बैठक के पश्चात् किए गए.

व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम के खुले सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी.

व्लादिवोस्तोक में 4 सितम्बर को ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मिलकर **स्ट्रीट ऑफ द फॉर ईस्ट** प्रदर्शनी तथा एक पोत निर्माण संयंत्र (Zvezda Ship Building Plant) का अवलोकन श्री मोदी ने किया.

व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम के प्लेनरी सेशन को सम्बोधित करते हुए सुदूर पूर्व (Far-East) के विकास के लिए 1 अरब डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट की घोषणा श्री मोदी ने की. यह पहला अवसर है जब किसी देश के क्षेत्र विशेष हेतु लाइन ऑफ क्रेडिट की घोषणा भारत द्वारा की गई है.

5 सितम्बर को ही व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भागीदारी से इतर जापान के प्रधानमन्त्री शिंजो एबे (Shinzo Abe) मलेशिया के प्रधानमन्त्री महातिर मोहम्मद (Mahathir Mohamad) व मंगोलिया के राष्ट्रपति खाल्तमागिन बाटुल्गा (Khaltmaagiin Battulga) से भी मुलाकातें कीं तथा आपसी महत्व के मुद्दों पर अनौपचारिक वार्ताएं इनके साथ की. द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ आपसी महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा उन वार्ताओं में की गई. व्लादिवोस्तोक में दो दिन प्रवास के पश्चात् श्री मोदी की स्वदेश वापसी 5 सितम्बर को ही हुई.

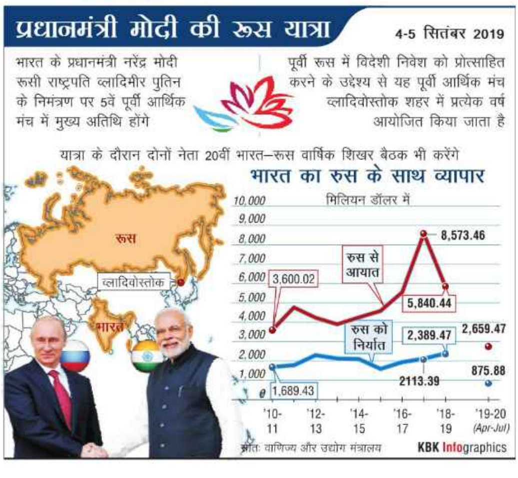

प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमरीका यात्रा

Vikas Bhadu

एक सप्ताह के अति व्यस्त कार्यक्रमों के लिए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमरीका की यात्रा 21-27 सितम्बर, 2019 को की. न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र को सम्बोधित करने के अतिरिक्त ह्यूस्टन (Houston) में भारतीय-अमरीकी समुदाय के लोगों के एक विशाल समागम को सम्बोधित करने के कार्यक्रम उनकी इस यात्रा के मुख्य कार्यक्रमों में शामिल थे. अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सहित प्रमुख वैश्विक नेताओं के साथ अनौपचारिक द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन व स्वास्थ्य सुरक्षा मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा आहूत दो अलग-अलग बहुपक्षीय बैठकों में सम्बोधन तथा जॉर्डन के शाह, न्यूजीलैण्ड के प्रधानमन्त्री फ्रांस के राष्ट्रपति व संयुक्त राष्ट्र महासचिव की मेजबानी में आतंकवाद के मुद्दे पर आहूत बैठक में सम्बोधन के भी उनके कार्यक्रम 23 सितम्बर के लिए निर्धारित थे. महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 24 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र संघ में ही एक कार्यक्रम का आयोजन भारत द्वारा किया गया था. **नेतृत्व मामले-समकालीन समय में गांधीजी की प्रासंगिकता** (Leadership Matters–Relevance of Gandhi in Contemporary Times) नाम के इस कार्यक्रम में कई देशों के शासन प्रमुखों ने अपनी भागीदारी दर्ज की. संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय की छत पर **गांधी सौर पार्क** (Gandhi Solar Park) की स्थापना, जिसमें 10 लाख डॉलर के भारतीय अनुदान से सौर पैनल स्थापित किए गए हैं, ओल्ड वेस्टबरी में स्टेट यूनीवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क के कैम्पस में गांधी पीस गार्डन का दूरस्थ उद्घाटन तथा गांधीजी पर संयुक्त राष्ट्र डाक टिकट जारी करना महात्मा गांधी पर 24 सितम्बर को आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल थे.

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महा सभा के 74वें सत्र में प्रधानमन्त्री श्री मोदी का कार्यक्रम 27 सितम्बर के लिए निर्धारित थे. **महासभा में उनका यह दूसरा सम्बोधन था. इससे पूर्व 2014 में प्रधानमन्त्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् इस पद पर अपने पहले ही वर्ष में महासभा के 69वें सत्र को उन्होंने सम्बोधित किया था.** महासभा में 17 मिनट के अपने इस सम्बोधन में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन व वैश्विक शान्ति जैसे महत्वपूर्ण प्रासंगिक मुद्दों के अतिरिक्त हाशिए पर रह रहे लोगों की मदद के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख प्रधानमन्त्री ने किया. स्वास्थ्य सुधार की दिशा में किए गए प्रयासों के तहत् आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना तथा विगत पाँच वर्षों में 11 करोड़ शौचालयों के निर्माण का उल्लेख करते हुए इसे विश्व का सबसे बड़ा स्वच्छता अभियान उन्होंने बताया. भारत में 'सिंगल यूज प्लास्टिक्स' के इस्तेमाल पर रोक के लिए अपनी सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान का उल्लेख भी उन्होंने किया. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 2025 तक ही भारत को टीबी से मुक्त करने की दिशा में काम किया जा रहा है. विश्व ने सबसे बड़े वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) कार्यक्रम भारत में चलाए जाने का उल्लेख प्रधानमन्त्री ने किया और बताया कि केवल 5 वर्षों में 37 करोड़ से ज्यादा गरीबों के बैंक खाते इस कार्यक्रम के तहत् खोले गए हैं.

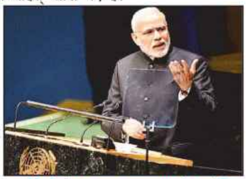

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी.

ग्लोबल वार्मिंग की बात करते हुए प्रधानमन्त्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ में बताया कि ग्लोबल वार्मिंग में भारत का योगदान बहुत कम है, किन्तु इससे निपटने में भारत आगे रहा है. इस सन्दर्भ में अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन (International Solar Alliance) स्थापित करने की भारत की पहल का उल्लेख उन्होंने किया.

आतंकवाद की बात करते हुए प्रधानमन्त्री ने इसे किसी एक देश की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताते हुए कहा कि यह उन सिद्धान्तों को ही चोट पहुँचाता है, जिनके लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ का गठन हुआ था. इसलिए मानवता की खातिर, आतंक के विरुद्ध पूरे विश्व की एकजुटता को अनिवार्य उन्होंने बताया. इसी के साथ ही विश्व शान्ति के लिए भारत की प्रतिबद्धता की बात करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा को श्री मोदी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के शान्ति अभियानों में सबसे बड़ा योगदान भारत ने ही दिया है. उन्होंने बताया कि भारत ने विश्व को युद्ध नहीं बुद्ध दिए हैं. शान्ति का संदेश दिया है इसलिए हमारी आवाज में विश्व को आतंक के विरुद्ध सतर्क करने की गम्भीरता भी है और आक्रोश भी. महासभा में अपने इस सम्बोधन का समापन श्री मोदी ने स्वामी विवेकानन्द के शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए एक संदेश से किया.

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री इमरान खान का सम्बोधन श्री मोदी के सम्बोधन के बाद 27 सितम्बर को ही था. श्री मोदी ने अपने भाषण में जहाँ पाकिस्तान व कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया तथा शान्ति, विकास व जनकल्याण की बातें ही जहाँ कीं, पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री इमरान खान ने कश्मीर की दुहाई देते हुए युद्ध तक की धमकी संयुक्त राष्ट्र में दे डाली.

न्यूयॉर्क में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ श्री मोदी.

संयुक्त महासभा में सम्बोधन के अतिरिक्त अमरीका में श्री मोदी का दूसरा बड़ा कार्यक्रम ह्यूस्टन में भारतीय अमरीकियों के विशाल समुदाय को सम्बोधन का था, जिसे **हाउडी मोदी** नाम दिया गया था. इसके सम्बन्ध में विस्तृत ब्योरा अलग से बॉक्स में दिया गया है.

न्यूयॉर्क प्रवास के दौरान अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ श्री मोदी की विस्तृत वार्ता विभिन्न मुद्दों पर हुई. आतंकवाद का मुद्दा भी वार्ता के बिन्दुओं में शामिल था. भारत के साथ शीघ्र ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न होने की आशा वार्ता में व्यक्त की गई. वार्ता के पश्चात् दोनों शासन प्रमुखों ने एक-दूसरे की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत व अमरीका साथ मिलकर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं.

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अतिरिक्त जिन अन्य प्रमुख नेताओं के साथ श्री मोदी की बैठकें न्यूयॉर्क में हुईं, इनमें बांग्लादेश की प्रधानमन्त्री शेख हसीना, भूटान के प्रधानमन्त्री डॉ. लोते त्शेरिंग, न्यूजीलैण्ड की प्रधानमन्त्री जेसिडा आर्डर्न (Jecinda Ardern), एस्टोनिया की राष्ट्रपति श्री केर्सी कालजू लेड (Kersi Kaljulaid), साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस एनास्तासियाडेस (Nicos Anastasiades), इराक के राष्ट्रपति हसन रूहानी, मॉरिशस के राष्ट्रपति बार्लेन व्यापुरी (Barlen Vyapoory) व ग्रीस के प्रधानमन्त्री किरियाकोस मित्सोटाकिस (Kyriakos Mitsotakis) आदि शामिल थे. इनके अतिरिक्त अमरीका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार तुलसी गबार्ड (Tulsi Gabbard) ने भी उनसे भेंट की.

न्यूयॉर्क में ही प्रधानमन्त्री श्री मोदी का एक अन्य कार्यक्रम बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से गोलकीपर्स ग्लोबल पुरस्कार ग्रहण करने का था. फाउंडेशन के सहअध्यक्ष बिल गेट्स ने उन्हें यह सम्मान 24 सितम्बर को न्यूयॉर्क में प्रदान किया.

एक सप्ताह के इन व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् श्री मोदी 27 सितम्बर को ही न्यूयॉर्क से स्वदेश रवाना हुए.

हाउडी मोदी : अमरीका में श्री नरेन्द्र मोदी का विशाल एवं प्रभावी कार्यक्रम

Vikas Bhadu

अमरीका की इस यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमन्त्री का एक प्रमुख कार्यक्रम हाउडी मोदी (Howdy Modi) में भागीदारी का था. (Howdy शब्द How do you do का संक्षिप्त रूप है) अमरीका के सबसे बड़े प्रान्त टेक्सास के ह्यूस्टन (Houston) शहर में एनआरजी स्टेडियम में इस कार्यक्रम का आयोजन टेक्सास इंडिया फोरम (TIF) द्वारा एक हजार से अधिक वालंटियर्स की मदद से 22 सितम्बर को किया गया था तथा इसमें शामिल होने के लिए 50 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था. इसके बाद और आगे पंजीकरण टीआईएफ द्वारा बन्द कर दिए गए थे. 'हाउडी मोदी' अमरीका में श्री मोदी का तीसरा बड़ा कार्यक्रम था. इससे पूर्व 2014 में न्यूयॉर्क में मैडिसन स्क्वॉयर पर व 2016 में सिलिकॉन वैली में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए थे. 22 सितम्बर, 2019 का हाउडी मोदी कार्यक्रम इस दृष्टि से ऐतिहासिक था कि पोप के कार्यक्रम के अतिरिक्त इतनी विशाल उपस्थिति अमरीका में अब तक किसी अन्य कार्यक्रम में नहीं देखी गई तथा दूसरे, श्री मोदी के साथ ही, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे सम्बोधित किया. अमरीका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के अतिरिक्त अमरीकी कांग्रेस के अनेक सदस्य, गवर्नर्स का एक डेलिगेशन तथा अनेक अन्य सेलेब्रिटीज उपस्थित थीं.

ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी : मंच पर उनके साथ ही हैं अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप.

हाउडी इंडिया में उपस्थित विशाल जन समुदाय.

विशाल जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि ह्यूस्टन में एक नया इतिहास रचा गया है. समारोह में "डोनाल्ड ट्रंप और भारत की प्रगति के बारे में बात करने वाले सीनेटरों की उपस्थिति को 1·3 बिलियन भारतीयों की उपलब्धि का सम्मान बताते हुए उन्होंने कहा कि स्टेडियम में उपस्थित जन-समूह की ऊर्जा भारत और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शा रहा है. आज, भारत को एक दृढ़ संकल्पित देश बताते हुए उन्होंने कहा कि एक नए और बेहतर भारत के निर्माण के लिए कठिन प्रयास किए जा रहे हैं. पिछले पाँच वर्षों में एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर बात करते हुए, प्रधानमन्त्री ने कहा कि इन पाँच वर्षों में, 130 करोड़ भारतीयों ने ऐसी उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिनकी कल्पना कोई भी नहीं कर सकता था. इस सन्दर्भ में अपनी सरकार द्वारा घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान करने, ग्रामीण स्वच्छता में सुधार लाने, ग्रामीण सड़क हेतु बुनियादी ढाँचे का निर्माण करने, बैंक खाते खोलने इत्यादि के बारे में की गई परिवर्तनकारी कार्रवाई का उल्लेख भी उन्होंने किया. 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ बिजनेस' के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को भी उन्होंने दोहराया. 'ईज ऑफ लिविंग' सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार द्वारा किए गए विभिन्न पहलों जैसे अप्रचलित कानूनों को हटाना, सेवाओं में तेजी लाना, सस्ते डेटा दर, भ्रष्टाचार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा जीएसटी आदि को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का विकास प्रत्येक भारतीय तक पहुँचेगा.

- अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बारे में बोलते हुए, प्रधानमन्त्री ने उपस्थिति लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस तरह की निर्णायक कड़ी कार्रवाई करने के लिए सांसदों को खड़े होकर धन्यवाद ज्ञापन करना चाहिए. उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विकास और प्रगति से दूर रखा था तथा इस अनुच्छेद के निरस्त किए जाने के पश्चात् अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के पास हर भारतीय के समान अधिकार हैं.
- आतंकवाद की निंदा करते हुए प्रधानमन्त्री ने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध कड़ी निर्णायक लड़ाई और आतंकवाद को समर्थन करने वालों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई करने का समय आ गया है. आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के संकल्प की प्रशंसा भी श्री मोदी ने की.
- कार्यक्रम में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करते हुए श्री मोदी ने इसे अपने लिए सम्मान और गौरव की बात बताया और कहा कि अमरीकी राष्ट्रपति ने हर जगह एक गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा है. उनमें संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रपति का नेतृत्व करने का अपार गुण है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह जितनी बार भी उनसे मिले उनमें वही मित्रता, गर्मजोशी और ऊर्जा उन्होंने महसूस की. श्री मोदी ने कहा कि उनकी यह दोस्ती भारत और संयुक्त राज्य अमरीका के भविष्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगी.
- आयोजन को सम्बोधित करते हुए अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत और उसके नागरिकों के लिए असाधारण काम वह कर रहे हैं. कार्यकाल में तथा प्रधानमन्त्री के रूप में उनके भारत और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच सम्बन्ध पहले से बेहतर हुए हैं. श्री मोदी की विकास की नीतियों की प्रशंसा करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत में लगभग तीन सौ मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, जो अविश्वसनीय है. उन्होंने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत, सम्पन्न गणराज्य बन रहा है.
- इस समारोह में भारतीय प्रधानमन्त्री का स्वागत करते हुए, हाउस के प्रमुख नेता स्टेनि होसर (Steny hoyer) ने कहा कि संयुक्त राज्य अमरीका आधुनिक भारत से प्रेरित है. उन्होंने कहा कि प्रधानमन्त्री मोदी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्र का नेतृत्व कर रहे हैं. उनके नेतृत्व में भारत ने निर्विवाद रूप से अन्तरिक्ष में एक नया मुकाम हासिल किया है और साथ ही लाखों लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में भी समान रूप से काम किया है. इससे पहले, ह्यूस्टन के मेयर सिल्वेस्टर टर्नर (Sylvester Turner) ने प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित करते हुए भारत-ह्यूस्टन सम्बन्ध के लिए 'ह्यूस्टन-की' (Key to Houston) उन्हें भेंट की.

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

Vikas Bhadu

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित समय सीमा से सात माह पूर्व ही प्राप्त किया गया
- बुल्गारिया की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई प्रबन्ध निदेशक
- क्रिस्टीन लगार्ड यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की नई अध्यक्ष
- भारत व नेपाल के बीच मोतिहारी-अमलेखगंज तेल पाइपलाइन
- भारत व चीन के बीच छठी रणनीतिक आर्थिक वार्ता नई दिल्ली में सम्पन्न
- 2019-20 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान
- 2019-20 की तीसरी तिमाही के लिए लघु बचतों पर ब्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं
- प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् का पुनर्गठन
- अर्थव्यवस्था की शिथिलता दूर करने को कॉर्पोरेट टैक्स में राहत
- अनेक उत्पादों व सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती
- अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित समय सीमा से सात माह पूर्व ही प्राप्त किया गया

गरीब परिवारों को निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए तीन वर्ष पूर्व शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMVY) के तहत् 8 करोड़ गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य लक्षित समय सीमा से 7 माह पूर्व ही सितम्बर 2019 में प्राप्त कर लिया गया है. योजना के तहत् 8 करोड़ वाँ कनेक्शन 7 सितम्बर, 2019 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक लाभार्थी को प्रदान किया.

औरंगाबाद में एक समारोह में 8 करोड़ वाँ गैस कनेक्शन प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी.

गरीब परिवारों को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने तथा अस्वास्थकर पारम्परिक ईंधन जैसे लकड़ी व उपले इत्यादि के उपयोग को कम करने के लिए उज्ज्वला योजना का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के बलिया में 1 मई, 2016 को पहला कनेक्शन सौंप कर किया था तथा तीन वर्ष में पाँच करोड़ कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य इस योजना के तहत् मूलतः निर्धारित किया गया था. योजना की सफलता को देखते हुए अतिरिक्त वित्तीय आवंटन के साथ इस लक्ष्य को बढ़ाकर 8 करोड़ फरवरी 2018 में किया गया था तथा इसे 2020 तक प्राप्त करने का लक्ष्य सरकार द्वारा निर्धारित किया गया था. देश के सभी राज्यों/केन्द्र-शासित क्षेत्रों में कार्यान्वित करते हुए इस लक्ष्य के तय समय सीमा से सात माह पहले ही प्राप्त कर लिया गया है. खाना पकाने के पारम्परिक अस्वास्थकर ईंधनों के स्थान पर एलपीजी के उपयोग से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पर्यावरण व महिलाओं की आर्थिक उत्पादकता सम्बन्धी लाभ इस योजना से प्राप्त किए गए हैं.

- *प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् सर्वाधिक 1·48 करोड़ गैस कनेक्शन उत्तर प्रदेश में दिए गए हैं, जबकि 89 लाख कनेक्शनों के साथ प. बंगाल का इस मामले में दूसरा स्थान रहा है. लाभार्थियों की संख्या के मामले में इनके पश्चात् क्रमशः मध्य प्रदेश (72 लाख) व राजस्थान (64 लाख) के स्थान रहे हैं.*
- *लाभार्थियों में लगभग 40 प्रतिशत अनुसूचित जाति व जनजाति के हैं.*

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : राज्यवार निष्पादन

क्र.	राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र	जारी किए गए एलपीजी कनेक्शनों की संख्या (7 सितम्बर, 2019 की स्थिति)
1.	अण्डमान निकोबार	13,103
2.	आन्ध्र प्रदेश	3,90,998
3.	अरुणाचल प्रदेश	44,668
4.	असम	34,93,730
5.	**बिहार**	**85,71,668**
6.	चंडीगढ़	88
7.	**छत्तीसगढ़**	**29,98,629**
8.	दादरा व नगर हवेली	14,438
9.	दमन एवं दीव	427
10.	**दिल्ली**	**77,051**
11.	गोवा	1,082
12.	गुजरात	29,07,682
13.	**हरियाणा**	**7,30,702**
14.	**हिमाचल प्रदेश**	**1,36,084**
15.	जम्मू-कश्मीर	12,03,246
16.	**झारखण्ड**	**32,93,035**
17.	कर्नाटक	31,51,238
18.	केरल	2,56,303
19.	लक्षद्वीप	292
20.	**मध्य प्रदेश**	**71,79,224**
21.	महाराष्ट्र	44,37,624
22.	मणिपुर	1,56,195
23.	मेघालय	1,50,664
24.	मिजोरम	28,123
25.	नगालैण्ड	55,143
26.	ओडिशा	47,50,478
27.	पुदुचेरी	13,566
28.	पंजाब	12,25,067
29.	**राजस्थान**	**63,92,482**
30.	सिक्किम	8,747
31.	तमिलनाडु	32,43,190
32.	तेलंगाना	10,75,202
33.	त्रिपुरा	2,72,323
34.	**उत्तर प्रदेश**	**1,47,86,745**
35.	**उत्तराखण्ड**	**4,04,703**
36.	प. बंगाल	88,76,053
	योग	**8,03,39,993**

बुल्गारिया की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई प्रबन्ध निदेशक

बुल्गारिया की अर्थशास्त्री क्रिस्टालिना जॉर्जीवा (Kristalina Georgiva) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की नई प्रबन्ध निदेशक 1 अक्टूबर, 2019 से बनी है. इस पद पर 5 वर्ष के कार्यकाल हेतु उनका यह चुनाव मुद्रा कोष के निदेशक मंडल की 25 सितम्बर, 2019 की बैठक में निर्विरोध हुआ. यह पहला ही अवसर है जब किसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था से आईएमएफ की प्रमुख का चयन किया गया है. मुद्रा कोष की प्रबन्ध निदेशक चुनी जाने वाली वह दूसरी महिला हैं.

Vikas Bhadu

क्रिस्टालिना जॉर्जीवा : आईएमएफ की नई प्रबन्ध निदेशक

- *इस नियुक्ति से पूर्व जनवरी 2017 से वह विश्व बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) थी तथा विश्व बैंक के अध्यक्ष पद से जिम योंग किन (Jim Yong Kin) के त्यागपत्र के पश्चात् तीन माह तक (1 फरवरी से 8 अप्रैल, 2019 तक) विश्व बैंक समूह की अंतरिम अध्यक्ष वह रही थी.*
- *अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबन्ध निदेशक पद पर फ्रांस की क्रिस्टीन लगार्ड (Christine Legards) का स्थान 66 वर्षीय जॉर्जीवा ने लिया है. फ्रांस की क्रिस्टीन लगार्ड ने पाँच वर्ष के कार्यकाल हेतु 5 जुलाई, 2011 को यह कार्यभार सँभाला था तथा 5 वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु उन्हें 2016 में चुन लिया गया था. इस प्रकार प्रबन्ध निदेशक पद पर उनका यह कार्यकाल जुलाई 2021 तक था, किन्तु उन्हें अब यूरोपीय केन्द्रीय बैंक (European Central Bank) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार 1 नवम्बर, 2019 से सँभालना है जिसके चलते मुद्रा कोष के प्रबन्ध निदेशक पद से त्यागपत्र उन्होंने दे दिया है.*
- *अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना के पश्चात् कोई-न-कोई यूरोपीय ही इसके प्रबन्ध निदेशक पद पर रहा है. बुल्गारिया की जॉर्जीवा के निर्वाचन से कोष के इतिहास की 73 वर्षों से चली आ रही परम्परा बरकरार रही है.*

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबन्ध निदेशक

क्र.	प्रबन्ध निदेशक	कार्यकाल
1.	डॉ. कैमिले गट (बेल्जियम)	6 मई, 1946–5 मई, 1951
2.	इवार रूथ (स्वीडन)	3 अगस्त, 1951–3 अक्टूबर, 1956
3.	पर जैकबसन (स्वीडन)	21 नवम्बर, 1956–5 मई, 1963
4.	पियरे-पॉल श्वीट्जर (फ्रांस)	1 सितम्बर, 1963–31 अगस्त, 1973
5.	एच. जोहानेस विटेवीन (नीदरलैण्ड्स)	1 सितम्बर, 1973–16 जून, 1978
6.	जैक डि लारोसिएट (फ्रांस)	17 जून, 1978–15 जनवरी, 1987
7.	मिशेल कैमडेसस (फ्रांस)	16 जनवरी, 1987–14 फरवरी, 2000
8.	होर्स्ट कोहलर (जर्मनी)	1 मई, 2000–4 मार्च, 2004
9.	रॉड्रिगो डि रातो (स्पेन)	7 जून, 2004–31 अक्टूबर, 2007
10.	डोमिनि स्ट्रॉस-कान (फ्रांस)	1 नवम्बर, 2007–18 मई, 2011
11.	क्रिस्टीन लगार्ड (फ्रांस)	5 जुलाई, 2011–12 सितम्बर, 2019
12.	क्रिस्टालिन जॉर्जीवा (बुल्गारिया)	1 अक्टूबर, 2019 से………

क्रिस्टीन लगार्ड यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की नई अध्यक्ष

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबन्ध निदेशक रही क्रिस्टीन लगार्ड (Christine Legards) अब फ्रैंकफर्ट (Frankfurt) (जर्मनी) स्थित यूरोपीय केन्द्रीय बैंक (European Central Bank–ECB) की नई अध्यक्ष 1 नवम्बर, 2019 से होंगी. इस पद पर इटली के मारियो ड्राघी (Mario Draghi) जो 1 नवम्बर, 2011 से इस पद पर हैं, का स्थान वह लेंगी.

यूरोपीय केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष पद हेतु लगार्ड का मनोनयन जुलाई 2019 में हुआ था तथा 1 नवम्बर से यह कार्यभार सँभालने के लिए ही मुद्रा कोष के प्रबन्ध निदेशक का पद 12 सितम्बर, 2019 से उन्होंने छोड़ दिया है.

क्रिस्टीन लगार्ड : यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की नई अध्यक्ष

भारत व नेपाल के बीच मोतिहारी-अमलेखगंज तेल पाइपलाइन

नेपाल को पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति के लिए बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज के बीच तेल पाइपलाइन बिछाई गई है, जो दक्षिण एशिया में पहली क्रॉस बॉर्डर, तेल पाइपलाइन है. इसका उद्घाटन दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने 10 सितम्बर, 2019 को अपनी-अपनी राजधानियों में रहते हुए वीडियो लिंक के जरिए किया. इस पाइपलाइन से नेपाल की तेल जरूरतों की पूर्ति होगी तथा ईंधन ढुलाई का खर्च कम होने से सस्ता ईंधन उसे प्राप्त हो सकेगा. इससे पूर्व भारत से नेपाल को पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति ट्रकों एवं टैंकरों के जरिए की जाती थी. इस पाइपलाइन के जरिए 4000 किलोलिटर पेट्रोलियम पदार्थ प्रतिदिन नेपाल को भेजा जा सकेगा. ₹ 324 करोड़ की लागत से निर्मित 66·92 किमी लम्बी इस पाइपलाइन का 36·2 किमी हिस्सा नेपाल में है, जबकि 33 किमी भाग भारत के भू-क्षेत्र में है. अमलेखगंज में पेट्रोल-डीजल के भंडारण के लिए ₹ 75 करोड़ की लागत से अतिरिक्त भंडारण सुविधा का निर्माण भी इस परियोजना के तहत् किया जाना है.

मोतिहारी अमलेखगंज तेल पाइपलाइन परियोजना का प्रस्ताव मूलतः 1996 में आया था, किन्तु राजनीतिक कारणों के कारण यह टलता गया. 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी की अगस्त 2014 की नेपाल यात्रा के दौरान इस परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर सम्पन्न हुए. दोनों देशों की सहमति के बाद अगस्त 2015 में परियोजना पर काम शुरू हुआ, लेकिन 2015 में आए भूकम्प के बाद फिर इसे रोकना पड़ा. इसके बाद अप्रैल 2018 में नेपाली प्रधानमंत्री के. पी. ओली की भारत यात्रा के दौरान ही इस परियोजना के तहत् निर्माण शुरू हुआ था, जो 15 माह की रिकॉर्ड अवधि में पूरा कर लिया गया.

भारत व चीन के बीच छठी रणनीतिक आर्थिक वार्ता नई दिल्ली में सम्पन्न

भारत व चीन के बीच छठी रणनीतिक आर्थिक वार्ता (Strategic Economic Dialogue–SED) नई दिल्ली में 7-9 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुई. वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार ने व चीनी पक्ष का नेतृत्व वहाँ के **नेशनल डेवलपमेंट एण्ड रिफॉर्म कमीशन** (NDRC) के अध्यक्ष ही लिफेंग (He Lifeng) ने किया. दोनों देशों

के बीच व्यापार एवं निवेश के प्रवाह को सुविधाजनक बनाने तथा दोनों पक्षों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने में रणनीतिक आर्थिक वार्ता की महत्वपूर्ण भूमिका को दोनों पक्षों ने इस वार्ता में स्वीकार किया. **6 विभिन्न क्षेत्रों—नीति समन्वय (Policy Coordination), आधारिक संरचना (Infrastructure), हाई टेक (High-Tech), संसाधन संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण (Resource Conservation and Environmental Protection), ऊर्जा (Energy) तथा फार्मास्यूटिकल्स पर गठित संयुक्त कार्य समूहों (Joint Working Groups) की गोलमेज बैठकें इस वार्ता के तहत् सम्पन्न हुई.** भारत व चीन के बीच व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाने पर बल भारतीय पक्ष द्वारा वार्ता में दिया गया. दोनों पक्षों के बीच छह कार्य समूहों के विचार-विमर्श के माध्यम से निम्न-लिखित विषयों पर आपसी सहमति बनी—

1. नीति समन्वय—नीति समन्वय पर गठित कार्य समूह ने व्यापार और निवेश के वातावरण की समीक्षा के लिए गहन विचार-विमर्श किया. नवाचार (Innovation) और निवेश में सहयोग के सम्भावित क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें उच्च प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया, संचार के नियमित चैनलों को सक्रिय करने के लिए अपनी गतिविधियों के वार्षिक कैलेंडरों का आदान-प्रदान करने पर सहमति दोनों पक्षों ने व्यक्त की.

2. आधारिक संरचना पर कार्य समूह—चेन्नई-बेंगलूरू-मैसूरू रेलवे उन्नयन परियोजना और चीन द्वारा भारतीय रेलवे के वरिष्ठ प्रबंधन कर्मचारियों के व्यक्तिगत प्रशिक्षण की व्यावहारिकता की दिशा में हुई प्रगति पर विचार-विमर्श दोनों पक्षों द्वारा किया गया. दिल्ली-आगरा हाई स्पीड रेलवे सेवा की सम्भावना को तलाश करने वाले प्रोजेक्ट के अध्ययन को आगे बढ़ाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई. दोनों पक्षों ने परिवहन क्षेत्र में उद्यमों का समर्थन देने के साथ-साथ सहयोग के लिए नई परियोजनाओं की पहचान करने पर भी सहमति व्यक्त की.

3. हाई-टेक पर कार्य समूह—इस दिशा में 5वीं एसईडी के बाद प्राप्त हुई उपलब्धियों का आकलन दोनों पक्षों ने किया और व्यापार को आसान बनाने की नियामक प्रक्रियाओं, कृत्रिम बुद्धि (Artificial intelligence) के विकास, उच्च तकनीक निर्माण और दोनों देशों में अगली पीढ़ी के मोबाइल संचार पर विचारों का आदान-प्रदान किया. तकनीकी नवाचार, औद्योगिक स्थिति और सहयोग को बढ़ावा देने वाले तंत्रों के साथ-साथ भारत-चीन की डिजिटल भागीदारी, डेटा गवर्नेंस और सम्बन्धित उद्योग नीति पर चर्चा हुई.

*भारत के तत्कालीन योजना आयोग व चीन के नेशनल डेवलपमेंट एण्ड रिफॉर्म कमीशन (NDRC) के बीच रणनीतिक आर्थिक वार्ता (SED) का प्रावधान दिसम्बर 2010 में तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ (Wen Jiabao) की भारत यात्रा के दौरान सम्पन्न समझौते के तहत् किया गया था. भारतीय पक्ष में नीति आयोग (पहले योजना आयोग) और चीनी पक्ष में राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग (एनडीआरसी) एसईडी तंत्र का नेतृत्व करते हैं. दोनों देशों की राजधानी में बारी-बारी से एक वार्षिक वार्ता का आयोजन इसके तहत् किया जाता है. नवम्बर 2012 में नई दिल्ली में आयोजित दूसरे एसईडी में, नीति समन्वय, अवसंरचना, पर्यावरण, ऊर्जा और उच्च प्रौद्योगिकी पर 5 स्थायी संयुक्त कार्यदलों के गठन का निर्णय लिया गया, जिससे कि **एसईडी के अंतर्गत इन क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत किया जा सके.** फॉर्मास्यूटिकल्स पर छठे संयुक्त कार्य समूह का गठन पाँचवें एसईडी के पश्चात् किया गया है. **इस तंत्र की छह बैठकें दोनों देशों में बारी-बारी से हो चुकी हैं. नई दिल्ली में 7–9 सितम्बर, 2019 की वार्ता से पूर्व पिछली पाँचवीं वार्ता अप्रैल 2018 में चीन में बीजिंग में सम्पन्न हुई थी.***

4. संसाधन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर कार्य समूह—दोनों पक्षों ने जल प्रबंधन (Water management), अपशिष्ट प्रबंधन (Waste management) व संसाधन संरक्षण के क्षेत्र में हुई प्रगति पर चर्चा और समीक्षा की. दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में नवाचार की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया. कम लागत वाली निर्माण तकनीक, बाढ़ और कटाव नियंत्रण, वायु प्रदूषण आदि में नई प्रकार की अवधारणाओं के प्रभावी उपयोग पर भी चर्चा की गई. उन्होंने उभरते हुए क्षेत्रों, जैसे—वेस्ट टू पॉवर (Waste to power) सीवेज गाद के साथ सेप्टेज का सह-प्रसंस्करण (Co-processing of Septage with Sewage Sludge) झंझा जल प्रबंधन (Storm water management) आदि में सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकताओं पर भी बल दिया. इन क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, दोनों पक्षों ने निरन्तर बातचीत और सम्बन्धित सूचनाओं के आदान-प्रदान को लगातार बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की.

5. ऊर्जा पर कार्य समूह—भविष्य में सहयोग के लिए क्षेत्रों की पहचान दोनों देशों ने की और अक्षय ऊर्जा, स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी, स्मार्ट ग्रिड, ग्रिड एकीकरण और स्मार्ट मीटर और क्षेत्रों पर काम करने का भी संकल्प लिया. दोनों पक्षों ने वैकल्पिक सामग्री द्वारा नई तकनीक को विकसित करने और दक्षता में सुधार लाने के लिए अनुसंधान और विकास कार्यों में सहयोग पर सहमति व्यक्त की. ई-मोबिलिटी और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में सहयोग करने पर भी सहमत हुए.

6. फार्मास्यूटिकल्स पर कार्य समूह—संयुक्त कार्य समूहों ने यह माना कि दोनों पक्षों में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संचार को और मजबूत करना चाहिए. यह भी तय किया गया कि दवा उद्योग में अनुपूरक लाभ को मजबूत करना चाहिए और भारतीय जेनेरिक दवाओं और चीनी एपीआई को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का बढ़ाना चाहिए. इससे दोनों देशों में फॉर्मास्यूटिकल उद्योग के विकास को लाभ मिलेगा.

2019-20 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान

2019-20 में देश में कृषिगत उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 23 सितम्बर, 2019 को जारी किए गए. **पहले अग्रिम अनुमानों में केवल खरीफ उपजों के सम्बन्ध में ही अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं.** यह अनुमान राज्यों व अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारियों के आधार पर कृषि मंत्रालय द्वारा लगाए जाते हैं. इस सम्बन्ध में मंत्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि सन्दर्भित वर्ष में खरीफ मौसम में अधिकांश फसलों का अनुमानित उत्पादन विगत पाँच वर्षों में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन से अधिक ही रहा है.

खरीफ उपजों के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के यह पहले अग्रिम अनुमान एक दृष्टि में निम्नलिखित हैं—(राज्यों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर इन आँकड़ों में संशोधन बाद में किया जा सकता है)

कुल खाद्यान्न—140·57 मिलियन टन
- चावल—100·35 मिलियन टन
- मोटे अनाज – 32·00 मिलियन टन
- मक्का—19·89 मिलियन टन
- दलहन—8·23 मिलियन टन
- तूर—3·54 मिलियन टन
- उड़द—2·65 मिलियन टन

तिलहन—22·39 मिलियन टन
- सोयाबीन—13·50 मिलियन टन
- मूँगफली—6·31 मिलियन टन
- अरंडी बीज—1·52 मिलियन टन

कपास—32·27 मिलियन गाँठें (प्रति 170 किग्रा की गाँठ).

पटसन एवं मेस्टा—9·96 मिलियन गाँठें (प्रति 180 किग्रा की गाँठ).

गन्ना—377·77 मिलियन टन

Vikas Bhadu

- कृषि मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमानों में 2019-20 के दौरान खरीफ खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 140·57 मिलियन टन अनुमानित है. यह विगत पाँच वर्षों (2013-14 से 2017-18) के दौरान प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में 8·44 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 में खरीफ चावल का कुल उत्पादन 100·35 मिलियन टन अनुमानित है. **यह विगत पाँच वर्षों के दौरान खरीफ चावल के औसत उत्पादन (93·55 मि. टन) की तुलना में 6·80 मिलियन टन अधिक है.**
- 2019-20 में देश में मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 2018-19 के दौरान प्राप्त किए गए 30·99 मिलियन टन की तुलना में बढ़कर 32·00 मिलियन टन हो गया है.
- 2019-20 में खरीफ दलहनों का कुल उत्पादन 8·23 मिलियन टन अनुमानित है, जो विगत पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 1·00 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 देश में खरीफ तिलहनों का कुल उत्पादन 2018-19 के दौरान के 21·28 मिलियन टन की तुलना में 22·39 मिलियन टन तक अनुमानित है अर्थात् 1·11 मिलियन टन की वृद्धि इसमें हुई है तथापि, यह विगत पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 2·17 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 में देश में खरीफ के तहत् गन्ने का उत्पादन 377·77 मिलियन टन अनुमानित है, जो विगत पाँच वर्ष में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में 27·99 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 में कपास का उत्पादन 32·27 मिलियन गाँठें अनुमानित हैं, जो पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 28·71 मिलियन गाँठ उत्पादन की तुलना में 3·56 मिलियन गाँठ अधिक है.
- 2019-20 में पटसन एवं मेस्टा का अनुमानित उत्पादन 9·96 मिलियन गाँठें (प्रति गाँठ 180 किग्रा की) तक है, जो पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए उत्पादन से अधिक है.

2019-20 की तीसरी तिमाही के लिए लघु बचतों पर ब्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं

मुख्यतः डाकघरों के माध्यम से की जाने वाली लघु बचतों पर ब्याज दरों का निर्धारण प्रत्येक तिमाही आधार पर सरकार द्वारा किया जाता है. 2019-20 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2019) के लिए इन बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में 0·1-0·1 प्रतिशत बिन्दु की कटौती सरकार ने की थी, किन्तु तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2019) के लिए ब्याज दरों में कोई परिवर्तन सरकार द्वारा नहीं किया गया है. जिससे यह ब्याज दरें वही बरकरार हैं, जो 2019-20 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2019) में थीं. इससे अक्टूबर-दिसम्बर 2019 के दौरान–

- ***डाकघर बचत खातों*** *पर वार्षिक ब्याज की दर 4·00 प्रतिशत बरकरार है.*
- *पाँच वर्षीय* ***वरिष्ठ नागरिक बचत योजना*** *(Senior Citizens Saving Scheme) पर यह 8·6 प्रतिशत है.*
- *पाँच वर्षीय* ***राष्ट्रीय बचत-पत्रों*** *(National Savings Certificates) तथा* ***पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड*** *(PPF) पर देय ब्याज दर 7·9-7·9 प्रतिशत बनी हुई है.*
- ***पाँच वर्षीय मासिक आय योजना*** *(Monthly Income Scheme) पर ब्याज दर 7·6 प्रतिशत बनी हुई है.*
- ***किसान विकास-पत्रों*** *पर देय ब्याज 7·6 प्रतिशत रहेगी (किसान विकास पत्रों की परिपक्वता अवधि 113 माह रहेगी).*
- *बालिकाओं के लिए बचत योजना* ***सुकन्या समृद्धि खातों*** *पर देय ब्याज 8·4 प्रतिशत है.*
- *पाँच वर्षीय* ***आवृत्ति जमा*** *(Recurring Deposits) खातों पर देय ब्याज 7·2 प्रतिशत है.*
- *एक वर्षीय, दो वर्षीय व तीन वर्षीय* ***सावधि जमाओं*** *पर देय ब्याज 6·9–6·9 प्रतिशत तथा पाँच वर्षीय सावधि जमाओं (Fixed Deposits) के मामले में यह 7·7 प्रतिशत सालाना बरकरार है.*

इससे पूर्व पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (PPF), किसान विकास पत्र (KVP), राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSC), मासिक आय योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS) व सुकन्या समृद्धि योजना (SSS) में देय ब्याज में 0·1–0·1 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि सरकार ने जुलाई-सितम्बर 2019 तिमाही में की थी.

लघु बचतों पर ब्याज दरें

योजना	ब्याज दर (1 अक्टूबर, 2019 से 31 दिसम्बर, 2019)
बचत खाते	4·0 प्रतिशत
एक वर्षीय सावधि जमा दो वर्षीय सावधि जमा 3 वर्षीय सावधि जमा	6·9 प्रतिशत
5 वर्षीय सावधि जमा	7·7 प्रतिशत
5 वर्षीय रिकरिंग जमा	7·2 प्रतिशत
5 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS)	8·6 प्रतिशत
5 वर्षीय मासिक आय योजना	7·6 प्रतिशत
पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF)	7·9 प्रतिशत
किसान विकास-पत्र (KVP)	7·6 प्रतिशत
(किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 112 माह रहेगी)	
सुकन्या समृद्धि योजना (SSS)	8·4 प्रतिशत
राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSC)	7·9 प्रतिशत

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् का पुनर्गठन

सरकार ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (Economic Advisory Council to the Prime Minister—EAC-PM) का पुनर्गठन सितम्बर 2019 में किया है. 26 सितम्बर, 2019 से प्रभावी यह पुनर्गठन दो वर्ष के लिए किया गया है. परिषद् के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबराय व सदस्य सचिव रतन पी. वाटल पुनर्गठित परिषद् में इन्हीं पदों पर बरकरार रखे गए हैं.

- *इन दो पूर्णकालिक सदस्यों के अतिरिक्त सलाहकार परिषद् में दो–डॉ. आशिमा गोयल व डॉ. साज्जिद चिनॉय को अंशकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च में प्रोफेसर डॉ. आशिमा गोयल पहले से ही इस परिषद् की अंशकालिक सदस्य हैं, जबकि साज्जिद चिनॉय इसमें नए सदस्य हैं. अर्थव्यवस्था के मामलों के विशेषज्ञ डॉ. चिनॉय वर्तमान में जे.पी. मॉर्गन में प्रमुख अर्थशास्त्री हैं.*
- *सितम्बर 2017 से सलाहकार परिषद् में अंशकालिक सदस्य रहे रथिन रॉय (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी) व शमिका रवि (ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन) को पुनर्गठित परिषद् में स्थान नहीं दिया गया है.* ***इससे आर्थिक सलाहकार परिषद् में सदस्यों की कुल संख्या अब पाँच से घटकर चार रह गई है.***
- *पुनर्गठित परिषद् के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबरॉय जाने-माने अर्थशास्त्री हैं तथा जनवरी 2015 से जून 2019 के दौरान नीति आयोग के सदस्य वह रहे थे. परिषद् के सदस्य सचिव श्री रतन वाटल देश के वित्त सचिव रह चुके हैं.*

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् एक संविधानेतर (Non-constitutional), अस्थायी एवं स्वायत्त निकाय है. आर्थिक एवं सम्बन्धित मुद्दों पर सरकार को, विशेषतः प्रधानमंत्री को सलाह देने के लिए ऐसी परिषद् का गठन विभिन्न सरकारों द्वारा समय-समय पर किया जाता रहा है. डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती यूपीए सरकार में डॉ. सी. रंगराजन की अध्यक्षता में आर्थिक सलाहकार परिषद् कार्यरत् थी. चुनाव में यूपीए की पराजय के पश्चात् रंगराजन की अध्यक्षता वाली परिषद् ने मई 2014 में त्यागपत्र दे दिया था. श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में डॉ. बिबेक देबरॉय की अध्यक्षता में परिषद् का गठन सितम्बर 2017 में किया गया था, जिसका पुनर्गठन अब सितम्बर 2019 में दो वर्षों के लिए किया गया है.

Vikas Bhadu

अर्थव्यवस्था की शिथिलता दूर करने को कॉर्पोरेट टैक्स में राहत

शिथिलता के दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से स्वदेशी कम्पनियों के लिए निगम कर (Corporate tax) की दर में कटौती सरकार ने सितम्बर 2019 में की है. कर की घटी दर 1 अप्रैल, 2019 से ही प्रभावी की गई है.

Vikas Bhadu

कॉर्पोरेट टैक्स में इन राहतों से भारत में इस कर की दर काफी कम हो गई है तथा यह चीन, दक्षिण एशिया व दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में लागू दर के समान ही हो गई है. अमरीका, फ्रांस, ब्राजील, द. अफ्रीका, आस्ट्रेलिया व पाकिस्तान आदि में लागू दर की तुलना में भारत में कर दर कम हो गई है. कर दर में उपर्युक्त कटौती से देश में शेयर बाजार में उछाल पहले ही दिन दर्ज किया गया था.

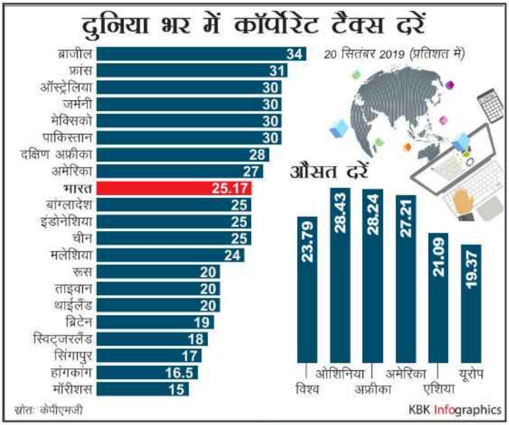

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा 20 सितम्बर, 2019 को की गई घोषणा के तहत् किसी तरह की कोई अन्य छूट/राहत न लेने वाली कम्पनियों के लिए निगम कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत किया गया है. उपकर (Cess) तथा अधिभार (Surcharge) को शामिल करते हुए कर की प्रभावी दर 25·17 प्रतिशत होगी. यह कम्पनियाँ न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT—Minimum Alternative Tax) के दायित्व से मुक्त रहेंगी.

1 अक्टूबर, 2019 के बाद पंजीकृत होने वाली विनिर्माणी क्षेत्र की नई घरेलू कम्पनियों के लिए कर की दर 15 प्रतिशत रहेगी. उपकर व सरचार्ज को मिलाकर इसकी प्रभावी दर 17·01 प्रतिशत होगी.

जो कम्पनियाँ विभिन्न प्रकार की कर छूटों/राहतों का लाभ लेंगी उनके लिए कर की दर पूर्ववत् 30 प्रतिशत ही रहेगी. ऐसी कम्पनियों को मिनीमम ऑल्टरनेट टैक्स (MAT) का दायित्व भी होगा. मैट की दर को 18·5 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत ताजा राहतों के तहत् किया गया है.

अनेक उत्पादों व सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती

कॉर्पोरेट टैक्स की दरों में कटौती के पश्चात् अनेक उत्पादों एवं सेवाओं पर जीएसटी में भी कटौती सरकार ने 1 अक्टूबर, 2019 से की है. इसके साथ ही कैफीनयुक्त पेयों (Caffeinated beverages) पर इसे 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत (+ 12 प्रतिशत उपकर) किया गया है.

अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के उद्देश्य से कुछ उत्पादों एवं सेवाओं पर जीएसटी में कटौती का निर्णय जीएसटी काउंसिल की अध्यक्ष वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 20 सितम्बर, 2019 को गोवा में सम्पन्न बैठक में लिया गया. इनके तहत् होटलों में कमरों के किराए, आउटडोर कैटरिंग हीरा उद्योग में जॉब वर्क तथा कुछेक श्रेणियों के अन्य जॉब वर्क्स पर जीएसटी दरों में कटौतियाँ की गई हैं.

- *पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होटलों के ₹ 1000 प्रतिदिन तक के किराए वाले कमरों को अब जीएसटी से मुक्त किया गया है, जबकि ₹ 1001 से ₹ 7500 प्रतिदिन किराए वाले कमरों के मामले में इसे घटाकर 12 प्रतिशत तथा ₹ 7500 से अधिक किराए वाले कमरों के मामलों में इसे घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है. इससे पूर्व ₹ 1001 से ₹ 2500 तक के किराए वाले कमरों पर 12 प्रतिशत, ₹ 2501 से ₹ 7500 तक किराए वाले कमरों पर 18 प्रतिशत तथा ₹ 7500 से अधिक किराए वाले कमरों के मामले में 28 प्रतिशत जीएसटी देय था.*

  आउटडोर कैटरिंग पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है.

  इंजीनियरिंग सेवाओं के लिए जॉब वर्क्स पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया गया है, जबकि हीरों के मामलों में इसे 5 प्रतिशत से घटाकर 1·5 प्रतिशत किया गया है.
- *समुद्री एवं वायु मार्ग से निर्यात माल के लदान पर जीएसटी की सशर्त छूट की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ाते हुए इसे 30 सितम्बर, 2020 तक बढ़ा दिया गया है. निर्यात मामलों में कुछ अन्य राहतें भी जीएसटी काउंसिल की 20 सितम्बर, 2019 की बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत् दी गई है. कुछेक अन्य उत्पादों के मामलों में भी जीएसटी की नई दरें काउंसिल की इस बैठक में निर्धारित की गई हैं तथा छोटे व्यापारियों को रिटर्न दाखिल करने के मामले में भी कुछ राहतें प्रदान की गई हैं.*

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

प्याज की कीमतों पर अंकुश के लिए निर्यात पर पूर्ण प्रतिबन्ध

देश में खुदरा बाजार में प्याज की लगातार बढ़ती हुई कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सभी किस्मों के प्याज के निर्यात पर रोक सरकार ने सितम्बर 2019 में आरोपित की है. इस आशय की अधिसूचना विदेश व्यापार निदेशालय (DGFT) ने 29 सितम्बर, 2019 को जारी की. (इससे पूर्व निर्यात पर अंकुश के लिए प्याज का न्यूनतम निर्यात मूल्य 850 डॉलर प्रति टन सरकार ने सितम्बर माह में ही निर्धारित किया था.) प्याज के खुदरा मूल्य में नरमी लाने के लिए एक अन्य कदम के तहत् अपने बफर स्टॉक से 50 हजार टन प्याज निकालने की घोषणा भी केन्द्र सरकार ने की है तथा व्यापारियों के लिए प्याज भण्डारण की सीमा भी तय की गई है.

●●●

नवीनतम सामान्य ज्ञान

Vikas Bhadu

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

एसईक्यूआई–स्कूल एज्यूकेशन क्वालिटी इंडेक्स

SEQI—School Education Quality Index.

व्याख्या–विभिन्न राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के आकलन के लिए यह सूचकांक नीति आयोग द्वारा तैयार किया गया है. ऐसे पहले सूचकांक, जो 2016-17 के आँकड़ों पर आधारित हैं, आयोग ने 30 सितम्बर, 2019 को जारी किए हैं.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया भारत के नए वायु सेनाध्यक्ष

एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया भारतीय वायु सेना के नए प्रमुख 30 सितम्बर, 2019 से बने हैं. इस पद पर एयर चीफ मार्शल बी. एस. धनोआ जो 30 सितम्बर को ही सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान उन्होंने लिया है. इस नियुक्ति से पूर्व 1 मई, 2019 से उन्हें वायु सेना का उप प्रमुख बनाया गया था. एयर चीफ मार्शल धनोआ 31 दिसम्बर, 2016 से वायु सेना प्रमुख थे.

एयर चीफ मार्शल आर. के. एस. भदौरिया : नए वायु सेना प्रमुख.

नव नियुक्त वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर. के. एस. भदौरिया वायु सेना के 26वें प्रमुख हैं. नेशनल डिफेंस एकेडमी में अपने बैच के टॉपर रहे श्री भदौरिया परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल जैसे कई सम्मानों से सम्मानित हैं.

एयर मार्शल हरिजीत सिंह अरोरा वायु-सेना के नए उपप्रमुख

भारतीय वायुसेना की दक्षिण पश्चिम कमान के प्रमुख रहे एयर मार्शल हरिजीत सिंह अरोरा को अब वायु सेना का उपप्रमुख (Vice Chief of Air Staff) बनाया गया है. उन्होंने अपना यह नया दायित्व 1 अक्टूबर, 2019 से ग्रहण किया है. इस पद पर एयर मार्शल आर. के. एस. भदौरिया, जिन्होंने वायु-सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार 30 सितम्बर से सँभाला है, का स्थान एयर मार्शल हरिजीत अरोरा ने लिया है.

हरिजीत सिंह अरोरा : वायुसेना के नए उपप्रमुख

थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत सेना-ध्यक्षों की समिति के नए चेयरमैन Chairman of the Chiefs of Staff Committee

थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत भारत के सेनाध्यक्षों की समिति के नए प्रमुख 27 सितम्बर, 2019 से बने हैं. इस पद पर एयर चीफ मार्शल बी. एस. धनोआ, जो 30 सितम्बर को ही सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान जनरल रावत ने लिया है. जनरल रावत दिसम्बर 2019 तक ही इस पद पर रहेंगे, जिसके पश्चात् वह सेवानिवृत्त होंगे.

सेनाध्यक्षों की समिति के अध्यक्ष का बेटन जनरल बिपिन रावत को सौंपते हुए निवर्तमान वायु सेना प्रमुख बी. एस. धनोआ.

- *तीनों सेनाध्यक्षों में वरिष्ठतम सेनाध्यक्ष ही सेनाध्यक्षों की समिति का अध्यक्ष होता है. सेवानिवृत्त से पूर्व एयर चीफ मार्शल बी. एस. धनोआ वरिष्ठतम सेनाध्यक्ष होने के नाते सेनाध्यक्षों की समिति के अध्यक्ष थे.*

पंजाब केसरी ग्रुप के विजय कुमार चोपड़ा पीटीआई के नए अध्यक्ष

विजय कुमार चोपड़ा : पीटीआई के नए अध्यक्ष

पंजाब केसरी समाचार-पत्र के प्रधान सम्पादक विजय कुमार चोपड़ा देश की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PTI) के अध्यक्ष सितम्बर 2019 में सर्वसम्मति से बनाए गए हैं. इस पद हेतु उनका यह चुनाव 6 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली में पीटीआई की 71वीं आम बैठक के पश्चात् निदेशक मंडल की बैठक में किया गया. विजय चोपड़ा इससे पूर्व इस समाचार एजेंसी के वाइस चेयरमैन थे. चेयरमैन पद पर 'द हिन्दू' समूह के एन. रवि का स्थान चोपड़ा ने लिया है.

बेनेट कोलमैन एण्ड कम्पनी लि. (BCCL) के प्रबन्ध निदेशक विनीत जैन को अब इस एजेंसी का वाइस चेयरमैन सितम्बर 2019 में बनाया गया है.

शैलेश गुप्ता इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी के नए अध्यक्ष

मिड डे (Mid-Day) के शैलेश गुप्ता सत्र 2019-20 के लिए इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (INS) के अध्यक्ष सितम्बर 2019 में बनाए गए हैं. इस पद हेतु उनका यह चुनाव 25 सितम्बर, 2019 को बेंगलूरु में आईएनएस की 80वीं वार्षिक आम बैठक में हुआ. इससे पूर्व 2018-19 में वह इस संगठन के डिप्टी प्रेसीडेंट थे. अध्यक्ष पद पर मलयाला मनोरमा के जयंत मैमन मैथ्यू का स्थान उन्होंने लिया है. 'हैल्थ एण्ड द एंटीसेप्टिक' के एल. आदिमूलम सत्र 2019-20 के लिए आईएनएस के डिप्टी प्रेसीडेंट सितम्बर 2019 में आईएनएस की उपर्युक्त बैठक में चुने गए हैं.

शैलेश गुप्ता : आईएनएस के नए अध्यक्ष

मधुकर कामत ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशंस के नए चेयरमैन

मधुकर कामत

एडवरटाइजिंग फर्म डीडीबी मुद्रा लि. के मधुकर कामत (Madhukar Kamath) मीडिया जगत् के ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशंस (ABC) के नए चेयरमैन सितम्बर 2019 में चुने गए हैं. इस पद पर उनका यह चुनाव सत्र 2019-20 के लिए हुआ है. लोकमत मीडिया के देवेन्द्र वी. डर्डा सत्र 2019-20 के लिए एबीसी के डिप्टी चेयरमैन इसके साथ ही चुने गए हैं.

Vikas Bhadu

प्रमोद कुमार मिश्रा अब प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव

भारतीय प्रशासनिक सेवा के गुजरात कैडर के 1972 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी प्रमोद कुमार मिश्रा प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव 11 सितम्बर, 2019 से बनाए गए हैं. इस पद पर 71 वर्षीय श्री पी. के. मिश्रा ने नृपेन्द्र मिश्रा का स्थान लिया है, जिन्होंने स्वेच्छा से ही अपना यह कार्य-भार 30 अगस्त, 2019 से छोड़ा था. इस नियुक्ति से पूर्व श्री पी. के. मिश्रा प्रधानमंत्री कार्यालय में ही अतिरिक्त प्रधान सचिव (Additional Principal Secretary) के रूप में कार्यरत् थे.

पी. के. मिश्रा प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव

पी. के. मिश्रा की इस नियुक्ति के साथ ही कैबिनेट सचिव रहे प्रदीप कुमार सिन्हा को प्रधानमंत्री कार्यालय में अब प्रधानमंत्री का प्रधान सलाहकार 11 सितम्बर, 2019 से बनाया गया है.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

यूएफा के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर (2018-19)

लिवरपूल क्लब के डिफेंडर वर्गिल वान डिक (Virgil Van Dijk) को सत्र 2018-19 के दौरान यूरोपीय फुटबाल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यूएफा (UEFA) का वर्ष 2019 का **प्लेयर ऑफ द ईयर** पुरस्कार पुरुषों में दिया गया है. जुवेंटिस के क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) व बार्सीलोना के लियोनिल मेसी भी इस पुरस्कार के लिए अल्पसूचीबद्ध थे, किन्तु नीदरलैण्ड्स के वर्गिल डिक को इसके लिए चुना गया. उन्हें यह पुरस्कार 29 अगस्त, 2019 को प्रदान किया गया.

वर्गिल वान डिक : यूएफा के प्लेयर ऑफ द ईयर (2018-19)

यूएफा के यह पुरस्कार यूरोपीय फुटबाल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिए जाते हैं. इन पुरस्कारों को पहले यूएफा के 'Best Player in Europe' नाम से जाना जाता था. पुरुष फुटबालरों के लिए 2011 से शुरू किया गया यह पुरस्कार अब तक सर्वाधिक तीन बार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 2014, 2016 व 2017 में मिला है. अर्जेन्टीना के लियोनिल मैसी को यह दो बार (2011 व 2015 में) मिल चुका है. इस पुरस्कार के अन्य विजेता फ्रैंक रिबेरी (फ्रांस, 2013) एंड्रीज इनीस्ता (स्पेन, 2012) व लुका मॉड्रिच (2018) रहे हैं. महिला फुटबालरों के लिए इस पुरस्कार की शुरूआत 2013 से ही हुई थी.

महिला फुटबालरों में 2018-19 के लिए यूएफा का यह पुरस्कार (UEFA—Women's Player of the Year Award) ओलम्पिक लियोनइस के लिए खेलने वाली इंगलैण्ड की लूसी ब्रोंज (Lucy Bronze) को दिया गया है.

फीफा के वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर

विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा (FIFA) के वर्ष 2019 के पुरस्कारों का वितरण इटली में मिलान में 23 सितम्बर, 2019 को हुआ. पुरुषों में वर्ष 2018 के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर (The Best FIFA Men's Player) का पुरस्कार अर्जेन्टीना के लियोनिल मैसी (Lionel Messi) को इन पुरस्कारों के तहत् प्रदान किया है. उससे पूर्व लगातार दो वर्ष तक, 2016 व 2017 में यह पुरस्कार पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो को दिया गया था.

महिला फुटबालरों में यह पुरस्कार अमरीका की मेगन रैपीनो (Megan Rapinoe) को दिया गया है.

फीफा के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर की ट्रॉफियों के साथ लियोनिल मैसी व मेगन रैपिनो.

पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबालर (The Best FIFA Men's Player)

—लियोनिल मैसी (अर्जेन्टीना)

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबालर (The Best FIFA Womens Player)

—मेगन रैपिनो (अमरीका)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच (पुरुष)

—जुर्गेन क्लॉप (जर्मनी) लिवरपूल टीम के कोच

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच (महिला टीम)

—जिल एलिस (इंगलैण्ड) अमरीकी टीम के कोच

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर

—एलिसन (ब्राजील)

स्टॉकहोम वाटर प्राइज़ (2019)

केप टाउन विश्वविद्यालय में लगभग चार दशक तक पारिस्थितिकीय मुद्दों पर कार्यरत् रही. डॉ. जैकी किंग (Jackie King) को नदी जल प्रवाह के सम्बन्ध में उनके शोध के लिए स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट (SIWI) का वर्ष 2019 का स्टॉकहोम वाटर प्राइज़ 28 अगस्त, 2019 को स्टॉकहोम में प्रदान किया. स्वीडन के सम्राट कार्ल-XVI गुस्ताफ, जो इस पुरस्कार के संरक्षक हैं, ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया.

स्वीडन के सम्राट कार्ल-XVI गुस्ताफ के हाथों पुरस्कार प्राप्त करती हुई डॉ. जैकी किंग.

गणित के क्षेत्र का सास्त्रा रामानुजम पुरस्कार (2019)

वार्विक विश्वविद्यालय (इंगलैण्ड) में गणित विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत् एडम हार्पर (Adam Harper) को गणित के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योग-दान के लिए सास्त्रा विश्वविद्यालय (थांजाबुर) के वर्ष 2019 के सास्त्रा रामानुजम पुरस्कार हेतु चुना गया है. 10 हजार डॉलर का यह पुरस्कार उन्हें 22 दिसम्बर, 2019 को रामा-नुजम की जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा. यह पुरस्कार प्रसिद्ध गणितज्ञ रामानुजम, जिनका निधन 32 वर्ष की आयु में ही 1920 में हो गया था, की स्मृति में स्थापित है तथा 32 वर्ष से कम उम्र के गणितज्ञों को ही यह दिया जाता है.

राइट लिवलीहुड पुरस्कार (2019)

जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध अभियान चलाने वाली स्वीडिश बालिका ग्रेटा थुनबर्ग (Greta Thunberg), प. सहारा की मानवा-धिकार कार्यकर्ता अमि-नातोउ हैदर (Aminatou Haidar), चीनी वकील गोउ जियानमेइ (Guo Jianmei) तथा ब्राजील के हुतुकारा यानोमामी एसोसिएशन व उसके नेता दावी कोपेनावा यानोमामी (Davi Kopenawa Yanomami) उन चार व्यक्तियों में शामिल हैं, जिन्हें वर्ष 2019 के राइट लिवलीहुड पुरस्कार हेतु चुना गया है. 'वैकल्पिक नोबेल पुरस्कार' के रूप में प्रसिद्ध 10 लाख

ग्रेटा थुनबर्ग : केवल 16 वर्ष की आयु में राइट लिवलीहुड पुरस्कार

स्वीडिश क्रोनर का यह पुरस्कार उन्हें प्रदान करने की घोषणा राइट लिवलीहुड फाउंडेशन ने 26 सितम्बर, 2019 को स्वीडन में की. पुरस्कार पाने वाली 16 वर्षीय स्वीडिश किशोरी ग्रेटा थुनबर्ग ने पिछले वर्ष ही जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध अपनी मुहिम **फ्राइडे फॉर फ्यूचर** शुरू कर दी थी, जब उन्होंने 'जलवायु के लिए स्कूल हड़ताल' की तख्ती लेकर स्वीडिश संसद के समक्ष अकेले ही प्रदर्शन शुरू कर दिया था. उनकी इस पहल ने वैश्विक आन्दोलन का रूप धीरे-धीरे ले लिया.

Vikas Bhadu

*राइट लिवलीहुड **पुरस्कारों का वितरण स्वीडन में स्टॉकहोम में नोबेल पुरस्कारों के वितरण से सामान्यतः एक सप्ताह पूर्व किया जाता है. वैकल्पिक नोबेल पुरस्कार (Alternative Nobel Prize)** के रूप में जाना जाने वाला यह पुरस्कार ऐसे व्यक्तियों व संगठनों को दिया जाता है, जिन्होंने विश्व के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का व्यावहारिक हल तलाशने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो तथा नोबेल पुरस्कार के लिए जिनकी उपेक्षा की गई हो. इस पुरस्कार की स्थापना जर्मन-स्वीडिश परोपकारी जेकब वॉन युएक्सकुल (Jakob Von Uexkull) ने 1980 में की थी तथा **इस वर्ष इन पुरस्कारों का 40वाँ वर्ष था.***

देश की एकता व अखण्डता में योगदान हेतु सरदार पटेल के नाम पर सर्वोच्च नागरिक सम्मान (राष्ट्रीय एकता पुरस्कार)

*देश की एकता एवं अखण्डता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **राष्ट्रीय एकता पुरस्कार** शुरू करने की घोषणा सरकार ने सितम्बर 2019 में की है. पुरस्कार की घोषणा 31 अक्टूबर को पटेल की जयंती-राष्ट्रीय एकता दिवस पर की जाएगी. पद्म पुरस्कारों के साथ ही यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा.*

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार की स्थापना

- *गृह मंत्रालय की सितम्बर 2019 की विज्ञप्ति के अनुसार पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र के साथ एक पदक दिया जाएगा तथा कोई मौद्रिक राशि इसके साथ सम्बद्ध नहीं होगी.*
- *विशेष स्थिति एवं अत्यधिक सुयोग्य मामलों को छोड़कर यह पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान नहीं किया जाएगा तथा एक वर्ष में तीन से अधिक ऐसे पुरस्कार नहीं दिए जाएंगे.*
- *पुरस्कार के चयन हेतु एक समिति का गठन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा, जिसमें कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, राष्ट्रपति के सचिव व गृह सचिव के अतिरिक्त प्रधानमंत्री द्वारा नामित 3-4 अन्य सदस्य शामिल होंगे.*

वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए बॉलीवुड के 'आइफा' पुरस्कार (2019)

वर्ष 2018 में प्रदर्शित हिन्दी फिल्मों में उत्कृष्टता के लिए **इंटरनेशनल इण्डियन फिल्म एकेडमी (IIFA)** के 20वें पुरस्कारों का वितरण मुम्बई में 18 सितम्बर, 2019 को किया गया. मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्म 'राज़ी' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के पुरस्कार सहित सर्वाधिक 4 पुरस्कार पॉपुलर श्रेणी में प्राप्त हुए, जबकि अंधाधुन व पद्मावत को दो-दो पुरस्कार मिले तथा सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार श्रीराम राघवन को फिल्म अंधाधुन के लिए मिला. फिल्म 'पद्मावत' में भूमिका के लिए रणवीर सिंह को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का तथा 'राज़ी' में भूमिका के लिए आलिया भट्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया. इन पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

सर्वश्रेष्ठ फिल्म—राज़ी (निर्देशक—मेघना गुलजार)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक—श्रीराम राघवन (अंधाधुन)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता—रणवीर सिंह (पद्मावत)

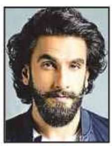

रणवीर सिंह : सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

आलिया भट्ट : सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री—आलिया भट्ट (राज़ी)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता—विकी कौशल (संजू)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री—अदिति राव हैदरी (पद्मावत)

सर्वश्रेष्ठ संगीत—अमाल मलिक व अन्य (सोनू के टीटू की स्वीटी)

सर्वश्रेष्ठ बैकग्राउंड स्कोर—डेनियल बी. जॉर्ज (अंधाधुन)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक—अरिजीत सिंह (ऐ वतन, राज़ी)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका—हर्षदीप कौर व विभा सराफ (दिलबरो······, राज़ी)

सर्वश्रेष्ठ गीतकार—अमिताभ भट्टाचार्य (धड़क)

कोरियोग्राफी—कृति महेश मिड्या व ज्योति तोमर (घूमर······, पद्मावत)

सवश्रेष्ठ डेब्यू (पुरुष)—इशान खट्टर (धड़क)

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (महिला)—सारा अली खान (केदारनाथ)

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार—जगदीप जाफरी.

आइफा बिग-20 अवार्ड फॉर बेस्ट डायरेक्टर (20 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक)—राजकुमार हिरानी (संजू)

आइफा बिग-20 अवार्ड फॉर बेस्ट एक्टर—रणवीर कपूर (बर्फी)

आइफा बिग-20 अवार्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस—दीपिका पादुकोण (चेन्नई एक्स-प्रेस)

भारतीय सिनेमा की विश्वव्यापी पहचान बनाने के उद्देश्य से 'आइफा' पुरस्कारों का वितरण भारत के बाहर ही किसी देश में किया जाता रहा है तथा **इस वर्ष यह पहला ही वर्ष है, जब इनका वितरण भारत में (मुम्बई में) किया गया.** विभिन्न वर्षों में इन पुरस्कारों के वितरण स्थल निम्नलिखित रहे हैं—

वर्ष	पुरस्कार वितरण स्थल
2000	लंदन (इंगलैण्ड)
2001	सनसिटी (दक्षिण अफ्रीका)
2002	जेंटिंग हाइलैण्ड्स (मलेशिया)
2003	जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
2004	सिंगापुर
2005	एम्सटर्डम (नीदरलैण्ड्स)
2006	दुबई (संयुक्त अरब अमीरात)
2007	शेफील्ड (इंगलैण्ड)
2008	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
2009	मकाउ (चीन)
2010	कोलम्बो (श्रीलंका)
2011	टोरंटो (कनाडा)
2012	सिंगापुर
2013	मकाउ (चीन)
2014	ताम्पा बे (अमरीका)
2015	कुआलालम्पुर (मलेशिया)
2016	मैड्रिड (स्पेन)
2017	न्यूयार्क (अमरीका)
2018	बैंकॉक (थाइलैण्ड)
2019	मुम्बई (भारत)

स्वच्छ भारत अभियान हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का ग्लोबल गोलकीपर पुरस्कार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड से सम्मानित किया है. फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स ने यह पुरस्कार 25 सितम्बर, 2019 को न्यूयॉर्क में एक समारोह में प्रदान किया.

न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को ग्लोबल गोलकीपर पुरस्कार से सम्मानित करते बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स.

*उन्हें यह पुरस्कार उनके नेतृत्व में भारत में चलाए गए **स्वच्छ भारत अभियान** के लिए दिया गया है.*

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर स्वच्छता के लिए मिले इस सम्मान को श्री मोदी ने उन भारतीयों को समर्पित किया, जिन्होंने स्वच्छ भारत मिशन को एक जन आंदोलन में बदलकर इसे सफल बनाया.

- *प्रधानमंत्री ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत् विगत 5 वर्षों में देश में रिकॉर्ड 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया.*
- *इस मिशन ने न केवल भारत के करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनकी गरिमा की रक्षा की है बल्कि संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.*

बाल विवाह व बाल श्रम के विरुद्ध संघर्ष हेतु राजस्थान की पायल जांगिड़ को बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का चेंजमेकर अवार्ड

राजस्थान के अलवर जिले के एक गांव की पायल जांगिड़ को बाल विवाह एवं

पायल जांगिड़

बाल श्रम के विरुद्ध उनके संघर्ष के लिए बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने अपने चेंजमेकर अवार्ड से सम्मानित किया है. 17 वर्षीय पायल को यह पुरस्कार 25 सितम्बर को उसी कार्यक्रम में दिया गया, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी को ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड दिया गया. 11 वर्ष की उम्र में ही अपने स्वयं के बाल विवाह को रोकने के पश्चात् पायल ने बाल विवाह के विरुद्ध मुहिम शुरू की. वह श्री कैलाश सत्यार्थी के बचपन बचाओ आंदोलन से भी जुड़ गई थीं.

पी. टी. उषा को अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ की वेटरन पिन

भारत की पूर्व वर्षों की जानी-मानी धाविका पी. टी. उषा को अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (IAAF) ने अपनी 'वेटरन पिन' से सम्मानित किया है. 'पायोली एक्सप्रेस' के नाम से विख्यात पी. टी. उषा को यह सम्मान आईएएएफ की कतर में दोहा में 24 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न कांग्रेस में दिया गया.

- *पी. टी. उषा वर्ष 1984 के लॉस एंजिल्स ओलम्पिक्स में 400 मी बाधा दौड़ में फाइनल में पहुँची थीं, किन्तु सेकंड के 100वें हिस्से से पदक से चूक गई थी.*
- *1985 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था. उससे पूर्व 1983 में अर्जुन पुरस्कार उन्हें दिया गया था.*

शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार (2019)

विज्ञान की 7 विभिन्न शाखाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के 13 चुनींदा वैज्ञानिकों के लिए सीएसआईआर (Council of Scientific and Industrial Research) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्) के शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कारों की घोषणा 26 सितम्बर, 2019 को परिषद् के स्थापना दिवस पर की गई. पुरस्कार हेतु चयनित वैज्ञानिकों के नाम निम्नलिखित हैं–

जैविकीय विज्ञान (Biological Sciences)—डॉ. के. साईकृष्णन (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च, पुणे) व डॉ. सौमेन बसक (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी, नई दिल्ली)

रसायन विज्ञान (Chemical Sciences)—डॉ. राघवन बी. सुनोज (आईआईटी, बॉम्बे) व डॉ. तापस कुमार माजी (जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलूरू).

पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान (Earth, Atmosphere, Ocean and Planetary Sciences)—डॉ. सुबिमल घोष (आईआईटी, बॉम्बे)

इंजीनियरिंग विज्ञान (Engineering Sciences)—डॉ. मणिक वर्मा (माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया, बेंगलूरू)

गणित विज्ञान (Mathematical Sciences)—डॉ. दिशांत मयूर भाई पंचोली (इंस्टीट्यूट ऑफ मैथेमैटिकल साइंस, चेन्नई) व डॉ. नीना गुप्ता (इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता)

चिकित्सा विज्ञान (Medical Sciences)—डॉ. धीरज कुमार (इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली) व डॉ. मोहम्मद जावेद अली (एल. वी. प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, हैदराबाद)

भौतिक विज्ञान (Physical Sciences)—डॉ. शंकर घोष (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुम्बई) व डॉ. आनिंदा सिन्हा (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलूरू).

विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार व राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार

वर्ष 2017 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के विश्वकर्मा पुरस्कारों (पूर्व नाम श्रमवीर पुरस्कार) व राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कारों का वितरण केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संतोष कुमार गंगवार ने 17 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में प्रदान किए. 1965 से शुरू किए गए इन पुरस्कारों का यह 52वाँ वर्ष था.

- *विश्वकर्मा पुरस्कार ऐसे कामगारों या कामगारों के समूहों को दिए जाते हैं जिनके सुझावों के कार्यान्वयन से औद्योगिक संस्थान के काम की गुणवत्ता व उत्पादकता में सुधार हो सके. कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सुधार लाने वाले सुझावों के लिए भी यह पुरस्कार दिए जाते हैं.*
- *विश्वकर्मा पुरस्कारों में कुल 28 पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं. इनमें ए श्रेणी में ₹ 75-75 हजार के 5 पुरस्कार, बी श्रेणी में ₹ 50-50 हजार के 8 पुरस्कार तथा सी श्रेणी में ₹ 25-25 हजार के 15 पुरस्कार शामिल हैं. कोई भी पुरस्कार एक से अधिक कामगारों को संयुक्त रूप से दिया जा सकता है. वर्ष 2017 के लिए यह 28 पुरस्कार 131 कामगारों द्वारा साझा किए गए हैं.*
- ***राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार** दुर्घटना रोकथाम कार्यक्रमों के तहत् औद्योगिक प्रतिष्ठानों, निर्माणाधीन स्थानों व बंदरगाहों आदि पर उल्लेखनीय सुरक्षा प्रदर्शन के लिए दिए जाते हैं. 12 श्रेणियों में दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत् एक शील्ड व प्रशस्ति पत्र प्रत्येक पुरस्कृत को प्रदान किया जाता है. वर्ष 2017 के लिए कुल मिलाकर 130 कामगारों (81 विजेता व 49 उपविजेता) को यह पुरस्कार दिए गए.*

> *यह पुरस्कार 45 वर्ष से कम उम्र के वैज्ञानिकों को ही विज्ञान की उपर्युक्त विधाओं में विगत पाँच वर्षों में उनके द्वारा की गयी वैज्ञानिक शोध के लिए दिया जाता है. पुरस्कार के तहत् ₹ 5–5 लाख की राशि प्रशस्ति-पत्र के साथ पुरस्कृत वैज्ञानिकों को प्रदान की जाती है.*

Vikas Bhadu

हिन्दी फिल्म गली बॉय ऑस्कर पुरस्कार हेतु भारत की आधिकारिक प्रविष्टि

जोया अख्तर द्वारा निर्देशित हिन्दी फिल्म गली बॉय (Gully Boy) फरवरी 2020 में घोषित किए जाने वाले (92वें) ऑस्कर पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि है. इस फिल्म को विदेशी भाषा की श्रेणी की फिल्मों में भारत की प्रविष्टि के रूप में चयन फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है. फरवरी 2019 में प्रदर्शित इस फिल्म में रणवीर सिंह व आलिया भट्ट की मुख्य भूमिकाएं हैं तथा फिल्म के निर्माताओं में जोया अख्तर के अतिरिक्त फरह अख्तर व रितेश सिंघवानी भी शामिल हैं. इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर इसी वर्ष (2019 में) बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में हुआ था.

उल्लेखनीय है कि भारत की तीन फिल्में ही अब तक विदेशी भाषा की श्रेणी में पुरस्कार हेतु नामित हो सकी हैं. इनमें महबूब खान की **मदर इंडिया** (1957), मीरा नायर की **सलाम बॉम्बे** (1988) व आशुतोष गोवरीकर की लगान (2001) शामिल हैं. इनमें से कोई फिल्म पुरस्कार जीतने में सफल नहीं रही है.

राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार (2017-18)

देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों का वितरण पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया जाता है. यह पुरस्कार राज्य सरकारों/केन्द्र-शासित क्षेत्रों, वर्गीकृत होटलों, विरासत होटलों, टूर ऑपरेटरों, व्यक्तियों व अन्य निजी संगठनों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं. वर्ष 2017-18 के राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों का वितरण 27 सितम्बर, 2019 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने किया. पर्यटन और संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) के महासचिव भी इस अवसर पर उपस्थित थे. 2017-18 के लिए कुल 76 पुरस्कार अग्रलिखित को प्रदान किए गए–

- *पर्यटन के समग्र विकास के लिए आन्ध्र प्रदेश को पहला, गोवा को दूसरा तथा केरल को तीसरा पुरस्कार इनमें प्रदान किया गया. रोमांचक पर्यटन की श्रेणी में यह पुरस्कार गोवा व मध्य प्रदेश को संयुक्त रूप से दिया गया.*
- *मध्य प्रदेश के ओरछा को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ हैरिटेज सिटी का पुरस्कार दिया गया.*
- *सर्वश्रेष्ठ टूरिस्ट फ्रैंडली रेलवे स्टेशन का पुरस्कार विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन को मिला.*
- *सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे का पुरस्कार श्रेणी के शहरों में बम्बई स्थित छत्रपति शिवाजी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को तथा अन्य शहरों के मामले में यह देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे को दिया गया.*
- *'सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माण मित्र राज्य' (Best Film Production Friendly State) का पुरस्कार उत्तराखण्ड को दिया गया.*
- *साहसी पर्यटन हेतु सर्वश्रेष्ठ राज्य (Best State for Adventure Tourism) का पुरस्कार मध्य प्रदेश व गोवा को संयुक्त रूप से दिया गया.*
- *स्वच्छता पुरस्कार इंदौर म्यूनिस्पिल कॉर्पोरेशन को दिया गया.*
- *सर्वश्रेष्ठ 'पर्यटन मित्र गोल्फ कोर्स' (Tourism Friendly Golf Course) का पुरस्कार नोएडा स्थित जेपी ग्रीन गोल्फ कोर्स को मिला.*
- *5 स्टार डीलक्स श्रेणी के होटलों में सर्वश्रेष्ठ होटल का पुरस्कार द ओबेराय उदय बिलास (उदयपुर) को जहाँ मिला, वहीं 5-स्टार होटलों की श्रेणी में द ट्राइडेंट (चेन्नई) को, 4-स्टार होटलों की श्रेणी में ताज गेटवे (चिकमंगलूर) को तथा 3-स्टार होटलों की श्रेणी में होटल लेमन ट्री, औरंगाबाद को सर्वश्रेष्ठ होटल के पुरस्कार दिए गए. सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण मित्र होटल का पुरस्कार मेलुहा द फर्न, मुम्बई को मिला.*
- *सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग मित्र स्मारक (Best Disabled Friendly Monument) का पुरस्कार सांची के बुद्ध स्मारक को दिया गया.*

महानायक अमिताभ बच्चन को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (2018)

लगभग पाँच दशकों से बॉलीवुड में सक्रिय वरिष्ठ अभिनेता अभिताभ बच्चन को देश के सिनेमा जगत् के सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा सरकार ने 24 सितम्बर, 2019 को की. 'सदी के महानायक' के रूप में ख्याति प्राप्त अभिताभ बच्चन को वर्ष 2018 का यह पुरस्कार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के वितरण समारोह में ही प्रदान किया जाएगा. इस पुरस्कार के तहत् स्वर्ण कमल के साथ ₹ 10 लाख की राशि प्रदान की जाती है.

प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन के पुत्र अभिताभ बच्चन ने अपने पाँच दशक के फिल्मी कॅरियर में लगभग दो सौ फिल्मों में विभिन्न भूमिकाएं निभाई हैं. कुछ फिल्मों में पार्श्वगायक व निर्माता भी वह रहे हैं. अभिनेता के रूप में उनकी पहली फिल्म सात हिन्दुस्तानी (1969) थी, जिसमें उत्कृष्ट भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ नवांगतुक (Debut) अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था. उनकी अत्यधिक सफल फिल्मों में आनंद (1971), जंजीर (1973), शोले (1975), दीवार (1975), अमर अकबर एंथनी (1977), डॉन (1978), अग्निपथ (1990) आदि शामिल हैं.

फिल्म जगत् के अनेक पुरस्कारों से सम्मानित अभिताभ बच्चन को 1984 में पद्मश्री, 2001 में पदम भूषण व 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था.

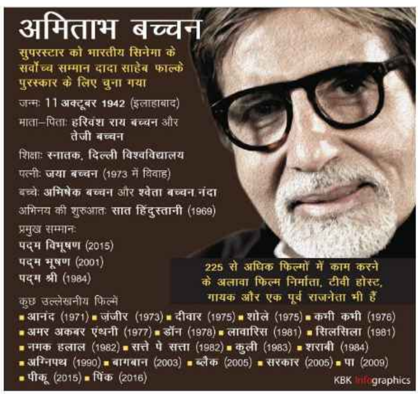

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित हस्तियाँ

1969–श्रीमती देविका रानी	1994–दिलीप कुमार
1970–बी. एन. सरकार	1995–डॉ. राजकुमार
1971–पृथ्वीराज कपूर (मरणोपरांत)	1996–शिवाजी गणेशन
1972–पंकज मलिक	1997–कवि प्रदीप (रामचन्द्र नारायण द्विवेदी)
1973–सुलोचना रूबी मायर	1998–बी. आर. चोपड़ा
1974–बी. एन. रेड्डी	1999–हृषिकेश मुखर्जी
1975–धीरेन गांगुली	2000–आशा भोंसले
1976–कानन देवी	2001–यश चोपड़ा
1977–नितिन बोस	2002–देवानन्द
1978–आर. सी. बोराल	2003–मृणाल सेन
1979–सोहराब मोदी	2004–अडूर गोपालकृष्णन
1980–पी. जयराज	2005–श्याम बेनेगल
1981–नौशाद अली	2006–तपन सिन्हा
1982–एल. वी. प्रसाद	2007–मन्ना डे
1983–दुर्गा खोटे	2008–वी. के. मूर्ति
1984–सत्यजीत रे	2009–डी. रामानायडू
1985–वी. शांताराम	2010–के. बालाचंदर
1986–बी. नागी रेड्डी	2011–सौमित्र चटर्जी
1987–राजकपूर	2012–प्राण
1988–अशोक कुमार	2013–गुलजार
1989–लता मंगेशकर	2014–शशि कपूर
1990–ए. नागेश्वर राव	2015–मनोज कुमार
1991–भालजी पेंढारकर	2016–कासीनाथूनी विश्वनाथ
1992–भूपेन हजारिका	2017–विनोद खन्ना (मरणोपरांत)
1993–मजरूह सुल्तानपुरी	2018–अभिताभ बच्चन

Vikas Bhadu

सिनेमा, साहित्य, कला एवं संस्कृति आदि क्षेत्रों में मध्य प्रदेश शासन के पुरस्कार

मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग ने सिनेमा, साहित्य, पारम्परिक कलाओं, समाज सेवा व संस्कृति के क्षेत्रों के वर्ष 2017 व 2018 के निम्नलिखित पुरस्कारों की घोषणा 28 सितम्बर, 2019 को की. पुरस्कार विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

पुरस्कार	2017	2018
महात्मा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार (गांधीवादी विचारधारा के अनुरूप कार्य करने वाली संस्था को दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत् ₹ 10 लाख की राशि प्रदान की जाती है.)	—	लोकायत (पुणे)
किशोर कुमार राष्ट्रीय सम्मान (निर्देशन, अभिनय, पटकथा लेखन व गीत लेखन के लिए बारी-बारी से दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत् ₹ 2-2 लाख की राशि प्रदान की जाती है)	प्रियदर्शन (निर्देशन)	वहीदा रहमान (अभिनय)
राष्ट्रीय कबीर सम्मान (किसी भारतीय भाषा में काव्य रचना हेतु दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत् ₹ 3-3 लाख की राशि प्रदान की जाती है.)	नरेश सक्सेना (हिन्दी)	गोरटी वेंकन्ना (तेलुगू)
मैथिलीशरण गुप्त राष्ट्रीय सम्मान (हिन्दी साहित्य में योगदान हेतु; ₹ 2-2 लाख)	राजेश जोशी	मंजूर अहतेशाम
राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान (मंचीय कविता के लिए ₹ 2-2 लाख)	—	अशोक चक्रधर
शरद जोशी राष्ट्रीय सम्मान (रिपोर्ट, डायरी एवं हिन्दी में व्यंग लेखन; ₹ 2-2 लाख	व्यंगकार यशवंत व्यास	रवीश कुमार (एनडी टीवी)
इकबाल सम्मान (उर्दू साहित्य; ₹ 2-2 लाख)	शमसुर्रहमान फारुखी	गजनफर अली
राष्ट्रीय तुलसी सम्मान (लोक एवं परम्परागत जनजातीय व क्षेत्रीय कलाओं के लिए पुरुष कलाकारों को दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत् ₹ 2-2 की राशि प्रदान की जाती है)	कैलाशचन्द्र शर्मा (जयपुर के चित्रकार)	विक्रम यादव कलाकार
देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार (लोक एवं परम्परागत जनजातीय व क्षेत्रीय कलाओं के लिए महिला कलाकारों को दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत् ₹ 2-2 की राशि प्रदान की जाती है)	कृष्णा वर्मा (उज्जैन)	शातिदेवी झा (बिहार)

निधन
(Death)

रॉबर्ट मुगाबे

जिम्बाब्वे के पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे (Robert Mugabe) का 95 वर्ष की आयु में सिंगापुर के एक अस्पताल में 6 सितम्बर, 2019 को निधन हो गया. वह लम्बे समय से बीमार थे.

राबर्ट मुगाबे

जिम्बाब्वे की आजादी की लड़ाई में क्रान्तिकारी भूमिका उन्होंने निभाई थी जिसके चलते आजादी का नायक उन्हें माना जाता था, किन्तु आजादी के पश्चात् तानाशाह शासक के रूप में वह जाने जाते रहे. 1980-87 के दौरान वह जिम्बाब्वे के पहले प्रधानमंत्री बने थे, बाद में 31 दिसम्बर, 1987 को राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार उन्होंने सँभाला. तीन दशक तक राष्ट्रपति रहने के बाद नवम्बर 2017 में तख्ता पलट के तहत् उन्हें पद छोड़ना पड़ा.

राम जेठमलानी

वरिष्ठ अधिवक्ता, राज्य सभा सदस्य व पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री राम जेठमलानी का 96 वर्ष की आयु में 8 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली में निधन हो गया. विशेष अनुमति के तहत् केवल 17 वर्ष की उम्र में एलएलबी की उपाधि उन्होंने प्राप्त की थी तथा 18 वर्ष की उम्र में ही वकालत की अनुमति उन्हें प्रदान की गई थी. छठी व सातवीं लोक सभा के लिए भाजपा के टिकट पर मुम्बई से वह निर्वाचित हुए थे. **जून 2016** में राजद टिकट पर बिहार से वह राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए थे. इंडियन बार काउंसिल व सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे राम जेठमलानी देश के सबसे महँगे वकील थे.

राम जेठमलानी

Vikas Bhadu

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

सितम्बर 2019

1 सितम्बर–जीवन बीमा निगम (LIC) का स्थापना दिवस

(1 सितम्बर, 2019 को भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना के 63 वर्ष पूर्ण हुए हैं)

2 सितम्बर–विश्व नारियल दिवस

(2 सितम्बर एशिया एण्ड पैसिफिक कोकोनेट कम्युनिटी–APCC का स्थापना दिवस है. इसी परिप्रेक्ष्य में विश्व नारियल दिवस 2 सितम्बर को मनाया जाता है)

1-7 सितम्बर–राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

5 सितम्बर–शिक्षक दिवस

(पूर्व राष्ट्रपति स्व. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस)

8 सितम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

9 सितम्बर–हिमालय दिवस

(उत्तराखण्ड सरकार द्वारा घोषित)

10 सितम्बर–आत्महत्या की रोकथाम हेतु वैश्विक दिवस (World Suicide Prevention Day)

14 सितम्बर–हिन्दी दिवस

(14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था. इसी परिप्रेक्ष्य में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

15 सितम्बर–अभियन्ता दिवस

15 सितम्बर–संचयिका दिवस

16 सितम्बर–ओजोन परत संरक्षण दिवस

17 सितम्बर–प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिवस

21 सितम्बर–विश्व शन्ति दिवस

25 सितम्बर–अंत्योदय दिवस

(भारतीय जनसंघ व भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्म दिवस, 25 सितम्बर को प्रतिवर्ष अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने का फैसला केन्द्र सरकार ने सितम्बर 2014 में किया था.)

26 सितम्बर–सीएसआईआर का स्थापना दिवस

27 सितम्बर–विश्व पर्यटन दिवस

29 सितम्बर–विश्व हृदय दिवस

पुस्तकें
(Books)

दि हिन्दू वे : एन इंट्रोडक्शन टु हिन्दुइज़्म (The Hindu Way : An Introduction to Hinduism) –शशि थरूर

(2 सितम्बर, 2019 को प्रकाशित)

क्विचोट (Quichotte) –सलमान रश्दी

(29 अगस्त, 2019 को प्रकाशित)

रिसैट : रिगेनिंग इंडियाज़ इकोनॉमिक लीगेसी (RESET : Regaining India's Economic Legacy) –सुब्रमण्यम स्वामी

दुर्घटनाएं
(Accidents)

वायु सेना का मिग-21 विमान ग्वालियर के निकट दुर्घटनाग्रस्त

भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 टाइप 69 प्रशिक्षण विमान 25 सितम्बर, 2019 को ग्वालियर के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

नियमित मिशन पर इसने ग्वालियर वायु सैनिक केन्द्र से उड़ान प्रातः लगभग 10 बजे भरी थी तथा लैंडिंग के समय यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान के दोनों चालक इस दुर्घटना में सुरक्षित रहे.

डीआरडीओ का रुस्तम-2 मानवरहित विमान दुर्घटनाग्रस्त

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) का एक मानवरहित ड्रोन

(UAV–Unmanned Aerial Vehicle) रुस्तम-2 विमान 17 सितम्बर, 2019 को कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के जोडी चिक्काना हल्ली गाँव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुश्मन की तलाश करने, निगरानी रखने तथा लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाने के लिए भारत की तीनों सेनाओं के इस्तेमाल के लिए डीआरडीओ द्वारा विकसित किए जा रहे इस मानवरहित विमान का पहला सफल परीक्षण फरवरी 2018 में किया गया था. 17 सितम्बर, 2019 को परीक्षण उड़ान के दौरान ही यह दुर्घटना का शिकार हुआ.

पाकिस्तान में भूकम्प

उत्तरी पाकिस्तान में भीषण भूकम्प 24 सितम्बर, 2019 को आया. प्रारम्भिक सूचनाओं

के अनुसार कम-से-कम 37 लोग इस भूकम्प से मौत के शिकार बने तथा लगभग 500 अन्य घायल हुए. रिक्टर पैमाने पर 5·8 तीव्रता वाले इस भूकम्प का केन्द्र पाक अधिकृत कश्मीर में न्यू मीरपुर के निकट सतह से 10 किमी नीचे था. इस भूकम्प के झटके जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी महसूस किए गए.

Vikas Bhadu

विविध
(Miscellaneous)

दिल्ली पुस्तक मेला – 2019

इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (ITPO) के सहयोग से 25वाँ दिल्ली पुस्तक मेले का आयोजन भारतीय प्रकाशकों के महा-संघ (Federation of Indian Publishers) द्वारा नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 11-15 सितम्बर, 2019 को किया गया. 21वें स्टेशनरी मेले, 5वें ऑफिस ऑटोमेशन तथा 5वें कॉर्पोरेट गिफ्ट मेले का आयोजन भी इसके साथ ही इन्हीं तिथियों में प्रगति मैदान में ही हुआ. दर्शकों को आकर्षित करने के लिए पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेले में प्रवेश निःशुल्क रखा गया था.

भारतीय प्रकाशक संघ (FIP) द्वारा इस वार्षिक मेले का आयोजन 1995 से शुरू किया गया था तथा इस वर्ष इसके आयोजन का यह लगातार 25वाँ वर्ष था. पाठकों के घटते पुस्तक प्रेम के चलते इस मेले में दर्शकों की संख्या अब उत्साहजनक नहीं रही है. जिसके चलते इस वर्ष से (2019 से) यह आयोजन 9 दिन के बजाय 5 दिन का ही रखा गया था.

भारत, अमरीका व जापान का त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मलाबार – 2019

भारत, अमरीका व जापान का त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मलाबार (MALABAR) जापान के तट के निकट पश्चिमी प्रशांत महासागर में 26 सितम्बर–4 अक्टूबर, 2019 को सम्पन्न हुआ. हार्बर चरण (Harbour Phase) व सागर चरण (Sea Phase) दोनों ही संयुक्त अभ्यास में शामिल थे.

जापान मैरी टाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स (JMSDF) की मेजबानी में सासेबो (Sasebo) बंदरगाह के निकट इस संयुक्त अभ्यास में शामिल थे.

- *मलाबार अभ्यास की शुरूआत मूलतः भारत व अमरीका के बीच 1992 में हुई थी तथा वर्ष इस एक्सरसाइज़ का 23वाँ संस्करण था (अमरीकी प्रतिबन्धों के चलते 1998-2001 के दौरान यह संयुक्त अभ्यास निलम्बित रहा था).*
- *2007 में आस्ट्रेलिया व सिंगापुर को भी बंगाल की खाड़ी में भारत की मेजबानी में आयोजित इस अभ्यास में आमंत्रित किया गया था, किन्तु चीन की आपत्ति के चलते आस्ट्रेलिया इसमें शामिल नहीं हुआ था.*
- *जापान को 2015 में इस संयुक्त अभ्यास में स्थायी रूप से शामिल किया गया था* ***तथा इस वर्ष यह पहला ही वर्ष है जब यह अभ्यास जापान की मेजबानी में सम्पन्न हुआ है.***
- ***पिछले वर्ष 2018 में मालाबार–2019 का आयोजन अमरीका की मेजबानी में प्रशांत महासागर में गुआम (Guam) के तट पर व उससे पूर्व 2017 में यह भारत की मेजबानी में बंगाल की खाड़ी में चेन्नई के तट पर हुआ था.***

भारत के संयुक्त सैन्याभ्यास

भारत व अमरीका का संयुक्त सैन्याभ्यास 'युद्ध अभ्यास – 2019' वाशिंगटन में सम्पन्न

भारत व अमरीका रक्षा सहयोग के तहत् दोनों देशों का संयुक्त सैन्याभ्यास (युद्ध अभ्यास–2019) अमरीका में जॉइंट बेस लुइस मैककार्ड (Lewis McChord) वाशिंगटन में 5-18 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग सम्बर्द्धन में वृद्धि के साथ-साथ आतंकवादी गतिविधियों के मुकाबले में सहयोग इसके उद्देश्यों में शामिल था. दोनों देशों के बीच बारी-बारी से आयोजित किए जाने वाले इस युद्ध अभ्यास का इस वर्ष यह 15वाँ संस्करण था ऐसा पिछला 14वाँ युद्ध अभ्यास भारत में उत्तराखण्ड में चौबटिया सैन्य क्षेत्र में सितम्बर 2018 में सम्पन्न हुआ था, जबकि उससे 2017 में यह अमरीका में लुइस मैकार्ड में ही सितम्बर 2017 में सम्पन्न हुआ था.

- *भारत व अमरीका के बीच ऐसा संयुक्त अभ्यास प्रतिवर्ष दोनों देशों को मेजबानी में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है.*
- *इस वार्षिक 'युद्ध अभ्यास' की शुरूआत 2005 में हुई थी.*

भारत व श्रीलंका की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास स्लाइनेक्स – 2019

भारत व श्रीलंकाओं की नौसेनाओं का द्विपक्षीय संयुक्त अभ्यास स्लाइनेक्स (SLINEX)–2019 विशाखापट्टनम के तट के निकट 7-12 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ दोनों देशों के बीच इस श्रृंखला का संयुक्त अभ्यास 2005 में शुरू हुआ था तथा सितम्बर 2019 का यह अभ्यास इस श्रृंखला में सातवाँ संयुक्त अभ्यास था.

दोनों देशों के बीच यह नौसैनिक अभ्यास 2005 में प्रारम्भ हुआ था. यह नौसैनिक अभ्यास पहले 2 वर्ष में एक बार होता रहा है तथा इसे अब इस वर्ष से वार्षिक कर दिया गया है. ऐसा पिछला अभ्यास स्लाइनेक्स 2018 सितम्बर 2018 में श्रीलंका में त्रिकोमाली के तट के निकट व उससे पूर्व सितम्बर 2017 में यह भारत में विशाखापट्टनम के तट पर हुआ था.

भारत व थाइलैण्ड की थल सेनाओं का संयुक्त अभ्यास मैत्री – 2019

भारत व थाइलैण्ड की थलसेनाओं का दो सप्ताह का संयुक्त सैन्य अभ्यास एक्सरसाइज़ मैत्री मेघालय में उमरोई (Umroi) में 16-29 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के 50-50 सैनिक इस अभ्यास में शामिल थे. भारत व थाइलैण्ड के बीच इस सैन्य अभ्यास की शुरूआत 2006 में हुई थी तथा यह बारी-बारी से एक-दूसरे देश में होता है.

भारत व कजाखस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास काजिंद – 2019

भारत व कजाखस्तान की थलसेनाओं का यह काजिंद (KAZIND) संयुक्त अभ्यास उत्तराखण्ड में पिथौरागढ़ में 2-15 अक्टूबर, 2019 को हो रहा है. दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के सन्दर्भ में यह ऐसा चौथा द्विपक्षीय सैन्याभ्यास था ऐसा पिछला (तीसरा) संयुक्त अभ्यास काजिंद–2018 कजाखस्तान के ओटार (Otar) सैन्य क्षेत्र में सितम्बर 2018 में सम्पन्न हुआ था.

भारत-थाइलैण्ड व सिंगापुर का त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास-सिटमैक्स

भारत, सिंगापुर व थाइलैण्ड की नौसेनाओं का पहला त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 16-20 सितम्बर, 2019 को अंडमान सागर में सम्पन्न हुआ. तीनों देशों का यह पहला ही संयुक्त नौसैनिक अभ्यास था जिसे ***सिटमैक्स*** *(SITMAX) नाम दिया गया था. समुद्री मामलों में आपसी सहयोग के लिए इस नौसैनिक अभ्यास की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जून 2018 में शांगरी-ला संवाद (Shangri-La Dialogue) में की थी.*

●●●

राज्य समाचार

Vikas Bhadu

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के पुरस्कार (2018)

लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के वर्ष 2018 के पुरस्कारों की घोषणा 20 सितम्बर, 2019 को की गई. इनमें संस्थान का सर्वोच्च ₹ 5 लाख का **भारत-भारती पुरस्कार** पटना (बिहार) की साहित्यकार डॉ. ऊषा किरण खान को दिया गया है. संस्थान के ₹ 4-4 लाख के पुरस्कारों में हिन्दी गौरव सम्मान, महात्मा गांधी साहित्य सम्मान, दीनदयाल उपाध्याय साहित्य सम्मान, लोहिया साहित्य सम्मान, अवंतीबाई साहित्य सम्मान, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन सम्मान शामिल हैं.

प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

भारत-भारती सम्मान–डॉ. ऊषा किरण खान (पटना) (प्रशस्ति-पत्र व गंगा की प्रतिमा के साथ ₹ 5 लाख)

संस्थान के ₹ 4-4 लाख के पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

लोहिया साहित्य सम्मान–डॉ. मनमोहन सहगल (पटियाला)

महात्मा गांधी साहित्य सम्मान–श्री भगवान सिंह (भागलपुर)

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय साहित्य सम्मान–डॉ. ओम प्रकाश पांडेय (लखनऊ)

अवंतीबाई साहित्य सम्मान–डॉ. कमल कुमार (दिल्ली)

हिन्दी गौरव सम्मान–डॉ. बदरीनाथ कपूर (वाराणसी)

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन साहित्य सम्मान–मणिपुर हिन्दी परिषद् (इंफाल)

(उपर्युक्त पुरस्कारों के तहत् प्रशस्ति-पत्र व गंगा की प्रतिमा के साथ ₹ 4-4 लाख)

लोकभूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–डॉ. शांति जैन (पटना)

कलाभूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–मनोज कुमार सिंह (गाजियाबाद)

विद्याभूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–जगमोहन सिंह राजपूत (नोएडा)

विज्ञानभूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–प्रेमचंद स्वर्णकार (दमोह, म. प्र.)

पत्रकारिता भूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–रमेशचन्द्र त्रिपाठी (लखनऊ)

प्रवासी भारतीय हिन्दी भूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–डॉ. उदय नारायण गंगू (मॉरिशस)

बाल साहित्य भारती सम्मान (₹ 2 लाख)–(i) डॉ. भैरू लाल गर्ग (भीलवाड़ा), (ii) सूर्य कुमार पांडेय (लखनऊ) व (iii) संजीव जायसवाल 'संजय' (लखनऊ)

मधुलिमये साहित्य सम्मान (₹ 2 लाख)–डॉ. वेद प्रकाश पांडेय (गोरखपुर)

विधि भूषण सम्मान (₹ 2 लाख)–ब्रजकिशोर शर्मा (दिल्ली)

पं. श्री नारायण चतुर्वेदी साहित्य सम्मान (₹ 2 लाख)–रणविजय सिंह (गोरखपुर)

हिन्दी विदेश प्रसार सम्मान (₹ 2 लाख)–डॉ. बंडार मेणिके विजयतुंग (श्रीलंका)

मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय स्तरीय सम्मान (₹ 1 लाख)–(i) डॉ. विजय कर्ण (लखनऊ) व (ii) डॉ. रश्मि कुमार (लखनऊ)

उपर्युक्त पुरस्कारों के अतिरिक्त विभिन्न शहरों में 20 अन्य साहित्यकारों को ₹ 2-2 लाख के **साहित्य भूषण सम्मान,** 15 साहित्यकारों को ₹ 2-2 लाख के **सौहार्द सम्मान** तथा 35 अन्य साहित्यकारों को 2018 में प्रकाशित विभिन्न विधाओं की उनकी पुस्तकों के लिए ₹ 75-75 हजार के पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा संस्थान की 20 सितम्बर, 2019 की विज्ञप्ति में की गई है.

उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड में आर्थिक गणना

उत्तराखण्ड में आर्थिक गणना का कार्य 16 सितम्बर, 2019 शुरू हुआ है. फिलहाल 6 जिलों–उत्तरकाशी, ऊधमसिंह नगर, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, चंपावत व नैनीताल में यह गणना शुरू की गई है. अन्य जिलों में प्रशिक्षण का कार्य जारी है, जिसके पश्चात् वहाँ यह कार्य शुरू हो जाएगा. दुकानों व अन्य उद्यमों के सर्वे के साथ-साथ घरों में चल रही आर्थिक गतिविधियों की जानकारी भी इस गणना के तहत् एकत्र की जाएगी.

उत्तराखण्ड में पिछली आर्थिक गणना 2013 में हुई थी. इस बार सूचना प्रौद्योगिकी का ही इस्तेमाल गणना में किया जा रहा है.

पंचायत चुनाव प्रक्रिया प्रारम्भ

उत्तराखण्ड में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया सितम्बर 2019 में शुरू हो गई है. हरिद्वार को छोड़कर अन्य 12 जिलों के लिए चुनाव कार्यक्रम राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 13 सितम्बर को घोषित कर दिया गया है. ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों के लिए नामांकनों का कार्य 20–24 सितम्बर, 2019 को पूरा कर लिया गया है. इनके लिए मतदान अक्टूबर 2019 में तीन चरणों में होगा. ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव वहाँ नवम्बर 2019 में कराए जाएंगे.

राजस्थान

सभी 6 बसपा विधायक कांग्रेस में शामिल

राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी को बड़ा झटका सितम्बर 2019 में उस समय लगा जब उसके सभी 6 विधायक सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए. इन विधायकों ने 16 सितम्बर को स्पीकर सी.पी. जोशी से भेंट कर पार्टी के विधायक दल को कांग्रेस में विलय का अनुरोध किया.

राजस्थान की 200 सदस्यीय विधान सभा में कांग्रेस की सीटों की संख्या 100 है, जबकि 1 सीट इसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (RLD) के पास है. विधान सभा में 13 निर्दलीय विधायक हैं, जिनमें से 12 का सरकार श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को प्राप्त है. बसपा के सभी 6 विधायकों के कांग्रेस में शामिल हो जाने से सरकार की स्थिति मजबूत हुई है.

ज्ञातव्य है कि 2009 में श्री अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री के रूप में पिछले कार्यकाल में भी स्पष्ट बहुमत के लिए जब पाँच विधायकों की आवश्यकता सरकार को थी, तब भी बसपा के सभी 6 विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए थे.

●●●

खेलकूद

Vikas Bhadu

एथलेटिक्स

महिलाओं की हाफ मैराथन में ब्रिगिड कोसगी का नया विश्व रिकॉर्ड

कीनियाई धाविका ब्रिगिड कोसगी (Brigid Kosgei) ने ब्रिटेन में ग्रेट नॉर्थ रन हाफ मैराथन दौड़ में महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया. कोसगी ने 8 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न यह हाफ मैराथन 1 घण्टा 4 मिनट व 28 सेकण्ड में पूरी करके दो वर्ष पूर्व अपने ही देश की जेपकोसगी द्वारा स्थापित रिकॉर्ड (64·51 मिनट में) भंग किया.

ब्रिटिश धावक मो फराह (Mo Farah) इस दौड़ में पुरुष वर्ग में विजेता रहे.

सेबास्टियन को 4 वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष पुनर्निर्वाचित

अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (International Association of Athelatics Federations—IAAF) के अध्यक्ष सेबास्टियन को (Sebastian Coe) चार वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु इस महासंघ के अध्यक्ष सितम्बर 2019 में निर्वाचित हुए हैं. 63 वर्षीय को का यह पुनर्निर्वाचन 25 सितम्बर, 2019 को कतर में दोहा में महासंघ की कांग्रेस में निर्विरोध ही हुआ. इससे पूर्व 2015 में यूक्रेन के पूर्व पोल वाल्टर सर्गेई बुबका को चुनाव में हराकर इस महासंघ के अध्यक्ष वह पहली बार चुने गए थे. सेबास्टियन को 1980 व 1984 के ओलम्पिक खेलों में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता रह चुके हैं.

सेबास्टियन को

बर्लिन मैराथन (2019)

बर्लिन (जर्मनी) में 29 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न (46वीं) बर्लिन मैराथन दौड़ में पुरुष वर्ग के इथियोपिया के केनेनिसा बेकले (Kenenisa Bekele) व महिला वर्ग में इथियोपिया की ही एशटे बेकरे (Ashete Bekere) विजेता रहीं. 42·195 किमी की यह दौड़ 2 घण्टे 1 मिनट व 41 सेकण्ड में पूरी करके बेकले विश्व रिकॉर्ड से केवल 2 सेकण्ड से चूक गए. कीनिया के किपगोचे ने पिछले वर्ष (2018 में) बर्लिन मैराथन ही 2 घण्टे 1 मिनट 39 सेकण्ड में पूरी करके नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था. महिला वर्ग में विजेता रही एशटे बेकरे ने यह दौड़ 2 घण्टा 20 मिनट 14 सेकण्ड में पूरी की.

बैडमिन्टन

चीन ओपन (2019) : केंटो मोमोटा व कैरोलिना मारिन के खिताब

चीन में चांग झोऊ (Chang Zhou) में 17-22 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न चीनी ओपन बैडमिंटन में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः केंटो मोमोटा (Kento Momota) व कैरोलिना मारिन (Carolina Marin) ने जीते. पुरुषों के खिताब के लिए इण्डोनेशिया के एंथनी एस. गिंटिंग को फाइनल में जापान के केंटो मोमोटा ने पराजित किया, जबकि महिलाओं का एकल चीनी ताइपै की ताइ त्जू-यिंग को फाइनल में हराकर स्पेन की कैरोलिना मारिन ने जीता.

इस टूर्नामेंट में पुरुषों का युगल खिताब इण्डोनेशियाई खिलाड़ियों की जोड़ी ने जीता, जबकि महिलाओं का युगल मिश्रित युगल चीनी जोड़ियों ने जीता.

हॉकी

मुरुगप्पा गोल्ड कप (2019)

हॉकी इण्डिया के तत्वावधान में वर्ष 2019 के प्रतिष्ठित (93वें) मुरुगप्पा गोल्ड कप के लिए मैच सितम्बर 2019 में चेन्नई में खेले गए. 8 सितम्बर को पंजाब नेशनल बैंक को फाइनल मुकाबले में 3–1 से हरा कर गत विजेता भारतीय तेल निगम (IOC) ने लगातार दूसरे वर्ष यह टूर्नामेंट जीतने में सफलता प्राप्त की. इससे पूर्व 2017 में ओएनजीसी तथा उससे पूर्व 2016 में रेलवे टीम इस टूर्नामेंट की विजेता रही थी.

क्रिकेट

दुलीप ट्रॉफी (2019-20)

बीसीसीआई के 2019-20 के (58वें) दुलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट के मैच 17 अगस्त-8 सितम्बर, 2019 के दौरान खेले गए. कुल तीन टीमें—इंडिया ग्रीन, इंडिया रैड व इंडिया ब्ल्यू प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इस टूर्नामेंट में शामिल थीं. टूर्नामेंट का फाइनल मैच इण्डिया ग्रीन व इण्डिया रैड टीमों के बीच बेंगलूरू में 4-8 सितम्बर, 2019 को खेला गया, जिसमें इण्डिया ग्रीन को पारी व 38 रनों के अन्तर से हराकर इण्डिया रैड टीम ने दूसरी बार यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की. इस टूर्नामेंट में प्रियंक पचाल इण्डिया रैड के कप्तान थे.

मिताली राज का ट्वेंटी-20 क्रिकेट से संन्यास

भारत की स्टार महिला क्रिकेटर व पूर्व कप्तान मिताली राज ने ट्वेटी-20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नई दिल्ली में 3 सितम्बर, 2019 को की. 89 ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेल चुकी मिताली राज ने कुल 2364 रन इस श्रेणी के अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में बनाए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी भारतीय महिला द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं. 2006 में भारत की पहली टी-20 कप्तान वह बनी थी तथा 32 टी-20 मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व उन्होंने किया है.

मिताली राज

36 वर्षीय मिताली राज ने 10 महिला टेस्ट मैच व 203 महिला एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच (WODI) भी अपने क्रिकेट कॅरियर में खेले हैं. टी-2 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि वह अब एकदिवसीय क्रिकेट पर अपना ध्यान केन्द्रित करेंगी.

अफगानिस्तान-बांग्लादेश टेस्ट शृंखला (2019)

बांग्लादेश के साथ एकमात्र टेस्ट मैच की शृंखला खेलने के लिए अफगानिस्तान

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक्स : तथ्य एक दृष्टि में

- ***सितम्बर 2019 के अंत तक टेस्ट क्रिकेट में 44 व एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 48 हैट्रिक्स बनी हैं.***
- *टेस्ट क्रिकेट में 44 हैट्रिक्स 40 गेंदबाजों ने जहाँ बनाई हैं, वहीं एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 48 हैट्रिक्स बनाने का कारनामा 43 गेंदबाजों ने किया है.*
- *चार गेंदबाजों–इंगलैण्ड के स्टुअर्ट ब्रांड, पाकिस्तान के वसीम अकरम, आस्ट्रेलिया के ह्यूज ट्रंबल व जिमी मैथ्यूज़ ने टेस्ट क्रिकेट में 2-2 बार हैट्रिक बनाई हैं.*
- ***टेस्ट मैचों में हैट्रिक बनाने वाले तीन भारतीय गेंदबाज क्रमशः हरभजन सिंह, इरफान पठान व जसप्रीत बुमराह हैं. बुमराह ने यह हैट्रिक 31 अगस्त, 2019 को किंग्सटन में वेस्टइंडीज के विरुद्ध मैच में बनाई है, जबकि पठान ने जनवरी 2006 में कराची में पाकिस्तान के विरुद्ध तथा हरभजन सिंह ने 2001 में कोलकाता में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध हैट्रिक बनाई थी. इरफान पठान की यह हैट्रिक इस मामले में ऐतिहासिक है कि किसी टेस्ट मैच के पहले ही ओवर में बनी यह विश्व की पहली हैट्रिक थी.***
- ***आस्ट्रेलिया के जिमी मैथ्यूज़ एकमात्र ऐसे गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में हैट्रिक बनाई हैं. मैथ्यूज़ ने यह उपलब्धि 28 मई, 2012 को मानचेस्टर में द. अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट मैच में प्राप्त की थी.***
- *एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल मिलाकर 48 हैट्रिक्स सितम्बर 2019 के अंत तक बनी हैं. एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले गेंदबाजों की कुल संख्या 43 ही है.*
- *श्रीलंका के लसित मलिंगा ने एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में जहाँ 3 बार हैट्रिक बनाई है, पाकिस्तान के वसीम अकरम व सकलेन मुश्ताक तथा श्रीलंका के चामुंडा वास ऐसे गेंदबाज हैं, जिन्होंने 2-2 बार हैट्रिक्स एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनाई हैं.*
- ***पाकिस्तान के वसीम अकरम व मोहम्मद सामी दो ऐसे गेंदबाज हैं, जिन्होंने एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट क्रिकेट में भी हैट्रिक बनाई हैं, जबकि आस्ट्रेलिया के ब्रेट ली व श्रीलंका के लसिथ मलिंगा दो ऐसे गेंदबाज हैं, जिन्होंने एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच में भी हैट्रिक बनाई है.***
- *एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनी कुल 48 हैट्रिक्स में से 11 हैट्रिक्स विश्व कप के मैचों में बनी हैं. चामुण्डा वास (श्रीलंका) द्वारा 14 फरवरी, 2003 को बनाई गई हैट्रिक विश्व कप के एक मैच में मैच की पहली तीन गेंदों पर बनाई गई हैट्रिक थी, जबकि 10 जुलाई, 2015 को द. अफ्रीका के कागिसो रबाडा द्वारा बनाई गई हैट्रिक, जो ओडीआई के इतिहास की 39वीं हैट्रिक थी, रबाडा ने अपने पदार्पण ओडीआई में ही बनाई थी. पदार्पण ओडीआई में हैट्रिक बनाने वाले वह विश्व के दूसरे गेंदबाज हैं. ऐसी उपलब्धि वाले पहले गेंदबाज बांग्लादेश के ताइजुल इस्लाम थे जिन्होंने 1 दिसम्बर, 2014 को मीरपुर में ही अपना पहला ही एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच (जिम्बाब्वे के विरुद्ध) खेलते हुए हैट्रिक बनाई थी.*
- ***भारत के चार गेंदबाजों ने एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाई है. इनमें चेतन शर्मा (31 अक्टूबर, 1987 को नागपुर में न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध विश्व कप के एक मैच में), कपिल देव (4 जनवरी, 1991 को कोलकाता में श्रीलंका के विरुद्ध), कुलदीप यादव (21 सितम्बर, 2017 को कोलकाता में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध) तथा मोहम्मद शामी (22 जून, 2019 को साउथेंपटन में विश्व कप के अफगानिस्तान के विरुद्ध एक मैच में) शामिल हैं.***
- *ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में जो 8 हैट्रिक्स 8 गेंदबाजों ने बनाई हैं उनमें भारत का कोई गेंदबाज नहीं है.*

महिलाओं के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक

- *महिलाओं के टेस्ट क्रिकेट में कुल 3 हैट्रिक्स सितम्बर 2019 के अंत तक बनी हैं. यह हैट्रिक आस्ट्रेलिया की बैती विल्सन ने (फरवरी 1958 में, इंगलैण्ड के विरुद्ध), पाकिस्तान की शाजिया खान ने (मार्च 2004 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध) तथा आस्ट्रेलिया की रैने फैटेल ने (जनवरी 2011 में इंगलैण्ड के विरुद्ध) बनाई.*
- *महिलाओं के एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 11 हैट्रिक्स सितम्बर 2019 तक लगी हैं. इनमें 11वीं अन्तिम हैट्रिक आस्ट्रेलिया की मेगन स्कट ने 11 सितम्बर, 2019 को वेस्टइंडीज के विरुद्ध एंटीगुआ में बनाई है.*
- *महिलाओं के ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 14 हैट्रिक्स सितम्बर 2019 के अन्त तक बनी हैं. इनमें से 14वीं अन्तिम हैट्रिक हांगकांग की कैरी चान ने 19 सितम्बर, 2019 को इंचियॉन (द. कोरिया) में चीन के विरुद्ध एक मैच में बनाई है.*
- *महिलाओं के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाली एकमात्र भारतीय गेंदबाज एकता विष्ट हैं. उत्तराखण्ड की एकता बिष्ट ने यह हैट्रिक 3 अक्टूबर, 2012 को कोलम्बो में श्रीलंका के विरुद्ध एक मैच में बनाई थी.*
- *महिलाओं के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दो हैट्रिक बनाने वाली एकमात्र गेंदबाज आस्ट्रेलिया की मेगन स्कट (Megan Schutt) हैं. स्कट ने महिलाओं के ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक 26 मार्च, 2018 को मुम्बई में भारत के विरुद्ध बनाई थी. अब 11 सितम्बर, 2019 को महिलाओं के ओडीआई में भी हैट्रिक उन्होंने बनाई है.*

Vikas Bhadu

की क्रिकेट टीम ने सितम्बर, 2019 में इस देश का दौरा किया. 5-9 सितम्बर, 2019 को चिटगाँव में खेले गए इस टेस्ट मैच में अफगानिस्तान टीम 224 रनों से विजयी रही. राशिद खान इस मैच में अफगानिस्तान की टीम के कप्तान थे. केवल 20 वर्ष की आयु में टेस्ट मैच जीतने वाले सबसे युवा कप्तान वह बने हैं.

Vikas Bhadu

अफगानिस्तान का यह तीसरा ही टेस्ट मैच था. 2018 में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले अफगानिस्तान की टीम जून 2018 में भारत के विरुद्ध अपने पहले टेस्ट मैच में पराजित हुई थी, जबकि मार्च 2019 में आयरलैण्ड के विरुद्ध जीतकर टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली विजय उसने दर्ज की थी.

एशेज़ शृंखला (2019) : आस्ट्रेलिया का एशेज़ पर कब्जा बरकरार

5 टेस्ट मैचों की एशेज़ शृंखला के लिए आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम ने इंगलैण्ड का दौरा अगस्त-सितम्बर 2019 में किया.

इस शृंखला का 1–5 अगस्त को बर्मिंघम में खेला गया पहला टेस्ट मैच ही आईसीसी की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (2019-21) का पहला मैच था.

- *2017-18 की एशेज़ शृंखला का विजेता होने के नाते आस्ट्रेलिया का पहले ही एशेज पर कब्जा बना हुआ था.*
- *ताजा शृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे एशेज़ पर आस्ट्रेलिया का ही कब्जा बरकरार रहा.*

श्रीलंका-न्यूजीलैण्ड शृंखला (2019)

श्रीलंका के दौरे पर न्यूजीलैण्ड की क्रिकेट टीम ने दो टेस्ट व तीन ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखलाएं अगस्त-सितम्बर 2019 में खेलीं. दो टेस्ट मैचों की शृंखला पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (2019-21) के तहत् अगस्त 2019 में ही खेली गई थी, जो 1-1 से बराबर रही थी.

सितम्बर 2019 में खेली गई तीन ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखला के पहले दोनों मैच न्यूजीलैण्ड ने व तीसरा मैच श्रीलंका ने जीता, जिससे तीन टी-20 मैचों की यह शृंखला 2-1 से न्यूजीलैण्ड ने जीती. इस शृंखला के तीसरे अंतिम मैच में श्रीलंका के लसिथ मलिंगा ने हैट्रिक भी बनाई.

भारत-वेस्टइंडीज शृंखला (2019) के दो मैच अमरीका में खेले गए

भारत एवं वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट, 3 एकदिवसीय व 3 ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखलाएं अगस्त-सितम्बर 2019 में खेली गईं, **यह तीनों ही शृंखलाएं जीत कर न्यूजीलैण्ड टीम का सफाया विराट कोहली के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने किया.**

- ***ट्वेंटी-20 शृंखला के पहले दोनों मैच अमरीका में फ्लोरिडा में खेले गए, जबकि तीसरा मैच गुयाना में खेला गया.*** *यह शृंखला भारत ने 3-0 से जीती. भारत के कुणाल पांड्या को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया.*
- *एकदिवसीय मैचों की शृंखला का पहला मैच वर्षा से बाधित रहकर अनिर्णीत रहा, जबकि बाद के दोनों मैच भारत ने जीते, जिससे यह शृंखला 2–0 से भारत ने जीती. बाद के दोनों मैचों में शतकीय पारियाँ क्रमशः 120 रन व 114 रन भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने खेलीं, जिससे एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शतकों की कुल संख्या 43 हो गई, उन्हें ही ओडीआई शृंखला के लिए प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया.*
- *दो टेस्ट मैचों की यह शृंखला का पहला मैच एंटीगुआ में भारत ने 318 रनों से जीता, जबकि 30 अगस्त-3 सितम्बर को किंग्सटन टेस्ट में भारतीय टीम चौथे ही दिन 257 रनों से विजयी बनी. इससे यह शृंखला भारत ने 2-0 से अपने नाम की.*
- *दो टेस्ट मैचों की यह शृंखला पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (2019-21) के तहत् ही खेली गई थी.*
- *उपर्युक्त तीनों शृंखलाओं में भारतीय टीम का नेतृत्व विराट कोहली ने किया.*
- *टेस्ट शृंखला में किंग्सटन टेस्ट में विजय कप्तान के रूप में विराट कोहली की 28वीं टेस्ट विजय थी, जिससे भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान वह हो गए हैं.*
- *किंग्सटन टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने हैट्रिक बनाई, जिससे टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले भारत के तीसरे गेंदबाज वह हो गए हैं.*

विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के सफलतम कप्तान

30 अगस्त-3 सितम्बर, 2019 को वेस्टइंडीज के विरुद्ध किंग्सटन टेस्ट में भारत की जीत विराट कोहली के नेतृत्व में भारत की 28वीं टेस्ट विजय थी. इसके साथ ही कोहली टेस्ट मैचों में भारत के सबसे सफल कप्तान हो गए हैं. इस मामले में महेन्द्र सिंह धोनी, जिनकी कप्तानी में 27 टेस्ट मैच भारत ने जीते हैं, का रिकॉर्ड विराट कोहली ने भंग किया है. टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल भारतीय कप्तानों में विराट कोहली व धोनी के पश्चात् क्रमशः सौरभ गांगुली (21) व मोहम्मद अजहरुद्दीन (14) के नाम हैं.

भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान

विराट कोहली

मैच खेले	जीते	हारे	टाई	ड्रा	जीत %
48	28	10	0	10	58.33

	मैच खेले	जीते	हारे	टाई	ड्रा	जीत %
एम एस धोनी	60	27	18	0	15	45.00
सौरव गांगुली	49	21	13	0	15	42.85
एम अजहरुद्दीन	47	14	14	0	19	29.78
एमएके पटौदी	40	9	19	0	12	22.50
सुनील गावस्कर	47	9	8	0	30	19.14
राहुल द्रविड़	25	8	6	0	11	32.00
बिशन सिंह बेदी	22	6	11	0	5	27.27
अजित वाडेकर	16	4	4	0	8	25.00
कपिल देव	34	4	7	1	22	11.76
सचिन तेंदुलकर	25	4	9	0	12	16.00

2 सितंबर 2019 को — KBK SportsGraphics

टेस्ट क्रिकेट में सफलतम कप्तानी का विश्व रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ के नाम है, जिनकी कप्तानी में 53 टेस्ट मैच द. अफ्रीका ने जीते हैं. उनके पश्चात् आस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (48) का नाम है.

वेस्टइंडीज के विरुद्ध टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह की हैट्रिक

जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले भारत के तीसरे गेंदबाज.

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 31 अगस्त को किंग्सटन में वेस्टइंडीज के विरुद्ध टेस्ट मैच में अपने एक ओवर में लगातार तीन खिलाड़ियों को आउट कर हैट्रिक बनाने में सफलता प्राप्त की. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह 44वीं हैट्रिक है तथा टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बुमराह बने हैं. उनसे पूर्व टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले दो अन्य भारतीय गेंदबाज क्रमशः हरभजन सिंह व इरफान पठान रहे हैं. हरभजन ने यह हैट्रिक 2001 में कोलकाता में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध तथा इरफान पठान ने हैट्रिक जनवरी 2006 में कराची में पाकिस्तान के विरुद्ध टेस्ट मैच में बनाई थी. इरफान पठान की यह हैट्रिक इस दृष्टि से ऐतिहासिक है कि किसी टेस्ट मैच के पहले ही ओवर में बनी यह विश्व की पहली हैट्रिक थी.

ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में लसिथ मलिंगा की दूसरी हैट्रिक

(अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मलिंगा की हैट्रिक्स की संख्या पाँच हुई)

लसिथ मलिंगा अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 5 हैट्रिक्स

श्रीलंका के लसिथ मलिंगा ने 6 सितम्बर, 2019 को कैंडी में न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध ट्वेंटी-20 मैच में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेकर इतिहास रचा, इससे पूर्व चार गेंदों पर चार विकेट लेने का कारनामा वह 2007 में विश्वकप के एक मैच में कर चुके हैं. कैंडी में हैट्रिक से अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मलिंगा की हैट्रिक्स की कुल संख्या 5 हो गई है तथा ऐसी उपलब्धि वाले वह विश्व के पहले गेंदबाज हैं.

इन पाँच हैट्रिक्स में से तीन एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तथा 2 ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मलिंगा ने बनाई हैं.

महिलाओं के एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मेगन स्कट की हैट्रिक

आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन स्कट (Megan Schutt) ने 12 सितम्बर, 2019 को एंटीगुआ में वेस्टइंडीज के विरुद्ध महिलाओं के तीसरे एकदिवसीय मैच में हैट्रिक बनाई. महिलाओं के ओडीआई मैचों में यह 11वीं हैट्रिक है.

- *महिलाओं के टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मेगन स्कट हैट्रिक इससे पूर्व बना चुकी हैं (26 मार्च, 2018 को मुम्बई में भारत के विरुद्ध).*
- *महिलाओं के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दो हैट्रिक बनाने वाली वह पहली क्रिकेटर हैं.*

महिलाओं के ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 14वीं हैट्रिक हांगकांग की कैरी चान ने बनाई

हांगकांग की कैरी चान (Kary Chan) ने 19 सितम्बर, 2019 को इंचियॉन (द. कोरिया) में महिलाओं के ईस्ट एशिया कप में चीन के विरुद्ध एक मैच में हैट्रिक बनाई. महिलाओं के ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह 14वीं हैट्रिक है.

- *महिलाओं के ट्वेंटी-20 क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाली एकमात्र भारतीय गेंदबाज एकता बिष्ट हैं. एकता ने यह हैट्रिक 3 अक्टूबर, 2012 को कोलम्बो में श्रीलंका के विरुद्ध एक मैच में बनाई थी.*

तैराकी

सीनियर राष्ट्रीय जलीय खेल चैम्पियनशिप (2019)

73वीं सीनियर राष्ट्रीय जलीय खेल चैम्पियनशिप (Senior National Aquatic Championship) का आयोजन मध्य प्रदेश में भोपाल में 31 अगस्त–4 सितम्बर, 2019 को हुआ. इससे 14 स्वर्ण, 12 रजत व 10 कांस्य सहित कुल 36 पदक जीत कर **ओवरऑल चैम्पियनशिप कर्नाटक** ने जीती. 10 स्वर्ण, 9 रजत व 9 कांस्य सहित कुल 28 पदकों के साथ महाराष्ट्र का इसमें दूसरा स्थान रहा. तीसरा, चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः पुलिस, हरियाणा व दिल्ली का रहा.

- *उत्तर प्रदेश ने केवल एक रजत पदक तथा मेजबान मध्य प्रदेश ने केवल एक कांस्य पदक इस आयोजन में जीता.*
- *तैराकी (Swimming) में पुरुष वर्ग में कर्नाटक व सेना की टीमें क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि महिला वर्ग में पहले दो स्थान क्रमशः महाराष्ट्र व कर्नाटक के रहे.*
- *डाइविंग (Diving) में पुरुष वर्ग में पहले दोनों स्थान क्रमशः सेना व रेलवे के रहे, जबकि महिला वर्ग रेलवे व मध्य प्रदेश क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहे.*
- *वाटर पोलो में पुरुषों में पहले दो स्थान क्रमशः सेना व रेलवे ने प्राप्त किए, जबकि महिलाओं में महाराष्ट्र व बंगाल का क्रमशः पहला व दूसरा स्थान रहा.*
- *कुल मिलाकर 14 नए रिकॉर्ड इस आयोजन में स्थापित हुए, जिनमें 10 पुरुषों ने व 4 रिकॉर्ड महिलाओं ने बनाए.*
- ***4 स्वर्ण जीतने वाले कर्नाटक के श्री हरि नटराज को पुरुषों में तथा 2 स्वर्ण व 1 रजत जीतने वाली हरियाणा की शिवांति कटारिया को महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ तैराक घोषित किया गया. नटराज ने तीन तथा शिवांति ने एक नया रिकॉर्ड भी स्थापित किया.***

टेनिस

लावेर कप (2019) : यूरोपीय टीम का लगातार दूसरी बार कप पर कब्जा बरकरार

पुरुषों के टेनिस के लावेर कप (Laver Cup) पर इस वर्ष भी यूरोप का कब्जा बरकरार रहा है. वर्ष 2019 के इस (तीसरे) टूर्नामेंट में यूरोप व शेष विश्व का टीमों के बीच मुकाबला 20–22 सितम्बर, 2019 को स्विट्ज़रलैण्ड में जेनेवा में हुआ. शेष विश्व टीम को 13–11 से हरा कर यूरोपीय टीम ने लगातार दूसरे वर्ष इस कप पर कब्जा बरकरार रखा. यूरोप एवं शेष विश्व की टीमों के बीच वर्ष 2017 में ऐसे पहले मुकाबले में यूरोपीय टीम ने शेष विश्व को 15–9 से पराजित किया था, जबकि पिछले वर्ष 2018 में भी शेष विश्व टीम को हरा कर यूरोपीय टीम ने इस कप पर कब्जा बनाए रखा था.

- *यह टूर्नामेंट इनडोर हार्डकोर्ट पर खेला जाने वाला पुरुषों का टूर्नामेंट है.*
- *इस टूर्नामेंट का आयोजन वर्ष 2017 में ही शुरू हुआ था तथा इस वर्ष इसका यह तीसरा आयोजन था.*
- *इसके तहत् लावेर कप के लिए मैच यूरोप व शेष विश्व की टीम के बीच ही होते हैं. इस प्रकार दो टीमें ही इसमें शामिल रहती हैं.*
- *बीते वर्षों के जाने-माने स्वीडिश खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग (Bjorn Borg) यूरोपीय टीम के तथा अमरीका के जॉन मैक्नरो (John McEnroe) शेष विश्व टीम के कप्तान 3-3 वर्ष के लिए 2017 में ही बनाए गए थे.*
- *इस टूर्नामेंट का यह नामकरण आस्ट्रेलिया के बीते वर्षों के जाने-माने खिलाड़ी रॉड*

Vikas Bhadu

तथा स्पेन के राफेल नडाल ने इटली के माटेयो बेरेटिनी को हराकर फाइनल में स्थान बनाया था.

अमरीकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का पुरुषों का युगल खिताब जुआन सेबास्टियन कबाल व रॉबर्ट फराह की कोलम्बियाई जोड़ी ने मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) व होरैसियो जेबालोस (अर्जेन्टीना) की जोड़ी को फाइनल में हराकर जहाँ जीता. वहीं महिला युगल खिताब एलिसे मर्टेन्स (बेल्जियम) व आर्यना सबालेंका (बेलारूस) की जोड़ी ने फाइनल में विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस) व एश्ले बार्टी (आस्ट्रेलिया) की जोड़ी को हराकर अपने नाम किया. मिश्रित युगल खिताब के लिए अमरीका की बिथानी माटेक-सैंड्स व ब्रिटेन के जेमी मुरे की जोड़ी ने चीनी ताइपै की चान हाओ चिंग व न्यूजीलैण्ड के माइकल वीनस की जोड़ी को फाइनल मुकाबले में पराजित किया.

अमरीकी ओपन टूर्नामेंट (2019) की इन सभी पाँचों वैयक्तिक स्पर्द्धाओं के विजेताओं व उपविजेताओं के नाम दिए गए तालिका बॉक्स में दर्शाए गए हैं.

Vikas Bhadu

दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम का नाम अब अरुण जेटली स्टेडियम

नई दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला स्टेडियम का नया नामकरण अब अरुण जेटली के नाम पर किया गया है. 13 वर्षों तक दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रहे श्री अरुण जेटली का निधन कुछ ही दिन पूर्व 24 अगस्त, 2019 को हुआ था. क्रिकेट के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए इस स्टेडियम का नामकरण उनके नाम पर केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह व अन्य अनेक जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी में 12 सितम्बर, 2019 को आयोजित समारोह में किया गया है. ***इसके साथ ही इस स्टेडियम के नए पैविलियन स्टैंड का नामकरण भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के नाम पर किया गया है.***

फुटबाल

महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2019)

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (AIFF) की महिलाओं की (25वीं) सीनियर राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप का आयोजन अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट में 10–24 सितम्बर, 2019 को हुआ. (भारी वर्षा के चलते इस टूर्नामेन्ट के मैच अन्यत्र भी खेले गए) 24 सितम्बर को पासीघाट में सीएचएफ ग्राउंड में रेलवे को फाइनल में हराकर मणिपुर ने इसका खिताब जीता. यह 20वाँ अवसर है, जब मणिपुर ने यह चैम्पियनशिप अपने नाम की है.

मुक्केबाजी

विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप (2019) में भारत के दो पदक

अन्तर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (AIBA) की वर्ष 2019 की विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का आयोजन रूस में एकाटेरिनबर्ग (Yekaterinburg) में 9–21 सितम्बर, 2019 को हुआ. इसमें 1 रजत व 1 कांस्य सहित कुल दो पदक जीत कर पदक तालिका में छठा स्थान भारत ने प्राप्त किया (इससे पूर्व 2017 में हैम्बर्ग में पिछली विश्व चैम्पियनशिप में एक कांस्य पदक ही भारत ने जीता था).

- ***भारत के लिए रजत पदक जीतने वाले मुक्केबाज अमित पांघल (फ्लाइवेट वर्ग में रजत) तथा मनीष कौशिक (लाइटवेट वर्ग में कांस्य) रहे.***
- *3 स्वर्ण 1 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 5 पदक जीत कर उज्बेकिस्तान ने शीर्ष स्थान पदक तालिका में प्राप्त किया. 3 स्वर्ण व 1 कांस्य सहित कुल 4 पदकों के साथ रूस का दूसरा स्थान तथा 1 स्वर्ण, 1 रजत 4 कांस्य सहित 6 पदकों के साथ कजाखिस्तान का तीसरा स्थान पदक तालिका में रहा.*
- ***'आइबा' की विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का आयोजन 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है तथा इसका आगामी आयोजन 2021 में भारत में होगा. यह पहला अवसर होगा, जब विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का आयोजन भारत में होगा.***

कुश्ती

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (2019) में भारत के 1 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 5 पदक

14–22 सितम्बर, 2019 को कजाखिस्तान में नूर-सुल्तान (Nur-Sultan) में सम्पन्न विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (World Wrestling Championship) में 1 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 5 पदक भारत ने जीते तथा 17वाँ स्थान ओवरऑल पदक तालिका में प्राप्त किया. ***पुरुषों की फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन व महिलाओं की फ्रीस्टाइल कुश्ती की प्रतियोगिताएं इसमें शामिल थीं तथा भारत ने 'फ्रीस्टाइल में' ही यह पाँचों पदक जीते.***

भारतीय पदक विजेता :

पुरुष वर्ग

__रजत__–दीपक पूनिया (86 किग्रा)

__कांस्य__–रवि कुमार दाहिया (57 किग्रा)

राहुल अवारे (61 किग्रा)

बजरंग पूनिया (65 किग्रा)

महिला वर्ग

__कांस्य__–विनेश फोगट (53 किग्रा)

इससे पूर्व, पिछले वर्ष हंगरी में बुडापेस्ट में आयोजित विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (2018) में 1 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 2 पदक भारतीय पहलवानों ने जीते थे.

कजाखिस्तान में विश्व कुश्ती (2019) में सर्वाधिक 9 स्वर्ण, 5 रजत व 5 कांस्य सहित कुल 19 पदक जीतकर रूस ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. 5 स्वर्ण व 2 कांस्य सहित 7 पदकों के साथ अमरीका का दूसरा तथा 4 स्वर्ण व 2 कांस्य सहित 6 पदकों के साथ जॉर्जिया का तीसरा स्थान रहा. जापान (3, 3, 3) चौथे स्थान पर रहा.

आगामी विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन 2021 में होगा.

भारोत्तोलन

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप (2019)

वर्ष 2019 की विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप (World Weightlifting Championship) का आयोजन 18–27 सितम्बर, 2019 को थाइलैण्ड में पटाया में हुआ. भारत सहित 97 देशों के भारोत्तोलक इस चैम्पियनशिप में पदकों के दावेदार थे. भारत ने 10 भारत्तोलकों का दल इस आयोजन में भेजा था, किन्तु इनमें से कोई भी पदक हासिल नहीं कर सका.

ओवरऑल पदक तालिका में सर्वाधिक 29 स्वर्ण, 14 रजत व 10 कांस्य सहित कुल 53 पदक जीत कर चीन ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान पटाया में प्राप्त किया. 7 स्वर्ण, 12 रजत व 5 कांस्य सहित 24 पदकों के साथ उत्तर कोरिया का दूसरा स्थान रहा. 5 स्वर्ण व 2 कांस्य कुल 7 पदकों के साथ जॉर्जिया तीसरे तथा 4 स्वर्ण, 4 रजत व 4 कांस्य कुल 12 पदकों के साथ आर्मीनिया चौथे स्थान पर रहा.

आगामी विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप का आयोजन 2021 में लीमा (पेरू) में होगा.

शेष पृष्ठ 174 पर

लावेर (Rod Laver) के नाम पर किया गया है. रॉड लावेर कैलेण्डर ग्राण्ड स्लैम जीतने वाले अन्तिम खिलाड़ी थे (कैलेण्डर ग्राण्ड स्लैम से तात्पर्य एक ही कैलेण्डर वर्ष में ग्राण्ड स्लैम टेनिस के चार खिताब जीतने से है). रॉड लावेर ने यह उपलब्धि दो बार (1962 व 1969 में) प्राप्त की थी.

Vikas Bhadu

टोरे पैन पैसिफिक टेनिस (2019)

महिलाओं के प्रतिष्ठित टोरे पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन जापान में ओसाका में 16-22 सितम्बर, 2019 को हुआ. इसका एकल खिताब जापान की नाओमी ओसाका (Naomi Osaka) ने रूस की एनेस्तासिया पावली चेनकोवा को फाइनल में हराकर जीता.

हार्ड कोर्ट पर खेले जाने वाले महिलाओं के इस टूर्नामेंट का युगल खिताब चीनी ताइपै की चान हाओ-चिंग व लातिशा चान की जोड़ी ने फाइनल में अपने ही देश की जोड़ी को हराकर जीता.

अमरीकी ओपन (2019)

टेनिस में वर्ष 2019 के चौथे अन्तिम ग्राण्ड स्लैम टूर्नामेंट अमरीकी ओपन का आयोजन न्यूयॉर्क में 26 अगस्त-8 सितम्बर को हुआ. हार्ड कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट का यह 139वाँ आयोजन था. इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः रॉफेल नडाल (Rafael Nadal) व बियांका एंड्रीस्कू (Bianca Andreescu) ने जीते.

इन खिताबों के लिए 33 वर्षीय नडाल ने रूस के डेनिल मेदवेदेव को तथा 19 वर्षीय बियांका ने 23 ग्रांड स्लैम खिताबों की विजेता सेरेना विलियम्स (अमरीका) को फाइनल मुकाबलों में पराजित किया.

राफेल नडाल 19वाँ ग्रांड स्लैम एकल खिताब

स्पेन के राफेल नडाल का अमरीकी ओपन में जहाँ यह चौथा खिताब है, ग्रांड स्लैम टेनिस में उनका यह 19वाँ एकल खिताब है. उनके इन 19 ग्रांड स्लैम खिताबों में 4 अमरीकी ओपन खिताबों (2010, 2013, 2017, 2019) के अतिरिक्त 1 आस्ट्रेलियाई ओपन (2009), 12 फ्रांसीसी ओपन (2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019) व 2 विम्बलडन (2008 व 2010) खिताब शामिल हैं.

महिला एकल खिताब की विजेता कनाडा की बियांका एंड्रीस्कू का ग्रांड स्लैम टेनिस में यह पहला ही खिताब है. 19 वर्षीय बियांका ग्रांड स्लैम टेनिस में विगत् 13 वर्षों में सबसे युवा खिताब विजेता बनी हैं.

बियांका एंड्रीस्कू ग्रांड स्लैम में पहला खिताब

इस टूर्नामेंट में महिलाओं की एकल स्पर्द्धा में फाइनल में स्थान बनाने के लिए कनाडा की बियांका एंड्रीस्कू ने स्विट्जरलैण्ड की बेलिंडा बेंकिक को पहले सेमीफाइनल में पराजित किया था, जबकि दूसरा सेमीफाइनल यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को हराकर अमरीका की सेरेना विलियम्स ने जीता था. पुरुषों की एकल स्पर्द्धा में सेमीफाइनल मुकाबलों में रूस के डेनिल मेदवेदेव ने बुल्गारिया क ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर

टेनिस में वर्ष 2019 की सभी चार ग्राण्ड स्लैम स्पर्द्धाओं में विजेता एवं उपविजेता

स्पर्द्धा		आस्ट्रेलियाई ओपन (14–27 जनवरी, 2019, मेलबर्न) में	फ्रांसीसी ओपन (28 मई-9 जून, 2019, पेरिस)	विम्बलडन टेनिस (1-14 जुलाई, 2019, लंदन)	अमरीकी ओपन (26 अगस्त–8 सितम्बर, 2019, न्यूयॉर्क))
पुरुष एकल	विजेता	*नोवाक जोकोविच (सर्बिया)*	*राफेल नडाल (स्पेन)*	*नोवाक जोकोविच (सर्बिया)*	*राफेल नडाल (स्पेन)*
	उपविजेता	*राफेल नडाल (स्पेन)*	*डोमिनिक थिएम (आस्ट्रिया)*	**रोजर फेडरर (स्विट्जर-लैण्ड)**	*डेनिल मेदवेदेव (रूस)*
महिला एकल	विजेता	*नाओमी ओसाका (जापान)*	*एश्ले बार्टी (आस्ट्रेलिया)*	*सिमोना हालेप (रूमानिया)*	*बियांका एंड्रीस्कू (कनाडा)*
	उपविजेता	*पेत्रा क्वितोवा (चैक गणराज्य)*	*मार्केटा वोंड्रू सोवा (चैक गणराज्य)*	*सेरेना विलियम्स (अमरीका)*	*सेरेना विलियम्स (अमरीका)*
पुरुष युगल	विजेता	*पियरे ह्यूग्स हरबर्ट व निकोलस माहुत (दोनों फ्रांस)*	*केविन क्राविट्ज व आंद्रियास माइस (दोनों जर्मनी)*	*जुआन सेबेस्टियन कबाल व रॉबर्ट फराह (दोनों कोलम्बिया)*	*जुआन सेबास्टियन कबाल व रॉबर्ट फराह (दोनों कोलम्बिया)*
	उपविजेता	*हेनरी कोंटिनेन (फिनलैण्ड) व जॉन पीयर्स (आस्ट्रेलिया)*	*जेरेमी चार्डी व फैब्रिस मार्टिन (दोनों फ्रांस)*	*निकोलस माहुत व एंडुअर्ड रोजर वैसेलिन (दोनों फ्रांस)*	*मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) व होरैसियो जेबालोस (अर्जेन्टीना)*
महिला युगल	विजेता	*सामंता स्टोसुर (आस्ट्रेलिया) व झांग शुहाई (चीन)*	*टीमिया बाबोस (हंगरी) व क्रिस्टीना म्लाडिनोविक (फ्रांस)*	*हसीह सू-वी (चीनी ताइपै) व बारबोरा स्ट्राइकोवा (चैक गणराज्य)*	*एलिसे मर्टेंस (बेल्जियम) व आर्यना सबालेंका (बेलारूस)*
	उपविजेता	*टीमिया बाबोस (हंगरी) व क्रिस्टीना म्लाडिनोविक (फ्रांस)*	*डुआन यिंगयिंग व झेंग साइसाइ (दोनों चीन)*	*गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) व शू यिफान (चीन)*	*विक्टोरिया अजारेंका (बेला-रूस) व एश्ले बार्टी (आस्ट्रे-लिया)*
मिश्रित युगल	विजेता	*बारबरा क्रेजसिकोबा (चैक गणराज्य) व राजीव राम (अमरीका)*	*लातिशा चान (चीनी ताइपै) व इवान डोडिग (क्रोएशिया)*	*इवान डोडिग (क्रोएशिया) व लातिशा चान (चीनी ताइपै)*	*बिथानी माटेक-सैंड्स (अमरीका) व जेमी मुरे (ब्रिटेन)*
	उपविजेता	*अस्त्रा शर्मा व जॉन पैट्रिक स्मिथ (दोनों आस्ट्रेलिया)*	*गैबरिएला डाब्रोस्की (कनाडा) व मेट पैविक (क्रोएशिया)*	*राबर्ट लिंडस्टैड्ट (स्वीडन) व जेलेना ऑस्टोपेंको (लाटविया)*	*चान हाओ-चिंग (चीनी ताइपै) व माइकल वीनस (न्यूजीलैण्ड)*

रोजगार समाचार

Vikas Bhadu

दिल्ली पुलिस व केन्द्रीय पुलिस संगठनों में सब-इंस्पेक्टरों तथा सीआईएसएफ में सहायक सब-इंस्पेक्टरों की भर्ती परीक्षा—2019

दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टरों के 97 तथा गृह मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs)– केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), सीमा सुरक्षा बल (BSF), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), विशेष सेवा ब्यूरो (SSB) एवं इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (ITBP) में सब-इंस्पेक्टरों तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) में सहायक सब-इंस्पेक्टरों के रिक्त पदों (संख्या अभी निर्धारित नहीं) पर भर्ती के लिए पात्र पुरुष एवं महिला उम्मीदवारों से 16 अक्टूबर, 2019 तक आवेदन-पत्र कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. इनमें से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं.

शैक्षणिक योग्यता—स्नातक, दिल्ली पुलिस के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास वांछित ड्राइविंग लाइसेंस होना भी आवश्यक है.

आयु सीमा (1 जनवरी, 2020 को)—20–25 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इन पदों पर भर्ती के लिए अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के पहले प्रथम प्रश्न-पत्र में जनरल इंटेलीजेंस व रीजनिंग, जनरल नॉलेज व जनरल अवेयरनैस, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड तथा इंगलिश कॉम्प्रिहेंशन के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, जबकि दूसरा प्रश्न-पत्र इंगलिश लैंग्वेज व कॉम्प्रिहेंशन का होगा. लिखित परीक्षा में पहले प्रश्न-पत्र की परीक्षा 11-13 दिसम्बर, 2019 के दौरान होगी. दूसरे प्रश्न-पत्र की परीक्षा की तिथि अभी निर्धारित नहीं है. पहले चरण की परीक्षा में होने वाले फिजिकल एंड्योरेंस टेस्ट (PET) व फिजिकल स्टैण्डर्ड टेस्ट (PST) में सफल उम्मीदवार ही आगे की दूसरे चरण की परीक्षा में शामिल किए जाएंगे.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन आयोग की सम्बन्धित वेबसाइट देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

Suggested Books Code–781, 951 2494, 19

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में फायर ऑपरेटरों की भर्ती

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अग्निशमन विभाग में फायर ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र पुरुष उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (DSSSB) द्वारा 6 नवम्बर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 706 है. विभिन्न मामलों में नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—मैट्रिक उत्तीर्ण तथा हैवी ड्यूटी वाहनों के चालन हेतु लाइसेंस (DL) व्यवसाय सम्बन्धी योग्यता/व तैराकी आदि की योग्यता वांछनीय है.

आयु सीमा—27 वर्ष आयु सीमा में उपलब्ध छूटों की पूर्ण जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली एक चरण की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में जनरल अवेयरनैस, जनरल इंटेलीजेंस एण्ड रीज़निंग, हिन्दी व अंग्रेजी भाषा के प्रश्न होंगे. भर्ती के सम्बन्ध में परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी बोर्ड (DSSSB) की वेबसाइट http// dsssb.delhi.gov.in पर देखें. ऑनलाइन आवेदन की सुविधा http://dsssbonline.nic.in वेबसाइट उपलब्ध है.

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में असिस्टेंट टीचर (प्राइमरी/नर्सरी) तथा जूनियर इंजीनियरों (सिविल) की भर्ती

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में दिल्ली जल बोर्ड में जूनियर इंजीनियर (सिविल), तथा शिक्षा विभाग में असिस्टेंट टीचर प्राइमरी व नर्सरी पदों पर नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (Delhi Subordinate Service Selection Board) द्वारा 15 अक्टूबर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में विभिन्न वर्गों के लिए नियमानुसार आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है. इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता तथा आयु सीमाओं आदि की जानकारी के लिए डीएसएसएसबी की www.dsssb.delhigovt.nic.in वेबसाइट देखें. ऑनलाइन आवेदन की सुविधा http://dsssbonline.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध है.

इन पदों पर चयन के लिए आयोजित की जाने वाली एक चरणीय/दो चरणीय लिखित परीक्षा में वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्न-पत्र होंगे. इनमें सामान्य जानकारी (General Awareness) सामान्य बुद्धि एवं रीजनिंग (General Intelligence Reasoning) अर्थमेटिकल एण्ड न्यूमेरिक एबिलिटी एवं भाषा कॉम्प्रिहेंशन (Language Comprehension) आदि के प्रश्न होंगे. इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु बोर्ड की वेबसाइट देखें.

Suggested Books Code–692, 1586, 2225, 1784

स्टेनोग्राफर्स (ग्रेड सी एण्ड डी) परीक्षा—2019

केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में स्टेनोग्राफर सी व डी के पदों पर नियुक्ति हेतु अखिल भारतीय स्तर पर इस ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 5-7 मई, 2020 के दौरान विभिन्न केन्द्रों पर किया जाएगा. इस परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या अभी निर्धारित नहीं है. भर्ती में विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षण उपलब्ध है.

शैक्षणिक योग्यता— इंटरमीडिएट (कक्षा 12) उत्तीर्ण.

आयु सीमा—1 जनवरी, 2020 को ग्रेड सी के लिए 18–30 वर्ष तथा ग्रेड डी के लिए 18-27 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में 2 घण्टे की अवधि का 200 अंकों का एक प्रश्न-पत्र

होगा. वस्तुनिष्ठ किस्म के इस प्रश्न-पत्र में 50-50 अंकों की सामान्य बुद्धिमत्ता व तर्कशक्ति तथा सामान्य ज्ञान की परीक्षा होगी. 100 अंकों का तीसरा खण्ड अंग्रेजी भाषा व कॉम्प्रिहेंशन का होगा.

इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन आयोग की वेबसाइट http://ssc.nic.in पर 18 अक्टूबर, 2019 तक स्वीकार किए जाएंगे. परीक्षा के सम्बन्ध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए व स्टाफ सेलेक्शन कमीशन की वेबसाइट देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक **एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D'** का अध्ययन लाभकारी होगा.

Suggested Books Code–1148, 423

झारखण्ड सामान्य योग्यताधारी स्नातक स्तरीय (JGGLCCE–2019) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा–2019

झारखण्ड में विभिन्न शासकीय विभागों में सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी आदि पदों की भर्ती हेतु इस प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दो चरणों में किया जाएगा. पहले चरण की वस्तुनिष्ठ किस्म की परीक्षा में सामान्य अध्ययन, झारखण्ड राज्य से सम्बधित ज्ञान, सामान्य गणित, मानसिक क्षमता जाँच तक कम्प्यूटर ज्ञान आदि से सम्बन्धित 120 प्रश्न होंगे, जबकि दूसरे चरण की मुख्य परीक्षा में तीन पत्र क्रमशः (i) भाषा ज्ञान, (ii) क्षेत्रीय/जनजातीय अन्य भाषा ज्ञान तथा (iii) सामान्य ज्ञान के होंगे.

इस प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक पात्र उम्मीदवारों जो झारखण्ड के स्थानीय निवासी हों, से ऑनलाइन आवेदन झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग (रांची) द्वारा 17 अक्टूबर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता– स्नातक या समकक्ष.

आयु सीमा (अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 21–35 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है (आयु की गणना हेतु सन्दर्भ तिथियों की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें).

इस प्रतियोगिता परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन हेतु आयोग की वेबसाइट www.jssc.nic.in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक का अध्ययन करें.

Suggested Book Code–2403

उत्तराखण्ड में अधीनस्थ न्यायालयों में कनिष्ठ सहायकों व आशुलिपिक/वैयक्तिक सहायकों के रिक्त पद

उत्तराखण्ड में उच्च न्यायालय नैनीताल के अधीनस्थ दीवानी न्यायालयों में कनिष्ठ सहायक के 268 तथा आशुलिपिक के 30 तथा कुटुम्ब न्यायालयों में कनिष्ठ सहायक/स्टेनोग्राफर के पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 15 अक्टूबर, 2019 तक आमंत्रित किए गए हैं. आवेदन हेतु परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अन्तिम तिथि 17 अक्टूबर, 2019 है.

शैक्षणिक योग्यता–स्नातक या समकक्ष उपाधि तथा हिन्दी व अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान तथा साथ ही टंकण व कम्प्यूटर की निर्धारित योग्यता.

आयु सीमा–(1 जनवरी, 2019 को). 21–35 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इन भर्तियों के लिए आयोजित की जाने वाली 140 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन के प्रश्न होंगे. इन भर्तियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की वेबसाइट www.sssc.uk.gov.in देखें. आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

Suggested Book Code–2652

भारतीय रिजर्व बैंक में बी ग्रेड अधिकारियों की भर्ती

भारतीय रिजर्व बैंक में अधिकारी ग्रेड बी के कुल मिलाकर 199 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन 11 अक्टूबर, 2019 तक भारतीय रिजर्व बैंक सर्विसेज बोर्ड, मुम्बई द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से 156 रिक्तियाँ (DR) जनरल की, 20 रिक्तियाँ (DR) DEPR तथा 23 रिक्तियाँ (DR) DSIM की हैं. प्रत्येक वर्ग में कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं.

शैक्षणिक योग्यता–न्यूनतम 60% अंक (SC/ST/PWBD मामलों में न्यूनतम 50 प्रतिशत) के साथ स्नातक, इंटरमीडिएट व 10वीं कक्षा उत्तीर्ण. (DR) DEPR के पद हेतु अर्थशास्त्र/ इकोनोमीट्रिक्स/ आदि में परास्नातक. इसी प्रकार (DR) DSIM में सांख्यिकी या सम्बन्धित विषयों में परास्नातक वांछनीय योग्यता एम. फिल. पीएचडी (इन पदों हेतु आवश्यक शैक्षणिक योग्यता की पूर्ण जानकारी हेतु आरबीआई की वेबसाइट पर विस्तृत विज्ञापन देखें).

आयु सीमा–(1 सितम्बर, 2019 को) 21–30 वर्ष (एम. फिल./पी-एच.डी. उपाधि धारक अभ्यर्थियों के मामले में उच्च आयु सीमा क्रमशः 32 व 34 वर्ष) विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के तहत् अभ्यर्थियों का चयन ऑनलाइन परीक्षा व साक्षात्कार के माध्यम से होगा. दो चरणों की ऑनलाइन परीक्षा में पहले चरण की परीक्षा 9 नवम्बर, 2019 को तथा दूसरे चरण की परीक्षा 1/2 दिसम्बर, 2019 को आयोजित होगी. इस परीक्षा एवं भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की वेबसाइट www.rbi.org.in देखें. इसी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है.

उपर्युक्त परीक्षा के प्रथम चरण के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित Upkar's Reserve Bank of India Grade 'B' Examination का अध्ययन लाभकारी होगा.

●●●

उपकार
संशोधित संस्करण
बिहार वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान
विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तक
लेखक :
डॉ. बी. एल. शर्मा एवं संजय सुमन
कोड नं. 109
मूल्य : ₹ 110
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

Vikas Bhadu

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

Vikas Bhadu

सबसे हल्की वस्तु से मंगल ग्रह रहने योग्य बनेगा

मंगल ग्रह को मनुष्य के रहने योग्य बनाने का सपना वैज्ञानिक लम्बे समय से संजोए हुए हैं. लाल ग्रह की प्रतिकूल परिस्थितियाँ, शून्य से 125 डिग्री सेल्सियस नीचे ताप और नगण्य वायुमण्डलीय दाब के कारण यह सपना अब तक अधूरा है, लेकिन अब मंगल को बसाने का तरीका वैज्ञानिकों ने खोज लिया है.

लाल ग्रह का वह क्षेत्र जहाँ रहने योग्य द्वीप बसाए जाएंगे

ऊष्मा का जबरदस्त रोधक

'सिलिका एयरोजेल' सिलिकॉन और ऑक्सीजन से बना पृथ्वी का अब तक का सबसे हल्का पदार्थ है. यह ठोस है, लेकिन इसकी जटिल संरचना कुछ ऐसी है कि इसमें 97% से अधिक हवा है. यह बेहद हल्का और ऊष्मा का जबरदस्त रोधक है. सिलिका एयरोजेल का इस्तेमाल क्रायोजेनिक इंजनों में द्रवित हाइड्रोजन और द्रवित ऑक्सीजन वाले टैंकों के ताप अवरोधन के लिए किया जाता है.

मंगल पर नहीं होगी पानी की कमी

मॉडलिंग और प्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिकों ने अपने शोध में साबित किया कि पृथ्वी की तरह ही मंगल ग्रह पर भी सिलिका एयरोजेल की मदद से ग्रीनहाउस गैस इफेक्ट पैदा किया जा सकता है. शोध में बताया गया कि 2 या 3 सेमी मोटी सिलिका एयरोजेल की टाइल प्रकाश संश्लेषण के लिए पर्याप्त रोशनी संचारित कर सकती है.

वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी की सबसे हल्की वस्तु 'सिलिका एयरोजेल' मंगल ग्रह को मनुष्य के रहने योग्य बना सकती है. नासा के अनुसार यह पदार्थ मंगल ग्रह पर पृथ्वी जैसा वातावरण तैयार करने में मदद करेगी. उनका कहना है कि पूरे मंगल ग्रह को रहने लायक बनाने के बजाय सिलिका एयरोजेल की मदद से मंगल के उन स्थानों पर, जहाँ फ्रोजन वाटर आइस है, इन्सानों के रहने लायक छोटे-छोटे द्वीप बनाए जा सकते हैं. सिलिका एयरोजेल से मंगल की सतह को गर्म किया जा सकता है.

वैज्ञानिकों ने अपने शोध में दावा किया कि मंगल की सतह पर सिलिका एयरोजेल की पतली परत को बिछाकर वहाँ के तापमान को 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचाया जा सकता है. इससे वहाँ फसलें भी उगाई जा सकेंगी. इस पदार्थ से मंगल ग्रह पर एक स्वयंभू जीवमण्डल का निर्माण किया जा सकता है और इससे इंसानों के रहने लायक गुम्बदनुमा घर बनाए जा सकते हैं.

इस अध्ययन के मुख्य शोधकर्ता और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबिन वर्डसवर्थ ने कहा कि पृथ्वी की ध्रुवीय बर्फ जमे हुए पानी से बनी है, जबकि मंगल के ध्रुवीय बर्फ वाटर आइस और जमे हुए कार्बन डाइ-ऑक्साइड का मिश्रण है, जो सूर्य की रोशनी को तो पार होने देते हैं, लेकिन उसकी गर्मी को सोख लेते हैं. इसलिए सिलिका एयरोजेल की एक पतली परत भी मंगल की सतह को गर्म करने में सक्षम है.

पृथ्वी सदृश तापमान वाले ग्रह पर पहली बार पानी मिला

अपने अथक एवं अनवरत प्रयासों से अब वैज्ञानिक इस अनादि प्रश्न के उत्तर देने के करीब पहुँच रहे हैं कि "क्या हम ब्रह्माण्ड में अकेले हैं ?" अब तक ब्रह्माण्ड में 4 हजार से अधिक ग्रह खोजे गए हैं, पर उनमें से अधिकांश गैसीय गोले हैं, कुछ ठोस धरातल वाले ग्रह हैं. इन ठोस ग्रहों की स्थितियाँ भी जीवधारियों के लिए अनुकूल नहीं हैं. यह पहला अवसर है जब वैज्ञानिकों ने ठोस धरातल वाले एक ऐसे ग्रह की खोज की है, जहाँ जल भी है वायुमण्डल भी. यहाँ उच्च चेतनायुक्त प्राणियों की अस्तित्व सम्भव है.

के2–18बी ग्रह

खगोलविदों को हमारे सौरमण्डल के बाहर एक ग्रह पर पानी खोजने में पहली बार सफलता मिली है. इस ग्रह के वातावरण में पानी की मौजूदगी पाई गई है. इसका तापमान भी हमारी धरती सरीखा है. इसलिए उम्मीद जताई गई है कि इस पर जीवन के अनुकूल माहौल हो सकता है.

2015 में मिला था यह ग्रह

वर्ष 2015 में नासा के केप्लर अन्तरिक्ष-यान ने के2-18बी ग्रह की खोज की थी. यह जिस लाल बौने तारे की परिक्रमा करता है, वह बेहद ठण्डा है.

इस तरह की गई खोज

खगोलविदों ने ईएसए/नासा हब्बल स्पेस टेलीस्कोप द्वारा वर्ष 2016 से 2017 के दौरान जुटाए गए आँकड़ों का अध्ययन किया. इन आँकड़ों के जरिए के2-18बी के वातावरण के विश्लेषण के आधार पर पानी की पहचान की गई.

हाइड्रोजन और हीलियम के मिले संकेत

शोधकर्ताओं ने कहा कि जलवाष्प की निशानी से यह संकेत मिल रहा है कि ग्रह के वातावरण में हाइड्रोजन और हीलियम की मौजूदगी भी हो सकती है. उनका यह भी मानना है कि के2-18बी ग्रह के वातावरण में नाइट्रोजन और मीथेन होने के भी संकेत मिले हैं, लेकिन मौजूदा निरीक्षणों में इनकी पहचान नहीं हो पा रही है.

पानी की मात्रा का अनुमान लगाना बाकी

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अनुमान लगाने के लिए और अध्ययन करने की जरूरत है कि के2-18बी ग्रह पर बादलों का कितना कवरेज है और इसके वातावरण में कितने प्रतिशत पानी है ?

नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, के2-18बी ऐसा पहला ज्ञात ग्रह है, जिस पर पानी और धरती जैसा तापमान दोनों पाया गया है. इसलिए यह ग्रह रहने योग्य हो सकता है. इसका द्रव्यमान धरती से आठ गुना ज्यादा है. शोधकर्ताओं ने बताया कि के2-18बी ग्रह अपने दूरस्थ बौने तारे के2-18 की परिक्रमा करता है. यह हमारी धरती से 110 प्रकाश वर्ष दूर लियो तारामण्डल में स्थित है. खगोलविदों का कहना है कि किसी तारे की परिक्रमा कर रहे ग्रह के वातावरण में पहली बार सफलतापूर्वक पानी की पहचान की गई है. इस ग्रह पर पानी का अस्तित्व तरल रूप में भी हो सकता है. ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ता एंजलोस सियारस ने कहा, "धरती के अलावा एक सम्भावित रहने योग्य ग्रह पर पानी मिलना अविश्वसनीय और उत्साहजनक है. के2-18बी दूसरी धरती नहीं है, क्याकि यह बहुत भारी है., लेकिन इस खोज से हम उस मौलिक सवाल का जवाब देने के करीब पहुँच रहे हैं कि क्या धरती अनूठी है ?" ●●●

Vikas Bhadu

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "कठोर परिश्रम, असफलता से सफलता के सृजन की क्षमता एवं अद्वितीय मार्गदर्शन"

– अभिषेक रंजन

बिहार सिविल सेवा परीक्षा, 2018 में SDM के पद पर चयनित.

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री अभिषेक रंजन ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप से प्रस्तुत है.

...... प्रतियोगिता दर्पण समग्रता से पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराती है, जिसमें व्यापकता एवं गहराई दोनों होती हैं. यह भटकाव से बचाती है तथा अभ्यर्थियों को सींच-सींचकर महाप्राण शक्तियाँ बनाती है. मेरी सफलता में इसका अहम् योगदान रहा है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री अभिषेक–जी, धन्यवाद.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री अभिषेक–यह मेरा तीसरा प्रयास था.

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री अभिषेक–पिछले प्रयासों में मैंने अपना कभी भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दिया एवं गम्भीरता नहीं बरती थी, किन्तु इस प्रयास में एक गम्भीर प्रयास रहा और इसका फल भी मुझे मिला.

प्र. द.–आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री अभिषेक–इतिहास

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री अभिषेक–आपकी रुचि के अनुकूल होना चाहिए. साथ ही यह विषय स्कोरिंग भी होना चाहिए, क्योंकि मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री अभिषेक–मुझे बिहार प्रशासनिक सेवा (सीनियर डिप्टी कलेक्टर एस.डी.एम.) हेतु चुना गया है, क्योंकि प्रशासनिक सेवा की प्रकृति बहुआयामी होती है, अतः इसी कारण मैंने इसे प्रथम वरीयता दी. मैंने अन्य प्राथमिकताएँ दीं–बिहार वित्त सेवा, बिहार निबन्धन सेवा.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री अभिषेक–मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु मैंने विषयवार एवं प्रत्येक प्रश्न-पत्र के अनुसार विस्तृत नोट्स बनाये थे, जिसके फलस्वरूप मेरे सभी प्रश्न-पत्र बहुत अच्छे हुए. फलतः मैं मुख्य परीक्षा में अपने प्रदर्शन से सन्तुष्ट था. अतः अन्तिम परिणाम में बिहार प्रशासनिक सेवा की सूची में अपना नाम देखकर मन काफी प्रसन्न हुआ.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किन्हीं टॉपर्स से आप प्रभावित हुए ?

श्री अभिषेक–टॉपर्स भी साधारण विद्यार्थी ही होते हैं, किन्तु उनके द्वारा प्रत्येक कार्य विशिष्ठ तरीके से किया जाता है. बस यही अन्तर टॉपर्स को सफलतम व्यक्तियों की श्रेणी में शामिल करता है.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री अभिषेक–शुरू में तैयारी को लेकर मेरा कोई मार्गदर्शक नहीं था, किन्तु स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही मैं प्रतियोगिता दर्पण का नियमित पाठक बन गया था. अतः आप प्रतियोगिता दर्पण को ही मेरा प्रथम मार्गदर्शक कह सकते हैं. इस पत्रिका ने मुझे अपनी तैयारी की रूपरेखा तय करने में काफी मदद की. यथा वैकल्पिक विषय के चुनाव में, कहाँ से कितना पढ़ें, आदि.

कुल मिलाकर प्रतियोगिता दर्पण ने मुझे नीर-क्षीर विवेकी बना दिया. इसके अलावा संवाद आई.ए.एस. के कुमार अजय सर का परीक्षा के प्रत्येक चरण पर सही मार्गदर्शन ने सफलता की राह आसान कर दी.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री अभिषेक–शुरूआत में मेरी तैयारी का कोई व्यवस्थित क्रम नहीं था एवं अस्त-व्यस्त की स्थिति रहती थी, किन्तु आरम्भिक असफलताओं के बाद मैंने कमियों को पहचान कर इन्हें दूर करने का पूरा प्रयास किया. साथ ही लगभग 6-8 घण्टे पढ़ाई करता रहा, जिसका परिणाम आपके सामने है.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री अभिषेक–मेरे माता-पिता की शुरू से ही इच्छा थी कि मैं प्रशासनिक अधिकारी बनूँ. उन्होंने मुझ पर इस हेतु कभी भी दबाव नहीं बनाया एवं स्वेच्छा से अपना कॅरियर चुनने की आजादी दी. तथापि मुझे भी सिविल सेवाएं आकर्षित करती रही हैं, फलतः, मैंने भी इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लिया.

प्र. द.–समय-प्रबन्धन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री अभिषेक–सिविल सेवा की तैयारी हेतु समय-प्रबन्धन अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा अवश्य ही सन्तुलित होना चाहिए एवं प्रतिदिन एक निश्चित रुटीन का पालन करना चाहिए. मैंने समयबद्ध नियोजन के साथ अपनी तैयारी हेतु प्रासंगिक दिनचर्या तय की.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री अभिषेक–बीपीएससी की संयुक्त परीक्षा में इस स्तर पर केवल एक ही प्रश्न-पत्र होता है–सामान्य अध्ययन. इस प्रश्न-पत्र हेतु मैंने सभी विषय-खण्डों का विस्तृत अध्ययन किया. साथ ही पूर्व में पूछे गए प्रश्न-पत्रों का भी गम्भीरता से अवलोकन किया. फलतः प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने में कोई विशेष कठिनाई नहीं हुई.

Vikas Bhadu

प्र. द.–शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री अभिषेक–मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु मैंने प्रत्येक विषयवार लगभग 200-250 प्रश्नों का संकलन तैयार किया, जिसका परिणाम यह रहा कि मेरे सभी प्रश्न-पत्र काफी अच्छे रहे एवं मैं मुख्य परीक्षा में सफलता के प्रति आश्वस्त था.

इसमें सामान्य अध्ययन का विषय क्षेत्र बहुत ही विस्तृत है. सर्वप्रथम हमें परीक्षा में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का सूक्ष्मतापूर्वक एवं विस्तारपूर्वक अध्ययन करना चाहिए.

व्यक्ति परिचय

नाम–अभिषेक रंजन

पिता का नाम–श्री ध्रुव प्रसाद

माता का नाम–श्रीमती दमयन्ती देवी

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री अभिषेक–साक्षात्कार हेतु मैंने योजनाबद्ध तरीके से अपने बायोडाटा पर कार्य किया. इसके अलावा स्नातक के विषय एवं बीपीएससी मुख्य परीक्षा के वैकल्पिक विषय को गम्भीरतापूर्वक पढ़ा. साथ ही राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं तथा बिहार से सम्बन्धित अद्यतन तथ्यों का भी गम्भीरतापूर्वक अवलोकन किया. अपनी रुचियों आदि विषयवस्तुओं के लिए भी तैयारी की.

मेरा साक्षात्कार श्री शक्ति सामंत सर के बोर्ड में था. बोर्ड के समस्त सदस्यों का रवैया अत्यन्त ही सकारात्मक रहा. मुझसे विविध प्रकार के प्रश्न पूछे गए. स्नातक के विषयों, वैकल्पिक विषय (इतिहास) से सम्बद्ध प्रश्नों के अलावा रुचियों आदि पर भी प्रश्न पूछे गए.

बौद्ध-जैन-सिख धर्मों के दार्शनिक पहलुओं वाले प्रश्न पूछे गए. इसके अलावा प्राचीन इतिहास में भारतीय उपनिवेशवाद एवं वैश्वीकरण सम्बन्धित प्रश्न भी रहे. शीत युद्ध के पश्चात् वैश्विक राजनीति में किस तरह के बदलाव आ रहे हैं, यह भी पूछा गया. साथ ही सम्प्रभुता की अवधारणा से सम्बन्धित प्रश्न भी पूछे गए. कुल मिलाकर 35-30 मिनट के मेरे साक्षात्कार के दौरान मुझसे विविध विषय वाले प्रश्न पूछे गए.

प्र. द.–आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री अभिषेक–सिविल सेवा और निजी क्षेत्र की सेवाओं में मौलिक अन्तर हैं. सिविल सेवा एक चुनौतीपूर्ण किन्तु आकर्षक तथा समाजोन्मुखी कॅरियर है, जबकि निजी क्षेत्र की सेवाएँ केवल जीविकोपार्जन का माध्यम मात्र हैं. सिविल सेवाओं की विविधता एवं चुनौतीपूर्ण कॅरियर ने ही मेरा जोश बरकरार रखा और मैं गम्भीरतापूर्वक तैयारी में लगा रहा.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री अभिषेक–स्नातक की पढ़ाई की शुरूआत के साथ ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु सोचना शुरू कर देना चाहिए, मेरे अनुसार 2 वर्ष की गम्भीरतापूर्वक तैयारी आवश्यक है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ तो कैसे ?

श्री अभिषेक–हाँ बिलकुल, अभ्यर्थी का शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अवश्य पड़ता है, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, अच्छी पृष्ठभूमि वाले छात्रों को बहुत सी सहूलियतें सहज प्राप्त हो जाती हैं, किन्तु ऐसा नहीं है कि केवल अच्छी पृष्ठभूमि ही सफलता प्राप्त कराने में एकमात्र कारगर है. बल्कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी कई उम्मीदवार अपनी इच्छाशक्ति एवं मेहनत के बल पर शीर्ष सफलता प्राप्त करते हैं.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमन्त्र क्या है ?

श्री अभिषेक–बिना हिम्मत हारे लगातार एवं सतत् प्रयासरत् रहना ही मेरी सफलता का मूलमंत्र है. इस मामले में मैंने स्वामी विवेकानन्द के ओजपूर्ण व्याख्यानों को आदर्श बनाया. स्वामीजी का यह कहना था–"उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति तक लगातार प्रयासरत रहो". वास्तव में सम्पूर्ण तैयारी के दौरान उपर्युक्त कथन मेरी पसंदीदा हेडलाइन रही.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री अभिषेक–सर्वप्रथम परमात्मा एवं माता-पिता तथा गुरुजनों को. वस्तुतः इन सबके आशीर्वाद से यह सफलता प्राप्त हुई. कुमार अजय सर का सटीक मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा.

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री अभिषेक–सभी पत्रिकाओं जोकि प्रतियोगियों हेतु विषय-सामग्री आदि प्रकाशित करती हैं, उनमें सन्तुलित एवं परीक्षोपयोगी सामग्री की अपेक्षा रहती है.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री अभिषेक–प्रतियोगिता दर्पण सर्वप्रथम मैंने स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिला लेने के उपरान्त पढ़ना शुरू किया और इसका नियमित पाठक रहा. तथ्यों का सन्तुलन, विविध विषयवस्तुओं पर आलेख, पूर्व परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों एवं मॉडल प्रश्न-पत्रों का संकलन इसे अत्यन्त उपयोगी बनाता है.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांकों की सीरिज के बारे में क्या विचार हैं, जो टॉपर्स द्वारा बहुत पसंद की जाती रही हैं.

श्री अभिषेक–अर्थव्यवस्था वाला अतिरिक्तांक तथ्यात्मक एवं वर्णात्मक सामग्री दोनों का समावेश है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	*– डॉ. अब्दुल कलाम*
सबल पक्ष	*– दृढ़ निश्चय*
दुर्बल पक्ष	*– भावुक होना*
रुचियाँ	*– खाना बनाना*

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी को आपने कितना उपयोगी पाया ?

श्री अभिषेक–हाँ, मैंने वार्षिकी की भरपूर सहायता ली.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री अभिषेक–अभ्यर्थियों को चाहिए कि वे परीक्षा के पाठ्यक्रम को समझें तत्पश्चात् रणनीतिक तरीके से एवं सटीक पाठ्य-सामग्री ढंग से तैयार करें.

सफलता अवश्य मिलेगी. हाँ, यह अवश्य याद रखें कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता. सघन एवं स्मार्ट परिश्रम ही सफलता दिलाता है.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री अभिषेक–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''बुलंद इरादा एवं दृढ़ता और धैर्य के साथ कठिन परिश्रम.''

– पुरुषोत्तम कुमार

बिहार सिविल सेवा परीक्षा : 60-62वीं में चयनित.

Vikas Bhadu

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री पुरुषोत्तम कुमार ने एक स्वर्णिम उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

...... प्रतियोगिता दर्पण में परीक्षोपयोगी नवीन तथ्यों के समावेशन तार्किक होते हैं एवं घटनाक्रम की विश्लेषणात्मक प्रस्तुति बहुत उपयोगी होती है. इसके निरन्तर अध्ययन से अभ्यर्थियों को अपने स्वप्न धरातल पर आते दिखाई देते हैं. इसके अतिरिक्तांकों की अध्ययन-सामग्री संतुलित होती है और इसकी समसामयिक वार्षिकी तो वस्तुतः प्रतियोगिता सम्बन्धी फूलों का अपूर्व बगीचा है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री पुरुषोत्तम–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद आपको.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री पुरुषोत्तम–सिविल सेवा आपको सेवा प्रदान करने का वृहद् प्लेटफार्म प्रदान करती है. इस सेवा की गरिमा एवं महत्व से मुझे मेरे भइया ने अवगत कराया एवं सिविल सेवा की तैयारी हेतु प्रेरित किया.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्री पुरुषोत्तम–काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक करने के दौरान मैंने सिविल सेवा में कॅरियर बनाने का निश्चय किया. स्नातक के उपरांत मैंने परीक्षा की तैयारी गम्भीरता से आरम्भ की.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करते हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

श्री पुरुषोत्तम–टॉपर्स हममें से ही होता है. मैं टॉपर्स का साक्षात्कार पढ़कर प्रेरित महसूस करता था तथा इनकी स्ट्रेटेजी से सीखने की कोशिश करता था. टॉपर्स में से, मैं स्वाति शुक्ला (2015 Batch-SDM UPPCS) से काफी प्रभावित रहा.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एक लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री पुरुषोत्तम–मैंने सिविल सेवा को ही एकमात्र लक्ष्य बनाकर सम्पूर्ण समर्पण के साथ तैयारी की. मेरा यह दृढ़ विश्वास था कि एकाग्रचित्त होकर सही दिशा में सतत् परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किन्हें देना चाहेंगे ?

श्री पुरुषोत्तम–अपनी सफलता का श्रेय मैं अपने भइया श्री मृत्युंजय कुमार एवं गुरुजनों को देता हूँ, जिन्होंने परीक्षा के हर चरण में व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्री पुरुषोत्तम–सर्वप्रथम पाठ्यक्रम एवं विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों को हल किया. तैयारी हेतु मैंने सृजन आईएएस एकेडमी ज्वाइन की एवं इस संस्थान के निदेशक श्री सुनील श्रीवास्तव सर से व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिला.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री पुरुषोत्तम–जी हाँ. मैं अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से पूरी तरह संतुष्ट था.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री पुरुषोत्तम–बिहार प्रशासनिक सेवा, बिहार वित्त सेवा, बिहार राजस्व सेवा.

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री पुरुषोत्तम–सिविल सेवा में पेशेवर सम्भावनाओं के साथ-साथ जॉब संतुष्टि का स्तर काफी ऊँचा है. यही कारण है कि आज भी युवाओं के मन में इस सेवा के प्रति जोश बरकरार है.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री पुरुषोत्तम–यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.–समय-प्रबंधन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय-समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्री पुरुषोत्तम–समय-प्रबंधन की सफलता में महती भूमिका होती है. नियमित अभ्यास एवं सतत् परिश्रम से समय-प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है. अधिकाधिक प्रैक्टिस सेट के अभ्यास के कारण मुझे समय-प्रबंधन को लेकर कोई कठिनाई नहीं हुई.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्री पुरुषोत्तम–मैंने ऐच्छिक विषय के रूप में इतिहास का चयन किया. इस विषय का मैंने स्नातक के दौरान अध्ययन किया था. साथ ही, पाठ्य सामग्री की बहुलता एवं व्यक्तिगत

मार्गदर्शक की उपलब्धता ने मुझे ऐच्छिक विषय के रूप में इतिहास के चयन हेतु प्रेरित किया.

प्र. द.–आपके सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय यही रहे या कोई बदलाव रहा ?

श्री पुरुषोत्तम–यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं ?

श्री पुरुषोत्तम–प्रारम्भिक परीक्षा के लिए मैंने विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण करते हुए सभी विषयों के कुछ चुनिंदा टॉपिक्स पर सटीक नोट्स बनाए. मुख्य परीक्षा हेतु टेस्ट सीरीज़ ज्वाइन करने के साथ-साथ घर पर उत्तर-लेखन का अभ्यास किया. साक्षात्कार एवं अंतिम चरण की परीक्षा के लिए मैंने अधिक-से-अधिक मॉक इंटरव्यू दिए.

व्यक्ति परिचय

नाम–पुरुषोत्तम कुमार
पिता का नाम–श्री रवीन्द्र शर्मा
माता का नाम–श्रीमती मनोरमा देवी
जन्मतिथि–8 दिसम्बर, 1993
शैक्षिक योग्यता–
हाईस्कूल–2008, B.S.E.B., Dadar High School, (66·60%)
इण्टरमीडिएट–2008-10, B.S.E.B., M. S. Y. College, (63·40%)
बी.ए. –2010-13, B.H.U., (70·60%)

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थे ?

श्री पुरुषोत्तम–साक्षात्कार की तैयारी हेतु मैंने अधिक-से-अधिक मॉक इंटरव्यू दिए. मेरा साक्षात्कार श्री शक्ति सावंत सर के बोर्ड में था. मुझसे आसियान (ASEAN) और भारत सम्बन्ध, औद्योगिक क्रांति का भारत पर प्रभाव, शारदा पीठ, जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए. मैं साक्षात्कार में अपने निष्पादन से पूरी तरह सन्तुष्ट था.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री पुरुषोत्तम–मेरी व्यक्तिगत राय के अनुसार स्नातक से ही सिविल सेवा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए. तैयारी की शुरूआत में NCERT एवं कुछ मानक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए. गम्भीरतापूर्वक एक वर्ष की तैयारी परीक्षा के लिए पर्याप्त है.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्री पुरुषोत्तम–दोनों विषयों में बेहतर अंक प्राप्त किए जा सकते हैं. अंक का दायरा (कुछ) विषयों की परिधि तक ही सिमटा नहीं होता है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री पुरुषोत्तम–किसी भी माध्यम से सफलता अर्जित की जा सकती है, जिस माध्यम में अभ्यर्थी सहज अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर सकते हैं. उन्हें उसी माध्यम को चुनना चाहिए.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री पुरुषोत्तम–हाँ, सीमित रूप में अवश्य पड़ता है, परन्तु सफलता के लिए सबसे निर्णायक भूमिका किसी अभ्यर्थी की सही दिशा में की गई कड़ी मेहनत की होती है.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री पुरुषोत्तम–पाठ्यक्रम के अनुरूप विषय सामग्री, समसामयिक मुद्दों का विस्तृत विश्लेषण, त्रुटि रहित हल प्रश्न-पत्र, एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में होने चाहिए, साथ ही यह ऑनलाइन भी उपलब्ध होनी चाहिए.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितने करीब पाते हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे ?

श्री पुरुषोत्तम–प्रतियोगिता दर्पण ने विगत वर्षों में सिविल सेवा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के बीच एक मानक स्थान बनाया है. मेरी व्यक्तिगत राय में UPSC के सभी एवं अन्य परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का हल विस्तृत विश्लेषण सहित पत्रिका में प्रकाशित होना चाहिए.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्री पुरुषोत्तम–हाँ, मैंने अर्थव्यवस्था एवं इतिहास के अतिरिक्तांकों का अध्ययन किया. ये दोनों अतिरिक्तांक अत्यंत उपयोगी हैं.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी कैसी लगी ? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

श्री पुरुषोत्तम–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी परीक्षा से ठीक पहले कम समय में समसामयिकी के रिवीजन का श्रेष्ठ माध्यम है. वर्तमान परीक्षा में समसामयिकी की भूमिका बढ़ गई है. इस कारण से वार्षिकी में अधिकाधिक पहलू को शामिल किया जाना चाहिए.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	*– डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, भगत सिंह*
सबल पक्ष	*– सतत् परिश्रम एवं धैर्य*
दुर्बल पक्ष	*– थोड़ा अंतर्मुखी हूँ*
रुचियाँ	*– क्रिकेट खेलना, सूफी संगीत सुनना*

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय सीमा निर्धारित की थी ?

श्री पुरुषोत्तम–मैंने पूर्ण समर्पण के साथ परीक्षा की तैयारी पर बल दिया. एकाग्रचित्त होकर तैयारी करने से सफलता अवश्य मिलती है.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री पुरुषोत्तम–निरन्तर कठिन परिश्रम, कुशल समय-प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण मेरी सफलता का आधार रहे.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्री पुरुषोत्तम–वैकल्पिक विषय हेतु मैंने इतिहास की कुछ मानक पुस्तकों का अध्ययन किया. वहीं सामान्य अध्ययन की तैयारी हेतु मैंने प्रतियोगिता दर्पण एवं कोचिंग सेन्टर के नोट्स का सहारा लिया.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं, जो तैयारी का अनिवार्य अंग रहे.

श्री पुरुषोत्तम–अपनी दैनिक दिनचर्या में नियमित रूप से 6-8 घण्टे अध्ययन, समाचार-पत्र पढ़ना आदि को शामिल किया. इसके अलावा शाम को मैं क्रिकेट अवश्य खेलता था.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री पुरुषोत्तम–सकारात्मक रवैये के साथ कड़ी मेहनत करते रहें. साथ ही, परीक्षा के प्रत्येक चरण (प्रारम्भिक, मुख्य एवं साक्षात्कार) को गम्भीरता से लें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री पुरुषोत्तम–हार्दिक धन्यवाद आपको.

●●●

Vikas Bhadu

Vikas Bhadu

अनुप्रेरक युवा प्रतिभा

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "स्वयं में दृढ़ निष्ठा, गहन अध्ययन-मनन एवं असाधारण मार्गदर्शन."

– श्रीमती दुर्गाशक्ति

बिहार सिविल सेवा परीक्षा : 60-62वीं में चयनित (28वाँ स्थान).

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्रीमती दुर्गाशक्ति ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

...... प्रतियोगिता दर्पण अभ्यर्थियों की पाठशाला है. यह अभ्यर्थियों में सकारात्मक गुणों का विस्तार कर उन्हें मार्गदर्शक प्रकाश प्रदान करती है. इसके राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम एवं अद्यतन प्रासंगिक लेख अत्यन्त परीक्षोपयोगी होते हैं. यह सभी अपरिहार्य विषयों की संतुलित अध्ययन सामग्री एक जगह उपलब्ध कराकर सफलता सुनिश्चित कर देती है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्रीमती दुर्गाशक्ति–जी, अनन्त धन्यवाद.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेरे पति श्री अशोक कुमार पी. सी. एस. का साक्षात्कार दे रहे थे. उनके द्वारा फरवरी 2016 में मुझे सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व को बताने के बाद मुझे सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–22 फरवरी, 2016 को मैंने सिविल सेवाओं में कॅरियर की संभावनाएं तलाशने का फैसला लिया.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करती हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मैं समझती थी टॉपर्स प्रतिभावान एवं लगनशील होते हैं. निश्चित रूप से कोई भी व्यक्ति कड़ी मेहनत एवं उचित मार्गदर्शन में टॉपर्स की श्रेणी में आ सकता है. इन टॉपर्स में से मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया. आई. पी. एस. श्रीमती हरप्रीत कौर जो 2009 बैच की हैं.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एक लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेरा एकमात्र लक्ष्य सिविल सेवा था.

उपकार

परीक्षा तिथि 24 नवम्बर, 2019

उत्तर प्रदेश विद्याज्ञान स्कूल

प्रारम्भिक परीक्षा

कक्षा 6 में प्रवेश हेतु

लेखक संजय कुमार गुप्ता

कोड 2401 ₹ 295/-

मुख्य आकर्षण

✿ गत वर्ष का हल प्रश्न-पत्र ✿ हिन्दी भाषा ✿ अंग्रेजी भाषा ✿ गणित ✿ मानसिक योग्यता ✿ सामान्य ज्ञान एवं विज्ञान

प्रै. सैट प्रा. परीक्षा कोड 2391 ₹ 120/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

उपकार

मध्य प्रदेश उत्कृष्ट विद्यालय/ मॉडल स्कूल

प्रवेश चयन परीक्षा

(कक्षा IX के लिए)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न और उनके विस्तृत उत्तरों सहित

सम्पादक मण्डल : सामान्य ज्ञान दर्पण कोड नं. 1031 मूल्य : ₹ 265/-

प्रमुख आकर्षण

☞ मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान
☞ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
☞ हिन्दी ☞ गणित
☞ विज्ञान ☞ अंग्रेजी
☞ पर्यावरण

ENGLISH EDITION
Code 1904 ₹ 380/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किन्हें देना चाहेंगी ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने पति श्री अशोक कुमार जी को देना चाहूँगी जिनके कुशल मार्गदर्शन में प्रथम प्रयास में ही सफल हुई. गुरुवर श्री आदित्य चन्द्र झा, श्री पंकज तिवारी, रंजीत सर एवं समीर सर का भी मार्गदर्शन प्राप्त किया. मेरे पुत्र कुणाल, माता-पिता, भाई अमरकांत एवं घर परिवार सबका सकारात्मक सहयोग मिला.

Vikas Bhadu

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–पूर्व की पी.सी.एस. परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों का बारीकी से अध्ययन किया. तैयारी हेतु दिशा एवं मार्गदर्शन आदित्य सर एवं समीर सर से मिला.

व्यक्ति परिचय

नाम–श्रीमती दुर्गाशक्ति

पिता का नाम–श्री अनिरुद्ध शाह

माता का नाम–श्रीमती लालमुनी देवी

जन्मतिथि–13 जून, 1985

शैक्षिक योग्यता–

हाईस्कूल–2000, बी.एस.ई.बी. पटना, एस.एस. बालिका उ. विद्यालय, गोपालगंज (65%)

इण्टरमीडिएट–2002, बी.इ., ई. सी., पटना, एम. एम. कॉलेज, गोपालगंज, (63%)

बी.ए./बी.एस-सी. –2002-05, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, एम. एम. कॉलेज, गोपालगंज, (69·9%)

एमए/एम.एस-सी. –2007-09, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, (62·50%)

पी.जी./डीबाईसी (योगा)–2016-17, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, (67%)

एल.एल.बी. –2012-15, मगध विश्वविद्यालय, पटना, आर.पी.एस. लॉ कॉलेज, पटना, (66%)

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं और सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मैं सफलता के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त थी, क्योंकि मेरी मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार काफी अच्छा हुआ था. परिणाम देखकर लगा कि मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेरी प्राथमिकताएं इस प्रकार थीं–

(i) बिहार पुलिस सेवा

(ii) बिहार प्रशासनिक सेवा

(iii) बिहार वित्त सेवा

(iv) बिहार निबंधन सेवा

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–पति से प्राप्त प्रेरणा, सही सलाह, उचित मार्गदर्शन एवं पारिवारिक सहयोग से अपना जोश बरकरार रख पायी.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.–समय प्रबंधन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–बिल्कुल नहीं, क्योंकि इसके लिए मैंने लगातार अपने पति के निर्देशन में मुख्य परीक्षा का टेस्ट देती रही.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेरा ऐच्छिक विषय श्रम एवं समाज कल्याण था एवं इसके चयन का आधार संक्षिप्त पाठ्यक्रम एवं स्टडी मैटेरियल की पर्याप्त उपलब्धता.

प्र. द.–आपके सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय यही रहे या कोई बदलाव रहा ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–जी, जरूरत ही नहीं पड़ी.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विषयों का तथ्यात्मक एवं विस्तृत अध्ययन किया तथा प्रीवियस प्रश्न सॉल्व किए. मुख्य परीक्षा हेतु संक्षिप्त नोट्स बनाकर लगातार लिखने का प्रयास समय-सीमा के अंदर किया. साक्षात्कार हेतु छद्म (मॉक) इंटरव्यू में शामिल हुई.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार की तैयारी की ? आपने किस विषय पर निबंध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–जी. बी.पी.एस.सी. में निबंध का पत्र नहीं होता है.

प्र. द.–निगेटिव मार्किंग का ध्यान रखते हुए क्या सावधानी एवं रणनीति की जरूरत है ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–बी. पी. एस. सी. द्वारा आयोजित परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	*– किरण वेदी, भारत की प्रथम महिला आई. पी. एस. अधिकारी*
सबल पक्ष	*– कठिन परिश्रमी, आत्मविश्वासी, जिज्ञासु, सीखने की रुचि एवं अनुशासनप्रियता*
दुर्बल पक्ष	*– कुछ क्षण के लिए भावुक होना*
रुचियाँ	*– बैडमिंटन खेलना, पेंटिंग करना, गाना गाना एवं सुनना*

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थीं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–साक्षात्कार की तैयारी मैंने सिविल सर्विस सेन्टर समीर सर, के मार्गदर्शन में की. मेरा साक्षात्कार श्री राजेन्द्र गुप्ता सर के बोर्ड में था, जो 20 दिसम्बर, 2018 को था. साक्षात्कार के दौरान पूछे गए महत्वपूर्ण सवाल–

(i) खाप पंचायत, ऑनर किलिंग की समस्या

(ii) बैडमिंटन प्लेयर (राज्यस्तरीय) होने के कारण उससे सम्बन्धित कई प्रश्न, जैसे–पहली बार यह खेल कहाँ खेला गया ? नम्बर वन बैडमिंटन प्लेयर, आदि.

(iii) ग्रामीण महिलाओं की समस्या क्या है एवं उनका समाधान

(iv) सिचुएशनल प्रश्न आदि.

जी हाँ, मैं पूर्ण रूप से संतुष्ट थी.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–स्नातक स्तर से सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए. मेरे अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी हेतु 1 वर्ष पर्याप्त है.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेरे अनुसार विषय का अंक से सीधा कोई सम्बन्ध नहीं है.

महत्वपूर्ण है आपकी तैयारी का स्तर एवं परीक्षा में आपका समय-प्रबंधन.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेरे अनुसार बी.पी. एस.सी. की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए माध्यम से कोई फर्क नहीं पड़ता है. भाषा तो एक माध्यम मात्र है, महत्वपूर्ण है आपकी नैसर्गिक अभिव्यक्ति एवं पाठ्य सामग्री की उपलब्धता.

Vikas Bhadu

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है. यदि हाँ, तो कैसे ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मेर अनुसार अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर नहीं पड़ता है. सबसे महत्वपूर्ण है आत्मविश्वास, उचित मार्गदर्शन एवं पाठ्य सामग्री. इसका उदाहरण मैं स्वयं हूँ जो शादी के 17 वर्षों बाद प्रथम प्रयास में पुलिस सेवा में चयनित हुई हूँ.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में निम्न सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा होती है–(i) परीक्षा के बदलते पैटर्न के अनुसार सामग्री, (ii) त्रुटिहीन तथ्य एवं उचित विश्लेषण, (iii) राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम पर पैनी नजर.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितने करीब पाती हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगी.

श्रीमती दुर्गाशक्ति–प्रतियोगिता दर्पण इस मामले में अद्वितीय है. इसको और अधिक उपयोगी बनाने हेतु बिहार से सम्बन्धित प्रश्नों एवं समसामयिक मुद्दों को परीक्षा के पैटर्न के अनुसार उत्तर-लेखन शृंखला को समावेश किया जाए.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया जो पिछले कई वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–जी हाँ, अर्थव्यवस्था के अतिरिक्तांकों का मैंने अध्ययन किया है, जो बहुत ही उपयोगी है.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय सीमा निर्धारित की थी ?

किताबों की सूची

Prelims :

Optional :

(i) NCERT की पुस्तकें
(ii) बिहार एक परिचय, इमित्याज अहमद एवं रजनीश कुमार
(iii) प्रतियोगिता दर्पण मासिक
(iv) प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक
(v) प्रीलिम्स का क्वेश्चन बैंक
(vi) सिविल सर्विस सेन्टर
(vii) समीर सर के क्लास नोट्स

Mains :

G.S. :

(i) NCERT के Selected topics.
(ii) प्रतियोगिता दर्पण के विषयों पर निबंध एवं विश्लेषण
(iii) प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक के आँकड़े
(iv) सिविल सर्विस सेन्टर समीर सर के क्लास नोट्स
(v) संदर्भ प्रकाशन की पुस्तकें
(vi) बिहार आर्थिक परिदृश्य एवं सम-सामयिकी
(vii) बिहार एक परिचय

Optional II :

L.S.W. :

(i) पंकज तिवारी सर के क्लास नोट्स
(ii) इन्दुबाला की श्रम एवं समाज कल्याण की पुस्तक
(iii) पंकज तिवारी सर के सॉल्व पेपर

शेष पृष्ठ 58 पर

उपकार
हरियाणा
पुलिस कॉंस्टेबिल
(पुरुष/महिला)
भर्ती परीक्षा (जनरल ड्यूटी)
लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन
कोड 2384 ₹ 180/-
विशेषताएँ
➡ गत वर्ष के प्रश्न-पत्र हल सहित ➡ हरियाणा : एक दृष्टि में ➡ सामान्य ज्ञान ➡ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम ➡ कृषि एवं पशुपालन ➡ सामान्य विज्ञान ➡ गणितीय योग्यता ➡ तर्कशक्ति परीक्षण ➡ कम्प्यूटर ज्ञान

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

उपकार
नवीन पुस्तक
राजस्थान
शीघ्रलिपिक
(Stenographer)
संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा

लेखकद्वय
डॉ. लाल एवं विश्नोई
कोड 2590 ₹ 340/-
विशेषताएँ
➡ सामान्य ज्ञान ➡ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम ➡ दैनिक विज्ञान ➡ राजस्थान : एक परिचय ➡ राजस्थान वस्तुनिष्ठ प्रश्न ➡ सामान्य हिन्दी ➡ सामान्य अंग्रेजी

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

स्मरणीय तथ्य

Vikas Bhadu

राष्ट्रीय

1. किन दो राज्यों में विधान सभा के सदस्यों के लिए निर्वाचन 21 अक्टूबर, 2019 को सम्पन्न होगा ? **– महाराष्ट्र, हरियाणा**

   ☛ मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोरा द्वारा सितम्बर 2019 में दी गई सूचनानुसार महाराष्ट्र एवं हरियाणा विधान सभाओं के लिए निर्वाचन 21 अक्टूबर को होगा तथा मतगणना 24 अक्टूबर हो होगी. 288 सदस्यीय महाराष्ट्र तथा 90 सदस्यीय हरियाणा विधान सभाओं के वर्तमान कार्यकाल क्रमशः 9 तथा 2 नवम्बर, 2019 को समाप्त हो रहे हैं.

2. हिन्दी की किस फिल्म को 92वें एकेडमी अवार्ड्स (ऑस्कर पुरस्कार) के लिए भारत ने आधिकारिक रूप से भेजने का निर्णय सितम्बर 2019 में लिया है ? **– गली बॉय (Gully Boy)**

   ☛ फरवरी 2020 में अमरीका में लॉस एंजिल्स नगर में आयोजित होने वाले ऑस्कर पुरस्कारों में इंटरनेशनल फीचर फिल्म केटेगरी में प्रतियोगी के रूप में जोया अख्तर द्वारा निर्देशित एवं रनवीर सिंह एवं आलिया भट्ट द्वारा अभिनीत फिल्म गली बॉय भारत की आधिकारिक फिल्म होगी.

3. गरीब परिवारों को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के लिए किस प्रधानमंत्री योजना ने मार्च 2020 तक का लक्ष्य सितम्बर 2019 में ही पूरा कर लिया ? **– उज्जवला योजना**

   ☛ 1 मई, 2016 को प्रारम्भ की गई एल.पी.जी. कुकिंग गैस की जन-जन को उपलब्ध कराने के लिए मार्च 2020 तक 8 करोड़ कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे सरकार ने 7 सितम्बर, 2019 को ही पूरा कर लिया.

4. रूस में सितम्बर 2019 में आयोजित विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप (WBC) में भारत को कुल कितने पदक प्राप्त हुए ? **– दो (1 रजत, 1 कांस्य)**

   ☛ भारत के अमित पंघल ने फ्लाईवेट (52 किग्रा) में रजत पदक तथा मनीष कौशिक ने लाइटवेट (63 किग्रा) प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता. भारत का पदक तालिका में छठा स्थान रहा.

5. सितम्बर 2019 में कजाखस्तान में आयोजित विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (WWC) में भारत को कुल कितने पदक प्राप्त हुए ? **– 5 (1 रजत, 4 कांस्य)**

   ☛ भारत के दीपक पूनिया ने 86 किग्रा में रजत पदक प्राप्त किया. रविकुमार दहिया (57 किग्रा), राहुल अवारे (61 किग्रा), बजरंग पूनिया (65 किग्रा) तथा विनेश फोगट (महिला फ्रीस्टाइल, 53 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते. भारत का पदक तालिका में 17वाँ स्थान तथा पुरुष फ्रीस्टाइल टीम रैंकिंग में छठा स्थान है.

6. सास्त्रा (SASTRA) यूनिवर्सिटी द्वारा 32 वर्ष से कम आयु के किस गणितज्ञ को रामानुजन प्राइज-2019 देने की घोषणा सितम्बर 2019 में की ? **– एडम हार्पर (ब्रिटेन)**

   ☛ तमिलनाडु में कुम्बकोणम (Kumbakonam) के निकट स्थित सास्त्रा (SASTRA) यूनिवर्सिटी द्वारा इस वर्ष वार्विक यूनिवर्सिटी, इंगलैण्ड के असिस्टेंट प्रोफेसर एडम हार्पर (Adam Harper) को Analytic & Propabilistic Number Theory में योगदान के लिए रामानुजन प्राइज, रामानुजन के जन्म दिन 22 दिसम्बर को प्रदान किया जाएगा.

7. भारतीय सिनेमा के विकास एवं वृद्धि में योगदान के लिए दिए जाने वाला सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के अवार्ड इस वर्ष (2019) किसे देने की घोषणा सितम्बर 2019 में की गई है ? **– अमिताभ बच्चन**

   ☛ प्रसिद्ध कवि डॉ. हरिवंश राय बच्चन के सुपुत्र अमिताभ बच्चन जिनकी पहली फिल्म बतौर अभिनेता ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म 'सात हिन्दुस्तानी' (1969) थी, को दादा साहेब फाल्के अवार्ड देने का निर्णय लिया गया है. फाल्के अवार्ड 1969 में प्रारम्भ किया गया था तथा श्री बच्चन 50वें प्राप्तकर्ता हैं.

8. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मुम्बई स्थित किस बैंक की सभी प्रकार की बैंकिंग सेवाओं पर प्रतिबन्ध 24 सितम्बर, 2019 से लगा दिया है ? **– पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक लि.**

   ☛ भारतीय रिजर्व बैंक ने पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक लि., मुम्बई पर बैंकिंग नियमों का उल्लंघन करने के कारण 24 सितम्बर, 2019 से छः माह के लिए सभी बैंकिंग कार्यों पर प्रतिबन्ध लगा दिया है. बैंक में खाताधारक केवल दस हजार रुपए बैंक के अपने खाते से निकाल सकते हैं.

9. भारत के किस क्रिकेट खिलाड़ी ने 31 अगस्त, 2019 को वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ियों को टेस्ट मैच में लगातार तीन गेदों पर आउट कर हैट्रिक बनाई ? **– जसप्रीत बुमराह**

   ☛ जसप्रीत बुमराह ने किंग्सटन में वेस्टइंडीज के विरुद्ध खेलते हुए टेस्ट मैच में हैट्रिक बनाई. यह टेस्ट मैचों में 44वीं हैट्रिक है. बुमराह से पूर्व दो भारतीयों-हरभजन सिंह व इरफान पठान ने टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाई थीं.

10. केन्द्र सरकार ने किस प्रकार की सिगरेट पर प्रतिबन्ध लगाने का निर्णय 18 सितम्बर, 2019 को लिया है ? **– ई-सिगरेट (e-cigarette)**

    ☛ ई-सिगरेट भारत में नहीं बनाई जाती है. यह चीन आदि देशों से भारत में आती है. यह नवयुवकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा रही है इसलिए इसके निर्माण, वितरण, आयात आदि सभी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

11. तमिलनाडु के शिवगंगा जनपद में किस स्थान पर तमिलनाडु के पुरातत्व विभाग द्वारा की गई खुदाई में 'संगम' काल के अवशेष प्राप्त हुए हैं ? **– कीलादी (Keeladi)**

☛ पुरातत्व विभाग द्वारा सितम्बर 2019 में जारी रिपोर्ट Keeladi-An urban settlement of Sangam Age on the Banks of River Vaigai में कीलादी में पाए गए पुरातात्विक अवशेषों की कार्बन डेटिंग कराने के बाद इन्हें छठी शताब्दी बीसीई (BCE) तथा प्रथम शताब्दी A.D. काल का माना गया है.

12. भारत सरकार ने किस एयर मार्शल को भारतीय वायु सेना अध्यक्ष सितम्बर 2019 में नियुक्त किया है ? **– आर.के.एस. भदौरिया**

☛ निवर्तमान वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल बी.एस. धनोआ 30 सितम्बर को रिटायर हो गए हैं. अतः इनके स्थान पर आर. के. एस. भदौरिया ने वायु सेनाध्यक्ष का पद सँभाल लिया है.

Vikas Bhadoria

अन्तर्राष्ट्रीय

1. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान में 'हाउडी मोदी' (Howdy Modi) कार्यक्रम 22 सितम्बर, 2019 को कहाँ सम्पन्न हुआ ? **– ह्यूस्टन (अमरीका)**

☛ सितम्बर 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमरीका यात्रा के समय वहाँ रह रहे लगभग 50 हजार भारतीय लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में ह्यूस्टन (Houston) नगर में एन.आर.जी. (NRG) स्टेडियम में स्वागत समारोह आयोजित किया जिसमें अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी भाग लिया.

2. विश्व की किस सबसे पुरानी ब्रिटिश ट्रैवलिंग एजेंसी (फर्म) की आर्थिक स्थिति बिगड़ने के कारण सितम्बर 2019 में दिवालिया हो गई ? **– थॉमस कुक (Thomas Cook)**

☛ 178 वर्ष पुरानी ब्रिटिश ट्रैवलिंग फर्म थॉमस कुक को प्राइवेट साहूकारों एवं सरकार से ऋण न मिलने के कारण, देनदारियाँ न चुका पाने की स्थिति में, फर्म दिवालिया हो गई जिससे इसके पर्यटकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा.

3. भारत और अमरीका के मध्य संयुक्त सैन्य अभ्यास सितम्बर 2019 में कहाँ सम्पन्न हुआ ? **– अमरीका**

☛ भारत व अमरीका के मध्य बारी-बारी से एक-दूसरे के यहाँ आयोजित होने वाले युद्ध अभ्यास का यह 15वाँ संस्करण था जो अमरीका में जाइंट बेस लुइस मैककॉर्ड (Lewis Mcchord), वाशिंगटन में सम्पन्न हुआ. 14वाँ अभ्यास भारत में उत्तराखंड में चौबटिया सैन्य क्षेत्र में 2018 में सम्पन्न हुआ था.

4. भारत व श्रीलंका की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास सितम्बर 2019 में किस नाम से सम्पन्न हुआ ? **– स्लीनेक्स-2019**

☛ भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं के मध्य 2005 से प्रारम्भ हुए संयुक्ताभ्यास स्लीनेक्स (SLINEX) का सातवाँ संस्करण सितम्बर 2019 में विशाखापत्तनम के निकट सम्पन्न हुआ.

5. भारत व थाइलैण्ड की थल सेनाओं का सैन्य संयुक्ताभ्यास सितम्बर 2019 में किस नाम से सम्पन्न हुआ ? **– मैत्री-2019**

☛ 2006 से प्रारम्भ हुए भारत व थाइलैण्ड की थल सेनाओं के संयुक्ताभ्यास 'मैत्री' 2019 का आयोजन सितम्बर में भारत के मेघालय राज्य में स्थित उमरोई (Umroi) में सम्पन्न हुआ.

Vikas Bhadu

6. दक्षिण एशिया की किस पहली क्रास बॉर्डर तेल पाइप लाइन का उद्‌घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने 10 सितम्बर, 2019 को किया ? **– मोतिहारी–अमलेखगंज आयल पाइप लाइन**

☛ *भारत में बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक लगभग 69 किमी लम्बी तेल पाइप लाइन का उद्‌घाटन किया गया.*

7. भारत व चीन के मध्य छठी रणनीतिक आर्थिक वार्ता सितम्बर 2019 में कहाँ सम्पन्न हुई ? **– नई दिल्ली (भारत)**

☛ *भारत व चीन के मध्य आर्थिक मामलों पर बातचीत के लिए दिसम्बर 2010 से प्रारम्भ हुई रणनीतिक आर्थिक वार्ता (Strategic Economic Dialogue) का छठा दौर 7-9 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ. वार्ता में भारत की ओर से नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार तथा चीन की ओर से ही लिफेंग ने भाग लिया. इसमें आधारिक संरचना, ऊर्जा, उच्च-तकनीक, फार्मास्यूटिकल्स एवं संसाधन संरक्षण पर बातचीत सम्पन्न हुई.*

8. मरुस्थलीकरण रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन की 14वीं कॉन्फ्रेंस (COP 14) का आयोजन सितम्बर 2019 में कहाँ सम्पन्न हुआ ? **– भारत**

☛ *संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (United Nations Convention to Combat Desertification) की कॉप-14 (Conference of the Parties–COP 14) का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, नई दिल्ली में 2-13 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ.*

9. अमरीका में टेलीविजन पर श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए दिए जाने वाले एम्मी अवार्ड्स (Emmy Awards) में इस वर्ष (2019) किस सीरियल को बेस्ट ड्रामा सीरीज का अवार्ड प्राप्त हुआ ? **– गेम ऑफ थ्रोन्स (Game of Thrones)**

☛ *लॉस एंजिल्स, अमरीका में 23 सितम्बर, 2019 को 71वें प्राइम एम्मी अवार्ड्स का वितरण किया गया जिसमें एच.बी.ओ. (HBO) चैनल पर दिखाई जाने वाली ड्रामा सीरीज 'गेम्स ऑफ थ्रोन्स' को सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज का अवार्ड प्राप्त हुआ.*

10. बिल एण्ड मेलिंडा फाउण्डेशन (Bill and Melinda Foundation) द्वारा प्रत्येक वर्ष दिए जाने वाला ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड सितम्बर 2019 में किसे प्रदान किया गया ? **– नरेन्द्र मोदी (भारत)**

☛ *भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत में 2 अक्टूबर, 2014 से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान द्वारा संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स (SDGs) को प्राप्त करने के प्रयास में नेतृत्व के लिए फाउण्डेशन ने ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड (Global Goalkeeper Award) प्रदान किया.*

11. श्रीलंका के किस क्रिकेट खिलाड़ी ने सितम्बर 2019 में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पाँचवीं हैट्रिक बनाई ? **– लसिथ मलिंगा**

☛ *श्रीलंका के लसिथ मलिंगा ने 6 सितम्बर को न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध खेलते हुए टवेंटी-20 मैच में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लिए तथा ऐसा ही वे 2007 के विश्व कप में कर चुके हैं. मलिंगा ने तीन हैट्रिक एकदिवसीय तथा 2 टवेंटी-20 मैचों में बनाई हैं.*

12. वह पहली महिला क्रिकेटर कौन है जिसने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दो हैट्रिक बनाईं ? **– मेगन शट (Megan Schutt)**

☛ *आस्ट्रेलिया की क्रिकेट खिलाड़ी मेगन शट ने सितम्बर 2019 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध एकदिवसीय मैच में हैट्रिक बनाई. इससे पूर्व 2017-18 में इन्होंने टवेंटी-20 में हैट्रिक बनाई थी.*

●●●

शेष पृष्ठ 55 का

श्रीमती दुर्गाशक्ति–63वीं मुख्य परीक्षा बाद तैयारी बन्द कर दी थी, क्योंकि मैं अपने 60-62वीं मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार से पूर्ण सन्तुष्ट थी तथा 63वीं की मुख्य परीक्षा भी काफी अच्छी हुई थी.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–उचित मार्गदर्शन, आत्मविश्वास, कठोर परिश्रम समय-प्रबंधन, सहयोग मेरी सफलता का मूलमंत्र है.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्रीमती दुर्गाशक्ति–प्रतियोगिता दर्पण, अर्थव्यवस्था अतिरिक्तांक, बिहार आर्थिक परिदृश्य एवं समसामयिकी (रजनीश कुमार), कोचिंग संस्थान नोट्स काफी महत्वपूर्ण रहे.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं, जो तैयारी का अनिवार्य अंग रहे.

श्रीमती दुर्गाशक्ति–मैंने अपने पारिवारिक उत्तरदायित्वों के साथ-साथ तैयारी की. मेरी दिनचर्या इस प्रकार रही–सुबह की पाली में 10-2 बजे, 5 बजे से 7 बजे, शाम की पाली एवं रात्रि पाली 9 बजे 12 बजे तक अध्ययन, जिसमें शाम की पाली में टेस्ट में शामिल होती थी.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी.

श्रीमती दुर्गाशक्ति–कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है.

वक्त से लड़कर लकीर बदल दे।
इंसान वही जो तकदीर बदल दे।।

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्रीमती दुर्गाशक्ति–बहुत-बहुत धन्यवाद.

●●●

फोकस 1

जम्मू एवं कश्मीर राज्य को अनुच्छेद 370 के तहत् प्राप्त विशेष दर्जा समाप्त

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

Vikas Bhadu

5 अगस्त, 2019 को एक ऐतिहासिक पहल करते हुए राज्य सभा ने 61 के सापेक्ष 125 के बहुमत से भारत के सर्वाधिक विवादास्पद राज्य जम्मू एवं कश्मीर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत् प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करते हुए अनुच्छेद 35A का निरसन करने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया. साथ ही जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन विधेयक 2019 को पारित कर दिया. लोक सभा द्वारा इन सभी प्रस्तावों को 6 अगस्त, 2019 को अनुमोदित कर दिया तथा राष्ट्रपति द्वारा जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 को अनुमोदन प्रदान कर दिया. नया कानून अखण्ड भारत के निर्माता स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती 31 अक्टूबर, 2019 से प्रभावी हो जाएगा. जम्मू एवं कश्मीर राज्य न रहकर केन्द्रशासित क्षेत्र बन गया है तथा इसी से लद्दाख को पृथक् कर एक अन्य केन्द्रशासित क्षेत्र बना दिया गया है. इस प्रकार अब भारत में राज्यों की संख्या 29 से घटकर 28 तथा केन्द्रशासित क्षेत्रों की संख्या 7 से बढ़कर 9 हो जाएगी (लागू होने पर).

गृहमंत्री अमित शाह द्वारा राज्य सभा में निम्नलिखित प्रस्ताव/विधेयक पेश किए गए–

1. जम्मू एवं कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने सम्बन्धी संविधान के अनुच्छेद 370 का निरसन, प्रस्ताव.

2. संविधान (जम्मू एवं कश्मीर को लागू होना) आदेश, 2019; प्रस्ताव– राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 370 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त संविधान आदेश 2019 जारी किया. इसने संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) आदेश, 1954 को समाप्त कर उसका स्थान ले लिया.

अनुच्छेद 35A इसी संविधान आदेश, 1954 में दिया गया है, न कि भारतीय संविधान के मूल अनुच्छेदों में. संविधान आदेश, 1954 के समाप्त होते ही जम्मू-कश्मीर राज्य के स्थायी निवासियों को विशेषाधिकार प्रदान करने से सम्बन्धित अनुच्छेद 35A स्वतः ही समाप्त हो गया.

3. जम्मू एवं कश्मीर आरक्षण (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2019–जम्मू एवं कश्मीर में सरकारी सेवाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों में आर्थिक दृष्टि से पिछड़ों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के सम्बन्ध में. इसे बाद में वापस ले लिया गया, क्योंकि विशेष दर्जा समाप्त होते ही यह स्वतः लागू हो जाएगा.

4. जम्मू एवं कश्मीर (पुनर्गठन) विधेयक, 2019—इसके द्वारा जम्मू एवं कश्मीर राज्य का पुनर्गठन करके उसे दो केन्द्रशासित क्षेत्रों–(i) जम्मू एवं कश्मीर तथा (ii) लद्दाख में विभाजित कर दिया गया.

भारतीय संविधान प्रदत्त विशेष स्वायत्तता सम्बन्धी अनुच्छेद 370 एवं 35A के प्रावधानों के निरसन एवं जम्मू एवं कश्मीर (पुनर्गठन) विधेयक, 2019 पारित हो जाने के साथ ही उल्लिखित विशेषाधिकार समाप्त हो गए हैं. जम्मू एवं कश्मीर (पुनर्गठन) अधिनियम, 2019 के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित प्रकार हैं–

- संविधान (जम्मू एवं कश्मीर पर लागू) आदेश, 2019 के जारी हो जाने के साथ ही जम्मू एवं कश्मीर राज्य की भौगोलिक तथा राजनीतिक स्थिति में बदलाव आने और उसी परिस्थिति में संसद द्वारा जम्मू एवं कश्मीर (पुनर्गठन) विधेयक, 2019 पारित हो जाने के साथ ही जम्मू एवं कश्मीर राज्य को दो केन्द्रशासित क्षेत्रों–(i) जम्मू एवं कश्मीर तथा (ii) लद्दाख में विभाजित कर दिया गया. ऐसा किए जाने के लिए सरकार ने दो तर्क दिए,

  प्रथम, जम्मू एवं कश्मीर राज्य का लद्दाख क्षेत्र बिखरी हुई जनसंख्या बसावट के साथ एक बड़ा भौगोलिक क्षेत्र है. इस क्षेत्र के लोग लम्बे समय से इसे केन्द्रशासित क्षेत्र का दर्जा दिए जाने की माँग करते आ रहे थे.

  द्वितीय, जम्मू एवं कश्मीर राज्य लम्बी अवधि से आन्तरिक सुरक्षा तथा सीमा पार से आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है.
- केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख में पूर्ववर्ती जम्मू एवं कश्मीर राज्य के दो जिले-कारगिल एवं लेह शामिल किए गए हैं.
- पूर्ववर्ती राज्य के कुपवाड़ा, बारामूला, श्रीनगर, बडगाम, पुलवामा, अनन्तनाग, डोडा, ऊधमपुर, कठुआ, जम्मू, राजौरी, पुंछ, जनपदों को मिलाकर जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र बनाया गया है.

Read Upkar's

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Hindi Medium)

₹ 280·00

CORRECT ENGLISH : HOW TO WRITE IT

(English Medium)

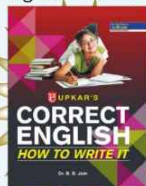

₹ 240·00

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Bangla)

₹ 275·00

By : Dr. B.B. Jain

As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.

Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹100/- on the following address

UPKAR PRAKASHAN, AGRA–2

- लोक सभा की एक सीट केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख को तथा पाँच सीटें— बारामूला, श्रीनगर, अनन्तनाग, ऊधमपुर एवं जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र की होंगी.

जम्मू एवं कश्मीर राज्य की विशेष स्थिति सम्बन्धी प्रावधान

(31 अक्टूबर, 2019 से पूर्व की स्थिति)

- *भारतीय संविधान के प्रावधान स्वतः जम्मू एवं कश्मीर में लागू नहीं होते.*
- *जम्मू एवं कश्मीर का अपना पृथक् संविधान है जिसे जम्मू एवं कश्मीर संविधान सभा द्वारा तैयार एवं अंगीकृत किया गया है.*
- *जम्मू एवं कश्मीर के मूल निवासियों को ही वहाँ की नागरिकता प्राप्त है.*
- *जम्मू एवं कश्मीर के नागरिक ही राज्य में भूमि एवं सम्पत्ति क्रय कर सकते हैं, राज्य की सांविधिक संस्थाओं का चुनाव लड़ सकते है तथा राज्य की सरकारी सेवाओं में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं.*
- *भारतीय संसद जम्मू एवं कश्मीर राज्य से सम्बन्धित ऐसा कोई कानून नहीं बना सकती, जो उसकी राज्य सूची का विषय है.*
- *कानून बनाने की अवशिष्ट शक्तियाँ भारतीय संसद में निहित न होकर जम्मू एवं कश्मीर की विधायिका में निहित है.*
- *जम्मू एवं कश्मीर राज्य में सशस्त्र विद्रोह एवं वित्तीय संकट की स्थिति में भी वहाँ आपातकाल लागू नहीं किया जा सकता.*
- *राज्य विधानमण्डल की स्वीकृति के बिना भारतीय संसद जम्मू एवं कश्मीर राज्य का नाम, क्षेत्र या सीमा में बदलाव नहीं कर सकती.*
- *जम्मू एवं कश्मीर राज्यपाल की नियुक्ति उस राज्य के मुख्यमंत्री की सलाह से ही की जाती है.*
- *जम्मू एवं कश्मीर राज्य की अपनी पृथक् दण्ड संहिता एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता है.*
- *आरम्भिक रूप में जम्मू एवं कश्मीर में विधायी तंत्र असफल होने पर राज्य के संविधान के अनुच्छेद 92 के तहत् राज्य में राज्यपाल का शासन लगाया जाता है. 6 माह तक राज्यपाल शासन के बाद भी लोकप्रिय सरकार गठित न होने पर या विधान सभा के चुनाव न हो पाने पर राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है.*
- *संसद द्वारा पारित केवल वहीं कानून जम्मू एवं कश्मीर में लागू हो पाते है, जिन्हें जम्मू एवं कश्मीर का विधानमण्डल अंगीकृत कर ले.*
- *जम्मू एवं कश्मीर राज्य का पृथक् ध्वज.*

- पूर्ववर्ती राज्य से राज्य सभा के लिए चार सदस्य निर्वाचित होते थे पुनर्गठन पश्चात केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर की विधान सभा राज्य सभा के लिए चार सदस्यों का चुनाव करेगी.
- जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र के लिए केन्द्रशासित क्षेत्र पुदुचेरी की तरह एक विधान सभा होगी, जिसमें कुल 107 सीटें होंगी, जो प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरी जाएंगी. इनमें से 24 सीटें पाक अधिकृत जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्र के लिए रिक्त रहेंगी. शेष 83 सीटों में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए उस अनुपात में आरक्षित की जाएंगी जिस अनुपात में जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र में इन जातियों की जनसंख्या है. जन-संख्या से तात्पर्य 2011 की जनगणना की जनसंख्या से है.
- जम्मू एवं कश्मीर राज्य की विधान परिषद् का अस्तित्व अब समाप्त हो गया है.
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 से 327 एवं 329 के प्रावधान जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र, इसकी विधान सभा के सदस्यों पर लागू होंगे.
- पच्चीस वर्ष की आयु पूरी कर चुका भारत का कोई भी नागरिक अन्य अर्हताएं पूरी करने पर विधान सभा के लिए चुनाव लड़ सकेगा. उसके लिए जम्मू एवं कश्मीर का स्थायी निवासी होने की शर्त नए कानून के तहत् नहीं है.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर के उप-राज्यपाल विधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या न होने पर दो महिलाओं को नामित कर सकेंगे.
- जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र की विधान सभा का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा.
- विधान सभा के प्रत्येक सदस्य एवं केन्द्रशासित क्षेत्र के एडवोकेट जनरल को विधान सभा तथा इसकी समितियों की कार्यवाहियों में भाग लेने का अधिकार होगा. एडवोकेट जनरल को सदन में मत विभाजन में मत देने का अधिकार नहीं होगा.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर की विधान सभा की सीटों के लिए निर्वाचन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराया जाएगा.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा के सभी सदस्यों पर दल-बदल कानून लागू होगा.
- विधान सभा संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची की प्रविष्टि संख्या 1 (पब्लिक ऑर्डर) एवं 2 (पुलिस) को छोड़कर अन्य सभी विषयों पर तथा संवर्ती सूची के सभी विषयों पर कानून बना सकेगी, लेकिन यह शक्ति संसद को केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर से किसी भी मुद्दे पर कानून बनाने से नहीं रोक सकेगी. विधान सभा द्वारा पारित किसी कानून एवं संसद द्वारा पारित किसी कानून में कोई टकराव होता है, तो संसद द्वारा पारित कानून ही मान्य होगा. कानून बनाने की यह शक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 239AA के प्रावधानों के तहत् केन्द्रशासित क्षेत्र दिल्ली को प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप ही है, लेकिन दिल्ली विधान सभा को 'भूमि' सम्बन्धी मसलों पर कानून बनाने की शक्ति प्राप्त नहीं है, जबकि जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र की विधान सभा को 'भूमि' सम्बन्धी मसलों पर भी कानून बनाने की शक्ति प्राप्त होगी.
- विधान सभा कानून बनाकर जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र में बोली जाने वाली किसी एक या एक से अधिक भाषाओं या हिन्दी को राज्य की अधि-कारिक भाषा तथा कामकाज की भाषा घोषित कर सकेगी. विधान सभा की कार्यवाही क्षेत्र की अधिकारिक भाषा, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में संचालित होगी.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर विधान सभा में पेश किए जाने वाले सभी विधेयक, संशोधन, पारित किए गए अधिनियम आदेश नियम, विनियम, परिनियम अंग्रेजी भाषा में होंगे. जहाँ कोई प्रस्ताव या विधेयक हिन्दी या राज्य की अधिकारिक भाषा में पेश किए जाने की अनुमति दी जाएगी वहाँ उसका अंग्रेजी अनुवाद भी सदन के पटल पर रखा जाएगा.
- केन्द्रशासित क्षेत्र का शासन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त उप-राज्यपाल द्वारा चलाया जाएगा, जो मंत्रिपरिषद् की सलाह पर कार्य करेगा.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर की एक मंत्रिपरिषद् होगी, जिसकी कुल सदस्य संख्या विधान सभा की कुल सीटों के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी.
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति उप-राज्यपाल द्वारा तथा मंत्रिपरिषद् के अन्य सदस्यों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर उप-राज्यपाल द्वारा की जाएगी.
- मंत्री उप-राज्यपाल के प्रसाद पर्यन्त अपने पद पर कार्य करते रहेंगे.
- मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होगी.

Vikas Bhadu

Vikas Bhadu

- केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख का प्रशासन राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 239 के प्रावधानों के तहत् नियुक्त उप-राज्यपाल के माध्यम से चलाया जाएगा.
- भारत के राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 240 के प्रावधानों के तहत् केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख की शांति, प्रगति तथा सुशासन हेतु विनिमय बना सकेंगे.
- उप-राज्यपाल केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त परामर्शदाताओं की सहायता से केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख का प्रशासन चलाएगा.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर की अपनी संचित विधि, आकस्मिकता निधि एवं लोक खाता होगा.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर में निर्वाचित सरकार की असफलता, संवैधानिक मशीनरी के असफल हो जाने, प्रशासनिक व्यवस्था असफल हो जाने पर उप-राज्यपाल की ओर से ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने पर भारत के राष्ट्रपति जम्मू एवं कश्मीर (पुनर्गठन) अधिनियम, 2019 के सभी या किसी भी या कुछ प्रावधानों को, उस अवधि तक जिसे उचित समझा जाए, निलम्बित रख सकेंगे.
- जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर तथा केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख का सामूहिक उच्च न्यायालय होगा.
- भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) तथा भारतीय वन सेवा (IFS) के अधिकारी जम्मू एवं कश्मीर राज्य की भाँति केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर के अधिकारी होंगे. केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर तथा केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख में ऐसे अधिकारियों का आवंटन इन क्षेत्रों के उप-राज्यपालों की सिफारिश पर केन्द्र सरकार द्वारा किया जाएगा.
- भविष्य में केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख एवं केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर में तैनात किए जाने वाले अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों का कैंडर अरुणाचल प्रदेश, गोआ, मिजोरम, केन्द्रशासित क्षेत्र कैंडर होगा.
- पूर्व जम्मू एवं कश्मीर राज्य का लोक सेवा आयोग केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर के लोक सेवा आयोग के रूप में कार्य करेगा.
- राष्ट्रपति के आदेश से संघ लोक सेवा आयोग केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख की सेवाएं सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करेगा.
- जम्मू एवं कश्मीर की बार काउंसिल अब 'जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख की बार काउंसिल' के नाम से जानी जाएगी. जम्मू एवं कश्मीर बार काउंसिल के सदस्य जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख की बार काउंसिल के सदस्य होंगे.
- केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर के लिए एक एडवोकेट जनरल होगा, जिसकी नियुक्ति उप-राज्यपाल द्वारा की जाएगी, लेकिन केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख में एडवोकेट जनरल का पद नहीं होगा.
- जम्मू एवं कश्मीर राज्य में पहले से लागू 164 अधिनियमों का निरसन कर दिया गया है अर्थात् वे अब केन्द्र-शासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर तथा केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख पर लागू नहीं होंगे.
- 108 केन्द्रीय कानून, जो अब तक जम्मू एवं कश्मीर में लागू नहीं होते थे अब केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर तथा केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख में भी लागू होंगे. इसका अर्थ यह हुआ कि भारतीय दण्ड संहिता, 1860; सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908; दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973; भारतीय साक्ष्य अधि-नियम, 1872; भारतीय संविदा अधि-नियम, 1872; राष्ट्रीय सुरक्षा अधि-नियम, 1980; जन प्रतिनिधित्व अधि-नियम, 1951 तथा अन्य अनेक वैयक्तिक कानून अब समान रूप से केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर तथा केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख में लागू होंगे.
- जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र में लागू होने वाले सात अधिनियम लद्दाख केन्द्रशासित क्षेत्र में भी लागू होंगे.

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जम्मू एवं कश्मीर रियासत के भारत संघ में सशर्त विलय–जिसमें जम्मू एवं कश्मीर का अपना पृथक् संविधान, पृथक् ध्वज, प्रधानमंत्री, राज्य प्रमुख, पृथक् कानून आदि को स्वीकार करने से उपजी परिस्थितियों के बीच संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत् जम्मू एवं कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान किया गया. विगत 70 वर्षों से अधिक का इतिहास साक्षी है कि इससे भी जम्मू एवं कश्मीर के अलगाववादी नेता जम्मू एवं कश्मीर को एक स्वतंत्र देश के रूप में भारत से पृथक् करने की माँग करते रहे. सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों तथा जम्मू एवं कश्मीर राज्य में सक्रिय पृथकता-वादियों की शह पर यह राज्य आन्तरिक अशान्ति का क्षेत्र बना रहा. नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन-II सरकार ने जुलाई-अगस्त, 2019 में सुरक्षा के पुख्ता बन्दोबस्त कर लिए जाने के बाद अन्ततः अनुच्छेद 370 एवं 35A को समाप्त करके राज्य को दो केन्द्रशासित क्षेत्रों में विभाजित करने का अत्यधिक जोखिमपूर्ण कदम उठाया है. पूरे राज्य में सुरक्षा बलों की बड़े पैमाने पर अतिरिक्त तैनाती की गई है. विपक्ष के प्रमुख नेता फारुख अब्दुला, उमर अब्दुला, महबूबा मुफ्ती आदि तथा सभी अलगाववादी नेता नजरबन्द हैं. नया कानून बनने के बाद जम्मू एवं कश्मीर में हालांकि कोई बड़ी घटना घटित नहीं हुई है. सम्भवतया ऐसा सोशल मीडिया और संचार तंत्र पर लगे प्रतिबंधों से सम्भव हो पाया है. वास्तविक स्थिति का पता, तो तब चलेगा जब ये प्रतिबन्ध हटाए जाएंगे, राजनीतिक नेताओं और अलगाववादियों को रिहा किया जाएगा.

गृहमंत्री द्वारा इस अति संवेदनशील क्षेत्र में शांति स्थापित होने पर केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य बना दिए जाने का आश्वासन कब पूरा होगा यह तो भविष्य के गर्त में ही छुपा हुआ है ?

●●●

उपकार
Just Released
प्रैक्टिस सैट
भारतीय नौसेना
सिविलियन
एन्ट्रेन्स टेस्ट
ट्रेड्समैन मेट

कोड : 2635 मूल्य : ₹ 180.00
अशोक गुप्ता एवं रजत जैन
English Edition
Code 3002 ₹ 175.00
उपकार प्रकाशन, आगरा-2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

फोकस 2

भारत में आर्थिक विकास के विविध आयाम : 9% की उच्च विकास दर से आर्थिक सुस्ती का दौर

✍ डॉ. अनिल कुमार ठाकुर

Vikas Bhadu

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था ने आर्थिक-सामाजिक-वैज्ञानिक क्षेत्र में नित नई ऊँचाइयों को छुआ है. इसी की बदौलत भारत आज विश्व की दस बड़ी औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में से एक अर्थव्यवस्था है. इसे विश्व की 6 शीर्ष अन्तरिक्ष शक्तियों में तथा 7 परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों में शामिल किया जाता है. हरित क्रान्ति की बदौलत खाद्यान्न संकट का मुकाबला करते हुए 285 मिलियन मीट्रिक टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन कर खाद्यान्न का निवल निर्यातक देश बन गया है. 314 मिलियन टन बागवानी उत्पादों का उत्पादन करके विश्व का सिरमौर है. श्वेत क्रान्ति की बेजोड़ सफलता से 176 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन के साथ विश्व में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक होने का दर्जा भी प्राप्त है.

राजमार्ग क्रान्ति के परिणामस्वरूप आज भारत में 1,36,000 किमी से अधिक लम्बाई के विश्वस्तरीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे हैं, तो संचार क्रान्ति से 4G सेवाएं प्रदान करने के मामले में विकसित देशों की कतार में शामिल है और 5G सेवाएं प्रारम्भ करने की तैयारी में है. अन्तरिक्ष विज्ञान में मंगलयान, चन्द्रयान जैसी सफलताओं ने भारत को विश्व में गौरवशाली बनाया है. सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ बेजोड़ हैं. विश्व की बेहतरीन-से-बेहतरीन कारों, मोबाइल फोनों, टीवी सैटों, घड़ियों जैसे अनेक उत्पादों का विनिर्माण भारत में होता है. भारत के निर्यातों की बास्केट आज विविधीकृत है.

1991 में आर्थिक सुधारों तथा उदारीकरण की नीतियाँ प्रारम्भ करने के बाद से आर्थिक विकास की गति में उछाल आया है और अनेक वर्षों में भारत ने विश्व में सर्वाधिक तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था का गौरव भी हासिल कर लिया है. वर्ष 2007-08 में सकल राष्ट्रीय आय में स्थिर कीमतों पर 10·2% तक की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की जा चुकी है. वर्ष 2005-06 (9·3%), 2006-07 (9·2%), 2007–08 (10·2%) 2009-10 (8·5%), 2010-11 (9·8%), 2015-16 (8·0%), 2016-17 (8·2%) सकल राष्ट्रीय आय में 8 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि के वर्ष रहे हैं, लेकिन 8 नवम्बर, 2016 को अकारण और अनावश्यक रूप से ₹ 500 एवं ₹ 1000 के नोटों के विमुद्रीकरण तथा 1 जुलाई, 2017 से बिना पर्याप्त तैयारी के वस्तु एवं सेवा कर लागू कर दिए जाने से जहाँ औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रक में मन्दी का दौर प्रारम्भ हुआ, वहीं मानसून के प्रतिकूल रहने के बावजूद खाद्यान्न उत्पाद तथा बागवानी उत्पाद रिकॉर्ड स्तर पर रहने से अधिकांश कृषि जिंसो की कीमतों में गिरावट से किसानों की निवल आय में भारी कमी से अर्थव्यवस्था में व्यापक रूप से आई माँग में कमी ने सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को सुस्ती के दौर में धकेल दिया है, जो वर्ष 2019-20 के पहले त्रैमास में मात्र 5·0 प्रतिशत की विकास दर के रूप में परिलक्षित हुआ है.

सामाजिक-आर्थिक विकास के मोर्चे पर विफलताएं

भारतीय अर्थव्यवस्था की उच्च विकास दर जनित उपर्युक्त समस्त उपलब्धियाँ उस समय अपनी चमक खो देती हैं जब भारत का आकलन सामाजिक एवं मानव विकास के मोर्चे पर किया जाता है. 2017-18 में बेरोजगारी की 6·1 प्रतिशत की ऊँची दर, देश की एक-चौथाई से अधिक जनसंख्या का अभी भी निर्धनता के नीचे रहना, एक-चौथाई जनता को पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध न हो पाना; प्रतिवर्ष पैदा होने वाले 1000 बच्चों में से 32 बच्चों का अपना पहला जन्म दिन न देख पाना, 130 प्रति एक लाख जीवित जन्म की ऊँची मातृत्व मृत्यु दर, पाँच वर्ष तक की आयु के बच्चों एवं माताओं में कुपोषण का ऊँचा स्तर यह इंगित करता है कि देश के लगभग 40 करोड़ लोगों के लिए आर्थिक विकास की ऊँची उपलब्धियाँ बेमानी हैं. वैश्विक स्तर पर मानव विकास सूचकांक में भारत का 130वें पायदान पर होना इसे एकदम नीचे धकेल देता है. लिंगमूलक विकास सूचकांक में 108वें पायदान पर होना यह बताता है कि भारत की करोड़ों माताएं, बहनें एवं बालिकाएं विकास की बाट जोह रही हैं.

आर्थिक सुस्ती को दूर करने के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित उपाय

सर्वत्र व्याप्त मंदी को दूर करने के लिए भारत की वित्त मन्त्री निर्मला सीतारमण ने निर्यातों को बढ़ावा देने, बैंकों का विलय करके उन्हें 4 बड़े बैंकों में बदलने, पुनः पूँजीकरण के रूप में बैंकों को ₹ 70,000 करोड़ देने, कार्पोरेट कर की दर को घटाकर 22% एवं 15% के स्तर पर लाने जैसी घोषणाएं स्वागत योग्य हैं.

केन्द्रीय वित्त मन्त्री निर्मला सीतारमण द्वारा 5 जून, 2019 को संसद में 2019-20 का पूर्ण बजट पेश किए जाने के मात्र तीन माह के भीतर ही अर्थव्यवस्था में नई जान फूँकने के लिए घरेलू एवं विदेशी निवेश को आकर्षित करने, निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए अनेक रियायतें दिए जाने की घोषणा की गई है–

1. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सीमा का विस्तार.
2. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ₹ 70,000 करोड़ का पुनर्पूंजीकरण.
3. अर्थव्यवस्था के 10 क्षेत्रकों में 32 सुधारों का पैकेज.
4. निर्यात संवर्द्धन उपाय.
5. स्थावर सम्पदा क्षेत्रक में सुधार हेतु उपाय.
6. निगम कर संरचना में व्यापक फेरबदल.
7. वस्तु एवं सेवा करों की दरों का विवेकीकरण.

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सीमा का विस्तार (28 अगस्त, 2019)

- कोयला बिक्री, सम्बद्ध प्रोसेसिंग अधो-रचना–कोयला धुलाई, क्रशिंग कोल हैण्डलिंग एवं पृथक्कीकरण (मैग्नेटिक एवं नॉन-मैग्नेटिक) में ऑटोमैटिक रूट से 100% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अनुमन्य.
- कॉन्ट्रेक्ट मैन्यूफैक्चरिंग में ऑटोमैटिक रूट से 100% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अनुमन्य.
- एकल ब्रॉण्ड खुदरा कारोबार में स्थानीय खरीद सम्बन्धी मानकों एवं बाध्यताओं में अनेक रियायतें.
- डिजिटल मीडिया में सरकारी मार्ग से 26% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अनुमन्य.

अर्थव्यवस्था के 10 बड़े और प्रमुख क्षेत्रों में 32 सुधारों का पैकेज (23 अगस्त, 2019)

सुधार एवं सरलीकरण : सतत् प्रक्रिया

1. करारोपण

- पहले से भरी हुई आयकर विवरणियाँ.
- विजयादशमी 2019 से कर विवरणियों की फेसलैस स्क्रूटनी.
- जीएसटी रिटर्नों की संख्या घटाई तथा फार्मों का सरलीकरण.
- जीएसटी रिफण्ड प्रक्रिया का सरलीकरण.
- करदाताओं से निपटने के लिए जोखिम आधारित उपागम.

2. श्रम सन्नियम

- श्रमिकों की भर्ती में लोचशीलता हेतु निश्चित अवधि रोजगार.

- ईएसआईसी अंशदान 6·5% से घटाकर 4%.
- वेब आधारित क्षेत्राधिकारमुक्त निरीक्षण.
- निरीक्षण आख्या 48 घण्टों के भीतर अपलोड करना.
- अपराधों का शमन (कम्पाउण्डिंग).
- 6 श्रम सन्नियमों में स्टार्ट अप्स के लिए स्वप्रमाणन

3. **पर्यावरण क्लीयरेन्स**

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को एकल वायु एवं जल क्लीयरेन्स.
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा कारखाने की स्थापना हेतु एक सहमति.

4. **कार्पोरेट मामले**

- नाम आरक्षण एवं कम्पनी स्थापना हेतु केन्द्रीय पंजीयन केन्द्र द्वारा मात्र एक दिन में कम्पनी की स्थापना की अनुमति.
- कम्पनी स्थापित करने हेतु समेकित फार्म.
- केवल मौद्रिक दण्ड हेतु 16 अपराध धाराओं का विवर्तन.
- समामेलन एवं अधिग्रहण हेतु त्वरित एवं आसान अनुमोदन.
- विभेदीकृत मताधिकार हेतु प्रावधानों में परिवर्तन.
- कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत दाखिल 14,000 से अधिक अभियोगों को वापस लिया गया.
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों एवं घर खरीदने वालों की सहायतार्थ भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (IBC) फ्रेमवर्क

5. **कार्पोरेट सोशल रेसपोन्सीबिलिटी उल्लंघन**

सीएसआर उल्लंघन मामलों को आपराधिक न मानकर सिविल उत्तरदायित्व मानते हुए कानूनी कार्रवाई.

6. **आयकर सम्बन्धी मामले**

1 अक्टूबर, 2019 के बाद आयकर अधिकारियों द्वारा सभी प्रकार के नोटिस, सम्मन आदेश आदि कम्प्यूटर सृजित यूनिक डॉक्यूमेन्ट पहचान संख्या के साथ केन्द्रीकृत कम्प्यूटर प्रणाली के माध्यम से जारी किए जाएंगे.

- जवाब दाखिल किए जाने के तीन माह के भीतर सभी नोटिसों का निपटारा.

7. **दीर्घकालीन/अल्पकालीन पूँजी लाभ पर बढ़े हुए अधिभार में रियायत.**
8. **स्टार्ट अप पर लगाया गया एंजिल कर वापस.**
9. **साख सुविधा के विस्तार हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ₹ 70,000 करोड़ पुनः पूँजीकरण हेतु.**
10. **रेपो रेट में की जाने वाली कमी को ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए बैंक सहमत.**
11. ब्याज दरों को रेपो रेट से सम्बद्ध किए जाने से कार एवं आवास ऋणों पर ईएमआई में कमी आएगी.
12. ऋण चुका देने वाले ग्राहकों को 15 दिन के भीतर अभिलेखों को वापस करना.
13. खुदरा, एमएसएमई, आवास, वाहन, कार्यशील पूँजी, ओवरड्राफ्ट सीमा बढ़ोत्तरी, नवीकरण ऋणों आदि की ऑनलाइन ट्रैकिंग.
14. बैंकों द्वारा सुधरी एवं पारदर्शी वन टाइम सेटेलमेन्ट नीति अपनाना.
15. ईमानदारी से लिए गए निर्णयों के संरक्षण हेतु केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्देश जारी.
16. आवास, वाहन, उपभोग वस्तुओं के क्रय हेतु गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों/आवास वित्तीयन कम्पनियों को अधिक तरलता सहायता.
17. आधार सम्पुष्टिकृत बैंक केवाईसी को NBFC द्वारा प्रयुक्त किए जाने की अनुमति.
18. MSME, छोटे कारोबारियों, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म साख संस्थाओं के ग्राहकों को ऋण वितरण हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के बीच बेहतर समन्वयन.
19. सभी MSME के बकाया GST रिफण्डों को 30 दिन के भीतर वापस करना.
20. MSMEs के लिए बिल डिस्काउण्ट हेतु बाजार का विस्तार.
21. MSME की एक ही परिभाषा हेतु प्रयास.
22. साख सुगमीकरण, विपणन, प्रौद्योगिकी विलम्बित भुगतानों पर यू.के. सिन्हा समितियों की सिफारिशों को 30 दिन में लागू करना.
23. बॉण्ड बाजार का विकास.
24. वैश्विक बाजारों तक भारतीय कम्पनियों की पहुँच को बढ़ाना.
25. घरेलू खुदरा निवेशकों के लिए आधार आधारित KYC का प्रयोग.
26. FPIs सहित विदेशी निवेशकों के लिए सरलीकृत KYC.
27. समुद्रपारीय रुपया बाजार को घरेलू स्टॉक मार्केट तक लाना.
28. सरकार/केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा भुगतानों में विलम्ब का कैबिनेट सचिवालय द्वारा अनुश्रवण.
29. मध्यस्थता निर्णयों के 75% का त्वरित भुगतान.
30. आधुनिक अधोरचना विकास हेतु पाँच वर्ष के भीतर ₹ 100 लाख करोड़ का निवेश.
31. BS-IV वाहन पंजीकरण की सम्पूर्ण अवधि में चलते रहेंगे.
32. एकमुश्त पंजीयन शुल्क जून 2020 तक लागू नहीं होगा.
33. अब से लेकर 31 मार्च, 2020 तक क्रय किए गए सभी प्रकार केवाहनों पर पूँजी ह्रास की दर 15% बढ़ाकर 30%.
34. इलेक्ट्रिक वाहनों को रियायतें जारी रहेंगी.
35. सरकारी विभागों द्वारा वाहनों के क्रय पर लगाई गई रोक वापस.
36. स्क्रैपिंग नीति पर नए सिरे से विचार.

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा केन्द्र सरकार को ₹ 1·76 लाख करोड़ का भुगतान

भारतीय रिज़र्व बैंक के भूतपूर्व गवर्नर बिमल जालान की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों पर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपने अधिशेष (Surplus) एवं रिज़र्व निधियों में से वर्ष 2018-19 में केन्द्र सरकार को ₹ 1·76 करोड़ का हस्तान्तरण किए जाने का निर्णय लिया गया. इसमें से ₹ 1·23 लाख करोड़ अधिशेष में से तथा ₹ 52,640 करोड़ भारतीय रिज़र्व बैंक की अधिशेष पूँजी में से होगा. इससे केन्द्र सरकार को अपना राजकोषीय घाटा पाटने में सहायता मिलेगी.

निर्यात संवर्द्धन उपाय, 2019 (14 सितम्बर, 2019)

- निर्यातकों को ₹ 50,000 के प्रोत्साहन पैकेज के रूप में **निर्यात उत्पादों पर प्रशुल्कों या करों में छूट योजना (RoDTEP).** इसके साथ ही वर्तमान में चल रहीं सभी प्रोत्साहन योजनाएं समाप्त हो जाएंगी.
- वाणिज्य विभाग में अन्तर-मन्त्रालयी कार्यकारी समूह द्वारा निर्यात वित्तीयन का अनुश्रवण.
- प्राथमिकता क्षेत्रक के अन्तर्गत ₹ 30,000 करोड़ से ₹ 68,000 करोड़ की अतिरिक्त निर्यात साख सुविधा के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक बैंकों को दिशा-निर्देश जारी करेगा.
- निर्यात साख गारन्टी निगम द्वारा निर्यात साख बीमा योजना का विस्तार. ₹ 1,700 करोड़ की लागत वाली इस योजना से निर्यातकों को लाभ होगा.
- मुक्त व्यापार समझौता उपयोग मिशन शुरू किया जाएगा.

Vikas Bhadu

- हथकरघा, योग, पर्यटन, टेक्सटाइल्स तथा चमड़ा पर फोकस करते हुए देश में चार स्थानों पर वार्षिक मेगा शॉपिंग फेस्टिवलों का आयोजन.

स्थावर सम्पदा (Realty Sector) क्षेत्रक में सुधार उपाय (14 सितम्बर, 2019)

Vikas Bhadu

- चालू हाउसिंग परियोजनाओं, जिन पर बकाया ऋण गैर-निष्पादनीय आस्तियाँ नहीं हुई हैं अथवा जो राष्ट्रीय कम्पनी लॉ न्यायाधिकरण (NCLT) में दिवालिया प्रक्रिया का सामना नहीं कर रही हैं, की सहायतार्थ ₹ 10,000 करोड़ की सहायता केन्द्र सरकार द्वारा एवं इतनी ही धनराशि अन्य निवेशकों द्वारा दी जाएगी, ताकि परियोजनाओं को पूरा किया जा सके.
- हाउसिंग बिल्डिंग एडवांस पर ब्याज दर को कम करके इसे 10 वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों से सम्बद्ध किया जाएगा.

कार्पोरेट क्षेत्रक को व्यापक कर रियायतें, 2019 (20 सितम्बर, 2019)

20 सितम्बर, 2019 को एक अध्यादेश जारी करके आयकर अधिनियम, 1961 एवं वित्त अधिनियम (संख्या 2), 2019 में संशोधन करके कार्पोरेट क्षेत्रक को व्यापक कर रियायतें प्रदान कर दी गईं. इन उपायों को मिनी बजट की संज्ञा दी गई है.

- घरेलू कम्पनियों, जो किसी भी प्रकार की छूट/प्रोत्साहन का उपभोग नहीं करेंगी, के लिए निगम कर की दर 22% होगी. इससे कर की प्रभावी दर (उपकर एवं अधिभार सहित) 25·17% होगी.
- ऐसी कम्पनियों को अब न्यूनतम वैकल्पिक कर का भुगतान भी नहीं करना होगा.
- 1 अक्टूबर, 2019 के बाद से विनिर्माणी क्षेत्रक में नया निवेश करने वाली नई कम्पनियों को 15% की दर से कर देना होगा. उपकर एवं अधिभार सहित कर की प्रभावी दर 17·01% होगी. ऐसी कम्पनियों को 31 मार्च, 2023 तक उत्पादन प्रारम्भ करना होगा. इन कम्पनियों पर न्यूनतम वैकल्पिक कर भी नहीं लगेगा.
- किसी भी प्रकार की कर छूट/प्रोत्साहन/रियायत का उपभोग करने वाली कम्पनियों पर आयकर की दर पूर्ववत् रहेगी, तथापि ये कम्पनियाँ टैक्स होली डे की अवधि समाप्त हो जाने पर 22% की कर दर का विकल्प चुन सकेंगी.
- व्यक्ति, अविभाजित हिन्दू परिवार, AOP, BOI तथा AIP के स्तर पर प्रतिभूतियाँ लेन-देन करके दायरे में आने वाले ट्रस्टों अथवा इक्विटी उन्मुख निधि की इकाई, के इक्विटी शेयरों की बिक्री पर उत्पन्न होने वाले पूँजी लाभ कर पर 2019 के वित्त विधेयक से अधिभार में की गई वृद्धि वापस ले ली गई.
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों पर प्रतिभूतियों एवं व्युत्पन्नकों की बिक्री पर बढ़ा हुआ अधिकार वापस ले लिया गया.
- 5 जुलाई, 2019 से शेयरों के बाई बैक की घोषणा करने वाली सूचीबद्ध कम्पनियों पर शेयरों के बाई बैक पर कोई कर नहीं लगेगा.
- कार्पोरेट सोशल रेस्पोंसीबिलिटी (CSR) के अन्तर्गत लाभ का 2% अब केन्द्र एवं राज्य सरकार अथवा केन्द्र एवं राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रम द्वारा वित्तपोषित इन्क्यूबेटर, सरकारी विश्वविद्यालयों, आईआईटी, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं ICAR, ICMR, CSIR, DAE, DRDO, BST, Meity कि अधीन स्थापित स्वायत्त शासी निकायों में किया जा सकेगा. बशर्ते कि निकाय सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों के प्रोन्नयन को लक्षित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधानरत् हों.

इन रियायतों से सरकार पर ₹ 1,45,000 करोड़ का राजस्व बोझ पड़ेगा.

वस्तु एवं सेवा कर परिषद् द्वारा अनेक मदों पर वस्तु एवं सेवा कर में छूटों की घोषणा (20 सितम्बर, 2019)

वस्तु एवं सेवा कर परिषद् ने गोवा में सम्पन्न 37वीं बैठक में 1 अक्टूबर, 2019 से प्रभावी निम्नलिखित कर रियायतों एवं कर विवेकीकरण का निर्णय लिया है–

- 13 सवारियों की क्षमता वाले 1500 CC डीज़ल एवं 1200 CC पेट्रोल वाहनों पर 12% की दर से उपकर.
- अर्द्धसैन्य बलों के लिए संचालित सामूहिक बीमा योजनाएं GST से करमुक्त.
- कैफीनयुक्त पेयों पर 12% उपकर सहित GST की दर 18% से बढ़ाकर 28%.
- वस्तुओं की पैकिंग में प्रयुक्त होने वाले पोली प्रोपाइलिन थैलों पर 12% की दर से एकसमान कर.
- भारत में विनिर्मित न होने वाली विशिष्ट रक्षा वस्तुओं को GST से मुक्त रखा गया.
- काटे गए एवं पॉलिश किए गए अर्द्ध बहुमूल्य नगों (Stones) पर GST की दर 3% से घटाकर 0·25%.
- आभूषण निर्यातों पर कोई GST नहीं.
- रेल के यात्री एवं मालगाड़ी डिब्बों पर GST की दर 5% से बढ़ाकर 12%.
- ₹ 1,000 प्रतिदिन किराया वाले होटलों पर GST की दर शून्य; ₹ 7500 से अधिक प्रतिदिन प्रतिकक्ष किराए वाले होटल पर GST की दर 18% से बढ़ाकर 28%.
- इंजीनियरिंग उद्योगों में मशीन जॉब वर्क पर GST की दर 18% से घटाकर 12%.
- हीरों से सम्बन्धित जॉब वर्क पर GST की दर 5% से घटाकर 1·5%.

अर्थव्यवस्था में व्याप्त सुस्ती तथा बेरोजगारी की ऊँची दर से राजनीतिक नेतृत्व एवं नौकरशाही में एक प्रकार से हड़बड़ी का माहौल है. इसी के चलते कारोबारियों, निवेशकों एवं उद्यमियों को सौगातों का पिटारा खोला जा रहा है. गैर-निष्पादनीय आस्तियों के भारी बोझ से कराह रहे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लोन मेले लगाए जाने के निर्देश दिए जा रहे हैं. भारतीय रिज़र्व बैंक 2019 में रेपो रेट में चार बार कटौती (0·25% + 0·25% + 0·25% + 0·35%) कर चुका है, लेकिन इनमें से अधिकांश उपायों का सम्बन्ध पूर्ति पक्ष से है. अर्थव्यवस्था में जान फूँकने लिए माँग सृजन एक महत्वपूर्ण पहलू है. यदि माँग में वृद्धि नहीं होगी, तो नई-नई रियायतों से उत्पादन क्षमता में विस्तार से अति-उत्पादन की स्थिति उत्पन्न होगी, जो अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर ले जाएगी. ऐसे में सरकार 'तीसा की मंदी' से अर्थव्यवस्थाओं को बाहर निकालने के लिए 'पम्प प्राइमिंग' जैसे उपायों की सलाह देने वाले अर्थशास्त्री प्रो. जे.एम. कीन्स के सिद्धान्तों को नए सिरे से अपनाए जाने की आवश्यकता है.

●●●

UPKAR'S
An Objective History of
English Literature
Through
Multiple-Choice Questions
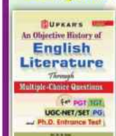
For
PGT, TGT
UGC-NET/SET, PG
and
Ph.D. Entrance Test
By
Dr. B. B. Jain
Code 1578 ₹ 170/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

फोकस 3

श्रम सुधार : कारोबारी सुगमता से मानवीय संवेदनाओं तक

✍ डॉ. रवि प्रताप सिंह

Vikas Bhadu

भारत सरकार जहाँ एक ओर कारोबारी सुगमता में ऊँची छलांग लगाने के लिए उद्योग और सेवाएं क्षेत्रक से जुड़े कारोबारियों को हरसम्भव सुविधा देना चाहती है, वहीं दूसरी ओर कारखानों, उद्यमों एवं व्यवसायों में कार्यरत् करोड़ों श्रमिकों की मजदूरी एवं वेतन, पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कामकाजी दशाओं में उत्तरोत्तर सुधार लाकर एक बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने का वातावरण सृजित करना चाहती है. भारत सरकार ने इन्हीं दिशाओं में आगे बढ़ते हुए निवेश आकर्षित करने की बड़ी बाधा माने जाने वाले जटिल श्रम कानूनों में सुधार की बड़ी पहल संसद के बजट सत्र 2019 में की. वस्तुतः भारत सरकार श्रम कानूनों से सम्बन्धित 747 प्रावधानों को कम-से-कम करके सभी श्रम सन्नियमों को निम्नलिखित चार श्रम संहिताओं के रूप में संहिताबद्ध करना चाहती है—

1. मजदूरी संहिता (Code on Wages), 2019
2. औद्योगिक सम्बन्ध संहिता (Code on Industrial Relations)
3. सामाजिक सुरक्षा संहिता (Code on Social Security)
4. पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाजी दशाएं संहिता (Code on Occupational Safety, Health and Working Conditions), 2019

मजदूरी संहिता विधेयक, 2019

श्रम सुधारों के पहले क्रम में मजदूरी संहिता विधेयक, 2019 लोक सभा द्वारा 30 जुलाई, 2019 को तथा राज्य सभा द्वारा 2 अगस्त, 2019 को पारित किया गया. भारत के राष्ट्रपति द्वारा 8 अगस्त, 2019 को इसे अपनी स्वीकृति प्रदान की गयी. इस विधेयक के कानून बन जाने के साथ ही निम्नलिखित कानूनों का निरसन कर दिया गया है. अर्थात् अब वे कानून नहीं हैं—

(i) मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936
(ii) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948
(iii) बोनस भुगतान अधिनियम, 1965
(iv) समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976

इस संहिता के लागू हो जाने के साथ ही असंगठित क्षेत्रक में काम करने वाले कृषि श्रमिक, पेन्टर्स, रेस्तराओं और ढाबों पर काम करने वाले, चौकीदार, स्वीगी-जोमैटो कम्पनियों में काम कर रहे खाना आदि पहुँचाने वाले, ओला-उबर के टैक्सी चालक आदि कामगार अब न्यूनतम मजदूरी पाने के हकदार हो गए हैं. मासिक वेतन पर काम करने वाले कामगारों को अगले माह की 7 तारीख तक तथा साप्ताहिक वेतन/मजदूरी पाने वालों को सप्ताहान्त तक वेतन/मजदूरी का भुगतान करना सेवायोजकों की जिम्मेदारी है. दैनिक मजदूरी का भुगतान उसी दिन करना होगा.

इस कानून के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित प्रकार हैं—

- न्यूनतम मजदूरी एवं समय से उसका भुगतान का सार्वभौमीकरण.
- सभी कामगारों को 'उपजीविका का अधिकार' (Right to Sustenance) प्राप्त हुआ.
- सांविधिक पटल मजदूरी (Statutory Floor Wage) का आगणन जीवन मापक की न्यूनतम दशाओं के आधार पर किया जाएगा तथा इसे सारे देश के 50 करोड़ कामगारों के लिए जीवन-यापन की गुणवत्तायुक्त दशाओं से जोड़ा जाएगा.
- प्रत्येक राज्य एवं केन्द्रशासित क्षेत्र अपने-अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत न्यूनतम मजदूरी दर अधिसूचित करेगा.
- अब तक अलग-अलग अधिनियमों में मजदूरी को 12 अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया गया था, जिससे मुकदमेबाजी में कामगार उलझे रहते थे. अब मजदूरी संहिता में मजदूरी की परिभाषा का सरलीकरण कर दिया गया है. मजदूरी का अर्थ बेसिक वेतन, महँगाई भत्ता एवं रिटेनिंग एलाउंस से है.
- महिला कामगारों को पुरुष कामगारों के बराबर मजदूरी.
- सक्षम अधिकारी से अनुमति लिए बिना किसी कामगार के ऊपर सेवायोजक द्वारा अर्थदण्ड नहीं लगाया जा सकता.
- पन्द्रह वर्ष से कम आयु के किसी श्रमिक पर कोई अर्थदण्ड नहीं लगाया जा सकता.
- वर्ष में कम-से-कम एक माह काम करने वाले कामगारों सहित सभी कामगारों को सेवायोजक द्वारा कामगारों की वार्षिक मजदूरी/वेतन का 8·33% की दर से बोनस का भुगतान किया जाएगा.
- केन्द्र सरकार कर्मचारियों एवं सेवायोजकों की बराबर भागीदारी, स्वतंत्र व्यक्तियों एवं राज्यों के पाँच प्रतिनिधियों से युक्त एक केन्द्रीय परामर्शदात्री बोर्ड का गठन करेगी. इस बोर्ड में एक-तिहाई सदस्य महिलाएं होंगी. बोर्ड का अध्यक्ष केन्द्र सरकार द्वारा नामित कोई स्वतन्त्र व्यक्ति होगा. यह बोर्ड न्यूनतम मजदूरी निर्धारण अथवा संशोधन, महिलाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर जैसे मुद्दों पर सरकार को परामर्श देगा.
- राज्यों में राज्य परामर्शदात्री बोर्ड गठित किए जाएंगे.
- मजदूरी संहिता का कोई भी प्रावधान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम, 2005 एवं कोयला खान भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1948 पर लागू नहीं होगा.
- श्रम अधिकारियों द्वारा कारखानों/प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की प्रक्रिया बदल दी गई है. अब वेब आधारित दैव निदर्शनीकृत कम्प्यूटरीकृत निरीक्षण स्कीम के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारयुक्त निरीक्षण किए जा सकेंगे; निरीक्षण हेतु सूचना इलेक्ट्रॉनिकली माँगी जाएगी.
- कामगारों के हितों का संरक्षण करते हुए कामगारों के दावों का निस्तारण 3 वर्ष के भीतर किए जाने का प्रावधान किया गया है. न्यूनतम मजदूरी, बोनस, समान पारिश्रमिक आदि से सम्बन्धित दावों को दाखिल करने की अवधि और प्रक्रिया का सार्वभौमिकीकरण किया गया है.

पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाजी दशाएं संहिता (विधेयक), 2019

श्रम एवं रोजगार राज्यमन्त्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष गंगवार द्वारा पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाजी दशाएं संहिता पर एक विधेयक 23 जुलाई, 2019 को लोक सभा में पेश किया गया. इस संहिता के ड्राफ्ट को निम्नलिखित 13 श्रम सन्नियमों के सुसंगत प्रावधानों के समामेलन, सरलीकरण एवं विवेकीकरण के द्वारा तैयार किया गया है—

(i) कारखाना अधिनियम, 1948
(ii) बागान श्रमिक अधिनियम, 1951
(iii) खान अधिनियम, 1952
(iv) कामकाजी जर्नलिस्ट एवं अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा शर्तें एवं विविध प्रावधान) अधिनियम, 1955
(v) कामकाजी जर्नलिस्ट (मजदूरी की दरों का निर्धारण) अधिनियम, 1958
(vi) मोटर परिवहन कामगार अधिनियम, 1961
(vii) बीड़ी एवं सिगार कामगार (रोजगार की शर्तें) अधिनियम, 1966
(viii) संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970

Vikas Bhadu

(ix) सेल्स प्रोमोशन कर्मचारी (सेवा शर्तें) अधिनियम, 1976

(x) अन्तर्राज्यीय प्रवासी कामगार (रोजगार एवं सेवा शर्तों का विनियमन) अधि-नियम, 1979

(xi) दी सिने वर्कर्स एण्ड सिनेमा थियेटर्स वर्कर्स अधिनियम, 1981

(xii) गोदी कामगार (सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण) अधिनियम, 1986

(xiii) बिल्डिंग एवं अन्य निर्माण कामगार (रोजगार एवं सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 1996

सुरक्षा, स्वास्थ्य, कल्याण एवं सुधरी हुई कामकाजी दशाएं कामगारों की खुशहाली के लिए पूर्वावश्यकताएं तो हैं ही, साथ ही देश के आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि देश में स्वस्थ श्रमबल अधिक उत्पादक होता है. कारखानों एवं कार्यस्थलों पर दुर्घटनाओं में कमी सेवायोजकों के लिए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होती है.

देश में सम्पूर्ण श्रमबल को सुरक्षा एवं स्वस्थ कामकाजी दशाओं से युक्त कार्य-वातावरण उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से "पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाजी दशाएं संहिता" के दायरे में देश के 9 प्रमुख क्षेत्रकों में 10 या इससे अधिक कामगारों वाले सभी प्रतिष्ठानों/उद्यमों को सुरक्षा, स्वास्थ्य, कल्याण एवं कामकाजी दशाओं के प्रावधानों के मामले में ले लिया गया है. 10 या इससे अधिक कामगारों वाले औद्योगिक, व्यापार, व्यवसाय, विनिर्माणी या पेशे, सूचना प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठान या सेवाएं प्रदान करने वाले प्रतिष्ठान इस संहिता के दायरे में आ जाएंगे. मात्र एक श्रमिक वाली खान भी इस संहिता के दायरे में होगी. इस संहिता के अन्तर्गत कामकाजी जर्नलिस्टों एवं सिने वर्कर्स की परिभाषा का विस्तार करके उसमें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सभी प्रकार के श्रव्य-दृश्य उत्पादन व्यवसाय में लगे कामगारों को भी शामिल कर लिया गया है. अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों की परिभाषा का विस्तार करके इसमें ऐसे प्रवासी कामगारों को भी शामिल कर लिया गया है. जिन्हें दूसरे राज्यों में सेवायोजकों द्वारा बिना किसी ठेकेदार या एजेन्ट के सीधे ही काम पर रखा जाता है.

इस संहिता (विधेयक) के कतिपय प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित प्रकार हैं–

- किसी प्रतिष्ठान के लिए ऊपर उल्लिखित 13 अधिनियमों में से 6 अधिनियमों में प्रतिष्ठानों को अलग-अलग पंजीकरण कराना पड़ता है. नए प्रावधानों से केवल एक ही पंजीकरण कराना होगा. इससे एक केन्द्रीकृत डाटाबेस तैयार होगा तथा कारोबारी सुगमता का प्रोन्नयन होगा.
- विभिन्न क्षेत्रकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नियमों को बनाने, पंजीकरण, मानकों का निर्धारण, परिनियमों (Bye-Laws) को बनाने के लिए संहिता (विधेयक) में बुनियादी आधार वाला विधायी फ्रेमवर्क विकसित किए जाने से 622 धाराओं के स्थान पर प्रस्तावित संहिता में मात्र 134 धाराएं ही रह गयी हैं. इससे उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप सुसंगत प्रावधानों को बदलने अथवा संशोधित करने में लोचशीलता के साथ विधायी सुगमता भी रहेगी और श्रम विधायन को गत्यात्मक बनाया जा सकेगा.
- निर्धारित प्रतिष्ठानों के लिए निर्धारित परीक्षणों (Tests) के लिए निर्धारित आयु से अधिक आयु वाले कामगारों का निःशुल्क स्वास्थ्य चेक-अप प्रतिवर्ष सेवायोजक द्वारा कराया जाएगा. कतिपय आयु से अधिक आयु वाले कामगारों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण समावेशी विकास को प्रोन्नत करेगा.
- प्रत्येक प्रतिष्ठान काम पर रखे जाने वाले प्रत्येक कामगार को अनिवार्यतः नियुक्ति पत्र देगा, जिसमें अधिकृत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम सूचनाएं दी होंगी.
- पाँच श्रम सन्नियमों में प्रावधानित बहु समिति व्यवस्था को प्रस्तावित संहिता में केवल एक राष्ट्रीय पेशेवर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य परामर्शदात्री बोर्ड से प्रतिस्थापित कर दिया गया है. यह बोर्ड त्रिपक्षीय निकाय होगा जिसमें श्रम संघों, सेवायोजकों के संघों एवं राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व होगा.
- सक्षम सरकार द्वारा प्रतिष्ठानों की किसी वर्ग के लिए एक द्विपक्षीय सुरक्षा समिति गठित की जाएगी. यह प्रतिष्ठान में श्रमिकों की सुरक्षा एवं स्वस्थ कामकाजी दशाओं के प्रोन्नयन हेतु कार्य करेगी. इस समिति की सहभागिता प्रकृति प्रबन्धन द्वारा निर्णयों के क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी.
- काम के दौरान किसी कामगार की मृत्यु हो जाने या गम्भीर रूप से घायल हो जाने पर सेवायोजक की लापरवाही या कर्तव्यपालन में उसकी कोताही से उत्पन्न परिस्थितियों में न्यायालय द्वारा सेवायोजक के ऊपर आरोपित आर्थिक दण्ड का एक भाग पीड़ित कामगार या मृत कामगार के उत्तराधिकारियों को मिलेगा. आर्थिक दण्ड के एक भाग से घायल कामगार के पुनर्वास या मृत कामगार के परिवार को वित्तीय सहायता में मदद मिलेगी.
- वर्तमान में अलग-अलग अधिनियमों में शिशुपालनागृह, कैण्टीन, प्राथमिक चिकित्सा, श्रम कल्याण अधिकारी की तैनाती के बारे में अलग-अलग प्रावधान हैं. प्रस्तावित संहिता में सभी प्रकार के प्रतिष्ठानों के लिए एक ही प्रकार के कल्याण प्रावधानों को लागू किया जाएगा.
- निर्धारित प्रतिष्ठानों में प्राधिकृत सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन सुरक्षा, अवकाश के दिन, काम करने के घण्टों जैसे मानकों को पूरा करते हुए महिला कामगारों को उनकी सहमति से ही शाम को 7 बजे के बाद तथा प्रातः 6 बजे से पहले काम पर लगाया जा सकेगा.
- 13 श्रम सन्नियमों के अन्तर्गत अलग-अलग लाइसेंस एवं रिटर्न दाखिल करने के स्थान पर प्रस्तावित संहिता में 'एकल लाइसेंस एकल रिटर्न' की व्यवस्था लागू होगी.
- पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाजी दशाएं संहिता विधेयक संसद में पारित होने तथा राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल जाने के साथ ही कानून बन जाएगा और ऊपर वर्णित सभी 13 सन्नियम इसमें शामिल हो जाएंगे.
- कम्पनियों को पाँच वर्ष की अवधि के लिए अनुबंधित कामगारों वाली परियोजनाएं पूरी करने के लिए एक ही लाइसेंस की जरूरत होगी. अभी कम्पनियों को अलग-अलग परियोजनाओं के लिए अलग-अलग लाइसेंस लेने पड़ते हैं, लेकिन किसी अन्य परियोजना पर निर्धारित संख्या से एक भी अधिक कामगार रखे जाने पर कम्पनी को लाइसेंस हेतु नए सिरे से आवेदन करना होगा.

पेशेवर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाजी दशाएं संहिता विधेयक, 2019 को लोक सभा में पेश किए जाने के साथ ही प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, आरएसपी आदि द्वारा लोक सभा में इसका भारी विरोध किया गया और इस विधेयक को संसद की स्थायी समिति को सन्दर्भित किए जाने की माँग की गयी. संसद के बाहर देश के लगभग सभी श्रम संघों द्वारा भी इस विधेयक के अनेक प्रावधानों को श्रमिकों के हितों के विपरीत बताते हुए इसका विरोध किया जा रहा है. श्रम संघों का आरोप है कि संविदा श्रम अधिनियम, कारखाना अधिनियम, जर्नलिस्ट कानून, परिवहन कामगार कानून में व्याप्त खामियों से जुड़े अनेक सुरक्षा प्रावधानों को सशक्त करने के स्थान पर कमजोर कर दिया गया है. भारतीय जनता पार्टी समर्थित भारतीय मजदूर संघ जैसे बड़े श्रम संघ के विरोध के चलते सरकार इस विधेयक को इसी रूप में पारित कराने का जोखिम लेगी इसमें संदेह है. ●●●

विश्व परिदृश्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

Vikas B

कश्मीर तथा भारत-पाकिस्तान तनाव

कश्मीर में ऐतिहासिक बदलाव

5 अगस्त, 2019 को भारत ने अपने संविधान के अनुच्छेद 370 में संशोधन कर जम्मू-कश्मीर को प्राप्त अस्थायी विशेष दर्जे को समाप्त कर दिया था. इसके साथ सरकार ने जम्मू-कश्मीर राज्य का विभाजन कर उसे दो केन्द्रशासित प्रदेशों में बाँट दिया—जम्मू व कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश तथा दूसरा लद्दाख केन्द्रशासित प्रदेश. इसके साथ 1954 में संविधान में शामिल किए गए अनुच्छेद 35अ को समाप्त कर दिया गया है. इस अनुच्छेद में जम्मू-कश्मीर राज्य के स्थायी निवासियों को ही राज्य में स्थायी सम्पत्ति अर्जित करने, नौकरी पाने अथवा सरकारी वजीफा पाने का अधिकार दिया गया था. ये अधिकार राज्य में शेष भारत के नागरिकों को प्राप्त नहीं थे.

जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में ये परिवर्तन ऐतिहासिक हैं. लम्बे समय से केन्द्र सरकार राज्य में तमाम चुनौतियों का सामना करने के उपरान्त भी इस बदलाव को करने के लिये इच्छा-शक्ति नहीं जुटा पा रही थी क्योंकि इसके राजनीतिक प्रतिक्रिया राज्य में तथा पाकिस्तान में अनुकूल प्रतीत नहीं होती थी. इन परिवर्तनों के दो दीर्घगामी परिणाम सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं.

प्रथम, 1990 के बाद से ही कश्मीर घाटी में पाकिस्तान के सहयोग से आतंकवाद के विस्तार के साथ-साथ भारत-विरोधी माहौल बनाया जा रहा था. गत तीन दशकों में आतंकवाद के चलते 41000 लोगों की जानें जा चुकी हैं. यह भारत की सुरक्षा के लिए भी एक चुनौती है. इसी वर्ष फरवरी में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने भारत के सी. आर. पी. एफ. के जवानों पर एक बड़ा आतंकवादी हमला किया था, जिसकी प्रतिक्रियास्वरूप भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट स्थित आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर एक बड़ा हमला किया था. इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध हवाई हमला किया था तथा भारत के विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बन्द कर दिया था. तभी से दोनों देशों के बीच तनाव अधिक बढ़ा हुआ है. नए बदलाओं के बाद अब भारत को आतंकवाद को रोकने तथा घाटी में सुरक्षा मजबूत करने में मदद मिलेगी. नवगठित केन्द्रशासित प्रदेश में यद्यपि दिल्ली की भाँति विधान सभा होगी और वहाँ की कानून व्यवस्था पर भारत सरकार का सीधा नियंत्रण होगा.

दूसरा, जम्मू-कश्मीर में विशेष दर्जा होने के कारण वहाँ भारत से अलगाववाद की भावना अत्यधिक तीव्र हो रही थी. हुरियत कान्फ्रेंस तथा जमात-ए-इस्लामी नामक संगठनों द्वारा भारत विरोधी असन्तोष को बढ़ावा दिया जा रहा था. राज्य के स्थानीय नेता अपने स्वार्थों के कारण इस सम्बन्ध में स्पष्ट दृढ़ निश्चय नहीं दिखा पा रहे थे. यह अलगाववादी भावना युवाओं में इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा दे रही थी. पाकिस्तान के सहयोग से इन अलगावादियों को यह उम्मीद थी कि वे भारत से अलग हो सकते हैं तथा यहाँ की चुनौतियों से परेशान होकर भारत स्वयं कश्मीर को अलग करने के लिये विवश हो जाएगा. जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद अलगाववादियों तथा पाकिस्तान दोनों को भारत ने यह स्पष्ट सन्देश दे दिया है कि जम्मू व कश्मीर भारत के अभिन्न अंग हैं तथा भारत इसमें कोई समझौता नहीं करेगा. इसके साथ ही भारत के गृहमंत्री ने 5 अगस्त, 2019 को संसद में दिए अपने वक्तव्य में भी इस बात पर जोर दिया है कि पाक-अधिकृत कश्मीर तथा चीन के कब्जे वाला **अक्साई चिन** भी भारत के हिस्से हैं. इस प्रकार नया संवैधानिक परिवर्तन जम्मू-कश्मीर राज्य को भी भारत के साथ एकीकृत करने में सहायक सिद्ध होगा.

कश्मीर में परिवर्तन की प्रतिक्रिया

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा प्रदान करने तथा अनुच्छेद 370 में संशोधन तथा 35अ को समाप्त करने की मिश्रित प्रतिक्रिया हुई है. लद्दाख को केन्द्रशासित राज्य का दर्जा मिलने से वहाँ के लोग संतुष्ट हैं क्योंकि वे लम्बे समय से इस प्रकार के दर्जे की माँग कर रहे थे. उधर कश्मीर घाटी में अलगाववादी इसका भी विरोध कर रहे हैं. राज्य के सभी प्रमुख स्थानीय दलों के नेता भी इसे लोकतंत्र विरोधी तथा कश्मीर के अधिकारों का हनन बता रहे हैं. नागरिकों की जान-माल की रक्षा के लिए सरकार ने स्थानीय नेताओं को नजरबन्द कर दिया है तथा अस्थायी तौर पर संचार सेवाएं बन्द कर दी हैं. फिर भी धीरे-धीरे संचार सेवाओं को खोला गया है. आश्चर्यजनक रूप से कोई बड़ा प्रदर्शन नहीं हो सका है और न ही कोई जान-माल का नुकसान ही हुआ है. इसके साथ ही नागरिकों को सभी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी सुनिश्चित की गई है. सरकार ने प्रशासनिक उपायों के माध्यम से स्थिति को अपने नियंत्रण में किया है.

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया

भारत द्वारा अपने हिस्से वाले कश्मीर में धारा 370 को हटाने को लेकर पाकिस्तान में अनावश्यक रूप से सरकारी तौर पर असन्तुलित प्रतिक्रिया हुई है. पाकिस्तान के आरोप मुख्यतः दो तर्कों पर निर्भर हैं.

प्रथम, यह कि भारत ने 1949 के संयुक्त राष्ट्र संघ के उस प्रस्ताव का उल्लंघन किया है जिसमें जम्मू व कश्मीर में जनमत संग्रह की बात कही गई. जम्मू व कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने से तथा उसका विभाजन किए जाने से वहाँ पर ऐसा करना संभव नहीं हो पाएगा.

दूसरा, पाकिस्तान का दूसरा तर्क यह था कि भारत ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद वहाँ लोकतंत्र व मानवाधिकारों का हनन किया है क्योंकि संचार साधनों पर पाबन्दी है तथा जनता के शांतिपूर्ण विरोध का दमन किया जा रहा है.

अतः पाकिस्तान ने इन दोनों आधारों पर गंभीर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत का तीव्र विरोध किया है. इनमें से पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कतिपय विरोधजन्य कदम निम्नांकित हैं—

1. पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद भारत के साथ कूटनीतिक सम्बन्धों का दर्जा कम कर दिया. भारत ने पाकिस्तान से तथा पाकिस्तान ने भारत से अपना राजदूत वापस बुला लिया है. इसके साथ ही पाकिस्तान ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार पर रोक लगा दी है.

2. पाकिस्तान ने अगस्त में ही कश्मीर की समस्या पर विचार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् की बैठक बुलाने की माँग की थी. बाद में चीन के समर्थन से दिनांक 16 अगस्त, 2019 को सुरक्षा परिषद् की अनौपचारिक क्लोज डोर बैठक बुलाकर इस प्रश्न पर चर्चा हुई. इसमें चीन के अलावा किसी अन्य देश ने पाकिस्तान के पक्ष का समर्थन नहीं किया. सुरक्षा परिषद् के अधिकांश सदस्यों का मत था कि कश्मीर का मामला भारत व पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मामला है तथा

इसको दोनों देशों द्वारा आपसी बातचीत से ही निबटाना चाहिए. इस बैठक की कार्यवाही को रिकार्ड नहीं किया गया है.

3. पाकिस्तान ने कश्मीर समस्या पर अपने देश की जनता को भड़काने का प्रयास किया तथा प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाक अधिकृत कश्मीर की संसद को संबोधित करते हुए आखिरी दम तक कश्मीरियों का साथ देने की बात कही. पाकिस्तान ने इसके साथ यह भी कहा कि भारत की कार्यवाही के कारण दोनों देशों के बीच युद्ध हो सकता है तथा यह युद्ध परमाणु युद्ध भी हो सकता है. इस प्रकार पाकिस्तान ने अपने भड़काऊ बयानों से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा दिया है.

4. इसके बाद सितम्बर 2019 में पाकिस्तान ने जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् में भारत द्वारा कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मामला उठाया गया. परिषद् ने पाकिस्तान के आरोपो को स्वीकार न करते हुए भारत से आग्रह किया है कि वह कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली की प्रक्रिया आरंभ करे.

पाकिस्तान के उक्त कार्यों से दोनो देशों के बीच तनाव अत्यंत बढ़ गया है. पाकिस्तान ने सीमा पर गोलाबारी कर आतंकवादियों के भारत में प्रवेश कराने के भी प्रयास किए हैं. खुफिया एजेंसी की सूचनाओं के अनुसार पाकिस्तान इस बार समुद्री रास्ते से आतंकवादियों को प्रवेश कराने का प्रयास कर रहा है.

भारत का पक्ष

भारत ने जम्मू व कश्मीर में पाकिस्तान के अनावश्यक विरोध को नाजायज बताया है. भारत ने अपने पक्ष के समर्थन में निम्न तर्क प्रस्तुत किए हैं—

1. भारत के नियंत्रण वाले कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में जो भी बदलाव किया गया है वह भारत का आन्तरिक मामला है तथा पाकिस्तान का उससें कोई लेना-देना नहीं है. अतः पाकिस्तान का विरोध आधारहीन तथा औचित्यहीन है. भारत व पाकिस्तान की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा में परिवर्तन नहीं किया गया है. ये सीमाएं वहीं है जो संवैधानिक परिवर्तन के पहले थी.

2. जम्मू व कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है तथा पाक अधिकृत कश्मीर तथा चीन के कब्जे वाला अक्साई चिन भी भारत के कश्मीर राज्य के हिस्से हैं. जहाँ तक कश्मीर में जनमत संग्रह का प्रश्न है, वह अनावश्यक है. पाकिस्तान ने पाक-अधिकृत कश्मीर से अपनी सेनाएं न हटाकर संयुक्त राष्ट्र के 1948 के प्रस्ताव का उल्लंघन किया है, जो कि इस प्रस्ताव की प्रारंभिक शर्त है.

3. पाकिस्तान स्वयं अपने कब्जे वाले कश्मीर में कई बार परिवर्तन कर चुका है. सबसे पहले 1949 में इसका बंटवारा कर कराची समझौते के अन्तर्गत गिलगिट-बाटिस्तान को इससे अलग कर दिया गया. इसके बाद 1963 में पाक अधिकृत कश्मीर का 5000 वर्ग कि. मी. हिस्सा चीन को दे दिया गया है. अब चीन इसी क्षेत्र से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का निर्माण कर रहा है.

4. जहाँ तक मानवाधिकारों के हनन का सवाल है, कश्मीर में कानून व व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए आवश्यक प्रतिबन्ध लगाए गए हैं. जैसे ही स्थिति सामान्य होती है, तो ये प्रतिबन्ध समाप्त कर दिये जाएंगे. कश्मीर में सदैव लोकतंत्र रहा है तथा वहाँ लोकतंत्र की प्रक्रिया शीघ्र बहाल की जाएगी. पाकिस्तान का मानवाधिकार हनन का आरोप हास्यास्पद भी है, क्योंकि पाकिस्तान पाक अधिकृत कश्मीर में सेना की तैनाती कर तक कड़े कानून लागू कर स्वयं मानवाधिकारों का उल्ल्घंन कर रहा है. इसके विरूद्ध पाक अधिकृत कश्मीर की जनता द्वारा कई बार व्यापक विरोध प्रदर्शन भी किये जा चुके हैं. बलूचिस्तान में पाकिस्तान के रक्त रंजित अधिनायकवादी प्रशासन से विश्व समुदाय परिचित है.

5. भारत का यह भी कहना है कि पाकिस्तान विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर के प्रश्न को उठाकर 1972 के शिमला समझौते का उल्लंघन कर रहा है. भारत व पाकिस्तान के बीच सम्पन्न इस समझौते में दोनों देशों ने आपसी विवादों को द्विपक्षीय बातचीत के आधार पर निबटाने की सहमति व्यक्त की थी. इस सहमति को दोनों देशों के बीच जारी 1999 की लाहौर घोषणा-पत्र में भी दोहराया गया था. अतः पाकिस्तान का उक्त कार्य, विधि-सम्मत नहीं है.

इसके साथ ही भारत ने विभिन्न देशों के नेताओं से बातचीत कर अपना पक्ष प्रस्तुत किया है. भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने दक्षिण एशियाई देशों का दौरा कर पड़ोसियों को अपने पक्ष से अवगत करा दिया है तथा सभी ने माना है कि यह मामला एक द्विपक्षीय मामला है. प्रधानमंत्री मोदी ने सितम्बर 2019 में 'जी-7' देशों के प्रतिनिधियों से बाचचीत करने के लिए फ्रांस की यात्रा की थी तथा फ्रांस सहित सभी देशों ने भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए कश्मीर को भारत व पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला बताया है. संयुक्त राष्ट्र के महासचिव अन्टानियो गुटरेस ने भी इस मामले को द्विपक्षीय मामला बताते इसमें संयुक्त राष्ट्र की किसी भूमिका से इनकार किया है.

निष्कर्ष

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में कश्मीर घाटी में स्थिति सामान्य होने लगी है तथा भारत वहाँ लगाये गये अधिकांश प्रतिबन्धों को हटा लिया है. दूसरी तरफ पाकिस्तान को कश्मीर मामले पर विश्व समुदाय का कोई समर्थन प्राप्त नहीं हुआ है यहाँ तक कि संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब तथा बहरीन जैसे मुस्लिम देशों ने कश्मीर पर भारत का समर्थन किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने सितम्बर में संयुक्त अरब अमीरात तथा बहरीन का दौरा भी किया था तथा दोनों देशों द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया गया है. उस सम्बन्ध में पाकिस्तान द्वारा परमाणु युद्ध की धमकी अथवा धर्म के नाम पर मुस्लिम समुदाय को अपने साथ लेने का प्रयास करना सभी निरर्थक साबित हुए हैं. फिर भी पाकिस्तान इस मामले पर निरन्तर शोर मचा रहा है. इस का कारण यह है कि पाकिस्तान वर्तमान में आतंकवाद का समर्थन करने के मामले में विश्व समुदाय में अलगाव का सामना कर रहा है.

जून 2018 में **फाइनेनिसयल एक्सन टास्क फोर्स** ने पाकिस्तान को आतंकवादियों के वित्तीय स्रोतों पर रोक न लगाने के लिए चेतावनी अथवा ग्रे लिस्ट में शामिल किया है. यदि पाकिस्तान **फाइनेनिसयल एक्सन टास्क फोर्स** द्वारा दिए 27 बिन्दुओं पर सन्तोषजनक कार्यवाही नहीं करता है, तो आगामी अक्टूबर माह में उसे काली सूची में डाला जा सकता है. उक्त स्थिति से बचने के लिये पाकिस्तान कश्मीर में मानवाधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाकर विश्व समुदाय की सहानुभूति अर्जित करना चाहता है. लेकिन भारत ने आतंकवाद को संरक्षण देने के मामले में विश्व समुदाय को बार-बार आगाह किया है.

दूसरी तरफ यह भी एक सच्चाई है कि आन्तरिक तौर पर पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट व अन्य समस्याओं का सामना कर रहा है उसकी चाल यह है कि कश्मीर के मसले को अनावश्यक रूप से उछाल कर देश की जनता का ध्यान इन समस्याओं से हटा दिया जाए. इस प्रकार पाकिस्तान कश्मीर मामले को गंभीर बताकर तथा भारत के साथ तनाव को बढ़ाकर देश के अन्दर सेना व सरकार की स्थिति को मजबूत करने के साथ-ही-साथ विश्व समुदाय की सहानुभूति अर्जित करने का प्रयास कर रहा है. भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद पर नियंत्रण नहीं करता है, उसके साथ बातचीत किया जाना संभव नहीं है. भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब पाकिस्तान के साथ बातचीत कश्मीर पर नहीं, वरन् पाक अधिकृत कश्मीर पर होगी. मतलब यह है कि भारत कश्मीर को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है तथा इसमें बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है.

Vikas Bhadu

मोदी की भूटान यात्रा

Vikas Bhadu

अपने दूसरे कार्यकाल के आरंभ में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17-18 अगस्त, 2019 को भूटान की राजकीय यात्रा, भारतीय विदेश नीति के दो महत्वपूर्ण मंतव्यों को दर्शाता है. **प्रथम** यह कि भारत ने 2014 में **'पड़ोस पहले'** की जिस नीति को आरंभ किया था, यह यात्रा उसी नीति को आगे बढ़ाने में सहायक है. अपने पहले कार्यकाल के आरंभ में प्रधानमंत्री मोदी ने इस नीति का आगाज किया था तो इसके क्रियान्वयन की दिशा में उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा जून 2014 में भूटान की ही की थी. **दूसरा,** भारत के व भूटान के बीच अन्यंत गहरे बहुआयामी सम्बन्ध हैं. दक्षिण एशिया में संभवतः भूटान ही एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ भारत के रिश्ते सदैव अच्छे रहे हैं. इन अच्छे सम्बन्धों के कारण दोनों देशों के बीच यह एक अघोषित परम्परा हो गई है कि दोनों नेता अपने कार्यकाल के आरंभ में ही एक-दूसरे के देश की यात्रा करते हैं. इसी परम्परा के अनुक्रम में भूटान के प्रधानमंत्री बनने के बाद **लोटे शेरिंग** ने अपनी पहली विदेश यात्रा पर दिसम्बर 2018 में भारत आए थे. 2008 में भूटान में लोकतंत्र की स्थापना के बाद दोनों देशों के बीच आपसी सम्बन्धों के नए आयाम खुले हैं.

बहुआयामी सम्बन्धों का आधार—भारत-भूटान मित्रता और सहयोग संधि

भारत व भूटान के बीच ऐतिहासिक व विशिष्ट सबन्ध हैं. इन सम्बन्धों का आधार पूर्व काल से ही चला आ रहा है. ब्रिटिश शासन के दौरान भूटान और भारत की ब्रिटिश सरकार के बीच 1865 में सम्पन्न सिनचुला संधि के अन्तर्गत भूटान को भारत की अन्य देसी रियासतों की तरह एक रियासत का दर्जा प्रदान किया गया था. बाद में 1910 में एक अन्य संधि द्वारा यह व्यवस्था की गयी थी कि भारत सरकार भूटान के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन भूटान की सरकार वैदेशिक मामलों में भारत सरकार की सलाह को स्वीकार करेगी.

भारत की स्वतंत्रता के बाद दोनों देशों ने 1949 में **भारत-भूटान मित्रता और सहयोग संधि** पर हस्ताक्षर किए जो कि दोनो देशों के घनिष्ठ सम्बन्धों का आधार-स्तम्भ है. इस संधि में दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की हैं. भारत की सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए इस संधि की धारा 2 में यह कहा गया है कि **'भारत सरकार भूटान के आन्तरिक प्रशासन में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी तथा भूटान अपने बाह्य सम्बन्धों में भारत सरकार की सलाह मानने के लिए सहमत है.'** लेकिन फरवरी 2007 में भूटान सम्राट जिग्मे केसर नामग्याल वांगचुक की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने संधि की इस धारा को संशोधित कर दिया था. वर्तमान व्यवस्था यह है कि **"भूटान और भारत के मध्य घनिष्ठ मित्रता और सहयोग को ध्यान में रखते हुए दोनों देश अपने राष्ट्रीय हितों से जुड़े हुए मुद्दों पर सहयोग करेंगे. दोनों में से कोई भी देश एक-दूसरे की राष्ट्रीय सुरक्षा व हितों के लिए हानिकारक गतिविधियों के लिए अपने क्षेत्र का प्रयोग नहीं होने देंगे."** इसके साथ ही संधि की प्रस्तावना में यह नई बात जोड़ दी गयी है कि दोनों देश एक-दूसरे की स्वतंत्रता, सम्प्रभुता तथा क्षेत्रीय अखण्डता के प्रति सम्मान हेतु वचनबद्ध हैं. उक्त संशोधनों का मूल तत्व यह है कि दोनों देश एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों के लिए अपने क्षेत्र का प्रयोग नहीं होने देंगे तथा एक-दूसरे की स्वतंत्रता व सम्प्रभुता का सम्मान करेंगे.

वर्तमान में भारत व भूटान के बीच विकास साझेदारी, व्यापार व निवेश पर्यटन जलविद्युत विकास, सामरिक मामले आदि के क्षेत्रों में दोनों के बीच सहयोग तेजी से मजबूत हुआ है. भारत, भूटान का सबसे बड़ा साझीदार तथा निवेशक देश है. भूटान जाने वाले पर्यटको में भारतीयों की संख्या सवार्धिक है. भारत भूटान की पंचवर्षीय विकास परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ-साथ वहाँ जल विद्युत् के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक मामलों में भूटान भारत का एक भरोसेमंद समर्थक रहा है.

आर्थिक सम्बन्ध—भूटान और भारत के मध्य व्यापार, जलविद्युत् परियोजनाएं तथा विकास-सहायता, आर्थिक सम्बन्धों के महत्वपूर्ण पहलू हैं. जहाँ तक व्यापार का सम्बन्ध है, भारत-भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है. भूटान के कुल आयात में भारत का हिस्सा 80 प्रतिशत है जबकि उसके निर्यात में भारत का हिस्सा 94 प्रतिशत है. पिछले एक दशक में दोनों देशों के मध्य व्यापार में 4 गुना बढ़ोत्तरी हुई है. भूटान द्वारा भारत को मुख्यतः विद्युत् आपूर्ति, धातुएं, रसायन, सीमेन्ट, जमी लकड़ी, फल, सिल्क व रबर आदि का निर्यात किया जाता है, जबकि भारत भूटान को मशीनरी, आटोमोबाइल, खाद्य पदार्थ, खनिज धातुएं, पेट्रोलियम पदार्थ आदि का निर्यात करता है. भारत, भूटान को उसके व्यापार के लिए भारत के सोलह स्थानों पर पारगमन की सुविधा उपलब्ध करा रहा है. चूँकि भूटान एक भू-आवेशित राज्य है अतः पारगमन सुविधा के द्वारा उसके बाह्य व्यापार को बढ़ाने में सहायता प्राप्त होती है.

आर्थिक सम्बन्धों का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भारत द्वारा दी जाने वाली विकास सहायता है. दक्षिण एशिया में भारत द्वारा जो विकास सहायता प्रदान की जाती है उसमें भूटान का हिस्सा सबसे अधिक है. भूटान में पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से विकास कार्यक्रमों को लागू किया जाता है. अब तक भारत की सहायता से 12 पंचवर्षीय योजनाओं को क्रियान्वित किया जा चुका है. इसके अतिरिक्त भारत ने भूटान में अब तक 1260 लघु विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है. भारत भूटान के ढांचागत विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई रहा है. भारत द्वारा संचालित बड़ी ढांचागत परियोजनाओं में पेण्डन सीमेन्ट प्लांट, पारो एयरपोर्ट, हाइवेज, विद्युत् वितरण प्रणाली, खनिज उत्पादन आदि शामिल हैं.

भारत-भूटान जलविद्युत् सहयोग

भूटान जल विद्युत् संसाधनों से सम्पन्न देश है. जल विद्युत् संसाधनों का विकास जहाँ भूटान के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है वहीं इस क्षेत्र में पारस्परिक साझीदारी से भारत को ऊर्जा सुरक्षा भी प्राप्त होती है. भारत, भूटान में कई 2000 मेगावाट क्षमता की संयुक्त जल विद्युत् परियोजनाओं को पूरा कर चुका है. इन परियोजनाओं में प्रमुख है 1020 मेगावाट की **ताला जल विद्युत् परियोजना,** 336 मेगावाट की **चुक्खा जल विद्युत् परियोजना** तथा 60 मेगावाट की **कुरीछू जल विद्युत् परियोजना** आदि. वर्तमान में भारत, भूटान में **पुनासांग्छू** प्रथम व द्वितीय तथा **खोलोंग्छू** जलविद्युत् परियोजनाओं पर काम कर रहा है तथा **सन्कोस** परियोजना पर बातचीत चल रही है. भारत की प्राइवेट ऊर्जा कम्पनी टाटा पावर भी इन परियोजनाओं में भागीदारी कर रहा है. इन परियोजनाओं से भूटान के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी.

मोदी की भूटान यात्रा, अगस्त 2019

मोदी ने 17-18 अगस्त, 2019 को भूटान की राजकीय यात्रा की जो अत्यंत सद्भावपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई. भूटान के पारो हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री लोवाय शेरिंग ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया. दोनों नेताओं के बीच दो बार—एक बार प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में तथा दूसरी बार अकेले में विभिन्न द्विपक्षीय व बहुपक्षीय मामलों पर चर्चा की. इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान नरेश **जिग्में खेसर नाम्याल वांगचुक** से भी शिष्टाचार भेंट की. दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने यह स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय यात्राएं दोनों के विशिष्ट सम्बन्धों का मुख्य आयाम है. दोनों नेताओं ने आपसी हित तथा

सम्मान पर आधारित ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, विकास साझेदारी तथा लोगों के बीच आपसी सम्बन्धों पर सन्तोष व्यक्त किया. मोदी ने रायल भूटान विश्वविद्यालय के छात्रों को भी सम्बोधित किया. मोदी थिम्पू के ऐतिहासिक **सेम्तोखा डांग मन्दिर** भी गए जहाँ भूटान की संस्थापक **झाबड्रुंग नवांग नामग्याल** की प्रतिमा भी स्थापित है. दोनों नेताओं ने 17 अगस्त, 2019 को, जो संयुक्त वक्तव्य जारी किया, उसके महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नलिखित हैं–

Vikas Bhadu

1. दोनों देशों ने अपने साझा सुरक्षा हितों को दोहराते हुए उनकी पूर्ति के लिए घनिष्ठ समन्वय पर विशेष बल दिया. उल्लेखनीय है कि जब जून 2017 में चीन ने भूटान के **डोकलम पठार** पर निर्माण कार्य प्रारंभ किया था, तो भारत ने भूटान के अनुरोध पर वहाँ चीनी सेनाओं को रोकने का प्रयास किया था. इससे भारत व चीन के बीच सैनिक तनातनी का भी माहौल रहा था.

2. प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के आर्थिक व ढांचागत विकास में भारत के सहयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया तथा भूटान की **सकल खुशहाली इण्डेक्स** की विचारधारा पर आधारित विकास की सराहना की. उल्लेखनीय है कि भूटान विश्व में **एकमात्र ऐसा देश** है जो **सकल खुशहाली इण्डेक्स** को विकास का मापदण्ड मानता है. शेरिंग ने भूटान की 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए भारत के सहयोग पर आभार व्यक्त किया.

3. दोनों देशों ने स्वीकार किया कि भूटान में जलविद्युत् का विकास, दोनों के लिए आपसी लाभकारी क्षेत्र है. इस अवसर पर दोनों प्रधानमंत्रियों ने 720 मेगावाट की **मांग्देछू जलविद्युत् परियोजना** का उद्घाटन किया. इसके साथ ही भारत अभी तक भूटान में 2000 मेगावाट की जलविद्युत् क्षमता का निर्माण कर चुका है.

4. मोदी ने दोनों देशों के पर्यटकों व व्यापारियों की सुविधा के लिए भारत द्वारा जारी रूपे कार्ड जारी किया. भारतीय प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा छोड़े गए **दक्षिण एशिया सैटेलाइट** के उपयोग के लिए भूटान में इसके ग्राउण्ड स्टेशन का लोकार्पण किया. अन्तरिक्ष में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत, भूटान के लिए एक रिमोट सेन्सिग सैटेलाइट बनाने में सहायता करेगा. इसके साथ ही डिजिटल प्रौद्योगिकी सहित अन्य तकनीकी क्षेत्रों में भी दोनों देशों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई.

5 दोनों देशों के बीच ज्ञान व सूचना का आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए भारत के **नेशनल नॉलेज नेटवर्क तथा भूटान के रिसर्च व एजूकेशन नेटवर्क** के बीच एक साझालिंक नेटवर्क का उद्घाटन किया गया.

6. दोनों नेताओं ने आपसी व्यापार व निवेश बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. उल्लेखनीय है कि भारत नेपाल के साथ व्यापार को बढ़ाने के लिए सस्ते ऋण तथा भूटानी करेन्सी में व्यापार की सुविधा सहित अन्य रियायतें प्रदान करता है.

निष्कर्ष

दोनों के मध्य अभी तक कोई बड़ा राजनीतिक विवाद समाने नहीं आया है. छोटे-मोटे द्विपक्षीय विवादों को आपसी विचार-विमर्श के द्वारा सुलझाया गया है. भूटान के सम्बन्ध में भारत की मुख्य चिन्ता चीन के घुसपैठ व प्रभाव की है. अन्य पड़ोसी देशों की भांति भूटान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय कोई भी राजनीतिक दल, चीन के निकट जा सकता है. दूसरी चिन्ता भूटान में रह रहे 4 हजार तिब्बती शरणार्थियों के भविष्य को लेकर है. ये शरणार्थी 1959 से वहाँ निवास कर रहे हैं. चीन के दबाव में आकर भूटान की राष्ट्रीय सभा ने 1979 में यह प्रस्ताव पारित किया था कि ये शरणार्थी भूटान की नागरिकता ग्रहण कर ले अन्यथा उन्हें तिब्बत वापस भेज दिया जाए. भारत ऐसा नहीं चाहता है क्योंकि इन शरणार्थियों को भूटान की नागरिकता देने पर तिब्बत की स्वायत्ता का दावा कमजोर हो जाएगा. दूसरी तरफ, यदि उन्हें तिब्बत भेज दिया जाता है तो वहाँ उनके राजनीतिक अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे. **तीसरा,** भूटान अपने वैदेशिक सम्बन्धों का अन्य देशों के साथ विस्तार करना चाहता है. भारत इस मामले में संवेदनशील है. **फिर भी दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक व बहुआयामी घनिष्ठ सम्बन्धों को मजबूत बनाने के लिए यह यात्रा अत्यधिक महत्वपूर्ण है.** ●●●

आतंकवाद को कैसे परिभाषित करें ?

आतंकवाद को परिभाषित करना कठिन है. लेकिन उसकी परिभाषा को व्यवहार में लागू करना और भी कठिन है. इसमें मुख्य कठिनाई आतंकवाद में निहित भय व हिंसा को लेकर नहीं है. असली कठिनाई इस भय व हिंसा के उद्देश्य को लेकर है. उदाहरण के लिये हम भगत सिंह को क्रान्तिकारी मानते हैं, लेकिन ब्रिटिश शासन के लिए वे एक आतंकवादी थे. गाजा पट्टी में सक्रिय हमास समूह फिलिस्तीनियों के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है लेकिन इजराइल के लिए वे आतंकवादी हैं. इसी कारण संयुक्त राष्ट्र की महासभा में से 1996 से लम्बित आतंकवाद के विरुद्ध व्यापक अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय या कानून को अभीतक पारित नहीं किया जा सका है. यद्यपि संयुक्त राष्ट्र द्वारा अभी तक आतंकवाद के विरुद्ध 11 कानूनों का निर्माण किया जा चुका है. फिर भी विभिन्न देशों व विद्वानों ने आतंकवाद को परिभाषित करने का प्रयास किया है. ***अमरीका के कोड 18 के अध्याय 113 बी में अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के तीन तत्व बताए गए हैं–***

1. ऐसा हिंसक कार्य जो राज्य के कानूनों का उल्लंघन करता हो तथा मानव जीवन के लिए घातक हो.

2. व्यापक विध्वंस का ऐसा कार्य जो सरकार की गतिविधियों को बाधित करता हो.

3. ऐसा हिंसक कार्य जिसका लक्ष्य अथवा कार्यस्थल दूसरे देश में स्थित को.

इसी तरह भारत के ***टाडा कानून*** *(1985) में भी आतंकवाद को परिभाषित करने का प्रयास किया गया था;* ***इसके अनुसार आतंकवाद के अन्तर्गत वे सभी गतिविधियाँ आती हैं जिनमें घातक हथियारों के माध्यम से हिंसा द्वारा सरकार को भयभीत करने अथवा जनता को आतंकित करने का प्रयास किया जाता है.***

इस प्रकार आतंकवाद की एक प्रमुख विशेषता उसमें हिंसा के साथ-साथ ***अनिश्चितता*** *तथा गोपनीयता के तत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं. 1980 के दशक में पंजाब में आतंकवाद के सम्बन्ध में वहाँ के पुलिस महानिरीक्षक के. पी. एस. गिल ने कहा था कि आतंकवादियों को अपना लक्ष्य हिट करने लिए केवल एक बार सफल होना पर्याप्त है, लेकिन सुरक्षा बलों को उनसे बचाव के लिए निरन्तर सफल होना आवश्यक है. आतंकवाद आज एक वैश्विक चुनौती है. अतः विद्वानों ने भी इसे समझने का प्रयास किया है.*

आतंकवाद के प्रसिद्ध विद्वान रैपापोर्ट (2001) *के अनुसार आधुनिक युग में आतंकवाद के चार रूप पाए जाते हैं–1881 से 1914 तक यूरोप का अराजकतावादी आतंकवाद; 1920 से 1960 तक उपनिवेशवादी शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता आन्दोलनों का आतंकवाद; 1960 से 1990 तक उग्र दक्षिणपंथी तथा उग्र बामपंथी विचारधाराओं का आतंकवाद;* ***तथा 1990 से अब तक फैल रहा धार्मिक आतंकवाद.*** *इन चारों में* ***धार्मिक आतंकवाद सबसे घातक है क्योंकि इसका लक्ष्य अस्पष्ट तथा व्यापक है, जो धार्मिक व्यवस्था की स्थापना में निहित है तथा इसका प्रेरणा स्रोत कोई सीमित विचारधारा न होकर धार्मिक विश्वास है. अतः बातचीत से इसका समाधान की गुंजाइस नहीं है.*** *जबकि इसके पहले के राजनीतिक आतंकवाद का लक्ष्य सीमित था जिसका राजनीतिक समाधान हो सकता था.*

धार्मिक आतंकवाद का मुख्य केन्द्र पाकिस्तान से लेकर मध्यपूर्व तक का क्षेत्र है. 2001 में अमरीका ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई की घोषणा की थी, लेकिन यह चुनौती आज भी बनी हुई है. आज धार्मिक आतंकवाद का भर्ती व वित्तीय नेटवर्क विश्वव्यापी है तथा इसमें संचार के आधुनिक साधनों का भी प्रयोग किया जा रहा है.

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व

Vikas Bhadu

देवपाल

देवपाल धर्मपाल का पुत्र एवं पाल वंश का उत्तराधिकारी था. देवपाल 810 ई. के लगभग पाल वंश की गद्दी पर बैठा. देवपाल ने लगभग 810 से 850 ई. तक सफलतापूर्वक राज्य किया. उसने 'प्राग्यज्योतिषपुर' (असम), उड़ीसा एवं नेपाल के कुछ भाग पर अधिकार कर लिया था. देवपाल की प्रमुख विजयों में गुर्जर प्रतिहार शासक मिहिरभोज पर प्राप्त विजय सर्वाधिक महत्वपूर्ण थी. अरब यात्री सुलेमान ने देवपाल को राष्ट्रकूट एवं प्रतिहार शासकों में सबसे अधिक शक्तिशाली बताया है. देवपाल ने 'मुंगेर' में अपनी राजधानी स्थापित की थी. 'बादल स्तम्भ' पर उत्कीर्ण लेख इस बात का दावा करता है कि ''उत्कलों की प्रजाति का सफाया कर दिया, हूणों का घमण्ड खण्डित किया और द्रविड़ तथा गुर्जर शासकों के मिथ्याभिमान को ध्वस्त कर दिया.'' प्रशासनिक कार्यों में देवपाल को अपने योग्य मंत्री 'दर्भपणि' तथा 'केदार मिश्र' से सहायता प्राप्त हुई तथा उसके सैनिक अभियानों में उसके चचेरे भाई 'जयपाल' ने उसकी सहायता की थी. देवपाल भी बौद्ध था, उसे भी 'परमसौगात' कहा गया है. जावा के शैलेन्द्र वंशी शासक 'वालपुदेव' के अनुरोध पर देवपाल ने उसे बौद्ध विहार बनवाने के लिए पाँच गाँव दान में दिए थे. उसने 'नगरहार' (जलालाबाद) के प्रसिद्ध विद्वान् 'वीरदेव' को 'नालन्दा विश्वविद्यालय' का प्रधान आचार्य नियुक्त किया.

इब्राहिमशाह शर्की

इब्राहिमशाह शर्की जौनपुर के शर्की वंश का सबसे योग्य शासक था. उसने 1402-1440 ई. तक राज्य किया था. मलिक करनफूल मुबारकशाह की मृत्यु के बाद 1402 ई. में इब्राहिम 'शम्सुद्दीन इब्राहिमशाह' की उपाधि से गद्दी पर बैठा. राजनीतिक उपलब्धि के क्षेत्र में शून्य रहते हुए भी सांस्कृतिक दृष्टि से उसका समय काफी महत्वपूर्ण रहा. इसके समय में जौनपुर एक महान् सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में उभरा. इब्राहिमशाह शर्की हिन्दू धर्म के प्रति काफी सहिष्णु था तथा उसने हिन्दुओं को संरक्षण भी दिया था. उसे स्थापत्य कला के क्षेत्र में 'जौनपुर' व 'शर्की शैली' का जन्मदाता माना जाता है. 1408 ई. में इब्राहिमशाह ने पूरा किया. इब्राहिमशाह ने जामा मस्जिद एवं बड़ी मस्जिद का निर्माण प्रारम्भ कराया, इसे हुसेनशाह ने पूरा किया. अपनी सांस्कृतिक उन्नति के कारण जौनपुर को भारत का सिराज कहा गया. हुसैनशाह शर्की के काल में बहलोल लोदी ने जौनपुर को (1483–84 ई.) दिल्ली सल्तनत में मिला दिया. लगभग 1440 ई. में इब्राहिमशाह की मृत्यु हो गई.

चैतन्य महाप्रभु

श्री चैतन्य महाप्रभु का जन्म बंगाल के नवद्वीप या नदिया (बंगाल) नामक ग्राम में

शक संवत 1407 की फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा को हुआ था. चैतन्य भक्तिकाल के प्रमुख संतों में से एक थे. इनके पिता का नाम श्री जगन्नाथ मिश्र और माता का नाम शची देवी था. चैतन्य का वास्तविक नाम विश्वंभर था पर बाल्यावस्था में इनका नाम निमाई था. यह भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त थे. इन्हें लोग श्रीराधा का अवतार मानते हैं. श्री चैतन्य महाप्रभु विलक्षण प्रतिभा के धनी थे. न्यायशास्त्र में इनको प्रकांड पांडित्य प्राप्त था. चौबीस वर्ष की अवस्था में श्री चैतन्य महाप्रभु ने गृहस्थाश्रम का त्याग करके संन्यास लिया. इनके गुरु का नाम श्रीकेशव भारती था.

इन्होंने वैष्णवों के गौड़ीय संप्रदाय की आधारशिला रखी तथा जात-पाँति व ऊँच-नीच की भावना से दूर रहने की शिक्षा दी. इन सबके अलावा विलुप्त वृंदावन को फिर से बसाया. चैतन्य के बारे में जानकारी वृंदावनदास द्वारा रचित चैतन्य भागवत नामक ग्रंथ से मिलती है. गौरवर्ण का होने के कारण इन्हें गौरांग, गौर हरि आदि नामों से भी जाना जाता है. चैतन्य ने ईश्वर को कृष्ण या विष्णु का अवतार माना है तथा इन्हें गौरांगमहाप्रभु के नाम से पूजते हैं. चैतन्य ने भक्ति में कीर्तन को मुख्य स्थान दिया. उड़ीसा नरेश प्रताप रुद्र गजपति उनके शिष्य थे. उनके संरक्षण में चैतन्य स्थायी रूप से पुरी में रहे और वहीं इनका देहावसान हुआ.

गुरु अंगददेव

गुरु अंगददेव सिख धर्म में मनुष्य के रूप में आध्यात्मिक गुरु का दर्जा पाने वाले 10 गुरुओं में से एक हैं. वे सिखों के दूसरे गुरु हैं.

गुरु अंगददेव का जन्म 1504 में अमृतसर, पंजाब के हरिका गाँव में हुआ था.

उनके पिता फेरुमल और माता रामोजी थीं, जिन्हें दया कौर के नाम से भी जाना जाता है. फेरुमल एक व्यापारी थे. अंगददेव का पूर्व नाम लहना था. एक सामान्य हिन्दू परिवार में जन्मे लहना बचपन से ही आध्यात्मिक प्रवृत्ति के थे और 27 वर्ष की उम्र तक वे दुर्गा के महान् उपासक बन चुके थे. इन्हीं दिनों उन्हें गुरु नानक के एक सिख भाई जोधा से गुरु नानक की वाणी का पाठ सुनने का मौका मिला. इससे प्रभावित होकर उन्होंने कीरतपुर जाकर गुरु नानक से मिलने का निश्चय किया. एक बार की मुलाकात ने ही लहना की जिंदगी बदल दी उन्होंने गुरु नानक का शिष्य बनने का फैसला किया. वे गुरु नानक एवं उनके उद्देश्य के लिए समर्पित हो गए. उनके शिष्यत्व को गुरु नानकदेव ने स्वयं विभिन्न परीक्षणों से जाँचा. जिसके बाद उन्हें गुरु और मानवता के प्रति आज्ञाकारिता और सेवा के अवतार के रूप में जाना जाने लगा. निधन से पहले, गुरु नानकदेव ने लहना का नाम बदलकर अंगद (अंग या खुद के शरीर का अंग) रखा और उन्हें 13 जून, 1539 को अपने उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित किया.

उन्होंने अपने स्वयं के आचरण के माध्यम से मानवता के लिए निष्काम सेवा, गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण और ईश्वर की इच्छा को प्रदर्शित किया, गुरु अंगददेव ने धार्मिक पाखंड को अस्वीकार किया. गुरु नानक देव द्वारा शुरू की गई लंगर की संस्था को बनाए रखा और विकसित किया. गुरु अंगददेवजी ने पंजाबी लिपि 'गुरुमुखी' का आविष्कार किया था. उनके प्रयासों से ही गुरु नानकदेव की वाणी को लेखों के रूप में संजोया जा सका. गुरु की पत्नी खीवीं व्यक्तिगत रूप से रसोई में काम करती थी. वे समुदाय के सदस्यों और मेहमानों को भोजन भी परोसा करती थीं. संस्था के प्रति उनकी भक्ति व समर्पण का उल्लेख गुरु ग्रंथ साहिब में मिलता है. गुरु अंगद ने व्यापक रूप से यात्राएं कीं और सिख पंथ के उपदेश के लिए कई नए केन्द्र स्थापित किए. आध्यात्मिक विकास के साथ ही शारीरिक विकास पर जोर दिए जाने के

लिए मल्ल अखाड़ा की परम्परा शुरू की. गुरु नानक की परम्परा का निर्वाह करते हुए, 1552 में गुरु अंगददेव ने परिनिर्वाण से पहले गुरु अमरदास को सिखों के तीसरे गुरु के रूप में नामित किया.

Vikas Bhadu

मिर्ज़ा ग़ालिब

मिर्ज़ा ग़ालिब का जन्म 27 दिसम्बर, 1979 को आगरा के काला महल में हुआ था. उनके पिता का नाम मिर्ज़ा अब्दुल्लाह

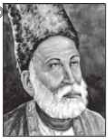

बेग खान और माता का नाम इज्जत निसा बेगम था. मिर्ज़ा ग़ालिब का असल नाम मिर्ज़ा असद-उल्लाह बेग खान था. उनके पूर्वज भारत में नहीं बल्कि तुर्की में रहा करते थे. सन् 1750 में इनके दादा मिर्ज़ा क़ोबान बेग खान समरकंद छोड़कर भारत में आकर बस गए. मिर्ज़ा अब्दुल्लाह बेग खान (मिर्ज़ा, ग़ालिब के पिता) ने आगरा की इज़्ज़त निसा बेगम से निकाह किया और वह ससुर के घर में साथ रहने लग गए. उनके पिता लखनऊ में निजाम के यहाँ काम किया करते थे. मात्र 5 वर्ष की उम्र में वर्ष 1803 में इनके पिता की मृत्यु हो गई. जिसके बाद कुछ वर्षों तक मिर्ज़ा अपने चाचा मिर्ज़ा नसरुल्ला बेग खान जोकि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी में सैन्य अधिकारी थे, के साथ रहे. लेकिन कुछ समय बाद उनके चाचा की भी मृत्यु हो गई. छोटे से मिर्ज़ा ग़ालिब का जीवनयापन चाचा की आने वाली पेंशन से होने लगा.

मिर्ज़ा ग़ालिब की शिक्षा के बारे में कोई पर्याप्त जानकारी नहीं है. जितनी भी जानकारी मिलती हैं उनके द्वारा लिखी गई शायरियों में मिलती हैं. मिर्ज़ा द्वारा ज्यादातर गजल फारसी और उर्दू में लिखी गई हैं. जोकि पारम्परिक भक्ति और सौन्दर्य रस से भरपूर हैं.

13 वर्ष की उम्र में मिर्ज़ा ग़ालिब का निकाह 11 वर्ष की उमराव बेगम से हो गया था. मिर्ज़ा ग़ालिब के वैवाहिक जीवन में एक दु:खद पक्ष यह भी हैं कि ग़ालिब को 7 संतानें हुई थीं, लेकिन उन सातों बच्चों में से एक भी बच नहीं पाया. शादी होने के बाद मिर्ज़ा अपनी बेगम और भाई मिर्ज़ा यूसुफ खान के साथ दिल्ली आ गए. दिल्ली आने के बाद उन्हें यह पता चला कि मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के बेटे फ़क्र-उद-दिन मिर्ज़ा को शेर-शायरियाँ सिखाने के लिए एक शायर की जरूरत है. जिसके बाद मिर्ज़ा ग़ालिब बहादुर शाह जफर के बड़े बेटे को शेर-ओ-शायरी की गहराइयों की तालीम देने लगे. 1850 में शहंशाह बहादुरशाह ज़फ़र ने मिर्ज़ा गालिब को दबीर-उल-मुल्क और नज़्म-उद-दौला के खिताब से नवाज़ा. बाद में उन्हें मिर्ज़ा नोशा का खिताब भी मिला. 1857 की क्रान्ति के बाद मिर्ज़ा ग़ालिब की ज़िन्दगी पूरी तरह बदल गयी. स्वतन्त्रता संग्राम में मुग़ल सेना को ब्रिटिश राज से हार मिली, जिसके बाद बहादुर शाह को अंग्रेजों ने रंगून भेज दिया. जिससे मुग़ल दरबार नष्ट हो गया. मिर्ज़ा को भी आय मिलना बंद हो गई. इस दौरान मिर्ज़ा ग़ालिब के पास खाने के भी पैसे नहीं बचे. वह छोटे-छोटे समारोह में जाकर अपनी शायरियों से लोगों को प्रभावित करने लग गए. मिर्ज़ा में अपने जीवन की बेहतरीन शायरियाँ इसी समय में लिखी इसी कारण मिर्ज़ा को आम लोगों का शायर भी कहा गया. 15 फरवरी, 1869 को मिर्ज़ा ग़ालिब की मृत्यु हो गई.

रबीन्द्रनाथ टैगोर

कवि, नाटककार, उपन्यासकार, लघु कहानी लेखक, संगीतकार, कलाकार, अभिनेता, निर्देशक दार्शनिक का जन्म 7 मई,

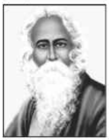

1861 को कोलकाता में जोरासंको हवेली में हुआ था. रबीन्द्रनाथ अपने माता-पिता की तेरहवीं संतान थे. बचपन में उन्हें प्यार से 'रबी' बुलाया जाता था. 8 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी पहली कविता लिखी, 16 वर्ष की उम्र में उन्होंने कहानियाँ और नाटक लिखना प्रारम्भ कर दिया था. बचपन में उन्हें अपने पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर के साथ हिमालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में घूमने का मौका मिला. इन यात्राओं में रबीन्द्रनाथ टैगोर को कई तरह के अनुभवों से गुजरना पड़ा और इसी दौरान वह प्रकृति के नजदीक आये. रबीन्द्रनाथ चाहते थे कि विद्यार्थियों को प्रकृति के सानिध्य में अध्ययन करना चाहिए. उन्होंने इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए शांतिनिकेतन की स्थापना की. साहित्य की शायद ही कोई विधा हो जिनमें उनकी रचनाएं नहीं हों. उन्होंने कविता, गीत, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि सभी विधाओं में रचना की. उनकी कई कृतियों का अंग्रेजी में भी अनुवाद किया गया है. अंग्रेजी अनुवाद के बाद पूरा विश्व उनकी प्रतिभा से परिचित हुआ. रबीन्द्रनाथ के नाटक भी अनोखे हैं. वे नाटक सांकेतिक हैं. उनके नाटकों में डाकघर, राजा, विसर्जन आदि शामिल हैं.

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ एक मानवतावादी विचारक थे. वे भारत ही नहीं एशिया के पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. 1913 में अपनी कविता संग्रह गीतांजलि के लिए साहित्य में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया. 1915 में उन्हें नाइट की पदवी से सम्मानित किया गया, लेकिन जलियाँवाला बाग नरसंहार के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन के रूप में 1919 में उन्होंने इसे लौटा दिया. उनकी रचनाओं को दो देशों ने अपना राष्ट्रगान बनाया. बांग्लादेश के राष्ट्रगान के रचयिता भी टैगोर ही थे.

रबीन्द्रनाथ ने 2 हजार से अधिक गीतों की भी रचना की. रबीन्द्र संगीत बांग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत से प्रभावित उनके गीत मानवीय भावनाओं के विभिन्न रंग पेश करते हैं. गुरुदेव बाद के दिनों में चित्र भी बनाने लगे थे. रबीन्द्रनाथ ने अमरीका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की थीं. इस दौरान उनकी प्रसिद्ध फ्रांसीसी साहित्यकार रोमां रोला से भी मुलाकात हुई थी. 7 अगस्त, 1941 को देश की इस महान् विभूति का देहावसान हुआ.

वासुदेव बलवंत फड़के

वासुदेव बलवंत फड़के का जन्म 4 नवम्बर, 1845 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के शिरढोणे गाँव में हुआ था. ब्रिटिश सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का संगठन करने वाले फड़के भारत के पहले क्रांतिकारी थे. उन्होंने 1857 के प्रथम

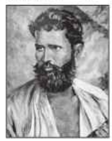

स्वतंत्रता संग्राम की विफलता के बाद आजादी के महासमर की पहली चिनगारी जलाई थी. प्रारम्भिक शिक्षा के बाद उनके पिता चाहते थे कि वह एक दुकान पर काम करें, लेकिन उन्होंने पिता की बात नहीं मानी और मुम्बई आ गए. उन्होंने जंगल में एक अभ्यास स्थल बनाया, जहाँ ज्योतिबाफुले और लोकमान्य तिलक भी उनके साथी थे. यहाँ लोगों को हथियार चलाने का अभ्यास कराया जाता था. 1871 में उनको सूचना मिली कि उनकी माँ की तबियत खराब है, उन दिनों वे अंग्रेजों की एक कम्पनी में काम कर रहे थे. वे अवकाश माँगने गए, लेकिन नहीं मिला. अवकाश नहीं मिलने के बाद भी फड़के अपने गाँव चले गए, लेकिन तब तक माँ की मृत्यु हो चुकी थी. इस घटना ने उनके मन में अंग्रेजों के खिलाफ गुस्सा भर दिया. फड़के ने नौकरी छोड़ दी. अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति की तैयारी करने लगे. उन्होंने आदिवासियों की सेना संगठित करने की कोशिश शुरू कर दी. उन्होंने पूरे महाराष्ट्र में घूम-घूम कर नवयुवकों से विचार-विमर्श किया और उन्हें संगठित करने का प्रयास किया. महाराष्ट्र की कोली, भील तथा धांगड़ जातियों को एकत्र कर उन्होंने 'रामोशी' नाम का क्रान्तिकारी संगठन खड़ा

किया. अपने इस मुक्ति संग्राम के लिए धन एकत्र करने के लिए उन्होंने धनी अंग्रेज साहूकारों को लूटा.

1879 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह की घोषणा कर दी. पैसे एकत्र करने के लिए कई जगहों पर डाके भी डालने शुरू किए. महाराष्ट्र के 7 जिलों में वासुदेव फड़के का प्रभाव फैल चुका था. उनकी गतिविधि से अंग्रेज अफसर डर गए थे. अंग्रेज सरकार ने वासुदेव फड़के को जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर ₹ 50 हजार का इनाम घोषित किया, किन्तु दूसरे ही दिन मुम्बई नगर में वासुदेव के हस्ताक्षर से इश्तहार लगा दिए गए कि जो अंग्रेज अफसर 'रिचर्ड' का सिर काटकर लाएगा, उसे ₹ 75 हजार का इनाम दिया जाएगा. अंग्रेज अफसर इससे और भी बौखला गए. अंग्रेज उनके पीछे पड़ गए. 20 जुलाई, 1879 को फड़के बीमारी की हालत में एक मंदिर में आराम कर रहे थे. उसी समय उनको गिरफ्तार कर लिया गया. उनके खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया और कालापानी की सजा देकर अंडमान भेज दिया गया. 17 फरवरी, 1883 को कालापानी की सजा काटते हुए जेल के अंदर ही देश का वीर सपूत शहीद हो गया.

Vikas Bhadu

मोरारजी देसाई

स्वतन्त्रता सेनानी मोरारजी देसाई आजाद भारत के चौथे प्रधानमंत्री थे. देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने और 1977 से 1979 तक वह इस पद पर रहे. वह देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा अन्य दल से थे. वह पहले कांग्रेस में थे, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ दी. हालांकि, वह प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए. चौधरी चरणसिंह से मतभेदों के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था. मोरारजी देसाई जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की सरकार में कैबिनेट में शामिल रहे थे.

मोरारजी देसाई का जन्म 29 फरवरी, 1896 को गुजरात के भदेली गाँव में हुआ था. उनके पिता एक स्कूल शिक्षक थे. बचपन से ही उन्होंने अपने पिता से कड़ी मेहनत और सच्चाई के मूल्यों को सीखा. उन्होंने शुरूआती पढ़ाई सेंट बुसर हाई स्कूल से की और यहाँ से मैट्रिक की परीक्षा पास की. 1918 में तत्कालीन बॉम्बे प्रांत के विल्सन सिविल सर्विस से ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने बारह वर्षों तक डिप्टी कलेक्टर के रूप में काम किया.

वर्ष 1930 में जब भारत में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किया गया स्वतन्त्रता संग्राम बीच में था. उस वक्त देसाई ने ब्रिटिशर्स के खिलाफ बगावत का बिगुल फूँक दिया. उन्होंने सरकारी सेवा से इस्तीफा देकर आजादी के संघर्ष में उतरने का फैसला किया. यह एक कठिन निर्णय था, लेकिन देसाई ने महसूस किया कि जब देश की स्वतन्त्रता का सवाल ही, तो बाकी तकलीफें कमतर हो जाती हैं. उन्होंने स्वतन्त्रता के संघर्ष के दौरान लगभग 10 वर्ष जेल में बिताए. देश की आजादी के वक्त तक राष्ट्रीय राजनीति में देसाई का कद काफी बड़ा हो चुका था. मगर बावजूद इसके उन्होंने खुद को राज्य की राजनीति तक ही सीमित रखा. इसलिए 1952 में उन्हें बम्बई का मुख्यमंत्री बनाया गया. इस समय तक गुजरात और महाराष्ट्र बम्बई प्रोविंस के नाम से जाने जाते थे, लेकिन बाद में उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में अपने कदम बढ़ाने शुरू किए.

मोरारजी देसाई को पहले नेहरू की कैबिनेट में जगह मिली और बाद में इंदिरा गांधी की सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए. देसाई को 1956 में भारत सरकार में वाणिज्य और उद्योग मंत्री बनाया गया था. उन्होंने 1963 तक इस पद पर इस्तीफा देने तक काम किया. उन्हें 1967 में इंदिरा गांधी ने उपप्रधानमंत्री बनाया. 1969 में उन्होंने इंदिरा और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जाते हुए फिर से इस्तीफा दे दिया. 1975 में देश आपातकाल लगने के बाद उन्हें राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के चलते गिरफ्तार भी किया गया था. गिरफ्तार होने के बाद उन्हें 1977 तक एकान्त कारावास में रखा गया. इसके बाद वह कई दलों को शामिल कर बनाए गए गठबंधन जनता पार्टी में सक्रिय हो गए.

वर्ष 1977 में ही प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 19 महीने के आपातकाल के बाद दोबारा चुनाव कराने का ऐलान किया. 2 वर्ष के संघर्ष के पश्चात् देश की अवाम ने जनता पार्टी पर भरोसा जताया और इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर कर दिया. जनता पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में देसाई को चुना. 2 वर्ष के राजनीतिक तनाव के बाद जनता पार्टी के गठबंधन में दरारें पड़ने शुरू हो गईं. जिसके बाद संसद में अविश्वास प्रस्ताव से बचने के लिए देसाई ने 15 जुलाई, 1979 को प्रधानमंत्री पद से अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी. अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव से गुजरने के बाद मोरारजी देसाई ने 10 अप्रैल, 1995 को दुनिया को अलविदा कह दिया.

●●●

उपकार

Just Released

नर्सिंग
भर्ती परीक्षा

संविदा स्टाफ नर्स तथा विभिन्न नर्सिंग पदों के लिए उपयोगी

- Medical-Surgical Nursing
- Obstetrics & Gynaecology Nursing
- Psychiatry Nursing
- Paediatric & Community Nursing
- Female Head Nurses
- Female Staff Nurses
- Female Charge Nurses
- Medical Intensive Care Unit (MICU)
- Surgical Intensive Care Unit (SICU)
- New Born Intensive Care Unit (NICU)
- Pediatric Intensive Care Unit (PICU)
- OT/Gyn OT
- Emergency, Dialysis, Burns, Medical, Surgical and Pediatric Wards etc.

Code 2642 ₹ 190.00

पी. षणमुगम एवं के. एस. परिपूर्णमन

English Edition
Code 3012 ₹ 165/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

Vikas Bhadu

कला एवं संस्कृति

गवरी लोक नृत्य

मेवाड़ के भील समुदाय में आदिमकाल से चली आ रही एक लोक परम्परा गवरी (लोक नृत्य नाटिका) है, जो राजस्थान के उदयपुर संभाग के बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, राजसमंद और उदयपुर के कुछ गाँवों में चली आ रही है. भादों (भाद्रपद) की शुरूआत के साथ गवरी शुरू होती है, जो चालीस दिन तक चलती है. गवरी करने वाले कलाकारों के लिए यह दिन किसी तपस्या से कम नहीं. इस दौरान मांस-मदिरा त्याग दिया जाता है. इन दिनों वह जूते-चप्पल तक नहीं पहनते. बिना बिस्तर के ही सोते हैं और दिन में एक ही समय खाना खाते हैं. मेवाड़ में ठंडी राखी पर्व से चालीस दिवसीय गवरी नृत्य की परम्परा शुरू होती है.

इतिहासकार डॉ. महेन्द्र भाणावत ने बताया कि गवरी एक लोक नृत्य है, जो गाँव में खुशहाली लाने के लिए किया जाता है. विश्व में एकमात्र मेवाड़ ही है, जहाँ ये लोक परम्परा है. मानव जाति में भील सबसे पुरानी जाति है और गवरी इनकी आदिमकाल से चली आ रही लोक परम्परा है. यह नृत्य शिव-पार्वती को केन्द्र में रखकर किया जाता है. जिस गाँव में यह व्रत लिया जाता है, उस गाँव के हर आदिवासी घर से एक व्यक्ति यह व्रत करता है.

इससे पूरा गाँव जुड़ जाता है. व्रतधारी सवा महीने तक तपस्वी की तरह जीवन जीते हैं. गवरी नृत्य करने वाले हर उस गाँव में जाते हैं, जहाँ गाँव की बहन-बेटियों की शादी हुई होती है और वहाँ गवरी नृत्य करते हैं. इसमें मांदल और थाली के प्रयोग के कारण इसे राई नृत्य के नाम से जाना जाता है. गवरी केवल पुरुषों के द्वारा ही किया जाता है. गवरी का उद्भव शिव-भस्मासुर की कथा से माना जाता है. इसके खेलों में गणपति कानागुजरी, जोगी, लाखा बणजारा इत्यादि के खेल होते हैं.

विष्णुपद मंदिर

बिहार के गया में भगवान विष्णु के पदचिह्नों पर मंदिर बना है, जिसे विष्णुपद मंदिर कहा जाता है. पितृपक्ष के अवसर पर यहाँ श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है. इसे धर्मशिला के नाम से भी जाना जाता है. ऐसी भी मान्यता है कि पितरों के तर्पण के पश्चात् इस मंदिर में भगवान विष्णु के चरणों के दर्शन करने से समस्त दुःखों का नाश होता है एवं पूर्वज पुण्यलोक को प्राप्त करते हैं. इन पदचिह्नों का शृंगार रक्त चंदन से किया जाता है. इस पर गदा, चक्र, शंख आदि अंकित किए जाते हैं. यह परम्परा भी काफी पुरानी बताई जाती है, जोकि मंदिर में अनेक वर्षों से की जा रही है. फल्गु नदी के पश्चिमी किनारे पर स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं के अलावा पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है.

विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु का चरण चिह्न ऋषि मरीचि की पत्नी माता धर्मवत्ता की शिला पर है. राक्षस गयासुर को स्थिर करने के लिए धर्मपुरी से माता धर्मवत्ता शिला को लाया गया था, जिसे गयासुर पर रख भगवान विष्णु ने अपने पैरों से दबाया. इसके बाद शिला पर भगवान के चरण चिह्न हैं. माना जाता है कि विश्व में विष्णुपद ही एक ऐसा स्थान है, जहाँ भगवान विष्णु के चरण के साक्षात् दर्शन कर सकते हैं.

विष्णुपद मंदिर सोने को कसने वाला पत्थर कसौटी से बना है, जिसे जिले के अतरी प्रखंड के पत्थरकट्टी से लाया गया था. इस मंदिर की ऊँचाई करीब सौ फुट है. सभा मंडप में 44 पीलर हैं. 54 वेदियों में से 19 वेदी विष्णुपद में ही हैं, जहाँ पर पितरों के मुक्ति के लिए पिंडदान होता है. यहाँ वर्षों से पिंडदान होता है. यहाँ भगवान विष्णु के चरण चिह्न के स्पर्श से ही मनुष्य समस्त पापों से मुक्त हो जाते हैं.

विष्णुपद मंदिर के शीर्ष पर 50 किग्रा सोने का कलश और 50 किग्रा सोने की ध्वजा लगी है. गर्भगृह में 50 किग्रा चाँदी का छत्र और 50 किग्रा चाँदी का अष्टपहल है, जिसके अंदर भगवान विष्णु की चरण पादुका विराजमान है. इसके अलावा गर्भगृह का पूर्वी द्वार चाँदी से बना है. वहीं भगवान विष्णु के चरण की लम्बाई करीब 40 सेंटीमीटर है. 18वीं शताब्दी में महारानी अहिल्याबाई ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था, लेकिन यहाँ भगवान विष्णु के चरण सतयुग काल से ही हैं.

बालियात्रा

बालियात्रा ओडिशा में मनाया जाने वाला एक प्रमुख उत्सव है. यह उत्सव कटक नगर में महानदी के किनारे गडगडिया घाट पर मनाया जाता है. यह उत्सव उस दिन की स्मृति में मनाया जाता है जब प्राचीनकाल में ओडिशा के नाविक बाली, जावा, सुमात्रा, बोर्नियो और श्रीलंका आदि सुदूर प्रदेशों की यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे. 'बालियात्रा' का शाब्दिक अर्थ है 'बालि की यात्रा'. इन यात्राओं का उद्देश्य व्यापार तथा सांस्कृतिक प्रसार होता था, जिन नावों से वे यात्रा करते थे वे आकार में विशाल होती थीं और इन्हें 'बोइत' कहते थे. यह यात्रा कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होती है. बालियात्रा उत्कल के नौवाणिज्य का स्वर्णिम स्मारक है.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवधारणाएं

कोलिस्टिन

केन्द्र सरकार ने बीते 19 जुलाई को अधिसूचना जारी करके कोलिस्टिन और इसके फॉर्मूलेशन के दुधारू पशुओं, मुर्गे-मुर्गी, एक्वा फार्मिंग और पशुओं के आहार में प्रयोग करने पर रोक लगा दी है. अधिसूचना में कहा गया कि यह फैसला औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड की सिफारिश पर किया गया. मांस उत्पादन के लिए पशुओं को कोलिस्टिन वाले पौष्टिक आहार खिलाने से उनमें कोलिस्टिन की एंटीबॉडी विकसित हो गई है. केन्द्रीय दवा तकनीकी सलाहकार बोर्ड की जाँच में इसकी पुष्टि हुई है. इसके बाद केन्द्र सरकार ने पशु आहार में कोलिस्टिन के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया है.

कोलिस्टिन में स्टेरॉयड के गुण पाए जाते हैं. इसके सेवन से पशुओं का विकास तेजी से होता है. वे मांसल होते हैं. इसको देखते हुए ही पशुओं के लिए बनाए जाने वाले ज्यादातर पौष्टिक आहार में इस दवा का उपयोग हो रहा है. मुर्गीपालन केन्द्रों पर इस दवा का सर्वाधिक प्रयोग होता है. यह दवा मुर्गियों को बीमारी से बचाने के साथ ही उनके विकास को तेज कर देती है. मत्स्यपालक भी इसका प्रयोग करते हैं.

कोलिस्टिन को हार्डग्रेड एंटीबायोटिक्स की श्रेणी में रखा जाता है. आमतौर पर इसका प्रयोग अत्यंत गम्भीर बीमारियों में इलाज के लिए किया जाता है. पिछले कुछ वर्षों में हजारों मरीजों की पहचान हुई. केन्द्र सरकार के दवा तकनीकी सलाहकार बोर्ड की जाँच में इसकी पुष्टि हुई. इसके बाद बोर्ड ने कोलिस्टीन को प्रतिबंधित करने की सिफारिश की.

कोलिस्टिन का उपयोग तब होता है जब मरीज में दूसरी सभी एंटीबॉयोटिक्स फेल हो जाती हैं. यह ग्राम निगेटिव बैक्टीरिया पर सबसे ज्यादा असरकारक है. यह निमोनिया के अंतिम चरण में सबसे असरकारक दवा है.

Vikas Bhadu

पॉली-ऑक्सीम

किसानों द्वारा खेतों में रसायनों का छिड़काव करते समय कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं अपनाने से उनको विषैले कीटनाशकों का शिकार बनना पड़ता है. इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम सेल बायोलॉजी एण्ड रीजनरेटिव मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने त्वचा पर लगाने वाला 'पॉली-ऑक्सीम' नामक एक सुरक्षात्मक जैल बनाया है, जो जहरीले रसायनों को ऐसे सुरक्षित पदार्थों में बदल देता है, जिससे वे मस्तिष्क और फेफड़ों जैसे अंगों में गहराई तक नहीं पहुँच पाते हैं. शोधकर्ताओं ने एक ऐसा मुखौटा विकसित करने की योजना बनाई है, जो कीटनाशकों को निष्क्रिय कर सकता है. कीटनाशकों में मौजूद रसायनों के सम्पर्क में आने से तंत्रिका तंत्र में मौजूद असिटल्कोलिनेस्टरेस (AChE) एंजाइम प्रभावित होता है. यह एंजाइम न्यूरोमस्क्यूलर कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. त्वचा के जरिए कीटनाशकों के शरीर में प्रवेश करने पर जब इस एंजाइम की कार्यप्रणाली बाधित होती है, तो तंत्रिका तंत्र पर बुरा प्रभाव पड़ता है, जिससे मनुष्य संज्ञानात्मक रूप से अक्षम हो सकता है और गम्भीर मामलों में मौत भी हो सकती है. इस जैल को चूहों पर लगाने के बाद जब उन्हें घातक एमपीटी कीटनाशक के सम्पर्क में छोड़ा गया, तो उनके शरीर में मौजूद AChE एंजाइम के स्तर में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला. इससे वैज्ञानिकों को यकीन हो गया कि यह जैल त्वचा के जरिए शरीर में कीटनाशकों के प्रवेश को रोक सकता है.

विश्वम कैंसर केयर कनेक्ट

परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष डॉ. के. एन. व्यास ने आईएईए के 63वें आम सम्मेलन से इतर 17 सितम्बर, 2019 को एनसीजी विश्वम कैंसर केयर कनेक्ट का विएना में शुभारम्भ किया. इसके आधार पर नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) की स्थापना हुई और टाटा मेमोरियल सेंटर ने इसका प्रबंधन किया. इसमें भारत से 183 हितधारक हैं और इसे कैंसर अस्पतालों और विदेशों के अन्य सम्बन्धित संस्थानों के लिए खोला गया है. एनसीजी का उद्देश्य कैंसर के इलाज में असमानता को दूर करना है. एनसीजी 'विश्वम' से वैश्विक स्तर पर यही भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है. एनसीजी विश्वम भारत के राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) के साथ सहयोगी देशों में आवश्यक कैंसर देखभाल करता है. टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) द्वारा प्रबंधित एनसीजी की स्थापना 2012 में पूरे भारत में कैंसर की देखभाल के समान मानकों को बनाने के उद्देश्य से की गई थी और यह 183 कैंसर केन्द्रों तथा अस्पतालों के एक बड़े नेटवर्क के साथ विकसित हुआ है.

हैड ऑन जेनरेशन टेक्नोलॉजी (एचओजी)

एचओजी प्रणाली के अन्तर्गत गाड़ियों में प्रकाश, वातानुकूलन, पंखे और अन्य यात्री सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति की जाती है. विश्वभर में रेलवे इसी प्रणाली का इस्तेमाल करती है. इस प्रणाली के तहत् बिजली इंजन से प्राप्त की जाती है और बिजली उत्पादन करने के उपकरणों तथा डीजल इंजनों का इस्तेमाल नगण्य हो जाता है. रेलगाड़ियों में वातानुकूलन और बिजली आपूर्ति की प्रणाली को बदला जाना है. इस नए प्रौद्योगिकी परिवर्तन से प्रतिवर्ष लगभग ₹ 1400 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत होगी.

इस नई प्रौद्योगिकी को 'हैड ऑन जेनरेशन टेक्नोलॉजी' (एचओजी) कहा जाता है, जिसके तहत् ओवरहैड बिजली आपूर्ति का इस्तेमाल किया जाएगा. शोर करने और धुआँ निकालने वाले जेनरेटर कोचों का इस्तेमाल अब नहीं होगा. इनके स्थान पर अब एलएसएलआरडी (एलएचबी सेकण्ड लगेज, गार्ड और दिव्यांग कम्पार्टमेंट) होंगे. इस एलएसएलआरडी में ओवरहैड बिजली सप्लाई को इस्तेमाल करने की क्षमता होगी, जिससे पूरी गाड़ी को बिजली मिलेगी. इसके अलावा इसमें लगेज गार्ड रूम और अतिरिक्त यात्रियों के लिए भी जगह होगी. इस समय ₹ 36 प्रति यूनिट बिजली खर्च आता है तथा एचओजी से यह खर्च ₹ 6 प्रति यूनिट हो जाएगा.

वर्ष भर में सभी एलएचबी गाड़ियों को एचओजी प्रणाली में बदलने की योजना है. अब तक 342 गाड़ियों को एचओजी में बदला जा चुका है, जिसके कारण प्रतिवर्ष लगभग ₹ 800 करोड़ की बचत हो रही है. वर्ष 2017 में एचएचबी प्रौद्योगिकी को अपनाने का निर्णय किया गया था. इस निर्णय के बाद एचओजी परिवर्तन को अपनाने का काम अभियान स्तर पर शुरू किया गया. इसके तहत् सभी कारों और कोचों की बिजली आपूर्ति प्रणाली में परिवर्तन किया गया. प्रणाली परिवर्तन का काम जोनल रेलवे के सुपुर्द किया गया है. इससे स्टेशनों पर यात्रियों को शोरमुक्त और प्रदूषणमुक्त वातावरण मिलेगा.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

सिंगल यूज प्लास्टिक

सिंगल यूज प्लास्टिक यानी एक ही बार इस्तेमाल के लायक प्लास्टिक. प्लास्टिक की थैलियाँ, प्याले, प्लेट, छोटी बोतलें, स्ट्रॉ और कुछ पाउच सिंगल यूज प्लास्टिक हैं. ये दोबारा इस्तेमाल के लायक नहीं होती हैं. इसलिए एक बार इस्तेमाल के बाद इनको फेंक दिया जाता है. दरअसल आधी से ज्यादा इस तरह की प्लास्टिक पेट्रोलियम आधारित उत्पाद होते हैं. इनके उत्पादन पर खर्च बहुत कम आता है. यही वजह है कि रोजाना के बिजनेस और कारोबारी इकाइयों में इसका इस्तेमाल खूब होता है. उत्पादन पर इसके भले ही कम खर्च हो, लेकिन फेंके गए प्लास्टिक के कचरे, उसकी सफाई और उपचार पर काफी खर्च होता है. इस तरह की प्लास्टिक के अंदर जो रसायन होते हैं, उनका इंसान और पर्यावरण के स्वास्थ्य पर काफी बुरा असर पड़ता है. प्लास्टिक की वजह से मिट्टी का कटाव काफी होता है. इसके अंदर का केमिकल बारिश के पानी के साथ जलाशयों में जाता है, जो काफी खतरनाक है. एक रिपोर्ट के मुताबिक हर वर्ष करीब 11 लाख समुद्री पक्षियों और जानवरों की प्लास्टिक की वजह से मौत होती है. इसके अलावा 90 प्रतिशत पक्षियों और मछलियों के पेट में प्लास्टिक पाई गई. दरअसल प्लास्टिक छोटे-छोटे टुकड़ों में टूटकर समुद्र के अंदर रहती है. जब समुद्र के अंदर भोजन की तलाश में मछलियाँ और अन्य समुद्री जानवर जाते हैं, तो वे गलती से इसका सेवन कर जाते हैं. एक रिसर्च के मुताबिक करीब 700 समुद्री जीव प्लास्टिक प्रदूषण के कारण लुप्त होने की कगार पर हैं.

कूलिंग एक्शन प्लान

भारत मार्च 2019 में समग्र **'कूलिंग एक्शन प्लान'** शुरू करने वाले देशों में शामिल हो गया है. इसके तहत् आवासीय और व्यापारिक इमारतों, कोल्ड-चेन, रेफ्रीजिरेशन, यातायात और उद्योगों के लिए परिशीतन की समस्याओं का समाधान किया जाएगा. 'कूलिंग एक्शन प्लान' के अन्तर्गत परिशीतन की माँग में कटौती करने में मदद मिलेगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उत्सर्जन में कमी आएगी. भारत के 'कूलिंग एक्शन प्लान' का उद्देश्य है–(1) सभी क्षेत्रों में 2037-38 तक कूलिंग की माँग में 20 से 25 प्रतिशत कटौती करना, (2) वर्ष 2037-38 तक रेफ्रीजिरेशन की माँग में 25 से 30 प्रतिशत तक की कमी, (3) वर्ष 2037-38 तक कूलिंग ऊर्जा आवश्यकताओं को 25 से 40 प्रतिशत तक कम करना, (4) कूलिंग और सम्बन्धित क्षेत्रों को अनुसंधान के लिए मान्य करना (5) वर्ष 2022-23 तक स्किल इण्डिया मिशन के साथ सेवा क्षेत्र के 1,00,000 तकनीशियनों को प्रशिक्षित करना है.

यूएनसीसीडी कॉप-14 सम्मेलन

कॉप सम्मेलन 2 सितम्बर, 2019 को शुरू हुआ था, जिसमें 196 देशों और यूरोपीय संघ के करीब 8 हजार लोग हिस्सा ले रहे हैं. इस कार्यक्रम का मुख्य मकसद बढ़ते रेगिस्तान, सूखे और भूमि के क्षरण को रोकना है. कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए यूएनडीपी और यूएनईपी से जुड़े तमाम सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं.

वर्ष 1994 में पेरिस में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण प्रतिरोध सभा (UNCCD) का गठन किया गया था. इसके तहत् मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए दस्तावेजों को जमा करने और इसके लिए कदम उठाने का मकसद तय हुआ था. साथ ही भूमि प्रबंधन के जरिए 196 देशों को साथ लेकर इस समस्या को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं. कॉप हर दो साल में ऐसा अधिवेशन आयोजित करता है, जिसमें पिछले कार्यों की समीक्षा और आगे के कदमों के बारे में फैसले लिए जाते हैं.

Vikas Bhadu

राष्ट्रीय जल संग्रहालय

घटते जल संसाधनों और जल संरक्षण की आवश्यकता और जल संसाधनों के निरन्तर और न्यायसंगत इस्तेमाल के बारे में आम जनता को व्यापक रूप से जागरूक करने के लिए जलशक्ति मंत्रालय के तहत् जल संसाधन विभाग, आरडी और जीआर ने राष्ट्रीय जल संग्रहालय विकसित करने की पहल की है.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

नियामक सैंडबॉक्स

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) वित्तीय बाजारों के लिए प्रौद्योगिकी के विकास को समर्थन देने के लिए एक सैंडबॉक्स नीति बनाने की योजना बना रही है. सैंडबॉक्स अवधारणा उसे कहते हैं, जिसमें कोई बड़े पैमाने पर तकनीकी प्रणाली को लागू करने से पहले उसका वास्तविक स्थितियों में छोटे पैमाने पर परीक्षण किया जाता है, ताकि किसी प्रणाली या प्रौद्योगिकी को अपनाने से पहले उसे अच्छी तरह से जाँच-परख लिया जाए और माकूल सुधार के बाद ही बड़े पैमाने पर लागू किया जाए. भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने भारत में विनियामक सैंडबॉक्स अवधारणा को देखने के लिए एक समिति की स्थापना की है. इस कदम से कम्पनियों को वास्तविक ग्राहकों/निवेशकों पर अपने समाधान का परीक्षण करने का अवसर मिलेगा. दूसरी ओर यह सेबी को उन नीतियों को फ्रेम करने में मदद कर सकता है, जो पूँजी बाजार में नए निवेशक केन्द्रित समाधानों को तैनात करने के समय और लागत को कम कर सकते हैं.

राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 25 जून, 2019 को राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति का मसौदा जारी कर सार्वजनिक और निजी संगठनों, विशेषज्ञों और नागरिकों सहित सभी भागीदारी से टिप्पणी और सुझाव आमंत्रित किए थे. राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति के मसौदे (एनआरईपी) में पर्यावरणीय वहनीय और समान आर्थिक वृद्धि, संसाधन सुरक्षा, स्वच्छ वातावरण (वायु, जल और भूमि) तथा समृद्ध पर्यावरण और जैव विविधता के साथ पुनः स्थापित पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य की परिकल्पना की गई है. राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति का मसौदा– (i) दीर्घकालीन विकास लक्ष्य और भूमंडलीय सीमा तक रहने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वहनीय स्तर तक प्राथमिक संसाधनों की खपत में कमी, (ii) संसाधन क्षमता और चक्राकार दृष्टिकोण द्वारा कम सामान से अधिक मूल्य की वस्तु बनाना, (iii) अपशिष्ट को कम करना, (iv) सामान सुरक्षा और रोजगार अवसरों को सृजन और पर्यावरण रक्षण और संरक्षण के हित हेतु लाभदायक व्यापार मॉडल की नीतियों से दिशा निर्देशित है.

●●●

ई-सिगरेट : कितनी घातक

ई-सिगरेट क्या है ?

ई-सिगरेट और वेप इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं जिनका उपयोग धूम्रपान के लिए किया जाता है. इसमें तंबाकू के बजाय एयरोसॉल का प्रयोग किया जाता है, जिसे वेप जूस और एटोमाइजर के मेल से पैदा किया जाता है. निकोटिनयुक्त या निकोटिनरहित हजारों प्रकार के वेप जूस और ई-सिगरेट बाजार में उपलब्ध हैं, जिनमें से अधिकांश का आयात चीन से किया जाता है. अच्छी किस्म की ई-सिगरेट में धुएं के प्रवाह को नियंत्रित करने, ई-सिगरेट गर्म करने और दूसरे हिस्सों को बदलने की सुविधा होती है.

ई-सिगरेट के अंदर क्या है ?

टैंक–इसमें वेप जूस या तरल पदार्थ भरा होता है, जिसमें निकोटिन हो भी सकता है और नहीं भी. एटोमाइजर भी इससे जुड़ा होता है.

1. माउथ पीस–इसके जरिए ई-सिगरेट के धुएं को शरीर के अंदर खींचा जाता है. यह बदला जा सकता है. बाजार में कई आकार और बनावट में उपलब्ध हैं.

2. एटोमाइजर–टैंक में भरे तरल पदार्थ को गर्म कर धुआँ पैदा करता है. इसमें धातु की तार रुई के साथ लिपटी होती है और धातु के एक खाँचे के भीतर होती है.

3. बैटरी–इसमें लीथियम-आयन सैल बैटरी होती है, जिसे माइक्रो यूएसबी से चार्ज किया जा सकता है. बैटरी आउटपुट के लिए एलईडीसूचक और नियंत्रक होता है.

4. हवा मार्ग–यहाँ से वायु अंदर जाती है. इसके कॉन्फिग्रेशन को समायोजित किया जा सकता है.

कैसे काम करती है ?

ऑन/ऑफ बटन दबाने पर बैटरी कॉइल को ऊर्जा देती है, जिससे वेप जूस में भिगोई गई रुई गर्म होती है. जब कोई व्यक्ति सांस अंदर खींचता है, तो हवा मार्ग से आने वाली वायु रुई से होती हुई मुँह तक पहुँचती है. वेप जूस में भीगी हुई रुई धुआँ पैदा करती है.

कुछ अहम् जानकारी

- चीन स्थित कांगेर टेक, स्मोक और ईलिफ आदि ई-सिगरेट निर्माताओं से हजारों ई-सिगरेट आसानी से भारत में आयात की जाती हैं.
- इससे स्वास्थ्य को होने वाला नुकसान फिलहाल पूरी तरह से सिद्ध नहीं हुआ है. केवल 3-5 साल पुरानी प्रणाली होने के कारण इससे सम्बन्धित वैज्ञानिक शोधों का अभाव है.
- ई-सिगरेट का समर्थन करने वाले, इसे सिगरेट के विकल्प के तौर पर देखते हैं. हालांकि अध्ययन बताते हैं कि ई-सिगरेट भी बच्चों में सिगरेट की आदत डालने का कारण बनी हैं.
- कई बार इसका सेवन करते समय मुँह में विस्फोट की घटनाएं हुई हैं.
- अमरीका के मिशिगन और न्यूयॉर्क राज्यों में इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. हालांकि ब्रिटेन ने इसे सुरक्षित माना है.
- भारत के ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने के बाद, मार्लबोरो के स्वामित्व वाली जूल और फिलिप मॉरिस यहाँ ई-सिगरेट लॉन्च नहीं कर पाएंगी.

अन्तर्राष्ट्रीय लेख

ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन और भारत

Vikas Bhadu

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

इस बार का जी-20 का यह शिखर सम्मेलन इस मायने में महत्वपूर्ण था कि 20 अगस्त, 2003 को अपनी स्थापना के बाद से पहली बार जापान में इसका आयोजन किया गया. इसके अलावा, इस बैठक में कई ऐसे मुद्दों पर बात हुई, जिनका ताल्लुक किसी एक देश या जी-20 सदस्य देशों तक सीमित नहीं था. इस बार सम्मेलन का विषय था– 'मानव केन्द्रित भविष्य का समाज' (Human centered future society) और उसी के अनुरूप चार सत्रों में आठ मुख्य विषयों– वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में नवाचार, पर्यावरण और ऊर्जा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, विकास तथा स्वास्थ्य पर फोकस किया गया. इसके अलावा असमानता को दूर करने, वित्तीय स्थिरता, समावेशी और सतत् विश्व का सपना साकार करने, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और पर्यावरण, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया.

जी-20 सदस्यों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इण्डोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, तुर्की, ब्रिटेन और अमरीका जैसे 19 देशों के साथ यूरोपीय संघ भी शामिल है. जी-20 अपने में दुनिया का 85 प्रतिशत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद, 75 प्रतिशत से अधिक वैश्विक व्यापार, दो-तिहाई जनसंख्या तथा दुनिया के करीब आधे हिस्से को समेटे है. इसलिए वैश्विक तौर पर इस समूह की महत्ता का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है. जी-20 में जी-8 (अमरीका, रूस, ब्रिटेन, जापान, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली) जैसे औद्योगिक देशों के शामिल होने से इसकी भूमिका और बढ़ जाती है. कहना न होगा कि सभी पाँच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाला जी-20 वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर विचार-विमर्श हेतु एक प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय मंच के रूप में उभरा है. 1999 के बाद शुरू हुए वैश्विक वित्त संकट से मुकाबले के लिए गठित जी-20 के इतिहास पर यदि नजर दौड़ाएं, तो इसका मकसद ग्लोबल अर्थव्यवस्था, व्यापार, कृषि व ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग करना था. सबसे पहले यह विचार दुनिया के 7 समृद्ध देशों के वित्तमंत्रियों व सेन्ट्रल बैंक के गवर्नरों ने विकसित किया था. समय के साथ जी-20 में पर्यावरण, आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई और महिला अधिकार जैसे विषय जुड़ते चले गए. 7 से बढ़ते-बढ़ते 19 देश और यूरोपीय संघ मिलाकर 20 देश अभी जी-20 कहे जाते हैं. 19 देशों के बीच संगठन की अध्यक्षता बारी-बारी से घूमती रहती है. जापान के बाद, जी-20 की अगली शिखर बैठक 2020 में सऊदी अरब में आयोजित होगी. तत्पश्चात् 2021 में इटली और 2022 में पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जाएगा.

ओसाका में आयोजित जी-20 की बैठक में मोदी

कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 के 14वें शिखर सम्मेलन (28-29 जून, 2019) में भाग लेने के लिए ओसाका (जापान) की तीन दिवसीय यात्रा की. प्रधानमंत्री के तौर पर जापान की यह उनकी चौथी यात्रा है, जबकि छठी बार मोदी इस सम्मेलन का हिस्सा बने. भारत ने अब तक हुए सभी जी-20 के 14 शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लिया है और यह भी उल्लेखनीय है कि भारत स्वतन्त्रता की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 2022 में पहली बार जी-20 के 17वें शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा.

मोदी ने सामाजिक लाभ के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग की सोसाइटी 5·0 का उल्लेख किया. सुपर स्मार्ट सोसाइटी का यह विजन हालांकि, जापान का था, लेकिन भारत का स्पष्ट मत है कि अद्यतन प्रौद्योगिकी के समावेशन से आर्थिक अवसरों में पर्याप्त बढ़ोत्तरी हो सकती है. उन्होंने आपदा में जल्दी और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत बताते हुए जी-20 सदस्य देशों को आपदा से निपटने का बुनियादी ढाँचा तैयार करने के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय गठजोड़ में शामिल होने का आग्रह किया है. इस गठजोड़ की परिकल्पना स्वयं मोदी ने की है. उनके अनुसार आपदा प्रबन्धन अवसंरचना की आवश्यकता सिर्फ विकास के लिए ही नहीं है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए भी आवश्यक है. इस पहल से आपदाओं के बाद विशेष रूप से छोटे देशों की मदद की जा सकेगी. भारत ने ओसाका में भगोड़े आर्थिक अपराधियों से निपटने की पुरजोर अपील की. जी-20 देशों के साथ सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार से संघर्ष के मुद्दे को उठाया. महिला सशक्तिकरण की दिशा में मोदी ने स्टेम (STEM–Science, Technology, Engineering and Mathematics) पर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महिला उद्यमी वित्तपोषण की पहल आवश्यक है. इसलिए इनकी अब और अवहेलना नहीं की जा सकती. उन्होंने मानव संसाधन विकास हेतु समावेशी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताते हुए इंटरनेशनल डवलपमेंट एसोसिएशन के 15वें रिप्लेसमेंट मनी (International Development Associations' 15th Replacement Money) की पुनःपूर्ति की दिशा में कार्य करने पर जोर दिया, ताकि अफ्रीका सहित अन्य देश शिक्षा के लिए आवश्यक धनराशि प्राप्त कर सकें.

ओसाका में जी-20 नेताओं का संयुक्त घोषणा-पत्र

इस घोषणा-पत्र में प्रमुख वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए संगठित प्रयासों पर जोर दिया गया है–

1. जी-20 ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक ग्रुप (WBG) की कार्यप्रणाली तथा पूँजी प्रवाह में सुधार पर जोर देते हुए वैश्विक सुरक्षा नैट को और मजबूत करने तथा वैश्विक तौर पर निष्पक्ष, टिकाऊ तथा मॉडर्न अन्तर्राष्ट्रीय कर प्रणाली के प्रति सहयोग की वचनबद्धता भी व्यक्त की है.

2. प्रौद्योगिकी नवाचार की वित्तीय प्रणाली तथा खुली अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदारी को स्वीकार किया गया है.

3. भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों में तेजी लाने के लिए जी-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य योजना 2019–2021 (G-20 Anti-Corruption Action Plan 2019–2021) के कार्यान्वयन पर जोर देते हुए इस सम्बन्ध में वैश्विक प्रयासों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने की वचनबद्धता भी व्यक्त की गयी है.

4. समाज में व्याप्त असमानताओं का समाधान करते हुए विकास का ऐसा आदर्श चक्र तैयार करना है, जिसमें बाल श्रम, बलात् श्रम कराने तथा मानव तस्करी के लिए कोई स्थान न हो और रोजगार सृजन तथा लोचशील कार्य प्रबन्धों पर जोर हो.

5. संयुक्त वक्तव्य में लिंग समानता तथा महिला सशक्तिकरण को टिकाऊ और समावेशी आर्थिक विकास के लिए परमावश्यक माना गया है और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया है. इस हेतु बालिका तथा

महिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण को निरन्तर समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए स्टेम (STEM—Science, Technology, Engineering and Mathematics)] शिक्षा तक बेहतर पहुँच तथा दक्षता विकास पर जोर दिया गया है.

6. पर्यटन तथा कृषि का विश्व की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए मौजूदा नई और उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर बल दिया गया है.

7. वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे, जलवायु परिवर्तन तथा चुनौतियों को भी संज्ञान में लेकर जी-20 सदस्यों ने टिकाऊ विकास के लिए समावेशी वित्त पोषण, जिसमें सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण की व्यवस्था करना भी शामिल है, में तेजी लाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की है. पेरिस समझौते के अनुसार विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी चुनौतियों को कम करने तथा उनका मुकाबला करने के लिए विकसित देशों द्वारा वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की वचनबद्धता को पूरा करने पर भी जोर दिया गया है. ध्यान देने योग्य है कि जी-20 देशों द्वारा 84 प्रतिशत जीवाष्म ईंधन का उपयोग किया जाता है, इसलिए पेरिस में जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने हेतु किए गए समझौते के कार्यान्वयन में भी इसकी महत्वपूर्ण भागीदारी और जिम्मेदारी है.

जी-20 के दो गुट

इस बार जी-20 स्पष्ट तौर पर दो गुटों में बँटा दिखायी दिया. पहला, गुट अमरीका-जापान था और यूरोपीय संघ का था, जबकि दूसरे गुट में चीन-रूस शामिल थे. पहला गुट जहाँ हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में चीन को घेरते दिखे, तो वहीं दूसरी ओर चीन-रूस मध्य-पूर्व में अमरीकी वर्चस्ववाद के खिलाफ लगे थे, लेकिन अमरीका और रूस का परमाणु हथियार नियन्त्रण पर वार्ता शुरू करने की पहल करना सराहनीय है. हालांकि, रूस ने स्पष्ट किया कि इस वार्ता का परमाणु निरस्त्रीकरण सन्धि 'स्टार्ट 3' से कोई लेना-देना नहीं है, जिसके लिए वार्ता कई वर्ष पहले दोनों देशों के बीच टूट गयी है. जी-20 के लिए उक्त गुटबाजी शुभ संकेत नहीं कही जा सकती, क्योंकि इससे इसका मूल मकसद यानी विश्व अर्थव्यवस्था के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए महत्वपूर्ण औद्योगिक और विकासशील अर्थ-व्यवस्थाओं को एक मंच पर लाने और दुनिया की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उनके बीच नीतिगत समन्वय स्थापित करने में बाधा आएगी.

हम नहीं भूल सकते कि 2008 में जब दुनिया मन्दी की गिरफ्त में आई थी, तो उससे बाहर निकलने में जी-20 ने ही केन्द्रीय भूमिका निभाई थी, लेकिन उस वक्त प्रमुख देशों के नेताओं में जो तालमेल दिखा था, वह अब नहीं दिखाई देता है. लगभग सारे ताकतवर देशों के बीच किसी-न-किसी मुद्दे को लेकर तलवारें खिंची हुई हैं. इसीलिए जापान में ही जी-20 के इतर भारत, चीन तथा रूस के नेताओं की मुलाकात ने अमरीका को परेशान कर दिया था, जिसमें चीन ने संकेत दिया है कि ये तीनों देश अमरीका की कारोबारी तानाशाही से मुकाबले के लिए साझा रणनीति तैयार कर रहे हैं. इसी वजह से अमरीका चीन और भारत के विरुद्ध छेड़े गए अपने ट्रेड वार में कुछ नरम पड़ा, चीन के राष्ट्रपति शि शिनफिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन के निर्यात पर नए टैरिफ लगाने का विचार छोड़ देने की बात कही और अमरीका-चीन व्यापारिक बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमति जताई. इसमें सन्देह नहीं कि दुनिया की 15 फीसदी जीडीपी अकेले सँभाल रहे अमरीका का संरक्षणवादी नीति की वजह से ही डब्ल्यूटीओ जैसे वैश्विक व्यापारिक मंच भी अभी अप्रासंगिक बनकर रह गए हैं. इसलिए जी-20 के सदस्यों का 12वें डब्ल्यूटीओ मन्त्रिस्तरीय सम्मेलन में अन्य व्यापार निकाय के सदस्यों के साथ रचनात्मकता के साथ काम करने का निर्णय लेना एक सराहनीय कदम कहा जाएगा.

भारत ने किसी भी गुटबाजी से अपने को अलग रखते हुए एक तरफ शिंजो अबे और डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत-अमरीका-जापान सम्बन्धों को मजबूत करने पर बल दिया, तो दूसरी तरफ रूस-भारत-चीन की शीर्ष बैठक के साथ-साथ ब्रिक्स के राष्ट्राध्यक्षों की अलग बैठक में भी हिस्सा लिया. हाँ, भारत ने अमरीका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ मिलकर रणनीतिक चतुर्भुज का निर्माण किया है, जिसका एक अप्रत्यक्ष उद्देश्य चीन को हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में घेरना है, ताकि चीन की गतिविधियाँ सीमित रहें और वह भारत के लिए सीधी चुनौती न बन सकें.

ट्रेड वार—अमरीका बनाम चीन और भारत

जी-20 शिखर सम्मेलन में ट्रेड वार की छाया भी दिखायी दी. अभी अमरीका और चीन के रिश्तों में खटास चल रही है. एक ओर जहाँ अमरीका-चीन के बीच व्यापार युद्ध अपनी चरम सीमा पर है, वहीं अमरीकी राष्ट्रपति अपनी 'अमरीका फर्स्ट की नीति' पर चलते हुए चीन की 'वन चाइना पॉलिसी' के प्रति भी नाराजगी जता चुके हैं. इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर और हिन्द महासागर में चीन के दबदबे से अमरीका की नींद उड़ी हुई है. इस मुद्दे पर भी दोनों देश कई बार आमने-सामने आ चुके हैं. चीन की परेशानी सिर्फ इन्हीं तीन मुद्दों को लेकर नहीं है. ताइवान से बढ़ते अमरीकी सम्बन्धों से भी चीन परेशान है. अमरीका का चीन के साथ-साथ भारत से भी ट्रेड वार चल रहा है और दुनिया के कई और देशों में भी व्यापार युद्ध की आँच आने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता. ट्रंप ने भारत से दलहन, बादाम और अखरोट सहित कुछ अमरीकी उत्पादों पर हाल में लगाए गए 'ऊँचे शुल्क' वापस लेने की माँग की थी. दोनों देशों के द्विपक्षीय सम्बन्धों में व्यापार एक महत्वपूर्ण पहलू है और यह तेजी से बढ़ रहा है. हालांकि, बीते महीनों में बाजार खोलने पर विवाद और प्रशुल्क बढ़ाने के कुछ मुद्दों को लेकर दोनों के बीच विवाद गहराने की आशंका पैदा हो गयी है. जी-20 से इतर मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति से कहा कि व्यापार की तरजीही व्यवस्था [The Generalized System of Preferences (GSP)] से भारत को अलग किए जाने के बाद ही उन्होंने अमरीका के खिलाफ थोड़ी बहुत कार्यवाही की है. अब हमें इससे आगे बढ़ना चाहिए और इस बात पर विचार करना चाहिए. इन मुद्दों को कैसे सुलझाया जा सकता है. ट्रंप ने इस विचार का स्वागत किया.

जीएसपी अमरीका का ट्रेड प्रोग्राम है, जिसकी वजह से भारत को बिना टैक्स चुकाए अमरीका में समान निर्यात करने की सुविधा मिल रही थी. इसके तहत् वहाँ 'बेसिक प्रोडक्ट' निर्यात होते थे, जिसका फायदा भारत के लघु व मध्यम उद्योगों को मिलता था. उल्लेखनीय है कि विकासशील देशों में आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए अमरीका में सस्ता सामान भेजने के वास्ते जनवरी 1976 में 'जीएसपी' की सुविधा दी गई थी. इसका लाभ 129 देश ले रहे हैं, जहाँ से 4,800 उत्पादों की अमरीका में शुल्क मुक्त प्रविष्टि हो रही है, लेकिन अमरीका को अपने हितों पर जिस किसी देश से आँच आने का अंदेशा होता है, वह उसे इस सूची से बाहर कर देता है. अमरीका चाहता है कि उसके यहाँ से आने वाले सामान पर किसी तरह का कोई कर न लगाया जाए. अमरीकी राष्ट्रपति पहले से ही भारत द्वारा लगाए जा रहे कर को गलत करार दे चुके हैं. हालांकि, भारत ने अमरीका से आने वाली बाइक, हर्ले डेविडसन, पर कर 50 फीसदी तक कम कर दिया है, लेकिन इस पर भी अमरीकी राष्ट्रपति सन्तुष्ट नहीं हैं. अमरीका का ईरान से परमाणु डील खत्म करने के बाद परमाणु हथियारों के मुद्दे पर ईरान के साथ भी तनाव चल रहा है. यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मध्य पूर्व में से केवल सऊदी अरब ही जी-20 का सदस्य है और वर्तमान में वह अमरीका का

Vikas Bhadu

बड़ा सहयोगी भी बनकर उभरा है. अमरीका की ईरान विरोधी नीति की वजह से ही ईरान से भारत और चीन को मजबूरन तेल खरीद खत्म करनी पड़ी है.

ओसाका में ट्रंप और मोदी की मुलाकात के पहले अमरीकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने नई दिल्ली की यात्रा की थी. इस दौरान भारत ने यह साफ कर दिया था कि वह अमरीका से रिश्ते मजबूत करते हुए अन्य देशों के साथ अपने ऐतिहासिक रिश्तों की अनदेखी नहीं कर सकता और वह अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए ही फैसले लेगा. भारत का यह संकेत रूस के प्रति था. दरअसल, अमरीका, भारत और रूस के बीच एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली को लेकर हुई डील से नाखुश है.

Vikas Bhadu

यह भी सच्चाई है कि अमरीका चीन के साथ अपने व्यापार असन्तुलन को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए वह उसके प्रति तीखे तेवर अपनाए हुए है. इसके चलते तमाम अमरीकी कम्पनियाँ चीन से निकलना चाहती हैं और भारत में अपने लिए सम्भावनाएँ तलाश कर रही हैं. अमरीका इसे भारत के लिए एक बड़ा अवसर मानकर उस पर दबाव बनाना चाहता है, लेकिन भारत इस सम्बन्ध में सजग है. इसमें दो राय नहीं कि गरीबी दूर करने के साथ अपनी सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए भारत को अच्छे-खासे विदेशी निवेश की आवश्यकता है, लेकिन मुश्किल यह है कि अमरीकी कम्पनियाँ ऐसे क्षेत्रों में निवेश के लिए उत्साहित नहीं दिख रही हैं. शायद इसका एक कारण यह है कि ऐसे क्षेत्रों में निवेश उसके लिए बहुत लाभकारी नहीं होता. भारत को इस मुश्किल को आसान बनाने पर ध्यान देना होगा.

सम्मेलन में भारत की उपलब्धि

भारत की एक बड़ी उपलब्धि यह भी रही कि उसने अपने को किसी भी गुटबाजी से अलग रखते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन किया और उसकी आवाज को ध्यानपूर्वक सुना गया. इसी का परिणाम था कि जी-20 के संयुक्त घोषणा-पत्र में भगोड़े आर्थिक अपराधियों को किसी तरह का संरक्षण न देने की बात कही गयी है. भारत एक अर्से से यह माँग करता चला आ रहा है कि विश्व समुदाय भगोड़े आर्थिक अपराधियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कोई व्यवस्था बने, जिससे ऐसे अपराधी किसी भी देश में शरण न ले सकें. हालांकि, आर्थिक अपराधियों की यह समस्या वैश्विक है, लेकिन भारत ने ही वैश्विक मंचों पर इसे प्रमुखता से बराबर उठाया. बेहतर यह होगा कि इस समस्या के समाधान के लिए वैसे ही कुछ नियम-कानून बनाए जाएं जैसे काला धन जमा करने वालों के खिलाफ बनने शुरू हुए हैं. यह बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए कि कोई आर्थिक अपराधी किसी अन्य देश जाकर वहाँ की नागरिकता लेने में समर्थ रहे. प्रत्यर्पण के सम्बन्ध में विभिन्न देशों की स्थिति भी भिन्न-भिन्न हैं. एक ओर ब्रिटेन और एंटीगुआ जैसे और भी कई देश हैं, जहाँ आर्थिक भगोड़ों को प्रत्यर्पित करने में काफी समय लग जाता है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में गड़बड़ी के सुबूत देखते ही संदिग्ध व्यक्ति को उसके देश भेजने में तत्परता दिखायी जाती है. इसके अलावा, मोदी के जलवायु परिवर्तन एवं वित्त पोषण के मुद्दे का भी सभी सदस्य देशों ने समर्थन किया. घोषणा-पत्र में जी-20 द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाने, भ्रष्टाचार के मामले में वाँछित व्यक्ति को कहीं सुरक्षित ठिकाना मुहैया नहीं होने देने, भ्रष्टाचारियों से धन वसूली के मामले में और बेहतर तालमेल के साथ काम करने, मनी लांड्रिंग रोधी तथा आतंकवाद के वित्त पोषण के खिलाफ आभासी सम्पत्तियों तथा इसे मुहैया कराने वालों के सम्बन्ध में एफएटीएफ के

शेष पृष्ठ 99 पर

उपकार **Just Released**

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें | पिछला प्रश्न-पत्र हल सहित

सहायक शिक्षक (प्राथमिक) | **सहायक शिक्षक** (नर्सरी)

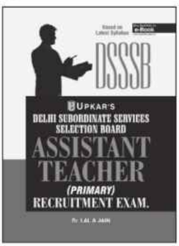

कोड 692 मूल्य : ₹ 295/- Code 1586 ₹ 299/- | कोड 2225 मूल्य : ₹ 310/- Code 1784 ₹ 285/-

उपकार प्रकाशन | 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002 फोन : (0562) 2530966, 2531101
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • लखनऊ 4109080 • हल्द्वानी मो. 07060421008 • नागपुर मो. 09370877776 • इन्दौर 9203908088

प्रौद्योगिकी लेख

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के अनुप्रयोग में तेजी

✍ शंकर प्रसाद तिवारी

Vikas Bhadu

- कृत्रिम मेधा ऐसे कम्प्यूटर प्रोग्रामों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो उन समस्याओं को हल कर सकता है या निर्णय ले सकता है जैसे कि सामान्यतः मनुष्य कर सकता है, जैसे–किसी फोटो को देखकर उसके बारे में बताना, इसी प्रकार एक अन्य कार्य जो सामान्यतः मनुष्य द्वारा किया जाता है वह है–'उदाहरणों के द्वारा सीखना' और मशीन लर्निंग प्रोग्राम को इसी प्रकार के कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाता है अर्थात्, कम्प्यूटरों को उदाहरणों से सीखने के बारे में बताना, इसके लिए बहुत सारे एल्गोरिद्म जुटाने पड़ते हैं, ताकि कम्प्यूटर बेहतर अनुमान लगाना सीख सके, लेकिन अब कम एल्गोरिद्म से मशीनों को तेजी से सिखाने के लिए मशीनों को ज्यादा सामान्य बुद्धि (कॉमन सेंस) देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिन्हें तकनीकी भाषा में ''रेग्यूलराइजेशन'' कहा जाता है. मशीन लर्निंग के द्वारा कम्प्यूटरों की पूर्वानुमान लगाने की क्षमता काफी बढ़ी है, क्योंकि मशीन लर्निंग उल्लेखनीय रूप से सटीक पूर्वानुमान लगा सकती है, यह डेटा द्वारा भारी मात्रा में पैटर्न तलाशने के सिद्धान्त पर काम करता है, मशीन लर्निंग के द्वारा एक बार किसी कम्प्यूटर को प्रशिक्षित करने के बाद भविष्य में वह कम्प्यूटर स्वयं स्वायत्त रूप से वह कार्य करने लगता है.
- 'आर्थर सैम्युअल' (1901-1990) नामक अमरीकी कम्प्यूटर विज्ञानी ने सर्वप्रथम वर्ष 1959 में पहले पहल ''मशीन लर्निंग'' के बारे में बताया था, उन्होंने कहा था कि 'कम्प्यूटर को बिना किसी खास प्रोग्राम की आवश्यकता के मशीन लर्निंग के द्वारा इस प्रकार बनाया जा सकता है ताकि वे अपने आप ही निर्णय ले सके,' दरअसल मशीन लर्निंग में एल्गोरिदम के द्वारा कम्प्यूटर उसमें डाले गए डेटा को समझता है फिर उसके आधार पर फैसला लेता है, मसलन आप यू-ट्यूब पर कई वीडियों देखते हैं, तो उस वीडियो जैसी कई अन्य वीडियो के लिए यू-ट्यूब द्वारा आपके पास सुझाव आते हैं, दरअसल ये सुझाव आपके द्वारा खोजे गए वीडियो के आधार पर आते हैं, जोकि मशीन लर्निंग का ही कमाल है.
- स्मार्ट फोन, आई फोन तथा कम्प्यूटर सिस्टम में कृत्रिम मेधा का बखूबी इस्तेमाल किया जा रहा है, इन पर लिखते समय कृत्रिम मेधा के माध्यम से की-बोर्ड हमारी गलतियों को सुधारता है और सही शब्दों का विकल्प भी देता है, जीपीएस तकनीक, मशीन पर चेहरे की पहचान करना तथा सोशल मीडिया में दोस्तों को टैग करने जैसे कामों में कृत्रिम मेधा का बखूबी इस्तेमाल किया जा रहा है, वित्तीय व बैंकिंग संस्थानों द्वारा डेटा को व्यवस्थित व प्रबंधित करने और स्मार्ट कार्ड सिस्टम में कृत्रिम मेधा तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, Windows-10 में Cortana या Siri हमें मदद पहुँचाने के लिए तैयार रहते हैं और GPS के माध्यम से लम्बी यात्रा या ड्राइविंग के द्वारा सही जगह पर पहुँचते हैं, तो इसमें कृत्रिम मेधा तकनीक का ही कमाल है.
- कुछ कार्य ऐसे हैं, जो सिर्फ कृत्रिम मेधा द्वारा ही सम्पन्न किए जा सकते हैं, जैसे–अन्तरिक्ष स्टेशनों का निर्माण, रखरखाव व मरम्मत, विषम परिस्थितियों वाले चन्द्र, मंगल या अन्य मिशनों का सफल संचालन, गहरे समुद्रीय क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम, खनिज तथा अन्य प्रकार के संसाधनों की खोज व उत्खनन तथा गहरी खानों/खदानों में खुदाई का काम आदि, अधिकांश खतरनाक, जोखिम भरे तथा दोहराए जाने वाले कार्यों में कृत्रिम मेधा मशीनों का ही सहारा लिया जाता है, क्योंकि ये मशीनें मनुष्य से अधिक तेज सोचती हैं, मल्टीटॉस्किंग होती हैं. मनुष्यों से अधिक देर व कार्यक्षमता से काम कर सकती है और उनके मापदण्ड जरूरत के मुताबिक समायोजित किए जा सकते हैं, स्वास्थ्य व चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण जाँच, ऑपरेशन, स्कैनिंग, रेडियो सर्जरी तथा बीमारी पता लगाने जैसे अनेक कामों में कृत्रिम मेधा की मदद ली जा रही है, फैक्ट्री, लैब तथा अधिक जोखिम भरे कार्यों में कृत्रिम मेधा तकनीक पर आधारित रोबोटों का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है.

भारत में कृत्रिम मेधा की सम्भावनाएं

- भारत में भावी आवश्यकताओं तथा चुनौतियों के मद्देनजर रोजमर्रा की जीवन-शैली से लेकर रोजगार-व्यवसाय-उद्यम-विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा आभि-यांत्रिकी इत्यादि सभी क्षेत्रों में अति उन्नत कृत्रिम मेधा तकनीक के इस्तेमाल की बहुत अधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है, विशेषकर चौथी औद्योगिक क्रांति तथा समग्र सामाजिक आर्थिक विकास के मद्देनजर इसकी उपयोगिता काफी बढ़ गई है.
- रोबोटिक्स, वर्चुअल रियल्टी, क्लाउड टेक्नोलॉजी, बिग डेटा, सूचना-संचार व परिवहन प्रौद्योगिकी तथा मशीन लर्निंग जैसी तमाम अन्य प्रौद्योगिकियों के साथ मिलकर कृत्रिम मेधा भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति के ऊँचे सोपानों को प्राप्त करने में बेहद उपयोगी व निर्णायक भूमिका निभा सकती है, भारत में चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना, संचार, परिवहन, कृषि, रोजगार, व्यवसाय, उद्योग, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, रक्षा-प्रतिरक्षा, कृषि व सम्बद्ध क्षेत्र, आपदा प्रबन्धन, विनिर्माण, इंजीनियरिंग इत्यादि कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहाँ कृत्रिम मेधा तकनीकों का किसी-न-किसी रूप में उपयोग किया जा रहा है, मगर यह काफी नहीं है, बल्कि भारत को समग्र व समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास तथा वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के मद्देनजर और अधिक दक्षता, गति-शीलता तथा गुणवत्ता के साथ काम करने के लिए सभी क्षेत्रों में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल तकनीकों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल करना होगा.
- बाढ़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन तथा मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में अत्याधुनिक कृत्रिम मेधा तकनीकों का उपयोग करके

A Book for All Candidates
UPKAR
EVER LATEST
GENERAL KNOWLEDGE
(Including Objective Type Questions)
By : Khanna & Verma Price : ₹ 170/-
UPKAR PRAKASHAN
Swadeshi Bima Nagar, AGRA–2

जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सकता है, साथ ही सटीक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली से कृषि क्षेत्र को विशेष लाभ पहुँचाया जा सकता है, इसी प्रकार भारत को अगर अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विशेष ताकत बनना है, तो उसे इस क्षेत्र में भी अधिक समुन्नत कृत्रिम मेधा तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा, यह तकनीक मानव सहित एवं मानव रहित दोनों ही प्रकार के अन्तरिक्ष अभियानों में विशेष रूप से उपयोगी है, रक्षा-प्रतिरक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा के क्षेत्र सैन्य प्रौद्योगिकी तथा दक्षता का गुणवत्तापूर्ण विकास करने में कृत्रिम मेधा तथा मशीन लर्निंग तकनीकें विशेष उपयोगी साबित हो सकती हैं. शासन-प्रशासन तथा न्यायिक प्रणाली को और अधिक चुस्त-दुरुस्त, गतिशील, गुणवत्तापूर्ण, जिम्मेदार व जवाबदेह बनाने में उक्त तकनीकों का बेहतर इस्तेमाल बेहद निर्णायक व लाभकारी साबित हो सकता है. कहने का तात्पर्य यह है कि अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तथा मशीन लर्निंग तकनीकें तकरीबन सभी क्षेत्रों में बहुआयामी तथा बहुद्देशीय रूप से उपयोगी हैं.

Vikas Bhadu

सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास

- भारत सरकार द्वारा कृत्रिम मेधा तथा मशीन लर्निंग के क्षेत्र अनुसंधान तथा विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए 'नीति आयोग' को मुख्य भूमिका के रूप में चुना गया है, नीति आयोग 'राष्ट्रीय डाटा और एनालिटिक्स पोर्टल' के साथ कृत्रिम मेधा पर राष्ट्रीय कार्यनीति विकसित कर रहा है ताकि व्यापक व बहुद्देशीय रूप से इसका उपयोग किया जा सके.
- अपनी निर्धारित रणनीति के तहत् नीति आयोग इंटेल तथा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फण्डामेंटल रिसर्च, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित शोध परियोजनाओं के विकास तथा कार्यान्वयन् के लिए 'परिवर्तनीय कृत्रिम बुद्धिमता का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र' (International Center for Transformative Artificial Intellegence–ICTAI) की स्थापना करेंगे, यह पहल दरअसल नीति आयोग के कार्यक्रम 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति' का एक अहम् हिस्सा है, इस केन्द्र की स्थापना 'बेंगलूरू' में की जाएगी, इस केन्द्र के द्वारा विकसित ज्ञान, कौशल तथा सर्वोत्तम अभ्यासों का उपयोग नीति आयोग द्वारा पूरे देश में स्थापित होने वाले ICTAI केन्द्रों के निर्माण में किया जाएगा.
- ICTAI के प्रमुख लक्ष्य हैं–(i) एप्लीकेशन आधारित शोध कार्यों को प्रोत्साहन देने के लिए कृत्रिम मेधा तकनीकी का विकास करना तथा (ii) विश्व स्तरीय कृत्रिम मेधा दक्षता के लिए प्रतिभाओं का विकास करना तथा उन्हें कौशल-प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान करना, इस केन्द्र के प्रमुख कार्य उद्देश्य हैं–(i) चिकित्सा, स्वास्थ्य, कृषि, स्मार्टसिटी तथा गतिशीलता के क्षेत्र में कृत्रिम मेधा आधारित समाधान के अनुसंधान का संचालन करना, (ii) पूरे देश में कृत्रिम मेधा के आधारभूत फ्रेम-वर्क को विकसित करना, (iii) सूचना प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित नीतियों का विकास करना तथा मानकों को विकसित करना तथा (iv) प्रशासन, मूलभूत अनुसंधान, अवसंरचना विकास, गणना व सेवा अवसंरचना विकास तथा प्रतिभाओं को आकर्षित करने जैसे क्षेत्रों में परीक्षण व खोजबीन करना तथा सर्वोत्तम अभ्यासों की स्थापना करना.
- इसरो द्वारा उपग्रहों के निर्माण, परीक्षण से लेकर आँकड़ों के विश्लेषण में तक कृत्रिम मेधा इस्तेमाल बढ़ाए जाने की प्रक्रिया चल रही है, 'चन्द्रयान-2' तथा 'गगनयान जैसे भावी मिशनों में कृत्रिम मेधा तकनीक वाले रोवर व रोबोट का उपयोग किया जाएगा, इसके अलावा डेटा केन्द्रों में रोबोटिक्स का प्रयोग बढ़ाने की योजना है, कृत्रिम मेधा तकनीक का विशेष फायदा 'रिमोट सेंसिंग' उपग्रहों से मिलने वाले आँकड़ों के विश्लेषण में भी मिलेगा, क्योंकि कृत्रिम मेधा से इनका विश्लेषण कर सही समय पर इसका इस्तेमाल सम्भव हो सकेगा, जिससे प्राकृतिक आपदाओं की सूचनाएं, फसलों की निगरानी तथा संसाधनों की सूचनाएं एकत्र करने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य बेहतर ढंग से किए जा सकेंगे.
- केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय के अधीन 'केन्द्रीय जल आयोग' (NCW) द्वारा 'गूगल' के साथ बाढ़ प्रबंधन को लेकर एक समझौता भी किया गया है, इसके द्वारा बाढ़ प्रबंधन तथा पूर्वानुमान से जुड़ी प्रणालियों को बेहतर किया जाएगा, ताकि समय पर और नियमित रूप से इससे सम्बन्धित आवश्यक सूचनाएं लोगों तक पहुँचाई जा सकें, इसके अन्तर्गत केन्द्रीय जल आयोग कृत्रिम मेधा तकनीक, मशीन लर्निंग तथा भू-स्थानिक मान-चित्रण के क्षेत्र में 'गूगल की अत्याधुनिक क्षमताओं का इस्तेमाल करेगा.
- अक्टूबर 2018 में केन्द्र सरकार द्वारा इस सन्दर्भ में एक 7-सूत्री रणनीति भी तैयार की गई, जो कृत्रिम मेधा का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए भारत की सामरिक योजना का मुख्य आधार तय करेगी, इस रणनीति के मुख्य कार्यदायित्व हैं–(1) मानव मशीन की बातचीत के लिए विकासशील विधियाँ बनाना, (2) आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तथा शोध व विकास तंत्र के साथ मिलकर एक सक्षम कार्यबल का निर्माण करना, (3) कृत्रिम मेधा सिस्टम की संवेदनशील व आधुनिक प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करना, (4) कृत्रिम मेधा के नैतिक, कानूनी और सामाजिक निहितार्थों को समझना तथा उन पर कार्य करना तथा (5) कृत्रिम मेधा तकनीक को मानक मानकर और बेंचमार्क के माध्यम से मापन का मूल्यांकन करना.
- राष्ट्रीय स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने के लिए नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली एक समिति का गठन भी किया गया है, जिसमें विज्ञानियों, शिक्षाविदों तथा उद्योग-वाणिज्य जगत के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, बजट में सरकार द्वारा 5th जनरेशन टेक्नोलॉजी स्टार्टअप के लिए तकरीबन 480 मिलियन डॉलर (₹ 3360 करोड़) का प्रावधान किया गया है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 3-D प्रिंटिंग तथा ब्लॉक चेन शामिल है, इसके अलावा सरकार द्वारा कृत्रिम मेधा तकनीकी पर आधारित रोबोटिक्स, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल मार्केटिंग, बिग डाटा इंटेलीजेंस, रियल टाइम डाटा तथा क्वांटम कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, शिक्षण-प्रशिक्षण, मानव संसाधन तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही है. ●●●

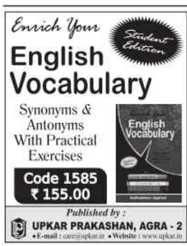

मीडिया लेख

समाचार एजेंसी : अवधारणा, विकास और समस्याएं

✍ डॉ. अवधेश कुमार यादव

Vikas Bhadu

संचार क्रांति के मौजूदा युग में समाचारों का पल-पल प्रसारण हो रहा है. जनमाध्यमों में सबसे पहले समाचार प्रकाशित/प्रसारित करने की प्रतिस्पर्धा चल रही है. ऐसे में समाचार एजेंसियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, क्योंकि समाचार-पत्र हो या पत्रिका, टेलीविजन चैनल हो या रेडियो, सभी उसी समाचार एजेंसी के ग्राहक बनना पसंद करते हैं, जो त्वरित गति से प्रकाशन व प्रसारण के लिए सम्पूर्ण एवं निष्पक्ष समाचार उपलब्ध कराती है. ग्राहकों की संख्या बढ़ने से समाचार समिति की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होती है.

मीडिया संस्थानों (प्रिन्ट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों) को अपने साथ जोड़ने के लिए समाचार एजेंसियाँ, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समाचारों के लिए, दूसरे देशों की समाचार एजेंसियों के साथ समझौता करती हैं. भारत जैसे विकासशील देश में जनता को सूचित-शिक्षित करने के साथ-साथ समाचार एजेंसियों को जनमत निर्माण का कार्य भी करना होता है. वर्तमान प्रतियोगितात्मक युग में लघु एवं मध्यम श्रेणी के मीडिया संस्थानों के लिए तो समाचार एजेंसियां 'जीवन रक्त' की तरह हैं. बड़े मीडिया संस्थानों में समाचार संकलन के लिए स्वयं के स्तर पर व्यवस्था होती है. इनके संवाददाता व फोटोग्राफर विभिन्न देश व प्रदेशों की राजधानियों, प्रशासनिक व राजनैतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण महानगरों में तैनात होते हैं. कई मीडिया संस्थान विदेशों में भी अपने संवाददाता नियुक्त करते हैं. इसके बावजूद समाचार एजेंसियों को नजरअंदाज नहीं कर पाते हैं, क्योंकि कई बार ऐसा मौका आ जाता है, जब समाचार एजेंसी से सम्पूर्ण समाचार आ जाते हैं, किन्तु मीडिया संस्थान के संवाददाता के पास सुराग तक नहीं होता है.

अवधारणा

समाचार एजेंसी अपने समस्त स्रोतों की सहायता से समाचारों को संकलित कर प्रकाशित करने के लिए विभिन्न समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं को तथा प्रसारित करने के लिए विभिन्न टेलीविजन चैनलों व रेडियो को उपलब्ध कराती है. समाचार एजेंसी की प्रमुख विशेषता यह भी है कि देश-दुनिया से सम्बन्धित सम्पूर्ण समाचार उपलब्ध होने के बावजूद आम जनता के लिए स्वयं या प्रत्यक्ष रूप से प्रकाशित/प्रसारित नहीं करती है. ऐसी स्थिति में समाचार एजेंसी का महत्व काफी बढ़ जाता है.

अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की समाचार एजेंसी के क्रमशः अधिकांश देशों में तथा अपने देश की सीमाओं के भीतर समाचार की दृष्टि से महत्वपूर्ण महानगरों/ शहरों में संवाददाता व फोटोग्राफर नियुक्त होते हैं, जो राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेलकूद, अपराध, दुर्घटना, आपदा, विज्ञान, अनुसंधान, वाणिज्य इत्यादि से सम्बन्धित समाचारों को फोटोग्राफ के साथ संकलित कराते हैं. ऐसे समाचारों को **हिन्दी** समाचार-पत्रों में प्रकाशित करते समय डेट लाइन के तुरन्त बाद समाचार एजेंसी का उल्लेख किया जाता है.

परिभाषा

- **इनसाक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटेनिका** के अनुसार—"वह एजेंसी जो समाचार पत्र, पत्रिकाओं, क्लबों, संगठनों व निजी व्यक्तियों को टेलीग्राम, पाण्डुलिपियों, प्रूफ, प्रतिलिपियों और कभी-कभी टेलीफोन द्वारा समाचार प्रेषित करती है."
- **संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को)** के अनुसार—"समाचार एजेंसी एक उद्यम है, चाहे उसका कानूनी रूप कैसा भी हो, समाचार एवं सामाजिक सामग्री एकत्र करना एवं तथ्यों का प्रकटीकरण या प्रस्तुतीकरण करना है तथा उन्हें संस्थाओं को, विशेष परिस्थितियों में निजी व्यक्तियों को भी, इस दृष्टि से वितरित करना है कि उन उपभोक्ताओं को व्यावसायिक, विविध एवं नियमानुकूल स्थितियों में मूल्य के एवज में जहाँ तक सम्भव हो सम्पूर्ण एवं निष्पक्ष समाचार सेवा प्राप्त हो सके."
- **1977 में कुलदीप नैयर की अध्यक्षता में गठित समिति** के अनुसार—"समाचार एजेंसी वह माध्यम है, जो प्रेस यानि समाचार पत्र की संरचना व विषयवस्तु को सूचित करे."
- **डी.एस. मेहता** के अनुसार—"समाचार एजेंसी का आधारभूत कार्य समाचार तथा समसामयिक घटनाओं का, समाचार विवरण का प्रेषण, समाचार-पत्रों तथा अपने ग्राहकों को करना है."
- **ए मैनुअल ऑफ न्यूज एजेंसी रिपोर्ट** के अनुसार—"समाचारों का प्रसार समाचार समितियों का प्राथमिक कार्य है."

उद्भव

फ्रांसीसी नागरिक चार्ल्स आवास को आधुनिक समाचार एजेंसी का जनक कहा जाता है, जिसने सन् 1825 में 'न्यूज ब्यूरो' नामक दुनिया की पहली समाचार एजेंसी स्थापित की तथा समाचारों के संकलन के लिए यूरोपीय देशों की राजधानियों के संवाददाताओं को अपने साथ जोड़ने का कार्य किया. हालांकि, तत्कालिक समाचार-पत्रों ने चार्ल्स आवास की एजेंसी द्वारा समाचार लेने से साफ इंकार कर दिया था, लेकिन कुछ राजनीतिज्ञ, व्यापारी व सभ्रांत परिवार के व्यक्ति अवश्य ग्राहक बन गए थे. इससे आवास का मनोबल बढ़ा. प्रारम्भ में चार्ल्स आवास अपने ग्राहकों के पास विशेष वाहक या डाक विभाग की मदद से समाचार पहुँचाता था. सन् 1837 में विकसित तार प्रणाली का उसने जमकर उपयोग किया. सन 1840 में प्रायोगिक तौर पर पेरिस, लंदन एवं ब्रुसेल्स के बीच कबूतरों के माध्यम से समाचार भेजने का कार्य प्रारम्भ किया. इससे 'न्यूज ब्यूरो' को अत्यधिक लोकप्रियता मिली. इसके अलावा चार्ल्स आवास ने सन् 1848 में 6 से 10 किलोमीटर की दूरी पर टॉवर बनाकर टेलीस्कोपी के माध्यम से समाचार भेजना प्रारम्भ किया. इसी साल टेलीग्राफ से समाचार भेजने की प्रणाली विकसित हुई.

सन् 1849 का साल चार्ल्स आवास के लिए ठीक नहीं रहा, क्योंकि इसी साल उसके दो कर्मचारियों ने इससे रिश्ता तोड़कर अपनी-अपनी समाचार एजेंसी स्थापित कर ली. इनमें पहला था—बर्नार्ड 'वोल्फ' जिसने 'वोल्फ' नामक समाचार एजेंसी शुरू की. हालांकि, बर्नार्ड वोल्फ ने एक साल पहले ही प्रायोगिक तौर पर बर्लिन से 'नेशनल जीतुंग' शीर्षक से स्टॉक एक्सचेंज का भाव देना प्रारम्भ कर दिया था. कुछ तत्कालीन समाचार पत्र भी वोल्फ एजेंसी के सदस्य बन गए थे. दूसरा था— जर्मनी का जुलियस रायटर, जिसने 'न्यूज ब्यूरो' के अनुवादक की नौकरी को त्याग कर व्यापारिक समाचार देने के उद्देश्य से लंदन रायल एक्सचेंज में अपना कार्यालय खोला तथा 'रायटर' नामक समाचार समिति का गठन किया. उसे भी प्रारम्भ में तत्कालीन समाचार-पत्रों के असहयोग का सामना करना पड़ा, लेकिन सन् 1856 के अन्त तक लंदन के अधिकांश समाचार पत्र 'रायटर' के ग्राहक बन चुके थे. परिणामतः

1858 में 'राइटर' पूर्णतः समाचार एजेंसी के रूप में तब्दील हो गया. जुलियस रायटर की समाचार एजेंसी ने समाचार संकलन और वितरण के लिए डाकतार एवं रेलवे का भरपूर उपयोग किया.

विकास

Vikas Bhadu

समाचार समिति का उद्भव भले ही यूरोपीय देशों में हुआ, लेकिन इसके प्रभाव से अमरीका भी अछूता नहीं रहा. सन् 1848 में न्यूयार्क के कुछ समाचार-पत्रों ने मिलकर 'हार्बर न्यूज एसोसिएशन' नामक समाचार एजेंसी का गठन किया, जो नौकाओं के माध्यम से समाचार प्रेषित करती थी. सन् 1850 में 'जनरल न्यूज एसोसिएशन' का गठन हुआ. सन् 1857 में दोनों का 'नेशनल न्यूयार्क एसोसिएटेड प्रेस' के रूप में विलय हो गया. इस समिति ने यूरोप के समाचारों के लिए 'आवास' और 'रायटर' के साथ व्यापारिक समझौता किया. हालांकि यह समझौता लम्बे समय तक चल नहीं सका. इसी दौरान एक नई समाचार एजेंसी 'यूनाइटेड प्रेस एसोसिएशन' का गठन हुआ, जिसका सन् 1909 में 'यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल' नामक एक नई समाचार एजेंसी में विलय हो गया. यूरोप की तीनों समाचार एजेंसियों 'आवास' 'वोल्फ' व 'रायटर' ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का निर्णय लिया. इसी के साथ दुनिया में समाचार एजेंसी का विकास व विस्तार प्रारम्भ हो गया.

इस प्रकार, समाचार एजेंसी की उपयोगिता और महत्ता समाचार-पत्र जगत की समझ में आने लगी. परिणामतः, दुनिया के विभिन्न देशों में राष्ट्रीय स्तर की समाचार एजेंसी के गठन का प्रचलन प्रारम्भ हो गया. प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918) के दौरान समाचार-पत्रों के लिए समाचार का एकमात्र स्रोत समाचार एजेंसियाँ ही थीं. तत्कालीन सरकारें और समाचार एजेंसियाँ एक-दूसरे की सहायक थीं. समाचार एजेंसियाँ सरकारी विज्ञप्तियों का प्रचार-प्रसार कर सरकार की सहायता करती थीं.

ब्रिटिश भारत में समाचार समिति का विकास

भारत में समाचार एजेंसी के उद्भव की कहानी काफी रोचक है. ब्रिटेन की समाचार समिति 'राइटर' ने सन् 1878 में अपना कार्यालय बम्बई में स्थापित कर समाचारों का कारोबार प्रारम्भ किया, जिसके 'सीलोन आब्जर्वर' तथा 'बॉम्बे टाइम्स' (आज का टाइम्स ऑफ इंडिया) क्रमशः पहले व दूसरे ग्राहक बने. प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918) के दौरान अंग्रेजों द्वारा संचालित समाचार-पत्रों को ब्रिटिश दृष्टिकोण से युद्ध के समाचारों की जरूरत थी. इसकी पूर्ति 'राइटर' करता था. इस दौरान कुछ भारतीय भाषा के समाचार-पत्र भी प्रकाशित होने लगे थे, जिनके पास प्रथम विश्वयुद्ध व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय समाचारों का एक मात्र स्रोत 'राइटर' ही था. ऐसी परिस्थिति में भारतीय समाचार-पत्रों के सम्पादकों ने निष्पक्ष समाचारों के लिए भारतीय समाचार एजेंसी की जरूरत महसूस की.

उसी दौरान, अंग्रेजी भाषा के चार प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र पायनियर, स्टेट्समैन, इंग्लिशमैन और डेली न्यूज ब्रिटिश सरकार का खुलकर समर्थन करते थे, लेकिन पायनियर के सम्पादक हैंसमैन का अंग्रेज अधिकारियों पर अत्यधिक प्रभाव था, जिसके चलते अपने प्रतिद्वन्द्वी समाचार-पत्रों की अपेक्षा वह पहले ही समाचार प्राप्त कर लेता था. हैंसमैन के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से स्टेट्समैन के सम्पादक कार्ट्स, इंग्लिशमैन के सम्पादक बक और डेली न्यूज के सम्पादक डालस ने वरिष्ठ पत्रकार केशव चन्द्र राय की मदद की, जिसके चलते सन् 1905 में 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया'(ए.पी.आई.) नामक पहली भारतीय समाचार एजेंसी का गठन हुआ. व्यक्तिगत कारणों के चलते केशव चन्द्र राय ने इस एजेंसी का निदेशक बनने से इंकार कर दिया था, लेकिन बाद में परिस्थिति विशेष के कारण उन्हें ही निदेशक की जिम्मेदारी को संभालना पड़ा.

इस प्रकार, केशव चन्द्र राय को भारतीय समाचार एजेंसी का जनक कहा जाता है. श्री राय पहले भारतीय पत्रकार थे, जो तत्कालीन भारत सरकार के साथ सर्दी के दिनों में कलकत्ता तथा गर्मी के दिनों में शिमला रहते थे. केशव चन्द्र राय के प्रयासों के चलते भारतीय तार अधिनियम में संशोधन हुआ और पंजीकृत समाचार एजेंसियों को पंजीकृत समाचार-पत्रों की तरह सुविधाएं मिलने लगीं. ए.पी.आई. ने विस्तार के उद्देश्य से कलकत्ता (कोलकाता), मद्रास (चेन्नई) और बम्बई (मुम्बई) में अपना कार्यालय स्थापित किया, जिसे ग्राहकों की कमी तथा कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण शीघ्र ही बन्द करना पड़ा. सन् 1915 में 'राइटर' ने ए.पी.आई. का अधिग्रहण कर लिया.

'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया' के अधिग्रहण के बाद सन् 1915 में केशच चंद्र राय ने 'इंडियन न्यूज एजेंसी' (आई.एन.ए.) नामक दूसरी समाचार एजेंसी का गठन किया, जो मात्र ₹ 60 प्रतिमाह के शुल्क पर अपनी सेवाएं सैनिक और असैनिक निकायों को उपलब्ध कराने लगी. इसकी बुलेटिन सेवा काफी लोकप्रिय रही. यह समाचार एजेंसी सन् 1947 में बन्द हो गई, जिससे छोटे समाचार-पत्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा.

ब्रिटिश एजेंसी 'राइटर' के साम्राज्यवादी पंजे से बचाने के लिए सदानंद ने सन् 1927 में 'फ्री प्रेस ऑफ इंडिया' (एफ.पी.आई) की बम्बई में स्थापना की. इस समिति के संस्थापक सदस्यों में देशबन्धु चितरंजन दास, लाला लाजपत राय, मोती लाल नेहरू, विद्याभूषण सेनगुप्ता इत्यादि शामिल थे. 'फ्री प्रेस ऑफ इंडिया' की लोकप्रियता और विश्वसनीयता से प्रभावित होकर अन्य भाषाओं के समाचार-पत्रों ने इसकी सेवाएं लेना प्रारम्भ कर दिया. अपने राष्ट्रवादी विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए सन् 1930 में सदानंद 'फ्री प्रेस जर्नल' नामक दैनिक समाचार-पत्र प्रकाशित करने लगे, जो ब्रिटिश सरकार को रास नहीं आया. अन्ततः सन् 1933 में ब्रिटिश शासकों के अत्याचार, असहयोग, शोषण, दमनकारी नीति तथा कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण 'फ्री प्रेस एजेंसी' और 'फ्री प्रेस जर्नल' को बन्द करना पड़ा.

एफ.पी.आई. के संस्थापक सदस्यों में शामिल विद्याभूषण सेन गुप्ता ने 1 सितम्बर, 1933 को कलकत्ता में 'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया' (यू.पी.आई.) की स्थापना की. इसका कार्यालय लाहौर में भी खोला गया था. यह समिति स्वतंत्रता आन्दोलन की सूचनाओं को प्रमुखता से उपलब्ध कराती थी, जिसके चलते इसे ब्रिटिश सरकार के असहयोग का सामना करना पड़ा. ब्रिटिश हुकुमत ने यू.पी.आई. को टेलीप्रिंटर लगाने की अनुमति नहीं दी, जबकि इसकी प्रतिद्वंदी समाचार समितियों के पास टेलीप्रिंटर की सुविधा थी. ऐसी परिस्थिति में यू.पी.आई. तार के माध्यम से अपने ग्राहकों को समाचार भेजती थी. आजादी के बाद सन् 1948 में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया' के टेलीप्रिंटर का शुभारम्भ किया. 30 जनवरी, 1948 को शाम 5 : 10 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारी गई थी. इस समाचार को यू.पी.आई. ने घटना के मात्र दो मिनट बाद ही पूरी दुनिया को उपलब्ध करा दिया. इसके बावजूद आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण यू.पी.आई. ज्यादा दिनों तक चल नहीं सकी और सन् 1958 में सदैव के लिए बन्द हो गई.

सन् 1941 में भारतीय मुस्लिम लीग और मुस्लिम समुदाय के समाचारों को प्रमुखता देने के लिए सैय्यद मोहम्मद ने 'ओरियन्टल समाचार एजेंसी' की स्थापना की. इसका मुख्यालय नई दिल्ली में था. इसके ग्राहक मुख्यतः उर्दू भाषा के समाचार-पत्र थे. यह समाचार समिति भारत-पाकिस्तान विभाजन के साथ ही समाप्त हो गई.

स्वतंत्र भारत में समाचार समिति का विकास

15 अगस्त, 1947 के बाद स्वतंत्र भारत में 'राइटर' अपने आधिपत्य वाली एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया' के माध्यम से समाचार उपलब्ध कराती थी. ऐसी स्थिति में भारतीय समाचार-पत्रों को विदेशी प्रभाव से बचाने के लिए स्वतंत्र समाचार एजेंसी स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की गई. इसके लिए भारत सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए–

1. 'राइटर' के अधिपत्य से 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया' को मुक्त कर 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' नामक नई समाचार एजेंसी का गठन,
2. यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया को प्रोत्साहित करना, और
3. क्षेत्रीय समाचार-पत्र विदेशी एजेंसी के समाचारों को सीधे नहीं, बल्कि किसी भारतीय एजेंसी के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे.

'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया ब्रिटिश साम्राज्यवाद की समर्थक एजेंसी थी, जबकि 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' का गठन मद्रास में सहकारिता के आधार पर किया गया था. ऐसे में 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया' का स्वतंत्र भारत में काम करना अनुकूल नहीं था. अतः 'राइटर' ने 60 हजार पौंड में 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया' को 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के हाथों बेच दिया. 'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए टेलीप्रिंटर लाइन से जोड़ा गया तथा भारत के विभिन्न शहरों में कार्यालय खोलकर विस्तार दिया गया. इसके बावजूद सन् 1958 में 'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया' बन्द हो गई. इसके बाद भारत में समाचारों के संकलन और वितरण पर 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' का एकाधिकार हो गया, जबकि समाचार-पत्रों के सम्पादकों ने महसूस किया कि जनसामान्य को सत्य और निष्पक्ष समाचार देने के लिए एजेंसियों में प्रतिस्पर्धा का होना बेहद जरूरी था. यह तभी सम्भव है, जब समाचार संकलन और वितरण के लिए दो एजेंसियाँ होंगी. प्रेस आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में दो समाचार एजेंसियों की सिफारिश की थी.

दूसरी समाचार एजेंसी के लिए दो प्रयत्न हुए. पहला प्रयत्न सन् 1959 में इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप के मालिक रामनाथ गोयनका ने 'इंडियन न्यूज सर्विस' (आई.एन.एस.) का गठन करके किया. इस समिति के लिए करीब ₹ 40 लाख खर्च कर देश के प्रमुख शहरों में कार्यालय खोला गया था. फिर भी, कुछ समय बाद यह बन्द हो गई. इसके बाद दूसरा प्रयत्न 20 जनवरी, 1959 को कलकता में आयोजित वरिष्ठ पत्रकारों की बैठक में किया गया, जिसमें पीटीआई के पूर्व महाप्रबन्धक डी.पी. बाबले को नई समाचार समिति गठित करने की जिम्मेदारी दी गई. परिणामतः 10 नवम्बर, 1959 को 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया' (यू.एन.आई.) नामक दूसरी समाचार एजेंसी का पंजीकरण हुआ.

भारतीय समाचार एजेंसियों की समस्याएं

भारतीय समाचार एजेंसियों के पास विदेशी समाचार एजेंसियों की तुलना में संसाधनों की भारी कमी है. इसके बावजूद समाचार एजेंसियाँ अपने ग्राहक समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं, टेलीविजन चैनलों, रेडियो व अन्य वेब माध्यमों को समय से सम्पूर्ण समाचार उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत् रहती हैं. समाचार एजेंसियों के लिए समाचार संकलन और उनका वितरण अत्यधिक खर्चीला तथा श्रमसाध्य कार्य है. इसके लिए समाचार एजेंसियों को अनेक संवाददाताओं, उप–सम्पादकों व तकनीकी रूप से प्रशिक्षित व्यक्तियों की विभिन्न स्थानों पर नियुक्ति करनी पड़ती है. संकलित समाचारों को टेलीप्रिंटर, टेलीफोन व ई-मेल के माध्यम से ग्राहकों को उपलब्ध कराना पड़ता है, वरना समाचार एजेंसी अपने प्रतिद्वंद्वी से पिछड़ सकती है, जो उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं माना जाता है.

भारतीय समाचार एजेंसियों की आमदनी का मुख्य स्रोत ग्राहक मीडिया संस्थानों से मिलने वाली मासिक शुल्क है. एक अध्ययन के मुताबिक, अंग्रेजी समाचार एजेंसी को 25 प्रतिशत तथा भाषाई समाचार एजेंसी को 40 प्रतिशत आमदनी सरकारी माध्यमों– दूरदर्शन, आकाशवाणी, केन्द्र व राज्य सरकारों से होती है. प्रमुख भारतीय समाचार एजेंसी 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया' का स्वामित्व देश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों के हाथों में है. ये बड़े मीडिया संस्थान समाचार एजेंसियों से जितना लाभ कमाते हैं, उस अनुपात में समाचार एजेंसियों को आर्थिक लाभ नहीं पहुँचाते हैं.

समाचार एजेंसियों का अपना कोई समाचार-पत्र या टेलीविजन चैनल नहीं है, जिसके चलते अपने समाचारों को न तो सीधा आम आदमी तक पहुँचा पाती हैं और न तो कोई उन्हें 'विज्ञापन' देता है. इस समस्या के समाधान हेतु सरकार समय-समय पर समाचार एजेंसियों के लिए आर्थिक अनुदान जारी करती है, लेकिन इसे उचित नहीं माना जाता है. विशेषज्ञों द्वारा इस समस्या का एक समाधान यह सुझाया जाता है कि समाचार समितियों के लिए सरकार को न्यूनतम दर पर टेलीफोन, मोबाइल व टेलीप्रिन्टर की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था करनी चाहिए. इससे समाचारों के संकलन व सम्प्रेषण पर होने वाला व्यय कम होगा तथा समाचार एजेंसियों की निष्पक्षता भी प्रभावित नहीं होगी.

भारतीय समाचार एजेंसियों की दूसरी बड़ी समस्या देश की बहुभाषी जनसंख्या है. वर्तमान समय में राष्ट्रभाषा हिन्दी में तो समाचारों का वितरण सम्भव हो सका है, लेकिन अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में नहीं हो पा रहा है. ऐसे में अनेक भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्र अंग्रेजी भाषा के समाचारों के अनुवादित अंश प्रकाशित करते हैं. इससे मूल समाचार की मौलिकता और तारतम्यता प्रभावित होने का खतरा बना रहता है. इस समस्या के समाधान हेतु सरकार की ओर से बहु-भाषाओं में समाचार सम्प्रेषण तकनीकी विकसित करने की पहल करनी चाहिए.

निष्कर्ष

पत्रकारिता के विकास में समाचार एजेंसियों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है. मजबूत आर्थिक स्थिति वाले मीडिया संस्थान समाचार संकलन के लिए अपने प्रसार व प्रसारण क्षेत्र के लगभग सभी कस्बों, नगरों, शहरों, राज्यों की राजधानियों तथा पड़ोसी देशों में अपने संवाददाता व फोटोग्राफर की नियुक्ति करते हैं, लेकिन मध्यम व कमजोर आर्थिक स्थिति वाले मीडिया संस्थान चाहते हुए भी सभी स्थानों पर अपने संवाददाताओं व फोटोग्राफरों की नियुक्ति नहीं कर पाते हैं. इनके समाचारों का एक मात्र स्रोत समाचार एजेंसी होती है. ऐसी स्थिति में भारतीय समाचार एजेंसियों की जिम्मेदारी काफी बढ़ जाती है.

भारत में समाचार एजेंसी का उद्भव भी पत्रकारिता की तरह ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेजी की मदद से हुआ. भारतीय समाचार एजेंसी की शुरूआत 100 साल पहले प्रारम्भ हुई. स्वतंत्रता से पूर्व और स्वतंत्रता के बाद अनेक उतार-चढ़ावों से गुजरते हुए समाचार एजेंसी वर्तमान स्थिति में पहुँची है. खास बात यह है कि कमजोर आर्थिक स्थिति के बावजूद समाचार एजेंसियों का नेटवर्क काफी मजबूत है, जबकि मजबूत आर्थिक स्थिति वाले मीडिया संस्थानों का नेटवर्क इनसे कमजोर है. वर्तमान समय में पी.टी.आई., यू.एन.आई. भाषा, यूनीवार्ता समेत 41 समाचार एजेंसियाँ कार्यरत् हैं. 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ इंडिया, 'इंडियन न्यूज एजेंसी', 'फ्री प्रेस ऑफ इंडिया', 'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया', 'समाचार भारती' व 'इंडियन न्यूज सर्विस' वर्तमान समय में अस्तित्व में नहीं हैं, फिर भी भारतीय लोकतंत्र के 'चौथे स्तम्भ' की नींव के निर्माण में इनका योगदान जरूर है.

Vikas Bhadu

Vikas Bhadu

अन्तर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसियाँ

एसोसिएटेड प्रेस (A.P.) : यह अमरीका ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी सहकारी समाचार एजेंसी है, जिसकी स्थापना सन् 1848 में न्यूयार्क के छह दैनिक समाचार-पत्रों ने संयुक्त रूप से की. इसके 100 कार्यालय अमरीका में तथा 50 कार्यालय विदेशों में हैं. एसोसिएटेड प्रेस के पास 7200 ग्राहक हैं, जो इसके लेख व चित्रों का उपयोग करते हैं. यह सरकार से किसी भी प्रकार का अनुदान नहीं लेती है.

यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल (U.P.I.) : यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वतंत्र समाचार एजेंसी है, जिसकी स्थापना सन् 1907 में ई. डब्ल्यू. स्क्रिप्स ने एक प्राइवेट कम्पनी के रूप में की. प्रारम्भ में इसका नाम 'यूनाइटेड प्रेस' था, लेकिन सन् 1958 में विलियम्स रेन्डोल्फ की समाचार एजेंसी 'इंटरनेशनल न्यूज सर्विस' के विलय के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल' हो गया. इसकी कई सहायक एजेंसियाँ यूनाइटेड फीचर सिंडिकेट, ब्रिटिश यूनाइटेड प्रेस इत्यादि हैं, जो व्यापार, फिल्म, खेल, संस्कृति आदि से सम्बन्धित समाचार व फीचर उपलब्ध कराती हैं. यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल के 211 समाचार व चित्र ब्यूरो दुनिया के 92 देशों में कार्यरत् हैं. इसके ग्राहकों की संख्या 7500 से अधिक है.

एजेंसी फ्रांस प्रेस (A.F.P.) : यह चार्ल्स आवास की समाचार एजेंसी की फ्रांसीसी शाखा है, जिसका सन् 1940 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विघटन कर दिया गया था, लेकिन सन् 1944 में पुनर्गठन के बाद पुनः अस्तित्व में आ गई. एजेंसी फ्रांस प्रेस आठ सदस्यीय प्रशासनिक एजेंसी द्वारा संचालित होती है. फ्रांस के प्रमुख शहरों तथा दुनिया के अन्य देशों में स्थित ए.एफ.पी. के 92 कार्यालयों में लगभग 2000 कर्मचारी कार्यरत् हैं. यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ए.पी., रायटर व तास के समाचारों व फोटोग्राफ का लेन-देन करती है. दुनिया में ए.एफ.पी. के 2500 से अधिक ग्राहक मौजूद हैं.

रायटर–यह ब्रिटेन की प्रमुख समाचार एजेंसी है, जिसके संस्थापक यूलियस रायटर ने बाजार भाव जल्दी से मँगवाने के लिए कबूतरों का अनोखा प्रयोग किया, क्योंकि तब तार व रेल की व्यवस्था ने होने से बाजार भाव को घोड़ागाड़ी व झंडियों के माध्यम से संकेतों में प्राप्त किया जाता था. जिसमें देर हो जाती थी तथा दूसरी ओर गलत सन्देश मिलने की सम्भावना होती थी. तार प्रणाली शुरू होने बाद 'रायटर' ने लन्दन में अपना कार्यालय स्थापित तथा यूरोपीय देशों की राजधानियों में संवाददाता नियुक्त किए. सन् 1858 में 'रायटर' समाचार समिति बनी तथा सन् 1865 में एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी में तब्दील हो गई. वर्तमान में 'रायटर' के पास 500 संवाददाता तथा 4000 विशेष संवाददाता हैं, जो 50 से अधिक ब्यूरो कार्यालयों के अधीन कार्यरत् हैं. इसकी सेवाएं करीब 6500 समाचार-पत्र, 100 रेडियो व टेलीविजन ले रहे हैं.

टेलिग्राफी एजत्वो सोवियत स्कवो सयूजा (तास)–यह सोवियत संघ की समाचार एजेंसी है, जो मंत्री-परिषद के प्रति उत्तरदायी है. जिसकी स्थापना 10 जुलाई, 1925 को हुई. सोवियत संघ के सभी गणराज्यों में 'तास' की सहायक एजेंसियां हैं, जिसके चलते साम्यवादी देशों की सूचना पर 'तास' का एकाधिकार है. यह एक बहुभाषी समाचार एजेंसी है, जिसके ग्राहकों की संख्या 5500 से अधिक है. इसकी सेवाएं भारत में दूतावास के माध्यम से उपलब्ध हैं.

तांजुग–यह युगोस्लाविया की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी है. इसकी स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिटलर विरोधी युगोस्लाविया के स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी.

आर्थिक समाचार सर्विस–यह हांगकांग की समाचार एजेंसी है, जो औद्योगिक और व्यावसायिक सूचनाओं व समाचारों का संकलन करके मीडिया संस्थानों को उपलब्ध कराती है.

एजेंसी नेशनल स्टाम्प एसोसिएशन–यह इटली की प्रमुख समाचार एजेंसी है, जिसकी स्थापना सन् 1945 में की गई. यह पूर्णतः सरकार के नियंत्रण वाली एजेंसी है.

एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान– यह पाकिस्तान की समाचार एजेंसी है, लेकिन समाचारों के लिए यूरोपीय सेवा समितियों पर निर्भर रहती है.

पाकिस्तान प्रेस इंटरनेशनल–यह पाकिस्तान की प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी है.

क्योदो न्यूज एजेंसी–यह जापान की समाचार एजेंसी है, जिसकी स्थापना सन् 1951 में की गई. यह एजेंसी 'जापान न्यूज लेटर' के नाम से अपने समाचारों का डाइजेस्ट विभिन्न पत्रों और एजेंसियों को भेजती है.

जी.जी. प्रेस–यह जापान की प्रमुख सहकारी समाचार एजेंसी है, जिसकी स्थापना सन् 1945 में हुई. इसके कर्मचारी सरकार से किसी भी प्रकार का अनुदान नहीं लेते हैं. यह एजेंसी सरकारी हस्तक्षेप से पूर्णतः मुक्त है.

ईराक न्यूज सर्विस–यह ईराक की प्रमुख समाचार एजेंसी है.

न्यू चाइना न्यूज एजेंसी–यह चीन की प्रमुख राष्ट्रीय समाचार एजेंसी है, जिसकी स्थापना सन् 1949 में हुई. इसका मुख्यालय पेइचिंग में है.

राष्ट्रीय संवाद समिति–यह नेपाल की एकमात्र समाचार एजेंसी है. इसके 60 प्रतिशत शेयर नेपाल सरकार के पास हैं.

भारतीय समाचार समितियाँ

प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (P.T.I) यह भारत ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण एशिया की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी है, जो अंग्रेजी भाषा में समाचारों का वितरण करती है. इसका गठन आजादी के मात्र 12 दिन बाद 27 अगस्त, 1947 को उप-प्रधानमंत्री सरदार, बल्लभ भाई पटेल के प्रयासों के परिणाामस्वरूप हुआ. प्रारम्भ में एक अनुबंध के तहत् पी.टी.आई. ट्रस्ट में 'राइटर' की भी हिस्सेदारी थी. यह अनुबंध सन् 1951 में टूट गया. सन् 1980 के आम चुनावों के दौरान समाचार देने के लिए सबसे पहले पी.टी.आई. ने कम्प्यूटरों का उपयोग किया. इसी साल फीचर सेवा की शुरूआत हुई. पी.टी.आई. निर्गुट आन्दोलन की विचारधारा से जुड़े देशों के समाचार का भी वितरण करती है. यह निर्गुट एजेंसीज पूल तथा एशियन न्यूज एजेंसी के संगठन के सदस्य के रूप में विदेशी समाचारों को सीधे उपग्रह संचार सेवा में प्राप्त करती है. वर्तमान समय में पी.टी.आई. भारतीय समाचार 'राइटर' को उपलब्ध कराती है तथा 'राइटर' से अन्तर्राष्ट्रीय समाचार लेती है. अप्रैल, 1986 में पी.टी.आई. ने 'स्कैन समाचार सेवा' प्रारम्भ की, जिसका उपयोग टेलीविजन चैनलों पर ताजा समाचार प्रसारित करने के लिए किया जाता है.

पी.टी.आई. के भारत में 132 कार्यालय हैं. न्यूयार्क, लन्दन, मास्को, नैरोबी, कुआलालम्पुर, बीजिंग, ढाका, इस्लामाबाद, ढाका, काठमाण्डू, कोलम्बो समेत 32 देशों में संवाददाता तथा अंशकालिक संवाददाता नियुक्त हैं. पी.टी.आई. के 20 कार्यालय उपग्रह सेवा से जुड़े हैं, जिनका एशिया, यूरोप तथा अमरीका के कई समाचार समितियों से सीधा सम्पर्क स्थापित है. पी.टी.आई. का मुख्यालय 375, दादाभाई नौरोजी मार्ग, मुम्बई-3 में स्थित है, जहाँ से सामाजिक, राजनैतिक, व्यापारिक, आर्थिक, तकनीकी और विकास पर आधारित समाचार ग्राहकों को उपलब्ध कराया जाता है. इसके 40 प्रतिशत समाचार अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के होते हैं.

यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (U.N.I.)–यह भारत की दूसरी तथा एशिया की तीसरी सबसे बड़ी समाचार एजेंसी है, जो अंग्रेजी भाषा में समाचार उपलब्ध कराती है. यू.एन.आई. का मुख्यालय नई दिल्ली के रफी मार्ग पर स्थित है. इसका

गठन प्रथम प्रेस आयोग के सुझाव पर समाचारों की निष्पक्षता को दृष्टि में रखकर किया गया, क्योंकि यू.एन.आई. के गठन से पूर्व देश में एक मात्र समाचार एजेंसी पी.टी.आई. का समाचारों के संकलन व वितरण पर एकाधिकार था. प्रथम प्रेस आयोग का मानना था कि जब देश में दो समाचार समितियाँ काम करेंगी, तो दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी. प्रतिस्पर्धा के कारण निष्पक्ष, तथ्यपूर्ण समाचार देने की होड़ लगेगी. यू.एन.आई. के गठन में 'स्टेट्समैन', 'टाइम्स ऑफ इंडिया', 'अमृत बाजार पत्रिका', 'हिन्दुस्तान टाइम्स' आर्यावर्त व 'दि हिन्दू' समेत अन्य 40 अग्रणी समाचार-पत्रों ने योगदान दिया. इस एजेंसी ने 21 मार्च, 1961 को विघटित एजेंसी 'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया' के टेलीप्रिंटरों पर अपना कार्य प्रारम्भ किया.

Vikas Bhadu

यू.एन.आई. के कार्यों का संचालन एक महाप्रबंधक की देख-रेख में होता है. इस एजेंसी का शोध ब्यूरो सप्ताह में कम से कम एक संदर्भ लेख प्रस्तुत करता है. यू.एन.आई के देश में एक सौ से ज्यादा कार्यालय हैं, जहाँ 350 संवाददाताओं समेत 1100 से अधिक कर्मचारी कार्यरत् हैं. इसके 17 अंशकालिक संवाददाता अमरीका, रूस, ब्रिटेन, श्रीलंका, नेपाल व पाकिस्तान जैसे देशों में समाचार संकलन के लिए कार्यरत् हैं. इस एजेंसी के 900 से ज्यादा ग्राहक हैं. यू.एन.आई. के साथ विश्व की 19 एजेंसियाँ समाचारों का आदान-प्रदान करती हैं, जिनमें तास (रूस), डी.पी.ए. (पश्चिम जर्मनी), सी.टी.के. (चेकोस्लावाकिया), जी. जी. ग्रेस (जापान) तानजुंग (यूगोस्लाविया), ए.एन.एस.ए. (इटली), आई.एन.ए. (बंगलादेश) और रा.स.स. (नेपाल) सम्मिलित हैं. यू.एन.आई. अंग्रेजी भाषा में सामयिक महत्व पर आधारित लेखों के अलावा आर्थिक, वृद्ध, फोकस सेवा, स्पोर्टस फीचर, सन्दर्भ सेवा आदि पर समाचार देती हैं. यह एजेंसी अपने समाचार टेलीप्रिंटर की मदद से प्रेषित करती है.

हिन्दुस्तान समाचार—'यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया' के वरिष्ठ पत्रकार एस.एस. आम्टे ने दिसम्बर, 1948 में 'हिन्दुस्तान समाचार' नामक एजेंसी का गठन भारतीय भाषा में समाचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया. इसने सबसे पहले हिन्दी भाषा में समाचार प्रेषित करने के लिए टेलीप्रिंटर का प्रयोग किया. सन् 1951 में दिल्ली-पटना के बीच समाचार सम्प्रेषण के लिए टेलीप्रिंटर का उपयोग किया गया. इसके बाद लखनऊ कार्यालय को भी इससे जोड़ दिया गया.

फरवरी 1957 में 'हिन्दुस्तान समाचार' को सहकारी एजेंसी के रूप में पुनर्गठित किया गया, जिसके सहकारी नियमों के अनुसार—इसके कर्मचारी ही उसके शेयर को खरीद सकते थे, किन्तु विशेष परिस्थिति में कुछ गणमान्य लोगों को भी शेयर धारक बनाने की व्यवस्था थी. सन् 1976 में इसके सदस्यों की संख्या 313 थी, जिनमें 270 शेयर धारक थे. इसका मुख्यालय जीवन विहार, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में था. इसके अतिरिक्त बम्बई, कलकत्ता, पटना, नागपुर, जयपुर और लखनऊ में शाखा खोली गई थी.

सन् 1976 में 'समाचार' नामक समिति में विलय से पहले 135 समाचार-पत्र ग्राहक थे. इसके अतिरिक्त केन्द्र व राज्य सरकारें तथा दूतावास समाचार लेते थे. 'हिन्दुस्तान समाचार' हिन्दी, मराठी, बंगला, उर्दू, पंजाबी, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, नेपाली, असमिया, उड़िया आदि भाषाओं में समाचार देती थी. सन् 1978 में जनता पार्टी सरकार ने इसे 'समाचार' नामक एजेंसी से पृथक् किया, लेकिन पहले की तरह नहीं चल सकी और 90 के दशक में बन्द हो गई, लेकिन इसके कर्मचारियों ने इसे न्यायालयों में जीवित रखा. अन्ततः सन् 2000 से हिन्दुस्तान समाचार ने पुनः कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है, लेकिन इसकी सेवाओं को व्यापक रूप से विस्तार नहीं मिल सका है.

समाचार भारती—इस एजेंसी का गठन 2 अक्टूबर, 1966 को वरिष्ठ पत्रकार धर्मवीर गांधी के प्रयासों के परिणामस्वरूप हुआ. इसका पंजीकरण कम्पनी लॉ की धारा 25 के तहत् कराया गया. इसमें बिहार, गुजरात व राजस्थान सरकार की 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी, जिसके चलते कुछ लोग 'समाचार भारती' को सरकारी एजेंसी भी कहते थे. यह जानकर आश्चर्य होगा कि जितनी पूंजी 'समाचार भारती' के पास थी, तब उतनी न तो 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के पास थी और न ही 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया' के पास. यह मुख्य रूप से स्वदेश के समाचारों को उपलब्ध कराती थी. विदेशी प्रसारणों से अपने देश से सम्बन्धित समाचारों का चयन करके देती थी. राज्य सरकारें और आकाशवाणी इसके ग्राहक थे. इसका विलय आपातकाल के दौरान फरवरी 1976 में 'समाचार' नामक एजेंसी के साथ कर दिया गया. सन् 1978 में जनता पार्टी की सरकार ने इसे अलग किया, किन्तु पहले की तरह व्यवहारिक रूप से चल न सकी.

समाचार—भारत सरकार ने 24 जनवरी, 1976 को आपातकाल के दौरान एक अध्यादेश जारी कर चारों समाचार एजेंसियों—पी.टी.आई., यू.एन.आई., हिन्दुस्तान समाचार व समाचार भारती का 'समाचार' नामक एजेंसी में विलय कर दिया. यह एक प्रकार से समाचार एजेंसियों के स्रोतों पर सरकार के नियंत्रण को द्योतक था. तब भारत में एकमात्र यही समाचार एजेंसी रह गई थी, जिसे प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने आर्थिक सहायता प्रदान की. इससे 'समाचार' के कर्मचारियों को वेतन व अन्य सुविधाएं मिलने लगीं. इसकी प्रबंध समिति ने 1, अप्रैल, 1976 से अपना कार्य करना प्रारम्भ किया, लेकिन 14 अप्रैल, 1978 को जनता पार्टी सरकार ने समाचार का विघटन पूर्व की चारों समाचार एजेंसियों के रूप में कर दिया. इस दौरान सरकार ने वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैय्यर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन कर समाचार एजेंसियों की संरचना और भविष्य के सन्दर्भ में अध्ययन कर सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी.

यूनीवार्ता—द्वितीय प्रेस आयोग के अंग्रेजी भाषा की समाचार एजेंसियों से भारतीय भाषा की उच्चस्तरीय समाचार एजेंसियों के गठन की अपेक्षा की थी, जिसके तहत् 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया' ने 1 मई, 1982 को 'यूनीवार्ता' का गठन किया, जो हिन्दी भाषा की समाचार एजेंसी है. 'यूनीवार्ता' ने अपने प्रारम्भिक चार सालों में ही ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर लीं. इस सन्दर्भ में यू.एन.आई. के महाप्रबंधक जीजी मीर चंदानी का कथन महत्वपूर्ण है—पहली बार यह प्रयास किया गया है कि हिन्दी और भारतीय भाषा-भाषी के समाचार-पत्रों की एक ऐसी समाचार एजेंसी हो, जो सब दृष्टि से परिपूर्ण हो. अर्थात् उसमें राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय, प्रादेशिक, सामाजिक, राजनैतिक, व्यापार, खेलकूद, मनोरंजन आदि क्षेत्रों के समाचार प्राप्त हों. यूनीवार्ता का विकास एक ऐसी ही सम्पूर्ण समाचार एजेंसी के रूप में हो, जिससे सभी भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों को अपनी भाषा में समाचार प्राप्त हो सकें.

भारत के सभी बड़े महानगरों में 'यूनीवार्ता' के कार्यालय हैं. इसकी समाचार सेवाएं 150 से अधिक समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं को मिल रही हैं. इस समाचार एजेंसी मे चार दर्जन से अधिक पत्रकार कार्यरत् हैं. 'यूनीवार्ता' की समाचार सेवा के ग्राहक कई अन्य भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्र भी हैं, जैसे—मराठी का 'आन्दोलन' व 'जालान महाराष्ट्र इत्यादि. इसकी समाचार सेवा अन्य दूसरी भारतीय भाषाओं में आरम्भ करने में दिक्कत आ रही है, क्योंकि टेलीप्रिंटर देवनागरी लिपि के अतिरिक्त अन्य किसी भी लिपि में उपलब्ध नहीं है. 'यूनीवार्ता' का ध्येय वाक्य है—"सभी खबरें, जल्दी खबरें और आपकी भाषा में खबरें,"

शेष पृष्ठ 102 पर

पर्यावरण के जैविक संघटकों का निर्माण

Vikas Bhadu

जीवमण्डल अथवा पर्यावरण के जैविक (biotic) अथवा कार्बनिक (Organic) संघटक का निर्माण निम्नलिखित तीन उपतन्त्रों द्वारा होता है–(1) पादप तन्त्र (Plant System), 2. जन्तु तन्त्र (Animal System), 3. सूक्ष्म जीव तन्त्र (Micro-Organism System) उपरोक्त तीनों उपतन्त्रों में पादप तन्त्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि जैविक या कार्बनिक पदार्थों का निर्माण पौधे स्वयं करके उनका प्रयोग करते हैं. परन्तु जन्तु सूक्ष्म जीव एवं मानव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन्हीं पौधों पर निर्भर करते हैं. ये जीवमण्डल में विभिन्न संघटकों में जैविक पदार्थ तथा पोषक तत्वों के गमन, संचरण, चक्रण एवं पुनः चक्रण को सम्भव बनाते हैं.

1. पादप तन्त्र (Plant System)

पौधों का सामाजिक समूह, पादप समुदाय (Plant Community) कहलाता है, इसकी आधारभूत इकाई पौधे होते हैं. यह किसी भी स्थान पर अपनी अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत विभिन्न रूपों जैसे वन भूमि (wood land), वन (forest), ब्राण्ड क्षेत्र या घास क्षेत्र (Meadow), दलदल (bogs) या घास के मैदान (Grass land) आदि में पाए जाते हैं. इन समस्त रूपों को सम्मिलित रूप से वनस्पति या वानस्पतिक आवरण कहते हैं. दूसरे शब्दों में हम यह कह सकते हैं किसी क्षेत्र या प्रदेश की वनस्पति की रचना उस क्षेत्र की विभिन्न जातियों के पौधों के समूह या एक ही जाति के विभिन्न पौधों के समूहों द्वारा होती है. पौधों की जातियाँ परिस्थितिकीय रूप से एक-दूसरे से सम्बन्धित होती हैं. पौधों के विभिन्न समूह अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता तथा सहन-शीलता के गुणों के कारण एक ही आवास में रहने में समर्थ होते हैं. अतः यह सत्य है कि पादप समुदाय किसी क्षेत्र या प्रदेश की पारिस्थितिकी दशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं परिस्थितिकविदों एवं जीवभूगोलवेत्ताओं ने पादप समुदाय को विभिन्न रूपों में परिभाषित किया है जैसे पादप जातियों का सामाजिक समूह, पौधों के समूह का प्रतिनिधित्व जो एक साथ विकसित होते हैं, या पादप जातियों का समूह.

पादप समुदाय की विशेषताएँ–पादप समुदाय में अग्रलिखित विशेषताएँ होती हैं–

(1) पादप समुदाय में दो या दो से अधिक जातियाँ होती हैं.

(2) पादप समुदाय की प्रजातियाँ अपने निवास क्षेत्र में वृद्धि एवं विकास करती हैं जिससे इस समुदाय के विभिन्न सदस्य (जातियाँ) आपस में परिस्थितिकीय रूप से सम्बन्धित होते हैं.

(3) इस समुदाय का संघटन तथा संरचना लम्बे समय तक पौधों एवं उनके भौतिक पर्यावरण के मध्य अन्तर्क्रियाओं के परिणामस्वरूप विकसित होती हैं.

(4) पादप समुदाय आवास, क्षेत्र या प्रदेश, जिससे वह सम्बन्धित है, की परिस्थि-तिकीय दशाओं का प्रतिनिधित्व करता है.

पौधों की जाति उनकी संरचना उनका संघटन एवं वृद्धि, उनके आवास की भौतिक दशाओं तथा जैविक संघटकों की आपसी अन्तर्क्रियाओं के कारण ही सम्भव हो पाता है, भौतिक दशाओं के अन्तर्गत मृदा तथा जलवायु का पौधों की जाति, संरचना एवं वृद्धि पर पर्याप्त प्रभाव पड़ता है, साथ ही पौधे भी अपने आवास क्षेत्र की मृदा के गुणों तथा जलवायु की दशाओं को प्रभावित व निर्धारित करते हैं. अतः यह कहा जा सकता है कि पादप समुदाय अपने आवास क्षेत्र में भूमि की उत्पादकता को निर्धारित करते हैं.

पौधे प्राथमिक उत्पादक होते हैं, क्योंकि ये सूर्य के प्रकाश का प्रयोग करके प्रकाश संश्लेषण की विधि द्वारा अपना भोजन स्वयं तैयार करते हैं. इसीलिए, पौधे स्वपोषित (Autotrops) कहलाते हैं. पौधे भूमि पर मानव सहित समस्त जन्तुओं के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आहार एवं ऊर्जा की आपूर्ति के लिए प्रमुख स्रोत हैं.

2. जन्तुजगत (Animal Kingdom)

इन्हें परपोषित संघटक (Heterotropic Components) कहते हैं इसके अन्तर्गत उन जन्तुओं को सम्मिलित किया जाता है जो अपने आहार के लिए प्राथमिक उत्पादक, हरे पौधों पर, निर्भर करते हैं. इन परपोषित जन्तुओं को प्राथमिक उपभोक्ता (Primary Consumers) भी कहते हैं. इन जन्तुओं के प्रमुख कार्यों के अन्तर्गत निम्नलिखित सम्मिलित हैं–

(1) स्वपोषित हरे पौधों द्वारा सुलभ करायें गये जैविक पदार्थों का सेवन करना इसके अन्तर्गत वृक्ष, पौधों की पत्तियाँ, टहनियाँ, छाल एवं फल आदि का सेवन करना सम्मिलित है.

(2) जैविक पदार्थों का पुनःर्व्यवस्था करना (इसके विभिन्न रूप हो सकते हैं).

(3) जैविक पदार्थों का वियोजन करना जो निम्न से प्राप्त होते हैं (अ) जीवित पौधे और जन्तुओं से (ब) आंशिक वियोजित पौधे और जन्तुओं से (स) घोल रूप में जैविक यौगिकों (Organic Compound) से.

इस प्रकार जैविक पदार्थों की सुलभता के आधार पर परपोषित जन्तुओं (Hetero-tropic Animals) को निम्न तीन वर्गों में रखा जा सकता है–

(i) **मृतोपजीवी** (Saprophytes)–इस वर्ग के अन्तर्गत वे जन्तु आते हैं जो मृत पौधों तथा जन्तुओं से प्राप्त कार्बनिक यौगिकों को घोल रूप में ग्रहण करके अपना जीवन निर्वाह करते हैं.

(ii) **परजीवी** (Parasites)–इस वर्ग के अन्तर्गत वे जन्तु आते हैं जो अपने जीवन निर्वाह हेतु आहार प्राप्त करने के लिए दूसरे जीवित जीवों पर निर्भर होते हैं.

(iii) **प्राणी समभोजी** (Holozonic)–इस वर्ग के अन्तर्गत वे जन्तु आते हैं जो अपना आहार अपने मुख द्वारा ग्रहण करते हैं ये जन्तु पेड़ों की टहनियाँ तथा शाखाएँ तक खा जाते हैं. जैसे हाथी, गाय, बैल, ऊँट, शेर आदि.

3. सूक्ष्म जीव तन्त्र (Micro-organism System)

सूक्ष्म जीवों को वियोजक (Deco-posers) भी कहते हैं, क्योंकि ये मृत पौधों तथा जन्तुओं तथा जैविक पदार्थों को विभिन्न रूपों में सड़ा-गलाकर वियोजित करते हैं. ये सूक्ष्म जीव जैविक पदार्थों के वियोजन के समय अपना भोजन भी ग्रहण करते हैं यह जटिल जैविक पदार्थों को वियोजित करके अलग करते हैं तथा उन्हें सरल बना देते हैं ताकि स्वपोषित हरे पौधे इन पदार्थों का पुनः उपयोग कर सकें. सूक्ष्म जीवों के अन्तर्गत कई प्रकार के सूक्ष्म बैक्टीरिया तथा कवक को सम्मिलित किया जाता है.

जन्तुओं और सूक्ष्म जीवों का अध्ययन निम्न चरणों (Stages) में किया जा सकता है–

(1) किसी क्षेत्र में समस्त जन्तुओं तथा सूक्ष्म जीवों की पहचान तथा उनका अभि-निर्धारण (2) सभी अभिनिर्धारण जन्तुओं तथा सूक्ष्म जीवों का वर्गीकरण करना, (3) जन्तुओं की उत्पत्ति (उद्‌भव) वितरण, विसरण (Dispersal) तथा विलोप (Extin-ction) का अध्ययन करना. हम यह जानते

शेष पृष्ठ 90 पर

पर्यावरण लेख

जैव विविधता पर संकट

Vikas Bhadu

✍ डॉ. दीपक कोहली

पृथ्वी पर विविध प्रकार का जीवन विकसित हुए, जो मानव के अस्तित्व में आने के साथ ही उसकी आवश्यकताओं को पूर्ण करते रहे हैं और आज भी कर रहे हैं. प्रकृति में अनेकानेक प्रकार के पादप एवं जीव-जन्तु हैं जो परिस्थितिक तन्त्र के अनुरूप विकसित एवं विस्तारित हुए हैं और उनका जीवन चक्र क्रमिक रूप से चलता रहता है जब तक पर्यावरण अनुकूल रहता है.

जैसे ही पर्यावरण में प्रतिकूलता आती है, पारिस्थितिक चक्र में व्यतिक्रम आने लगता है. जीव-जन्तुओं एवं पादपों पर संकट आना प्रारम्भ हो जाता है. यही कारण है कि वर्तमान विश्व में अनेक जैव प्रजातियाँ विलुप्त हो गई हैं और अनेकों संकटग्रस्त हैं.

इसी कारण आज जैव विविधता के प्रति विश्व सचेष्ट है और अनेक विश्व संगठन तथा सरकारें इनके संरक्षण में प्रयत्नशील हैं. यह आवश्यक है, क्योंकि पारिस्थितिक चक्र में जीव एवं पादप आपसी सामंजस्य एवं सन्तुलन द्वारा ही न केवल विकसित होते हैं अपितु सम्पूर्ण पर्यावरण को सुरक्षा प्रदान करते हैं.

यदि इस चक्र में व्यवधान आता है अथवा कुछ जीव विलुप्त हो जाते हैं तो सम्पूर्ण चक्र में बाधा आ जाती है जो पर्यावरण में असन्तुलन का कारण होती है और मानव सहित सम्पूर्ण जीव-जगत के लिए संकट का कारण बनती है. जैव विविधता पर वर्तमान में सर्वाधिक संकट हो रहा है तथा प्रति वर्ष हजारों प्रजातियाँ विलुप्त होती जा रही हैं. इस कारण जैव विविधता के विविध पक्षों की जानकारी इसके संरक्षण हेतु आवश्यक है.

जैव विविधता शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग अमरीकी कीट विज्ञानी इ.ओ. विल्सन द्वारा 1986 में 'अमरीकन फोरम ऑन बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी' में प्रस्तुत रिपोर्ट में किया गया. यह शब्द दो शब्दों 'जैव' तथा 'विविधता' द्वारा व्यक्त किया जाता है, जिसका साधारण अर्थ जैव जगत में व्याप्त विविधता से है.

जैव विविधता से आशय जीवधारियों (पादप एवं जीवों) की विविधता से है जो प्रत्येक क्षेत्र, देश, महाद्वीप अथवा विश्व स्तर पर होती है. इसके अन्तर्गत सूक्ष्म जीवों से लेकर समस्त जीव जगत सम्मिलित है.

जैव विविधता का प्रमुख कारण भौगोलिक पर्यावरण में विविधता है और यह करोड़ों से हजारों वर्षों की अवधि में चलने वाली अनवरत् प्रक्रिया का प्रतिफल है. इस पृथ्वी पर लगभग 20 लाख जैव प्रजातियों का अस्तित्व है और प्रत्येक जीव का पारिस्थितिक तन्त्र में महत्व होता है.

प्रकृति के निर्माण और इसके अस्तित्व हेतु जैव विविधता की प्रमुख भूमिका है. अतः यदि इसका ह्रास होता है तो पर्यावरण चक्र में गतिरोध आता है और उसका जीवों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है. वर्तमान में जैव विविधता के प्रति सचेष्ट होने का कारण जैव विविधता की तीव्र गति से हानि होना है.

एक अनुमान के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 10000 से 20000 प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं. इस प्रकार की हानि सम्पूर्ण विश्व के लिए हानिकारक है. अतः इसके समुचित स्वरूप की जानकारी कर इसका संरक्षण करना अति आवश्यक है.

जैव विविधता को तीन वर्गों में विभक्त किया गया है—

(i) **आनुवंशिक विविधता**—जीवों एवं पादपों में प्रत्येक आनुवंशिक आधार पर अन्तर होता है जो 'जीन' के अनेक समन्वय के आधार पर होता है और वही उसकी पहचान होती है, जैसा कि प्रत्येक मनुष्य एक दूसरे से भिन्न होता है. यह आनुवंशिक विविधता प्रजातियों के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक होती है. यदि आनुवंशिकता के स्वरूप में परिवर्तन होता है अथवा 'जीन' स्वरूप बिगड़ता है तो अनेक विकृतियाँ आती हैं और वह प्रजाति समाप्त भी हो सकती है.

प्रजातियों की विविधता का 'जीन भण्डार' होता है. उसी से हजारों वर्षों से फसलें और पालतू जानवर विकसित होते हैं. वर्तमान में नई किस्मों के बीज बीमारी मुक्त पौधे एवं उन्नत पशु विकसित किए जा रहे हैं जो आनुवंशिक शोध का प्रतिफल है. किसी भी जाति के सदस्यों में आनुवंशिक भिन्नता जितनी कम होगी उसके विलुप्त होने का खतरा अधिक होगा, क्योंकि वह वातावरण के अनुसार अनुकूलन नहीं कर सकेगी.

(ii) **प्रजातीय विविधता**—एक क्षेत्र में जीव-जन्तुओं और पादपों की संख्या वहाँ की प्रजातीय विविधता होती है. यह विविधता प्राकृतिक पारिस्थितिक तन्त्र और कृषि पारिस्थितिक तंत्र दोनों में होती है. कुछ क्षेत्र इसमें समृद्ध होते हैं जैसे कि उष्ण कटिबन्धीय वन क्षेत्र, दूसरी ओर एकाकी प्रकार के विकसित किए गए वन क्षेत्र में कुछ प्रजातियाँ ही होती हैं.

वर्तमान सघन कृषि तन्त्र में अपेक्षाकृत कम प्रजातियाँ होती हैं जबकि परम्परागत कृषि पारिस्थितिक तंत्र में विविधता अधिक होती है. एक वंश की विभिन्न जातियों के मध्य जो विविधता मिलती है, वह जातिगत जैव विविधता होती है तथा किसी क्षेत्र में एक वंश की जातियों के मध्य जितनी भिन्नता होती है, वह जाति स्तर की जैव विविधता होती है.

(iii) **पारिस्थितिक तन्त्र-विविधता** पारिस्थितिक तन्त्र विविधता-पृथ्वी पर विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तन्त्र हैं जो विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के आवास स्थल हैं. एक भौगोलिक क्षेत्र के विविध पारिस्थितिक तन्त्र हो सकते हैं, जैसे पर्वतीय, घास के मैदान, वनीय, मरुस्थलीय आदि तथा जलीय जैसे नदी, झील, तालाब, सागर आदि. यह विविधता विभिन्न प्रकार के जीवन को विकसित करती है जो एक तन्त्र से दूसरे में भिन्न होते हैं. यही भिन्नता पारिस्थितिक भिन्नता कहलाती है.

उपर्युक्त जैव विविधता के अतिरिक्त कुछ विद्वान विकसित जैव विविधता तथा सूक्ष्म जीव जैव विविधता का भी वर्णन करते हैं. विकसित जैव विविधता मानवीय प्रयासों से विकसित होती है जैसे कृषि के विविध स्वरूप, पालतू जानवरों की विविधता, वानिकी की विविधता आदि. जबकि सूक्ष्म जीव विविधता में अति सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे बैक्टीरिया, वायरस, फंगस, आदि सम्मिलित हैं जो जैव-रसायन चक्र में महत्वपूर्ण होते हैं. यद्यपि ये दोनों प्रकार उपर्युक्त श्रेणियों में सम्मिलित हैं.

क्षेत्रीय विस्तार के आधार पर जैव विविधता के निम्न प्रकार हैं—

(i) **स्थानीय जैव विविधता** का विस्तार सीमित होता है. यह छोटे क्षेत्र का भौगोलिक प्रदेश हो सकता है. इस क्षेत्र में मिलने वाले जीवों एवं पादपों की विविधता को स्थानीय जैव विविधता कहते हैं. इस विविधता का कारण क्षेत्र का भौगोलिक स्वरूप होता है. एक ही जलवायु प्रदेश में भी क्षेत्रीय भिन्नता होती है. जैसे राजस्थान के अरावली, हाड़ौती, मरुस्थली एवं मैदानी क्षेत्र में भी जैव भिन्नता है. मरुस्थली क्षेत्र में, सिंचित और असिंचित क्षेत्रों में जैव विविधता होती है. हाड़ौती में चम्बल क्षेत्र, मुकन्दरा क्षेत्र, वनीय क्षेत्र और कृषि क्षेत्र में जैव विविधता है.

(ii) **राष्ट्रीय स्तर पर जैव विविधता** स्वाभाविक हैं क्योंकि एक देश में उच्चावचनीय, जलवायु, मृदा, जलराशियों, वन आदि में भिन्नता जैव विविधता का कारण होती है. राष्ट्रीय स्तर पर जैव विविधता का अध्ययन इसके संरक्षण में महत्वपूर्ण होता है क्योंकि नीतिगत निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लिए जाते हैं.

(iii) वैश्विक जैव विविधता का सम्बन्ध सम्पूर्ण विश्व से होता है. सम्पूर्ण विश्व के स्थल एवं जलीय भाग पर जीवों, पादपों एवं सूक्ष्म जीवों की लाखों प्रजातियाँ हैं. विश्व स्तर पर विभिन्न बायोम पारिस्थितिक तन्त्र हैं उनमें जैव विविधता अत्यधिक है जो सम्पूर्ण पारिस्थतिक तन्त्र को परिचालित करनें में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

Vikas Bhalla

जैव विविधता प्रकृति का अभिन्न अंग है और यह पर्यावरण को सुरक्षित रखने तथा पारिस्थितिक तन्त्र को परिचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. ऑक्सीजन का उत्पादन, कार्बन डाईऑक्साइड में कमी करना, जल चक्र को बनाए रखना, मृदा को सुरक्षित रखना और विभिन्न चक्रों को संचालित करने में इसकी महती भूमिका है. जैव विविधता पोषण के पुनः चक्रण, मृदा निर्माण, जल तथा वायु के चक्रण, जल सन्तुलन आदि के लिए महत्वपूर्ण है. मानव की अनेक आवश्यकताएँ जैसे भोजन, वस्त्र, आवास, ऊर्जा, औषधि आदि की पूर्ति में भी यह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती है, इसी कारण इसका आर्थिक महत्व भी है. जैव विविधता से युक्त प्राकृतिक स्थल सौंदर्यबोध कराते हैं तथा मनोरंजन स्थल के रूप में भी उपयोगी होते हैं.

जैव विविधता का महत्व

सामान्यता जैव विविधता का महत्व निम्न रूपों में है—

(i) **उपभोगात्मक महत्व**—जैव विविधता का प्रत्यक्ष उपयोग लकड़ी, पशु आहार, फल-फूल, जड़ी-बूटियों आदि के लिए होता है. इमारती लकड़ी और ईंधन के लिए वनस्पति का उपयोग सदैव से होता रहा है, यद्यपि इसका व्यापारीकरण विनाश का कारण भी बनता है. पशुओं के लिए चारा, शहद, मांस-मछली के लिए तथा औषधि के लिए इनका उपयोग स्थानीय स्तर पर होता रहा है. यद्यपि अत्यधिक उपभोक्तावादी प्रवृत्ति और स्वार्थपरता इसके विनाश के कारण हैं.

(ii) **उत्पादक महत्व**—वर्तमान में जैव तकनीशियन एवं वैज्ञानिक आनुवंशिकता के आधार पर नए-नए पादपों का विकास करने लगे हैं. उच्च उत्पादकता वाले कृषि बीजों का विकास तथा बीमारी प्रतिरोध क्षमता वाले पौधों का विकास कृषि क्षेत्र में क्रान्ति ला रहे हैं. इसी प्रकार हाइब्रीड पशुओं द्वारा अधिक दूध एवं ऊन आदि प्राप्त किया जाता है. औषधि विज्ञान में प्रगति के साथ अनेक औषधीय पौधों का उपयोग दवाओं के बनाने में हो रहा है. भारतीय चिकित्सा में आयुर्वेद का आधार ही प्रकृति की जड़ी-बूटियाँ हैं. वानिकी के माध्यम से वनों से अनेक पदार्थ प्राप्त किए जाते हैं विश्व का 90 प्रतिशत खाद्यान्न 20 पादप प्रजातियों से प्राप्त होता है. जैव विविधता वर्तमान में आर्थिक और औद्योगिक विकास के लिए भी आवश्यक है, अनेक उद्योग विशेषकर फार्मेसी उद्योग इस पर निर्भर हैं.

(iii) **सामाजिक महत्व**—जैव विविधता सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है. विश्व में आज भी अनेक जातियाँ और समुदाय प्राकृतिक वातावरण में सामंजस्य स्थापित कर जीवन-यापन करते हैं तथा जैव विविधता का अपनी सीमित आवश्यकताओं के लिए इस प्रकार उपयोग करते हैं कि उनको हानि नहीं पहुँचती है. अनेक क्षेत्रों में जैव विविधता परम्परागत समुदायों द्वारा ही सुरक्षित है. वे इसका उपयोग भी करते हैं, किन्तु इतना कि वे पुनः विकसित हो सकें. इसके साथ उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाएँ भी जुड़ी रहती हैं.

(iv) **नीतिपरक एवं नैतिक महत्व**—जैव विविधता को संरक्षित करने में मानव के नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण योग है. सभी धार्मिक ग्रन्थों में जीव जगत की सुरक्षा का सन्देश है और यह माना जाता है कि प्रत्येक जीव का पृथ्वी पर महत्व है और उसे जीने का अधिकार है. भारत में पेड़-पौधों, जंगली जानवरों एवं जीवों को धार्मिक आस्था से इतना अच्छी प्रकार से जोड़ा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति उनकी सुरक्षा करता है. यहाँ वृक्षों में देवताओं का वास मानकर पूजा की जाती है. पीपल, बड़, तुलसी आदि वृक्षों की नियमित पूजा सामान्य है. इसी प्रकार विभिन्न जीवों को देवता का वाहन अथवा प्रिय स्वीकार कर उनको सम्मान देने की यहाँ परम्परा है. जैव विविधता के संरक्षण का इससे अच्छा उदाहरण क्या हो सकता है. जैन धर्म का अहिंसा सिद्धान्त एवं गांधी का अहिंसावाद भी जैव विविधता के संरक्षण का नीतिगत स्वरूप है.

(v) **सौन्दर्यगत महत्व**—प्रकृति सदैव से सौन्दर्यपरक रही है और इस सौंदर्य में जैव विविधता की महती भूमिका होती है. वनों से आच्छादित प्रदेश, फूलों से लदे पेड़, पर्वतीय एवं घाटी स्थल हों यो समुद्र तटीय क्षेत्र, मरुस्थली प्रदेश हों या झील प्रदेश, सभी का अपना सौन्दर्य वहाँ की जैव विविधता से है. जंगली जीवों से युक्त अभयारण्य, पक्षियों के क्षेत्र तथा विशेष पादपीय प्रदेश सभी को आकर्षित करते हैं. राष्ट्रीय उद्यान, पक्षी विहार, अभयारण्य, विशेष जानवरों के स्थल जैसे टाइगर, हाथी, चीते आदि के स्थल हों या सागरीय जीवों के क्षेत्र सभी का सौन्दर्य विशेष होता है. इसी कारण जैव विविधता से युक्त प्रदेश पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र होते हैं.

(vi) **पारिस्थितिक महत्व**—विविध प्रजातियों द्वारा पारिस्थितिक तन्त्र परिचालित होता है, इसमें एक जीव दूसरे पर निर्भर रहता है. एक प्रजाति के नष्ट हो जाने से दूसरे जीवों पर भी संकट आ जाता है. उदाहरण के लिए एक वृक्ष का केवल आर्थिक महत्व ही नहीं होता अपितु उस पर अनेक पक्षी एवं सूक्ष्म जीवों का निवास निर्भर करता है और यह मृदा एवं जल के लिए भी महत्वपूर्ण होता है. अतः, यदि इसे नष्ट किया जाता है तो इन सभी पर न केवल प्रभाव पड़ेगा अपितु कुछ जीव नष्ट भी हो जाएंगे. उत्पादक, उपभोक्ता एवं अपघटक के रूप में सम्मिलित प्रत्येक पादप एवं जीवों का पारिस्थितिक महत्व होता है.

इस प्रकार के स्थलों के चयन के दो प्रमुख आधार हैं, प्रथम—जहाँ जैव विविधता अधिक हो और दुर्लभ प्रजातियाँ मिलती हों और द्वितीय-इन प्रजातियों पर विलुप्त होने का संकट हो. विश्व के तप्त स्थलों में से अधिकांश उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में हैं.

विश्व के प्रमुख जैव विविधता के स्थल हैं—

(i) भूमध्य सागरीय बेसिन (ii) केरीबियन द्वीप समूह (iii) मेडागास्कर क्षेत्र (iv) सुण्डा लैण्ड (इण्डोनेशिया) (v) वालेसी (vi) पोलीनेशिया एवं माइक्रोनेशिया (प्रशान्त महासागरीय द्वीपों का समूह)

इनके अतिरिक्त निम्नलिखित क्षेत्र भी हैं—

(i) कैलीफोर्निया, (ii) मध्य अमरीका, (iii) उष्ण कटिबन्धीय ऐण्डीज, (iv) मध्य चिली, (v) ब्राजील एवं अटलांटिक वन क्षेत्र, (vi) गिनी तट, (vii) केप क्षेत्र, (viii) काकेशस, (ix) पश्चिमी घाट, (x) द. प. चीन का पर्वतीय क्षेत्र (xi) इण्डी-बर्मा (xii) द.प. ऑस्ट्रेलिया, (xiii) न्यूजीलैण्ड.

उपर्युक्त सभी क्षेत्रों में अनेक प्रजातियाँ संकटग्रस्त हैं और अनेक विलुप्त भी हो चुकी हैं. विश्व जैव विविधता के संरक्षण के लिए इन क्षेत्रों पर सर्वाधिक ध्यान देना आवश्यक है. इन प्रमुख क्षेत्रों के अतिरिक्त प्रत्येक देश/प्रदेश में इस प्रकार के स्थल हो सकते हैं, उन्हें चिह्नित करना और इनके संरक्षण के उपाय करना आवश्यक है.

यह सर्वविदित तथ्य है कि जैव विविधता संकटग्रस्त है और इसका निरन्तर क्षरण होने से विलोपन भी हो रहा है. विश्व संरक्षण एवं नियन्त्रण केन्द्र के अनुसार लगभग 88,000 पादप एवं 2000 जन्तु प्रजातियों पर

यह खतरा मंडरा रहा है. प्रति 100 वर्ष में लगभग 20 से 25 स्तनधारी एवं पक्षी विलुप्त हो रहे हैं. इसके अतिरिक्त 24 प्रतिशत जन्तु एवं 12 प्रतिशत पक्षी प्रजातियाँ विश्व स्तर पर खतरे में हैं. अन्य प्रजाति समूहों पर भी खतरा निरन्तर है किन्तु इनका समुचित अध्ययन नहीं किया गया है.

संक्षेप में जैव विविधता विलोपन के निम्न कारण हैं–

(i) **आवास स्थलों का विनाश**–मानव जनसंख्या में वृद्धि तथा विकास के साथ-साथ जीवों के प्राकृतिक आवास समाप्त होते जाते हैं जो जैव विविधता क्षति का प्रमुख कारण है. मानव अधिवास अर्थात् ग्राम एवं नगरों का बसाव और फैलाव, सड़कों का निर्माण, उद्योगों का विकास, कृषि क्षेत्रों का विस्तार, खनिज-खनन, बाँधों का निर्माण आदि कार्यों से वन क्षेत्र अथवा अन्य जीव आवासीय क्षेत्रों को हानि पहुँचती है. एक बड़े बाँध के निर्माण से हजारों हेक्टेयर भूमि जलमग्न हो जाती है और वहाँ स्थित पादप, पशु-पक्षी तथा अन्य जीव-जन्तुओं का विनाश हो जाता है. इसी प्रकार खनिज खनन पूर्णतया जीव आवासों को नष्ट कर देता है. आवास स्थलों का विनाश लगभग 36 प्रतिशत जैव विविधता के विनाश का कारण रहा है. UNEP और ICUN की रिपोर्ट के अनुसार उष्ण कटिबन्धीय एशिया में वन्य जीवों के 65 प्रतिशत आवास नष्ट हो चुके हैं.

(ii) **आवास विखण्डन**–प्रारम्भ में प्राकृतिक आवास स्थल विस्तृत क्षेत्रों मैं फैले हुए थे, जिससे जीवों जैसे वन्य जीव, पक्षियों तथा अन्य जीवों को स्वच्छंद विचरण करने का अवसर मिलता था. अब इनका विखण्डन हो रहा है, कहीं रेलमार्ग तो कहीं सड़क, नहर या पाइप लाइन द्वारा. आवास विखण्डन से भूमि का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है, वाहनों आदि के गुजरने से प्रदूषण अधिक हो रहा है तथा दुर्घटनाओं में भी जीव मारे जा रहे हैं. आवास विखण्डन के फलस्वरूप अनेक जीवों के प्राकृतिक स्थल भी बँट जाते हैं. उनमें पृथकता होने लगती है जिससे जैव विविधता को हानि पहुँचती हैं.

(iii) **कृषि एवं वानिकी की परिवर्तित प्रवृत्ति**–कृषि की पद्धति और प्रारूप में परिवर्तन भी जैव विविधता को हानि पहुँचा रहा है. पहले विभिन्न प्रकार की फसलों को क्रम से उगाया जाता था जिससे भूमि की क्षमता तथा फसलों की कीट प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती थी. अब अधिकांशतः व्यापारिक प्रवृत्ति के कारण एकाकी फसल की प्रकृति हो गई. साथ ही अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग तथा कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि क्षेत्र के सूक्ष्म जीवों का विनाश हो रहा है. जो न केवल कृषि अपितु पर्यावरण को भी हानि पहुँचा रहा है. इसी प्रकार वनीय क्षेत्रों में व्यापारिक उपयोग हेतु एकाकी वृक्षों का रोपण किया जा रहा है. अनेक प्राकृतिक स्थलों में यूकेलिप्टस, विदेशी बबूल लगाया जा रहा है. कहीं व्यापारिक उपयोग हेतु अन्य वनों को काट कर केवल सागवान, टीक, ओक, वालेट के वृक्ष लगाए जा रहे हैं. दूसरी ओर वन क्षेत्रों को समाप्त कर विभिन्न प्रकार से कृषि करना भी जैव विविधता क्षरण तथा अन्त में प्रजाति विलुप्तीकरण का कारण है.

(iv) **नवीन प्रजातियों का प्रभाव**–स्थानीय प्रजातियाँ जो सदियों से वहाँ पनप रही हैं उनके स्थान पर नवीन प्रजातियों को लाना भी जैव विविधता पर आक्रमण है और इसको हानि पहुँचा रहा है. जैसे चकत्ते वाला हिरण को अण्डमान-निकोबार द्वीपों में ब्रितानियों द्वारा लाया गया जो वहाँ के पादपों एवं खेतों को निरन्तर हानि पहुँचा रहा है. इसी प्रकार विदेशी पौधों का आगमन स्थानीय पौधों को हानि पहुँचा रहा है. इसका प्रत्यक्ष उदाहरण यूकेलिप्टिस का भारत में विस्तृत क्षेत्रों पर रोपण है जिसने स्थानीय वनस्पति को समाप्त कर दिया है. हरित क्रान्ति द्वारा देश में नवीन कृषि बीजों के प्रचलन से देशी पौधों को अत्यधिक हानि पहुँची है. इसी प्रकार गाय, भेड़, सुअर, मुर्गी आदि की विदेशी प्रजातियाँ, देशी प्रजातियों के लिए खतरा बन रही हैं. देशी प्रजातियाँ पर्यावरण सामंजस्य वाली होती हैं, दूसरी ओर विदेशी नस्ल के संकर जीव यद्यपि अधिक उत्पादन देते हैं किन्तु स्थानीय जैव-विविधता के लिए संकट का कारण बनते हैं.

(v) **व्यापारिक उपयोग हेतु अति दोहन**–मानव द्वारा अनेक प्रजातियों का इतना अधिक दोहन किया गया है कि वे संकटग्रस्त हो गई हैं अवैध शिकार और तस्करी अनेक जीवों के न केवल संकट का कारण अपितु विलुप्त होने का कारण भी है. शेर, चीता, हाथी का शिकार उनकी खाल, बाल, दाँत, हड्डियों आदि के लिए किया जाता है. फर वाले अनेक जानवर, साँप तथा पक्षियों को मारा जाता है या जिन्दा पकड़ कर तस्करी की जाती है. यह कार्य स्थानीय एवं प्रादेशिक स्तर पर नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होता है. अनेक जलीय जीवों का अत्यधिक विनाश हो रहा है.

(vi) **प्रदूषण**–मृदा, जल और वायु प्रदूषण पारिस्थितिकी चक्र को प्रभावित करता है और इसका प्रभाव जैव विविधता पर पड़ता है. प्रदूषण अनेक जीवों और पादपों को समाप्त कर देता है. अनेक प्रकार के हानिकारक रसायन जिनका प्रयोग कीटनाशकों के लिए होता है. उससे समस्त जल जीव मर जाते हैं. उदाहरण के लिए अमरीका कृषि क्षेत्र मिसीसीपी नदी द्वारा मैक्सिको की खाड़ी में जो रसायन गिरते हैं उनसे लगभग 7,700 वर्ग मील के क्षेत्र में मृत क्षेत्र बन गया है जहाँ 20 मीटर गहराई तक ऑक्सीजन समाप्त हो गई है जिसके कारण वहाँ पर लगभग सभी जीव समाप्त हो गए हैं.

(vii) **वैश्विक जलवायु परिवर्तन**–विश्व की जलवायु में परिवर्तन आ रहा है. ओजोन परत की विरलता तथा हरित गृह प्रभाव से विश्व के तापमान में वृद्धि हो रही है. यही नहीं अपितु वनोश्वन, विभिन्न गैसों का उत्सर्जन, अम्लीय वर्षा भी जलवायु तन्त्र को प्रभावित कर रहा है. जलवायु परिवर्तन का सीधा प्रभाव विभिन्न प्रजातियों पर होता है, वे नवीन परिस्थितियों से सामंजस्य न कर पाने के कारण विलुप्त होने लगती हैं. विश्व तापमान में वृद्धि से जीवों का स्थानान्तरण होता है. द्वीपीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अधिक होता है. जलवायु परिवर्तन केवल जीवों को ही नहीं अपितु पादपों को भी प्रभावित करता है. इससे फसल क्रम एवं फसल उत्पादन भी प्रभावित होता है.

(viii) **प्राकृतिक आपदाएँ**–प्राकृतिक आपदाएं जैसे ज्वालामुखी विस्फोट, भूकम्प, भू-स्खलन से भी जीव जगत को हानि पहुँचती हैं. इसी प्रकार बाढ़, सूखा, आगजनी तथा महामारी भी जैव विविधता को हानि पहुँचाते हैं. वनों में लगने वाली आग से अनेक जीव-जन्तु एवं पादप नष्ट हो जाते हैं, कभी-कभी इस प्रकार की आग विस्तृत क्षेत्रों में लगती है जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुँचता है.

उपर्युक्त कारणों के अतिरिक्त जैव विविधता के क्षरण में–

(a) जनसंख्या वृद्धि, (b) परम्परागत ज्ञान से अनभिज्ञता, (c) विधि तंत्र की विफलता, (d) लापरवाही आदि के कारण भी हैं.

तात्पर्य यह है कि वर्तमान में हम जैव विविधता विलोपन के संकट से जूझ रहे हैं, इसका सरंक्षण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए. ●●●

शेष पृष्ठ 87 का

हैं कि जन्तु जगत के अन्तर्गत सूक्ष्म जीवों से लेकर वृहदाकार जन्तुओं (जैसे–व्हेल आदि) के विभिन्न प्रकारों को सम्मिलित किया जाता है जीवमण्डलीय परिस्थितिक तन्त्र में इनकी संख्या अनगिनत होती है जिसके कारण इनका अभिर्निधारण एवं नामकरण सम्भव नहीं है.

फिर भी अभिर्निधारित जन्तुओं को सात निम्न क्रमिक वर्गों में विभक्त किया जा सकता है–(अ) जन्तु जगत, (ब) संघ (Phyla), (स) वर्ग (Class), (द) कोटि (Order), (य) परिवार (family), (र) वंश (Genera), (ल) जाति (Species). ●●●

Vikas Bhadu

अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE सर्वे रिपोर्ट 2018-19 के मुख्य तथ्य)

Vikas Bhadu

- 31 मार्च, 2019 को भारत में 993 विश्वविद्यालय, 39931 महाविद्यालय, 10725 स्टैंड अलोन संस्थाएं (Stand Alone Institutions) सूचीबद्ध हैं.
- 385 विश्वविद्यालय निजी तौर पर प्रबंधित (Privately Managed) हैं. 394 विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं.
- 16 विश्वविद्यालय सिर्फ महिलाओं के लिए हैं. राजस्थान में 3, तमिलनाडु में 2 तथा आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तराखण्ड तथा पश्चिम बंगाल में सिर्फ 1-1 विश्वविद्यालय महिलाओं के लिए है.
- 1 केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (Central Open University), 14 राज्यस्तरीय मुक्त विश्वविद्यालय (State Open University) तथा 1 राज्यस्तरीय निजी मुक्त विश्वविद्यालय (State Private Open University) है. इनमें से 110 द्वि-पद्धति (Dual Mode) वाले विश्वविद्यालय हैं, जो दूरस्थ शिक्षा (Distance Education) प्रदान करते हैं, जिनमें से सर्वाधिक 13 द्विपद्धति (Dual Mode) वाले विश्वविद्यालय तमिलनाडु में स्थित हैं.
- 548 सामान्य विश्वविद्यालय (General University), 142 तकनीकी विश्वविद्यालय (Technical Universities), 63 कृषि तथा कृषि से सम्बद्ध विश्वविद्यालय (Agricultural and Allied), 58 चिकित्सा विश्वविद्यालय (Medical), 23 विधि (Law) विश्वविद्यालय, 13 संस्कृत विश्वविद्यालय तथा 9 भाषा विश्वविद्यालय (Language Universities) के अतिरिक्त शेष 106 विश्वविद्यालय अन्य वर्ग (Other Categories) के हैं.
- भारत में महाविद्यालयों की संख्या के आधार पर 8 शीर्ष राज्य हैं—उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा, तमिलनाडु, गुजरात तथा मध्य प्रदेश.
- महाविद्यालयों की सर्वाधिक संख्या के आधार पर बेंगलूरू (शहरी) जिला 880 महाविद्यालयों के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद 556 महाविद्यालयों के साथ जयपुर है. शीर्ष 50 जिलों में लगभग 32·2 प्रतिशत महाविद्यालय स्थित हैं.
- 18-23 वर्ष आयु वर्ग की प्रति लाख आबादी पर महाविद्यालयों की संख्या अर्थात् महाविद्यालय घनत्व (College Density) भी भिन्न-भिन्न राज्यों में अलग-अलग है. 28 के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले जहाँ बिहार जैसे राज्य में मात्र 7 कॉलेज है, वहीं कर्नाटक में 53 कॉलेज है.
- 60·53 प्रतिशत महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैं. 11·04 प्रतिशत कॉलेज अनन्य (Exclusive) रूप में महिलाओं के लिए समर्पित हैं.
- केवल 2·5 प्रतिशत महाविद्यालय पी-एच.डी. (Ph.D.) कार्यक्रम का संचालन करते हैं, जबकि स्नातकोत्तर (Post Graduate) स्तर के कार्यक्रम चलाने वाले महाविद्यालयों का अनुपात 34·9 प्रतिशत है.
- 34·8 प्रतिशत महाविद्यालय, जो केवल एकल प्रोग्राम (Single Programme) चलाते हैं, जिनमें से 83 प्रतिशत निजी तौर पर शासित हैं. इनमें से 38·1 प्रतिशत महाविद्यालय सिर्फ बी.एड. (B.Ed.) कोर्स चलाते हैं.
- 77·8 प्रतिशत महाविद्यालयों का प्रबन्धन निजी हाथों में है, 64·3 प्रतिशत निजी-गैर सहायता प्राप्त (Private-Unaided) तथा 13·5 प्रतिशत निजी सहायता प्राप्त (Private-aided) हैं. आंध्र प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में लगभग 88 प्रतिशत निजी-गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालय, तमिलनाडु में 87 प्रतिशत निजी-गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालय हैं, वहीं असम में 16·0 प्रतिशत महाविद्यालय निजी गैर-सहायता प्राप्त महाविद्यालय हैं.
- 16·3 प्रतिशत महाविद्यालयों में नामांकन (Enrolment) 100 से कम तथा केवल 4·0 प्रतिशत महाविद्यालयों में नामांकन 3000 से अधिक हैं.
- उच्च शिक्षा (Higher Education) में कुल नामांकन अनुमानतः 37·4 मिलियन है, जिसमें 19·2 मिलियन पुरुष तथा 18·2 मिलियन महिलाएं हैं. कुल नामांकन (Enrolment) में 48·6 प्रतिशत महिलाएं हैं.
- भारत में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Ratio–GER), जिसमें 18 से 23 वर्ष के आयु वर्ग के लिए गणना की जाती है, 26·3 प्रतिशत है. छात्रों के लिए सकल नामांकन अनुपात (GER) 26·3 प्रतिशत है तथा छात्राओं के लिए 26·4 प्रतिशत है. अनुसूचित जातियों के लिए सकल नामांकन अनुपात (GER) 23 प्रतिशत है तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए यह 17·2 प्रतिशत है.
- उच्च शिक्षा में कुल नामांकन में दूरस्थ नामांकन का संघटन 10·62 प्रतिशत है, जिसमें 44·15 प्रतिशत छात्राएं हैं.
- लगभग 79·8 प्रतिशत छात्र स्नातक स्तर प्रोग्राम में नामांकन लेते हैं, 1,69,170 छात्र पी-एच.डी. (Ph.D.), जोकि कुल नामांकन का 0·5 प्रतिशत से कम है, में नामांकन लेते हैं.
- सर्वाधिक छात्र B.A. प्रोग्राम में नामांकन लेते हैं, उसके बाद B.Sc. तथा B.Com. में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में संचालित 187 पाठ्यक्रमों में से मात्र 10 पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा में नामांकनरत कुल विद्यार्थियों के 80·3% विद्यार्थी अध्ययनरत है.
- स्नातक (Undergraduate) स्तर पर कुल नामांकन में से 35·9 प्रतिशत कला/मानविकी/सामाजिक विज्ञान में, 16·5 प्रतिशत विद्यार्थियों ने विज्ञान संकाय और 14·1 प्रतिशत विद्यार्थी वाणिज्य संकाय में तथा 13·5 प्रतिशत छात्र-छात्राएं अभियांत्रिकी तथा तकनीकी संकाय में नामांकन कराया है.
- पी-एच.डी. स्तर पर सर्वाधिक छात्र विज्ञान संकाय में नामांकन लेते हैं, उसके बाद अभियांत्रिकी एवं तकनीकी में नामांकन लेते हैं. दूसरी तरफ परास्नातक (Post Graduate) स्तर पर सर्वाधिक छात्र-छात्राएं सामाजिक विज्ञान वर्ग के नामांकन कराते हैं, उसके बाद प्रबन्धन (Management) दूसरे पायदान पर आता है.
- सर्वाधिक नामांकन लेने वाले छात्रों के हिसाब से उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक छात्र नामांकन लेते हैं, उसके बाद महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु का स्थान आता है.

- कुल नामांकन में अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं का संघटन 14·9 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं का संघटन 5·5 प्रतिशत है. 36·3 प्रतिशत छात्र-छात्राएं अन्य पिछड़ा वर्ग के, 5·2 प्रतिशत छात्र-छात्राएं मुसलमान अल्पसंख्यक तथा 2·3 प्रतिशत छात्र-छात्राएं अन्य अल्पसंख्यक वर्ग के हैं.
- भारत में अध्ययनरत विदेशी छात्र-छात्राओं की संख्या 47,427 है.
- विश्व के 164 अलग-अलग देशों से विद्यार्थी भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त करने आते हैं. भारत में अध्ययनरत कुल विदेशी विद्यार्थियों में से 63·7% विद्यार्थी मात्र 10 देशों से हैं.
- पड़ोसी देशों से आने वाले कुल विदेशी छात्र-छात्राओं में नेपाल का हिस्सा 26·88 प्रतिशत है, उसके बाद अफगानिस्तान (9·8 प्रतिशत), बांग्लादेश (4·38 प्रतिशत), सूडान (4·02 प्रतिशत), भूटान (3·82 प्रतिशत) तथा नाइजीरिया (3·4 प्रतिशत) है.
- 78·0 प्रतिशत महाविद्यालयों का संचालन निजी क्षेत्र, सहायता प्राप्त, गैर-सहायता प्राप्त है, लेकिन इनमें अध्ययनरत विद्यार्थी कुल नामांकन का केवल 66·4 प्रतिशत है.
- उच्च शिक्षा में कुल शिक्षकों की संख्या 14,16,299 है, जिनमें से लगभग 57·8 प्रतिशत पुरुष शिक्षक हैं तथा 42·2 प्रतिशत महिला शिक्षक हैं. अखिल भारतीय स्तर पर 100 पुरुष शिक्षकों के अनुपात में 73 महिला शिक्षक हैं.
- विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio–PTR) 29 है. नियमित शिक्षा देने वाले विश्वविद्यालयों एवं उनके संघटक कॉलेजों में छात्र-शिक्षक अनुपात 18 है.
- 2018 में 40,813 छात्रों को पी-एच.डी. (Ph.D.) की डिग्री प्रदान की गई, जिसमें से 23,765 छात्र तथा 17,048 छात्राएं थीं.
- 2018-19 में सर्वाधिक डिग्रियाँ बी.ए. (23·3 लाख) के छात्र-छात्राओं को प्रदान की गईं. इसके बाद बी.एस-सी. (11·60 लाख) बी.कॉम. (9·6 लाख) का स्थान है.
- परास्नातक स्तर पर एम.ए. पास करने वाले छात्रों की संख्या सर्वाधिक थी, उसके बाद एम.एस-सी. तथा एम.बी.ए. पास करने वाले छात्र थे.
- कला श्रेणी में स्नातक करने वाले छात्रों की संख्या सर्वाधिक (23·30 लाख) थी. 11·6 लाख छात्र-छात्राओं को बी.एस-सी. तथा 9·6 लाख छात्र-छात्राओं को बी.कॉम. की डिग्री प्रदान की गई.
- पी-एच.डी. स्तर के छात्रों की अधिकतम संख्या विज्ञान श्रेणी में, उसके बाद अभियंत्रिकी एवं तकनीकी के छात्र हैं. दूसरी तरफ परास्नातक स्तर पर सर्वाधिक छात्रों की संख्या क्रमशः सामाजिक विज्ञान तथा प्रबन्धन (Management) संकाय की थी.
- पी-एच.डी. के छात्रों की सर्वाधिक संख्या राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों में (34·4%), उसके बाद राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (Institute of National Importance) में (21·6%), राज्यस्तरीय निजी विश्वविद्यालय में (13·4%), डीम्ड विश्वविद्यालय-निजी (Deemed University–Private) (21·6%) तथा राजकीय निजी विश्वविद्यालय (State Private University) में (13·4%) रही.
- राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (Institute of National Importance) में छात्राओं की भागीदारी सबसे कम है. इसके बाद राज्यस्तरीय निजी मुक्त विश्वविद्यालयों, डीम्ड विश्वविद्यालयों (सरकारी) में छात्राओं की भागीदारी सबसे कम रही.

Vikas Bhadu

UPKAR'S

Dictionary of Quotations

Compiled & Edited by : Radharaman Agarwal

Quotations give a unique sharpness to your expressions and representations. They show how you illuminate your imagination, elaborate the excellent ideas, illustrate your particular point, and project your perfect personality.

This book is purposedly designed to stimulate the taste of students, so that they can fruitfully use the quotations to enhance effect in their speech, write-up or even daily conversation.

- More than 7,500 quotations covering 725 topics, arranged thematically for easy look-up.
- Topics of modern times such as Animal Rights, Genetic Engineering, Science and Religion, The Internet, End of World, etc., also included.
- An index of more than 1900 authors (with a short individual biography for G.K. purpose.)

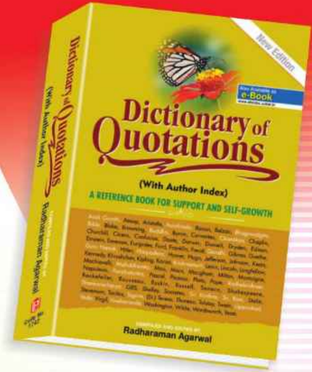

Code No. 1742 Price ₹ 250.00

UPKAR PRAKASHAN | 2/11 A, Swadeshi Bima Nagar, Agra-282 002. Ph. : (0562) 2530966, 2531101
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

• New Delhi 23251844, 43259035 • Hyderabad 24557283 • Patna 2303340 • Kolkata 25551510 • Lucknow 4109080 • Haldwani M. 07060421008 • Nagpur M. 09370877776 • Indore 9203908088

अभियान लेख

एवरेस्ट के बर्फीले पहाड़ों में गुम होती पर्वतारोहियों की जिन्दगियाँ

Vikas Bhadu

✍ योगेश कुमार गोयल

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहाँ रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहाँ मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है. बस मामूलीसी चूक हुई और जिन्दगी खत्म. यही कारण है कि इसे धरती के ऊपर पाताल की संज्ञा भी दी जाती रही है. करीब 30 हजार फुट ऊँची इस चोटी के रास्ते में जगह-जगह ऐसे श्मशान बन चुके हैं, जहाँ बरसों से पड़ी लाशें अपने अन्तिम संस्कार का इंतजार कर रही हैं. दरअसल इन दुर्गम रास्तों पर जिसने जहाँ दम तोड़ दिया, वहीं उसका श्मशान बन गया, क्योंकि यहाँ से लाशें निकालने की कोशिश करना भी खुदखुशी करने के समान माना गया है. इसके बावजूद आज भी विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है, किन्तु वास्तविकता यही है कि यह सपना चन्द पर्वतारोहियों का ही पूरा हो पाता है. प्रतिवर्ष हजारों लोग माउंट एवरेस्ट को छूने की कोशिश करते हैं, किन्तु उनमें से गिने-चुने लोग ही चोटी तक पहुँचने में सफल हो पाते हैं और कुछ एवरेस्ट फतह करने की चाहत में अपनी जान गंवा देते हैं.

वैसे मई-जून माह का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है, क्योंकि हर साल अधिकांश रिकॉर्ड अमूमन इसी समय बनते हैं. इस सीजन में जहाँ उत्तराखण्ड में पिथौरागढ़ जनपद की 24 वर्षीया पर्वतारोही शीतल राज, मुरादाबाद के 27 वर्षीय विपिन चौधरी, गाजियाबाद के सागर कसाना, मुम्बई के केवल हिरेन कक्का सहित कुछ भारतीय पर्वतारोही दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर भारतीय तिरंगा लहराकर माउंट एवरेस्ट फतह करने में कामयाब हो गए, लेकिन दूसरी ओर एवरेस्ट फतह अभियान के दौरान कुछ भारतीयों की मौत होने तथा कुछ के लापता होने की दर्दनाक खबरें भी सामने आईं. इनमें कुछ ऐसे पर्वतारोही भी शामिल थे, जिन्होंने एवरेस्ट फतह कर लिया था, किन्तु उतरते समय मौत ने उन्हें गले लगा लिया. 27 वर्षीय निहाल भगवान, 49 वर्षीय कल्पना दास, 54 वर्षीय अंजली एस. कुलकर्णी एवरेस्ट से उतरते हुए मौत की नींद सो गए. इनके अलावा रवि ठक्कर तथा नारायण सिंह की भी मौत हो गई जबकि कोलकाता के 52 वर्षीय दीपांकर घोष मकालू पर्वत शिखर से लौटते समय कैंप-4 के ऊपर ही लापता हो गए. एक आयरिश पर्वतारोही के अलावा 44 वर्षीय ब्रिटिश पर्वतारोही रॉबिन फिशर की भी उस समय मौत हो गई, जब एवरेस्ट फतह करने के बाद ढलान से सिर्फ 150 मीटर नीचे उतरने पर वे गिर गए. वैसे पिछले साल मई माह में जहाँ चार महिला नेपाली पत्रकारों ने माउंट एवरेस्ट का सफल आरोहण किया था, वहीं उत्तराखण्ड निवासी बीएसएफ के असिस्टेंड कमांडेंट लवराज सिंह माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर सात बार एवरेस्ट फतह करने का कीर्तिमान स्थापित करने वाले भारतीय पर्वतारोही बने थे, तो हरियाणा की 16 वर्षीया शिवांगी पाठक ने एवरेस्ट फतह कर छोटी उम्र में ही यह कारनामा कर दिखाया था. इसके अलावा हरियाणा के अजीत बजाज और उनकी 24 वर्षीया पुत्री दीया बजाज ने एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर पिता-पुत्री द्वारा एक साथ एवरेस्ट फतह करने का रिकॉर्ड बनाया था.

एवरेस्ट पर्वत शिखर
(हिमालय पर्वत)

नाम–माउंट एवरेस्ट (1865 ई.)
- *नेपाली–सागरमाथा (Sagarmatha)*
- *तिब्बती–चोमोलुंगमा (Chomolungma)*
- *चाइनीज–झुमुलंगमा (Zhumulangma)*

ऊँचाई–8848 मीटर
- *पर्वत शृंखला–महालंगुर हिमाल (Mahalangur Himal)*
- *सम्बन्धित राष्ट्र–नेपाल*

एकल पर्वतारोहण पर प्रतिबन्ध

कटु सत्य यही है कि प्रति वर्ष जहाँ कुछ पर्वतारोही एवरेस्ट फतह करने के अपने मंसूबों में सफल हो जाते हैं तो कई बर्फीले पहाड़ों की रहस्यमयी कब्रगाह में ही दफन हो जाते हैं. वर्ष 2014-15 के दौरान तीन दर्जन से भी अधिक लोगों ने एवरेस्ट पर चढ़ाई करते हुए अपनी जान गंवाई थी. इतिहास पर नजर डालें, तो एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले हर 100 पर्वतारोहियों में से 4 की मौत हो जाती है. वर्ष 1953 में माउंट एवरेस्ट को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी घोषित किए जाने के बाद से एवरेस्ट पर चढ़ाई के प्रयासों के दौरान 300 से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और अनुमान है कि दुर्गम पर्वत में सैंकड़ों शव अभी भी दबे पड़े हैं. हर साल गर्मी के मौसम में सैकड़ों पर्वतारोही हिमालय की चोटी को फतह करने की कोशिश में चढ़ाई करते हैं और एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान पर्वतारोहियों की मौत की बढ़ती घटनाओं से चिंतित होकर कुछ ही समय पहले नेपाल ने माउंट एवरेस्ट सहित सभी पर्वतों की चढ़ाई के दौरान दुर्घटना कम करने और पर्वतारोहण को सुरक्षित बनाने तथा नेपाल के पर्वतों पर मौत की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एकल पर्वतारोहण पर रोक लगा दी थी तथा नए नियमों के तहत् विदेशी पर्वतारोहियों को अब अपने साथ एक गाइड रखना अनिवार्य होगा. नेपाल सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व विकलांग लोगों के पहाड़ की चढ़ाई करने पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, क्योंकि विगत् कुछ वर्षों में एवरेस्ट पर चढ़ाई की कोशिश करने वाले करीब 30 विकलांगों की मौत हो चुकी है.

जिंदगी की जंग हारते पर्वतारोही

मार्च 2017 में एवरेस्ट पर चढ़ रहे छह पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी, जिनमें 86 वर्षीय मिन बहादुर शेरचान भी शामिल थे, जिन्होंने 2008 में 76 वर्ष की उम्र में एवरेस्ट फतह कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और 86 साल की उम्र में एवरेस्ट पर चढ़ाई कर वह दुनिया के सर्वाधिक आयु वाले पर्वतारोही बनना चाहते थे. इसी प्रकार अप्रैल 2017 में 'स्विस मशीन' नाम से विख्यात स्विस पर्वतारोही उली स्टीक भी अपनी एकल एवरेस्ट यात्रा के दौरान एक हजार मीटर ऊँचाई से गिरने पर मौत के मुंह में समा गए थे. 6 महाद्वीपों के सबसे ऊँचे पर्वतों पर चढ़ने वाले पर्वतारोही नोबूकाजी कोरिकी 8 बार एवरेस्ट पर चढ़ने की नाकाम कोशिशें करने के बाद पिछले साल एवरेस्ट पर 7400 मीटर की ऊँचाई पर जिंदगी की जंग हार गए थे. पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई भारतीय पर्वतारोही भी एवरेस्ट फतह अभियान के दौरान मौत की नींद सो चुके हैं. अधिकांश की मौत चढ़ाई के दौरान संतुलन बिगड़ने पर खाईयों में गिरने, हिम दरारों में समाने, हिमस्खलन या ऑक्सीजन की कमी के चलते दम घुटने से होती हैं.

एवरेस्ट का दिलचस्प इतिहास

हिमालय पर इस सबसे ऊँचे शिखर का पता 1852 में लगा था. 1830 से 1843 तक भारत में जॉर्ज एवरेस्ट सर्वेयर जनरल रहे थे और इस शिखर का नामकरण 1865 में

Vikas Bhadu

उन्हीं के सम्मान में उन्हीं के नाम पर किया गया. 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं. 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊँचाई तक पहुँचने में सफल भी हुए. 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया, किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए. 29 मई, 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई, क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुईं, किन्तु सफल कोई नहीं हुआ और 1953 से पहले इन प्रयासों के दौरान अनगिनत लोग एवरेस्ट की ऊँचाइयों पर ही बर्फ में दफन होते रहे. अभी तक एवरेस्ट के दुर्गम रास्तों से सैंकड़ों ऐसे शव बरामद हो चुके हैं, जिनकी पहचान तक नहीं हो पाई और इनमें से बहुत सारे शव तो दशकों पुराने हैं, जो भौगोलीय परिस्थितियों के चलते सुरक्षित रहे.

बर्फीले रास्तों का खतरनाक सफर

दरअसल पृथ्वी की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुँचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है. कई बार चढ़ाई के दौरान ऐसे मुश्किल हालात पैदा हो जाते हैं कि जाबांज नेपाली शेरपाओं के भी बर्फीले पर्वतों पर पसीने छूट जाते हैं. करीब 8848 मीटर ऊँचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियाँ जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है, क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती. वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है. यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है.

तमाम खतरों के बावजूद एवरेस्ट फतह कर रिकॉर्ड बनाने की चाहत में हर वर्ष हजारों पर्वतारोही एवरेस्ट का रूख करते हैं और इनमें से कुछ ऐसे बदनसीब होते हैं, जिनकी एवरेस्ट के बर्फीले पहाड़ों पर ही कब्र बन जाती है. माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पर्वतारोही 5350 मीटर ऊँचाई पर स्थित खुम्बू ग्लेशियर में एकत्रित होते हैं, जो माउंट एवरेस्ट का बेस कैंप है. यहाँ ऑक्सीजन की काफी कमी है, इसलिए साँस लेने में दिक्कत होती है और कुछ दिन यहाँ व्यतीत करने के पश्चात् कम ऑक्सीजन की आदत पड़ जाती है और फिर आगे का सफर शुरू होता है. गर्मियों में एवरेस्ट पर चढ़ते समय तापमान - 20 से लेकर – 35 डिग्री तक रहता है. एवरेस्ट के शिखर पर दो रास्तों से पहुँचा जा सकता है, तिब्बत के रास्ते नॉर्थ चोटी से फिर नेपाल के रास्ते साउथ-ईस्ट चोटी से. तिब्बत वाला रास्ता अत्यधिक कठिन और बेहद खतरनाक है, इसलिए अधिकांश पर्वतारोही नेपाल वाले रास्ते से ही जाते हैं. अब एवरेस्ट पर फतह हासिल करने के लिए अधिकांश देशों में पर्वतारोहण संस्थान, प्रशिक्षण भी उपलब्ध करा रहे हैं.

टूटते-बनते रिकॉर्ड

एवरेस्ट पर चढ़ने वाले लोगों की संख्या की बात करें तो गणना करना अब बड़ा मुश्किल होता जा रहा है कि विश्व के इस सबसे ऊँचे शिखर पर अब तक कितने लोग अपने कदम रख चुके हैं. वैसे फरवरी 2014 तक के उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार तब तक 6871 लोग एवरेस्ट फतह कर चुके थे, जिनमें 4042 अलग-अलग पर्वतारोही और बाकी नेपाली शेरपा शामिल थे और उनमें कुछ शेरपा तो ऐसे भी थे, जो कई बार एवरेस्ट पर पहुँचने का रिकॉर्ड बना चुके हैं. दो शेरपा आपा और फुरबा ताशी तो 2001 से 2014 के बीच सर्वाधिक कुल 21 बार एवरेस्ट पर चढ़ाई कर चुके हैं. जहाँ तक रिकॉर्डों की बात है, तो एवरेस्ट पर अब तक सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का रिकॉर्ड हाल ही में नेपाल के 50 वर्षीय कामी रीता शेरपा ने बनाया है, **जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा 24वीं बार चढ़ाई पूरी कर विश्व की सबसे ऊँची चोटी पर चढ़ने का अपना ही विश्व रिकार्ड तोड़ा है,** 15 मई, 2019 को उन्होंने 23वीं बार एवरेस्ट फतह किया था और उसके एक सप्ताह के ही अंदर एक बार फिर एवरेस्ट फतह करने के **अपने सारे रिकॉर्डों को तोड़ते हुए एक सप्ताह में दो बार एवरेस्ट पर चढ़ने वाले दुनिया के पहले पर्वतारोही बन गए.** वे 11 भारतीय पुलिसकर्मियों के एक दल को लेकर एवरेस्ट पर पहुँचे थे. वर्ष 2018 में कामी रीता शेरपा ने ही 22वीं बार एवरेस्ट के शिखर पर चढ़ाई कर माउंट एवरेस्ट के शिखर को सबसे ज्यादा बार फतह करने का रिकॉर्ड बनाया था. नेपाल के सोलुखुम्बु जिले के थामे गाँव के रहने वाले रीता शेरपा माउंट एवरेस्ट पर 1994 से ही लगातार चढ़ रहे हैं. वे 1995 में चढ़ाई पूरी नहीं कर सके थे, क्योंकि शिखर पर पहुँचने से पहले ही उनका एक साथी बीमार हो गया था. कामी रीता एवरेस्ट के अलावा आठ हजार मीटर ऊँचाई वाली अन्य चोटियों के-2, चो ओयू, ल्होतसे, अन्नपूर्णा इत्यादि को भी फतह कर चुके हैं.

सबसे कम समय में एवरेस्ट पर चढ़ने का रिकॉर्ड नेपाल के लाकपा गेलु शेरपा के नाम दर्ज हुआ है. एवरेस्ट फतह करने के अभियान में जहाँ अधिकांश पर्वतारोहियों को एक सप्ताह तक का समय लगता है, वहीं उन्होंने यह रिकॉर्ड 2003 में मात्र 10 घंटे 56 मिनट में एवरेस्ट पर चढ़कर बनाया था. हालाँकि अगले ही वर्ष पेम्बा दोरजे शेरपा ने दावा किया कि उसने सिर्फ 8 घंटे 10 मिनट में ही एवरेस्ट फतह कर लिया है. चूँकि पेम्बा अपने इस दावे के समर्थन में एवरेस्ट के शिखर पर खींची गई कोई भी फोटो दिखाने में असफल रहे, इसलिए अधिकांश पर्वतारोहियों को उनके दावे पर संदेह हुआ, लेकिन फिर भी नेपाल पर्यटन विभाग द्वारा उसके दावे को मान्यता देने के बाद गिनीज बुक में भी दर्ज कर लिया गया किन्तु लाकपा गेलु शेरपा ने इसे नेपाल के सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी और अंततः नवम्बर 2017 में नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने पेम्बा दोरजे शेरपा के दावे को खारिज करते हुए 12 साल की कानूनी लड़ाई के बाद लाकपा गेलु के दावे को सही ठहराया. इस प्रकार वह एवरेस्ट पर सबसे कम समय में चढ़ने वाले पर्वतारोही बन गए. लाकपा को एवरेस्ट के शिखर पर चढ़ने और उतरने में महज 18 घंटे और 20 मिनट का ही समय लगा था. अब उनकी इस उपलब्धि को इसी साल मार्च माह में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी दर्ज कर लिया गया है. वैसे सबसे पहले 1998 में काजी शेरपा ने बगैर ऑक्सीजन सिलेंडर के 20 घंटे 24 मिनट में एवरेस्ट शिखर पर पहुँचकर सबसे कम समय में चढ़ने का रिकॉर्ड बनाया था. उसके दो साल बाद यह रिकॉर्ड बाबू छीरी शेरपा ने 16 घंटे 56 मिनट में एवरेस्ट फतह कर अपने नाम किया था.

अमरीका के जॉर्डन रोमेरो 2010 में सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं, जिन्होंने मात्र 13 साल 10 महीने और 10 दिन की उम्र मे यह कारनामा कर दिखाया था जबकि भारतीय पर्वतारोही मालावत पूर्णा 25 मई, 2014 को 13 साल 11 माह की आयु में एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला थी. सर्वाधिक उम्र में यह कारनामा दिखाने वाले जापान के यूचिरो मिउरा ने 80 साल की उम्र में यह रिकॉर्ड 2013 में बनाया था. 1999 में एवरेस्ट की चोटी पर 21·9 घंटे बिताकर सबसे लम्बे समय तक चोटी पर रहने का रिकॉर्ड बाबू छीरी शेरपा के नाम दर्ज है. 25 मई, 2001 को एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने

शेष पृष्ठ 126 **पर**

एस. एस. बी.
सेना के तीनों अंगों के लिए क्या ? क्यों ? और कैसे ?

जे. बी. मल्ल (मनोवैज्ञानिक) एवं श्रीमती सुनीता सिंह तोमर (सहलेखिका)

Vikas Bhadu

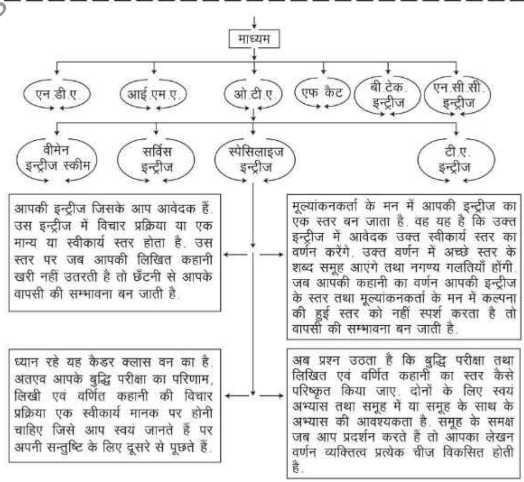

महाशय, आपके द्वारा भारत के बहुतायत राज्यों से लगातार अनुस्मारक प्राप्त होने के पश्चात् मैं छँटनी पर काफी साहित्य प्रदर्शित कर रहा हूँ. कहानी लिखित हो या वर्णित हो आपकी वापसी का कारण क्यों बनती है. उक्त वापसी को रोकने के लिए हमने कई कहानियाँ, उनका स्तर आदि तथा वर्णन के तरीके दे रखे हैं. कृपया एस.एस.बी. की सारी पुस्तकों के विवरण तथा लेक्चर्स के लिए www.jbmalldefenceacademy.com तथा youtube के लिए J. B. Mall को ओपन करें. व्यक्तिगत मार्गदर्शन के लिए 09415062698, 09918576833 तथा एस.एस.बी. आपातकालीन मार्गदर्शन के लिए 09455713098 पर कॉल करें.

1. "एक गरीब व्यक्ति शहर को प्रस्थान करता है. वहाँ पर वह या तो वह नौकरी करेगा, जिससे वह अपने परिवार की आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति कर सके. नौकरी या रोजगार प्राप्त करने का आशय यह है कि या तो वह बच्चों को पढ़ाएगा, या नौकरी करेगा या फल और सब्जियाँ बेचेगा. कोई भी व्यक्ति या श्रोता जिज्ञासित नहीं होगा, क्योंकि सबको यह ज्ञात है कि वह शहर आकर अपनी आवश्यकता पूर्ति के लिए कुछ न कुछ करेगा. इस प्रदर्शन पर मूल्यांकनकर्ता बोलते हैं या बोलेंगे कि महाशय O. K. Next.
2. जब आपके लिखित कहानी में यह वर्णन दर्शाता है कि फसल नष्ट हो गई है. अब इसका आशय यह होगा कि वह व्यक्ति स्थिति को सामान्य एवं नियमित करने के लिए कुछ न कुछ करेगा, मूल्याकनकर्ता तुरन्त बोलेंगे कि महाशय O.K. Next.
3. एक नौजवान व्यक्ति (अभ्यर्थी कोई नाम दर्शित करेगा) ने यह निश्चित किया कि वह NDA की तैयारी करेगा या IIT, MBA, CPMT या MCA को उद्देश्य बनाएगा. महाशय, मूल्यांकन करता बोलेंगे O.K. next. क्योंकि वो समझ जाएंगे अभ्यर्थी आवेदन पत्र भरेगा, कोचिंग में नामांकन लेगा, Speed और Practice Test करके परीक्षा उत्तीर्ण कर लेगा.
4. जब अभ्यर्थी अपनी कहानी के वर्णन के समय पोलियो टीकाकरण, खून दान, मलेरिया उन्मूलन, गांव की स्वच्छता, गांव के विकास एवं सुन्दरीकरण को शामिल करता है तो मूल्यांकनकर्ता बोलते हैं, महाशय, O.K. Next.
5. आग लगने पर यह निश्चित रूप से सम्भावित है कि नायक सारे सम्भावित प्रयास करेगा जिससे आग पर काबू कर बुझाया जा सके. इसके लिए वह मानव श्रम की व्यवस्था करना, एकत्रित करना, तैनात करना, निदेशित करना एवं अन्य संसाधन जैसे बाल्टी, पानी, अग्निशामक, दल अग्निरोधक की व्यवस्था कर आग बुझाएगा और घटना के बाद यदि Relief का प्रश्न आता है तो वह प्राथमिक चिकित्सा एवं जख्मी एवं प्रभावित को चिकित्सालय में भर्ती कराएगा. ये सारे लक्षण या कार्य सर्वविदित हैं या सम्भावित हैं. मूल्यांकनकर्ता अविलम्ब बोलते हैं महाशय O.K. Next.

यहाँ तक कि एक साधारण विचार एवं साधारण कहानी का Plot स्वीकार्य योग्य हो जाता है, यदि वह वर्णन अच्छा है और समूह के लिए Eye Catching है.

अब हम कहानी के ऐसे Plot पर आते हैं, जो सब जगह एवं प्रत्येक स्थिति में स्वीकार्य योग्य होते हैं.

एक स्वीकार्य कहानी, प्रभावी कहानी, वांछनीय कहानी या मूल्यांकन करने के योग्य कहानी के लिए क्या आवश्यक है–

1. **दृश्य**–एक मानसिक विचलित महिला जिसके बाल बिखरे हैं, एक सुनसान स्थान पर बैठी है.

S-
A-
M-

कार्य : एक विचलित महिला की जिम्मेदारी लेना.

Vikas Bhadu

कहानी : एम.एस-सी. की छात्रा फातिमा खान ने एक राजनीतिक जुलूस के कारण अपना निर्धारित मार्ग बदल दिया. उसने एक वयस्क महिला की चिल्लाने की आवाज सुनी और स्थल पर पहुँचने पर अवलोकित किया कि वह योग्य है, लेकिन मानसिक रूप से विचलित है. शीघ्रताशीघ्र चिकित्सा से उसने उसे शीघ्र ठीक करा दिया और अपने घर में शिक्षा देने हेतु स्थान की व्यवस्था कर दी. उक्त महिला की योग्यता एवं प्रयास के कारण गाँव की शिक्षा में बढ़ोतरी एवं प्रतिस्पर्द्धा की तैयारी बढ़ गई.

2. **दृश्य**–निराश एक 22 साल की लड़की बहुत ही निराश मुद्रा में अपने कमरे में कुर्सी पर बैठी है. उसके पीछे एक खुली खिड़की दिख रही है. कोई भी मानव एवं अन्य स्थित दृष्टिगत नहीं हो रही है.

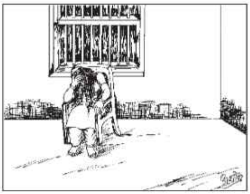

S-F
A-g2
M-

कार्य : पुनर्उद्धार (Rehablitation) एवं जीवन चलाने हेतु चुनौती स्वीकार करना.

कहानी : भयंकर तूफान, चक्रवात एवं भयंकर वर्षा के कारण एक मकान पेड़ गिरने से धराशाही हो गया. पूजा गोस्वामी एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष की छात्रा अपने घायल माता-पिता और सारी गृह सामग्री को तहस-नहस देखकर आघातिक हो गई. अपने माँ-बाप के त्वरित चिकित्सा एवं गृह पुनर्उद्धार हेतु उसने चुनौती स्वीकार करते हुए उसने ₹ 50 हजार प्रथम किश्त के रूप में एक व्यक्तिगत शिक्षा प्रतिष्ठान में आई.आई.टी. के 10 छात्रों को प्रशिक्षित एवं तैयार करने के लिए अग्रिम लिया और इस प्रकार उसने अपने घर से अपने Career और Career से जीवन के तरफ जिम्मेदारी का निर्वहन करना प्रारम्भ कर दिया.

मैंने महिला कमीशन के लिए दो कहानी का उदाहरण दे दिया और अब मैं पुरुष कमीशन के दो उदाहरण पुनः प्रस्तुत कर रहा हूँ.

3. **दृश्य :** एक किसान एक अपने खाली खेती के जमीन पर खड़ा है. उसका लड़का बैठा है और पीछे देख रहा है. 200 या 300 मीटर की दूरी पर एक झोपड़ी में आग लगी है. कोई भी मानव या वातावरण अतिरिक्त रूप से दर्शित नहीं है.

S-M A-35 M-+   S-M A-12 M-+

कार्य : चिकित्सीय खेती हेतु चुनौती लेकर जीवन को परिवर्तित करना.

कहानी : उ. प्र. ने सर्वप्रथम पहले राज्य का दर्जा प्राप्त किया जब इस राज्य ने भू-स्खलन में नेपाल की तबाही के बाद का कार्य शुरू करते हुए मोनू थापा को तीन एकड़ जमीन आवंटित की. मोनू थापा ने अपने पुत्र के साथ झाड़ियों को काटना एवं जलाना प्रारम्भ कर एक महीने में जमीन को उर्वरक बना दिया और पुनः कृषि वैज्ञानिक के वैज्ञानिक सुझाव से चिकित्सीय खेती प्रारम्भ कर दी. तत्पश्चात् इस खेती की आमदनी से उसने अपना जीवनयापन के साथ अपने बच्चे को उच्च एवं गुणात्मक शिक्षा देना प्रारम्भ कर दिया.

4. **दृश्य :** कुछ झोपड़ियों के आस-पास एक गैराज है. एक नौजवान व्यक्ति अपने घर से बाहर आ रहा है, उसकी स्थिति अफरा-तफरी की है. एक 42 वर्ष का व्यक्ति उसको देख रहा है, जो गैराज में गाड़ी की मरम्मत कर रहा है. दृश्य थोड़ा धुधला है.

S-M A-45 M-+
S-M A-30 M-–   S-M A-12 M-+

कार्य : पिता को चिकित्सालय में भर्ती करने के लिए एक गाड़ी की आवश्यकता.

कहानी : एक वायु सेना कर्मी जो यान्त्रिक प्रभाग का सेवानिवृत्ति के बाद अध्यापक होने के कारण विद्यालय जाने के मार्ग में था. उसी समय उसने नोटिस किया कि एक लड़का अफरा-तफरी में किसी गाड़ी की तलाश में था, क्योंकि वह अपने चेस्ट पेन से पीड़ित पिता को तत्काल

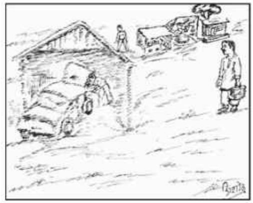

चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना चाहता था. वह तुरन्त गैराज गया और उसने एक 'यू' टर्न पार्ट को खोज-निकाला, जो गाड़ी में Starting Trouble Create कर रहा था. उसने उस Part को अलग किया, रेगमाल से उस पर रगड़ किया एवं गाड़ी को Start करके गाड़ी के मालिक से उस बच्चे के पिता को तत्काल चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध हेतु निवेदन किया.

5. दृश्य : एक किसान अपनी रिक्त कृषि भूमि में खड़ा है. उसका लड़का पीछे है और 200 से 300 मीटर की दूरी पर लड़का आता दिख रहा है और कोई अन्य वातावरण या मानव दृष्टिगत नहीं है.

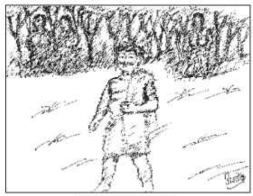

S-M A-26 M-+   S-M A-45 M-+

कार्य : जटरोपा जो डीजल का प्रतिरूप है या विकल्प है उसको उगाना.

कहानी : एक पिछड़े गाँव का किसान रूप देव महाजन ने कृषि वैज्ञानिक के वैज्ञानिक सानिध्य में जटरोपा जो डीजल का विकल्प है उसकी खेती हेतु अपनी Surface के नीचे वाली खेती योग्य जमीन पर रोपित करने का निर्णय लिया. उसने अपने पुत्र के सहयोग से Boundry Wall बनाया और फसल को बोया. एक वर्ष के अन्तराल में उसको एक उत्साहित पुरस्कार मिला और वह इस कदर सक्षम हो गया कि वह अपने पुत्र को अच्छी और उच्च स्तर की शिक्षा दे सके. **तीव्र एवं धीमे कहानी लिखने वाले के लिए एक कुशल वर्णन एवं वांछनीय कहानी**–मैं तीव्र एवं धीमे लेखक के लिए दो दृश्यों पर दो-दो कहानियों का उदाहरण दे रहा हूँ–

Vikas Bhadu

1. **दृश्य प्रथम :** एक बड़ा तालाब जो वस्तुतः गहरा नहीं है तथा कीचड़ से भरा है. कोई भी मानव संसाधन एवं अन्य वातावरण दृष्टिगत नहीं है.

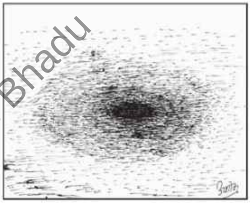

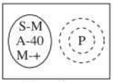

कार्य : बंजर जमीन को उत्पादक करने के हेतु जल स्तर की वृद्धि हेतु चुनौती स्वीकार करना.

तीव्र लेखक (Fast writer) के लिए कहानी : एक सेना कर्मी हेम सिंह ने सेवा निवृति के पश्चात् ऊसर/बंजर जमीन को उत्पादक करने के लिए जल स्तर की वृद्धि हेतु चुनौती स्वीकार किया. उसने समान सोच वाले युवा किसानों को प्रेरित किया और कील कीचड़ वाले तालाब से मिट्टी खोद कर बंजर एवं ऊसर जमीन में डालने लगा. दो महीने के अथक् प्रयास के पश्चात् कीचड़ वाले तालाब में जल भर गया और बंजर/ऊसर जमीन उत्पादक जमीन में परिवर्तित हो गई जिसके कारण महँगी या उच्च खेती की निश्चितता हो गई और गांव का जल स्तर भी बढ़ने लगा.

नोट–उपरोक्त कहानी एक मिनट में वर्णन करने योग्य है. जिसे एक सामान्य वक्ता या अच्छा वक्ता कर सकता है, लेकिन JBA स्तर (Just Below Average) के धीमे लिखने वाले के लिए छोटी कहानी की आवश्यकता पड़ती है और छोटी कहानी का उदाहरण मैं नीचे दे रहा हूँ.

छोटी कहानी (धीमे लिखने वाले Slow Writer के लिए)–एक सेवा निवृति सेना कर्मी हेम सिंह ने जल स्तर वृद्धि और ऊसर जमीन को उत्पादक करने के लिए चुनौती स्वीकार किया. युवा किसानों ने उसके प्रेरणा से कीचड़ को ऊसर जमीन में Shift (शिफ्ट) करना प्रारम्भ कर दिया. दो महीने के अथक् प्रयास से कीचड़ वाले तालाब की सारी मिट्टी/कीचड़ ऊसर जमीन में Shift (शिफ्ट) हो गया और तालाब का जल स्तर भी बढ़ गया.

2. **दृश्य द्वितीय :** सेना की वर्दी में एक सेना कर्मी Combat Load (कम्बैट लोड) बर्फ की पहाड़ी से संशय रूप से देख रहा है और कोई अन्य वातावरण या मानव दृष्टिगत नहीं है.

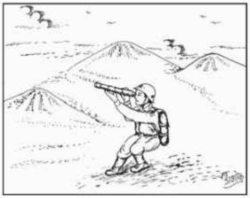

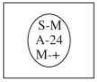

कार्य : एक संवेदनशील बर्फीली पहाड़ी पर चौकी स्थापित करना.

कहानी : कैप्टन जानसन ने नेशनल इन्टेलीजेन्स एजेन्सी के गोपनीय रिपोर्ट पर संवेदनशील बर्फीली पहाड़ी नं. 5023 जो कुपवारा सेक्टर एवं जम्मू एरिया के बीच में स्थित है निगरानी चौकी स्थापित करने की जिम्मेदारी स्वीकार की. उसने उक्त इलाके को चारों तरफ से स्ट्रेटजिक महत्व तथा दुश्मन की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए निरीक्षण किया. उसने सारी सावधानी बरतते हुए दो दिशाओं में 300 मीटर की दूरी पर दो चौकी अन्य कर्मियों के सहयोग से स्थापित कर दिया. उक्त कार्य ने सेना द्वारा किए जा रहे ऑपरेशन में सहयोग देने के साथ आतंकवादियों के घुसपैठ रोकने में काफी सहयोग दिया.

नोट–यह दृश्य कोस्ट गार्ड के चयन के समय चेन्नई में दर्शायी गई थी. माह अक्टूबर था और वी. कुमार ने इसे रिपोर्ट किया था. छँटनी की अगली कहानी का दृश्य चेन्नई में दर्शाई गई थी और इसे अमित विस्ट द्वारा रिपोर्ट की गई है.

दृश्य : पाँच नौजवान एक सर्किल में जंगल में बैठे हैं. रात का समय है. यह स्पष्ट नहीं है कि वे सेना की वर्दी में हैं या नहीं क्योंकि तस्वीर धुँधली है. एक 17 वर्ष का लड़का पेड़ के पीछे से इनकी क्रिया-कलापों को छिपकर देख रहा है. आस-पास का सारा दृश्य धुंधला है.

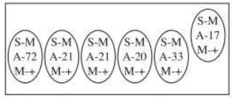

कार्य : वर्दी पहने सेना कर्मियों के जंगल ऑपरेशन से प्रेरित होना.

कहानी : मिजोरम के इनसरजेन्सी (Insurgency) एवं जंगल वारफेयर (Warfare) कॉलेज का यह तीसरा सरवाइवल (Survival) ऑपरेशन था. एक लकड़हारा का पुत्र हरीश उक्त वर्दी कर्मियों का ऑपरेशन एवं क्रियाकलाप लगातार तीन दिन से देख रहा था. चौथे दिन उसने वर्दी कर्मियों के सहमति से कुछ कठिन कलाबाजी का विभिन्न प्रदर्शन किया. ठीक पाँचवें दिन से वर्दी कर्मियों ने अपने शेष ऑपरेशन में इसे साथ ले लिया. उक्त लड़के ने प्रोत्साहित होकर 5 लड़कों के साथ सेना की भर्ती रैली में परीक्षण दिया और अपने पाँच मित्रों के साथ सेना में भर्ती हो गया.

> The reflection and the responses to a particular situation which can project the traits of your personality up to the nature of job.

कोस्ट गार्ड की छटनी (Screening) के परीक्षण के लिए प्रदर्शित दृश्य एवं कहानियाँ–

1. प्राथमिक चयन बोर्ड (कोस्ट गार्ड) 4 जनवरी, जिसे वी. कुमार सेना कर्मी द्वारा रिपोर्ट किया गया है.

दृश्य–वर्दी में एक अधिकारी दो वर्दी पहने अधिकारियों मैप द्वारा निर्देशित कर रहा है.

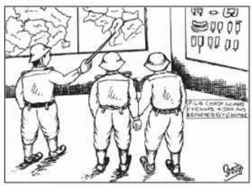

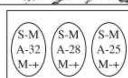

कार्य : एक कमाण्डर दो अधिकारियों को घुसपैठ नियन्त्रित करने के लिए निर्देशित कर रहा है.

कहानी : कमाण्डर जयकरन ने नॉर्थ अरवियन समुद्र के तरफ जहाजों एवं सबमैरिन की घुसपैठ नोटिस किया. उसने अपने दो नेवी अधिकारियों को मौसम मैप

शेष पृष्ठ 99 पर

अंतरिक्ष विज्ञान लेख

भारत की 'मिशन-शक्ति' एवं अंतरिक्ष की कुछ अन्य मंजिलें

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

Vikas Bhadu

अन्तरिक्ष में भारत की ऊँची उड़ान के मायने

कुछ दिन पहले (27 मार्च, 2019) भारत ने 'मिशन शक्ति' के तहत् सुदूर अन्तरिक्ष में 300 किमी की ऊँचाई पर स्थित जमीन से उपग्रह-रोधी मिसाइल [Anti-satellite (A-Sat)] के जरिए इसरो के पुराने उपग्रह को महज तीन मिनट में मार गिराकर अन्तरिक्ष के इतिहास में चौथी महाशक्ति होने का गौरव प्राप्त किया. हालांकि, भारतीय इंटरसेप्टर की क्षमता 1000 किमी तक के आर्बिट में सैटेलाइट को गिराने की थी. रिकॉर्ड दो साल में करीब 150 वैज्ञानिकों ने इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया. इससे पहले अमरीका, रूस तथा चीन के पास ही यह क्षमता थी. भारत की क्षमता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यह पूरा अभियान मात्र 3 मिनट में पूरा हो गया. सामान्य भाषा में इसे सैटेलाइट किलर मिसाइल कहा जाता है. भारत द्वारा 30,000 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से घूमने वाले उपग्रह को मार गिराना चीन की क्षमताओं की बराबरी करने की दृढ़ता ही दिखाता है. लो-अर्थ ऑर्बिट में किसी सैटेलाइट को मार गिराने का यह ऑपरेशन अत्यंत कठिन था. इसके लिए अत्यंत ही उच्च कोटि की तकनीकी क्षमता की आवश्यकता थी, क्योंकि निशाना साधने में थोड़ी-सी भी असावधानी या आकलन में गड़बड़ी से न सिर्फ वार खाली जाता बल्कि किसी अन्य उपग्रह को भी नुकसान पहुँचने का खतरा था. इस तरह यह बहुत बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि है. यह ऐसी तकनीक है, जो दुश्मन के किसी भी सैटेलाइट को नष्ट कर सकती है. अब हर गतिशील वस्तु हमारे निशाने पर होगी, फिर चाहे वह आसमान में चक्कर काट रही हो या फिर धरती पर.

उल्लेखनीय है कि भारत 2012 से इस परीक्षण के लिए तैयार था जिसे अब जाकर 2019 में सफलता मिली. यहाँ यह भी बता दें कि अंतरिक्ष में होने वाला यह मिशन पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षण जैसा ही था. यह भी ध्यान देने योग्य है कि एंटी सैटेलाइट टेक्नोलॉजी का प्रादुर्भाव अमरीका-रूस के बीच शीत युद्ध के दौरान हुआ. अमरीका ने 1950 में इस तकनीक पर काम शुरू किया था तो रूस ने 1960 में, जबकि चीन ने 2007 में इस तरह का पहला टेस्ट किया था.

वैश्विक स्तर पर ए-सैट मिसाइलों के विकास की कहानी वास्तव में परमाणु अप्रसार जैसी ही है. परमाणु हथियारों की ही तरह अमरीका ने ही सबसे पहले सैटेलाइट को मार गिराने वाली तकनीक विकसित की और उसके बाद सोवियत संघ और चीन इससे जुड़े. यहाँ हम यह भी नहीं भूल सकते कि भारतीय परीक्षण एक तरह से चीन को संदेश देने के लिए ही है. प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहा कि यह परीक्षण किसी देश के खिलाफ नहीं किया गया, परन्तु भारत चीन-पाकिस्तान की सामरिक साँठगाँठ में खुद को फँसा हुआ पाता है. दूसरी ओर, भारत द्वारा ए-सैट क्षमता का परीक्षण पाकिस्तान के लिए भी इस रूप में एक सबक है कि वह परम्परागत सैन्य क्षमताओं के मामले में भारत से कमजोर स्थिति में अपने को पाता है और इसलिए अपनी कुंठा को वह परमाणु हथियारों की धमकी के रूप में व्यक्त करता है. इसकी आड़ में वह जिहादी आतंकियों को तैयार करके भारत के खिलाफ छद्म युद्ध में भी लगा है. इसलिए अब पाकिस्तान की परमाणु युद्ध की गीदड़भभकी को विराम लगेगा.

जहाँ तक अन्तरिक्ष में मौजूद उपग्रहों की संख्या का प्रश्न है, 5450 रॉकेट अब तक सफलतापूर्वक अन्तरिक्ष में भेजे जा चुके हैं और इन रॉकेट के जरिए 8950 उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किए गए हैं. इनमें से 5000 उपग्रह अभी पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हैं जिनमें से 1950 उपग्रह अब भी क्रियाशील हैं और 8400 टन भार की अन्तरिक्ष वस्तुएं पृथ्वी की कक्षा में मौजूद हैं.

ध्यान देने योग्य है कि यह मिशन पूरी तरह स्वदेशी है और इसरो तथा डीआर-डीओ ने इसे मिलकर अंजाम दिया है. पिछले चार दशकों में भारत ने मिसाइल और उपग्रह निर्माण, दोनों ही क्षेत्रों में तेज प्रगति की है. कृषि, आपदा-प्रबंधन, मौसम की जानकारी, मनोरंजन और शिक्षा में हमारे सैटेलाइटों का अहम् योगदान है. दूसरी तरफ रक्षा क्षेत्र में भी इनका उपयोग हो रहा है.

अन्तरिक्ष के सन्दर्भ में भारत के कुछ महत्वपूर्ण मुकाम

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में काफी विस्तार हुआ है. वर्ष 2014 में कम लागत वाले 'मंगलयान मिशन' की सफलता के बाद भारत सरकार ने 'गगनयान मिशन' को मंजूरी दी है, जो भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को बाहरी अंतरिक्ष में ले जाएगा. इसरो ने अनेक उपग्रह मिशनों को अंजाम दिया है. इनमें संचार उपग्रह, भू-पर्यवेक्षण उपग्रह, नौसंचालन उपग्रह और अनेक प्रायोगिक उपग्रह शामिल हैं. वर्ष 2017 में एक ही रॉकेट से सौ से अधिक उपग्रहों को प्रक्षेपित करके भारत ने कीर्तिमान स्थापित किया. 'मिशन शक्ति' के तुरन्त बाद ही, इसरो ने पीएसएलवीसी 45 प्रक्षेपण यान के जरिए अत्याधुनिक निगरानी उपग्रह एमीसैट (EMISAT) और अन्य 28 विदेशी उपग्रहों (Customer payloads) का कक्षा में प्रक्षेपण सफलतापूर्वक किया. इन 28 में से सिर्फ एक उपग्रह सरकारी है. रक्षा विभाग का उपग्रह एमीसैट, बाकी के सभी 27 उपग्रह निजी क्षेत्र के हैं, ये उपग्रह अमरीका, स्विट्जरलैंड, स्पेन और लिथुआनिया के हैं और इनमें सबसे ज्यादा 24 उपग्रह अकेले अमरीका के हैं.

एमीसैट को आकाश में देश की तीसरी आँख कहा जा सकता है, जो दुश्मन देशों की निगरानी के लिए 748 किमी की ऊँचाई पर स्थापित किया गया है. यह उपग्रह भारतीय सीमाओं की विशेषकर पाकिस्तान के साथ लगने वाली भारत की सीमा पर पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखेगा. एमीसैट की एक बड़ी खूबी यह है कि दुश्मन देशों की राडार प्रणाली भी इसकी नजर से नहीं बच पाएगी. इसका उपयोग संचार सम्बन्धी नेटवर्कों, मोबाइल सहित अन्य संचार उपकरणों की स्थिति तथा धरती के वायुमण्डल की परतों के अध्ययन में भी लाभकारी सिद्ध होगा.

2018 में भी भारत ने सैन्य और संचार उपयोग के लिए जीसैट-6 ए उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया था. इसका मकसद भी दुश्मनों के ठिकानों की सटीक जानकारी हासिल करना था. इस प्रकार इन उपग्रहों से प्राप्त होने वाले आँकड़े और सूचनाएं सेना तथा खुफिया एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण होगी, यह इसरो के बढ़ते आत्मविश्वास का नतीजा भी है और उसकी तकनीकी महारत का भी. अंतरिक्ष में एक ही मिशन से एक से ज्यादा उपग्रह स्थापित करना अब इसरो के लिए कोई नई चीज नहीं है. इसके बाद ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड जैसे देशों ने अपने उपग्रह प्रक्षेपण के लिए

भारत से पेशकश की थी. एमीसैट चीन और पाक के सम्भावित खतरे से भी निपटने में सक्षम है. अब इसके बाद इसरो का रॉकेट के चौथे इंजन को अंतरिक्ष में तीसरी कक्षा में भेजने का विचार है. भारत के इस समय कक्षा में 48 उपग्रह स्थापित हैं. इसी तरह दूसरे देशों के उपग्रह भी हैं. सम्पत्ति के रूप में अन्तरिक्ष में स्थित इन उपग्रहों का महत्व इस रूप में भी है कि आज दुनिया में बहुत सारे कार्य सूचना तकनीक पर निर्भर होने से ये उसमें सहायक हैं. इसरो के वैज्ञानिकों ने कहा है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में कई तरह के नवाचार हैं, जिनका भविष्य में उपयोग करने पर विचार किया जा रहा है. इस प्रकार भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम देश के सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक ढाँचे का महत्वपूर्ण हिस्सा है.

मिशन शक्ति की प्रमुख विशेषताएँ

पहला, यह मिशन रक्षा संगठन डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने पूरी तरह स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करते हुए 'मेक इन इण्डिया' की अवधारणा के आधार पर तैयार किया. दूसरा, अब भारत के लिए अन्तरिक्ष में दुश्मन के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक करना मुमकिन होगा. दुश्मन सैटेलाइट पलक झपकते ही नष्ट किए जा सकेंगे. स्वाभाविक है कि चीन या पाकिस्तान से युद्ध होने की स्थिति में यह मिसाइल देश का सबसे बड़ा हथियार साबित होगी. तीसरा, युद्ध की स्थिति में यह तकनीक भारत को आगे रखेगी जिसमें हम बिना खून की एक बूँद बहाए दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर कर सकेंगे.

तकनीकी रूप से यह बहुत मुश्किल क्षमता मानी जाती है, क्योंकि जिस 'ऑब्जेक्ट' को हम निशाना बना रहे होते हैं, वह बहुत तेज गति से चक्कर काटता रहता है. किसी ठहरी हुई वस्तु की अपेक्षा उस वस्तु को निशाने पर लेना काफी मुश्किल होता है, जो गतिशील हो. युद्ध के दौरान जमीन से मिसाइल दागकर शत्रु के ऑफिस, सेना तथा बैरक को टारगेट करना कठिन नहीं होता है, क्योंकि ये स्थिर अवस्था में होते हैं और मिसाइल की गति निर्धारित कर निशाना अचूक लग जाता है, लेकिन वह वस्तु अगर कोई अंतरिक्ष-पिंड या सैटेलाइट हो, तो चुनौती ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि धरती अपनी गति से घूम रही होती है. जिस हथियार से हम 'ऑब्जेक्ट' को निशाना बनाना चाहते हैं, उसकी भी एक गति होती है. सैटेलाइट या अंतरिक्ष पिंड की अपनी गति तो खैर होती ही है. उल्लेखनीय है कि मिशन शक्ति के तहत् जिस भारतीय उपग्रह को लक्ष्य किया गया उसकी गति 10-15 हजार किमी प्रति घण्टा थी और यह उपग्रह बहुत छोटा था जो अन्तरिक्ष में एक बिन्दु माफिक था, इसलिए, सटीक गणना कर उसे लक्ष्य करना बहुत ही मुश्किल है. थोड़ा भी फर्क होने पर लक्ष्य अपने मार्ग से भटक सकता है. यह सारी गणना कम्प्यूटरीकृत होती है. इसलिए जब हम किसी भी मिसाइल के परीक्षण के सफल होने की बात करते हैं, तो इसका सीधा-सा तात्पर्य यही है कि वैज्ञानिकों की गणना सटीक बैठी.

धरती से उपग्रहों की स्थिति भी भिन्न-भिन्न होती है. धरती से 200-250 किमी. की ऊँचाई वाले उपग्रहों का उपयोग जहाँ जासूसी के लिए किया जाता है, वहीं 500-600 किमी की ऊँचाई वाले सैटेलाइट रिमोट सैंसिंग सैटलाइट कहे जाते हैं जिनका उपयोग मात्स्यिकी, समुद्री अध्ययन आदि में किया जाता है. 20 हजार किमी की ऊँचाई पर स्थित उपग्रह, वे जीपीएस के काम आते हैं, जबकि 36 हजार किमी की ऊँचाई वाले उपग्रह बूस्टेड कक्ष कहे जाते हैं. ये जमीन से स्थिर लगते हैं, लेकिन पृथ्वी के चारों तरफ घूमते रहते हैं. संचार कार्यों हेतु इनका उपयोग किया जाता है.

मिशन शक्ति पर विश्व की प्रतिक्रिया

स्वाभाविक है कि इस परीक्षण से विश्व में एक प्रकार की हलचल पैदा हुई और विशेष रूप से पाक और चीन में खलबली मची. चीन ने जहाँ भारत के उपग्रह-रोधी मिसाइल परीक्षण पर सतर्कता-पूर्वक प्रतिक्रिया जताते हुए उम्मीद जतायी कि सभी देश बाहरी अंतरिक्ष में शांति बनाये रखेंगे, वहीं उसके मित्र पाकिस्तान ने अपने को अन्तरिक्ष के सैन्यीकरण के खिलाफ बताकर युद्ध की स्थिति की ओर जाने वाले किसी भी कदम से बचने का आग्रह किया. भारत की इस उपलब्धि पर पहली बधाई अमरीका से आयी. अमरीकी राष्ट्रपति ने अंतरिक्ष अभियानों में भारत संग और सहयोग बढ़ाने की बात कही. अमरीकी विदेश विभाग ने अपने एक बयान में कहा है कि वह अंतरिक्ष के क्षेत्र में दोनों देशों के साझा हितों एवं अंतरिक्ष में सुरक्षा पर सहयोग सहित वैज्ञानिक और तकनीकी मदद को आगे भी जारी रखेगा. अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने भारत के इस परीक्षण को खतरनाक बताया है. नासा के अनुसार भारत के एंटी सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण से अंतरिक्ष की कक्षा में करीब 400 मलबे के टुकड़े फैल गए हैं. इससे भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए नया खतरा पैदा हो गया है, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार भारत ने एंटी सैटेलाइट मिसाइल का परीक्षण 300 किमी की ऊँचाई पर किया है, जबकि आईएसएस पृथ्वी की कक्षा में 330 किमी से 435 किमी की ऊँचाई के बीच रहता है. डीआरडीओ ने भी 'नासा' की चिन्ता के मद्देनजर स्पष्ट किया है कि ए-सैट मिसाइल टेस्ट से अंतरिक्ष में जो भी कचरा फैला है, उनमें पर्याप्त गति नहीं है. इसलिए वे लम्बे समय तक अंतरिक्ष में टिक नहीं सकते. 300 किमी की ऊँचाई पर मौजूद ये टुकड़े कुछ समय बाद अपने-आप गिरकर पृथ्वी के वातावरण में आएंगे और जलकर नष्ट हो जाएंगे और यह मलबा अंतरिक्ष में किसी दूसरे उपग्रह के लिए समस्या का कारण नहीं बनेगा.

डीआरडीओ प्रमुख के मुताबिक, अंतरिक्ष में ध्वस्त किए गए उपग्रह का मलबा 45 दिनों के भीतर ही नष्ट हो जाएगा. स्मरणीय है कि 2007 में चीन के परीक्षण के बाद भारी मात्रा में मलबा पैदा हुआ. चूँकि ये मलबा 800 किमी ऊँची धरती की कक्षा में पैदा हुआ इसलिए उसके तमाम छोटे-छोटे हिस्से कक्षा में मौजूद रहे. 2008 के अमरीकी परीक्षण में भी बड़े पैमाने पर मलबा पैदा हुआ. चूँकि ये विस्फोट निचली कक्षा में हुआ इसलिए पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से ज्यादातर टुकड़े रास्ते में ही नष्ट हो गए. भारत का भी यह विस्फोट निचली कक्षा में हुआ है, इसलिए भारत के इस परीक्षण को मलबा मुक्त होने की बात कही जा रही है. हालांकि, यह सच्चाई है कि अन्तरिक्ष में वर्षों से लाखों टुकड़े और हजारों टन कबाड़ा मौजूद है और प्रत्येक वर्ष पृथ्वी की निचली कक्षा में अलग-अलग आकार के लगभग 190 सैटेलाइट लाँच होते हैं. इनकी संख्या बढ़ती जा रही है. इसलिए अंतरिक्ष में मलबा बढ़ने का प्रश्न गम्भीर है.

'मिशन शक्ति' पर अमरीका की प्रतिक्रिया को भारत एक सकारात्मक रुख के रूप में देख रहा है, क्योंकि परमाणु परीक्षण के बाद अमरीका ने अपनी सख्त नाराजगी जताई थी. अमरीका समेत कई देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाया था. स्पष्टतः यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सौहार्दपूर्ण सम्बन्धों का ही परिचायक है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में भारत की इस रक्षात्मक पहल के बारे में विश्व समुदाय को आश्वस्त कर दिया. उसका यह परीक्षण अन्तर्राष्ट्रीय कानून अथवा संधि/समझौतों का उल्लंघन नहीं है. भारत की अन्तरिक्ष क्षमताएं किसी देश के खिलाफ नहीं है और न ही इनका कोई सामरिक उद्देश्य है. वह सदैव अन्तरिक्ष में मौजूद सम्पदा की सुरक्षा मजबूत करने के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों के साथ है. उल्लेखनीय है कि अन्तरिक्ष में हथियारों की

शेष पृष्ठ 99 पर

Vikas Bhadu

उद्यान लेख

सघन बागवानी : बढ़ती जनसंख्या के लिए आज की आवश्यकता

✍ डॉ. अभिषेक वैभव

Vikas Bhadu

भारत—फल उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में 'दूसरे' स्थान पर हैं. फल उत्पादन के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य, समृद्धि तथा सामान्य जीवन में खुशहाली लायी जा सकती है. हमारे देश में फलों के उत्पादन के लिए विभिन्न प्रकार की जलवायु उपलब्ध है. भारत में जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ फल उत्पादन दक्षता भी लगातार बढ़ रही है, लेकिन प्रति व्यक्ति फलों की उपलब्धता एवं उपयोग, अन्य विकसित देशों की तुलना में, काफी कम है. हमारे यहाँ प्रति व्यक्ति फलों की उपलब्धता केवल 85 ग्राम प्रति दिन है. कृषि में बागवनी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें किसान अपनी भूमि से अधिक-से-अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं. प्रति व्यक्ति फलों की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए क्षेत्रफल को बढ़ाना अत्यन्त मुश्किल कार्य है, लेकिन हम उत्पादन को कुछ विशेष प्रबन्धन अपनाकर आसानी से बढ़ा सकते हैं. इसके लिए अधिक उपज देने वाली किस्मों का चयन, सही समय पर कटाई-छँटाई, वृद्धि नियामकों का प्रयोग, रोग-कीट प्रबन्धन एवं सघन बागवानी अपनाना प्रमुख है.

"सघन बागवानी से तात्पर्य है कि एक निश्चित क्षेत्रफल में आधुनिक प्रबन्धन के सामंजस्य से अधिक-से-अधिक पौधों का समावेश करते हुए प्रति इकाई क्षेत्रफल के द्वारा गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करना है." सघन बागवानी का प्रचलन सबसे पहले सेब में किया गया था, जिसमें एक हैक्टेयर क्षेत्रफल में काँट-छाँट एवं प्रबन्धन की आधुनिक विधियों को अपनाकर अधिक-से-अधिक पौधों का समावेश करते हुए कई गुना अधिक उत्पादन प्राप्त किया गया था. वर्तमान में भारत में भी इस पद्धति का उपयोग प्रायः सेब, केला, पपीता, अनार, नींबू-वर्गीय फल, अमरूद, लीची, आम, नाशपाती, अनन्नास आदि में किया जा रहा है. सघन बागवानी से फलों के उत्पादन में 5–10 गुना तक वृद्धि की जा सकती है, जिससे अपने देश में कुपोषण को दूर करने, प्रति व्यक्ति फलों की उपलब्धता बढ़ाने एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में यह तकनीक कारगर साबित हो सकती है.

सघन बागवानी में ध्यान देने योग्य बातें

- बौने किस्मों के वृक्षों/मूलवृंत या साकुरडाली का चयन करना चाहिए.
- जल्दी फसल एवं अधिक उपज देने वाली किस्मों का चयन करना चाहिए.
- पौधों में बौनापन लाने के लिए पादप वृद्धि नियामकों का प्रयोग करना चाहिए.
- सही समय पर वृक्षों की कटाई-छँटाई करते रहना चाहिए.
- भूमि की प्रकृति एवं जलवायु के अनुसार फलवृक्ष एवं प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए.
- तकनीकी ज्ञान की जानकारी आवश्यक है. इसके लिए विषय-वस्तु विशेषज्ञ या वैज्ञानिकों से परामर्श लेना चाहिए.
- बाग की संस्थापना उचित पद्धति द्वारा करनी चाहिए.

मूलवृंतों का चुनाव

सघन बागवानी को सफल बनाने के लिए बौने मूलवृंतों का चुनाव करना चाहिए, इनसे फसल जल्दी तैयार हो जाती है. उदाहरण के लिए सेब की खेती में एम-9, एम-26, एम-27; आम के लिए वेलाईकोलम्बन, ओल्यूर, निलेश्वर ड्वार्फ; नींबू में लाड्ग ड्रेगन; किन्नो के लिए सिटरेंज; अमरूद में इलाहाबाद सफेदा किस्म के लिए पूसा श्री (अनुप्लोइड-82) एवं सिडियम फाइड्रि चेस्थे लिएनम मूलवृंत पाए गए हैं.

सारणी : सघन बागवानी के उदाहरण

फलदार वृक्ष	परम्परागत दूरी (मी.) पौधा × कतार	वृक्ष सघनता/हेक्टेयर	सघन बागवानी की दूरी (मी.) पौधा × कतार	वृक्ष सघनता हेक्टेयर	सघन बागवानी के लिए उपयुक्त किस्में
केला	2 × 2 1·5 × 1·5	2500 4444	1·2 × 1·2	6944	ड्वार्फ केवेन्डिश, बसराई बौना
अमरूद	8 × 8 6 × 6	227 277	2 × 2 3 × 3	2500 1111	लखनऊ-49, इलाहाबाद सफेदा, हरिझा, अर्का मृदुला
आम	10 × 10	100	5 × 5 2·5 × 2·5	400 1600	आम्रपाली, पूसा, अरूनिमा, दशहरी
सेब	7 × 7 1·8 × 1·8	204625	2 × 1	5000	रेड चीफ, रेड स्पर, आरेगन स्पर, गोल्ड स्पर, सिल्वर स्पर, स्टार क्रिमसन स्पर
नींबू	6 × 6	277	3 × 1·5	2222	कागजी नींबू
किन्नो	6 × 6 6 × 6	277 277	1·8 × 1·8 2·4 × 2·4	3086 1736	सिटरेंज मूलवृंत
अनार	4 × 4	625	1·5 × 1·5	4444	गणेश
पपीता	1·8 × 1·8	3086	1·25 × 1·25	6400	पूसा नन्हा, पूसा ड्वार्फ, सी.ओ.-1
अनन्नास	0·25 × 0·60 × 0·90	74074	0·20 × 0·45 × 0·75	148148	क्वीन, क्यू
लीची	10 × 10	100	5 × 5	400	चाइना, मुजफ्फरपुर
चीकू	8 + 8	227	4 × 4	625	पी.के.एम.-1, पी.के.एम.-2

Vikas Bhadu

सघन बागवानी के लाभ

सघन बागवानी से निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं, जो इस प्रकार हैं–

- भूमि एवं संसाधनों का समुचित उपयोग होता है.
- प्रकाश का समुचित उपयोग होता है, जिससे प्रकाश-संश्लेषण अधिक होता है.
- परम्परागत विधियों की अपेक्षा सघन बागवानी में व्यावसायिक फलन जल्दी आती है, सामान्यतः परम्परागत विधियों में व्यावसायिक फलन लगभग 10–12 वर्षों में आता है, जबकि सघन बागवानी में 4-5 वर्षों में फल आ जाता है.
- फलों की गुणवत्ता में वृद्धि होती है.
- अधिक पौधों का समावेश होने के कारण उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ती है
- बौने पौधे होने के कारण कटाई-छँटाई, फलों की तुड़ाई, पौध संरक्षण उपाय अपनाने में आसानी होती है.

सघन बागवानी के कुछ उदाहरण सारणी के माध्यम से पीछे दिए गए हैं, जिन्हें किसान आसानी से अपना सकते हैं.

निष्कर्ष

सघन बागवानी को और अधिक सफल बनाने के लिए **टपक** बूँद सिंचाई विधि (ड्रिप इरीगेशन सिस्टम) का उपयोग करते हुए एवं फर्टीगेशन के द्वारा पोषक तत्वों का शत-प्रतिशत उपयोग करते हुए; उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है. हमारे देश में सघन बागवानी के विकास की अपार सम्भावनाएँ हैं, जिसे आम किसान अपने खेतों में अपनाकर अपने रहन-सहन के स्तर को ऊँचा कर सकते हैं. फिर भी इस दिशा में अधिक अनुसन्धान एवं तकनीकी ज्ञान के विस्तार की आवश्यकता है, जिसमें सघन बागवानी के लिए उपयुक्त बौनी एवं जल्दी अधिक उपज देने वाली किस्मों का विकास अहम् है. कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी खोज में देखा है कि **बागवानी**–आम, अमरूद, सन्तरा, किन्नो आदि में टपक बूँद-सिंचाई (ड्रिप इरीगेशन) तकनीक से 50% सिंचाई जल की बचत होती है, साथ ही 20% लागत में बचत देखी गई है. इसके अलावा फुब्बारी सिंचाई (स्प्रिंकलिंग सिस्टम) पद्धति एवं प्लास्टिक पाइप पद्धतियाँ बागवानी में अपनानी होंगी, जिससे फलोत्पादन/पुष्पोत्पादन/औषधीय उत्पादन को बल मिलेगा. इस दिशा में केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर (राजस्थान); केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ (उ.प्र.); केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसन्धान संस्थान, झाँसी (उ.प्र.) आदि उल्लेखनीय अनुसन्धान एवं विकास गतिविधियाँ कर रहे हैं.

●●●

शेष पृष्ठ 79 का

संशोधित मानकों को लागू करने पर बनी सहमति जैसे कई सारे प्रस्ताव भारत की ओर से ही रखे गए थे.

दृष्टिकोण

निःसन्देह जी-20 देशों के सामने आज सबसे बड़ा मसला बहुपक्षीय बातचीत की विश्वसनीयता को बहाल करना और परस्पर व्यापार में पैदा हो रहे अविश्वास को दूर करना है और खुशी की बात है कि जी-20 राष्ट्र विश्व की प्रमुख आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर प्रयास करने को सहमत हुए हैं. इन देशों ने दुनिया में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है. वे प्रौद्योगिकी सम्बन्धी नवाचार, विशेष तौर पर डिजिटिलाइजेशन की शक्ति का उपयोग करने और सबके फायदे के लिए एकजुट होकर इसका लाभ उठाने को भी सहमत हैं.

●●●

शेष पृष्ठ 95 का

के माध्यम से ऑपरेशन के दौरान नाइट विजन ग्लासेस (Night Vision Glasses) प्रयोग करने का सलाह दिया. ऑपरेशन प्रारम्भ होने पर वह स्वयं सेन्ट्रल रूम से सहयोग देना प्रारम्भ कर दिया. परिणामस्वरूप नेवी का एक लड़ाकू जहाज ने एक बड़े जहाज की घेराबन्दी कर दी तथा एक सबमैरिन को भी घेरे में ले लिया यह ऑपरेशन नॉर्थ अरबियन समुद्र का खराब मौसम का सफल ऑपरेशन था.

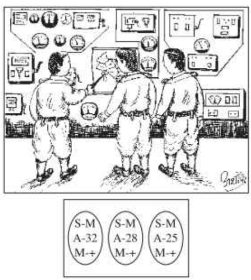

कार्य : एक वरिष्ठ मीटर इंजीनियर अपने दो सहकर्मियों को जहाज के गतिविधियों हेतु डाइरेक्सन मीटर द्वारा निर्देशित कर रहा है.

कहानी : कोस्ट गार्ड तकनीकी अधिकारी रूप सिंह महादेवन नियन्त्रण रूम के डाइरेक्सन मीटर के लगातार फेल हो जाने से काफी दुःखी हुए. ये मीटर फ्रांस से मँगवाए गए थे. उक्त कारण से अपने सहकर्मियों के जहाजों का आवागमन मॉनीटर करने में असफल हो रहे थे. अपने वरिष्ठ अधिकारियों तथा सहकर्मियों के निरन्तर सफल एवं असफल प्रयास से उन्होंने एक नए मीटर का निजात कर दिया जो जहाजों के आवागमन को ठीक एवं सही से मॉनीटर करने में पूर्णतया सक्षम था.

●●●

शेष पृष्ठ 97 का

होड़ के खिलाफ 1967 की अन्तर्राष्ट्रीय संधि 'आउटर स्पेस ट्रीटी' पर भारत ने हस्ताक्षर किए हैं और 1982 में इसे आधिकारिक तौर पर मंजूर किया है. यह संधि अन्तरिक्ष में जनसंहारक हथियारों पर ही रोक लगाती है. यहाँ यह भी इसको देखते हुए ही उक्त ट्रीटी अस्तित्व में आयी और अन्तरिक्ष में किसी भी तरह के विस्फोटक हथियार को तैनात न करने पर सहमति बनी. इस प्रकार वर्ष 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि में अंतरिक्ष के सशस्त्रीकरण पर रोक है, लेकिन इसमें अंतरिक्ष में हथियार तैनात करने या ए-सैट परीक्षणों पर प्रतिबंध नहीं है.

दृष्टिकोण–भारत के अंतरिक्ष में रक्षोपाय

निश्चित तौर पर अन्तरिक्ष में एंटी-सैटेलाइट मिसाइल लॉन्च करने वाले देशों में भारत का शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है. डीआरडीओ प्रमुख का यह कहना कि बचाव का सबसे बेहतर तरीका प्रतिरोध है, पूर्णतः सही है. यह भी वास्तविकता है कि भविष्य के युद्ध की जीत और हार का निर्णय एंटी सैटेलाइट करेंगे. रक्षा विशेषज्ञों का यह कहना पूर्णतः सही है कि जिस देश के पास यह तकनीक होती है, माना जाता है कि जंग होने की स्थिति में वह अतिरिक्त फायदे में होता है, क्योंकि इस तरह भारत अब जल, जमीन और आकाश के अलावा अंतरिक्ष में भी किसी शत्रुतापूर्ण गतिविधि का कड़ा जवाब दे सकता है. अगर कोई दुश्मन देश अंतरिक्ष में सैटेलाइट के जरिए भारत पर नजर रख रहा हो या जासूसी कर रहा हो, तो जरूरी होने पर भारत उस सैटेलाइट को नष्ट कर सकता है. उनका यह भी मत है कि भले ही अंतरिक्ष में अभी तक कोई लड़ाई नहीं हुई है, लेकिन अन्तरिक्ष भविष्य के युद्धस्थल के रूप में निश्चित तौर पर देखा जा सकता है.

'मिशन शक्ति' का एक सुनहरा पक्ष यह भी है कि इसरो और डीआरडीओ के बीच के आपसी तालमेल से नित नए-नए आविष्कारों/परीक्षणों से भविष्य में रक्षा मामलों में भारत के विदेशों पर निर्भरता लगातार कम होगी, क्योंकि अभी भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है.

●●●

कृषि लेख

एग्री-बिजनेस से किसानों का कायाकल्प

✍ डॉ. आर. एस. सेंगर

Vikas Bhadu

किसानों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण और जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कृषि का व्यावसायीकरण और औद्योगीकरण किया जाना आवश्यक है. इसके लिए कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक वैज्ञानिक, तकनीकी व यांत्रिकी के प्रयोग सहित विषम एवं विपरीत स्थितियों में भी कृषि उत्पादन बढ़ाने, कृषि उत्पादों को संरक्षित करने, परम्परागत कृषि के स्थान पर कृषि के विविधीकरण को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन करने तथा कृषि का वाणिज्यीकरण करने के साथ-साथ कृषि को 'व्यवसाय' का दर्जा प्रदान करना होगा. उल्लेखनीय है कि देश की 60-65 फीसदी आबादी कृषि अथवा कृषि–आधारित उद्यमों में संलग्न है. इसके बावजूद देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान मात्र 17 फीसदी है.

एग्रीकल्चर से एग्री-बिजनेस की ओर अग्रसर

कृषि में आधुनिक प्रबन्धकीय और व्यावसायिक तकनीकी का उपयोग कर इसे मुनाफे का सौदा बनाना है, जिसके लिए किसानों को प्रशिक्षित कर आधुनिक यांत्रिकी और तकनीकी के प्रयोग पर बल दिया जाना चाहिए. 'एग्री-बिजनेस' खेती के व्यवसाय को सन्दर्भित करता है. इस शब्द का उपयोग सर्वप्रथम 'गोल्डबर्ग ओर डेविस' द्वारा वर्ष 1957 में किया गया था. इसके अन्तर्गत फसल का व्यावसायिक उत्पादन, कृषि उत्पाद संरक्षण, खाद्य–प्रसंस्करण, कृषि विपणन, आधुनिक मशीनों का प्रयोग, जैविक एवं आर्गेनिक फार्मिंग, आधुनिक प्रसंस्कृत बीजों की आपूर्ति, फलों की खेती तथा पुष्पोत्पादन, पशुपालन, मुर्गी-पालन एवं मत्स्यिकी इत्यादि सम्मिलित हैं. एग्री-बिजनेस द्वारा युवाओं को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित कर बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक हल किया जा सकता है. वर्तमान में अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ एग्री-बिजनेस के क्षेत्र में कदम रखकर मोटा मुनाफा कमा रही हैं. निकट भविष्य में एग्री-बिजनेस के क्षेत्र में रोजगार के विविध अवसर उपलब्ध होंगे.

औद्योगिक एवं सहकारी कृषि

कृषि क्षेत्र से युवाओं का पलायन रोकने और किसानों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने हेतु कृषि का व्यावसायीकरण किया जाना आवश्यक है. अन्य उत्पादों की तुलना में कृषि उत्पादों की माँग बाजार में सदैव बनी रहती है. तेजी से बढ़ती जनसंख्या की भोजन सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आने वाले समय में कृषि उत्पादों की माँग उसी तेजी के साथ बढ़नी तय है. परिणामस्वरूप, कृषि के क्षेत्र में रोजगार भी तेजी से ही बढ़ेंगे. अतः कृषि क्षेत्र में बढ़ती माँग का सर्वोत्तम लाभ प्राप्त करने के लिए कृषि का वाणिज्यीकरण किया जाना चाहिए. कृषि जनित उत्पादों की मार्केटिंग, बिजनेस सिद्धान्तों के आधार पर कर अच्छा लाभ कमाया जा सकता है. इतना ही नहीं, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर, किसानों की अच्छी कमाई हो सकती है. आने वाले समय में पेशेवर व व्यावसायिक कृषि का एक नया ट्रेंड विकसित हो रहा है जिसे औद्योगिक कृषि प्रणाली के नाम से जाना जाता है. इस प्रणाली से अधिकतम लाभ लेने के लिए सहकारी कृषि पद्धति का भी विकास हो रहा है, जिसमें कई लोग संयुक्त रूप से मिलकर किसी एक फसल का व्यावसायिक उत्पादन करते हैं जिससे संयुक्त रूप से मानवीय श्रमशक्ति, आर्थिक सहयोग व वैज्ञानिकता और प्रबन्धकीय मूल्यों का उपयोग कर, मोटा मुनाफा कमाया जा सकता है और जोखिम प्रबन्धन किया जा सकता है.

कृषि व्यवसाय प्रबन्धन

कृषि के आर्थिक उन्नयन हेतु, परम्परागत विधा के स्थान पर आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी का प्रयोग कर पैदावार में वृद्धि करने के साथ-साथ, कृषि उत्पादों को लम्बे समय तक संरक्षित किया जाना आवश्यक है जिससे किसानों को उनके उत्पादों का अच्छा मूल्य प्राप्त हो सके और कृषि क्षेत्रों में रोजगार के विविध अवसर पैदा हो सके. फसल उत्पादन में जैव-उर्वरक एवं जैव-प्रौद्योगिकी के बढ़ते अनुप्रयोग और बढ़ती निर्यात् की सम्भावना, कृषि वस्तुओं का एक शृंखला में उत्पादन, कृषि उत्पादन में भारी वृद्धि, कृषि का आधुनिकीकरण, मृदा परीक्षण, प्रसंस्कृत जिंस का अनुप्रयोग, कृषि उत्पाद का भण्डारण, विपणन, खुदरा बिक्री को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में भारी निवेश द्वारा एग्री-बिजनेस को बढ़ावा देकर किसानों को समृद्ध किया जा सकता है.

एग्री-क्लीनिक और एग्री-बिजनेस उद्यम

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने नाबार्ड के सहयोग से किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने और कृषि कार्यों में आधुनिकतम तकनीकों को अपनाने के लिए एग्री-क्लीनिक एवं एग्री-बिजनेस कार्यक्रम की शुरूआत की है. इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य किसानों के द्वारा फसल उत्पादन के क्रम में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करना है. इसके अन्तर्गत युवाओं को कृषि तकनीकी और मैनेजमेंट तकनीकी के लिए प्रशिक्षित करने के साथ-साथ, स्वयं के एग्री-क्लीनिक तथा एग्री-बिजनेस सेंटर्स स्थापित करने के लिए सक्षम बनाना है. कृषि स्नातकों को बागवानी, रेशम उत्पादन, चिकित्सा विज्ञान, डेयरी, कुक्कुट पालन और मत्स्य पालन इत्यादि कृषि सम्बन्धित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है. सरकार ने कृषि उद्यमों की स्थापना हेतु विशेष स्टार्ट-अप ऋण सहायता योजना को भी प्रारम्भ किया है. कृषि व्यवसाय केन्द्र, फसलोत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने में ये तत्व सहायक हैं. इन केन्द्रों में किसानों को फसल चयन की सर्वोत्तम विधा, आधुनिक कृषि पद्धतियों, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, बाजार समाचार, जोखिम प्रबन्धन, फसल बीमा, क्रेडिट और इनपुट एक्सेस जैसी जानकारी प्रदान की जाती है.

एग्री-क्लीनिक और एग्री-बिजनेस सेंटर्स स्थापित करने के लिए सरकार कृषि स्नातकों को विशेष एवं निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रही है. दो माह का यह प्रशिक्षण देश के चुनिंदा संस्थानों के द्वारा ही प्रदान किया जा रहा है जिसमें उद्यमिता, व्यवसाय प्रबन्धन तथा कौशल सुधार मॉड्यूल शामिल हैं. प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों द्वारा एग्री-बिजनेस सेंटर स्थापित करने के लिए व्यक्तिगत परियोजना हेतु ₹ 20 लाख, बेहद सफल व्यक्तिगत परियोजना के लिए ₹ 25 लाख और समूह परियोजना के लिए ₹ 1 करोड़ तक का ऋण आसान किश्तों पर उपलब्ध कराया जा रहा है. एग्री-बिजनेस से सम्बन्धित प्रशिक्षण का संचालन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबन्धन संस्थान (MANAGE) द्वारा किया जाता है. मैनेज की स्थापना वर्ष 1987 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के एक स्वायत संस्थान के रूप में हैदराबाद में की गई थी. यह संस्थान कृषि स्नातकों को एग्री-बिजनेस में एमबीए तथा एमएससी जैसे पाठ्यक्रम संचालित करता है. मैनेज संस्थान-विविध कृषि विस्तार कार्यक्रम, कृषि की चुनौतियों, पुनर्विकास व आधुनिकीकरण की दिशा में

प्रयासशील है. इस संस्थान द्वारा प्रबन्धन प्रशिक्षण, कंसलटेंसी, प्रबन्धन शिक्षा, अनुसन्धान एवं कृषि तकनीकों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है.

एग्री-बिजनेस के प्रमुख चरण

Vikas Bhadu

खाद्य-प्रसंस्करण एवं मूल्य-संवर्धन

फल और सब्जियों के उत्पादन में विश्व में भारत का द्वितीय स्थान होने के बावजूद देश के जनसामान्य को पर्याप्त मात्रा में फल एवं सब्जियाँ उपलब्ध नहीं हो पाती हैं. सब्जियों एवं फलों को लम्बे समय तक संरक्षित रखने के लिए शीतगृहों की व्यवस्था अपूर्ण होने के कारण बड़े पैमाने पर ये फल एवं सब्जियाँ नष्ट हो जाती हैं जिससे किसानों को बड़े पैमाने पर आर्थिक क्षति होने के साथ-साथ जनसामान्य को भी ये समुचित मूल्य पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं. एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष 30–35 प्रतिशत फल एवं सब्जियाँ नष्ट हो जाती हैं. फल एवं सब्जियों के शीघ्रता से खराब अथवा नष्ट होने की प्रकृति के कारण मूल्यों में भी तीव्रता के साथ उतार-चढ़ाव जारी रहता है. फल एवं सब्जियों को खाद्य-प्रसंस्करण द्वारा लम्बे समय तक संरक्षित किया जा सकता है. खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन उद्योग की स्थापना द्वारा ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर पर लाखों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार लाया जा सकता है. इसके अतिरिक्त, किसानों को फसलों का समुचित मूल्य प्राप्त होगा और उपभोक्ताओं को भी उचित मूल्य पर खाद्य पदार्थ उपलब्ध होंगे.

खाद्य-प्रसंस्करण तकनीकी विधाओं का उपयोग कर कृषि उत्पाद, वनोपज, मत्स्य, मीट और मुर्गा इत्यादि को मूल रूप से कैनिंग, टेट्रा पैकिंग, शीत शृंखला में पैकिंग अथवा भौतिक एवं रासायनिक अवसंरचना का रूपान्तरण कर मूल्य संवर्धन करने के साथ-साथ सामान्य तापक्रम पर लम्बे समय तक संरक्षित किया जाता है. इसमें अल्पकालिक एवं शीघ्रता से खराब होने तथा गलने-सड़ने वाले कृषि उत्पाद, डेयरी उत्पाद, माँस एवं मीट उत्पाद और फल-सब्जियाँ इत्यादि को नष्ट करने वाले कारकों को प्रतिबन्धित एवं नियन्त्रित कर, इनकी शेल्फलाइफ बढ़ाकर दीर्घकाल तक संरक्षित किया जाता है. प्रसंस्करण तकनीकी द्वारा कृषि उत्पादों के जीवाणु तथा कवक आदि को नष्ट कर, उनके प्रजनन व विकास को नियन्त्रित करने की प्रक्रिया प्रयुक्त की जाती है. कृषि उत्पादों में ऑक्सीकरण की गति को कम करने के साथ एंजाइम उपापचय की प्रक्रिया को नियन्त्रित किया जाता है. जीवाणु एवं कवक के जीवन के लिए अनुकूल वातावरण एवं परिस्थितियाँ नमी, पानी और ऑक्सीजन पर नियन्त्रण कर कृषि उत्पाद को लम्बे समय तक संरक्षित रखा जा सकता है.

प्रसंस्करण तकनीकी द्वारा खाद्य उत्पादों का विविधीकरण और व्यावसायीकरण कर उनका मूल्य संवर्धन किया जाता है. प्रसंस्करण में किण्वन, स्प्रेड्राइंग, प्रशीतन, थर्मल प्रसंस्करण, निर्जलीकरण, धूप में सुखाना, नमक में परिरक्षण, शुगर में परिरक्षण, विभिन्न प्रकार से पकाना, रस सांद्रण, हिम शुष्कन, सिरका, साइट्रिक ऐसिड, तेल, कृत्रिम मिठास तथा सोडियम बेंजोएट जैसे परिरक्षकों के द्वारा कवक एवं जीवाणुओं को नष्ट कर फल एवं सब्जियों को संरक्षित किया जाता है. कृषि उत्पादों की भौतिक एवं रासायनिक अवसंरचना में परिवर्तन कर अचार एवं मुरब्बा, जेम, जैली, वेजिटेबिल सॉस, सब्जियों एवं फलों के मूल रूप में नमक/मीठे पानी से कैनिंग प्रणाली के द्वारा अथवा इनका जूस/रस निकालकर वैक्यूम/टेट्रा पैकिंग द्वारा इन्हें लम्बे समय तक संरक्षित रखा जा सकता है. प्रसंस्करण के द्वारा प्राकृतिक परिपक्वन को भी नियन्त्रित किया जाता है. संरक्षण के लिए खाद्य पदार्थ को उपचार के पश्चात् सीलबन्द पैकिंग की आवश्यकता पड़ती है, जिससे संरक्षित खाद्य–पदार्थों को जीवाणुओं द्वारा पुनः दूषित करने से बचाया जा सके.

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए, सरकार इसके तीव्र विकास के लिए अनेक प्रयास कर रही है. सरकार 'मेक इन इंडिया' योजना के अन्तर्गत 'मेगा फूड पार्क' की स्थापना, 'शीत शृंखला' का निर्माण, युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए 'कौशल विकास' योजना, 'प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना' आदि योजनाओं के माध्यम से सरकारी अनुदान एवं सहायता, नाबार्ड और मुद्रा योजना के द्वारा आसान शर्तों एवं सस्ते ब्याज की दर पर ऋण उपलब्ध करा रही है. खाद्य-प्रसंस्करण, एग्री-बिजनेस का एक महत्वपूर्ण अंग है. वर्तमान में अनेक एफएमसीजी कम्पनियाँ इसके माध्यम से मोटा मुनाफा कमा रही हैं. प्रसंस्कृत और मूल्य-संवर्धित खाद्य पदार्थों का निर्यात् कर बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा का अर्जन भी किया जा रहा है.

डेयरी उद्योग

दुग्ध उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में प्रथम पायदान पर स्थित है. दुग्ध उत्पादन तथा प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी रोजगार की अपार सम्भावनाएं विद्यमान हैं. इसके लिए दुग्ध का व्यावसायिक उत्पादन और दुग्ध उत्पादों के माध्यम से मूल्य-संवर्धन करना होगा. दूध एक अत्यन्त शीघ्र ही खराब होने वाला पदार्थ है, इसलिए दुग्ध को संरक्षित करने के लिए इसे पाश्चुरीकृत किया जाता है. दूध को पाश्चुरीकृत करने के लिए 63 डिग्री सेंटीग्रेड पर 15 सेकेण्ड तक गर्म किया जाता है. इसके बाद इसे अचानक ही तेजी से ठण्डा कर दिया जाता है, जिससे इसके समस्त जीवाणु नष्ट हो जाते हैं. पाश्चुरीकृत दूध को नियन्त्रित अवस्था में पैकिंग कर शीतशृंखला में उपभोक्तओं तक भेजा जाता है. पाश्चुरीकरण से दुग्ध की औसत आयु में वृद्धि हो जाती है. पाश्चुरीकृत दुग्ध कोटेट्रा पैकिंग द्वारा महीनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है.

प्रसंस्करण तकनीकी द्वारा दूध की अवस्था, स्वरूप एवं प्रकृति में परिवर्तन कर दुग्ध उत्पाद जैसे–पनीर, खोया, दही, छाछ, घी, मक्खन, स्किम्ड मिल्क पाउडर इत्यादि का निर्माण किया जाता है. दुग्ध उत्पादों का व्यावसायिक स्तर पर निर्माण कर इन्हें टेट्रा पैकिंग एवं वैक्यूम पैकिंग के जरिए दीर्घकाल तक सुरक्षित रखा जा सकता है. सर्द मौसम में दुग्ध का उत्पादन अधिक होने तथा माँग कम होने के कारण दूध की कीमतों में भी गिरावट आती है. इस समय में दुग्ध का वाष्पीकरण कर शुष्क रूप से 'स्किम्ड मिल्क पाउडर' का निर्माण किया जाता है, जिसका गर्मियों के मौसम में, जब दूध की कमी होती है, प्रयोग किया जाता है. स्किम्ड मिल्क पाउडर में गर्म पानी मिलाकर पुनः दूध बनाया जा सकता है. दुग्ध निर्मित पदार्थों का औद्योगिक उत्पादन और इसकी मार्केटिंग कर, देश के अन्य भागों में भेजकर अथवा इसका निर्यात् कर अच्छा पैसा कमाया जा सकता है. सरकार डेयरी उद्योग के विकास के लिए प्रशिक्षण, ऋण और अनुदान सहायता योजनाओं का संचालन कर रही है.

सुगन्धित एवं शोभकारी पादप एवं पुष्प उद्योग

मानव दैनिक जीवन में पुष्पों का आध्यात्मिक एवं औषधीय महत्व और सौन्दर्यकरण तथा साज-सजावट में पुष्पों की उपयोगिता एवं महत्व के कारण, देश-विदेश में पुष्पों की माँग दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है. परिणामस्वरूप पुष्पों का व्यवसाय आर्थिक रूप से लाभदायक बनता जा रहा है. फ्लोरीकल्चर के अन्तर्गत पुष्पों का व्यावसायिक स्तर पर उत्पादन, मार्केटिंग, कॉस्मेटिक और परफ्यूम उद्योग के अतिरिक्त मेडीकल इंडस्ट्री में भी सप्लाई की जाती है. हाल ही के दिनों में लैमनग्रास, सिट्रोनेला, पामारोजा, जामारोजा, तुलसी, मिंट, कैमोमाइल, गेंदा, आर्टीमिशया, जिरेनियम, स्याहजीरा, तेजपात, गुलाब, थाइम इत्यादि पुष्पों का उत्पादन एग्री-बिजनेस फर्मों द्वारा किया जा रहा है.

गुलाब के तेल का समर्थन मूल्य ₹ 5 लाख प्रति लिटर निर्धारित किया गया है जबकि खुले बाजार में इसकी कीमत ₹ 6 से ₹ 7 लाख प्रति लिटर तक है. जिला चमोली के जोशीमठ क्षेत्र के 12 गाँवों में गुलाब की सफल खेती की जा रही है तथा गुलाब जल एवं गुलाब का तेल उत्पादित किया जा रहा है. एग्री-बिजनेस फर्मों के द्वारा पुष्पों का बड़े स्तर पर उत्पादन करने से न केवल किसानों की किस्मत चमक रही है, बल्कि बंजर खेतों में फिर से हरियाली लहलहा रही है. एग्री-बिजनेस के अन्तर्गत सरकार फ्लोरीकल्चर को भी बढ़ावा दे रही है.

Vikas Bhadu

पशु-पालन, माँस एवं पोल्ट्री उद्योग

देश में दूध और दुग्ध उत्पाद तथा माँस एवं माँस उत्पाद के लिए बड़े पैमाने पर पशुपालन किया जाता है. किसान फसल उत्पादन के अतिरिक्त गाय, भैंस, बकरी, भेड़, मुर्गी इत्यादि जानवरों को अपनी आवश्यकतानुसार पालते हैं. दूध एवं दुग्ध उत्पाद, माँस तथा माँस उत्पाद के संक्रमण एवं खराब होने का अधिक खतरा रहता है. इसलिए इन्हें संरक्षित रखने के लिए प्रसंस्करण तकनीकी का उपयोग, डीप फ्रीजर आदि में रखकर शीत-शृंखला में परिवहन किया जाना चाहिए जिससे प्रसंस्करण स्थल से उपभोक्ता तक पहुँचने में सूक्ष्म जीवाणुओं के संक्रमण से इन्हें सुरक्षा प्रदान की जा सके, इसकी कैनिंग एवं वैक्यूम पैकिंग कर निर्यात् किया जाता है.

कृषि बाजार तन्त्र

केन्द्र सरकार ने विपणन प्रक्रिया की जटिलता को सरल बनाने और कृषि विपणन प्रणाली में सुधार करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक 'राष्ट्रीय कृषि बाजार', (ई-नाम) प्रणाली और स्थानीय स्तर पर 'ग्रामीण कृषि बाजार' की स्थापना की है. ई-नाम एक पैन इंडिया इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल है जो कृषि सम्बन्धी उपजों के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण करने के लिए उपलब्ध एपीएमसीमंडी का विस्तार है जिससे राष्ट्रीय-स्तर पर माँग तथा आपूर्ति के आधार पर खाद्य-पदार्थों की कीमत का निर्धारण हो सकेगा एवं किसानों की पहुँच राष्ट्रीय बाजार-व्यवस्था तक हो सकेगी. किसानों को खाद्य-उत्पाद की गुणवत्ता के अनुसार समुचित कीमत तथा उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर बेहतरीन खाद्य उत्पाद भी प्राप्त हो सकेंगे.

ई-नाम के द्वारा किसान अपने उत्पादों को ई-नाम बाजार में प्रदर्शित करेगा तथा खरीददार देश के किसी भी स्थान से इस उत्पाद पर ऑनलाईन बोली लगा सकेगा. खुली बोली और प्रतिस्पर्धा के कारण किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा. ई-नाम पोर्टल हिन्दी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त स्थानीय भाषाओं यथा–गुजराती, तेलुगू, मराठी और बंगला आदि भाषाओं में भी उपलब्ध है. गूगल प्ले स्टोर पर भी ई-नाम मोबाइल ऐप लॉंच किया गया है. किसान भाई इस मोबाइल ऐप की सहायता से ई-नाम में पंजीकरण और राज्य-स्तरीय एकल लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं तथा विभिन्न कृषि उत्पादों की खरीद और बिक्री कर सकते हैं. पेमेंट गेटवे को अब राष्ट्रीय कृषि बाजार मंच से एकीकृत किया गया है. इसमें 90 उपजों को व्यापार मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है. सरकार किसानों को ई-नाम के अन्तर्गत व्यापारिक हिस्सेदारी सरल बनाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दे रही है. ई-नाम द्वारा किसानों को स्थानीय मंडी के अतिरिक्त फसल बेचने के अन्य विकल्प प्रदान कर रही है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा.

वित्तमंत्री ने वर्ष 2018-19 के बजट में उपलब्ध 22,000 ग्रामीण हाटों को 'ग्रामीण कृषि बाजार' के रूप में विकसित और उन्नत किए जाने का प्रस्ताव भी रखा है. इलेक्ट्रॉनिक रूप से ई-नाम से जुड़े तथा एपीएमसी के विनिमय से छूट प्राप्त किए ग्रामीण कृषि बाजार, किसानों को उपभोक्ता एवं थोक व्यापारियों से सीधा जोड़ेंगे, जिससे किसानों को अपने उत्पादों को बेचने में सुविधा हो सकेगी. 22,000 ग्रामीण कृषि बाजार और 585 एपीएमसी में कृषि विपणन अवसंरचना के विकास एवं उन्नयन के लिए बजट में ₹ 2,000 करोड़ की स्थाई निधि के साथ एक कृषि बाजार अवसंरचना कोष की स्थापना का प्रस्ताव भी किया है. साथ ही किसानों को खेत से ही कम्पनियों को उनकी उपज बेचने की छूट भी प्रदान की जा रही है, जिसके लिए कानूनी जटिलताओं को दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं.

●●●

शेष पृष्ठ 86 का

भाषा–'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' ने 18 अप्रैल, 1966 को हिन्दी समाचार सेवा 'भाषा' का प्रारम्भ करके हिन्दी पत्रकारिता के उज्जवल भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया. कुछ ही वर्षों में उसने जो प्रगति की वह उल्लेखनीय है. इसने भाषा अनुवाद एजेंसी न होकर मूल खबरों की एजेंसी बनने की दिशा में प्रयास किया. यह पहली समाचार एजेंसी है, जो समाचारों को वाक्य-विन्यास, भाषा-शैली, वर्तनी और नामों के सही उच्चारण के लिए ठोस रचनात्मक कार्य कर रही है. 'भाषा' के पूर्व सम्पादक डॉ. वेदप्रकाश वैदिक का कहना है कि–विदेशी नामों के उच्चारण के लिए कई विदेशी भाषाओं की 'उच्चारण तालिकाएं' बनाई गई हैं. देश के लगभग 11,000 शहरों व कस्बों के सही नामों की प्रमाणिक सूची भाषा की डेस्क पर लगी है. समाचार लेखन में उसी का प्रयोग किया जाता है, जिससे वर्तनी में एकरूपता रहती है.

वर्तमान समय में भारत में लगभग 41 समाचार एजेंसियाँ स्थापित हो चुकी हैं. इसके अलावा 34 विदेशी समाचार एजेंसियाँ कार्यरत् हैं. दुनिया में कुल 120 से अधिक देशों की अपनी-अपनी समाचार एजेंसियाँ हैं. इन एजेंसियाँ के संवाददाताओं में 34 प्रतिशत अमरीका, 28 प्रतिशत यूरोप, 17 प्रतिशत एशिया, 11 प्रतिशत लैटिन अमरीका, 6 प्रतिशत मध्य-पूर्व तथा 4 प्रतिशत अफ्रीका में कार्यरत् हैं. यूनेस्को की 'मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की चार प्रमुख समाचार एजेंसियाँ– रायटर, ए.पी., ए.एफ.पी. व यू.पी.आई., द्वारा लगभग 90 प्रतिशत अन्तर्राष्ट्रीय समाचारों का प्रेषण किया जाता है.

समाचार एजेंसियाँ के कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए सन् 1976 में पहली बार गुट-निरपेक्ष देशों के सूचना एवं प्रसारण मंत्रियों का सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया. इस सम्मेलन में जोर दिया गया कि संसार के सूचना संकलन की स्थिति में बड़ा ही गम्भीर असन्तुलन है, जिसके कारण गुट-निरपेक्ष देशों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. इस सम्मेलन में जोर दिया गया कि समाचार-पत्रों और जनमाध्यमों को औपनिवेशिक उत्तरदायित्व से मुक्त होना चाहिए. यह उतना ही आवश्यक है, जितना कि नई आर्थिक व्यवस्था.

इस प्रेरणा को क्रियान्वित करने के लिए जुलाई 1976 में एक गुट-निरपेक्ष समाचार एजेंसी (पूल) स्थापित की गई. इस पूल को कार्यरूप देने के लिए एक समन्वय समिति बनाई गई. इस कार्य में भारत का योगदान अत्यन्त सराहनीय था. भारत को ही इस पूल का अध्यक्ष बनाया गया. भारत में इसका संचालन पी.टी.आई. द्वारा किया जाता है.

●●●

उपकार नवीन प्रस्तुति
हिन्दी
(कक्षा I–V के लिए)
CTET एवं अन्य राज्यों की TET परीक्षाओं के लिए उपयोगी
लेखक : प्रो. मधुप कुमार
कोड 2649 ₹ 170/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

Vikas Bhadu

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. वृहतपाषाण स्मारकों की पहचान की गई है
– *मृतक को दफनाने के लिए*
2. सामवेद के पद गेयं रूप में गाने वाला पुरोहित कहलाता था
– *उदगाता*
3. अशोक का कौनसा अभिलेख इस परम्परा की पुष्टि करता है कि गौतम बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ था ?
– *रुम्मिनदेई स्तम्भ अभिलेख*
4. चैत्य और विहार में मुख्य अन्तर है
– *चैत्य पूजा स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान है*
5. कनिष्क के रबातक अभिलेख (अफगानिस्तान) में वर्णित चार शहर हैं – *साकेत, कौशांबी, पाटलिपुत्र एवं चम्पा*
6. प्राचीन काल में ऐसी भूमि जिस पर खेती नहीं की गई हो, कहलाती थी – *अप्रहत भूमि*
7. चोल राजाओं में किसने सीलोन (Ceylone) पर विजय प्राप्त की थी ? – *राजेन्द्र-I*
8. महान् जैन विद्वान् हेमचन्द्र किसकी सभा को अलंकृत करते थे ? – *कुमारपाल*
9. मुगलकाल की किस कर व्यवस्था को बन्दोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है ? – *दहसाला*
10. फतेहपुर सीकरी की किस इमारत को 'शान-ए-फतेहपुर' या 'शान-ए-सीकरी' के नाम से जाना जाता है ?
– *जामा मस्जिद*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के सन्दर्भ में 16 अक्टूबर, 1905 प्रसिद्ध है – *इस दिन बंगाल विभाजन प्रभावी हुआ था*
12. "मुसलमान यदि खुश और सन्तुष्ट हैं, तो भारत में ब्रिटिश शक्ति का महत्तम बचाव होगा." यह कथन है
– *डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर का*
13. 1921-22 के असहयोग आन्दोलन का मुख्य प्रतिफल था
– *हिन्दू-मुस्लिम एकता*
14. 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कराची अधिवेशन के लिए, जिसकी अध्यक्षता सरदार पटेल कर रहे थे, किसने मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प प्रारूपित किया था ?
– *पण्डित जवाहरलाल नेहरू*
15. वर्ष 1934 में गठित कांग्रेस समाजवादी पार्टी के संस्थापक थे
– *जयप्रकाश नारायण, योगेन्द्र शुक्ला, मीनू मसानी एवं आचार्य नरेन्द्र देव*
16. भारत छोड़ो आन्दोलन के समय भारत का प्रधान सेनापति था
– *लॉर्ड वैवेल*
17. किसने कहा कि "ब्रिटिश शासन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत का एकीकरण था ?" – *के.एम. पणिक्कर ने*
18. स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान, अरुणा आसफ अली किस भूमिगत क्रियाकलाप की प्रमुख महिला संगठक थीं ?
– *भारत छोड़ो आन्दोलन*
19. अंग्रेजों द्वारा भारतीयों को 1947 में सत्ता हस्तान्तरित किए जाने के समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे – *जे.बी. कृपलानी*
20. स्वतन्त्र भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल थे
– *सी. राजगोपालाचारी*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. ऐसा प्रस्ताव जिसका उद्देश्य किसी मद में सरकार द्वारा माँगी गई राशि में एक विशेष मात्रा में कटौती करना होता है, कहलाता है – *अर्थगत कटौती (Economic Cut)*
22. कौनसे संवैधानिक संशोधन राज्यों से निर्वाचित लोक सभा सदस्यों की संख्या में वृद्धि करने से सम्बन्धित है ?
– *7वाँ एवं 31वाँ*
23. संसद के दो सत्रों के बीच अधिकाधिक अन्तराल होना चाहिए
– *छह महीने का*
24. रेलवे अंचलों के लिए संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति का गठन किया जाता है – *संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा*
25. स्थगन प्रस्ताव का उद्देश्य होता है
– *वर्तमान अर्थात् तात्कालिक संसदीय प्रक्रिया को रोककर अविलम्बनीय लोक महत्व के मुद्दे पर चर्चा की जाए*
26. सामान्य वित्तीय विधायन में चरण सम्मिलित हैं
– *बजट का प्रस्तुतीकरण, बजट पर चर्चा, विनियोग विधेयक को पारित करना, वित्त विधेयक को पारित करना*
27. एक राज्य के विधानमण्डल के किसी सदस्य के निरर्हता से सम्बन्धित किसी प्रश्न का विनिश्चय करने हेतु अन्तिम सत्ता है
– *राज्यपाल*
28. प्रिवेन्टिव डिटेन्शन के अन्तर्गत एक व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए बन्दी बनाकर रखा जा सकता है – *तीन माह तक*
29. एक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपना त्यागपत्र सम्बोधित करता है – *राष्ट्रपति को*
30. केन्द्र-राज्य सम्बन्ध वर्णित हैं – *7वीं अनुसूची में*

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. भारत के किस भाग में सर्वाधिक दैनिक तापान्तर पाया जाता है ? – *राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में*
32. दक्षिण भारत की नदियाँ प्रमुख रूप से कौनसा अपवाह तन्त्र रखती हैं ? – *वृक्षनुमा*
33. नदियों की लम्बाई के अवरोही क्रम में गोदावरी, महानदी, नर्मदा व ताप्ति का सही अनुक्रम है
– *गोदावरी-नर्मदा-महानदी-ताप्ति*
34. किस प्रकार की मृदा की जलधारण क्षमता सबसे कम होती है ? – *बलुई दोमट*

Vikas Bhadu

35. 'केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसन्धान (CSSRI)' अवस्थित है – ***करनाल (हरियाणा) में***
36. हमारी आकाशगंगा के केन्द्र की परिक्रमा करने में सूर्य को समय लगता है – ***25 करोड़ वर्ष***
37. वह सीमा, जिसके बाहर तारे आन्तरिक मृत्यु से ग्रसित होते हैं, कहलाती है – ***चन्द्रशेखर सीमा***
38. हमारे अन्तरिक्ष में तारमण्डलों की संख्या है – ***88***
39. हीरक वलय एक दृश्य है, जिसे देखा जा सकता है – ***केवल पूर्णतया पथचिह्न के परिधीय क्षेत्रों पर***
40. अगर सूर्य और पृथ्वी के बीच दूरी एक-चौथाई कम हो जाए, तो सबसे अधिक सम्भावना होगी कि – ***हमारे वर्ष की अवधि कम हो जाएगी***

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ है – ***पर्यावरण की गुणवत्ता का ह्रास***
42. विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है– – ***5 जून को***
43. पर्यावरण अवनयन से तात्पर्य है– – ***भौतिक पर्यावरण के एकल या कई संघटकों से उत्पन्न अवनतावस्था***
44. पर्यावरणीय अधिप्रभाव एवं आकलन से अभिप्राय है – ***मानवीय क्रियाकलापों द्वारा प्राकृतिक पर्यावरण पर पड़ने वाले सम्मिलित प्रभावों का मूल्यांकन-आकलन***
45. भारत में पर्यावरणीय अधिप्रभाव के आकलन का प्रारम्भ हुआ– – ***1969 के पर्यावरणीय नीति अधिनियम के अन्तर्गत***
46. पर्यावरण नीति अधिनियम, 1969 में संशोधन हुआ था – ***1979 में***
47. जैव मण्डल आरक्षण की संकल्पना का आविर्भाव हुआ था – ***1971 में***
48. प्रथम जीवमण्डल आरक्षण अभिनिर्धारण हुआ था – ***1976 में***
49. जैव विविधता समुदाय के विश्व स्तर पर सदस्य हैं – ***192 देश***
50. राष्ट्रीय उद्यानों में आनुवांशिक विविधता का रखरखाव किया जाता है– – ***इन-सीटू संरक्षण द्वारा***

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

51. दिसम्बर 2019 में जलवायु परिवर्तन पर होने वाला सम्मेलन COP-25 का आयोजन कहाँ होगा ? – ***सैंटयागो (चिली)***
52. प्रकृति का सुरक्षा वाल्व कहा जाता है – ***ज्वालामुखी को***
53. किस महाद्वीप में एक भी ज्वालामुखी नहीं है ? – ***आस्ट्रेलिया***
54. विश्व का सबसे ऊँचाई पर स्थित सक्रिय ज्वालामुखी है – ***ओजस डेल सालाडो (6,885 मीटर)***
55. प्रारम्भिक भूकम्प तरंगों का औसत वेग कितना होता है ? – ***8 किमी/सेकण्ड***
56. पृथ्वी के केन्द्र से कौनसी भूकम्प तरंगें गुजर सकती हैं ? – ***प्राथमिक तरंगें***
57. सागरीय भूकम्पों द्वारा उत्पन्न लहरों को कहा जाता है – ***सुनामी***
58. भूकम्प के केन्द्र के ठीक ऊपर की सतह पर स्थित बिन्दु को कहा जाता है – ***अधिकेन्द्र***
59. क्योटो उपसन्धि जो वैश्विक तापन से सम्बन्धित है, लागू हुई थी – ***16 फरवरी, 2005 से***
60. टॉरनेडो बहुत प्रबल उष्णकटिबन्धीय चक्रवात हैं, जो उठते हैं – ***कैरेबियन सागर में***

भारतीय अर्थव्यवस्था

61. 'सशक्त' (SASHAKT) योजना किस क्षेत्रक से सम्बन्धित है ? – ***बैंकिंग सेक्टर***
62. 'बैकवाश प्रभाव' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया था – ***गुन्नार मिर्डल ने***
63. मीरा सेठ समिति का सम्बन्ध है– – ***हथकरघे के विकास से***
64. भारत में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में है ? – ***अनुच्छेद 280 में***
65. भारत में राष्ट्रीय आय समंकों का आकलन किया जाता है – ***केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (CSO) द्वारा***
66. विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट 2019 में सर्वाधिक बिजनेस फ्रैंडली देश है – ***न्यूजीलैण्ड***
67. गाँवों के विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किया गया उन्नत भारत अभियान सरकार के किस मंत्रालय के अधीन संचालित है ? – ***मानव संसाधन विकास मंत्रालय***
68. ओटसी (OTCEI) है – ***भारत का एक शेयर बाजार***
69. वर्तमान में औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) का आधार वर्ष है – ***1982***
70. कापार्ट का सम्बन्ध है – ***ग्रामीण कल्याण कार्यक्रमों की सहायता एवं मूल्यांकन से***

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

71. भौतिकी की किस शाखा में अति सूक्ष्म कणों की प्रक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है ? – ***क्वांटम मेकेनिक्स***
72. किसी पिण्ड का भार सर्वाधिक होता है – ***ध्रुवों पर***
73. सौर विकिरण को नापने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले उपकरण हैं – ***पाइरैनोमीटर एवं पाइरहिलियोमीटर***
74. बादलों के वायुमण्डल में तैरने का कारण है उनका कम – ***घनत्व***
75. बहुलक जो विशेषतः बर्तनों पर न चिपकने वाली सतह के रूप में प्रयुक्त होता हैं – ***टेफलॉन***
76. टेफलॉन का सामान्य नाम है – ***पॉलिटेट्राफ्लुओरो एथिलीन***
77. रक्त ग्लूकोज स्तर सामान्यतः व्यक्त किया जाता है – ***मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर में***
78. रक्त का थक्का बनने में फाइब्रिनोजिन के फाइब्रिन में भाग लेने वाला एंजाइम है – ***थ्रॉम्बिन***
79. किसी एक सामान्य व्यक्ति के रक्त का pH स्तर होता है – ***7·35–7·45***
80. एक मनुष्य को बेरी-बेरी, सूखा रोग व स्कर्वी की बीमारी होगी, यदि वह नहीं ले रहा है – ***विटामिन B_1, D व C***

कम्प्यूटर ज्ञान

81. सेलेरोन, पेंटियम और कोरक्रम प्रारूप हैं – ***कम्प्यूटर प्रोसेसर के***

82. ऐसी युक्ति जो आँकड़ों को आवेगों में परिवर्तन करती है तथा उन्हें टर्मिनल से कम्प्यूटर को और कम्प्यूटर से टर्मिनल को टेलीफोन लाइन से सम्प्रेषित करती है, वह है *– मोडेम*

83. एक्सेल प्रोसेसर, स्प्रेडशीट उदाहरण है *– प्लेटफॉर्म सॉफ्टवेयर का*

84. 'ओरेकल' है *– डाटा सॉफ्टवेयर*

85. IRQ6 सामान्यतः दिया जाता है *– फ्लॉपी ड्राइव कंट्रोलर को*

86. यूनीकोड इनकोड परियोजना एक वर्ण अथवा अंक का कितने के समूह का प्रतिनिधित्व करता है ? *– 16 बिट*

87. एक कम्प्यूटर की स्मृति सामान्यतौर पर एक किलोबाइट अथवा मेगाबाइट के रूप में व्यक्त की जाती है. एक बाइट बना होता है *– 8-द्विआधारी अंकों का*

88. डेटा कम्यूनिकेशन के लिए नियमों का संचय (Set of Rules) कहलाते हैं *– प्रोटोकॉल्स*

89. साइबर लॉ की शब्दावली में 'DOS' का अर्थ है *– डिनायल ऑफ सर्विस*

90. एक डिजिटल घड़ी में किस प्रकार का कम्प्यूटर हो सकता है ? *– इम्बेडेड कम्प्यूटर*

सम्प्रेषण/संचार

91. संचार के निष्पंदन के बुरे प्रभाव को कम करने के लिए किस उपाय का प्रयोग किया जाता है *– लघु परिधिकरण*

92. संचार में चयनों को संकुचित करने में प्रयुक्त प्रविधियों की प्रक्रिया कहलाती है *– निर्णय लेना*

93. किस नियम की सम्प्रेषण अन्तःक्रिया में हमें अवश्य ध्यान देना चाहिए कि हमें क्या करना है ? *– संघटनात्मक नियम*

94. कौनसा कौशल अन्तःक्रिया एवं सम्प्रेषण को सुगम बनाता है ? *– सामाजिक कौशल*

95. सकारात्मक सम्प्रेषण का माध्यम है *– टनेल दृष्टि, दोनों पक्षों को तत्काल पुनर्निवेश, समाधान की शीघ्र प्राप्ति*

96. औपचारिक दिशा-निर्देश एवं प्राधिकार पदानुक्रम संचार के किस प्रकार्य के उदाहरण हैं ? *– नियन्त्रण*

97. अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्धों में किसमें अधिक समय लगता है ? *– विश्वास बनने में*

98. अशाब्दिक संचार में निहित है *– भाव-भंगिमा, देह मुद्राएं एवं भावात्मक अभिव्यक्ति*

99. संचार प्रक्रिया के अन्तर्गत मध्यस्थता (Mediation) से तात्पर्य है *– सोच, विचारों तथा संदेशों को वाचिक एवं अवाचिक (चिह्नों) से रूपांतरित करना*

100. संचार प्रक्रिया में शामिल लोगों की संख्या के आधार पर संचार मुख्यतः कितने प्रकार का होता है ? *– 4 (अन्तरवैयक्तिक संचार, अंतःवैयक्तिक संचार, समूह संचार, जनसंचार)*

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

101. अनुबोधक (Probing) प्रश्न तब पूछे जाते हैं, जब *– छात्र द्वारा दिया उत्तर अध्यापक के आकांक्षा स्तर से नीचे हो*

102. जो छात्र रटते हैं, उनमें *– मौलिक चिंतन की शक्ति पैदा नहीं होती*

103. मूल प्रवृत्ति अभिप्रेरणा सिद्धान्त के प्रवर्तक हैं *– मैक्डूगल*

104. पुनर्बलन का सिद्धान्त (Reinforcement Theory) का प्रतिपादन किया था *– स्किनर ने*

105. S-R सम्बन्ध पाए जाते हैं *– थॉर्नडाइक के सिद्धान्त में*

106. R-R तथा R-S दोनों ही सम्बन्ध विद्यमान होते हैं *– थॉर्नडाइक के सिद्धान्त में*

107. फ्रॉयड ने सबसे अधिक बल किस मूल प्रवृत्ति पर दिया है ? *– काम प्रवृत्ति पर*

108. वह कारक जो व्यक्ति के कार्य करने के उत्साह को बढ़ाता या घटाता है, कहलाता है *– अभिप्रेरणा*

109. बालकों में अधिगम सम्बन्धी योग्यताओं का विकास होता है *– रचनात्मक क्रियाकलापों के माध्यम से*

110. स्मृति पर सर्वप्रथम प्रयोग किया था *– एंबिगहास ने*

खेलकूद

111. एशिया का सबसे प्राचीन एवं विश्व का तीसरा सबसे प्राचीन फुटबाल टूर्नामेंट है *– डूरंड कप*

112. विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं *– पी.वी. सिंधु*

113. ICC के तत्वावधान में पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का आयोजन कब होगा ? *– 2019–21 में*

114. 200 से अधिक एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली विश्व की पहली महिला क्रिकेटर हैं *– मिताली राज*

115. द्रोणाचार्य पुरस्कार का आरम्भ हुआ था *– 1985 में*

116. 'अजलनशाह कप' प्रतियोगिता किस खेल से सम्बन्धित है ? *– हॉकी*

117. जीव मिल्खा सिंह किस खेल से सम्बन्धित हैं ? *– गोल्फ*

118. एशियाई खेलों का आयोजन कौनसी संस्था करती है ? *– OCA (Olympic Council of Asia)*

119. क्रिकेट का बैट बनाने के लिए किस लकड़ी का प्रयोग किया जाता है ? *– सैलिक्स अब्बा*

120. 'Playing It My Way' किस क्रिकेट खिलाड़ी की आत्म-कथा है ? *– सचिन तेंदुलकर*

कृषि

121. फसलों हेतु नाइट्रोजन पूर्ति करने वाले जैव उर्वरक (बायो-फर्टीलाइजर्स) हैं *– राइजोबियम जैव उर्वरक एवं एजोस्पाइरीलम*

122. फॉस्फोरसधारी जैव उर्वरक (PSB) है *– फॉस्फेटिका जीवाणु खाद/फॉस्फोरसधारी जैव उर्वरक (PSB)–स्वतन्त्रजीवी जीवाणुओं का उत्पाद है, जिसमें फॉस्फोरस पोषक तत्व है, जिससे 10–20% फसल उपज में वृद्धि व 25–36 किग्रा/हेक्टेयर फॉस्फेट की बचत*

123. सुगन्धित धान की प्रजातियाँ हैं ......, जिनका मूल्य अधिक मिलता है. *– मालवीय-105; पूसा सुगन्ध 2, 3 व 5; नरेन्द्र सुगन्ध आदि*

Vikas Bhadu

124. 'गाजर घास' (पार्थेनियम हाइस्टोफोरस) एक खतरनाक खरपतवार है, क्योंकि

– इससे श्वास, दमा, खाज-खुजली, डर्मेटेटिश आदि मानव रोग हो जाते हैं

125. गाजर घास (पार्थेनियम) का परभक्षी कीट है

– 'जाइगोग्रामा बाइकोलोराटा'

126. 'मौथा' (साइप्रस रोटनडस) खरपतवार के नियन्त्रण हेतु खरपतवारनाशी है

– ग्लाइफोसेट (41%) 4 लिटर/हेक्टेयर मात्रा, 400–500 लिटर पानी में घोल बनाकर मौथा की तीव्र वृद्धि अवस्था पर छिड़काव करना

127. 'एजाडिरैक्टिन' (नीम ऑइल) किस काम आता है ?

– फसलों में लगने वाले माहू, थ्रिप्स, तनाबेधक, सफेद मक्खी, पत्ती लपेटक आदि कीटों के नियन्त्रण हेतु

128. 'नीम ऑइल' की मात्रा कीट नियन्त्रण हेतु होनी चाहिए

– नीम तेल (0·15% EC) @ 1·5–2·5 लिटर/हेक्टेयर, 500 लिटर पानी में घोल कर स्प्रे करें

129. 'ट्राइकोग्रामा किलोनिस' की क्या उपयोगिता है ?

– फसलों में अण्ड परजीवी छोटी ततैया के अण्डों को जैविक विधि से नष्ट करने हेतु

130. 'बीटी' *(बैसिलस थुरिनजैन्सिस)* जैव कीटनाशी क्या है ?

– फसलों, सब्जियों एवं फलों में लगने वाले लेपिडोप्टेरा कुल के बेधक/कीटों की रोकथाम हेतु–2·5% AS की 1-1·5 लिटर मात्रा/हेक्टेयर, 500 लिटर पानी में घोलकर स्प्रे

विविध

131. फोटोग्राफर के फ्लैशगन से चमकीले प्रकाश का निकलना देखा जाता है, किस आदर्श गैस की उपस्थिति के कारण यह चमक होती है ? *– जीनॉन (Xenon)*

132. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS), निजी क्षेत्र के अन्तर्गत NPS से जुड़ने की अधिकतम आयु है *– 65 वर्ष*

133. खोजास, जो इस्माइली पंथ की एक शाखा है, द्वारा विकसित साहित्यिक विधा का नाम है *– जीनॉन*

134. 'एक देश, दो व्यवस्थाएँ' के सिद्धान्त का अनुकरण करते हुए 1997 में चीन का एक हिस्सा बना *– हांगकांग*

135. दक्षिण अफ्रीका में फीनिक्स (Phoenix) बस्ती के संस्थापक थे *– महात्मा गांधी*

136. फ्लैगशिप (Flagship) सागरमाला कार्यक्रम की तटीय गोदी (लंगरगाह) स्कीम के अन्तर्गत परियोजनाएं कितने राज्यों तक फैली हुई हैं ? *– 8*

137. विशाखा मामले में भारत के उच्चतम न्यायालय का निर्णय किससे सम्बन्धित है ? *– कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न*

138. भारत में पीले अक्षरों के साथ काली नम्बर प्लेट वाली कारें हैं *– स्वयंचालन (Self Driving) के लिए किराए पर उपलब्ध वाणिज्यिक वाहन*

139. किस नदी से गेरसोप्पा जल प्रपात बनता है ?

– शरावती (श्रावती)

140. इंडस डॉल्फिन, जो दुनिया का एक विरला (दुर्लभ) स्तनपायी है, भारत में मुख्य रूप से किस नदी में पाया जाता है ?

– गंगा में

●●●

उपकार
ऑनलाइन परीक्षा तिथि : 11-13 दिस., 2019
एस.एस.सी.
केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस
सब-इंस्पेक्टर्स परीक्षा
(BSF/CISF/CRPF/ITBPF/SSB)
(नवीन संशोधित पाठ्यक्रमानुसार)
गत वर्षों के प्रश्न-पत्र–हल सहित
हिन्दी संस्करण Code No. 781 ₹ 455/-
प्रमुख आकर्षण
❖ सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति परीक्षा
❖ सामान्य जानकारी
❖ संख्यात्मक अभियोग्यता
❖ English Language & Comprehension

प्रैक्टिस सैट Code No. 2494 ₹ 260/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

उपकार
ऑनलाइन परीक्षा तिथि 5-7 मई, 2020
एस.एस.सी.
स्टेनोग्राफर
(ग्रेड 'सी' एवं 'डी')
परीक्षा
लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन Code 1148 मूल्य : ₹ 275/-
प्रमुख आकर्षण
◉ गत वर्ष का प्रश्न-पत्र हल सहित
◉ सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति
◉ सामान्य सचेतता
◉ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
◉ सामान्य विज्ञान
◉ English Language and Comprehension

English Edition
Code : 423 Price : ₹ 280/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2 E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

Vikas Bhadu

सीडीएस परीक्षा, 5-9-2019 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य ज्ञान

Vikas Bhadu

1. पद मृदा परिक्षीणन (Soil impoverishment) निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) मृदा अपरदन (Soil erosion)
(B) मृदा निक्षेपण
(C) मृदा में पादप पोषक-तत्वों की बहुत कमी हो जाना
(D) मृदा का पादप पोषक-तत्वों से समृद्ध हो जाना

2. किसी प्राकृतिक वास में वनस्पति समूह के आनुक्रमिक विकास का सही क्रमिक चरण निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) प्रवसन, प्रतिगमन, स्थिरीकरण और अनावरण (Nudation)
(B) प्रवसन, स्थिरीकरण, प्रतिगमन और अनावरण
(C) अनावरण प्रवसन, प्रतिगमन और स्थिरीकरण
(D) प्रतिगमन, प्रवसन, स्थिरीकरण और अनावरण

3. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (मृदा प्रकार)
(a) ऑक्सीसोल
(b) वेर्टीसोल
(c) हिस्टोसोल
(d) एन्टीसोल

सूची-II (प्रमुख अभिलक्षण)
1. जैव पदार्थ में अति समृद्ध
2. संस्तरों की कमी वाली भूमि (मिट्टी)
3. बहुत पुरानी और अत्यधिक अपक्षीण
4. चिकनी मिट्टी की मात्रा का आधिक्य और अधिक क्षारीय

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	4	3
(D)	2	4	1	3

4. निम्नलिखित में से कौनसा पर्वत काला सागर और कैस्पियन सागर (Caspian Sea) को अलग करता है ?
(A) यूराल (B) काकेशस
(C) कार्पेथियन्स (D) बलकन पर्वत

5. कर्नाटक में ग्रीष्म ऋतु (मध्य-मार्च से मध्य-जून) के दौरान तड़ित झंझाओं के कारण होने वाली वर्षा को क्या कहा जाता है ?
(A) कालबैसाखी (B) मैंगो शावर
(C) लू (D) चैरी ब्लॉसम

6. भारत में सबसे बड़ी अलवण जल (Fresh water) झील निम्नलिखित में से कौनसी है ?
(A) चिल्का (B) लोकटक
(C) डल (D) वुलर

निर्देश–(प्रश्न 7 से 10 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दो कथन हैं, कथन I और कथन II. इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

कूट :
(A) दोनों कथन अलग-अलग सही हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है
(B) दोनों कथन अलग-अलग सही हैं, किन्तु कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है

7. **कथन I :** ग्रीक यात्री भारत की मिट्टी (भूमि) की उर्वरता और यहाँ के किसानों की शक्ति और कुशलता से सबसे अधिक प्रभावित थे.
कथन II : प्राचीन भारत खाद के उपयोग से परिचित था.

8. **कथन I :** असहयोग की शुरूआत पंजाब में जनवरी 1921 में लाला लाजपत राय से प्रेरित छात्र आंदोलन के साथ हुई.
कथन II : शक्तिशाली अकाली उत्थान ने सिखों के प्रभुत्व वाले केन्द्रीय पंजाब के देहात क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया.

9. **कथन I :** 1920 में स्थापित अवध किसान सभा किसी भी किसान सभा को अपने पक्ष में लाने में विफल रही.
कथन II : अवध किसान सभा ने किसानों से कहा कि वे बेदखली ज़मीन को जोतने से मना कर दें और हरी और बेगार की चेष्टा न करें.

10. **कथन I :** असहयोग के दौरान संयुक्त प्रांत कांग्रेस का एक प्रबल आधार बने.
कथन II : बंगाल में असहयोग का साहित्यिक दृश्यांश (प्रगटन) स्वदेशी आंदोलन के दिनों की तुलना में बिलकुल कम था.

11. आलवार कौन थे ?
(A) वे जो विष्णु की भक्ति में डूबे हुए थे
(B) शिव के भक्त
(C) वे जो ईश्वर के निराकार रूप की उपासना करते थे
(D) शक्ति के भक्त

12. निम्नलिखित में से कौनसा एक परमाण्विक है ?
(A) हाइड्रोजन (B) सल्फर
(C) फॉस्फोरस (D) हीलियम

13. ग्रैफाइट (Graphite) में, प्रत्येक कार्बन परमाणु तीन अन्य कार्बन परमाणुओं से आबन्ध कैसे बनाता है ?
(A) त्रिविमीय संरचना बनाकर
(B) उसी तल में एक षट्कोणीय विन्यास बनाकर
(C) उसी तल में एक वर्गाकार विन्यास बनाकर
(D) उसी तल में एक पंचभुजाकार विन्यास बनाकर

14. सफाई के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त साबुन का विलयन धुँधला दिखाई देता है. इस तथ्य का कारण यह है कि साबुन मिसेल–
(A) प्रकाश को अपवर्तित कर सकते हैं
(B) प्रकाश का छितराव (प्रकीर्णन) कर सकते हैं
(C) प्रकाश को विवर्तित कर सकते हैं
(D) प्रकाश को ध्रुवित कर सकते हैं

15. गर्मी के मौसम में लोग सूती कपड़े पहनना पसन्द करते हैं. इस तथ्य का कारण यह है कि सूती कपड़े–
(A) जल के अच्छे अवशोषक होते हैं
(B) ऊष्मा के अच्छे वाहक होते हैं
(C) ऊष्मा के अच्छे विकिरक होते हैं
(D) ऊष्मा के अच्छे अवशोषक होते हैं

16. वर्णलेखन (Chromatography) को प्रयुक्त करके, निम्नलिखित में से कौन पृथक् ***नहीं*** किए जा सकते ?
(A) रेडियो-समस्थानिक
(B) एक रंजक से रंग
(C) किसी प्राकृतिक रंग से वर्णक
(D) रक्त से औषध

17. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए– "किसी तत्व की परमाणु संहति के बजाय उसका परमाणु क्रमांक एक अधिक मौलिक गुण है." निम्नलिखित में से किस वैज्ञानिक ने उपर्युक्त कथन दिया था ?
(A) दमित्री मेन्डेलीव
(B) हैनरी मोसेली
(C) जे. जे. थॉमसन
(D) अर्नेस्ट रदरफोर्ड

Vikas Bhadu

18. निम्नलिखित में से कौनसे अम्ल को विटामिन C के रूप में भी जाना जाता है ?
(A) मेथैनॉइक अम्ल
(B) ऐस्कॉर्बिक अम्ल
(C) लैक्टिक अम्ल
(D) टार्टरिक अम्ल

19. निम्नलिखित में से कौनसा एक, जन्तु कोशिकाओं में ***नहीं*** पाया जाता है ?
(A) मुक्त राइबोसोम
(B) माइटोकॉन्ड्रिया
(C) न्यूक्लिओलस
(D) कोशिका भित्ति

20. मार्सीलिया, फर्न और अश्वपुच्छीय (Horse-tail) निम्नलिखित में से किस पादप समूह के उदाहरण हैं ?
(A) टेरिडोफाइटा
(B) ब्रायोफाइटा
(C) जिम्नोस्पर्म
(D) एन्जियोस्पर्म

21. निम्नलिखित में से कौनसा जीव निद्रालु व्याधि के लिए उत्तरदायी है ?
(A) लीशमैनिया (B) ट्रिपैनोसोमा
(C) ऐस्केरिस (D) हेलिकोबैक्टर

22. मानव शरीर के निम्नलिखित में से कौनसे भाग/अंग में चिकनी पेशियाँ ***नहीं*** होती हैं ?
(A) मूत्रवाहिनी
(B) नेत्र की आइरिस (आँख की पुतली)
(C) फेफड़ों की श्वसनियाँ
(D) बाइसेप्स

23. बीच की फसल उगाना (Inter-cropping) क्या है ?
(A) यह दो फसलों के उगाने के मौसमों के बीच का समय काल है
(B) यह दो या अधिक फसलों को यादृच्छिक रूप में मिलाकर उगाना है
(C) यह दो या अधिक फसलों को निश्चित पंक्ति के पैटर्न (रचना) में उगाना है
(D) यह भूमि के एक टुकड़े पर विभिन्न फसलों को एक पूर्वनियोजित अनुक्रम में उगाना है

24. आवर्धन क्या है ?
(A) नमूने का वास्तविक आमाप/प्रेक्षित आमाप
(B) नमूने का प्रेक्षित आमाप/वास्तविक आमाप
(C) नमूने का वास्तविक आमाप–प्रेक्षित आमाप
(D) नमूने का वास्तविक आमाप × प्रेक्षित आमाप

25. निम्नलिखित में से कौनसा कोशिका अंगक किसी कोशिका के 'सुसाइड बैग्ज़' (Suicide bags) के रूप में जाना जाता है ?
(A) लाइसोसोम
(B) प्लैस्टिड्स
(C) अंतर्द्रव्यी जालिका
(D) माइटोकॉन्ड्रिया

26. आर्थिक मॉडलों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही ***नहीं*** है ?
(A) इनमें जटिल प्रक्रियाओं का सरलीकरण सम्मिलित होता है
(B) ये किसी सिद्धान्त को पूरी तरह से अथवा आंशिक रूप से प्रस्तुत करते हैं
(C) इनकी अभिव्यक्ति केवल समीकरणों के माध्यम से हो सकती है
(D) ये कार्य-कारण में एक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सहायक होते हैं

27. एक सामान्य माँग वक्र की प्रवणता का मान होता है–
(A) धनात्मक (Positive)
(B) ऋणात्मक (Neg.)
(C) शून्य (Zero)
(D) अनंत (Infinity)

28. निम्नलिखित में से कौनसा, न्यूनतम कीमत का एक उदाहरण है ?
(A) भारत में ज्वार के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)
(B) उर्वरक खरीदने के लिए किसानों को दी गई आर्थिक सहायता
(C) राशन की दुकानों से वस्तुएं खरीदने के लिए लोगों द्वारा दिया गया मूल्य
(D) भारत में बिक्री की गई वस्तुओं के लिफाफों/पैकेटों पर छपा हुआ अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP)

29. भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के निर्धारण में निम्नलिखित में से किस कारक पर विचार ***नहीं*** किया जाता है ?
(A) उत्पादन लागत
(B) अन्तर्राष्ट्रीय एवं घरेलू बाजारों की कीमत प्रवृत्तियाँ
(C) निर्वाह व्यय सूचकांक
(D) बिचली फसल (Inter-crop) कीमत समता

30. मानव विकास सूचकांक का एक आयाम, निम्नलिखित में से कौनसा ***नहीं*** है ?
(A) एक दीर्घ और स्वस्थ (निरोग) जीवन
(B) ज्ञान
(C) बैंकिंग और अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं तक पहुँच (पैठ)
(D) जीवन का एक समुचित स्तर

31. किसी अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित में से किस एक माप से गिनी गुणांक अथवा गिनी अनुपात को सम्बद्ध किया जा सकता है ?
(A) मुद्रास्फीति की दर
(B) गरीबी (Poverty) सूचकांक
(C) आय असमानता (Inequality)
(D) वैयक्तिक आय

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. द्रव्य के कण स्वत: ही अंतर्मिश्रित हो जाते हैं.
2. द्रव्य के कणों के बीच बल कार्यरत् होता है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

33. वाष्पीकरण (Evaporation) की दर बढ़ती है–
(A) पृष्ठीय क्षेत्रफल में वृद्धि होने से
(B) आर्द्रता में वृद्धि होने से
(C) पवन चाल में कमी होने से
(D) तापमान में कमी होने से

34. यदि कोई पिंड विरामावस्था में है, तो समय (X-अक्ष) के प्रति दूरी (Y-अक्ष) का ग्राफ–
(A) ऊर्ध्वाधर होता है
(B) क्षैतिज होता है
(C) 45° धनात्मक प्रवणता वाला होता है
(D) 45° ऋणात्मक प्रवणता वाला होता है

35. मिश्रण के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. एक पदार्थ को किसी भौतिक प्रक्रिया द्वारा अन्य प्रकार के द्रव्यों में विभक्त (पृथक्) किया जा सकता है.

2. घुले हुए सोडियम क्लोराइड को वाष्पीकरण की भौतिक प्रक्रिया द्वारा जल से पृथक् किया जा सकता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2 दोनों

(D) न तो 1, न ही 2

Vikas Bhadu

36. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही *नहीं* है ?

(A) तत्वों का निर्धारण उनमें युक्त प्रोटॉनों की संख्या द्वारा किया जाता है

(B) समभारिक परमाणु वे होते हैं, जिनका परमाणु क्रमांक समान होता है, किन्तु द्रव्यमान संख्या भिन्न होती है

(C) किसी परमाणु की द्रव्यमान संख्या उसके नाभिक में न्युक्लिऑनों की संख्या के बराबर होती है

(D) संयोजकता किसी परमाणु की संयोजन शक्ति होती है

37. यदि किसी कुंडली के अंदर एक गतिमान चुम्बक की चाल में वृद्धि होती है, तो कुंडली में विद्युत् धारा–

(A) बढ़ (Increases) जाती है

(B) घट (Decreases) जाती है

(C) विपरीत (Reverses) हो जाती है

(D) वही बनी रहती है

38. किसी स्वर की आवृत्ति (Hz/हर्ट्ज में) जो 500 Hz से एक अष्टक (Octave) उच्चतर है, क्या है ?

(A) 375 (B) 750

(C) 1000 (D) 2000

39. भारत के संविधान के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही *नहीं* हैं ?

1. राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र भारत के मुख्य न्यायमूर्ति को प्रस्तुत करते हैं.

2. उप-राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत करते हैं.

3. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक को उसके पद से उसी तरीके से हटाया जा सकता है, जिससे कि भारत के राष्ट्रपति को हटाया जा सकता है.

4. उच्चतम न्यायालय का कोई न्यायाधीश भारत के मुख्य न्यायमूर्ति को सम्बोधित करते हुए अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दे सकता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 3 और 4

(C) 1, 2 और 3

(D) 1, 3 और 4

40. राज्य सभा का विशिष्ट क्षेत्राधिकार होता है–

(A) नए राज्यों के निर्माण में

(B) युद्ध की घोषणा करने में

(C) वित्तीय आपात में

(D) राज्य सूची के किसी विषय पर संसद को कानून बनाने के लिए प्राधिकृत करने में

41. भारत सरकार अधिनियम, 1919 के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही *नहीं* है ?

(A) इसने साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व की प्रथा को आगे बढ़ाया

(B) इसने केन्द्रीय कार्यपालिका को विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी बनाया

(C) इसे मॉंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के रूप में जाना जाता है

(D) इसने केन्द्र और प्रान्तों के उत्तरदायित्वों को स्पष्टतः पृथक् करते हुए संघवाद का मार्ग प्रशस्त किया

42. भारत के लिए डिस्ट्रिक्ट (जिला) मैजिस्ट्रेसी से स्वतन्त्र 'फोर पिलर स्टेट (Four Piller State)' की अवधारणा का सुझाव किसने दिया था ?

(A) लाला लाजपत राय

(B) राम मनोहर लोहिया

(C) राजा राम मोहन राय

(D) सुभाष चन्द्र बोस

43. निम्नलिखित में से कौनसा, भारत के संविधान के मूल अधिकारों (भाग III) का अंश *नहीं* है ?

(A) मानव दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध

(B) कारखानों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध

(C) उद्योगों के प्रबन्धन में श्रमिकों की सहभागिता

(D) किसी वृत्ति को करना, या किसी व्यवसाय, व्यापार या कारोबार को आगे बढ़ाना

44. निम्नलिखित में से कौनसी, कपास की खेती के लिए एक भौगोलिक (Geographical) आवश्यकता *नहीं* है ?

(A) ग्रीष्म-ऋतु में तापमान का 25°C या इससे अधिक हो जाना

(B) सामान्य से हल्की वर्षा

(C) सामान्य दुमट मृदा, जो अच्छे अपवहन वाली हो

(D) कम-से-कम 100 तुषारहीन दिनों की बढ़वार अवधि

45. शीतोष्ण शंकुधारी वन बायोम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही *नहीं* है ?

(A) बहुत कम अववृद्धि (झाड़-झंखाड़) इनकी विशेषता है

(B) एक वर्ष में इनमें 50 से 100 दिनों की बढ़वार अवधि होती है

(C) इनमें वार्षिक तापमान में कम परिवर्तन होता है

(D) इनमें वार्षिक वर्षण के स्थानिक वितरण में उच्च परास होता है

46. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (शिखर)	सूची-II (पहाड़ी का नाम)
(a) अनाइमुडी	1. नीलगिरी
(b) डोडाबेट्टा	2. सतपुड़ा
(c) धूपगढ़	3. अरावली
(d) गुरु शिखर	4. अन्नामलाई

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	3	1	2	4
(C)	4	1	2	3
(D)	4	2	1	3

47. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में प्रवाल भित्ति *नहीं* पाई जाती है ?

(A) लक्षद्वीप द्वीपसमूह

(B) कच्छ की खाड़ी

(C) मन्नार की खाड़ी

(D) कैम्बे की खाड़ी

48. निम्नलिखित में से किस एक राज्य में पटसन (जूट) की खेती सार्थक रूप से *नहीं* की जाती है ?

(A) असम (B) पश्चिम बंगाल

(C) ओडिशा (D) आंध्र प्रदेश

49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. महावंसा के अनुसार, अशोक का झुकाव बुद्ध के धम्म की ओर तब हुआ जब उसके भतीजे निग्रोध ने उसे धर्मसिद्धान्त का उपदेश दिया.

2. दिव्यवदाना का मानना है कि व्यापारी से भिक्षु (संन्यासी) बने समुद्र नाम के एक व्यक्ति के प्रभाव में आकर अशोक बुद्ध की शिक्षाओं की ओर उन्मुख हुआ.

3. दीपवंसा यह बताता है कि अशोक को बौद्ध धम्म के प्रभाव में लाने वाला प्रमुख व्यक्ति समुद्र है, जो एक व्यापारी का 12-वर्षीय पुत्र था.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2

(C) 1 और 2 (D) 1 और 3

Vikas Bhadu

50. कोरोमंडल तट पर भारत के समुद्री सम्पर्कों के विषय में हमें महत्वपूर्ण जानकारियाँ देने वाले स्थल का नाम बताइए–

(A) भरूकच्छ (B) करूर

(C) अरिकामेडु (D) अनुराधापुरा

51. भारत में सबसे अधिक मात्रा में चिचलिड्स (चिचिल्ड मछली) कहाँ पायी जाती हैं ?

(A) केरल के पश्चजल (बैकवाटर्स) में

(B) सुंदरबन में

(C) नर्मदा में

(D) गोदावरी में

52. तीसरी शती B. C. E. में किस ग्रीक दार्शनिक ने 'जियोग्राफी (Geography)' शब्द गढ़ा था ?

(A) यूक्लिड (B) प्लेटो

(C) एरेटोस्थेनेज (D) क्लियो

53. सोलहवीं शताब्दी की संस्कृत रचना, 'ब्रज भक्ति विलास' जो उत्तर भारत के ब्रज क्षेत्र पर केन्द्रित है, का लेखक कौन है ?

(A) टोडर मल (B) नारायण भट्ट

(C) चैतन्य (D) रूप गोस्वामी

54. बोस-आइंस्टाइन संघनित है–

(A) द्रव्य की ठोस अवस्था

(B) द्रव्य की पाँचवीं अवस्था

(C) प्लाज़्मा

(D) संघनित द्रव्य की अवस्था

55. किसी द्रव (Liquid) के वाष्पन की दर किस पर निर्भर नहीं होती है ?

(A) तापमान पर

(B) वायुमण्डल में उघड़े हुए उसके पृष्ठीय क्षेत्रफल पर

(C) उसके द्रव्यमान पर

(D) आर्द्रता (नमी) पर

56. रदरफोर्ड का पतले स्वर्ण पर्ण पर ऐल्फा-कण प्रकीर्णन प्रयोग निम्नलिखित में से किसकी खोज के लिए उत्तरदायी है ?

(A) इलेक्ट्रॉन

(B) प्रोटॉन

(C) परमाणु नाभिक

(D) न्यूट्रॉन

57. खाद्य शृंखला (Food chain) है–

(A) स्वपोषित जीवों के बीच सम्बन्ध

(B) दो जीवों के बीच आनुवंशिक पदार्थ का विनिमय

(C) एक जीव से दूसरे जीव को खाद्य (और इस प्रकार ऊर्जा) का पारण

(D) खाद्य बिक्री केन्द्र (Food Outlet) उपलब्ध करवाने वाला आधुनिक उद्यमी प्रतिष्ठान

58. निम्नलिखित में से कौनसा सक्रिय वहन (पारवहन) है ?

(A) यह विसरण प्रवणता के विरुद्ध किसी पदार्थ की गति है, जो श्वसन से प्राप्त ऊर्जा के उपयोग के कारण होती है

(B) यह विसरण प्रवणता के विरुद्ध किसी पदार्थ की गति है, जो ऊर्जा के उपयोग के बिना होती है

(C) यह विसरण प्रवणता के विरुद्ध किसी पदार्थ की गति है, जो प्रकाश-संश्लेषण से प्राप्त ऊर्जा के उपयोग के कारण होती है

(D) यह विसरण प्रवणता के साथ-साथ किसी पदार्थ की गति है, जो श्वसन से प्राप्त ऊर्जा के उपयोग के कारण होती है

59. प्रकाश-संश्लेषी प्रोकैरियोटिक बैक्टीरिया (Prokoryotic bacteria) में क्लोरोफिल किससे सम्बद्ध होता है ?

(A) प्लैस्टिडों से

(B) झिल्लीमय पुटिकाओं से

(C) केन्द्रकाभों से

(D) गुणसूत्रों से

60. आप 'जनांकिकीय लाभांश' से क्या समझते हैं ?

(A) किसी जनसंख्या में कार्यशील वय के लोगों के एक उच्चतर अंश के कारण आर्थिक वृद्धि की दर में उछाल

(B) देश के विभिन्न हिस्सों में शैक्षिक संस्थानों के विकास के कारण साक्षरता की दर में वृद्धि

(C) वैकल्पिक आजीविका व्यवहारों की वृद्धि के कारण लोगों के जीवन के स्तर में उत्थान

(D) सरकारी नीतियों के कारण किसी देश के सकल रोजगार अनुपात में वृद्धि

61. निम्नलिखित में से कौनसा वैयक्तिक प्रयोज्य आय के बराबर है ?

(A) वैयक्तिक-आय-परिवारों द्वारा भुगतान किए गए प्रत्यक्ष कर और विविध शुल्क, अर्थदण्ड, इत्यादि

(B) निजी आय-निजी कम्पनी क्षेत्रकों की बचत-कम्पनी कर

(C) निजी आय-कर

(D) परिवारों का कुल व्यय-आय कर-प्राप्त उपहार

62. किसी मुक्त बाज़ार अर्थव्यवस्था में कीमत तंत्र का संचालन निम्नलिखित में से किस एक की ओर संकेत करता है ?

(A) माँग और आपूर्ति के दबावों की अन्योन्यक्रिया

(B) अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति दर का निर्धारण

(C) अर्थव्यवस्था की उपभोग प्रवृत्ति का निर्धारण

(D) अर्थव्यवस्था के पूर्ण रोजगार निर्गत का निर्धारण

63. सूचीकरण (Indexation) एक विधि है, जिसके उपयोग को निम्नलिखित में से किस एक के साथ सम्बद्ध किया जा सकता है ?

(A) मुद्रास्फीति नियंत्रण

(B) मौद्रिक (नाममात्र) GDP आकलन

(C) बचत दर का मापन

(D) मजदूरी प्रतिपूर्ति का नियतन

64. कोई कार एकसमान वर्तुल गति (Circular motion) में गुजरती है. कार का त्वरण है–

(A) शून्य

(B) एक शून्येतर, स्थिरांक

(C) एक शून्येतर, किन्तु एक स्थिरांक नहीं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

65. किसी ध्वनि की गूँज उसके उत्पन्न होने के 5 सेकण्ड पश्चात् सुनाई देती है. ध्वनि की चाल 340 मीटर/सेकण्ड है. गूँज उत्पन्न करने वाले पहाड़ की ध्वनि के स्रोत से दूरी कितनी है ?

(A) 0·085 किमी

(B) 0·85 किमी

(C) 0·17 किमी

(D) 1·7 किमी

66. एक विद्युत् बल्ब, जो 100 W का है, एक दिन में 10 घण्टे उपयोग में लाया जाता है. 30 दिन में कितने यूनिट ऊर्जा व्यय होगी ?

(A) 1 (B) 10

(C) 30 (D) 300

67. भारत के संविधान की पाँचवीं अनुसूची के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही ***नहीं*** है ?

(A) यह राज्यों (असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम राज्यों को छोड़कर) में कुछ नियत क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विशिष्ट उपबन्ध से सम्बन्धित है

Vikas Bhadu

(B) पाँचवीं अनुसूची के अधीन परामर्श देने के लिए जनजाति सलाहकार परिषदें स्थापित की जाएंगी

(C) अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों द्वारा या उनमें भूमि के अंतरण का प्रतिषेध या निर्बंधन करने के लिए विनियम बनाने हेतु राज्यपाल अधिकृत नहीं है

(D) अनुसूचित क्षेत्रों वाले राज्यों के राज्यपालों को इस प्रकार के क्षेत्रों के प्रशासन के सम्बन्ध में राष्ट्रपति को रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होंगी

68. नए राज्यों के गठन और विद्यमान राज्यों की सीमाओं में परिवर्तन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. संसद किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकती है.
2. संसद किसी राज्य का क्षेत्र घटा सकती है.
3. संसद किसी राज्य की सीमा में परिवर्तन नहीं कर सकती है.
4. संसद किसी राज्य का नाम नहीं बदल सकती है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं ?

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 3 और 4 (D) केवल 4

69. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत के किसी राज्य का महाधिवक्ता, सम्बन्धित राज्य के राज्यपाल की सिफारिशों पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है.
2. जैसा कि सिविल प्रक्रिया संहिता में दिया गया है, राज्य स्तर पर मौलिक अपीली सलाहकार अधिकारिता उच्च न्यायालयों के पास होती है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

70. संविधान के निम्नलिखित में से किस रूप में ऐकिक और परिसंघीय दोनों प्रकार के संविधान की विशेषताएं अंतर्विष्ट होती हैं ?

(A) एकात्मक (Unitary)
(B) संघात्मक (Federal)
(C) अर्ध-संघात्मक (Quasi-federal)
(D) अर्ध-एकात्मक (Quasi-unitary)

71. निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य की कोई अन्तर्राष्ट्रीय सीमा ***नहीं*** है ?

(A) बिहार (B) छत्तीसगढ़
(C) उत्तराखण्ड (D) मेघालय

72. निम्नलिखित में से कौनसा भारतीय शहर एक नदी के तट पर स्थित ***नहीं*** है ?

(A) आगरा (B) भागलपुर
(C) भोपाल (D) कानपुर

73. झुमरी तिलैया तथा मंदार पहाड़ियाँ कहाँ स्थित हैं ?

(A) झारखण्ड (B) बिहार
(C) असम (D) पश्चिम बंगाल

74. दक्षिण भारत के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा एक सही ***नहीं*** है ?

(A) तापमान का दैनिक परास कम है
(B) वार्षिक तापमान परास कम है
(C) पूरे वर्ष के दौरान तापमान उच्च रहता है
(D) अतिविषम जलवायु अवस्थाएं पाई जाती हैं

75. लिंग संयोजन (Sex Composition) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही ***नहीं*** है ?

(A) कुछ देशों में, स्त्री-पुरुष अनुपात प्रति हजार महिलाओं के लिए पुरुषों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है
(B) भारत में, स्त्री-पुरुष अनुपात प्रति हजार पुरुषों के लिए महिलाओं की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है
(C) विश्व स्तर पर, स्त्री-पुरुष अनुपात प्रति 100 महिलाओं के लिए लगभग 102 पुरुष है
(D) एशिया में, स्त्री-पुरुष अनुपात उच्च (अधिक) है

76. मानव विकास (Human Development) की अवधारणा निम्नलिखित में से किसके द्वारा दी गई है ?

(A) अमर्त्य सेन
(B) महबूब-उल-हक
(C) सुखमोय चक्रवर्ती
(D) जी. एस. चड्ढा

77. निंबू-वंश के फलों का एक महत्वपूर्ण प्रदायक निम्नलिखित में से कौनसा है?

(A) विषुवतीय क्षेत्र
(B) भूमध्यसागरीय क्षेत्र
(C) मरुस्थल क्षेत्र
(D) अल्पार्द्र क्षेत्र

78. नयनार कौन थे ?

(A) वे जो विष्णु की भक्ति में डूबे हुए थे
(B) वे जो बुद्ध के भक्त थे
(C) वे अग्रणी (Leaders) जो शिव के भक्त थे
(D) वे अग्रणी जो बसवेश्वर के भक्त थे

79. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (नृजाति क्षेत्रीय खण्ड)

(a) मरुत मक्कल
(b) कुरवन मक्कल
(c) मुल्लई मक्कल
(d) नेयतल मक्कल

सूची-II (सम्बन्धित व्यावसायिक ढाँचा)

1. पशुचारक
2. मछली पकड़ने वाले लोग
3. हलवाहा
4. पहाड़ पर रहने वाले लोग (पहाड़ी जन)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	1	2
(D)	2	4	1	3

80. निम्नलिखित में से कौनसा मुगल बादशाह, नक्शबंदिया नेता ख्वाज़ा उबैदुल्लाह अहरार (Ubaydullah Ahrar) का अनुयायी था ?

(A) बाबर (B) हुमायूँ
(C) अकबर (D) जहाँगीर

81. निम्नलिखित को उनके लागू किए जाने के कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए–

1. दि इंडियन फैक्ट्री एक्ट (प्रथम)/ भारतीय कारखाना अधिनियम (प्रथम)
2. दि वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (अधिनियम)
3. दि मॉर्ले-मिंटो रिफॉर्म (सुधार)
4. दि कॉर्नवॉलिस कोड

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) 4, 2, 1, 3 (B) 2, 4, 1, 3
(C) 3, 4, 1, 2 (D) 2, 1, 3, 4

82. भारत के संविधान का अनुच्छेद 371 A किसे असाधारण विशेषाधिकार प्रदान करता है ?

(A) नगालैण्ड (B) मिज़ोरम
(C) सिक्किम (D) मणिपुर

83. राज्य पुनर्गठन अधिनियम (Reorganization Act) 1956 के भाग-III के जरिए कितनी आंचलिक परिषदें स्थापित की गईं थीं ?

(A) आठ (B) सात
(C) छः (D) पाँच

84. भारत के संविधान का कौनसा उपबंध यह व्यवस्था देता है कि भारत के राष्ट्रपति अपने पद की शक्तियों के प्रयोग के लिए भारत के किसी भी न्यायालय के प्रति जवाबदेह ***नहीं*** होंगे ?
(A) अनुच्छेद 53
(B) अनुच्छेद 74
(C) अनुच्छेद 361
(D) अनुच्छेद 363

Vikas Bhadu

85. कौनसा कानून यह निर्धारित करता है कि उच्चतम न्यायालय की समस्त कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी ?
(A) भारत के संविधान का अनुच्छेद 145
(B) भारत के संविधान का अनुच्छेद 348
(C) उच्चतम न्यायालय नियमावली, 1966
(D) संसद द्वारा पारित एक अधिनियम

86. भारत में संघीय मंत्रिपरिषद् के सदस्यों की कुल संख्या, किससे अधिक ***नहीं*** हो सकती है ?
(A) संसद के सदस्यों की कुल संख्या का 10 प्रतिशत
(B) संसद के सदस्यों की कुल संख्या का 15 प्रतिशत
(C) लोक सभा के सदस्यों की कुल संख्या का 10 प्रतिशत
(D) लोक सभा के सदस्यों की कुल संख्या का 15 प्रतिशत

87. भूमध्यसागरीय जलवायु का सर्वाधिक स्पष्ट अभिलक्षण निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) परिसीमित भौगोलिक विस्तार
(B) शुष्क ग्रीष्म-ऋतु (Dry summer)
(C) शुष्क शीत-ऋतु (Dry winter)
(D) मध्यम (सामान्य) तापमान

88. निम्नलिखित में से कौनसी नदी नमचा बरवा में 'यू' टर्न लेती है और भारत में प्रविष्ट होती है ?
(A) गंगा (B) तीस्ता
(C) बराक (D) ब्रह्मपुत्र

89. दत्त-ब्रैडले (Dutt-Bradley) अभिधारणा क्या थी ?
(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्य समिति ने यह निर्णय लिया कि कांग्रेस को भारत की स्वतन्त्रता को साकार करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए
(B) सोशलिस्ट पार्टी ने साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष में प्रमुख भूमिका निभाने का निर्णय किया
(C) क्रांतिकारी समाजवादी बटुकेश्वर दत्त ने साम्राज्यवाद विरोधी मोर्चे की सफलता हेतु कार्य करने के लिए दस बिन्दुओं की एक योजना प्रस्तुत की
(D) यह कम्युनिस्ट पार्टी का एक दस्तावेज था, जिसके अनुसार साम्राज्यवाद विरोधी लोगों के मोर्चे को साकार करने में नेशनल (राष्ट्रीय) कांग्रेस एक महती तथा प्रमुख भूमिका निभा सकती थी

90. ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के दौरान भारत के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में खूंटकट्टी भूधृति (पट्टा) प्रचलित था ?
(A) बुन्देलखण्ड
(B) कर्नाटक
(C) छोटा नागपुर
(D) मद्रास प्रेसीडेन्सी

91. 'प्लेग्स एण्ड पीपुल्स' (Plagues and Peoples) पुस्तक का लेखक कौन था ?
(A) विलियम एच. मैक्नील
(B) डब्ल्यू. आई. थॉमस
(C) रचेल कार्सन
(D) डेविड कैनाडिन

92. भारतीय कृषि सेवा की शुरूआत निम्नलिखित में से किसने की ?
(A) लॉर्ड कर्जन
(B) विलियम बैंटिक
(C) लॉर्ड मिंटो
(D) लॉर्ड रिपन

93. सोलहवीं शती ई. (CE) के दौरान रचित 'चंडीमंगला' को निम्नलिखित में से किस भाषा में लिखा गया था ?
(A) संस्कृत
(B) तमिल
(C) बांग्ला (बंगाली)
(D) उड़िया (ओडिया)

94. दिसम्बर 1962 में, किस सोवियत नेता ने यह घोषणा की थी कि 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध के लिए चीन जिम्मेदार था ?
(A) ख्रुश्चेव (B) बुल्गानिन
(C) सुस्लोव (D) मालेन्कोव

95. 'मेक इन इंडिया' पहल के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. यह वर्ष 2018 में आरम्भ की गई थी.
2. इसका उद्देश्य नवप्रवर्तन को प्रोत्साहित करना है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

96. निम्नलिखित में से किस राज्य में विधानपरिषद् (Legislative Council) ***नहीं*** है ?
(A) कर्नाटक
(B) तेलंगाना
(C) जम्मू और कश्मीर
(D) अरुणाचल प्रदेश

97. SWAYAM क्या है ?
(A) स्टडी वेब्स ऑफ ऐक्टिव-लर्निंग फॉर यंग ऐस्पाइरिंग माइन्ड्स
(B) स्टडी वेब्स ऑफ ऐक्टिव-लर्निंग फॉर यूथ ऐस्पाइरिंग माइन्ड्स
(C) स्टडी वेब्स ऑफ ऐक्टिव-लर्निंग फॉर यंग ऐस्पीरेशन माइन्ड्स
(D) स्टडी वेब्स ऑफ ऐक्टिव-लर्निंग फॉर यूथ ऑफ ऐस्पीरेशन माइन्ड्स

98. भारत के संविधान में, भारत के नागरिकों के मूल कर्तव्य के रूप में निम्नलिखित में से किसकी गणना ***नहीं*** की गई है ?
(A) सार्वजनिक सम्पत्ति का संरक्षण करना
(B) प्राकृतिक पर्यावरण का रक्षण और संवर्धन करना
(C) वैज्ञानिक मनोदशा (प्रकृति) तथा जाँच-पड़ताल की भावना का विकास करना
(D) अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना

99. निम्नलिखित में से किसने अपनी पुस्तक 'द मैनेजिरियल रिवोल्युशन (The Managerial Revolution)' में यह तर्क दिया है कि प्रबंधकीय वर्ग अपने तकनीकी तथा वैज्ञानिक ज्ञान के बल पर तथा अपने प्रशासनिक कौशलों के कारण सभी औद्योगिक समाजों, पूँजीवादी और साम्यवादी दोनों पर, हावी रहा ?
(A) जेम्स बर्नहम
(B) रॉबर्ट मिशेल्स
(C) गेइटानो मोस्का
(D) विल्फ्रेडो परेटो

100. अधिकार-पृच्छा के एक आदेश (Writ of Quo-Warranto) को जारी करने के लिए भारत के संविधान में, जो अधिकथित है, उसके अनुसार निम्न-लिखित में से कौनसी शर्त नहीं है ?
(A) पद सरकारी हो और उसे विधि द्वारा सृजित किया गया हो

(B) पद अधिष्ठायी (एक मूल पद) होना चाहिए

(C) उस पद के लिए उस व्यक्ति को नियुक्त करने में संविधान या कानून का वहाँ उल्लंघन हुआ हो

(D) नियुक्ति सांविधिक उपबंध के अनुरूप हो

Vikas Bhadu

101. NCC का आदर्श (Motto) वाक्य निम्नलिखित में से कौनसा है ?

(A) एकता और अनुशासन

(B) एकता और सत्यनिष्ठा

(C) एकता और प्रभुता

(D) एकता और सेवा

102. निम्नलिखित में से कौनसा विभाग गृह मंत्रालय के अधीन ***नहीं*** है ?

(A) राजभाषा विभाग

(B) सीमा प्रबन्धन विभाग

(C) जम्मू एवं कश्मीर विभाग

(D) विधि कार्य (Legal Affairs) विभाग

103. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. भारत, मरुस्थलीकरण का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन टू कॉम्बैट डिसर्टिफिकेशन/UNCCD) का एक हस्ताक्षरकर्ता है.
2. गृह मंत्रालय, UNCCD के लिए भारत सरकार का केन्द्रक (नोडल) मंत्रालय है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2 दोनों

(D) न तो 1, न ही 2

104. भारत के संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अधीन, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए भारत सरकार की प्राक्कलित प्राप्तियों और व्यय का एक विवरण संसद के समक्ष रखा जाता है ?

(A) अनुच्छेद 110

(B) अनुच्छेद 111

(C) अनुच्छेद 112

(D) अनुच्छेद 113

105. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन कहाँ स्थापित हुआ था ?

(A) कोलम्बो (B) इस्लामाबाद

(C) काठमांडू (D) ढाका

106. निम्नलिखित में से कौनसा देश न्यू डेवलपमेंट बैंक का एक संस्थापक सदस्य ***नहीं*** है ?

(A) ब्राज़ील (B) कनाडा

(C) रूस (D) भारत

107. लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (Public Financial Management System–PFMS) एक वेब आधारित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर ऐप्लीकेशन (अनुप्रयोग) है. इसे किसके द्वारा अभिकल्पित, विकसित, स्वाधिकृत (स्वामित्व) और क्रियान्वित किया गया है ?

(A) वित्तीय सेवा विभाग

(B) शासकीय लेखा एवं वित्त संस्थान

(C) महालेखा नियंत्रक

(D) राष्ट्रीय वित्त प्रबंधन संस्थान

108. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (संस्था)

(a) राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

(b) राष्ट्रीय होमियोपैथी संस्थान

(c) राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान

(d) राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान

सूची-II (स्थान)

1. चेन्नई
2. बेंगलूरू
3. कोलकाता
4. जयपुर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	2	4
(C)	4	3	2	1
(D)	4	2	3	1

109. 'इन्वेस्ट इंडिया (Invest India)' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. यह एक संयुक्त उद्यम (लाभ के लिए नहीं) कम्पनी है.
2. यह भारत की राष्ट्रीय निवेश संवर्धन एवं सरलीकरण एजेंसी है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2 दोनों

(D) न तो 1, न ही 2

110. राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (Laboratory) किस मंत्रालय के अधीन कार्य करती है ?

(A) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(B) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(C) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(D) गृह मंत्रालय

111. भारत में आम चुनाव, 2019 कितने चरणों में करवाया गया था ?

(A) 6 चरणों में (B) 7 चरणों में

(C) 8 चरणों में (D) 9 चरणों में

112. इस्लामिक सहयोग संगठन के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही ***नहीं*** है ?

(A) इसका स्थायी सचिवालय जेद्दाह में स्थित है

(B) यह विश्व के विभिन्न लोगों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सामंजस्य को प्रोत्साहन देने की भावना से मुस्लिम विश्व के हितों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रयत्न करता है

(C) यह विश्व का सबसे बड़ा अन्तर-सरकारी संगठन (Inter-governmental organization) है

(D) UN के साथ इसके सलाहकारी और सहयोगी सम्बन्ध हैं

113. इटालियन ओपन वुमेन्स टेनिस सिंगल्स टाइटल, 2019 का विजेता निम्नलिखित में से कौन है ?

(A) कैरोलिना प्लिस्कोवा

(B) जोहान्ना कोंटा

(C) नाओमी ओसाका

(D) सेरेना विलियम्स

114. निम्नलिखित में से कौनसे IN पोत/कौन-कौनसे IN जहाजों ने SIMBEX-19 में प्रतिभागिता की ?

1. INS कोलकाता
2. INS शक्ति
3. INS विक्रांत

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) 1, 2 और 3

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) केवल 1

115. 'ट्रिपल्स' किसका नया फॉर्मेट (आरूप) है ?

(A) मुक्केबाजी (Boxing)

(B) जूडो (Judo)

(C) शतरंज (Chess)

(D) बैडमिंटन (Badminton)

116. RBI द्वारा नियुक्त कमेटी ऑन डीपनिंग ऑफ डिजिटल पेमेन्ट्स का अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन था?

(A) एच. आर. खान

(B) नंदन नीलेकणि

(C) एन. आर. नारायण मूर्ति

(D) संजय जैन

शेष पृष्ठ 149 पर

उ.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 2016 (15-7-2018 को आयोजित) का हल प्रश्न-पत्र

Vikas Bhadu

भाग–I

विज्ञान

1. एक फ्रिज में, शीतलक है–
   (A) नाइट्रोजन (B) ऑक्सीजन
   (C) क्लोरीन (D) फ्रिऑन
2. विटामिन B_2 का रासायनिक नाम क्या है ?
   (A) थायमिन
   (B) रेटिनॉल
   (C) एस्कोर्बिक एसिड
   (D) राईबोफ्लाविन
3. निम्नलिखित में से कौनसा ठोस है ?
   (A) क्लोरोफॉर्म
   (B) आयोडोफॉर्म
   (C) इथाइल ऐल्कोहॉल
   (D) ईथर
4. निम्नलिखित प्रकार के किस विद्युत् चुम्बकीय विकिरण में सबसे लम्बे तरंगदैर्घ्य होते हैं ?
   (A) पराबैंगनी किरणों
   (B) गामा किरणों
   (C) रेडियो तरंगों
   (D) अवरक्त तरंगों
5. निम्नलिखित में से कौन एक नाइट्रोजन उर्वरक नहीं है ?
   (A) अमोनियम सल्फेट
   (B) कैल्सियम साएनामाइड
   (C) सुपरफॉस्फेट ऑफ लाइम
   (D) यूरिया
6. नमक को बर्फ के साथ मिलाने से हिमांक–
   (A) घटता है
   (B) वृद्धि होती है
   (C) अप्रभावित
   (D) पहले घटता है फिर वृद्धि होती है
7. केलामाईन (Calamine) ……… का एक अयस्क है.
   (A) टिन (B) मैग्नीशियम
   (C) जस्ता (D) ताँबा
8. ध्वनि का किस माध्यम से गमन नहीं हो सकता है ?
   (A) पानी (B) इस्पात
   (C) हवा (D) निर्वात
9. किस विटामिन की कमी की वजह से स्कर्वी रोग होता है ?
   (A) विटामिन ए
   (B) विटामिन बी
   (C) विटामिन सी
   (D) विटामिन डी
10. एक पेड़ की उम्र का पता कैसे लगाया जा सकता है ?
    (A) उसके वजन से
    (B) उसकी ऊँचाई से
    (C) वर्तमान में अपनी वार्षिक छल्ले से
    (D) कितनी गहराई तक अपनी जड़ों के प्रवेश से
11. किस प्रक्रिया के द्वारा सौर गतिज ऊर्जा कार्बोहाइड्रेट की रासायनिक ऊर्जा में बदल जाती है ?
    (A) केल्विन चक्र
    (B) प्रकाश संश्लेषण
    (C) क्लोरोसिन्थेसिस
    (D) डार्क रिएक्शन
12. पौधे के किस हिस्से से हल्दी प्राप्त की जाती है जो आम तौर पर रंग और एंटीसेप्टिक के रूप में इस्तेमाल की जाती है ?
    (A) जड़ (B) तना
    (C) फल (D) फूल
13. वह तत्व जो रक्त में नहीं पाया जाता है–
    (A) लौह (B) ताँबा
    (C) क्रोमियम (D) मैग्नीशियम
14. निम्नलिखित में से कौनसी बीमारी प्रायः दुग्ध द्वारा फैलती है ?
    (A) क्षय (B) पीलिया
    (C) डिप्थीरिया (D) हैजा
15. नारंगी प्रचुर स्रोत है–
    (A) कार्बोहाइड्रेट्स का
    (B) वसा का
    (C) प्रोटीन का
    (D) विटामिन का
16. इलेक्ट्रॉन की खोज का श्रेय किसे जाता है ?
    (A) ई. गोल्डस्टेन
    (B) जे.जे. थॉम्पसन
    (C) जेम्स चैडविक
    (D) रदरफोर्ड
17. चालक के माध्यम से प्रवाहित एक धारा होती है–
    (A) विभवांतर के प्रत्यक्षतः आनुपातिक
    (B) प्रतिरोध के प्रत्यक्षतः आनुपातिक
    (C) वोल्टता के व्युत्क्रम आनुपातिक
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
18. प्याज कंद की विशेष महक किस कारण होती है ?
    (A) मिट्टी की दुर्गन्ध जहाँ उगाया गया हो
    (B) सल्फर यौगिक
    (C) शर्करा
    (D) संचित कार्बोहाईड्रेट्स
19. घरेलू तौर पर पानी को मृदु बनाने के लिए वाशिंग सोडा का इस्तेमाल किया जाता है. यह वास्तव में क्या है ?
    (A) कैल्सियम बाइकार्बोनेट
    (B) सोडियम कार्बोनेट
    (C) सोडियम बाइकार्बोनेट
    (D) कैल्सियम कार्बोनेट
20. सोयाबीन में क्या ज्यादा पाया जाता है ?
    (A) प्रोटीन (B) कार्बोहाइड्रेट
    (C) वसा (D) खनिज
21. इनमें से कौन उड़ सकता है ?
    (A) हॉर्नबिल (B) ऑस्ट्रिच
    (C) एमू (D) पेंग्विन
22. बिजली के बल्ब का फिलामेंट ……. का बना होता है.
    (A) ताँबा (B) एल्यूमिनियम
    (C) टंग्स्टन (D) मिश्रधातु
23. जब लोहे की कील को जंग लग जाए, तो कील का वजन–
    (A) बढ़ता है
    (B) घटता है
    (C) न बढ़ता है और न ही घटता है
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
24. विटामिन जो नींबू और संतरे जैसे खट्टे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है–
    (A) विटामिन C (B) विटामिन A
    (C) विटामिन B (D) विटामिन D
25. न्यूट्रॉन (एक कण जो परमाणु के नाभिक का अंश है) की खोज किसने की ?
    (A) मैडम क्यूरी (B) रदरफोर्ड
    (C) जेम्स चैडविक (D) मैक्स प्लैंक

सामान्य ज्ञान

Vikas Bhadu

26. निम्नलिखित में से "नेम सेक" पुस्तक के रचयिता कौन हैं ?
(A) विक्रम सेठ
(B) झुम्पा लाहिड़ी
(C) किरण देसाई
(D) शोभा डे

27. कुदनकुलम परियोजना किस राज्य में स्थित है ?
(A) कर्नाटक (B) तमिलनाडु
(C) तेलंगाना (D) केरल

28. भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किस वर्ष में किया गया था ?
(A) 1950 (B) 1951
(C) 1952 (D) 1956

29. जापान में 'होन्शू' नामक द्वीप किसके लिए प्रसिद्ध है ?
(A) कोयला (B) लौह अयस्क
(C) तेल (D) हीरे

30. भारत में किस गवर्नर जनरल को 'स्थानीय स्वशासन का पिता' कहा गया था ?
(A) लॉर्ड वेलेजली
(B) लॉर्ड कैनिंग
(C) लॉर्ड विलियन बेन्टिक
(D) लॉर्ड रिपन

31. निम्नलिखित में से किसने पहले 1935 में संविधान सभा का सुझाव प्रस्तावित किया ?
(A) नेहरू
(B) गांधी
(C) जे.पी. नारायण
(D) एम.एन. रॉय

32. वर्तमान कम्प्यूटिंग में, समस्त विश्व में कौनसा कोड प्रयोग किया जाता है और स्वीकार्य है ?
(A) ए.एस.सी.आई.आई
(B) होलरिथ कोड
(C) ई.बी.सी.डी.आई.सी.
(D) आई.एस.सी.आई.आई.

33. 'व्हेन द रिवर स्लीप्स' उपन्यास किसके द्वारा लिखी गई ?
(A) अनुराधा रॉय
(B) विक्रम सेठ
(C) शोभा डे
(D) इस्टेरीन कायर

34. प्रत्येक वर्ष कितने नोबल पुरस्कार दिए जाते हैं ?
(A) 5 (B) 7
(C) 4 (D) 6

35. 'वर्ल्ड वाइड वेब' का आविष्कार किसने किया ?
(A) टिम वर्नर्स-ली
(B) मार्टिन कूपर
(C) आर. सैम्यूल टॉमलिन्सन
(D) चार्ल्स बैबेज

36. जल्लीकट्टू ········ के साथ जुड़ा हुआ है.
(A) त्रिचुर (B) कार्तिगाई
(C) ओणम (D) पोंगल

37. सुब्रमण्य भारती एक प्रसिद्ध ······· थे.
(A) मुक्केबाज (B) तैराक
(C) कवि (D) चित्रकार

38. किस स्वतंत्रता सेनानी ने महात्मा गांधी को पहली बार 'राष्ट्रपिता' कहकर सम्बोधित किया था ?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) सुभाषचंद्र बोस
(C) सरोजिनी नायडू
(D) चन्द्रशेखर आजाद

39. 'ए सूटेबल बॉय' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) विक्रम सेठ (B) अरुण री
(C) अमृता प्रीतम (D) महाश्वेता देवी

40. नेपाली भाषा मुख्य रूप से किस राज्य में बोली जाती है ?
(A) कर्नाटक (B) राजस्थान
(C) सिक्किम (D) आंध्र प्रदेश

41. ········ सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए वर्ष 2016 की ऑस्कर विजेता फिल्म है.
(A) सन ऑफ सॉल
(B) एम्ब्रेस ऑफ द सर्पेंट
(C) मस्टैंग
(D) ए वॉर

42. के. श्रीकांत ने भारत में किस खेल के लिए अर्जुन पुरस्कार जीता है ?
(A) बैडमिंटन (B) बिलियर्ड्स
(C) मुक्केबाजी (D) शतरंज

43. खजुराहो समूह के प्रसिद्ध स्मारक किस राज्य में है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) मध्य प्रदेश
(C) राजस्थान (D) महाराष्ट्र

44. दूरदर्शन की स्थापना किस वर्ष की गई थी ?
(A) 1939 (B) 1949
(C) 1959 (D) 1969

45. बुलंद दरवाजा ········ द्वारा बनवाया गया था.
(A) हुमायूँ (B) अकबर
(C) बाबर (D) औरंगजेब

46. लेबोर्न जेम्स कौनसा अन्तर्राष्ट्रीय खेल खेलते हैं ?
(A) गोल्फ (B) बेसबाल
(C) बास्केटबाल (D) मुक्केबाजी

47. दिसम्बर 1984 में भोपाल गैस आपदा में निम्नलिखित में से किस गैस का रिसाव हुआ था ?
(A) मिथाइल आयसोसायनेट
(B) मिथाइल आयसोक्लोरेट
(C) मिथाइल फास्फेट
(D) मिथाइल आयसोप्रोपेट

48. पृथ्वी की पपड़ी का प्रमुख अंश मुख्य रूप में ········ से गठित होता है.
(A) ऑक्सीजन और आयरन
(B) ऑक्सीजन और सिलिकॉन
(C) सिलिकॉन और आयरन
(D) सिलिकॉन और एल्युमिनियम

49. अकबर ने अपने दरबारी संगीतज्ञ के रूप में किसे नियुक्त किया था ?
(A) अबुल फजल
(B) मियाँ तानसेन
(C) राजा बीरबल
(D) राजा टोडरमल

50. भारत में वोट देने की न्यूनतम पात्रता उम्र क्या है ?
(A) 24 वर्ष (B) 22 वर्ष
(C) 20 वर्ष (D) 18 वर्ष

51. किस स्मारक से, गौतम बुद्ध ने दुनिया के लिए बौद्ध धर्म के अपने दिव्य ज्ञान का प्रचार किया था ?
(A) हुमायूँ का मकबरा
(B) महाबोधि मन्दिर समूह
(C) कुतुब मीनार
(D) लाल किला परिसर

52. लोक सभा में कितनी सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों के लिए आरक्षित हैं ?
(A) 39 (B) 85
(C) 109 (D) 131

53. अलाई दरवाजा किस विश्व विरासत स्थल में है ?
(A) हुमायूँ का मकबरा
(B) महाबोधि मन्दिर समूह
(C) कुतुब मीनार
(D) लाल किला परिसर

54. कोंकणी ········· की शासकीय भाषा है.
(A) चंडीगढ़
(B) दादरा और नगर हवेली
(C) दमन और दिव
(D) दिल्ली

55. भारत के किस राज्य का सबसे लम्बा समुद्री किनारा है ?
(A) केरल (B) तमिलनाडु
(C) महाराष्ट्र (D) गुजरात

56. लोक सभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है ?
(A) 11 (B) 9
(C) 7 (D) 5

Vikas Bhadu

57. "द टेस्ट ऑफ लाइफ" पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) युवराज सिंह
(B) सचिन तेंदुलकर
(C) ब्रायन लारा
(D) एडम गिलक्रिस्ट

58. कम्प्यूटर विज्ञान में एएसपी का विस्तारित रूप क्या है ?
(A) सार सेवा प्रदाता
(B) आवेदन सेवा प्रदाता
(C) आवेदन संकेत प्रदाता
(D) सक्रिय सेवक पृष्ठ

59. अबुधाबी ········· की राजधानी है.
(A) यूनाइटेड अरब अमीरात
(B) नीदरलैंड
(C) दक्षिण कोरिया
(D) इटली

60. नीति आयोग के अध्यक्ष कौन हैं ?
(A) राष्ट्रपति
(B) आरबीआई गवर्नर
(C) वित्त सचिव
(D) प्रधानमंत्री

61. "माई ट्रुथ" नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) खुशवंत सिंह (B) किरण बेदी
(C) नरेन्द्र मोदी (D) इन्दिरा गांधी

62. तेरताली ········· का लोक नृत्य है.
(A) छत्तीसगढ़ (B) मध्य प्रदेश
(C) मणिपुर (D) कर्नाटक

63. कुतुबमीनार ·········में स्थित है.
(A) दिल्ली (B) गाजियाबाद
(C) नोएडा (D) गुरुग्राम

64. भारतीय संविधान कितने शब्दों का बना है ?
(A) 40000 (B) 60000
(C) 80000 (D) 120000

65. 2016 की विम्बल्डन प्रतियोगिता में पुरुष एकल का खिताब किसने जीता ?
(A) नोवाक जोकोविच
(B) एंडी मर्रे
(C) रोजर फेडरर
(D) मिलोस रॉनिक

66. पणजी किस भारतीय राज्य की राजधानी है ?
(A) छत्तीसगढ़
(B) गोवा
(C) हिमाचल प्रदेश
(D) झारखण्ड

67. औरंगजेब ········· का पुत्र था.
(A) बाबर (B) हुमायूँ
(C) अकबर (D) शाहजहाँ

68. लोक सभा के पहले स्पीकर कौन थे ?
(A) जी.वी. मावलंकर
(B) सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(C) एम. अनंथसयनम अय्यंगर
(D) डॉ. पी.वी. चेरियन

69. पंच महल किसमें स्थित है ?
(A) हवा
(B) ग्वालियर का किला
(C) फतेहपुर सीकरी
(D) आगरे का किला

70. माले ········· की राजधानी है.
(A) अल्जीरिया (B) मालदीव
(C) केन्या (D) मॉरिशस

71. इनमें से कौनसा भारत का सबसे पहला और एकमात्र केन्द्रशासित प्रदेश है जहाँ का सारा काम-काज पूर्णतया सौर ऊर्जा से संचालित होता है ?
(A) चंडीगढ़
(B) अण्डमान और निकोबार
(C) पुडुचेरी
(D) दिउ

72. गोल कोस्ट, आस्ट्रेलिया में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में इनमें से कौनसा देश पदक तालिका में शीर्ष पर रहा ?
(A) यू.एस.ए.
(B) स्वीडन
(C) न्यूजीलैंड
(D) आस्ट्रेलिया

73. इनमें से किसने हनोवर (आई.एस.सी. एच.) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में 10 मी महिला एयर पिस्टल मुकाबले में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था ?
(A) पी.श्री. निवेथा
(B) हिना सिद्धू
(C) मानू भाकर
(D) अंजलि भागवत

74. 140°N अक्षांश किस-किस के बीच सीमांकन करता है ?
(A) उत्तरी और दक्षिणी वियतनाम
(B) मिस्र और सूडान
(C) उत्तरी और दक्षिणी कोरिया
(D) अमरीका और कनाडा

75. एक अन्तर्राष्ट्रीय आन्दोलन जिसका उद्देश्य, पर्यावरण की समस्या से सम्बद्ध होकर विश्व को बचाना है, कौनसा है ?
(A) ग्रीन-फील्ड (B) ग्रीन-पीस
(C) क्लीन-एन (D) इको-फ्रेन्ड

सामान्य बुद्धि परीक्षण एवं गणित

76. एक बेंच पर पाँच दोस्त उत्तर की ओर मुँह करके बैठे हुए हैं. अंकित, अंजुम के ठीक दाहिने में बैठा हुआ है. अमित, प्रिया के बाएं और राम के ठीक दाएं में बैठा हुआ है. राम, अंकित के दाएं में बैठा हुआ है. दाहिने में अन्तिम स्थान पर कौन बैठा हुआ है?
(A) अमित (B) अंकित
(C) प्रिया (D) अंजुम

77. एक लड़की अपने घर से चलना शुरू करती है. पहले वह 30 मीटर उत्तर-पश्चिम दिशा में चलती है और फिर 30 मीटर दक्षिण-पश्चिम दिशा में चलती है. इसके बाद वह 30 मीटर दक्षिण-पूर्व दिशा में चलती है. अंत में वह अपने घर की ओर मुड़ती है. वह किस दिशा में चल रही है ?
(A) उत्तर-पश्चिम (B) दक्षिण-पूर्व
(C) दक्षिण-पश्चिम (D) उत्तर-पूर्व

78. चार मित्र ABCD एक कॉफी शॉप में बैठे हैं. A व B आमने-सामने बैठे हैं. D, A के बदल में नहीं बैठा है, किन्तु वह A के चेहरे के भावों का स्पष्ट रूप से देख सकता है. B, C से बात कर रहा है, जो उसके सामने बैठा है. साथ-साथ कौन बैठे हैं ?
(A) A और C (B) A और D
(C) D और C (D) A और B

निर्देश–(प्रश्न 79 एवं 80) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में, दो कथन दिए गए हैं जिनके आगे दो निष्कर्ष/पूर्वानुमान I एवं II निकाले गए हैं. आपको मानना है कि कथन सत्य हैं चाहे वे सामान्यतः ज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होते हों. आपको निर्णय करना है कि दिए गए निष्कर्षों/पूर्वानुमानों में से कौनसा/कौनसे निश्चित रूप से कथनों द्वारा सही निकाला जा सकता है/सकते हैं, यदि कोई हो.

79. **कथन :**
I. प्रिंसिपल पूर्वाह्न 10 बजे विद्यार्थियों को सम्बोधित करेंगे.
II. आप से अनुरोध है कि पूर्वाह्न 10 बजे से पहले अपना स्थान ग्रहण कर लें.

पूर्वानुमान :
I. यदि विद्यार्थी पूर्वाह्न 10 बजे से पहले अपना स्थान नहीं ग्रहण करता तो समारोह आरम्भ नहीं होगा.
II. समारोह निर्धारित समय पर आरम्भ होगा.
(A) पूर्वानुमान II निकाला जा सकता है
(B) न तो I और न ही II निकाला जा सकता है
(C) I और II दोनों निकाले जा सकते हैं
(D) पूर्वानुमान I निकाला जा सकता है

80. कथन :
I. सम बहुभुज की समान भुजाएं और समान कोण होते हैं.
II. वर्ग समबहुभुज है.
निष्कर्ष :
I. वर्ग की समान भुजाएँ होती हैं.
II. वर्ग के समान कोण होते हैं.
(A) निष्कर्ष II निकलता है
(B) निष्कर्ष I और II दोनों निकलते हैं
(C) न तो I और न ही II निकलता है
(D) निष्कर्ष I निकलता है.

81. नीचे प्याज की प्रत्येक 15 दिन की कीमतें दिखाई गई हैं. फरवरी के तीसरे सप्ताह में प्याज की कीमत मालूम करें.

अवधि	कीमतें
दिसम्बर प्रथम सप्ताह	20
दिसम्बर तीसरा सप्ताह	60
जनवरी प्रथम सप्ताह	40
जनवरी तीसरा सप्ताह	120
फरवरी प्रथम सप्ताह	100
फरवरी तीसरा सप्ताह	?

(A) 140 (B) 300
(C) 180 (D) 320

82. दिए गए विकल्पों में से लुप्त अंक ज्ञात कीजिए–
1, 4, 2, 3, 2, ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

83. पाँच मित्र 'P', 'Q', 'R', 'S' और 'T' एक पंक्ति में उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठे हैं. 'S' बैठा है 'T' और 'Q' के बीच में और 'Q' है 'R' के निकटतम बाईं ओर. 'P' है 'T' के निकटतम बाईं ओर. बीच में कौन बैठा है ?
(A) S (B) T
(C) Q (D) R

84. दिए गए विकल्पों में से विषम शब्द को चुनिए–
(A) रतौंधी (B) स्कर्वी
(C) बेरीबेरी (D) एड्स

85. फरहान, राजू से ज्यादा रन बनाता है. सिमरन, नीतू से ज्यादा, किन्तु राजू से कम रन बनाती है, तो कौन सबसे अधिक रन बनाता है.
(A) नीतू (B) फरहान
(C) सिमरन (D) राजू

86. दिए गए विकल्पों में से सम्बन्धित संख्या को चुनिए–
8 : 32 :: 6 : ?
(A) 31 (B) 22
(C) 18 (D) 21

87. राजन और मनु बाजार जाते हैं. राजन ₹ 105 में 3 रबड़ और 5 कलम खरीदता है, जबकि मनु ₹ 130 में 4 रबड़ और 6 कलम खरीदता है. एक रबड़ का मूल्य क्या है ?
(A) ₹ 25 (B) ₹ 20
(C) ₹ 10 (D) ₹ 19

88. एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें से एक पद लुप्त है. दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए, जो अनुक्रम को पूरा करे.
AN, DQ, GT, JW, ?
(A) MA (B) NZ
(C) MZ (D) LY

89. अप्रैल महीने का पहला दिन बुधवार है. उसी वर्ष में मई माह की पहली तारीख को सप्ताह का कौनसा दिन होगा ?
(A) शनिवार (B) शुक्रवार
(C) रविवार (D) सोमवार

90. राहुल का विद्यालय उसके घर से उत्तर-पूर्व दिशा में है, तो उसका घर, उसके विद्यालय से किस दिशा में है ?
(A) उत्तर-पश्चिम (B) दक्षिण-पश्चिम
(C) दक्षिण-पूर्व (D) पश्चिम

91. दिए गए विकल्पों में से विषम शब्द को चुनिए–
(A) बैंगनी (B) नीला
(C) गहरा नीला (D) सफेद

92. एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें से एक पद लुप्त है. दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए, जो अनुक्रम को पूरा करे.
DP, EY, FJ, ?
(A) GX (B) GS
(C) GT (D) GW

93. C के पास E से ज्यादा पैसे हैं और E के पास B से ज्यादा पैसे हैं. C, A के बाद दूसरा सबसे धनी है. इन चारों में से किसके पास सबसे कम पैसे हैं ?
(A) C (B) A
(C) B (D) E

94. दिए गए विकल्पों में से कौनसा विकल्प निम्नलिखित शब्दों का सार्थक क्रम दर्शाता है ?
1. चाबी 2. दरवाजा
3. ताला 4. कक्ष
(A) 4, 2, 1, 3 (B) 1, 2, 3, 4
(C) 1, 3, 2, 4 (D) 1, 2, 4, 3

95. विकास और सुजीत की वर्तमान आयु क्रमशः 5 : 4 के अनुपात में है. तीन वर्ष बाद, उनकी आयु का अनुपात क्रमशः 11 : 9 हो जाएगा. सुजीत की वर्तमान आयु कितने वर्ष है ?
(A) 6 (B) 24
(C) 18 (D) 27

96. यदि NAME को MZLD कोड में लिखा जाता है, तो CLAIM को किस कोड में लिखा जाएगा ?
(A) BKZHL (B) BKZHI
(C) BKYHL (D) BKZII

97. एक व्यक्ति दक्षिण दिशा की ओर मुख करके खड़ा है, वह अपने बाएं मुड़कर 10 मीटर चलता है, फिर अपने दाएं मुड़कर 15 मीटर चलता है, फिर वह अपने बाएं मुड़कर 5 मीटर चलता है और फिर वह अपने बाएं मुड़कर 15 मीटर चलता है. इस समय वह किस दिशा में मुख करके खड़ा है ?
(A) पश्चिम (B) उत्तर
(C) दक्षिण (D) पूर्व

98. कुछ समीकरण एक विशेष प्रणाली के आधार पर हल किए गए हैं. उसी आधार पर अनुत्तरित समीकरण का सही उत्तर ज्ञात कीजिए–
5 + 7 + 2 = 725,
6 + 9 + 0 = 906
8 + 4 + 3 = ?
(A) 815 (B) 384
(C) 438 (D) 834

99. दिए गए विकल्पों में से विषम संख्या को चुनिए–
(A) 125 (B) 512
(C) 1321 (D) 1728

100. कुछ समीकरण किसी विशिष्ट प्रणाली के आधार पर हल किए गए हैं. उसी आधार पर हल न किए गए समीकरण का सही उत्तर ज्ञात कीजिए.
यदि 29 × 13 = 14, 76 × 26 = 34, तो 64 × 14 = ?

Vikas Bhadu

Vikas Bhadu

(A) 39 (B) 32
(C) 26 (D) 54

101. निम्नलिखित कथनों से आप क्या अनुमान निकालेंगे ?
मैंने बहुत से पौधों की जड़ों का प्रेक्षण किया है देखा गया कि इन सभी पौधों की जड़ें नीचे की ओर बढ़ती हैं.
(A) मैं एक वनस्पति-शास्त्री हूँ
(B) कुछ पौधों की जड़ें नीचे की ओर बढ़ती हैं
(C) एक पौधे की जड़ें नीचे की ओर बढ़ती है
(D) अधिकांश पौधों की जड़ें नीचे की ओर बढ़ती हैं

102. आठ मित्र A, B, C, D, E, F, G और H एक गोल मेज के चारों ओर इसी क्रम में और समान दूरी पर बैठे हैं. उनकी स्थिति दक्षिणावर्त दिशा में है. यदि G जोकि उत्तर में बैठा है C से अपनी सीट बदल लेता है और B अपनी सीट F से बदल लेता है, तो अब F की दाईं ओर कौन बैठा हुआ है ?
(A) A (B) G
(C) E (D) B

103. एक चरवाहे के पास 17 भेंड़ें थीं. उनमें से 9 को छोड़कर बाकी सब मर गईं. कितनी भेड़ें शेष हैं ?
(A) 9 (B) 8
(C) 7 (D) 10

104. टीना पूरब की ओर 45 किमी गाड़ी चलाती है, फिर दाएं मुड़कर 65 किमी चलाती है, फिर बाईं ओर मुड़कर 33 किमी जाती है. उसका मुँह किस दिशा की ओर है ?
(A) पूरब (B) उत्तर
(C) पश्चिम (D) दक्षिण

105. दिए गए विकल्पों में से सम्बन्धित संख्या को चुनिए–
534 : 645 :: 381 : ?
(A) 446 (B) 486
(C) 492 (D) 412

अंकगणित

106. दो संख्याओं का अनुपात 3 : 4 है और उनका महत्तम समापवर्तक 15 है. तो दोनों संख्याओं का योग क्या होगा ?
(A) 105 (B) 115
(C) 120 (D) 110

107. Δ ABC में ∠B और ∠C के आन्तरिक द्विभाजक बिन्दु O पर मिलते हैं. यदि ∠A = 80°, तो ∠BOC कितने अंश का होगा ?
(A) 100° (B) 120°
(C) 130° (D) 140°

108. दी गई संख्या शृंखला में गलत संख्या ज्ञात कीजिए–
40960, 10240, 2560, 640, 200, 40, 10
(A) 2560 (B) 200
(C) 640 (D) 40

109. निम्नलिखित का सरलीकृत मान क्या है ?
$$\left(\frac{3}{15}a^5b^6c^3 \times \frac{5}{9}ab^5c^4\right) \div \frac{10}{27}a^2bc^3$$
(A) $\frac{9a^2bc^4}{10}$
(B) $\frac{3ab^4c^3}{10}$
(C) $\frac{3a^4b^{10}c^4}{10}$
(D) $\frac{1a^4b^4c^4}{10}$

110. यदि $1^3 + 2^3 + \ldots\ldots + 10^3 = 3025$, तो $2^3 + 4^3 + \ldots\ldots + 20^3$ का मान क्या होगा ?
(A) 7590 (B) 5060
(C) 24200 (D) 12100

111. ΔABC में ∠B = 60° और ∠C = 40°, AD और AE क्रमशः ∠A के सम-द्विभाजक और BC पर लम्ब हैं. ∠EAD का मान क्या है ?
(A) 11° (B) 10°
(C) 12° (D) 9°

112. यदि 20 महिलाएं 100 मी लम्बी सड़क 10 दिन में बना सकती हैं, तो 10 महिलाएं 50 मी लम्बी सड़क कितने दिन में बनाएंगी ?
(A) 20 दिन (B) 15 दिन
(C) 5 दिन (D) 10 दिन

113. यदि $a + \frac{1}{b} = 1$ और $b + \frac{1}{c} = 1$, तो $c + \frac{1}{a}$ किसके बराबर होगा ?
(A) $\frac{1}{2}$ (B) 2
(C) 1 (D) 0

114. 13 परिणामों का औसत 70 है. प्रथम सात का औसत 65 है और अन्तिम सात का औसत 75 है. सातवाँ परिणाम क्या है ?
(A) 67 (B) 70
(C) 69 (D) 70·5

115. 1000 और 2000 के बीच कोई ऐसी संख्या है जिसे यदि 30, 36 और 80 से विभक्त किया जाए, तो प्रत्येक स्थिति में शेष 11 होगा–
(A) 1451 (B) 1641
(C) 1712 (D) 1523

116. $(x + 4)$ व्यक्तियों द्वारा $(x + 5)$ दिनों में किया गया कार्य $(x - 5)$ व्यक्तियों द्वारा $(x + 20)$ दिन में किए गए कार्य के बराबर है, तो x का मान बताइए–
(A) 20 (B) 25
(C) 30 (D) 15

117. 50 विद्यार्थियों की एक कक्षा में औसत अंक 72 हैं. उस विषय में लड़कों और लड़कियों के औसत अंक क्रमशः 70 और 75 हों, तो कक्षा में लड़कों की संख्या बताइए–
(A) 20 (B) 35
(C) 25 (D) 30

118. दो रेलगाड़ियाँ एक ही समय पर अलीगढ़ और दिल्ली से क्रमशः 14 किमी/घण्टा और 21 किमी/घण्टा की रफ्तार से एक-दूसरे की ओर रवाना होती हैं. जब वे एक-दूसरे से मिलती हैं, तो यह पता चलता है कि उनमें से एक रेलगाड़ी ने दूसरी रेलगाड़ी की अपेक्षा 70 किमी अधिक यात्रा की है. दोनों स्टेशनों के बीच की दूरी क्या है ?
(A) 350 किमी (B) 210 किमी
(C) 300 किमी (D) 140 किमी

119. यदि रैखिक समीकरण $2x + 3y = k$ का हल (2, 0) है, तो k का मान बताइए–
(A) 6 (B) 5
(C) 2 (D) 4

120. त्रिभुज ABC की भुजा BC को D तक बढ़ाया जाता है. यदि ∠ACD = 112° और $\angle B = \frac{3}{4}\angle A$, तो की माप बताइए–
(A) 30° (B) 48°
(C) 45° (D) 64°

121. यदि ₹ 100 का $\frac{3}{4}$ भाग ₹ 100 के $\frac{3}{4}\%$ से $x\%$ अधिक है, तो x का मान क्या है ?
(A) 99 (B) 90
(C) 75 (D) 25

Vikas Bhadu

122. यदि किसी वर्ग के विकर्ण की लम्बाई $6\sqrt{2}$ सेमी है, तो इसका क्षेत्रफल कितना होगा ?
(A) 24 सेमी^{2} (B) 36 सेमी^{2}
(C) 72 सेमी^{2} (D) $24\sqrt{2}$ सेमी^{2}

123. यदि $\left(a+\frac{1}{a}\right)^2 = 3$, तो $a^{30} + a^{24} + a^{18} + a^{12} + a^6 + 1$ का मान ज्ञात कीजिए–
(A) 27 (B) 1
(C) – 1 (D) 0

124. ΔABC में, O लम्ब केन्द्र है और $\angle BOC = 80°$, तो $\angle BAC$ का माप क्या होगा ?
(A) 90° (B) 80°
(C) 100° (D) 120°

125. यदि $11\sqrt{n} = \sqrt{112} + \sqrt{343}$, तो n का मान क्या होगा ?
(A) 11 (B) 13
(C) 7 (D) 3

126. दो दिनों में A, B और C मिलकर $\frac{1}{2}$ का पूरा कर सकते हैं और अगले 2 दिनों में B और C मिलकर $\frac{3}{10}$ कार्य पूरा कर सकते हैं, तब A अकेला समस्त काम कितने दिन में पूरा कर सकता है ?
(A) 10 दिन (B) 12 दिन
(C) 14 दिन (D) 15 दिन

127. निम्नलिखित संख्याओं में से कौनसी संख्या 99 से पूरी तरह से विभाज्य है ?
(A) 51579 (B) 51557
(C) 55036 (D) 49984

128. प्रभात ने 12 दिन में एक काम का $\frac{1}{2}$ भाग पूरा कर लिया है. संतोष बचा हुआ काम 6 दिन में पूरा करता है. दोनों मिलकर यह काम कितने दिनों में पूरा कर सकते हैं ?
(A) 12 दिन (B) 4 दिन
(C) 8 दिन (D) 16 दिन

129. रुचिर 20 किमी/घण्टा की गति से चलकर और रुकमा 25 किमी/घण्टा की गति से साइकिल चलाते हुए एक-दूसरे की तरफ आते हैं. यदि वे 48 मिनट के बाद मिलते हैं, तो शुरूआत में उनके बीच कितनी दूरी थी ?
(A) 54 किमी (B) 45 किमी
(C) 36 किमी (D) 27 किमी

130. यदि $2apq = (p + q)^2 - (p - q)^2$, तो a का मान क्या है ?
(A) 2 (B) 1
(C) 4 (D) 8

131. x का मान क्या होगा, जिससे व्यंजक $8x + 12$ और $4x - 6$ बराबर हो जाए ?
(A) 1 (B) 3
(C) 6 (D) 9

132. $3(6 - 2x)$ का वर्ग क्या है ?
(A) $12x^2 - 72x + 108$
(B) $4x^2 - 24x + 36$
(C) $108 - 72x - 12x^2$
(D) $36x^2 - 216x + 324$

133. यदि एक दुकानदार ₹ 450 में एक वस्तु बेचता है, जो ₹ 600 के रूप में चिह्नित है, तो वह कितने छूट की पेशकश कर रहा है ?
(A) 33·33 प्रतिशत
(B) 25 प्रतिशत
(C) 20 प्रतिशत
(D) 30 प्रतिशत

134. 648 किमी की यात्रा करने के लिए, एक एक्सप्रेस ट्रेन राजधानी से 12 घण्टे अधिक लेती है. यदि एक्सप्रेस ट्रेन की गति दोगुनी कर दी जाती है, तो वह राजधानी की तुलना में 6 घण्टे कम समय लेती है. राजधानी की गति क्या है ?
(A) 36 किमी/घण्टा
(B) 18 किमी/घण्टा
(C) 45 किमी/घण्टा
(D) 27 किमी/घण्टा

135. एक कार 70 किमी/घण्टा से एक निश्चित दूरी तय करती है और 30 किमी/घण्टा से वापस आती है. इस पूरी यात्रा की औसत गति का पता लगाएं–
(A) 42 किमी/घण्टा
(B) 50 किमी/घण्टा
(C) 34 किमी/घण्टा
(D) 58 किमी/घण्टा

136. किसी दो अंकों की संख्या का दहाई अंक इकाई अंक से 7 अधिक है. यदि हम संख्या में 63 घटाएं, तो प्राप्त नई संख्या अंकों को अदला-बदली कर बनी है. संख्या का पता लगाएं–
(A) 81 (B) 18
(C) 62 (D) 26

137. ऐसी दो संख्याएं पता करो, जिनका माध्य अनुपात 16 है और तृतीय अनुपात 1024 है–
(A) 4 और 32
(B) 4 और 64
(C) 8 और 64
(D) 8 और 32

138. एक ऐसे चाप की लम्बाई निकालें, जिसका केन्द्रीय कोण 45° है और वृत्त की त्रिज्या 28 सेमी है ?
(A) 11 सेमी (B) 33 सेमी
(C) 44 सेमी (D) 22 सेमी

139. यदि $(9 - 3x) - (17x - 10) = 1$, तो x का मान है–
(A) 1 (B) – 1
(C) $\frac{9}{10}$ (D) $\frac{-9}{10}$

140. A किसी काम को 30 दिन में कर सकता है जबकि B उसी काम को 40 दिन में कर सकता है. A और B मिलकर उस काम को कितने दिन में कर सकते हैं ?
(A) $42\frac{3}{4}$ दिन (B) $27\frac{1}{7}$ दिन
(C) $17\frac{1}{7}$ दिन (D) 70 दिन

141. 16800 में से न्यूनतम कौनसी संख्या घटाई जाए कि वह एक पूर्ण वर्ग बन जाए ?
(A) 169 (B) 219
(C) 159 (D) 249

142. 1 और 20 के बीच अभाज्य संख्याओं का औसत क्या है ?
(A) 9 (B) $9\frac{5}{8}$
(C) $10\frac{1}{8}$ (D) 8

143. किसी परीक्षार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए 40% अंक प्राप्त करने हैं. वह 180 अंक प्राप्त करता है और बराबर अंकों से अनुत्तीर्ण हो जाता है. परीक्षा में पूर्णांक कितने हैं ?
(A) 900 (B) 1000
(C) 1050 (D) 800

144. एक वर्ग की प्रत्येक भुजा को 10% बढ़ाया जाता है, तो उसके क्षेत्रफल में कितने प्रतिशत वृद्धि होगी ?
(A) 25 (B) 12·5
(C) 20 (D) 21

145. किसी कॉलेज में $\frac{1}{5}$ लड़कियों और $\frac{1}{8}$ लड़कों ने एक सामाजिक शिविर में भाग लिया. कॉलेज में कुल कितने भाग छात्रों ने शिविर में भाग लिया ?

(A) $\frac{13}{80}$ (B) $\frac{2}{13}$

(C) $\frac{13}{40}$ (D) $\frac{4}{15}$

146. किसी गोलक का कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल 9π वर्ग सेमी है, तो उसका आयतन बताइए–

(A) 36π सेमी^{3} (B) $\frac{9}{2}\pi$ सेमी^{3}

(C) 18π सेमी^{3} (D) $\frac{4}{3}\pi$ सेमी^{3}

Vikas Bhadu

147. कुछ आदमी किसी काम को 60 दिन में पूरा कर लेते हैं. यदि उस काम पर 8 आदमी और लगा दिए जाएं, तो वह कार्य 10 दिन पहले पूरा हो सकता है. बताइए मूलतः कितने आदमी काम पर लगाए गए थे ?

(A) 36 (B) 40

(C) 30 (D) 32

148. तीन संख्याओं में से पहली संख्या दूसरी संख्या की दोगुनी है और दूसरी संख्या तीसरी संख्या की दोगुनी है. संख्याओं के व्युत्क्रम का औसत $\frac{7}{12}$ है. संख्याएं बताइए–

(A) 20, 10, 5 (B) 4, 2, 1

(C) 36, 18, 9 (D) 16, 8, 4

149. 21 सेमी ऊँची और 5 सेमी आधार की त्रिज्या वाले लम्ब वृत्तीय बेलन का आयतन कितना होगा ?

(A) 1255 घन सेमी

(B) 1050 घन सेमी

(C) 1175 घन सेमी

(D) 1650 घन सेमी

150. एक रेलगाड़ी 250 मीटर लम्बी है. यदि वह रेलवे लाइन के बगल में स्थित एक वृक्ष को पार करने में 50 सेकण्ड लेती है, तो उसकी गति कितने किमी/घण्टा है ?

(A) 10 (B) 9

(C) 5 (D) 18

सामान्य हिन्दी

151. 'आजकल भारत की जनता भी अधिकाधिक शिक्षित हो गई है' रेखांकित शब्द का वचन है–

(A) एकवचन

(B) बहुवचन

(C) द्विवचन

(D) इनमें से कोई नहीं

152. 'बालक इस पुस्तकालय में पढ़ रही है.' वाक्य में ········· क्रिया है.

(A) संयुक्त (B) सहायक

(C) अकर्मक (D) सकर्मक

153. 'दृश्य बहुत ही मनोरम था.' वाक्य के रेखांकित शब्द का विशेषण भेद है–

(A) गुणवाचक विशेषण

(B) परिमाणवाचक विशेषण

(C) संख्यावाचक विशेषण

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

154. माधवी अत्यंत सुन्दर गाती है. रेखांकित शब्द है–

(A) संज्ञा

(B) संबंधबोधक

(C) समुच्चबोधक

(D) क्रियाविशेषण

155. 'उत्' से निर्मित शब्द है–

(A) अवकाश (B) अपकार

(C) उच्चारण (D) अध्ययन

156. 'बच्चा' में 'पन' प्रत्यय जोड़ने से निर्मित शब्द है–

(A) बच्चापन (B) बचावन

(C) बचावपन (D) बचपन

157. 'बादल घिर आए और बारिश होने लगी'. रचना की दृष्टि से वाक्य है–

(A) सरल (B) आज्ञावाचक

(C) निषेधवाचक (D) संयुक्त

158. 'कमल के फूल पर भौंरे मँडराते हैं.' वाक्य के रेखांकित शब्द का पर्यायवाची नहीं है–

(A) मधुकर (B) मधुप

(C) जलज (D) भ्रमर

159. 'श्याम को भगवान पर जितनी अनुरक्ति है, उसकी पत्नी की उतनी ही भगवान पर ······· थी.' रेखांकित शब्द के विपरीत अर्थ वाले शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए.

(A) क्रोध (B) रिक्ति

(C) ग्लानि (D) विरक्ति

160. 'आज आकाश में ······· छाए हैं.' रिक्त स्थान की पूर्ति उचित शब्द से कीजिए.

(A) जलज (B) जलधि

(C) जलद (D) नीरज

161. 'पैसे से मनुष्य की जीवन जीने की इच्छा बलवती होती है.' रेखांकित वाक्यांश के लिए एक शब्द है–

(A) जिजीविषा

(B) चतुरानन

(C) जीविका

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

162. 'इस विद्यालय में दाखिला मिलना टेढ़ी खीर है.' रेखांकित मुहावरे का सही अर्थ है–

(A) कठिन कार्य होना

(B) आसान कार्य होना

(C) प्रयत्नशील होना

(D) असम्भव कार्य होना

163. 'मैं श्रीरामचन्द जी के चरणकमल की वन्दना करती हूँ' रेखांकित शब्द किस समास का उदाहरण है ?

(A) कर्मधारय (B) द्विगु

(C) द्वन्द्व (D) अव्ययीभाव

164. 'गंगातट' पर कुछ लोग भजन कर रहे थे'. रेखांकित शब्द में कौनसा समास है ?

(A) द्वन्द्व (B) तत्पुरुष

(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

165. 'भौंरा' का सही पर्यायवाची शब्द बताइए–

(A) कुंज (B) आली

(C) भ्रमर (D) खद्योत

166. 'नीली कमीज वाले छात्र को यह कलम दे दो.' रचना के आधार पर वाक्य का सही भेद पहचानिए–

(A) सरल वाक्य

(B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) आज्ञावाचक वाक्य

167. वर्तनी की दृष्टि से कौनसा शब्द सही है ?

(A) स्वातंत्रय (B) स्वातंत्र्य

(C) स्वतंत्र्य (D) स्वातंतृय

168. सघोष वर्ण कौनसा है ?

(A) प (B) थ

(C) ब (D) श

169. उष्म व्यंजन कौनसा है ?

(A) ह (B) ल

(C) म (D) ज़

170. 'सूर्योदय' का संधि-विच्छेद होगा–

(A) सूर्य + उदय

(B) सूर्य + ऊदय

(C) सूरज + उदय

(D) सुरज + ऊदय

171. तत्सम शब्द है–

(A) अमृत (B) माता

(C) काठ (D) आँचल

172. शुद्ध वाक्य चुनिए–

(A) वाह! कितना सुन्दर दृश्य हैं!

(B) वाह! कितना सुन्दर दृश्य है

(C) 'वाह' कितना सुन्दर दृश्य है

(D) वाह ? कितना सुन्दर दृश्य है

173. 'गोदान' के रचयिता हैं–
(A) रवींद्रनाथ टैगोर
(B) यशपाल
(C) मुंशी प्रेमचंद
(D) केशवदास

174. 'स्वतंत्रता सबको प्यारी होती है.' वाक्य के रेखांकित शब्द का संज्ञा भेद है–
(A) जातिवाचक संज्ञा
(B) भाववाचक संज्ञा
(C) गुणवाचक संज्ञा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Vikas Bhadu

175. 'शीला अपने कपड़े स्वयं धोती है.' रेखांकित शब्द सर्वनाम शब्द का उचित भेद है–
(A) पुरुषवाचक सर्वनाम
(B) निजवाचक सर्वनाम
(C) निश्चयवाचक सर्वनाम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) रेफ्रिजरेटर में फ्रिऑन रेफ्रिजरेन्ट के रूप में प्रयुक्त होता है.
2. (D) विटामिन B_2–राइबोफ्लाविन.
3. (B) आयोडोफार्म ठोस है.
4. (C) तरंगदैर्घ्य घटते क्रम में रेडियो तरंगें > माइक्रो तरंगें > अवरक्त > दृश्य > पराबैंगनी > X-किरणें > गामा किरणें.
5. (C) सुपर फॉस्फेट ऑफ लाइम नाइट्रोजन उर्वरक नहीं है.
6. (A) नमक को बर्फ में मिलाने पर हिमांक घटता है.
7. (C) कैलामाइन जस्ते का अयस्क है. ($ZnCO_3$)
8. (D) ध्वनि संचरण के लिए माध्यम की आवश्यकता होती है. यह निर्वात् में संचरित नहीं हो सकती.
9. (C) स्कर्वी रोग विटामिन C की कमी से होता है.
10. (C) एक पेड़ की उम्र का पता वर्तमान में अपनी वार्षिक छल्ले से करते हैं.
11. (B) प्रकाश संश्लेषण द्वारा.
12. (B) पौधे के तने से हल्दी प्राप्त होती है.
13. (B) ताँबा रक्त में नहीं पाया जाता है.
14. (A) क्षय रोग दूध के माध्यम से फैलता है.
15. (D) नारंगी विटामिन का प्रचुर स्रोत है.
16. (B) इलेक्ट्रॉन की खोज जे.जे. थामसन ने की.
17. (A) V = IR, ओम का नियम
18. (B) सल्फर यौगिक के कारण प्याज कंद की विशेष महक होती है. (एलाइल प्रोपाइल डाईसल्फाइड)
19. (B) वाशिंग सोडा–Na_2CO_3
20. (A) सोयाबीन में प्रोटीन सबसे ज्यादा पाया जाता है.
21. (A) हार्नबिल उड़ सकता है.
22. (C) बिजली के बल्ब का फिलामेंट टंगस्टन का बना होता है.
23. (A) जंग लगने पर वजन बढ़ता है.
24. (A) खट्टे फलों में विटामिन C पाया जाता है.
25. (C) न्यूट्रॉन की खोज जेम्स चैडविक ने की.
26. (B)
27. (B) कुदनकुलम परियोजना तमिलनाडु राज्य के तिरूनवैली जिले में है.
28. (D) 29. (C)
30. (D) लार्ड रिपन को भारत में स्थानीय प्रशासन का पिता कहा जाता है.
31. (D) भारत में संविधान सभा का सुझाव 1935 में एम.एन. राय ने दिया था.
32. (A) 33. (D)
34. (D) प्रत्येक वर्ष 6 नोबेल पुरस्कार, रसायनशास्त्र, अर्थशास्त्र, साहित्य, शान्ति, भौतिकी, फिजियोलॉजी या मैडिसिन में दिए जाते हैं.
35. (A)
36. (D) जल्लीकट्टू पोंगल से सम्बन्धित है, इसमें बैलों की लड़ाई होती है.
37. (C) सुब्रमण्य भारती का सम्बन्ध तमिल कविता से है.
38. (B) सुभाष चन्द्र बोस ने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता कहकर सम्बोधित किया था. यह सम्बोधन कस्तूरबा गांधी की मृत्यु पर गांधी जी को सांत्वना देते समय किया गया था.
39. (A)
40. (C) भारत में नेपाली भाषा सिक्किम में बोली जाती है.
41. (A) सन-ऑफ-सॉल 2016 की विदेशी भाषा फिल्म के लिए ऑस्कर विजेता फिल्म है.
42. (A) 43. (B)
44. (C) दूरदर्शन की स्थापना 15 सितम्बर, 1959 को हुई थी.
45. (B) 46. (C) 47. (A) 48. (B) 49. (B)
50. (D)
51. (B) गौतम बुद्ध ने दुनिया के लिए अपने बौद्ध धर्म के दिव्य ज्ञान का प्रचार महाबोधि मन्दिर समूह से किया था.
52. (D)
53. (C) दिल्ली की कुतुब मीनार में Quwwat-ul-Islam की मस्जिद के दक्षिण दिशा में स्थित दरवाजा अलाई दरवाजा कहलाता है.
54. (C) कोंकणी भाषा गोवा, दमन और द्वीव में बोली जाती है.
55. (D) गुजरात राज्य की समुद्रीतट रेखा सबसे अधिक 12147 किमी लम्बी है, जबकि केरल की 569·7 किमी, महाराष्ट्र की 652·6 किमी और तमिलनाडु की 906·9 किमी है.
56. (D) 57. (A) 58. (D) 59. (A) 60. (D)
61. (D)
62. (B) तेरताली लोक नृत्य मध्य प्रदेश राज्य की कामर जाति द्वारा किया जाता है.
63. (A) 64. (D)
65. (B) 2016 का एकल विम्बलडन खिताब एंडी मर्रे ने मिलास रॉनिक को 6-4, 7-6, 7-6 से हराकर जीता था.
66. (B) 67. (D) 68. (A) 69. (C) 70. (B)
71. (A)
72. (D) गोल्ड कोस्ट आस्ट्रेलिया में होने वाले 2018 के कॉमनवेल्थ खेल में आस्ट्रेलिया को 198 पदक मिले थे.
73. (B) 74. (D) 75. (B)
76. (C) अंजुम अंकित राम अमित प्रिया

दाहिने में अन्तिम स्थान पर प्रिया बैठी है.

77. (D)

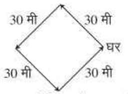

वह उत्तर-पूर्व दिशा में चल रही है.

78. (A)

A C
D B

A और C एक साथ बैठे हैं.

79. (A) 80. (B)
81. (B)
20 × 3 = 60
40 × 3 = 120
100 × 3 = 300

82. (D) 1 4 2 3 2 [5]
+3 −2 +1 −1 +3

83. (A) P T S Q R

बीच में S बैठा है.

84. (D)
85. (B) फरहान > राजू > सिमरन > नीतू

फरहान सबसे अधिक रन बनाता है.

86. (*) 8 : 32 :: 6 : [24]
×4 ×4

कोई विकल्प सही नहीं है.

87. (C)
$3E + 5P = 105$ ...(1)
$4E + 6P = 130$ ...(2)

दोनों समीकरण को हल करने पर,
$E = 10$
∴ 1 रबर का मूल्य = ₹ 10.

88. (C) A N D Q G T J W [M Z]
+3 +3 +3 +3
+3 +3 +3 +3

89. (B)
90. (B)

उसका घर, उसके स्कूल से दक्षिण-पश्चिम दिशा में है.

91. (D)

इसके अलावा, अन्य सभी रेनबो के रंग हैं.

Vikas Bhadu

92. (D) D P E Y F J [G W]

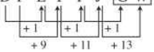

93. (C) A > C > E > B
B के पास सबसे कम पैसे हैं.

94. (C)

95. (B) प्रश्नानुसार,

$$\frac{5x+3}{4x+3} = \frac{11}{9}$$

$\Rightarrow$ $45x + 27 = 44x + 33$

$\Rightarrow$ $x = 6$ साल

तो, सुजीत की वर्तमान आयु

$= 4x = 4 \times 6$

$= 24$ साल

96. (A) NAME → MZLD

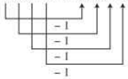

ऐसे ही,

CLAIM → BKZHL

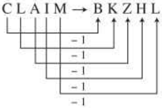

97. (B)

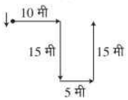

वह उत्तर दिशा की ओर मुख करके खड़ा है.

98. (C) 5 + 7 + 2 = 725
3 2 1
6 + 9 + 0 = 906;
3 1 2
8 + 4 + 3 = 438
3 1 2

99. (C) इसके अलावा, अन्य सभी संख्याओं के घन हैं.

100. (C) $\frac{(29+13)}{3} = \frac{42}{3} = 14$

$\frac{(76+26)}{3} = \frac{102}{3} = 34$

$\frac{(64+14)}{3} = \frac{78}{3} = 26$

101. (B)

102. (A)

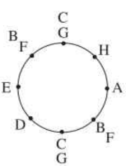

A, F के दाएं बैठा है.

103. (A)

104. (A)

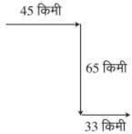

वह अब पूर्व दिशा में है.

105. (C) 534 : 645 :: 381 : [492]
+111   +111

106. (A) माना दोनों संख्याएं $= 3x, 4x$

तथा म.स. $= x = 15$

$\therefore$ दोनों संख्याओं का योग

$= 45 + 60$

$= 105$

107. (C) $\because$ $\angle A + \angle B + \angle C = 180^\circ$

$80^\circ + \angle B + \angle C = 180^\circ$

$\Rightarrow$ $\angle B + \angle C = 100^\circ$

$\Rightarrow$ $\frac{1}{2}(\angle B + \angle C) = 50^\circ$

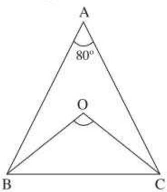

अब $\angle BOC = 180^\circ - \left(\frac{\angle B}{2} + \frac{\angle C}{2}\right)$

$= 180^\circ - 50^\circ$

$= 130^\circ$

108. (B) $\frac{40960}{4} = 10240$

$\Rightarrow$ $\frac{10240}{4} = 2560$

$\Rightarrow$ $\frac{2560}{4} = 640$

$\Rightarrow$ $\frac{640}{4} = \boxed{160}$ 200

$\Rightarrow$ $\frac{160}{4} = 40$

$\Rightarrow$ $\frac{40}{4} = 10$

109. (C) $\dfrac{\frac{3}{15}a^5b^6c^3 \times \frac{5}{9}ab^5c^4}{\frac{10}{27}a^2bc^3}$

$= \frac{3}{10}a^4b^{10}c^4$

110. (C) यदि $1^3 + 2^3 + 3^3 + \ldots\ldots + 10^3$

$= 3025$

तब $2^3 + 4^3 + 6^3 + \ldots\ldots + 20^3$

$= 2^3(1^3 + 2^3 + 3^3 + \ldots\ldots + 10^3)$

$= 8 \times 3025$

$= 24200$

111. (B) $\because$ $\angle A = 180 - (60 + 40)$

$= 80^\circ$

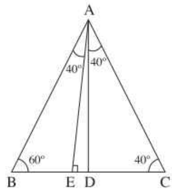

ΔADB में

$\angle ADB = 180^\circ - (60 + 40)$

$= 80^\circ$

$\therefore$ $\angle EAD = 180^\circ - (90 + 80)$

$= 180^\circ - 170^\circ$

$= 10^\circ$

112. (D) $\because$ $\frac{20 \times 10}{100} = \frac{10 \times x}{50}$

$\boxed{x = 10}$

$\therefore$ 10 महिलाएं इस सड़क को 10 दिन में बनाएंगी.

113. (C) $a = \frac{1}{2}$ रखने पर

तब, $\frac{1}{2} + \frac{1}{b} = 1$

$\boxed{b = 2}$

अब, $b + \frac{1}{c} = 1$

$2 + \frac{1}{c} = 1$

$\frac{1}{c} = -1$

$\boxed{c = -1}$

$\therefore$ $c + \frac{1}{a} = -1 + \frac{1}{\frac{1}{2}} = 1$

114. (B) सातवाँ परिणाम

$= (7 \times 65 + 7 \times 75) - (13 \times 70)$

$= (455 + 525) - 910$

$= 980 - 910 = 70$

115. (A)

2	30, 36, 80
2	15, 18, 40
2	15, 9, 20
2	15, 9, 10
3	15, 9, 5
3	5, 3, 5
5	5, 1, 5
	1, 1, 1

Vikas Bhadu

ल.स. $= 2 \times 2 \times 2 \times 2 \times 3 \times 3 \times 5$
$= 720$
$\therefore$ अभीष्ट संख्या $= (2 \times 720) + 11$
$= 1440 + 11$
$= 1451$

116. (A) $\because (x + 4)(x + 5)$
$= (x - 5)(x + 20)$
$x^2 + 9x + 20 = x^2 + 15x - 100$
$\Rightarrow 20 + 100 = 15x - 9x$
$\Rightarrow 120 = 6x$
$\boxed{x = 20}$

117. (D)

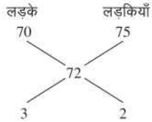

तब, लड़के : लड़कियाँ = 3 : 2
$\therefore$ लड़के $= \frac{3}{5} \times 50$
$= 30$

118. (A) माना दोनों स्टेशनों के बीच की दूरी $= x$ किमी
तब, $21 \times \frac{x}{(21+14)}$
$= \frac{x}{(21+14)} \times 14 + 70$
$\Rightarrow 21 \times \frac{x}{35} = \frac{x}{35} \times 14 + 70$
$\Rightarrow \frac{3x}{5} - \frac{2x}{5} = 70$
$\Rightarrow \frac{x}{5} = 70$
$\boxed{x = 350 \text{ किमी}}$

119. (D) $\because 2(2) + 3(0) = K$
$4 + 0 = K$
$\therefore \boxed{K = 4}$

120. (B)

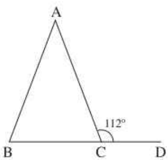

$\because \angle A + \angle B = \angle ACD$ (बहिष्कोण)
$\Rightarrow \angle A + \frac{3}{4}\angle A = 112^\circ$
$\Rightarrow \frac{7}{4}\angle A = 112^\circ$
$\angle A = 64^\circ$
$\therefore \angle B = 112 - 64$
$= 48^\circ$

121. (A)

122. (B) चूँकि विकर्ण की लम्बाई
$= 6\sqrt{2}$ सेमी
तब, $a\sqrt{2} = 6\sqrt{2}$ सेमी
$a = 6$ सेमी
$\therefore$ वर्ग का क्षेत्रफल $= (6)^2$
$= 36$ सेमी^{2}

123. (D) यदि $\left(a + \frac{1}{a}\right)^2 = 3$
$\Rightarrow a^2 + \frac{1}{a^2} + 2 = 3$
$\Rightarrow a^4 + 1 + 2a^2 = 3a^2$
$\Rightarrow a^4 = a^2 - 1 \quad \ldots(i)$
$\Rightarrow a^6 = a^4 - a^2$
$\Rightarrow a^6 = a^2 - 1 - a^2$
$a^6 = -1$
तब, $a^{30} + a^{24} + a^{18} + a^{12} + a^6 + 1$
$= (-1)^5 + (-1)^4 + (-1)^3 + (-1)^2 - 1 + 1$
$= 0$

124. (C)

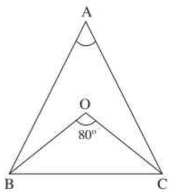

$\because \angle BAC + \angle BOC = 180^\circ$
$\angle BAC + 80^\circ = 180^\circ$
$\angle BAC = 180^\circ - 80^\circ$
$= 100^\circ$

125. (C) यदि $11\sqrt{n} = \sqrt{112} + \sqrt{343}$
तब $11\sqrt{n} = \sqrt{16 \times 7} + \sqrt{49 \times 7}$
$11\sqrt{n} = 4\sqrt{7} + 7\sqrt{7}$
$11\sqrt{n} = 11\sqrt{7}$
$\Rightarrow \boxed{n = 7}$

126. (A) A, B और C मिलकर पूरा काम कर सकते है = 4 दिन
तथा B और C मिलकर पूरा काम कर सकते है
$= \frac{10}{3} \times 2$
$= \frac{20}{3}$ दिन
माना कुल काम = 20 यूनिट

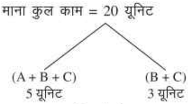

अब A का 1 दिन में किया गया कार्य
= 2 यूनिट
$\therefore$ A अकेला समस्त काम पूरा कर सकता है
$= \frac{20}{2} = 10$ दिन

127. (A)

128. (C) प्रभात पूरा काम कर सकता है
= 24 दिन
तथा संतोष पूरा काम कर सकता है
= 12 दिन
तब, उनके द्वारा एक दिन में किया गया कार्य
$= \frac{1}{24} + \frac{1}{12}$
$= \frac{1+2}{24}$
$= \frac{3}{24} = \frac{1}{8}$
दोनों मिलकर यह काम 8 दिनों में पूरा कर सकते हैं.

129. (C) उनके बीच की कुल दूरी
$= (20 + 25) \times \frac{48}{60}$
$= 45 \times \frac{4}{5}$
= 36 किमी

130. (A) यदि $2apq = (p + q)^2 - (p - q)^2$
$\Rightarrow 2apq = (p^2 + q^2 + 2pq) - (p^2 + q^2 - 2pq)$
$\Rightarrow 2apq = 4pq = 2 \cdot 2pq$
$\therefore \boxed{a = 2}$

131. (B) $\because 8x + 12 = 14x - 6$
$12 + 6 = 14x - 8x$
$\Rightarrow 18 = 6x$
$\Rightarrow x = 3$

132. (D) $3(6 - 2x)$ का वर्ग
$= 9(6 - 2x)^2$
$= 9(36 + 4x^2 - 24x)$
$= 36x^2 - 216x + 324$

133. (B) प्रतिशत छूट $= \frac{150}{600} \times 100$
$= 25\%$

134. (D) माना राजधानी ट्रेन की गति
$= x$ किमी/घण्टा
तथा एक्सप्रेस ट्रेन की गति
$= y$ किमी/घण्टा
$\because \frac{648}{y} - \frac{648}{x} = 12$
$\Rightarrow \frac{1}{y} - \frac{1}{x} = \frac{1}{54} \quad \ldots(i)$
तथा $\frac{648}{x} - \frac{648}{2y} = 6$
$\Rightarrow \frac{1}{x} - \frac{1}{2y} = \frac{1}{108} \quad \ldots(ii)$

Vikas Bhadu

(i) तथा (ii) से

$$\Rightarrow \frac{1}{y} - \frac{1}{2y} = \frac{1}{54} + \frac{1}{108}$$

$$\Rightarrow \frac{2-1}{2y} = \frac{2+1}{108}$$

$$\Rightarrow \frac{1}{2y} = \frac{3}{108}$$

$y = 18$ किमी/घण्टा

$\therefore$ $x = 27$ किमी/घण्टा

135. (A) पूरी यात्रा की औसत गति

$$= \frac{2 \times 70 \times 30}{70 + 30}$$

$= 42$ किमी/घण्टा

136. (A) विकल्प (A) से—

$8 - 1 = 7$

तथा $81 - 63 = 18$

137. (B) विकल्प (B) से—

माध्य अनुपात $= \sqrt{ab}$

$= \sqrt{4 \times 64}$

$= 16$

तथा तृतीय अनुपात

$\Rightarrow a : b :: b : x$

$\Rightarrow 4 : 64 :: 64 : x$

$$\Rightarrow \frac{4}{64} = \frac{64}{x}$$

$\Rightarrow x = 64 \times 16$

$= 1024$

138. (D) चाप की लम्बाई

$$= \frac{2\pi r . \theta}{360}$$

$$= \frac{2 \times \frac{22}{7} \times 28 \times 45}{360}$$

$= 22$ सेमी

139. (C) यदि $(9 - 3x) - (17x - 10) = 1$

$\Rightarrow 9 - 3x - 17x + 10 = 1$

$\Rightarrow -20x = 1 - 19$

$$\Rightarrow x = \frac{18}{20}$$

$$= \frac{9}{10}$$

140. (C) $\because$ (A + B) का 1 दिन का काम

$$= \frac{1}{30} + \frac{1}{40}$$

$$= \frac{4+3}{120} = \frac{7}{120}$$

$\therefore$ A और B मिलकर कर सकते है

$= \frac{120}{7}$ दिन

$= 17\frac{1}{7}$ दिन

141. (C)

	129
1	16800
+1	1
22	68
+2	44
249	2400
	2241
	159

अतः अभीष्ट संख्या = 159

142. (B) 1 और 20 के बीच अभाज्य संख्याओं का औसत

$$= \frac{2+3+5+7+11+13+17+19}{8}$$

$$= \frac{77}{8} = 9\frac{5}{8}$$

143. (A) माना कुल पूर्णांक $= x$

तब, $x \times \frac{40}{100} = (180 + 180)$

$$x = \frac{360 \times 10}{4} = 900$$

144. (D) इसके क्षेत्रफल में प्रतिशत वृद्धि

$$= 10 + 10 + \frac{10 \times 10}{100}$$

$= 21\%$

145. (A)

146. (B) $\because$ कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल

$= 9\pi$ वर्ग सेमी

$\Rightarrow 4\pi r^2 = 9\pi$

$$r = \sqrt{\frac{9}{4}} = \frac{3}{2}$$

$\therefore$ गोलक का आयतन

$= \frac{4}{3}\pi\left(\frac{3}{2}\right)^3 = \frac{9}{2}\pi$ सेमी^{3}

147. (B) माना मूलतः आदमियों की संख्या $= x$

तब, $x \times 60 = (x + 8) \times 50$

$6x = 5x + 40$

$x = 40$

148. (B) विकल्प (B) से

संख्याओं के व्युत्क्रम का औसत

$$= \frac{\frac{1}{4} + \frac{1}{2} + 1}{3}$$

$$= \frac{1+2+4}{12} = \frac{7}{12}$$

149. (D) लम्ब वृत्तीय बेलन का आयतन

$= \pi r^2 h$

$$= \frac{22}{7} \times (5)^2 \times 21$$

$= 75 \times 22$

$= 1650$ घन सेमी

150. (D) रेलगाड़ी की गति $= \frac{250}{50}$

$= 5$ मी/से.

$$= 5 \times \frac{18}{5}$$

$= 18$ किमी/घण्टा

151. (A) जनता नित्य एकवचन है. इसका प्रयोग सदैव एकवचन में होता है.

152. (B) पढ़ना मुख्य क्रिया है, रहा है सहायक क्रिया है. वाक्य में सहायक क्रिया है.

153. (A) दृश्य बहुत ही मनोरम था में मनोरम गुणवाचक विशेषण है.

154. (D) अत्यंत क्रिया विशेषण है.

155. (C) उत् उपसर्ग से बना शब्द है—उच्चारण

(उत् + चारण = उच्चारण व्यंजन संधि)

156. (D) बच्चा + पन = बचपन.

157. (D) दिया गया वाक्य और के प्रयोग के कारण संयुक्त वाक्य है. यहाँ और ये वाक्यों को जोड़ने का काम कर रहा है, ये शब्दों को नहीं. अतः रचना की दृष्टि से यह संयुक्त वाक्य है.

158. (C) जलज = कमल यह भ्रमर का पर्यायवाची नहीं है. शेष तीनों शब्द भ्रमर = भौंरे के पर्याय हैं.

159. (D) श्याम को भगवान पर जितनी अनुरक्ति है उसकी पत्नी को उतनी ही भगवान पर विरक्ति है.

160. (C) आज आकाश में जलद = बादल छाए हैं.

जलज, नीरज = कमल जलधि = सागर

161. (A) जीवन जीने की इच्छा = जिजीविषा.

162. (A) टेढ़ी खीर होना = कठिन कार्य होना

163. (A) चरम कमल = कमल जैसे सुकुमार चरण - कर्मधारय समास.

164. (B) गंगातट = गंगा के तट - तत्पुरुष समास.

165. (C) भौंरा = भ्रमर.

कुंज = पेड़-पौधों से घिरा स्थान.

आली = सभी, खद्योत = जुगनू

166. (A) दिया गया वाक्य सरल वाक्य है, क्योंकि उसमें केवल एक क्रियापद है.

167. (B) स्वातंत्र्य सही शब्द है. शेष तीनों गलत हैं.

168. (C) 'ब' सघोषवर्ण है, क्योंकि सभी धर्मों के तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ण सघोष होते हैं. 'ब' प वर्ग का तृतीय वर्ण है. अतः सघोष व्यंजन है.

169. (A) 'ह' ऊष्म व्यंजन है.

170. (A) सूर्य + उदय = सूर्योदय - गुण संधि.

171. (B) तत्सम शब्द है माता—त्वमेव माता च पिता त्वमेव में माता तत्सम है.

172. (B) वाह! कितना सुन्दर दृश्य है. शुद्ध वाक्य है.

173. (C) गोदान—मुंशी प्रेमचंद की रचना है.

174. (B) स्वतंत्रता—भाववाचक संज्ञा है. जिन शब्दों के अंत में 'त्र' प्रत्यय होता है, वे भाववाचक संज्ञाएं होती हैं.

175. (B) स्वयं = निजवाचक सर्वनाम है.

●●●

सामान्य अध्ययन

Vikas Bhadu

1. निम्नलिखित में से किस रोग का प्रतिजैविक द्वारा निदान नहीं किया जा सकता ?
(A) क्षयरोग (B) टेटनस
(C) खसरा (D) हैजा

2. निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?
(A) कम्प्यूटर : चार्ल्स बैबेज
(B) रेडियो : कार्ल बेंज
(C) बैरोमीटर : ई टॉरीसेली
(D) डायनामो : माइकल फैराडे

3. संचार उपग्रह सदैव–
(A) अपनी चाल से ही भ्रमण करते रहते हैं
(B) स्थिर रहते हैं
(C) भू-स्थिर रहते हैं
(D) अपना पथ एवं चाल बदलते रहते हैं

4. निम्नलिखित पदार्थों में से किसकी चालकता तापक्रम के साथ बढ़ती है ?
(A) ताँबा (B) जर्मेनियम
(C) चाँदी (D) लोहा

5. $2\sqrt{3}$ सेमी भुजा वाले समषड्भुज का क्षेत्रफल होगा–
(A) $12\sqrt{3}$ सेमी^{2} (B) $18\sqrt{2}$ सेमी^{2}
(C) 18 सेमी^{2} (D) $18\sqrt{3}$ सेमी^{2}

6. यदि $2x + \frac{2}{x} = 3$ हो, तो $x^3 + \frac{1}{x^3} + 2$ का मान है–
(A) $\frac{3}{8}$ (B) $\frac{19}{8}$
(C) $\frac{21}{8}$ (D) $\frac{7}{8}$

7. यदि द्विघाती समीकरण $2x^2 + px + 4 = 0$ का एक मूल 2 है, तो इसका दूसरा मूल है–
(A) – 2 (B) – 1
(C) + 1 (D) + 2

8. मई 2018 में किस राज्य में सैन्य अभ्यास 'विजय प्रहार' सम्पन्न हुआ ?
(A) महाराष्ट्र (B) गुजरात
(C) राजस्थान (D) मध्य प्रदेश

9. राष्ट्रमण्डल खेल, 2018 में बैडमिंटन का महिला एकल खिताब किसने जीता है ?
(A) साइना नेहवाल
(B) पी.वी. सिन्धू
(C) के. गिलमौर
(D) मिशेल ली

10. विश्व प्रेस स्वतन्त्रता सूचकांक, 2018 में भारत का स्थान है–
(A) 135वाँ (B) 136वाँ
(C) 138वाँ (D) 137वाँ

11. निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ में कहा गया है कि वे जो संस्कृत भाषा शुद्ध नहीं बोल सकते थे, उन्हें 'म्लेच्छ' कहा जाता था ?
(A) श्वेताश्वतर उपनिषद्
(B) गोपथ ब्राह्मण
(C) बृहदारण्यक उपनिषद्
(D) शतपथ ब्राह्मण

12. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (राजा)	सूची-II (पत्नी)
(a) चन्द्रगुप्त प्रथम	1. दत्ता देवी
(b) समुद्रगुप्त	2. कुबेरनागा
(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय	3. कुमार देवी
(d) कुमारगुप्त प्रथम	4. अनन्त देवी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	2	4	1
(C)	3	1	2	4
(D)	4	3	1	2

13. अर्थशास्त्र पुस्तक के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. यह भारतीय राजशासन के सम्बन्ध में उपलब्ध प्राचीनतम उत्कृष्ट रचना है.
2. इस पुस्तक में मौर्य साम्राज्य तथा शासनतन्त्र का कोई उल्लेख नहीं मिलता.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

14. इनमें से किसने दिल्ली को विश्व के उत्कृष्टतम शहरों में से एक के रूप में बताया ?
(A) इब्न बतूता (B) अलबेरूनी
(C) फरिश्ता (D) अबुल फजल

15. भारत में स्थानीय स्वायत्त शासन का जनक किसे कहा जाता है ?
(A) लॉर्ड लिटन (B) लॉर्ड रिपन
(C) लॉर्ड कर्जन (D) लॉर्ड डलहौजी

16. भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग पर चलाने के लिए कम-से-कम कितने दिन की पूर्व सूचना आवश्यक है ?
(A) 7 दिन (B) 14 दिन
(C) 21 दिन (D) 30 दिन

17. भारत में किसी राज्य के राज्यपाल को पद और गोपनीयता की शपथ कौन दिलवाता है ?
(A) भारत का राष्ट्रपति
(B) भारत का उपराष्ट्रपति
(C) राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(D) राज्य की विधान सभा का अध्यक्ष

18. हमारे संविधान के किस भाग में पंचायती राज के तीन सोपानों की व्यवस्था का विवेचन किया गया ?
(A) भाग IX (B) भाग X
(C) भाग XI (D) भाग XII

19. निम्नलिखित में से किस राज्य में तेल शोधनशाला नहीं है ?
(A) गुजरात (B) केरल
(C) छत्तीसगढ़ (D) पश्चिम बंगाल

20. निम्नलिखित में से कौनसी नदी आस्ट्रेलिया में नहीं बहती है ?
(A) हंटर रिवर (B) फ्लिन्डर्स रिवर
(C) ऑरेन्ज रिवर (D) गिल्बर्ट रिवर

21. निम्नलिखित में से किस राज्य में 2011 की जनगणना में जनसंख्या का ह्रास अभिलिखित हुआ है ?
(A) केरल (B) सिक्किम
(C) नागालैण्ड (D) मणिपुर

22. माल्थस के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा उपाय जनसंख्या नियन्त्रण में सर्वाधिक प्रभावी है ?
(A) युद्ध
(B) आपदा
(C) जन्म-नियन्त्रण
(D) सामाजिक बुराइयाँ

23. निम्नलिखित में से कौनसा एक जीवोम नहीं है ?
(A) रेगिस्तान
(B) घास का स्थल

Vikas Bhadu

(C) पारिस्थितिक तन्त्र
(D) टुण्ड्रा

24. दुधवा नेशनल पार्क निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है ?
(A) असम (B) उत्तराखण्ड
(C) राजस्थान (D) उत्तर प्रदेश

25. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के चतुर्थ चक्र के अनुसार, वर्तमान में टी.एफ.आर. (कुल प्रजनन दर–बच्चे प्रति महिला) है–
(A) 2·2 (B) 3·2
(C) 4·2 (D) 4·5

26. निम्नलिखित जनगणना वर्षों में से किसे भारत में 'महाविभाजन का वर्ष' के रूप में जाना जाता है ?
(A) 1911 (B) 1921
(C) 1951 (D) 1991

27. एस.आर.आई. विधि सम्बन्धित है–
(A) गेहूँ से (B) कपास से
(C) सरसों से (D) धान से

28. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?

फसल	कीट
(A) मूँगफली	: फली छेदक
(B) चना	: फली छेदक
(C) धान	: बंका
(D) मक्का	: तना छेदक

29. मक्का-आलू-मूँग के फसल-चक्र की सघनता है–
(A) 100% (B) 200%
(C) 250% (D) 300%

30. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?

फसल		प्रजाति
(A) मूँगफली	:	कौशल
(B) सरसों	:	वरदान
(C) अलसी	:	चमत्कार
(D) चना	:	उदय

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) 2. (B) 3. (C) 4. (B)

5. (D) समषट्भुज का क्षेत्रफल

$$= \frac{3\sqrt{3}}{2} \times (\text{भुजा})^2$$
$$= \frac{3\sqrt{3}}{2} \times (2\sqrt{3})^2$$
$$= \frac{3\sqrt{3} \times 4 \times 3}{2}$$
$$= 9\sqrt{3} \times 2$$
$$= 18\sqrt{3} \text{ सेमी}^2$$

6. (D)
$$2x + \frac{2}{x} = 3$$
$$2\left[x + \frac{1}{x}\right] = 3$$
$$x + \frac{1}{x} = \frac{3}{2}$$
$$\left[x + \frac{1}{x}\right]^3 = \left(\frac{3}{2}\right)^3$$
$$x^3 + \frac{1}{x^3} + 3x \times \frac{1}{x}\left(x + \frac{1}{x}\right) = \frac{27}{8}$$
$$x^3 + \frac{1}{x^3} + 3 \times \frac{3}{2} = \frac{27}{8}$$
$$x^3 + \frac{1}{x^3} + \frac{9}{2} = \frac{27}{8}$$
$$x^3 + \frac{1}{x^3} = \frac{27}{8} - \frac{9}{2}$$
$$= \frac{27-36}{8} = \frac{-9}{8}$$
$$\therefore \quad x^3 + \frac{1}{x^3} + 2 = \frac{-9}{8} + 2$$
$$= \frac{-9+16}{8} = \frac{7}{8}$$

7. (C) समीकरण
$$2x^2 + px + 4 = 0$$
$$a = 2, b = p, c = 4$$
एक मूल $\alpha = 2$
$$\alpha\beta = \frac{c}{a}$$
$$2\beta = \frac{4}{2}$$
दूसरा मूल $\beta = \frac{4}{2 \times 2} = 1$

8. (C) 9. (A) 10. (C) 11. (D)
12. (C) 13. (C)

14. (A) इब्नबतूता दिल्ली को विश्व के उत्कृष्टतम शहरों में शुमार करते हुए, इसे जनसंख्या एवं विस्तार के सन्दर्भ में सबसे बड़ा नगर बताता है. वह लिखता है. वैभव के सन्दर्भ में दिल्ली की प्रतिद्वंदता दौलताबाद (वर्तमान महाराष्ट्र में) से थी.

15. (B) 16. (B) 17. (C) 18. (A)
19. (C) 20. (C) 21. (C) 22. (B)
23. (C)

24. (D) उत्तर प्रदेश में *'वन्य जीव विहार–दुधवा नेशनल पार्क/दुधवा राष्ट्रीय उद्यान'*, की स्थापना वर्ष 1977 में, क्षेत्रफल– 490 वर्ग किमी, **जनपद**– लखीमपुर खीरी में स्थित है, जिसका पर्यटक आकर आनन्द लेते हैं.

25. (A) 26. (B)

27. (D) धान की खेती में **'एस.आर.आई.'** (**SRI**—System of Rice Intensification) विधि अपनाई जाती है, जो वर्ष 1983 में French Jesuit-Father Hanri De Laulamie ने मेडागास्कर में विकसित की थी.

28. (A) मूँगफली (Groundnut) में फली छेदक (Pod borer) कीट नहीं लगता है. यह कीट प्रायः चना फसल में लगता है. मूँगफली में सफेद गिडार (White grub) कीट सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाता है, साथ ही दीमक, बड नैक्रोसिस, चारकोल रॉट (ड्राई रूट रॉट) कीट भी मूँगफली की फसल को नष्ट कर देते हैं. धान में बंका, मक्का में तना छेदक कीट नुकसान पहुँचाते हैं.

29. (D) *'मक्का-आलू-मूँग'*–एक वर्षीय फसल चक्र में एक साल में 3 फसलों को लेना 300% फसल चक्र सघनता होती है. जिसकी गणना का सूत्र है–
शस्य सघनता (%) = एक वर्ष में उगाये जाने वाली फसलों की संख्या × 100
अर्थात् 3 × 100 = 300%.

30. (C) **'चमत्कार'**–प्रजाति–अलसी (Linseed/Flax) की नहीं है, जबकि मूँगफली की **'कौशल'** प्रजाति सीधी बढ़ने वाली (गुच्छेदार)–उ.प्र. के लिए उपयुक्त; सरसों की **'वरदान'** (RK-1467) सिंचित क्षेत्र के लिए–उ.प्र. में; अंतःशस्यन (इन्टरक्रापिंग) –गेहूँ + सरसों के लिए, 44% तेल-बीज में मात्रा के साथ तथा चना की **'उदय'** (KPG-59)–राजस्थान के लिए उपयुक्त है. ●●●

शेष पृष्ठ 92 का

वाला अमरीकी इरिक वेनमायर पहला नेत्रहीन व्यक्ति था. 2005 में एक नेपाली जोड़े ने माउंट एवरेस्ट की चोटी पर शादी करके नया इतिहास रचा था. 34 वर्षीय भारतीय लद्दाख निवासी फो दोरजी 1984 में बगैर ऑक्सीजन का उपयोग किए एवरेस्ट फतह करने में सफल हुआ था. जापान की जुंको ताबेई ने 1975 में एवरेस्ट विजय प्राप्त कर पहली महिला एवरेस्ट विजेता होने का गौरव प्राप्त किया.

माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला बछेंद्री पाल हैं, जिन्होंने 30 वर्ष की आयु में 23 मई, 1984 को यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी और उसी के बाद विशेषकर उन महिला पर्वतारोहियों के लिए पहाड़ों के रास्ते खुल गए, जो पहाड़ों से दोस्ती करने का सपना तो देखती थीं किन्तु एवरेस्ट की दुर्गम चढ़ाई के लिए हिम्मत नहीं जुटा पाती थीं. बछेंद्री पाल को 1984 में एवरेस्ट के लिए भारत के चौथे अभियान एवरेस्ट-84 के लिए चुना गया था, जिसमें 11 पुरुषों के अलावा 6 महिलाएं भी शामिल थीं और वह अकेली महिला थीं, जो चोटी पर झंडा गाड़ने में सफल हुई थीं. एवरेस्ट पर चढ़ने वाली भारत की पहली महिला पर्वतारोही के तौर पर वर्ष 1990 में बछेंद्री का नाम गिनीज बुक में शामिल किया गया था. ●●●

बिहार : वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 पर आधारित)

Vikas Bhadu

1. बिहार के जनसंख्या घनत्व के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही हैं ?
   1. बिहार का जनसंख्या घनत्व 1106 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है.
   2. बिहार का जनसंख्या घनत्व पूरे देश के जनसंख्या घनत्व से लगभग तिगुना है.

   नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–

   कूट :
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. बिहार की अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में निम्नलिखित तथ्यों का अवलोकन कीजिए–
   1. राज्य सरकार का प्राथमिक घाटा 2016-17 के ₹ 8,289 करोड़ से घटकर 2017-18 में ₹ 5,251 करोड़ रह गया है.
   2. बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था मुख्यतः अनाज उपजाने वाली अर्थव्यवस्था है, जहाँ 85 प्रतिशत से अधिक जमीन पर अनाज वाली फसलें उपजाई जाती हैं.

   नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–

   कूट :
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. बिहार राज्य में कृषि आधारित उद्योगों की विकास दर थी–
   (A) 3·2 प्रतिशत (B) 9·2 प्रतिशत
   (C) 19·2 प्रतिशत (D) 29·6 प्रतिशत

4. बिहार में दुग्ध उत्पादन के सम्बन्ध में निम्नलिखित तथ्यों का अवलोकन कीजिए–
   1. बिहार में दूध का उत्पादन 2017-18 में 92·41 लाख टन था.
   2. राज्य में गाएं दूध उत्पादन की मुख्य स्रोत हैं, जिनका कुल दूध उत्पादन में 58·6 प्रतिशत हिस्सा है.

   नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

5. वर्तमान में बिहार में कितनी चीनी मिलें चल रही हैं ?
   (A) 11 (B) 14
   (C) 13 (D) 17

6. मुख्यमंत्री कोशी मलबरी योजना के तहत् मलबरी सिल्क उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोशी अंचल में कितने जिलों को चयनित किया गया है ?
   (A) 3 जिले (B) 6 जिले
   (C) 7 जिले (D) 11 जिले

7. बिहार में वर्ष 2016-17 के बीच पर्यटकों के आगमन में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई ?
   (A) 11·3 प्रतिशत (B) 13·4 प्रतिशत
   (C) 9·7 प्रतिशत (D) 16·9 प्रतिशत

8. बिहार में सड़कों से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों का अवलोकन कीजिए–
   1. बिहार में वर्ष 2016-17 में प्रति 100 वर्ग किमी क्षेत्रफल पर सड़कों की लम्बाई के मामले में केरल और प. बंगाल के बाद तीसरे स्थान पर था.
   2. सितम्बर 2018 में बिहार में कुल 4917 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग थे.

   नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर को चुनिए–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

9. वर्ष 2016-17 के मध्य बिहार में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत कितनी रही ?
   (A) 280 किलोवाट आवर
   (B) 134 किलोवाट आवर
   (C) 56 किलोवाट आवर
   (D) 174 किलोवाट आवर

10. बिहार में वर्ष 2017-18 में बिजली का उत्पादन और खरीद कितनी हो गई ?
    (A) 1,400·2 करोड़ यूनिट
    (B) 2,555·9 करोड़ यूनिट
    (C) 15,707·2 करोड़ यूनिट
    (D) 7,354·8 करोड़ यूनिट

11. मार्च 2018 तक बिहार में कुल विद्युत् उत्पादन क्षमता थी ?
    (A) 3889 मेगावाट
    (B) 4082 मेगावाट
    (C) 5227 मेगावाट
    (D) 1252 मेगावाट

12. बिहार राज्य में मार्च 2018 तक कितनी लघु जलविद्युत् परियोजनाएं चालू हैं ?
    (A) 10 (B) 11
    (C) 12 (D) 13

13. बिहार में गरीबी के सन्दर्भ में निम्नलिखित तथ्यों का अवलोकन कीजिए–
    1. बिहार के लिए गरीबी सूचकांक 0·246 है.
    2. बिहार में गरीब आबादी का अनुपात 52·2 प्रतिशत है.
    3. सर्वाधिक, बहुआयामी गरीबी अनुपात वाले तीन जिले हैं– अररिया, मधेपुरा तथा किशनगंज

    नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–
    (A) 1 तथा 2 (B) 2 तथा 3
    (C) 1, 2 तथा 3 (D) केवल 1

14. वर्ष 2017-18 तक बिहार में कितने जॉब कार्ड जारी किए गए थे ?
    (A) 150·9 लाख
    (B) 147·5 लाख
    (C) 243·8 लाख
    (D) 112·5 लाख

15. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के मद्देनजर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद (बीएसपीसीबी) द्वारा किन शहरों के लिए स्वच्छ वायु कार्य योजनाएं तैयार की जा रही हैं ?
    (A) पटना, गया और मुजफ्फरपुर
    (B) पटना, बक्सर और सीवान
    (C) मोतिहारी, जमुई और मधेपुरा
    (D) छपरा, पटना, भोजपुर

16. देश की कुल शहरी आबादी में बिहार का हिस्सा है–
    (A) 8·6 प्रतिशत (B) 5·3 प्रतिशत
    (C) 3·1 प्रतिशत (D) 4·9 प्रतिशत

17. मार्च 2018 तक बिहार में स्थित व्यावसायिक बैंकों की कुल शाखाएं थीं–
    (A) 6,906 (B) 8,705
    (C) 9,123 (D) 5,232

18. बिहार में बच्चों के लिए बजट निर्माण की प्रक्रिया कब शुरू हुई ?
    (A) 2013-14 से (B) 2014-15 से
    (C) 2015-16 से (D) 2016-17 से

Vikas Bhadu

19. बिहार में 2011 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता दर है–
(A) 71·2 प्रतिशत (B) 61·3 प्रतिशत
(C) 81·7 प्रतिशत (D) 51·5 प्रतिशत

20. बिहार में जनसंख्या घनत्व (जनगणना 2011) है–
(A) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(B) 1106 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(C) 587 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(D) 632 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

21. वर्ष 2017-18 में बिहार का प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद कितना था ?
(A) ₹ 42,242 (B) ₹ 28,485
(C) ₹ 33,223 (D) ₹ 72,565

22. वर्ष 2016-17 में बिहार में किस क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई थी ?
(A) प्राथमिक क्षेत्र (B) द्वितीयक क्षेत्र
(C) तृतीयक क्षेत्र (D) किसी में नहीं

23. 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में न्यूनतम लिंग अनुपात वाले जिले हैं–
(A) मुंगेर, खगड़िया और वैशाली
(B) वैशाली, पटना और मुजफ्फरपुर
(C) सीवान, गोपालगंज एवं मोतिहारी
(D) किशनगंज, कटिहार और खगड़िया

24. निम्नलिखित कथनों का अवलोकन कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही विकल्प चुनिए–
1. बिहार सरकार द्वारा मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना की शुरूआत 2012-13 में की गई.
2. इसके तहत् दुर्घटना या आपराधिक घटना से मृत्यु की स्थिति में परिवार को ₹ 20,000 का एकमुश्त अनुदान दिया जाता है.
3. इस योजना के तहत् वर्ष 2017-18 में ₹ 5·00 करोड़ खर्च किए गए.

कूट :
(A) 1 तथा 2 (B) 2 तथा 3
(C) 1 तथा 3 (D) 1, 2 तथा 3

25. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार की आबादी में धार्मिक अल्पसंख्यकों का हिस्सा है–
(A) 16·2 प्रतिशत (B) 17·3 प्रतिशत
(C) 18·4 प्रतिशत (D) 19·5 प्रतिशत

26. बिहार में पिछड़ा तथा अति पिछड़ा वर्ग कल्याण से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों का अवलोकन कीजिए–
1. पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार ने 2007-08 पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का गठन किया है.
2. बिहार में 131 पिछड़ी जातियाँ हैं, जिनका बिहार की आबादी में लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा है.

नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर को चयनित कीजिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 तथा 2
(D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

27. बिहार में अनुसूचित जाति के लोगों के चातुर्दिक विकास के लिए बिहार राज्य अनुसूचित जाति सहकारिता विकास निगम लि. की स्थापना कब की गई थी ?
(A) 1977 में (B) 1978 में
(C) 2007 में (D) 2014 में

28. वर्ष 2017 तक बिहार में कितने केन्द्रीय विश्वविद्यालय कार्यरत् थे ?
(A) 2 (B) 4
(C) 6 (D) 8

29. वर्ष 2017 तक बिहार में अभियंत्रण महाविद्यालयों की संख्या थी–
(A) 28 (B) 23
(C) 24 (D) 67

30. वर्ष 2016-17 में बिहार में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों की कुल संख्या थी–
(A) 69,911 (B) 33,486
(C) 35,910 (D) 72,981

31. वर्ष 2017-18 में व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों के निर्माण में तीन सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले जिले हैं–
(A) पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और रोहतास
(B) अरवल, शिवहर और जहानाबाद
(C) बक्सर, सीवान और मोतिहारी
(D) पटना, अरवल और गया

32. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में कितने प्रतिशत परिवारों को नल का पानी उपलब्ध था ?
(A) 4·9 प्रतिशत (B) 4·1 प्रतिशत
(C) 3·1 प्रतिशत (D) 7·9 प्रतिशत

33. बिहार में 2017-18 में संस्थागत प्रसवों की संख्या में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ?
(A) 7·9 प्रतिशत (B) 16·3 प्रतिशत
(C) 20·9 प्रतिशत (D) 11·9 प्रतिशत

34. वर्ष 2016 में बिहार में शिशु मृत्यु दर थी–
(A) 42 (B) 38
(C) 34 (D) 40

35. भारत के सकल मूल्यवर्धन में बिहार के ग्रामीण उद्यमों का योगदान था–
(A) 7·7 प्रतिशत (B) 8·7 प्रतिशत
(C) 9·2 प्रतिशत (D) 11·2 प्रतिशत

36. बिहार सरकार ने 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' की शुरूआत कब की ?
(A) 2016 में (B) 2017 में
(C) 2018 में (D) 2019 में

37. बिहार में मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना की शुरूआत हुई–
(A) 24 अगस्त, 2018
(B) 31 जनवरी, 2018
(C) 2 अक्टूबर, 2016
(D) 1 जनवरी, 2017

38. बिहार के किस जिले में गंगा नदी पर विक्रमशिला सेतु का निर्माण किया गया है ?
(A) पटना (B) बक्सर
(C) मुजफ्फरपुर (D) भागलपुर

39. राज्य अल्पसंख्यक आयोग को कानूनी अधिकार प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य कौनसा है ?
(A) बिहार (B) राजस्थान
(C) मध्य प्रदेश (D) झारखण्ड

40. बिहार राज्य में सर्वाधिक गंधक का उत्पादन किस जिले में होता है ?
(A) किशनगंज (B) सीवान
(C) बक्सर (D) रोहतास

उत्तरमाला

1. (C)	2. (C)	3. (C)	4. (C)	5. (A)
6. (C)	7. (B)	8. (C)	9. (A)	10. (B)
11. (A)	12. (D)	13. (C)	14. (B)	15. (A)
16. (C)	17. (A)	18. (A)	19. (D)	20. (B)
21. (B)	22. (C)	23. (A)	24. (D)	25. (B)
26. (C)	27. (B)	28. (B)	29. (A)	30. (D)
31. (A)	32. (C)	33. (B)	34. (B)	35. (A)
36. (A)	37. (A)	38. (C)	39. (A)	40. (D)

●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय–"भारतीय संविधान में समानता जैसे मौलिक अधिकारों के बावजूद जातिगत वर्जनाएं आज भी विद्यमान हैं."

अन्तिम तिथि–15 नवम्बर, 2019

शब्द संख्या–अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)

पुरस्कार योजना–पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.

विशेष–पक्ष/विपक्ष का प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होगा.

प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.

कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.

(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाएं)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–187

(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

Vikas Bhadu

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 2019-20 के मध्य में भारतीय अर्थव्यवस्था में व्याप्त आर्थिक सुस्ती से निम्न में से कौनसा क्षेत्रक प्रभावित नहीं हुआ ?
(A) स्मार्ट फोन
(B) ब्राण्डेड परिधान
(C) एफएमसीजी सेक्टर
(D) कृषि उत्पाद

2. भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, को दिए जाने वाले ऋणों, आवास एवं कार ऋणों तथा उपभोग ऋणों पर ली जाने वाली ब्याज दर को निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध करने का निर्देश 2019 में दिया ?
(A) रेपो रेट
(B) भारत सरकार के 3 माह एवं 6 माह के कोषागार बिलों पर प्राप्त होने वाली प्रतिफल दर
(C) फायनेन्शियल बेंचमार्क्स इण्डिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित अन्य कोई बेंचमार्क बाजारी ब्याज दर
(D) उपर्युक्त सभी

3. एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ANGAN 9 सितम्बर, 2019 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुई. ANGAN का फोकस निम्नलिखित में से किस पर है ?
(A) भवन निर्माण क्षेत्रक में ऊर्जा दक्षता
(B) आँगनवाड़ी कार्यक्रम की कार्य प्रणाली
(C) 0–5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार
(D) कृषि क्षेत्रक में ऊर्जा दक्षता

4. निम्नलिखित में से किस दिनांक को दक्षिण-दक्षिण सहयोग (South-South Co-operation) दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
(A) 15 अगस्त
(B) 12 सितम्बर
(C) 5 अक्टूबर
(D) 19 अक्टूबर

5. वैश्विक आर्थिक स्वतन्त्रता सूचकांक, 2019 में भारत का रैंक कौनसा है ?
(A) 96वाँ (B) 85वाँ
(C) 79वाँ (D) 64वाँ

6. वैश्विक ट्रैवल एण्ड टूरिज्म प्रतिस्पर्द्धात्मक सूचकांक, 2019 में भारत का रैंक कौनसा है ?
(A) 34वाँ (B) 47वाँ
(C) 53वाँ (D) 69वाँ

7. "एक-राष्ट्र एक-भाषा" का विचार किसके द्वारा सितम्बर 2019 में दिया गया ?
(A) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(B) राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द
(C) गृहमंत्री अमित शाह
(D) मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक

8. मन्दी की मार से ग्रसित अर्थव्यवस्था में नई जान फूँकने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा निम्नलिखित में से किसकी घोषणा 2019-20 के मध्य में की गई ?
(i) निर्यात क्षेत्रक को ₹ 50,000 करोड़ का प्रशुल्क राहत पैकेज
(ii) भवन निर्माण क्षेत्रक को ₹ 20,000 करोड़ का पैकेज
(iii) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों पर लगाए गए अधिकार को वापस लेना.
(A) (i) तथा (ii) केवल
(B) (ii) एवं (iii) केवल
(C) (i), (ii) एवं (iii) सभी
(D) केवल (i)

9. 'निष्ठा (NISHTA)' पहल का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
(A) सार्वजनिक जीवन में नैतिकता
(B) शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों का समग्र विकास
(C) सरकारी सेवकों में उत्तरदायित्व की भावना का विकास
(D) राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व के प्रति निष्ठावान बनाना

10. 'लेदर मिशन' किसके द्वारा प्रारम्भ किया गया है ?
(A) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
(B) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(C) खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग
(D) भारतीय उद्योग परिसंघ

11. राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 लागू हो जाने के बाद नया मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति किसके द्वारा दी जाएगी ?
(A) राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग
(B) चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड
(C) अण्डर ग्रेजुएट चिकित्सा शिक्षा बोर्ड
(D) एथिक्स एवं मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड

12. भारत चाइल्ड-वेल-वीइंग इण्डेक्स 2019 के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(i) यह सूचकांक वर्ल्ड विजन इण्डिया एवं IFMR LEAD द्वारा विकसित एवं जारी किया गया है.
(ii) केरल, तमिलनाडु एवं हिमाचल प्रदेश इस सूचकांक के शीर्ष तीन राज्य हैं.
(iii) इस सूचकांक में मध्य प्रदेश सबसे निचले पायदान पर है.
(A) केवल (iii)
(B) केवल (i) एवं (iii)
(C) (i), (ii) एवं (iii) सभी
(D) कोई भी कथन सही नहीं है

13. सितम्बर 2019 में भारत सरकार ने निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 100% एफडीआई को अनुमन्य किया ?
(i) कान्ट्रेक्ट मैन्यूफैक्चरिंग
(ii) कामर्शियल कोयला खनन
(iii) कोयल प्रोसेसिंग एवं कोल वाशिंग
(A) केवल (i)
(B) केवल (i) एवं (ii)
(C) केवल (ii)
(D) (i), (ii) एवं (iii) सभी

14. 'कोड ऑफ रेसपोन्सीबिल लेण्डिंग' 16 सितम्बर, 2019 को किसके द्वारा जारी किया गया ?
(i) माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क (MFIN)
(ii) Sa-dhan भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मान्यता प्राप्त स्व विनियमनकारी संगठन
(iii) वित्त उद्योग विकास परिषद् (FIDC)
(A) (i)
(B) (ii)
(C) (iii)
(D) संयुक्त रूप से (i), (ii) एवं (iii)

15. 'कड़कनाथ' समाचारों की सुर्खियों में रहा है. यह क्या है ?
(A) एक चर्चित बाल फिल्म
(B) चर्चित कार्टून कथा सीरियल
(C) मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में अपनी उच्च पौष्टिकता एवं चिकित्सकीय वैल्यू के कारण चर्चित मुर्गे की प्रजाति
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

16. निम्नलिखित में से कौनसे समूह के देश Quad या क्वाड्रीलेटरल सुरक्षा डायलॉग के सदस्य हैं ?
(A) संयुक्त राज्य अमरीका, भारत, आस्ट्रेलिया एवं जापान
(B) यू.के., चीन, फ्रांस, भारत
(C) आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, इण्डोनेशिया एवं मलेशिया
(D) कनाडा, यू.के., भारत, आस्ट्रेलिया

Vikas Bhadu

17. डफ एंव फेल्प्स (Duff & Phelps) के अनुसार इण्डियन प्रीमियर लीग की 2019 में ब्राण्ड वैल्यू कितनी है ?
(A) ₹ 32,900 करोड़
(B) ₹ 39,200 करोड़
(C) ₹ 47,500 करोड़
(D) ₹ 55,300 करोड़

18. 20 सितम्बर, 2019 को भारत सरकार द्वारा जारी एक अध्यादेश के अनुसार निगम करों के बारे में निम्नलिखित में से कौनसी रियायत दी गई है ?
(i) विद्यमान कम्पनियों पर निगम कर की दर 22% होगी, यदि वे सभी प्रकार की कर रियायतों/छूटों को छोड़ती हैं, तो.
(ii) 22% कर दायरे में आने वाली कम्पनियों पर उपकर एवं अधिभार सहित कर की प्रभावी दर 25·17% होगी.
(iii) ऐसी कम्पनियों पर न्यूनतम वैकल्पिक कर नहीं लगेगा.
(iv) वर्तमान में प्रचलित कर व्यवस्था के अन्तर्गत टैक्स होली डे की सुविधा लेने वाली कम्पनियाँ टैक्स होली डे समाप्त होने पर 22% करारोपण का विकल्प चुन सकेंगी.
(A) केवल (i) एवं (ii)
(B) केवल (ii) एवं (iii)
(C) (i), (ii), (iii) एवं (iv)
(D) केवल (i) एवं (iv)

19. 1 अक्टूबर, 2019 के बाद स्थापित होने वाली नई कम्पनियों पर 20 सितम्बर, 2019 को जारी अध्यादेश के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौनसा कर प्रस्ताव लागू होगा ?
(i) 15% की दर से निगम कर, यदि वे सभी प्रकार की कर रियायतों/छूटों का परित्याग करती हैं, तो.
(ii) ऐसी कम्पनियों द्वारा 15% करारोपण का विकल्प चुनने पर 31 मार्च, 2023 तक उत्पादन प्रारम्भ करना होगा.
(iii) ऐसी कम्पनियों के लिए उपकर एवं अधिभार सहित कर की प्रभावी दर 17·01% होगी.
(A) केवल (i) एवं (iii)
(B) केवल (ii)
(C) (i), (ii) एवं (iii) सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. विश्व की कौनसी एक प्रमुख टुअर आप्रेटर कम्पनी सितम्बर 2019 में दिवालिया हो गई ?
(A) थॉमस कुक इंक
(B) कॉक्स एण्ड किंग्स
(C) ऑडले ट्रेवल
(D) जी एडवेन्चर्स

21. पासपोर्ट, आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक खाता आदि सभी रूप में प्रयुक्त हो सकने वाले बहुउद्देशीय परिचय-पत्र की अवधारणा किसके द्वारा प्रस्तुत की गई ?
(A) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(B) गृहमंत्री अमित शाह
(C) महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त शैलेश
(D) सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री डी.वी. सदानन्द गौड़ा

22. नए स्माल फाइनेंस बैंकों के लिए 'On-Top' लाइसेंसिंग व्यवस्था के अन्तर्गत न्यूनतम पूँजी आवश्यकता कितनी है ?
(A) ₹ 100 करोड़
(B) ₹ 200 करोड़
(C) ₹ 300 करोड़
(D) ₹ 500 करोड़

23. प्रत्यक्ष कर संहिता पर गठित अखिलेश रंजन ने कितनी वार्षिक आय को कर मुक्त रखे जाने की सिफारिश की है ?
(A) ₹ 10 लाख (B) ₹ 7·5 लाख
(C) ₹ 5·0 लाख (D) ₹ 4·0 लाख

24. प्रत्यक्ष कर संहिता पर गठित अखिलेश रंजन समिति ने आय कर की कौन-कौनसी दरें प्रस्तावित की हैं ?
(i) 10% (ii) 20%
(iii) 30% (iv) 35%
(A) केवल (i), (ii) एवं (iii)
(B) केवल (ii), (iii) एवं (iv)
(C) केवल (i), (iii) एवं (iv)
(D) (i), (ii), (iii) एवं (iv) सभी

25. उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019 के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किस निकाय को स्थापित किए जाने का प्रावधान नहीं है ?
(A) केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण परिषद्
(B) केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण
(C) राज्य उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण
(D) जिला उपभोक्ता विवाद निपटारा आयोग

26. विश्व बैंक ने जुलाई 2019 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर विश्व की अर्थव्यवस्थाओं के वर्गीकरण में निम्नलिखित में से किस प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय वाली अर्थव्यवस्था को नीची आय अर्थव्यवस्था माना है ?
(A) 995 अमरीकी डॉलर
(B) 1025 अमरीकी डॉलर
(C) 1035 अमरीकी डॉलर
(D) 1045 अमरीकी डॉलर

27. जुलाई 2019 में विश्व बैंक द्वारा विश्व की अर्थव्यवस्थाओं के वर्गीकरण में भारतीय अर्थव्यवस्था को किस वर्ग में रखा गया है ?
(A) नीची आय अर्थव्यवस्था
(B) निचली-मध्य आय अर्थव्यवस्था
(C) उच्च-मध्य आय अर्थव्यवस्था
(D) उच्च आय अर्थव्यवस्था

28. 9 सितम्बर, 2019 की स्थिति के अनुसार निम्नलिखित में से किस राष्ट्रीयकृत बैंक का बाजार पूँजीकरण सर्वाधिक था ?
(A) पंजाब नेशनल बैंक
(B) बैंक ऑफ बड़ौदा
(C) बैंक ऑफ इण्डिया
(D) इलाहाबाद बैंक

29. सितम्बर 2019 निम्न में से किस कृषि जिंस के निर्यात पर भारत सरकार द्वारा पूर्ण प्रतिबन्ध लगा दिया गया, साथ ही थोक एवं खुदरा विक्रेताओं के लिए भण्डारण की अधिकतम सीमा निर्धारित कर दी गई ?
(A) प्याज
(B) अरहर दाल
(C) बासमती चावल
(D) सेब

30. मार्च 2019 में निम्न में से किस बैंक में भारत सरकार की इक्विटी धारिता सर्वाधिक थी ?
(A) भारतीय स्टेट बैंक
(B) कॉर्पोरेशन बैंक
(C) यूको बैंक
(D) यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया

उत्तरमाला

1. (A)	2. (D)	3. (A)	4. (B)	5. (C)
6. (A)	7. (C)	8. (C)	9. (B)	10. (C)
11. (B)	12. (C)	13. (D)	14. (D)	15. (C)
16. (A)	17. (C)	18. (C)	19. (C)	20. (A)
21. (B)	22. (B)	23. (C)	24. (D)	25. (C)
26. (B)	27. (B)	28. (B)	29. (A)	30. (D)

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

Vikas Bhadu

1. यूरोपीय केन्द्रीय बैंक (ECB) का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
   (A) फ्रैंक फर्ट (जर्मनी)
   (B) जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
   (C) विएना (आस्ट्रिया)
   (D) ब्रूसेल्स (बेल्जियम)

2. निम्नलिखित में से कौन यूरोपीय केन्द्रीय बैंक के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार नवम्बर 2019 में सँभालने जा रहा है ?
   (A) मारियो ड्राकी
   (B) क्रिस्टीन लगार्ड
   (C) जिम योंग किम
   (D) क्रिस्टालिना जॉर्जीवा

3. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के नए प्रबन्ध निदेशक के रूप में निम्नलिखित में से किसने कार्यभार 1 अक्टूबर, 2019 में सँभाला है ?
   (A) क्रिस्टालिना जॉर्जीवा
   (B) क्रिस्टीन लगार्ड
   (C) रॉबर्टो एजवेडो
   (D) पास्कल लामी

4. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
   (A) न्यूयॉर्क
   (B) वाशिंगटन डीसी
   (C) जेनेवा
   (D) रोम

5. निम्नलिखित में से कौनसा विश्व बैंक समूह का भाग है ?
   1. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
   2. यूरोपीय केन्द्रीय बैंक

   निम्नलिखित में से सही उत्तर छाँटिए—
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 व 2 दोनों
   (D) न तो 1 और न ही 2

6. 2019-20 में देश में कृषिगत उत्पादन के कौनसे अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा सितम्बर 2019 में जारी किए गए हैं ?
   (A) पहले (B) दूसरे
   (C) तीसरे (D) चौथे

7. फरवरी 2020 में घोषित किए जाने वाले 92वें ऑस्कर पुरस्कारों के लिए भारत की किस फिल्म का चयन आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में किया गया है ?
   (A) स्त्री (B) राजी
   (C) अंधाधुन (D) गली बॉय

8. इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट के लिवेबिलिटी इंडेक्स-2019 की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौनसे भारतीय शहरों को 140 शहरों की सूची में स्थान दिया गया है ?
   1. दिल्ली 2. मुम्बई
   3. चंडीगढ़

   सही उत्तर छाँटिए—
   (A) केवल 1 व 2
   (B) केवल 2 व 3
   (C) केवल 1 व 3
   (D) 1, 2 व 3 सभी तीनों

9. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैटिस्टिक्स कहाँ स्थित है ?
   (A) नई दिल्ली (B) मुम्बई
   (C) कोलकाता (D) चेन्नई

10. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् प्रदत्त गैस कनेक्शनों की संख्या निम्नलिखित में से किस बिन्दु को सितम्बर 2019 में पार कर गई थी ?
    (A) 1 करोड़ (B) 5 करोड़
    (C) 8 करोड़ (D) 10 करोड़

11. किस राज्य में सर्वाधिक गैस कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् जारी किए गए हैं ?
    (A) झारखण्ड (B) मध्य प्रदेश
    (C) उत्तर प्रदेश (D) आंध्र प्रदेश

12. दादा साहेब फाल्के पुरस्कार किस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाने वाल सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार है ?
    (A) बैंकिंग (B) बीमा
    (C) संचार (D) सिनेमा

13. सरकार ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् का पुनर्गठन सितम्बर 2019 में किया है. निम्नलिखित में से किसे पुनर्गठित परिषद् का अध्यक्ष बनाया गया है ?
    (A) बिबेक देवरॉय
    (B) रतन वाटल
    (C) नृपेन्द्र मिश्र
    (D) के. वी. कामत

14. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य है ?
    1. यह एक सांविधिक निकाय है.
    2. इसकी संस्तुतियाँ सरकार के लिए बाध्यकारी होती हैं.

    निम्नलिखित में से सही उत्तर छाँटिए—
    (A) केवल 1
    (B) केवल 2
    (C) 1 व 2 दोनों
    (D) न तो 1 और न ही 2

15. जीएसटी काउंसिल की 20 सितम्बर, 2019 को गोवा में सम्पन्न बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत् होटलों में कितने रुपए प्रतिदिन तक के किराए वाले कमरों को जीएसटी से मुक्त रखा गया है ?
    (A) ₹ 500 (B) ₹ 1000
    (C) ₹ 5000 (D) ₹ 7500

16. अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए सरकार ने कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती सितम्बर 2019 में की है. इसके तहत् किसी तरह की छूट इन्सेंटिव न लेने वाली कम्पनियों के लिए इस कर की दर को घटाकर कितने प्रतिशत किया गया है ?
    (A) 15 प्रतिशत (B) 17·5 प्रतिशत
    (C) 20 प्रतिशत (D) 22 प्रतिशत

17. 1 अक्टूबर, 2019 के पश्चात् भारत में गठित मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की कम्पनियों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स कितना घोषित किया गया है ?
    (A) 15 प्रतिशत (B) 17·5 प्रतिशत
    (C) 20 प्रतिशत (D) 22 प्रतिशत

18. देश में पर्यटन के समग्र विकास के लिए किस राज्य को प्रथम पुरस्कार वर्ष 2017-18 के राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों के तहत् सितम्बर 2019 में प्रदान किया गया है ?
    (A) गोवा (B) केरल
    (C) आंध्र प्रदेश (D) उत्तराखण्ड

19. किस राज्य को 'सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माण मित्र' (Best Film Production Friendly State) का पुरस्कार राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों के तहत् सितम्बर 2019 में दिया गया ?
    (A) गोवा (B) केरल
    (C) आंध्र प्रदेश (D) उत्तराखण्ड

20. 5 स्टार डीलक्स श्रेणी में निम्नलिखित में से किस होटल को सर्वश्रेष्ठ होटल का पुरस्कार राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों के तहत् सितम्बर 2019 में दिया गया है ?

(A) जेपी पैलेस, आगरा
(B) अमर विलास, आगरा
(C) रामबाग पैलेस, जयपुर
(D) लीला पैलेस, गोवा

21. किस रेलवे स्टेशन को 'सर्वाधिक पर्यटक मित्र रेलवे स्टेशन' (Best Tourist Friendly Railway Station) के रूप में सितम्बर 2019 में पुरस्कृत किया गया है ?
(A) भरतपुर
(B) सवाई माधोपुर
(C) नई दिल्ली
(D) विशाखापट्टनम

Vikas Bhadu

22. निम्नलिखित में से किस दिन को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
(A) 5 सितम्बर
(B) 10 सितम्बर
(C) 22 सितम्बर
(D) 27 सितम्बर

23. 1 सितम्बर निम्नलिखित में से किसका स्थापना दिवस है ?
1. भारतीय साधारण बीमा निगम (GIC)
2. भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)
सही उत्तर छाँटिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 व 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

24. सरकारी बैंकों के विलय की सरकार की ताजा योजना के तहत् निम्नलिखित में से किस बैंक का विलय केनरा बैंक में किया जाना प्रस्तावित है ?
(A) सिंडीकेट बैंक
(B) यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
(C) आंध्र बैंक
(D) इलाहाबाद बैंक

25. 'ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम' की बैठक किस देश में सितम्बर 2019 में सम्पन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया ?
(A) जापान (B) द. कोरिया
(C) कम्बोडिया (D) रूस

26. भारत व चीन के बीच छठी रणनीतिक आर्थिक वार्ता (Strategic Economic Dialogue-SED) सितम्बर 2019 में किस शहर में सम्पन्न हुई ?
(A) नई दिल्ली (B) पणजी (गोवा)
(C) बीजिंग (D) शंघाई

27. निम्नलिखित में से किस देश को भारत से पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति के लिए तेल पाइप लाइन बिछाई गई है, जिसका उद्घाटन सितम्बर 2019 में हुआ है ?
(A) म्यांमार (B) नेपाल
(C) भूटान (D) श्रीलंका

28. निम्नलिखित में से कौनसा कर सीबीडीटी (CBDT) के दायरे से बाहर है ?
1. आयकर 2. निगम कर
3. जीएसटी
सही उत्तर छाँटिए–
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) केवल 1 व 2

29. सरकारी बैंकों की प्रस्तावित विलय योजना के तहत् निम्नलिखित में से किस बैंक का विलय किसी अन्य बैंक के साथ नहीं किया जाना है ?
(A) इंडियन ओवरसीज़ बैंक
(B) इंडियन बैंक
(C) ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
(D) यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
कथन (A) : लम्बे समय तक मंदी के गिरफ्त में रहे भारतीय शेयर बाजार में भारी उछाल सितम्बर 2019 के उत्तरार्द्ध में दर्ज किया गया.
कारण (R) : कॉर्पोरेट टैक्स की दरों में कटौती की घोषणा वित्त मंत्री ने की थी.
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कूट :
(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है
(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) कथन (A) की व्याख्या नहीं है
(C) कथन (A) सही है, किन्तु कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है

उत्तरमाला

1. (A)	2. (B)	3. (A)	4. (B)	5. (D)
6. (A)	7. (D)	8. (A)	9. (C)	10. (C)
11. (C)	12. (D)	13. (A)	14. (D)	15. (B)
16. (D)	17. (A)	18. (C)	19. (D)	20. (C)
21. (D)	22. (D)	23. (B)	24. (A)	25. (D)
26. (A)	27. (B)	28. (C)	29. (A)	30. (A)

●●●

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण
उपकार
हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन
यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टैंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी., टी.जी.टी., पी-एच.डी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सहायक, संपादक, समाचार वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक.
लेखक : ओंकार नाथ वर्मा

कोड 2129 ₹ 255/-
विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.
प्रमुख आकर्षण
➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविधा
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

राजनीति विज्ञान

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

Vikas Bhadu

1. कौटिल्य द्वारा राज्य के मण्डल सिद्धान्त की कितनी प्रकृतियाँ हैं ?
(A) 60 (B) 68
(C) 70 (D) 72

2. एकीकृत मानववाद का अर्थ है–
1. मानव जीवन अलग नहीं है
2. व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के मध्य सामंजस्य
3. व्यक्ति की आवश्यक एकता
4. राज्य, राष्ट्र से उच्चतर है
निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–
(A) 1, 2 और 3 (B) 1, 2 और 4
(C) 2, 3 और 4 (D) 1, 3 और 4

3. नारीवादियों का तर्क है कि महिला मूल्य मुख्यतः आधारित हैं–
(A) धार्मिक कानून पर
(B) प्रदत्त सामाजिक भूमिकाओं पर
(C) जैविक और प्रदत्त सामाजिक भूमिकाओं पर
(D) जीवविज्ञान पर

4. 'साइलेंट स्प्रिंग' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) फ्रेंक थॉन
(B) रेमण्ड एल. ब्रायंट
(C) रैशेल कारसन
(D) रॉय रैपापोर्ट

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–
सूची-I
(a) विलम्बित पूंजीवाद
(b) विखंडनवाद
(c) महान वृत्तांतों का अंत
(d) ज्ञान एवं शक्ति की संकल्पना
सूची-II
1. मिशेल फौकोल्ट
2. फ्रेडरिक जेमेसन
3. जैक्स डेरिडा
4. ल्योटार्ड
दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	1	4	2	3
(C)	2	4	1	3
(D)	4	1	3	2

6. पंडिता रमाबाई को किस कारण 'पंडिता' की उपाधि दी गई ?
(A) समाज सुधार
(B) महिलामुक्ति
(C) जाति व्यवस्था उन्मूलन
(D) संस्कृत विद्वान होने के कारण

7. कार्ल मार्क्स, मार्क्सवाद के संस्थापक, निम्नलिखित में से किस देश के औपचारिक नागरिक थे ?
(A) जर्मनी
(B) फ्रांस
(C) यू.के.
(D) इनमें से कोई नहीं

8. 'किसी अन्य को निकृष्ट बनाए बिना कुछ को उत्कृष्ट बनाना' निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) पैरेटो का इष्टतम (ऑप्टिमैलिटी) का सिद्धान्त
(B) नॉजिक का हकदारी (एनटाइटलमेंट) का सिद्धान्त
(C) फौकोल्ट के शक्ति (पावर) का सिद्धान्त
(D) रॉल्स के वितरणात्मक (डिस्ट्रीब्यूटिव) न्याय का सिद्धान्त

9. निम्नलिखित में से कौनसा एक संगत मेल नहीं है ?
(A) फेबियनवाद : शांतिपूर्ण परिवर्तन
(B) श्रेणी समाजवाद : व्यावसायिक प्रतिनिधित्व
(C) श्रमिक संघवाद : ट्रेड यूनियनवाद
(D) लोकतांत्रिक समाजवाद : आमूल परिवर्तन

10. "अंग्रेज सोचते हैं कि वे स्वतंत्र हैं, जबकि वे केवल संसद के सदस्यों के चुनाव के समय स्वतंत्र होते हैं" यह कथन किसका है ?
(A) जे.एस. मिल (B) टी. एच. ग्रीन
(C) लॉक (D) रूसो

11. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है.
अभिकथन (A) : मैकियावली के दर्शन में साध्य साधनों की उपयोगिता को पुष्ट करता है.
तर्क (R) : द प्रिंस का मुख्य ध्येय राज्य की एकता एवं अखण्डता लाना है.
उपर्युक्त दोनों कथनों के आधार पर नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

12. किसने कहा कि मानव का विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाना वर्तमान एवं भविष्य की नस्लों को लूटने के समान है ?
(A) जे. एस. मिल
(B) जॉन लॉक
(C) इसाइया बर्लिन
(D) एफ. ए. हेयक

13. किसका विचार है कि कला, धर्म और दर्शन केवल रूप से भिन्न हैं, इनका ध्येय समान है ?
(A) जॉर्ज लुकास
(B) सार्त्रे
(C) हीगेल
(D) ऐरिक ओलिन राइट

14. किसने कहा कि व्यक्ति का जीवन एकाकी, क्षुद्र, घिनौना, पशुवत और अल्प है ?
(A) मैकियावली (B) हॉब्स
(C) लॉक (D) रूसो

15. जय प्रकाश नारायण की आत्मकथा किसने लिखी ?
(A) स्वयं जयप्रकाश नारायण ने
(B) रामवृक्ष बेनीपुरी ने
(C) विनोबा भावे ने
(D) नम्बूदरीपाद ने

16. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है.
अभिकथन (A) : गांधी के अनुसार धर्म से अलग राजनीति मृत्युजाल है.
तर्क (R) : राजनीति में धर्म का प्रवेश आवश्यक है, क्योंकि धर्म के अभाव में यह साम्प्रदायिक रंग ले सकती है.
उपर्युक्त दोनों कथनों के आधार पर नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

17. निम्नलिखित में से कौनसी रचनाएं मोहम्मद इकबाल से सम्बन्धित हैं ?
1. तराना-ए-हिन्द
2. द रिकंस्ट्रक्शन ऑफ रिलिजियस थॉट इन इंडिया
3. द हिस्टोरीकल रोल ऑफ इस्लाम
4. द बंग-ए-दारा
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2 और 3 (B) 1, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4 (D) 2, 3 और 4

Vikas Bhadu

18. 'ए ग्रेट एण्ड टेरीबल वर्ल्ड' पुस्तक का लेखक कौन है ?
(A) एंतोनिओ ग्राम्सी
(B) हैन्ना आरेंट
(C) हीगेल
(D) जॉन रॉल्स

19. किसने कहा है कि राजनीतिक कार्य समस्त आर्थिक कार्य का जीवन रक्त है ?
(A) जॉन रॉल्स (B) माओ जेडोंग
(C) कार्ल मार्क्स (D) फ्रांज फनॉन

20. इनमें से किस विचारक के लेखन में प्रथम बार द्वंद्वात्मक पद्धति का प्रयोग हुआ है ?
(A) सुकरात (B) प्लेटो
(C) हीगेल (D) मार्क्स

21. निम्नलिखित में से कौनसे समाचार-पत्र तिलक से सम्बन्धित नहीं हैं ?
1. केसरी 2. मराठा
3. सुधारक 4. हरिजन
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 4 (D) 3 और 4

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–
सूची-I (पुस्तक)
(a) मार्क्स, गांधी एण्ड सोशालिज्म
(b) गांधी एण्ड गांधीज्म
(c) सावित्री : ए लिजेण्ड एण्ड ए सिम्बल
(d) गीतांजलि
सूची-II (विचारक)
1. अरबिन्दो
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर
3. राम मनोहर लोहिया
4. बी. आर. अम्बेडकर
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	4	3	1	2
(D)	3	1	2	4

23. अगाना सुत्त है–
(A) दीघा निकाय का 27वाँ सुत्त
(B) मज्झिमा निकाय का 27वाँ सुत्त
(C) संजुत्ता निकाय का 26वाँ सुत्त
(D) अंगुसूत्र निकाय का 27वाँ सुत्त

24. गांधी विश्वास करते थे–
(A) साध्य, साधनों की उपयोगिता की पुष्टि करता है
(B) साधन, साध्य की उपयोगिता की पुष्टि करते हैं
(C) न तो साध्य, साधनों की और ना ही साधन साध्य की पुष्टि करते हैं
(D) साधन और साध्य दोनों न्यायसंगत होने चाहिए

25. बहुसंस्कृतिवाद के अन्तर्गत वे प्रवासी जातीय सांस्कृतिक समूह, जिन्हें कभी-भी नागरिक बनाने का अवसर नहीं मिलता, कहलाते हैं–
(A) मोटिक्स
(B) राष्ट्रीय अल्पसंख्यक
(C) अप्रवासी समूह
(D) अलग-थलग रहने वाले जातीय-धार्मिक समूह

26. 'ब्लैक स्किन ह्वाइट मास्कस' किसके द्वारा लिखित है ?
(A) ग्राम्सी
(B) हैन्ना आरेंट
(C) फ्रांज फनॉन
(D) वोलस्टोनक्राफ्ट

27. रॉल्स के सिद्धान्त में 'न्याय निष्पक्षता' के विचार का प्रवाह है–
(A) व्यक्ति से (B) समाज से
(C) राज्य से (D) राष्ट्र से

28. इनमें से कौन नव-मार्क्सवाद से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) जुर्गेन हेबरमास
(B) एरिक फ्रॉम
(C) हर्बर्ट मार्क्यूजे
(D) रोजा लक्जमबर्ग

29. 'मल्टीकल्चरल सिटिजनशिप : ए लिबरल थ्योरी ऑफ माइनॉरिटी राइट्स' (1995) पुस्तक किसने लिखी ?
(A) टी. एच. मार्शल
(B) बी. एस. टर्नर
(C) विल किमलिका
(D) भीखू पारेख

30. निम्नलिखित में से कौनसा एक उत्तर-आधुनिकता के सम्बन्ध में असंगत है ?
(A) ज्ञान के स्थान पर उपभोग प्रधान है
(B) समग्रता का विखंडन
(C) महानता को सामान्य बनाना
(D) ऐतिहासिक प्रवृत्ति

निर्देश–(प्रश्न 31 से 33 तक) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए–

स्वातंत्रोत्तर भारत के पूर्व सात दशकों में लोकतांत्रिक राजनीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन आए हैं. पिछले दशकों में जहाँ चुनावी सहभागिता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, वहाँ जातीयता से जुड़ी आदिम अस्मिताओं ने 'जातियों के राजनीतिकरण एवं 'राजनीति के जातीयकरण' को और अधिक सुदृढ़ किया है.

21वीं सदी के भारत में बाजार राज्य ने तृतीय लोकतांत्रिक अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त किया है. किन्तु विकास प्राप्ति के अपने लक्ष्य में इन आदिम संरचनाओं को विखंडित करने की अपेक्षा, बाजार राज्य लोक लुभावनवाद तथा अभिशासन के मध्य झूल रहा है.

31. इनमें से किसने सर्वप्रथम भारतीय राजनीति में 'जाति के राजनीतिकरण' धारणा का प्रयोग किया था ?
(A) रजनी कोठारी
(B) योगेन्द्र यादव
(C) सुरेन्द्र जोधका
(D) एम. एन. श्रीनिवास

32. निम्नलिखित में से कौनसा आदिमवाद का तत्व नहीं है ?
(A) जाति (B) वर्ग
(C) समुदाय (D) कुल

33. इनमें से कौन भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में तीन लोकतांत्रिक अभ्युदय के प्रवर्तक हैं ?
(A) अतुल कोहली
(B) लॉयड एवं सुजैन रुडोल्फस
(C) पार्थ चटर्जी
(D) इनमें से कोई नहीं

34. निम्नलिखित में से किस देश के साथ भारत ने 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता' हस्ताक्षरित किया ?
(A) अमरीका (B) रूस
(C) जापान (D) इजराइल

35. निम्नलिखित में से कौनसा योजना अवकाश/प्लान हॉलीडेज से असंगत है ?
(A) ये लघु-अवधि आकस्मिक योजनाएं थीं
(B) इन योजनाओं की अवधि 1966-69 थीं
(C) युद्ध, मुद्रास्फीति एवं सूखा इन योजनाओं के मुख्य कारण थे
(D) योजना अवकाश पहले तीन पंचवर्षीय योजनाओं की विफलता के कारण आरम्भ हुए

Vikas Bhadu

36. किस अन्तर्राष्ट्रीय समझौते ने राज्यों को 'पहली बार' ग्रीनहाउस उत्सर्जन की कटौती पर वैधिक रूप से बाध्य लक्ष्य दिए ?

(A) कोपेनहेगन 2009

(B) क्योटो प्रोटोकॉल 1997

(C) डरबन कॉन्फेरेन्स 2011

(D) रिओ डि जेनेरियो 1992

37. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I (लेखक)

(a) डेविड ईस्टन

(b) लुशियन पाई

(c) सैमुएल पी. हंटिंग्टन

(d) सेम्यौर मार्टिन लिप्सेट

सूची-II (धारणा)

1. विकास सिन्ड्रोम
2. राजनीतिक मानव
3. ब्लैक बॉक्स
4. लोकतंत्रीकरण की लहर

दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	1	3	4	2
(C)	3	1	4	2
(D)	2	3	4	1

38. निम्नलिखित में से कौनसा सिद्धान्त परम्परागत सिद्धान्त कहलाता है ?

(A) संगठन सिद्धान्त

(B) मानव सम्बन्ध सिद्धान्त

(C) वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धान्त

(D) नौकरशाही सिद्धान्त

39. निम्नलिखित में से किस आयोग/समिति ने प्रत्येक जिले में नगरीय एवं ग्रामीण प्रतिनिधित्व के लिए जिला परिषद् के सृजन की अनुशंसा की ?

(A) बलवंत राय मेहता समिति

(B) एल. एम. सिंघवी समिति

(C) अशोक मेहता समिति

(D) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग

40. मदन मोहन पुन्छी आयोग किसके अध्ययन के लिए नियुक्त हुआ ?

(A) केन्द्र-राज्य सम्बन्ध

(B) राज्य पुनर्गठन

(C) पंचायती राज

(D) निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन

41. पाकिस्तान के साथ 'सिन्धु जल समझौते' के अन्तर्गत भारत का किन नदियों पर अनन्य अधिकार है ?

(A) चेनाब, रावी, ब्यास

(B) रावी, ब्यास, सतलज

(C) ब्यास, सतलज, झेलम

(D) रावी, चेनाव, झेलम

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I (लोक प्रशासन के क्रमविकास के स्तर)

(a) अस्मिता का संकट

(b) चुनौती का युग

(c) प्रशासन के सिद्धान्त

(d) राजनीति-प्रशासन द्विविभाजन

सूची-II (अवधि)

1. 1938-1947 2. 1927-1937
3. 1887-1926 4. 1948-1970

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	4	2	1	3
(D)	4	3	2	1

43. किसने कहा कि, "निर्धन, निर्धन हैं इसलिए नहीं कि उनके पास कुछ नहीं है, बल्कि इसलिए कि वे क्या नहीं कर सकते हैं" ?

(A) हंस सिंगर

(B) अमर्त्य सेन

(C) महबूब उल हक

(D) हर्ष मन्देर

44. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I (व्यवस्था)

(a) चुनावी व्यवस्था

(b) संघ और राज्यों के अन्तर्गत सेवाएं

(c) पंचायतें

(d) संघ स्तर पर न्यायिक व्यवस्थाएं

सूची-II (अनुच्छेद)

1. 243-243 (O) 2. 124-147
3. 324-329 4. 308-323

दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	3	1	4	2
(D)	1	2	3	4

45. कैबिनेट मिशन योजना के सदस्य थे–

(A) लॉर्ड पेथिक-लॉरेंस, सर स्टेफर्ड क्रिप्स और ए. वी. अलेक्जेंडर

(B) सर स्टेफर्ड क्रिप्स, ए. वी. एलेक्जेंडर और लॉर्ड वेवल

(C) लॉर्ड पेथिक-लॉरेंस, ए. वी. एलेक्जेंडर और लॉर्ड रिपन

(D) सर स्टेफर्ड क्रिप्स, लॉर्ड माउंटबैटन और लॉर्ड पेथिक-लॉरेंस

46. प्रधानमंत्री एवं उप-प्रधानमंत्री सहित कुल मंत्रियों की संख्या, अधिक नहीं होगी–

(A) लोक सभा के 20% सदस्यों से

(B) लोक सभा के 10% सदस्यों से

(C) लोक सभा के 15% सदस्यों से

(D) लोक सभा के 25% सदस्यों से

47. श्रमिकों, कृषकों एवं समाज के सीमांत वर्गों का प्राधान्य 'नव-लोकतंत्र' के रूप में निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?

(A) उपाश्रित स्कूल

(B) मार्क्सवादी स्कूल

(C) उत्तर-व्यवहारवादी स्कूल

(D) उत्तर-आधुनिक स्कूल

48. संगठन में संघर्ष समाधान के लिए मेरी पार्कर फॉलेट ने निम्नलिखित में से कौनसे मार्ग सुझाए हैं ?

1. आधिपत्य
2. समझौता
3. समर्पण
4. एकीकरण

दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए–

(A) 1, 2 और 3

(B) 1, 2 और 4

(C) 2, 3 और 4

(D) 1, 2, 3 और 4

49. एन.पी.टी. व सी.टी.बी.टी. के सम्बन्ध में निम्न वाक्यों में से कौनसा वाक्य सत्य है ?

(A) भारत ने एन.पी.टी. हस्ताक्षरित की परन्तु अनुमोदित नहीं की

(B) भारत ने सी.टी.बी.टी. हस्ताक्षरित की

(C) भारत ने एन.पी.टी. हस्ताक्षरित की

(D) भारत ने न ही एन.पी.टी. व सी.टी.बी.टी. हस्ताक्षरित की और न ही अनुमोदित की

50. भारत का सर्वोच्च न्यायालय किसके द्वारा संघ और राज्यों के मध्य विवादों को अधिनिर्णित करता है ?

(A) अपीलीय अधिकारिता

(B) प्रारम्भिक अधिकारिता

(C) सलाहकारी अधिकारिता

(D) लेख अधिकारिता

51. 27 मार्च, 2019 को भारत द्वारा उपग्रह-भेदी प्रक्षेपास्त्र परीक्षित किए जाने को माना गया ?

(A) मिशन अन्तरिक्ष

(B) मिशन भारत

(C) मिशन शक्ति

(D) मिशन ए-सैट

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

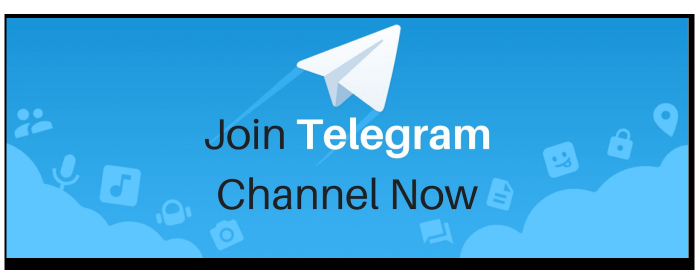

52. आसियान से भारत किस राजमार्ग को वियतनाम तक विस्तार करने की बातचीत कर रहा है ?
(A) भारत-म्यांमार-थाईलैंड
(B) भारत-म्यांमार-कोरिया
(C) भारत-म्यांमार-बांग्लादेश
(D) भारत-म्यांमार-चीन

Vikas Bhadu

53. एकमात्र जनजातीय नेता, जिन्हें भारतीय संसद के संग्रहालय में चित्रण द्वारा सम्मानित किया गया है–
(A) बिसोई (B) बिरसा मुंडा
(C) कान्हो (D) भागीजी नाईक

54. प्रसन्नता सूचकांक निम्नलिखित में से किस देश की सृजना है ?
(A) भूटान (B) नेपाल
(C) यू.के. (D) स्विट्जरलैंड

55. निम्नलिखित में से कौनसा स्वैच्छिक संगठनों एवं गैर-सरकारी संगठनों के मध्य अन्तर का आधार नहीं है ?
(A) लोकहितैषी
(B) सदस्यता
(C) निधियन
(D) पंथनिरपेक्षीय एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता

56. निम्नलिखित में से कौनसा हंस जे. मॉर्गेन्थाओ द्वारा लिखित पुस्तक का पूर्ण शीर्षक है ?
(A) पॉलिटिक्स अमंग नेशन्स
(B) पॉलिटिक्स विदिन नेशन्स
(C) पॉलिटिक्स अमंग नेशन्स : द स्ट्रगल फॉर पावर एण्ड पीस
(D) पॉलिटिक्स अमंग नेशन्स : द स्ट्रगल फॉर पीस एण्ड पावर

57. निम्नलिखित में से कौनसा असंगत युग्म है ?
(A) समाविष्ट घट : यू.एस.ए.
(B) कथन घट : इजराइल
(C) सलाद कटोरा : भारत
(D) फल कटोरा : यू.के.

58. इनमें से किसने यह पूर्वानुमान लगाया कि 20वीं शताब्दी में औद्योगिकीकरण की माँगों के अनुरूप नव सामाजिक व्यवस्थाओं की सुयोग्यतावश नौकरशाही अनुपयुक्त हो जायेगी ?
(A) वारेन बेन्निस (B) मैक्स वेबर
(C) पीटर ब्लाऊ (D) मार्टिन एल्ब्रो

59. किस केस में यह निर्णय दिया गया कि उद्देशिका संविधान का भाग नहीं है ?
(A) केशवानंद भारती केस
(B) मेनका गांधी केस
(C) विशाखा केस
(D) बेरुवारी केस

60. 'क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन' का अर्थ है ?
(A) धार्मिक संघर्ष पाठन की मुख्य धारा होगी
(B) पश्चिम की सांस्कृतिक व राज-नैतिक वंशागति की अस्वीकृति
(C) नैतिक मूल्यों पर घोर असहमति
(D) संघर्ष प्रमुख रूप से वैचारिक व धार्मिक न होकर, सांस्कृतिक चरित्र का होगा

61. 'jus in bello' पद का क्या अभिप्राय है ?
(A) युद्ध की ओर उचित प्रस्थान
(B) वैध बल का सीमित प्रयोग
(C) युद्ध का उचित संचालन
(D) उपर्युक्त सभी

62. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है.
अभिकथन (A) : राष्ट्र और राष्ट्रवाद को विविध प्रकार से परिभाषित एवं संकल्पित तो किया जा सकता है, किन्तु इन्हें समान सिद्धान्तीकरण द्वारा समानीकृत नहीं किया जा सकता.
तर्क (R) : राष्ट्र और राष्ट्रवाद पर विमर्श तो हो सकता है, किन्तु समान सिद्धान्त नहीं.
उपर्युक्त दोनों कथनों के आधार पर नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

63. 'अभिजन में परिसंचरण' निम्नलिखित में से किससे निकटता से सम्बन्धित है ?
(A) अभिजन का क्रमावर्तन
(B) अभिजन का प्रतिस्थापन
(C) अभिजन का प्रतिधारण
(D) अभिजन का पुनर्स्थापन

64. निम्नलिखित समितियों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. सतीश चंद्र समिति
2. होता समिति
3. कोठारी समिति
4. योगेन्द्र के. अलघ समिति
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) 3, 1, 4 और 2
(C) 2, 4, 1 और 3
(D) 4, 3, 1 और 2

65. निम्नलिखित विकास कार्यक्रमों को आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
2. इंदिरा आवास योजना
3. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना
4. अटल पेंशन योजना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 2, 1, 4 और 3
(B) 1, 2, 3 और 4
(C) 2, 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 4 और 3

66. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–
सूची-I (लेखक)
(a) ग्रेनविल ऑस्टिन
(b) मोरिस जोन्स
(c) एम. वी. पायली
(d) आइवर जैनिंग्स
सूची-II (पुस्तकें)
1. द गवर्नमेंट एंड पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया
2. सम करेक्टरेस्टिक्स ऑफ इंडियन कॉन्सटीट्यूशन
3. इ इंडियन कॉन्सटीट्यूशन : कॉर्नरस्टोन ऑफ ए नेशन
4. कॉन्स्टीट्यूशनल गवर्नमेंट इन इंडिया
दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	2	4	1	3
(C)	3	1	2	4
(D)	3	2	1	4

67. संविधान में निम्नलिखित में से कौनसी सेवा वर्णित नहीं है ?
(A) भारतीय प्रशासनिक सेवा (भा.प्र.से)
(B) भारतीय पुलिस सेवा (भा.पु.से.)
(C) भारतीय विदेश सेवा (भा.वि.से.)
(D) भारतीय न्यायिक सेवा (भा. न्या. से.)

68. स्टेशियोपॉली अध्ययन है–
(A) सांख्यिकी का
(B) चुनाव का
(C) राजनीतिक दल का
(D) आन्दोलन का

69. भारत में चुनाव आयोग द्वारा परिभाषित निम्नलिखित में से कौनसा राजनीतिक दल का वर्णित वर्ग नहीं है ?
(A) राष्ट्रीय दल
(B) राज्य दल

(C) क्षेत्रीय दल
(D) पंजीकृत (अमान्यता प्राप्त) दल

70. लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को लोकपाल का अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है, यदि वह–
1. भारत का मुख्य न्यायाधीश हो अथवा रह चुका हो
2. उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश हो अथवा रह चुका हो
3. प्रतिष्ठित व्यक्ति हो अथवा रह चुका हो
4. 10 वर्ष के अनुभव वाला प्रशासक हो अथवा रह चुका हो
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) 1, 2 और 4
(C) 1, 2 और 3
(D) 2, 3 और 4

71. सूचना के अधिकार द्वारा राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में निम्नलिखित में से किन विशिष्टताओं का प्रारम्भ किया गया ?
1. सावधानी
2. देख-रेख
3. सतर्कता
4. लाल-फीताशाही
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) 1, 2 और 3
(C) 2, 3 और 4
(D) 2 और 4

72. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है.
अभिकथन (A) : पर्यवेक्षक के पर्यवेक्षण के लिए व्यक्तियों की कोई आदर्श संख्या नहीं है.
तर्क (R) : कार्य, समय, स्थान और सत्ता प्रत्यायोजन जैसे कारकों की परिवर्तनीयता के कारण नियंत्रण का क्षेत्र परिवर्तित होता है.
उपर्युक्त दोनों कथनों के आधार पर नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

73. 'फ्लाइंग बीस' शब्दबंध निम्नलिखित में से किस संस्था से जुड़ा है ?
(A) आसियान
(B) सार्क
(C) शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन
(D) ब्रिक्स

74. 'हरित प्रदेश' की माँग निम्नलिखित में से भारत के किस क्षेत्र से सम्बन्धित है ?
(A) पश्चिमी उत्तर प्रदेश
(B) बुंदेलखंड
(C) उत्तरांचल
(D) विदर्भ

75. निम्नलिखित में से किसने लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन के मध्य अन्तर किया है ?
1. पॉल एपिलबी
2. एल. डी. ह्वाइट
3. हर्बर्ट साइमन
4. सर जोसिया स्टैम्प
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

76. भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में निम्नलिखित राजनीतिक दलों के प्रवेश आरोही क्रम को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए –
1. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना
2. तेलंगाना राष्ट्र समिति
3. अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस
4. राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी
सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) 3, 4, 2, और 1
(C) 3, 4, 1 और 2
(D) 4, 3, 2, और 1

77. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–
सूची-I (लेख)
(a) बन्दी प्रत्यक्षीकरण
(b) परमादेश
(c) उत्प्रेषण
(d) अधिकार पृच्छा
सूची-II (अर्थ)
1. आदेश देना
2. किस अधिकार से
3. अपने शरीर को प्रस्तुत करना
4. सूचित करना
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	1	4	2
(C)	3	4	1	2
(D)	2	1	3	4

78. निम्नलिखित में से वैज्ञानिक प्रबन्ध की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?
1. एकल प्रशासनिक विज्ञान जिसके सिद्धान्त न केवल व्यापार बल्कि सरकार, धर्म और अन्य संगठनों पर भी लागू होते हैं
2. कार्यात्मक फोरमैनशिप
3. योजना एवं क्रियान्वयन का पृथक्करण
4. विभेदात्मक खण्डशः कार्ययोजना
दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए–
(A) 2, 3 और 4
(B) 1, 2 और 4
(C) 1, 2, 3 और 4
(D) 2 और 4

79. इनमें से कौन नव लोक प्रशासन के कथ्यों को पाँच मदों के अन्तर्गत संक्षेपित करते हैं–प्रासंगिकता, मूल्य, सामाजिक क्षमता, परिवर्तन और ग्राहक-केन्द्रित ?
(A) फ्रैंक मेरीनी
(B) डी. वाल्डो
(C) एफ. डब्ल्यू. टेलर
(D) एम. पी. फॉलेट

80. ब्रेग्जिट के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
(A) ब्रेग्जिट का तात्पर्य है यू. के. का यूरोपियन यूनियन को छोड़ना
(B) यूरोपियन यूनियन से सम्बन्ध ने यू. के. में भारी आर्थिक भार व बेरोजगारी को जन्म दिया है
(C) ब्रेग्जिट वाद-विषय ने पी. एम. डेविड कैमरून को त्यागपत्र के लिए बाध्य किया
(D) ब्रेग्जिट के पक्ष में मुख्यतया युवा मतदाता ने अपना वोट दिया

81. निम्नलिखित में से कौनसे आयोग सांविधिक निकाय हैं ?
1. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
2. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
3. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग
4. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1 और 2 (B) 2, 3 और 4
(C) 1 और 4 (D) 2 और 3

Vikas Bhadu

82. शब्द बंध 'ए.बी.सी.डी.' निम्नलिखित में से मुख्यतः किससे सम्बन्धित है ?
(A) राज्यों का निर्माण
(B) राज्यों का पुनर्गठन
(C) राज्यों का विकेन्द्रीकरण
(D) राज्यों का संस्थाकरण

83. संस्थावाद तथा नव-संस्थावाद के मध्य मौलिक अंतर को मुख्यतः किस सिद्धान्त पर आधारित किया जा सकता है ?
(A) निगमनात्मक (B) आगमनात्मक
(C) प्रयोगात्मक (D) अनुवेषणात्मक

84. निम्नलिखित में कौनसी नियुक्तियाँ भारत के राष्ट्रपति द्वारा वारंट, उनके हस्ताक्षर एवं मुहर सहित की जाती हैं ?
1. भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
2. राज्य के राज्यपाल
3. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष
4. भारत के महान्यायवादी
नीचे दिए गए कूट के सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4 (B) 1, 2 और 3
(C) 1, 2 और 4 (D) 1 और 2

85. निम्नलिखित में से विकास पर भ्रष्टाचार के नकारात्मक प्रभाव कौन-कौन से हैं ?
1. निम्नस्तरीय सामाजिक सेवाएँ
2. निम्न आर्थिक वृद्धि
3. उच्च कर बोझ और सीमित सेवाएँ
4. कृषकों को उनके उत्पादन की बिक्री के कम अवसर
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 4
(C) 2, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

86. भारत की पश्चिम दृश्य (Look West) नीति भारत के सम्बन्धों की किसके साथ व्यापकता व विस्तार का पक्ष-पोषण करती है ?
(A) पश्चिमी देश
(B) यूरोपियन यूनियन
(C) पश्चिमी एशियाई देश
(D) अफ्रीका व दक्षिण अमरीका

87. भारत में कौनसा सबसे बड़ा जी-20 निवेशक देश है ?
(A) जापान (B) अमरीका
(C) यू. के. (D) ब्राजील

88. निम्नलिखित में से कौनसे कर संघ द्वारा उद्ग्रहित किए जाते हैं, किन्तु राज्यों द्वारा संग्रहित एवं विनियोजित होते हैं ?
1. स्टाम्प ड्यूटी
2. औषधीय एवं प्रसाधन सामग्रियों पर उत्पाद शुल्क
3. बिक्री कर
4. भू राजस्व
दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) 1, 2 और 3
(D) केवल 3 और 4

89. निम्नलिखित में से किस भारतीय परम्परा को हाल ही में 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' घोषित किया गया ?
(A) कुंभ (B) योग
(C) नौराज (D) बीहू

90. आंतरिक सम्प्रेषण हो सकता है–
(A) केवल ऊर्ध्वगामी
(B) केवल अधोगामी
(C) केवल ऊर्ध्वगामी व अधोगामी
(D) ऊर्ध्वगामी, अधोगामी एवं आर-पार

91. निम्नलिखित में से कौनसा हिंसात्मक गैर-राज्य अभिकर्ता नहीं है ?
(A) आइ. एस. आइ. एस.
(B) बोकोहरम
(C) पी. एल. ओ.
(D) हेजोबोलाह

92. 2017 में संयुक्त राष्ट्र की निम्नलिखित में से किस कार्यकारी मण्डल पर भारत को पुनर्निर्वाचित किया गया ?
(A) यूनेस्को
(B) यू. एन. डी. पी.
(C) यूनीसेफ
(D) यू. एन. ए. आइ. डी.

93. भारत ने किस देश के साथ सुखोई सू-30 एम.के.आई. लड़ाकू विमान बेड़े के लिए दीर्घावधि समझौता हस्ताक्षरित किया है ?
(A) अमरीका (B) जापान
(C) इजराइल (D) रूस

94. किसने कहा, "जब कूटनीति का अन्त होता है, तो युद्ध आरम्भ होता है ?"
(A) अडोल्फ हिटलर
(B) नेपोलियन बोनापार्ट
(C) हंस मॉर्गेन्थाओ
(D) माओत्से तुंग

95. भारत व यूरोपियन यूनियन ने व्यापार सम्बन्धों को प्रोत्साहित करने के लिए किस क्रियाविधि को स्थापित किया ?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय सुसाधन क्रियाविधि
(B) निवेश सुसाधन क्रियाविधि
(C) वैश्विक सुसाधन क्रियाविधि
(D) ई.यू.-भारत सुसाधन क्रियाविधि

96. सैमुएल पी हंटिंग्टन के 'लोकतंत्रीकरण की लहर' विश्लेषण में भारत कहाँ स्थित है ?
(A) प्रथम लहर (B) द्वितीय लहर
(C) तृतीय लहर (D) चतुर्थ लहर

97. क्रान्ति की 'ज्वर' से किसने तुलना की?
(A) थेडा स्कॉकपॉल
(B) बैरिंग्टन मूर
(C) क्रेन ब्रिंटन
(D) फ्रांसिन आए फ्रैंकल

98. 'द इंटेलेक्चुअल क्राइसिस इन अमरीकन पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन' पुस्तक किससे सम्बन्धित है ?
(A) लोक चयन उपागम
(B) नव लोक प्रशासन
(C) पारिस्थितिकी उपागम
(D) निर्णय-निर्माण उपागम

99. नीति आयोग है–
(A) एक स्टाफ अभिकरण
(B) एक सूत्र (लाइन) अभिकरण
(C) एक सहायक अभिकरण
(D) न तो स्टाफ और न ही सूत्र (लाइन) अभिकरण

100. निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का नोडल मंत्रालय है ?
(A) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(B) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
(C) गृह मंत्रालय
(D) कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय

उत्तरमाला

1. (D)	2. (A)	3. (B)	4. (C)	5. (A)
6. (D)	7. (D)	8. (A)	9. (D)	10. (D)
11. (A)	12. (A)	13. (C)	14. (B)	15. (B)
16. (A)	17. (C)	18. (A)	19. (B)	20. (B)
21. (D)	22. (A)	23. (A)	24. (D)	25. (A)
26. (C)	27. (A)	28. (D)	29. (C)	30. (D)
31. (A)	32. (B)	33. (D)	34. (C)	35. (D)
36. (B)	37. (C)	38. (A)	39. (D)	40. (A)
41. (B)	42. (B)	43. (B)	44. (A)	45. (A)
46. (C)	47. (A)	48. (B)	49. (D)	50. (B)
51. (C)	52. (A)	53. (B)	54. (A)	55. (D)
56. (C)	57. (D)	58. (A)	59. (D)	60. (D)
61. (C)	62. (A)	63. (A)	64. (B)	65. (A)
66. (A)	67. (*)	68. (C)	69. (C)	70. (C)
71. (B)	72. (A)	73. (A)	74. (A)	75. (C)
76. (B)	77. (B)	78. (A)	79. (A)	80. (D)
81. (D)	82. (A)	83. (C)	84. (D)	85. (D)
86. (C)	87. (C)	88. (A)	89. (A)	90. (D)
91. (C)	92. (A)	93. (D)	94. (A)	95. (B)
96. (B)	97. (C)	98. (A)	99. (A)	100. (C)

* Bonus mark.

Vikas Bhadu

गृह विज्ञान

Vikas Bhadu

1. प्रारम्भिक बाल्यकाल ………… आयु के नाम से भी जाना जाता है.
(A) जन्म-पूर्व
(B) गैंग-पूर्व
(C) यौवन
(D) परिपक्वता-पूर्व

2. ………… रोग प्रतिरोधकता जिसमें एक टीका दिए जाने के कारण या संक्रमण के परिणाम के रूप में अधिग्रहित किया जाता है.
(A) प्राकृतिक (B) सक्रिय
(C) निष्क्रिय (D) अधिग्रहित

3. संप्रेषण का पूर्व कथन रूप है–
(A) बलबलाना
(B) हाव-भाव
(C) भावनात्मक अभिव्यक्तियाँ
(D) उपर्युक्त सभी

4. राइबोफ्लेविन को पहले कहते थे–
(A) विटामिन B_1 (B) विटामिन B_6
(C) विटामिन B_{12} (D) विटामिन B_2

5. गुर्दा के सही कार्य न करने के कारण जल का अवरोधन ……… में परिणत हो जाता है.
(A) पसीना (B) भूख
(C) शोथ (D) प्यास

6. ………… प्राकृतिक बहुलक है.
(A) विटामिन (B) खनिज
(C) वसा (D) प्रोटीन

7. …………… में स्टार्च कणों के रूप में अनाज भोजन का मुख्य भण्डार होता है.
(A) भ्रूण (B) भ्रूणपोष
(C) एलेवरॉन (D) स्क्यूटेलम

8. बिटोट स्पॉट …………… विटामिन की कमी है.
(A) A (B) D
(C) E (D) K

9. ………… रक्त का थक्का जमने के लिए आवश्यक है.
(A) विटामिन ए (B) विटामिन के
(C) विटामिन सी (D) विटामिन डी

10. दूध का खमीरी उत्पाद है–
(A) घी (B) पनीर
(C) बटर (D) खोआ

11. बिस्तर बनाना ………… ऊर्जा वाला कार्य है.
(A) हल्की (B) मध्यम
(C) भारी (D) अत्यन्त भारी

12. जब रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, तो हमें …………… हो जाता है.
(A) बुखार (B) सिरदर्द
(C) चेचक (D) अनीमिया

13. स्टार्च साधारण रूप में …………… टूटता है.
(A) मुख (B) छोटी आँत
(C) आमाशय (D) बड़ी आँत

14. 'पार्कर' के अनुसार, आराम मानव व्यवहार का प्रेरणा मूल्य है.
(A) सत्य (B) असत्य
(C) सम्बन्धित नहीं (D) विवादित

15. निर्णय लेने में तीन चरण ………… द्वारा दिए गए.
(A) ओगेल (B) जॉन डेवे
(C) स्वामीनाथन (D) श्रीलक्ष्मी

16. ………… एक संसाधन है, जो हम सब साझा करते हैं, हालांकि यह वो है जिसके प्रति हम सामान्यतः लापरवाह रहते हैं.
(A) धन (B) समय
(C) ऊर्जा (D) जल

17. परिचालन चार्ट एक कार्य को करने में प्रयुक्त विधि का चरण दर वर्णन है.
(A) सत्य (B) असत्य
(C) सम्बन्धित नहीं (D) विवादित

18. ………… आय संतोष का वह प्रवाह है, जो प्रतिदिन के अनुभवों से उत्पन्न होता है.
(A) आत्मिक (B) धन
(C) वास्तविक (D) गुणवत्ता

19. ………… आवश्यक रूप से उपलब्ध अवसरों पर आधारित कार्य योजना का निरूपण है.
(A) आयोजना (B) स्वीकार करना
(C) कार्य करना (D) चुनना

20. …………… मानक बृहद् स्तर पर समुदाय द्वारा स्वीकृत नहीं है.
(A) परम्परागत
(B) (A) और (D) दोनों
(C) न तो (A) न ही (D)
(D) परिवर्तनशील

21. एक बालक की शिक्षा ………… निर्णयों का उदाहरण है.
(A) परिणाम (B) समूह
(C) व्यक्ति (D) तकनीकी

22. "कार्य के सरलीकरण को कार्य करने की साधारणतम, सरलतम और शीघ्रतम विधि को सचेत होकर ढूँढ़ने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है." यह किसने कहा ?
(A) निकेल एंड डॉर्सी
(B) ग्रोस एंड क्रैंडल
(C) वर्गीज, ओगेल
(D) एलिजाबेथ हरलॉक

23. तीन मुख्य शरीर भारों को सीधी रेखा में लेना–यह सिद्धान्त ………… पर लागू होता है.
(A) शरीर की स्थिति में परिवर्तन
(B) उत्पादन क्रम में परिवर्तन
(C) तैयार उत्पाद में परिवर्तन
(D) कच्चे पदार्थ में परिवर्तन

24. माली की सेवा मजदूरी है जबकि बैंक मैनेजर की सेवा है–
(A) पुरस्कार (B) ऋण
(C) वेतन (D) बोनस

25. महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को ……… योजना में नजरअंदाज किया जा सकता है.
(A) मानसिक
(B) लिखित
(C) अर्ध-लिखित
(D) इनमें से कोई नहीं

26. …………… के अनुसार मनुष्य का आवास बाह्य तत्वों से सुरक्षा से अधिक बहुत कुछ होता है.
(A) ग्रोस एंड क्रैंडल
(B) बेयर
(C) अगन टेसीक
(D) नीरू गर्ग

27. ………… बल्ब टेबल लैंप में प्रयुक्त होते हैं.
(A) तापदीप्ति (B) प्रतिदीप्ति
(C) ट्यूब (D) मेज

28. ………… रंग का नाम दर्शाता है.
(A) प्रकाश (B) वर्ण
(C) मान (D) गहराई

29. "फूलों की व्यवस्था का उद्देश्य चारों ओर खुशी जीवन और सौंदर्य भरना है." यह किसने कहा ?
(A) ए.एच. रट (B) रहीना बेगम
(C) श्रीलक्ष्मी (D) सुमती मुदाम्बी

30. बुफे के लिए मेनू इस प्रकार होनी चाहिए कि मेहमान उसे ………… से खा सके.
(A) साधारण रूप (B) सरलता
(C) कठिनाई (D) महत्वाकांक्षा

31. आठवें हफ्ते से जन्म तक भ्रूण ………… कहलाता है.
(A) फीटस (B) भ्रूण
(C) युग्मनज (D) अंड

32. शरीर में कार्य पर भोजन का अध्ययन के रूप में परिभाषित है.
(A) विज्ञान (B) खाद्य विज्ञान
(C) पथ्य (D) पोषण

33. मानव दूध के 100 मिली में ……… ग्राम प्रोटीन होता है.
(A) 1·1 (B) 1·2
(C) 1·3 (D) 1·4

34. अनियमित बोवेल रिक्त होना या रिक्त न होना ………… कहलाता है.
(A) डायरिया
(B) पेचिश
(C) कब्ज
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. विशिष्ट पदार्थ के प्रति ऊतकों की प्रतिक्रिया ………… कहलाती है.
(A) एक्जिमा (B) एलर्जी
(C) फिट्स (D) टिटेनस

36. ………… एक बच्चे का शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक क्षमता को विकसित करता है.
(A) खेलना (B) खाना
(C) चिल्लाना (D) अनुपूरक लेना

37. कश्मीर इम्ब्रॉयडरी को ……… कहते हैं.
(A) हेरींगबोन (B) पश्मिना
(C) फैरिडा (D) कसीदा

38. सामाजिक व्यवहार जन्म के समय शुरू होता है.
(A) सत्य (B) असत्य
(C) सम्बन्धित नहीं (D) विवादित

39. ईर्ष्या एक …………… भावना है.
(A) जन्मजात (B) अतिरिक्त
(C) सकारात्मक (D) नकारात्मक

40. ……… भोजनजन्य रोगों के कारणों में से एक है.
(A) सूक्ष्मजीवों से दूषित होना
(B) ऊष्मायन
(C) शोथ
(D) पेचिश

41. म्यूकर, एस्परजीलस और इरगॉट जैसे कवक ……… और ……… के सामान्य दूषक हैं.
(A) सूअर और गाय का माँस
(B) फीताकृमि और वलयकृमि
(C) जीवाणु और विषाणु
(D) डबलरोटी और अनाज

42. ऊन अपनी लगभग ……… मजबूती खो देती है, जब गीली होती है.
(A) 20% (B) 50%
(C) 30% (D) 40%

43. रेशे बाल के जलने की बदबू देते हैं.
(A) फ्लैक्स (B) प्रोटीन
(C) नायलॉन (D) रेयॉन

44. धागों का झुण्ड, लम्बाई में 840 यार्डस् ………… के रूप में जाना जाता है.
(A) हैंक (B) पाउंड
(C) नम्बर वन (D) काउंट टू

45. सूत से बुना प्लेन रेशा है–
(A) शिफॉन (B) क्रीप
(C) कैलिको (D) जॉर्जेट

46. संदर्भित भोजन के साथ तुलना में पोस्ट प्रैंडियल रक्त ग्लूकोज प्रतिक्रिया पर आधारित भोजन का श्रेणीकरण ………… अभिसूचक कहलाता है.
(A) फल (B) वनस्पति
(C) दुग्ध (D) ग्लायसेमिक

47. ………… के उत्तरजीवियों को मदद प्रदान करने के लिए 1945 में को-ऑपरेटिव्ह अमेरिकन रिलीफ एव्हरी-व्हेयर (CARE) की स्थापना की गई.
(A) पहला विश्वयुद्ध
(B) शीत युद्ध
(C) दूसरा विश्वयुद्ध
(D) कारगिल युद्ध

48. ……… चरण में सूत कताई के लिए तैयार होता है.
(A) कार्डिंग (B) बलिंग
(C) स्लिवरिंग (D) कॉम्बिंग

49. इंटरलॉक हो जाने की ऊनी रेशों की विशेषता ………… कहलाती है.
(A) फेल्टिंग (B) संरचना
(C) सिकुड़ना (D) केराटिन

50. ढाका मस्लिन बुने हुए पैटर्न के साथ ……… के नाम से जाने जाते हैं.
(A) जामदानी (B) चंदेरी
(C) बलूचर (D) बुटीयाँ

51. ……… चिकनकारी कला का उद्भव केन्द्र है.
(A) दिल्ली (B) मुम्बई
(C) गोवा (D) लखनऊ

52. बाल अध्ययन में अनुसंधान में सूचना एकत्रित करने के लिए प्रश्नावली पड़ताल प्रपत्रों में से एक है.
(A) सत्य (B) असत्य
(C) सम्बन्धित नहीं (D) विवादित

53. ………… नाम बर्ताव (आचरण) को दिया गया है, जो जब दोहराया जाता है, तो स्वचालित हो जाता है.
(A) कार्यसूची (B) जिद
(C) गति (D) आदत

54. प्रत्येक गुर्दा एक लाख कार्यात्मक इकाईयों से बनी होती है, जो ………… कहलाती है.
(A) न्यूट्रॉन (B) नेफ्रॉन
(C) अम्ल (D) औषधियाँ

55. डायलिसिस एक प्रक्रिया है, जो ………… के कुछ सामान्य कार्यों को प्रतिस्थापित कर सकती है.
(A) नयन (B) फेफड़े
(C) हृदय (D) गुर्दा

56. रेबीज को ………… भी कहते हैं.
(A) अतिभय (B) जलभय
(C) वायुभय (D) संवृतिभीति

57. गर्भावस्था के प्रथम तीन माह ………… ट्राइमेस्टर कहलाते हैं.
(A) प्रथम (B) आरम्भिक
(C) तृतीय (D) अंतिम

58. ………… आरम्भिक बाल्यकाल देख-भाल और विकास के लिए विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक अद्भुत सीमा से परे कार्यक्रमों में से एक है.
(A) एन.आई.एन.
(B) आई.सी.एम.आर.
(C) आई.सी.डी.एस.
(D) डब्ल्यू.एच.ओ.

59. शिक्षा का अर्थ यह नहीं कि लोगों को वह बताया जाए जो वे नहीं जानते. शिक्षा का अर्थ है उन्हें उस तरह व्यवहार करना सिखाना जिस तरह वे नहीं करते–ये किसने कहा ?
(A) केल्से एल.डी.
(B) पी.आर.आर. सिन्हा
(C) जॉन डेवे
(D) रस्किन

60. …………छोटे समूह चर्चाओं का एक प्रकार है, जो किसी सीमा के बिना विचारों के मुक्त परिचय को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है.
(A) बज सत्र (B) मस्तिष्क मंथन
(C) सेमिनार (D) सम्मेलन

61. ………… एक सैंडपेपर के फ्लैनल फेल्ट के टुकड़ों के साथ एक दृश्य शिक्षण है.
(A) चॉकबोर्ड (B) फ्लैनल ग्राफ
(C) फोटोग्राफ (D) चित्रकला

Vikas Bhadu

62. वे समूह जिनमें सदस्यता रोल रहता है या कार्यालय वाहक चुनने के लिए कुछ प्रतिक्रियाएँ होती हैं, ………… समूहों के नाम से जाना जाता है.
(A) अनौपचारिक
(B) औपचारिक
(C) स्थानीय
(D) संरचनात्मक

Vikas Bhadu

63. बड़ी आकृति के डिजाइन से बचे, यदि आप ………… हैं.
(A) कमजोर (B) दुबले
(C) पतले (D) स्थूल काय

64. प्रतिजैवी ………… भी कहलाते हैं.
(A) विषैला
(B) वसा
(C) इम्यूनोग्लोहाइब्यूलिन्स्
(D) कार्बोहाइड्रेट

65. भ्रूण में पहले नितंब आना, उसके बाद टाँगें और बाँहें और अन्त में सिर आना. यह स्थिति है–
(A) ब्रीच जन्म
(B) उपकरण जन्म
(C) प्राकृतिक जन्म
(D) तुरन्त जन्म

66. विरामावस्था में शरीर द्वारा वांछित ऊर्जा की मात्रा है–
(A) आधारभूत उपापचय
(B) कैलोरी
(C) जूल
(D) कैलोरीमेट्री

67. स्थूलखाद्य बड़ी आँत की गति को उद्दीप्त करने में एक उपयोगी भूमिका निभाते हैं.
(A) सत्य (B) असत्य
(C) विवादित (D) सम्बन्धित नहीं

68. अमीनो अम्ल जिनका संश्लेषण शरीर नहीं कर सकता, वे ……… अमीनो अम्ल कहलाते हैं.
(A) गैर-आवश्यक (B) आवश्यक
(C) आंशिक (D) साधारण

69. ………… घरेलू शर्करा के लिए वैज्ञानिक नाम है.
(A) लैक्टोज (B) माल्टोज
(C) सुक्रोज (D) डेक्स्ट्रोज

70. ………… के पर्याप्त अनुपात वाला भोजन "आपके साथ" ज्यादा देर टिकता है.
(A) वसा (B) प्रोटीन
(C) जल (D) कार्बोहाइड्रेट

71. पेल्लाग्रा ………… की कमी है.
(A) थायमीन (B) आयोडीन
(C) नायसीन (D) राइबोफ्लेविन

72. हीमोग्लोबिन बनाने के लिए ……… की आवश्यकता है.
(A) कैल्सियम (B) प्रोटीन
(C) वसा (D) लोहा

73. ………… फलों और सब्जियों को उबलते जल या भाप में कुछ देर गर्म करने की विधि है.
(A) बॉटलिंग (B) कवरिंग
(C) ब्लीचिंग (D) फ्रीजिंग

74. भारतीय बहुउद्देशीय भोजन को ………… द्वारा तैयार और विपणन किया जाता है.
(A) सी.एफ.टी.आर.आई.
(B) एन.आय.एन.
(C) डब्ल्यू.एच.ओ.
(D) यूनिसेफ

75. खाद्य मिलावट की रोकथाम अधिनियम वर्ष ………… में पारित किया गया.
(A) 1951 (B) 1952
(C) 1953 (D) 1954

76. ……… जीवन को अर्थ देता है.
(A) लक्ष्य (B) मूल्य
(C) मानक (D) धन

77. दीर्घावधिक लक्ष्य सम्भाव्यत: ……… समझे जाते हैं.
(A) स्थायी
(B) अस्थायी
(C) लचीला
(D) इनमें से कोई नहीं

78. कॉफी बनाना ………… निर्णय का एक उदाहरण है.
(A) आदतन (B) तुरन्त
(C) चेतन (D) आपाती

79. ………… प्रयास वह है जहाँ हमारी आँखें हमारे शरीर की गति को निर्देशित करती हैं.
(A) मानसिक (B) पेडल
(C) दृश्य (D) टॉर्सल

80. कार्य सरलीकरण ………… कार्य विधियाँ दर्शाते हैं.
(A) अच्छी (B) बेहतर
(C) सर्वोत्तम (D) सबसे खराब

81. ………… प्रबंधन निर्णयों, पारिवारिक संसाधनों के प्रयोग की प्रक्रिया बनाने की एक शृंखला का बना है.
(A) परिवार (B) घर
(C) पर्यावरण (D) कौशल

82. ……… योजना को कार्यान्वित करना है.
(A) आयोजना (B) नियंत्रण
(C) मूल्यांकन (D) ऊर्जित करना

83. समस्या को परिभाषित करना निर्णय निर्माण प्रक्रिया में ………… चरण है.
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा

84. कौनसा मानवीय और गैर मानवीय संसाधन दोनों का उदाहरण है ?
(A) ऊर्जा (B) कौशल
(C) क्षमता (D) रुचि

85. ………… प्रबंधन का अर्थ है प्रबंधन समस्याओं में विज्ञान का अनुप्रयोग.
(A) समस्या (B) हल
(C) वैज्ञानिक (D) कलात्मक

86. ………… कार्य निष्पादन पर व्यावहारिक प्रयोग में संयुक्त परिचित ज्ञान के रूप में परिभाषित किया जाता है.
(A) अनाड़ीपन (B) कौशल
(C) अक्षमता (D) बेवकूफी

87. ……… अर्जन आनंद अर्जन के रूप में सन्दर्भित है.
(A) धन (B) वास्तविक
(C) आत्मिक (D) सामान

88. ……… वृद्धावस्था में आर्थिक असुरक्षा को घटाता है.
(A) मजदूरी (B) वेतन
(C) सेवाएँ (D) बचत

89. ………… का अर्थ है, एक घर के आंतरिक भाग को ताजा करने के लिए दूषित वायु को बाहर निकालकर शुद्ध वायु परिसंचरित करना.
(A) आस्पेक्ट
(B) वायु का अवागमन
(C) सम्भावना
(D) म्यूरम

90. ………… रेखाओं, रूपों, रंगों और संरचनाओं की व्यवस्था से सन्दर्भित है.
(A) रूप (B) आकृति
(C) सामंजस्य (D) डिजाइन

91. डिजाइन सिद्धान्त ………… सम्बन्ध के नियम से सन्दर्भित है.
(A) समानुपात (B) सन्तुलन
(C) लय (D) जोर

92. गद्दायुक्त पृष्ठ वाले फर्नीचर को ………… कहते हैं.
(A) ड्रावर
(B) मेज
(C) कुर्सी
(D) अपहोल्स्टेरिंग

93. ………… पदार्थ की स्पर्शनीय पृष्ठ गुणवत्ता है.
(A) संरचना (B) भ्रम
(C) प्रभाव (D) वस्तु

94. यदि एक Rh धनात्मक व्यक्ति एक Rh ऋणात्मक औरत से विवाह करता है, तो परिणाम ………… भ्रूण होगा.
(A) धनात्मक (B) ऋणात्मक
(C) मृत प्रसव (D) परिपक्व पूर्व

95. ………… को गरीब आदमी का दूध कहा जाता है.
(A) रागी (B) गेहूँ
(C) ज्वार (D) बाजरा

Vikas Bhadu

96. ……… शिशुओं की सामान्य दुग्धपान समस्याएँ हैं.
(A) कब्ज (B) डायरिया
(C) एलर्जी (D) ये सभी

97. शक्कर और नमक के साथ जल की थोड़ी मात्रा ………… के दौरान दी जा सकती है.
(A) उल्टी (B) सामान्य जुकाम
(C) कॉलिक (D) टॉन्सिल

98. ………… विकास का अर्थ है, शरीर की गतियों पर नियंत्रण में प्रगति.
(A) तीव्र (B) धीमी
(C) प्रेरण (D) औसत

99. नाखून काटना और अँगूठा चूसना ………… की आयु तक नजरअंदाज किया जा सकता है.
(A) 6 (B) 5
(C) 4 (D) 3

100. साबुन बनाने के लिए ………… प्रयुक्त होता है.
(A) बेसन (B) चावल
(C) ज्वार (D) बाजरा

101. ………… छोटे बच्चों के लिए एक डर बढ़ाने वाला उद्दीपक है.
(A) वार्तालाप (B) सोच
(C) एकाकीपन (D) दयालुता

102. ………… भोजन में प्रोटीन और कैलोरी की गम्भीर कमी के कारण होता है.
(A) मरास्मस (B) स्कर्वी
(C) बेरी बेरी (D) घेंघा

103. भोजन संक्रमण भोजन में उपस्थित रोग जनक जीवाणुओं, रोगाणुओं को खा लेना है.
(A) असत्य
(B) सत्य
(C) सम्बन्धित नहीं
(D) सन्देहास्पद

104. एस्बेस्टॉस ………… रेशा है.
(A) खनिज
(B) प्राकृतिक
(C) थर्मोप्लास्टिक
(D) नॉन-थर्मोप्लास्टिक

105. सब्जियों के रेशे छूने में ………… होते हैं.
(A) ठण्डे (B) निर्जीव
(C) चमकदार (D) गर्म

106. जंगली रेशम सूक्ष्मदर्शी के नीचे संवर्धित रेशम से भिन्न दिखता है.
(A) सत्य
(B) असत्य
(C) सम्बन्धित नहीं
(D) विवादित

107. इंटरलैसिंग धागों के तानों-बानों में अपनाए गए प्रणाली या डिजाइन के अनुसार ………… का नाम रखा जाता है.
(A) धागे (B) रेशे
(C) वस्त्र (D) बुनाई

108. पौधों का प्रमुख भण्डारण पॉलि-सॅकॅराइड है–
(A) स्टार्च (B) शक्कर
(C) कार्बोहाइड्रेट (D) वसा

109. पोषक तत्वों के दिए गए मात्रा के ऑक्सीजन के लिए उत्पादित कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा प्रयुक्त ऑक्सीजन की मात्रा के अनुपात को ……… लब्धि के रूप में परिभाषित किया जाता है.
(A) बुद्धि (B) श्वसन
(C) परिसंचरण (D) मूत्रीय

110. ………… शब्द रेशम और ऊन की भराई के लिए प्रयुक्त होता है.
(A) नैपिंग (B) वेटिङ्ग
(C) मोइरिंग (D) ग्लेजिंग

111. फ्लैक्स के पौधे के लिए ………… प्राप्त करने के लिए रिपलिंग की जाती है.
(A) बीज (B) तने
(C) पौधा (D) लिनेन

112. ………… ऊष्मा का कुचालक है.
(A) सूत (B) रेशम
(C) लिनेन (D) रेयॉन

113. पटोला साड़ियाँ ………… द्वारा उत्पादित की जाती हैं.
(A) पैठनी (B) टाई-डाइंग
(C) हिमरस (D) ब्लॉक डाइंग

114. सर्फ एक ……… है.
(A) डिटर्जेंट
(B) साबुन
(C) कास्टिक सोडा
(D) वसा

115. प्रेम और स्नेह की आवश्यकता ………… आवश्यकता है.
(A) जैविक
(B) अहंमानी
(C) मनो-सामाजिक
(D) संवेदी

116. ………… बालक को पहला ढालने वाला (मोल्डर) है.
(A) सोशल मीडिया
(B) जल
(C) परिवार
(D) रेत

117. गुर्दा एक ………… स्रावित करती है, जिसे रीनल एरिथ्रोपोटिक कारक कहते हैं.
(A) एंजाइम (B) रसायन
(C) अम्ल (D) हॉर्मोन

118. साल्मोनेला भोजन विषाक्तता एक जीवाण्विक भोजन विषाक्तता है.
(A) सत्य
(B) असत्य
(C) सम्बन्धित नहीं
(D) विवादित

119. प्रकार 2 डायबिटिज मेलिटस ……… कहलाती है.
(A) इंसुलिन आधारित डायबिटिस मेलिटस
(B) गैर-इंसुलिन आधारित डायबिटिस मेलिटस
(C) कुपोषण सम्बन्धी डायबिटिस मेलिटस
(D) गर्भावस्था की डायबिटिस मेलिटस

120. प्रसव के बाद की अवधि ………… और दुग्धपान है.
(A) प्री-पार्टम (B) पोस्ट-पार्टम
(C) प्रसव (D) परिपक्वता

121. विस्तारण शिक्षा में प्रतिभागिता ………… है, जबकि विद्यालय उपस्थिति ………… है.
(A) आवश्यक, ऐच्छिक
(B) ऐच्छिक, आवश्यक
(C) केवल, आवश्यक
(D) केवल ऐच्छिक

122. आयोजनाबद्ध भागीदारी के कारण अभिवृत्तियों के परिवर्तन के लिए उदाहरण है–
(A) साझेदारी और निर्णय निर्माण
(B) आयु में परिवर्तन
(C) लम्बी बीमारी
(D) प्राधिकार की स्थिति

123. ………… यंत्र एक उपकरणीय या सम्प्रेषण यंत्र है जिसमें संदेश देखा जा सकता है पर सुना नहीं जा सकता.
(A) श्रव्य
(B) दृश्य

(C) श्रव्य और दृश्य दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

124. ········· वह व्यक्ति जो परिचालन में सम्प्रेषण की प्रक्रिया आरम्भ करता है.
(A) पर्यवेक्षक (B) आयोजक
(C) श्रोता (D) सम्प्रेषक

125. ········· नेता इस प्रकार परिचालन करता है जैसे वह लोगों पर भरोसा नहीं कर सकता है.
(A) लोकतांत्रिक (B) लैसेज फेयर
(C) तानाशाही (D) सामान्य

Vikas Bhadu

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) 2. (D) 3. (D)
4. (C) राइबोफ्लेबिन जीवित ऊतक का एक बुनियादी घटक है और प्रोटीन चयापचय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. Riboflavin भी आँख की रेटिना वर्णक का एक घटक है और अनुकूलन की प्रक्रिया में प्रकाश में भाग लेता है.
5. (C) 6. (D)
7. (B)कुछ पौधों के बीजों में खाद्य संग्रह के लिए विशेष प्रकार की रचना पाई जाती है जिन्हें भ्रूणपोष कहते हैं.
8. (A) 9. (B) 10. (B) 11. (C)
12. (D) रक्ताल्पता का साधारण मतलब रक्त की कमी है. यह लाल रक्त कोशिका में पाए जाने वाले एक पदार्थ (कण) रुधिर वर्णिका यानि हीमोग्लोबिन की संख्या में कमी आने से होती है.
13. (B) 14. (A) 15. (B) 16. (B)
17. (B) 18. (A) 19. (A) 20. (D)
21. (C) 22. (A) 23. (A) 24. (C)
25. (A) 26. (B)
27. (A) तापदीप्ति लैम्प या इन्कैंडिसेंट लैम्प को बोलचाल में बल्ब कहते हैं. यह तापदीप्ति के द्वारा प्रकाश उत्पन्न करता है. गरम होने के कारण प्रकाश का उत्सर्जन, तापदीप्ति कहलाता है. इसमें एक पतला फिलामेन्ट होता है जिसमें होकर जब धारा बहती है तब यह गरम होकर प्रकाश देने लगता है.
28. (B) 29. (A) 30. (B) 31. (A)
32. (D) 33. (B)
34. (C) कब्ज पाचन तंत्र की उस स्थिति को कहते हैं जिसमें मल बहुत कड़ा हो जाता है तथा मलत्याग में कठिनाई होती है. कब्ज आमाशय की स्वाभाविक परिवर्तन की वह अवस्था है जिसमें मल निष्कासन की मात्रा कम हो जाती है.
35. (B) एलर्जी रोग-प्रतिरोधी तन्त्र का एक व्याधि है जिसे एटोपी भी कहते हैं.
36. (A) 37. (D) 38. (B) 39. (D)
40. (A) 41. (D) 42. (D) 43. (B)
44. (A)
45. (C) मूलतः कालीकट नाम पर वहाँ से इंग्लैंड जाने वाले सूती वस्त्र को कैलिको कहते थे. कैलिको के अन्तर्गत महीन से महीन मलमल से लेकर मोटे से मोटे मारकीन तक सम्मिलित हैं. साधारणतः कैलिको उन्हीं कपड़ों को कहते हैं जिनमें ताना और बाना एक मोटाई के रहते हैं.
46. (D) ग्लाइसेमिक सूचकांक रक्त शर्करा के स्तर पर कार्बोहाइड्रेट के प्रभाव की एक माप है. जो कार्बोहाइड्रेट पाचन के दौरान तेजी से टूटते हैं और रक्तधारा में ग्लूकोज को तेजी से छोड़ते हैं.
47. (C) 48. (C)
49. (A) नमदा (Felt) एक प्रकार का कपड़ा है जो ऊन, बाल, वानस्पतिक रेशों तथा पर से बनाया जाता है. यह कंपनरोधी, ऊष्मा पृथग्यनासक (insulators) तथा ध्वनि-शमक होता है. इसका उपयोग रेल और जहाज की छत बनाने में होता है.
50. (A) जामदानी, बंगाल के सबसे महीन मलमल वस्त्र हैं. प्राचीनकाल से यह बंगाल में जामदानी साड़ियाँ स्त्रियों की प्रिय वस्तु रही है. आज भी बांग्लादेश के दक्षिणी रूपसी में जामदानी का उत्पादन होता है.
51. (D) 52. (A) 53. (D) 54. (B)
55. (D)
56. (B) जलसंत्रास (Hydrophobia) जल या किसी अन्य पेय या खाद्य को देखकर रोग के आक्रमण की सम्भावना से रोगी के भयभीत हो जाने की स्थिति का नाम है. पागल कुत्ते के काटने के प्रायः 40 दिन पश्चात् यह रोग उत्पन्न होता है.
57. (A)
58. (C) एकीकृत बालविकास योजना (आईसीडीएस) 6 वर्ष तक के उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण एवं शैक्षणिक सेवाओं का एकीकृत पैकेज प्रदान करने की योजना है.
59. (D) 60. (B) 61. (B) 62. (B)
63. (D) 64. (C) 65. (A) 66. (A)
67. (A) 68. (B)
69. (C) सुक्रोज एक डाइसैकेराइड है. इस प्रांत्रजलीय का निर्माण ग्लूकोज तथा फलशर्करा के एक अणु से मिलकर हुआ है. इसका स्वाद मीठा होता है.
70. (A) 71. (C) 72. (D) 73. (C)
74. (A) 75. (D) 76. (B) 77. (A)
78. (A) 79. (C) 80. (C) 81. (B)
82. (B) 83. (A) 84. (A) 85. (C)
86. (B) 87. (C) 88. (D)
89. (B) किसी स्थान से गंदी वायु निकालकर वहाँ स्वच्छ वायु पहुँचाना संवातन कहलाता है.
90. (D) 91. (A) 92. (D) 93. (A)
94. (A) 95. (A) 96. (D) 97. (A)
98. (C) 99. (D) 100. (A) 101. (C)
102. (A) भोजन में प्रोटीन और कैलोरी की कमी के कारण मरास्मस (Marasmus) होता है.
103. (B)
104. (A) एस्बेस्टस कई प्रकार के खनिज सिलीकेटों के समूह को कहते हैं. इसके रेशे चमकदार होते हैं.
105. (A) 106. (A) 107. (D) 108. (A)
109. (B) 110. (B) 111. (D) 112. (B)
113. (B) पटौला साड़ी, हथकरघे से बनी एक प्रकार की साड़ी है जो गुजरात के पाटण में बनायी जाती है. यह प्रायः रेशम की बनती है.
114. (A) 115. (C) 116. (C)
117. (A) एंजाइम रासायनिक क्रियाओं को उत्प्रेरित करने वाले प्रोटीन को कहते हैं.
118. (A) 119. (B) 120. (B) 121. (B)
122. (A) 123. (B) 124. (D) 125. (C)

●●●

उपकार
नवीन संस्करण
भारतीय वायु सेना
वायु सैनिक
चयन परीक्षा
(ग्रुप 'Y' • गैर-तकनीकी ट्रेड)

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन
कोड 1138 ₹ 230/-
ENGLISH EDITION
Code No 1545 ₹ 285.00
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2016 (2-2-2019) का हल प्रश्न-पत्र

नागरिक शास्त्र

Vikas Bhadu

1. विदेश नीति में लम्बी और अल्पकालिक प्रयासों की प्रकृति का निर्धारण कौन करता है ?
(A) राष्ट्रीय कानून
(B) राष्ट्रीय हित
(C) परिवर्तनीय हित
(D) शांति समझौता

2. ''द कोल्ड वार : रीट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रोस्पेक्ट'' के लेखक कौन हैं ?
(A) पॉल सीबरी
(B) फ्रेडरिक एल सुमैन
(C) फ्लोरेंस इलियट
(D) खुश्चैव

3. 'संयुक्त राष्ट्र' (United Nations) शब्द को किसने बनाया ?
(A) रूजवेल्ट (B) नेहरू
(C) चर्चिल (D) स्टालिन

4. किस वर्ष को 'सार्क में गरीबी उन्मूलन वर्ष' के रूप में प्रारूपित किया गया था ?
(A) 1995 (B) 1996
(C) 1997 (D) 1998

5. वर्तमान दशकों में चीन की विदेश नीति (Foreign Policy) का केन्द्रीय मार्गदर्शक सिद्धान्त कौनसा रहा है ?
(A) उदार दर्शन
(B) कम्युनिस्ट दर्शन
(C) धर्म दर्शन
(D) लोकतांत्रिक दर्शन

6. प्रशासन का बुनियादी और आवश्यक तत्व कौनसा है ?
(A) बजट (Budget)
(B) प्रशासनिक कानून
(C) संगठन (Organization)
(D) अनुशासन (Discipline)

7. स्टीफन पी. रॉबिन्स के अनुसार सम्प्रेषण में तीन प्रकार के अवरोधों में शामिल नहीं है–
(A) शारीरिक (B) व्यक्तिगत
(C) तकनीकि (D) भाषा सम्बन्धी

8. स्वतंत्र नियामक आयोग अद्वितीय नवाचार है–
(A) यू. एस. प्रशासनिक प्रणाली
(B) यू. के. प्रशासनिक प्रणाली
(C) भारतीय प्रशासनिक प्रणाली
(D) स्विस प्रशासनिक प्रणाली

9. चयन की प्रक्रिया में पहला आवश्यक कदम कौनसा है ?
(A) नीति निर्माण
(B) कार्यकारी निर्देश
(C) कोष नियंत्रण
(D) भर्ती

10. निम्नलिखित में से कौनसी पद्धति नई भर्ती के सिविल सेवकों की दोष और कमियों को दूर करती है ?
(A) स्थानांतरण (Transfer)
(B) पदोन्नति (Promotion)
(C) प्रशिक्षण (Training)
(D) प्रेरणा (Motivation)

11. निम्नलिखित में से कौनसा पदोन्नति (Promotion) का सबसे पुराना सिद्धान्त माना जाता है ?
(A) वरिष्ठता सिद्धान्त
(B) योग्यता सिद्धान्त
(C) श्रेणी निर्धारण सिद्धान्त
(D) अनुशासन सिद्धान्त

12. अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में प्रशासन पर कार्यकारी नियंत्रण का प्रयोग कौन करता है ?
(A) प्रधानमंत्री
(B) मंत्रिमण्डल
(C) राष्ट्रपति
(D) गवर्नर

13. 'Politics' पुस्तक को किसने लिखा है, जिसे राजनीतिक विचारों की एक महान कृति माना जाता है ?
(A) प्लेटो
(B) कौटिल्य
(C) अरस्तू
(D) आर. जे. गेटेल

14. राज्य का आत्म-तत्व किसे माना जाता है ?
(A) भूभाग (Territory)
(B) जनसंख्या (Population)
(C) सरकार (Government)
(D) संप्रभुता (Sovereignty)

15. निम्नलिखित में से कौन आत्मरक्षा के अधिकार को व्यक्ति का प्राकृतिक अधिकार मानता है ?
(A) प्लेटो (B) हॉब्स
(C) बेन्थम (D) बर्क

16. इनमें से कौन संप्रभुता (Sovereignty) की विशेषता नहीं है ?
(A) अविभाज्यता (B) निरपेक्षता
(C) अस्थायी (D) व्यापक

17. कौनसी विधि राष्ट्र की मौलिक विधि के रूप में मानी जाती है ?
(A) आम विधि
(B) संवैधानिक विधि
(C) साधारण विधि
(D) लोक विधि

18. ''जनतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति भागीदार होता है'' ? यह परिभाषा किसने दी थी ?
(A) जेम्स ब्राइस
(B) ए. एल. लॉवेल
(C) जॉन सीले
(D) ए. वी. डायसी

19. वैज्ञानिक समाजवाद (Socialism) निम्नलिखित के रूप में भी जाना जाता है–
(A) मार्क्सवाद
(B) अराजकतावाद
(C) उदारतावाद
(D) फासीवाद

20. नागरिकता की अवधारणा में किसने गुलामों को बाहर रखा ?
(A) प्लेटो (B) अरस्तू
(C) हॉब्स (D) ऑस्टिन

21. निम्नलिखित में से कौनसा गांधीजी का विचार गांधीवादी समाजवाद का शीर्ष माना जाता है ?
(A) सत्याग्रह
(B) अहिंसा (Non-violence)
(C) स्वराज्य
(D) सर्वोदय

22. निम्नलिखित में से कौनसी संघ की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता मानी जाती है ?
(A) एकल नागरिकता
(B) कमजोर न्यायपालिका
(C) लचीला संविधान
(D) संघ-राज्य के बीच शक्ति विभाजन

23. लेटिन शब्द ''मैंडेमस'' (परमादेश) का अर्थ है–
(A) सशरीर प्रस्तुतिकरण
(B) अधीनस्थ न्यायालय में वाद को हटाना
(C) प्राधिकारी को चुनौती देना
(D) हम आदेश देते हैं

24. लोक सभा का कार्य काल है–
(A) 6 साल (B) 4 साल
(C) 3 साल (D) 5 साल

Vikas Bhadu

25. भारत में सबसे उच्च और अंतिम न्यायिक अदालत कौनसी है ?
(A) उच्चतम न्यायालय
(B) उच्च न्यायालय
(C) मार्शल कोर्ट
(D) सत्र अदालत

26. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित नहीं है ?
(A) आस्ट्रेलिया – संघीय सरकार
(B) संयुक्त राज्य अमरीका – संघीय सरकार
(C) फ्रांस – एकात्मक सरकार
(D) कनाडा – एकात्मक सरकार

27. संयुक्त राज्य अमरीका में कार्यपालिका का प्रमुख कौन है ?
(A) लॉर्ड चान्सलर (B) स्पीकर
(C) राष्ट्रपति (D) प्रधानमंत्री

28. कौनसा अनुच्छेद (Article) संवैधानिक अदालतों की स्थापना के लिए प्रावधान करता है, जो संयुक्त राज्य अमरीका की न्यायिक शक्तियों का उपयोग करता है ?
(A) अनुच्छेद II (B) अनुच्छेद III
(C) अनुच्छेद IV (D) अनुच्छेद V

29. निम्नलिखित में से किस आयोग ने भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्धों का अध्ययन किया है ?
(A) ठक्कर आयोग
(B) शाह आयोग
(C) मण्डल आयोग
(D) सरकारिया आयोग

30. फ्रांसीसी दलों में सबसे पुराना दल जो अब विघटित हो गया है–
(A) गॉलिस्ट पार्टी
(B) साम्य पार्टी
(C) रेडिकल पार्टी
(D) समाजवादी पार्टी

31. 'यदि कोई हथियार नहीं होंगे तो कोई युद्ध नहीं होगा' यह धारणा किस पर आधारित है ?
(A) सुरक्षा (Security)
(B) शक्ति का संतुलन
(C) राष्ट्रवाद (Nationalism)
(D) नि:शस्त्रीकरण

32. संयुक्त राष्ट्र के तहत् सामूहिक सुरक्षा का प्रथम प्रयोग किस वर्ष में किया गया था ?
(A) 1947 (B) 1948
(C) 1949 (D) 1950

33. भारत में किस वर्ष को 'चीन भ्रमण वर्ष' (Visit China Year) नामित किया गया ?
(A) 2018 (B) 2015
(C) 2016 (D) 2017

34. सातवाँ गुट निरपेक्ष सम्मेलन कहाँ पर आयोजित हुआ था ?
(A) बीजिंग (B) नई दिल्ली
(C) माले (D) कोलंबो

35. आसियन (ASEAN) कब गठित हुआ था ?
(A) 1964 (B) 1965
(C) 1966 (D) 1967

36. किस वर्ष रूस ने घोषणा की कि अब वह नाटो देशों में हथियारों को लक्षित नहीं करेगा ?
(A) 1997 (B) 1998
(C) 1999 (D) 2000

37. प्रबंधन (Management) की किस प्रणाली का पर्यावरण के साथ कोई अंतर-सम्बन्ध नहीं है ?
(A) बंद प्रणाली
(B) खुली प्रणाली
(C) अनुकूलन प्रणाली
(D) परिवर्तनीय प्रणाली

38. वाटसन ने 7–'S' संगठनात्मक ढाँचे के माध्यम से प्रबन्ध व नेतृत्व के मध्य अन्तर की व्याख्या की है. इसमें निम्न में से क्या शामिल नहीं है ?
(A) रणनीति (Strategy)
(B) संरचना (Structure
(C) समर्थन (Support)
(D) व्यवस्था (Systems)

39. भारत में सर्वप्रथम किस राज्य ने लोकायुक्त अधिनियम को लागू किया ?
(A) महाराष्ट्र (B) ओडिशा
(C) राजस्थान (D) उत्तर प्रदेश

40. नौकरशाही शब्द फ्रांसीसी शब्द 'ब्यूरो' (BUREAU) से लिया गया है जिसका अर्थ है–
(A) मेज/लिखने की मेज
(B) वित्त
(C) निगम
(D) उत्तरदायित्व

41. नियुक्ति अधिकारी स्वयं किस विधि के अन्तर्गत अभ्यर्थियों की योग्यता निर्धारित करता है ?
(A) नियुक्ति और विमुक्ति प्रणाली
(B) परीक्षा प्रणाली
(C) पूर्व अनुभवों के अभिलेख
(D) योग्यता का प्रमाण पत्र

42. कौनसी प्रणाली कर्मचारियों की नौकरियों में दिलचस्पी रखती है और उनके लिए प्रभावी प्रोत्साहन के रूप में काम करती है ?
(A) पदोन्नति (Promotion)
(B) पदावनति (Demotion)
(C) प्रशिक्षण (Training)
(D) स्थानांतरण (Transfer)

43. किसने निर्णय-निर्माण की 'ब्रेनस्टार्मिंग' विधा का विकास किया ?
(A) अलेक्स एफ. आस्बर्न
(B) विलियम गॉर्डन
(C) ऐन्ड्रे डेलबैक एवं एण्ड्र्यू वान डे वेन
(D) हरबर्ट साइमन

44. भारत में प्रशासनिक सुधारों के क्रियान्वयन के लिए कितने चरणों की आवश्यकता होती है ?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

45. किसने कहा : "उन कानूनों का पालन करना जिन्हें हम स्वयं अपने लिए बनाते हैं, स्वतन्त्रता है" ?
(A) रूसो (B) लास्की
(C) ग्रीन (D) स्पेंसर

46. किस हिन्दू शास्त्र में यह कहा है कि "यद्यपि राजा इंसान है फिर भी उसे किसी से नफरत नहीं करनी चाहिए, क्योंकि वह मनुष्य के आकार में एक ईश्वर है" ?
(A) भगवदगीता (B) महाभारत
(C) मनुस्मृति (D) ऋग्वेद

47. 'संप्रभुता' (Sovereignty) का मूल शब्द क्या है ?
(A) सुपरएनस (B) सोवियन
(C) इम्पीरियम (D) सोवियस

48. राज्य की सत्ता जिसके पास अंतिम आदेश जारी करने की वैधानिक शक्ति है ?
(A) जन सम्प्रभुता
(B) विधिक सम्प्रभुता
(C) वास्तविक सम्प्रभुता
(D) राजनीतिक सम्प्रभुता

49. ऐसे कानून को क्या कहते हैं, 'जो राज्य द्वारा निर्मित एवं राज्य के क्षेत्र के अधीन सभी लोगों पर लागू होता है' ?
(A) पारम्परिक कानून
(B) अन्तर्राष्ट्रीय कानून
(C) राष्ट्रीय कानून
(D) ऐतिहासिक कानून

50. 'राजनीति विज्ञान सामाजिक विज्ञान का वह अंग है, जो राज्य के आधारभूत तत्वों तथा शासन के सिद्धान्तों का विवेचन करता है.' यह परिभाषा किसने दी ?
(A) गार्नर (B) लास्की
(C) गिलक्राइस्ट (D) पॉल जैनेट

51. किसे पहले स्वप्नलोकी राजनीतिक विचारक के रूप में माना जाता है ?
(A) अरस्तू (B) लॉक
(C) प्लेटो (D) जे.एस. मिल

52. निम्नलिखित में से किसे एक "क्रांतिकारी पंथ के एक मसीहा" के रूप में माना जा सकता है ?
(A) थॉमस हॉब्स (B) कार्ल मार्क्स
(C) लोहिया (D) रूसो

Vikas Bhadu

53. कौटिल्य की प्रसिद्ध कृति कौनसी है ?
(A) शुक्रनीति (B) अर्थशास्त्र
(C) मनुस्मृति (D) धर्मशास्त्र

54. कौनसे अनुच्छेद के तहत् भारतीय नागरिकों को "छः स्वतंत्रताएँ" दी गई हैं ?
(A) अनुच्छेद 18 (B) अनुच्छेद 19
(C) अनुच्छेद 20 (D) अनुच्छेद 21

55. राज्य सभा का पदेन सभापति कौन है ?
(A) राष्ट्रपति
(B) स्पीकर
(C) उपराष्ट्रपति
(D) भारत के मुख्य न्यायाधीश

56. भारत में मंत्रिमण्डल का नेता निम्नलिखित में से कौन है ?
(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री (D) स्पीकर

57. लॉर्ड सभा की अध्यक्षता कौन करता है ?
(A) लॉर्ड चान्सलर (B) स्पीकर
(C) महान्यायवादी (D) प्रधानमंत्री

58. निम्नलिखित में से कौन सीनेट की अध्यक्षता करने वाला पदेन अधिकारी है ?
(A) राष्ट्रपति
(B) उपराष्ट्रपति
(C) मुख्य न्यायाधीश
(D) प्रधानमंत्री

59. संयुक्त राज्य अमरीका की विदेश नीति (Foreign Policy) को अन्तिम रूप कौन प्रदान करता है ?
(A) राज्यपाल
(B) मुख्य न्यायाधीश
(C) राष्ट्रपति
(D) उपराष्ट्रपति

60. फ्रांसीसी संविधान का कौनसा अनुच्छेद प्रधानमंत्री को विधायिका में विधायी पहल देता है ?
(A) अनुच्छेद 39 (B) अनुच्छेद 38
(C) अनुच्छेद 49 (D) अनुच्छेद 48

61. निम्नलिखित में से कौनसा एकल दल प्रणाली के लिए एक उदाहरण है ?
(A) अमरीका (B) चीन
(C) भारत (D) इंगलैण्ड

62. शक्ति संतुलन व्यवस्था के संतुलन का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला साधन क्या है ?
(A) युद्ध (B) शांति
(C) सहबंध (D) तटस्थीकरण

63. सामूहिक सुरक्षा निम्न में से किससे अधिक व्यवस्थित है ?
(A) शक्ति का संतुलन
(B) राष्ट्रवाद
(C) अंतर्राष्ट्रीय कानून
(D) निःशस्त्रीकरण

64. उन लक्ष्यों और उद्देश्यों या साध्यों के बारे में दूसरों को समझाने की कला क्या है जो सुरक्षित होने के लिए वांछित है ?
(A) नाकाबंदी (Blockade)
(B) कूटनीति (Diplomacy)
(C) विदेशी सहायता
(D) प्रचार प्रसार (Propaganda)

65. शिकागो स्कूल जिसने व्यवहारवादी आंदोलन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी, की स्थापना किसने की ?
(A) डेविड ईस्टन
(B) चार्ल्स मॅरियम
(C) हेराल्ड लासवेल
(D) इनमें से कोई नहीं

66. निम्नलिखित में से कौनसा संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा अंग है ?
(A) सुरक्षा परिषद्
(B) न्यास परिषद्
(C) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
(D) सामान्य सभा

67. दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए वार्षिक संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है–
(A) 19 दिसम्बर (B) 19 सितम्बर
(C) 12 दिसम्बर (D) 12 सितम्बर

68. निम्नलिखित में से क्या मानव सम्बन्ध आंदोलन से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है ?
(A) व्यवस्था उपागम
(B) व्यवहारवादी उपागम
(C) आगत उपागम
(D) निर्गत उपागम

69. प्रशासनिक नीति के मुख्य दिशाओं (lines) के निर्धारण करने का कार्य किसका है ?
(A) मुख्य/कार्यकारी
(B) लेखा परीक्षक
(C) जनसम्पर्क अधिकारी
(D) मानव संसाधन प्रबंधक

70. जब सरकार आर्थिक, वित्तीय या व्यावसायिक कार्य करती है तो निम्न में क्या सामान्य रूप से स्थापित किया जाता है ?
(A) विभाग (Department)
(B) कम्पनी (Company)
(C) सार्वजनिक निगम
(D) मंडल (Board)

71. स्थायी, वैतनिक और कुशल अधिकारियों के पेशेवर निकाय के रूप में लोक सेवा को किसने परिभाषित किया ?
(A) एल. डी. वाइट
(B) ऑग
(C) हर्मन, फाइनर
(D) आर. जी. गैटल

72. किस प्रकार का परीक्षण मुख्य रूप से प्रकृति में व्यक्तिपरक होता है और अक्सर उम्मीदवारों द्वारा संदेह के साथ देखा जाता है ?
(A) लिखित परीक्षा
(B) मौखिक परीक्षा
(C) प्रदर्शन परीक्षण
(D) योग्यता परीक्षण

73. एक कर्मचारी को किस प्रकार का प्रशिक्षण (Training) दिया जाता है, जो पहले से ही सेवा में है ?
(A) प्रवेश उपरान्त प्रशिक्षण
(B) पूर्व प्रवेश प्रशिक्षण
(C) उन्मुखीकरण प्रशिक्षण
(D) सेवाकालीन प्रशिक्षण

74. यदि अनुमानित राजस्व, अनुमानित व्यय के बराबर है, तो इस तरह के बजट को कहा जाता है–
(A) संतुलित बजट
(B) अधिशेष बजट
(C) निष्पादन बजट
(D) घाटे का बजट

75. प्रशासनिक कृत्यों और निर्णयों की वैधता के निर्धारण करने की न्यायालयों की शक्ति को जाना जाता है–
(A) न्यायिक समीक्षा
(B) वैधानिक अपील
(C) विधायी समीक्षा
(D) बन्दी प्रत्यक्षीकरण

76. "शक्ति का स्थानान्तरण हो सकता है न कि इच्छा का जो कि संप्रभु होती है." किसने कहा था ?
(A) हॉब्स (B) बोदां
(C) रूसो (D) ऑस्टिन

77. किसे सभी सामाजिक संस्थाओं (Social Institutions) में सबसे शक्तिशाली माना जाता है ?

(A) राज्य (B) राष्ट्र
(C) समाज (D) न्यायतंत्र

78. राज्य की उत्पत्ति के सम्बन्ध में कौनसा सिद्धान्त इस धारणा से शुरू होता है कि राज्य की उत्पत्ति से पहले मनुष्य 'प्राकृतिक अवस्था' में रहते थे ?
(A) पितृसत्तात्मक सिद्धान्त
(B) मातृसत्तात्मक सिद्धान्त
(C) बल सिद्धान्त
(D) सामाजिक अनुबंध सिद्धान्त

Vikas Bhadu

79. किस तरह की संप्रभुता जनता को सर्वोच्च मानती है ?
(A) राजनीतिक सम्प्रभुता
(B) जन सम्प्रभुता
(C) कानूनी सम्प्रभुता
(D) नाममात्र की सम्प्रभुता

80. किसने कानून को "उच्चतर द्वारा निम्नतर को दिए गए आदेश के रूप" में परिभाषित किया है ?
(A) टी. एच. ग्रीन
(B) प्रो. हॉलैण्ड
(C) बेंथम
(D) जॉन ऑस्टिन

81. निम्नलिखित में से कौन शिक्षित लोगों को ही मताधिकार देने का समर्थक है ?
(A) लॉक (B) रूसो
(C) मिल (D) ग्रीन

82. निम्नलिखित में से किसने राज्य को एक साध्य के साधन के रूप में नहीं बल्कि स्वतः साध्य के रूप में माना है ?
(A) जनतंत्रवादी
(B) तानाशाह
(C) उदारवादी
(D) धार्मिक प्रमुख

83. रूसो के लिए किसे सामान्य इच्छा की अभिव्यक्ति के रूप में माना जाता है ?
(A) सत्य (सही) (Right)
(B) कर्तव्य (Duty)
(C) शक्ति (Power)
(D) कानून (Law)

84. समता सैनिक दल (सामाजिक समता सेना) की स्थापना किसने की ?
(A) सुभाष चन्द्र बोस
(B) सरदार पटेल
(C) लोहिया
(D) बी. आर. अम्बेडकर

85. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 17 समाप्त करता है—
(A) अस्पृश्यता
(B) खिताब
(C) प्रेस की स्वतन्त्रता
(D) दासता

86. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद संसद के प्रत्येक सदन को अपनी प्रक्रिया और कार्य व्यवहार के संचालन को विनियमित करने के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है ?
(A) अनुच्छेद 118
(B) अनुच्छेद 119
(C) अनुच्छेद 110
(D) अनुच्छेद 112

87. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति प्रदान करता है ?
(A) अनुच्छेद 71 (B) अनुच्छेद 72
(C) अनुच्छेद 73 (D) अनुच्छेद 74

88. ब्रिटिश संसद का निम्न, लोकप्रिय, प्रत्यक्ष निर्वाचित शक्तिशाली सदन कौनसा है ?
(A) लॉर्ड सभा (B) कॉमन सभा
(C) प्रतिनिधि सभा (D) राज्य सभा

89. "राजनीतिक दल लोगों का एक समूह है, जो ऐसे सिद्धान्त पर सहमत हों जिसके द्वारा राष्ट्रीय हित की पूर्ति की जा सके." यह परिभाषा किसने दी है ?
(A) गेटेल (B) गार्नर
(C) मैकाइवर (D) एडमण्ड बर्क

90. अमरीकी संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति के कार्यालय से सम्बन्धित है ?
(A) अनुच्छेद 2 (B) अनुच्छेद 3
(C) अनुच्छेद 4 (D) अनुच्छेद 5

91. फ्रांस के राष्ट्रपति के कार्यकाल की अवधि क्या है ?
(A) 6 वर्ष (B) 7 वर्ष
(C) 8 वर्ष (D) 5 वर्ष

92. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था चीन में कानून बनाने वाली सर्वोच्च संस्था के रूप में मानी जाती है ?
(A) एन.पी.सी. (B) एन.एफ.सी.
(C) एम.पी.सी. (D) एम.एफ.सी.

93. समत्व से असमत्व में निरन्तर परिवर्तित होने वाला निम्न में से क्या है ?
(A) शक्ति का संतुलन
(B) राष्ट्रीय हित
(C) गुट-निरपेक्ष आंदोलन
(D) शीत युद्ध (Cold war)

94. कौनसा सिद्धान्त 'सभी के लिए एक और एक के लिए सभी' पर आधारित है ?
(A) अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता
(B) राष्ट्रीय हित
(C) सामूहिक सुरक्षा
(D) शक्ति का संतुलन

95. कौनसा हित प्राथमिक और स्थायी दोनों हितों से उभर सकता है ?
(A) परिवर्तनीय हित
(B) समान हित
(C) पूर्व-पूरक हित
(D) विशिष्ट हित

96. 1961 के बेलग्रेड (Belgrade) सम्मेलन में कितने अफ्रीकी एशियाई राष्ट्रों ने हिस्सा लिया ?
(A) 25 (B) 36
(C) 29 (D) 39

97. जॉर्ज और कोहेन ने राष्ट्रीय हित की व्याख्या के तीन तत्वों में निम्नलिखित में से किसे शामिल नहीं किया ?
(A) भौतिक जीविता
(B) स्वाधीनता (Liberty)
(C) आर्थिक निर्वाह
(D) सुरक्षा (Security)

98. किसने अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था की संरचना को तीन तत्वों-संगठनात्मक सिद्धान्त, इकाइयों का विभिन्नीकरण एवं क्षमता का वितरण में बांटा है ?
(A) मियरशिमर
(B) वाल्ट्ज
(C) स्टीफन वाल्ट
(D) डेविड हेल्ड

99. एक विशिष्ट समस्या को हल करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों से कार्रवाई का एक पाठ्यक्रम चुनने की प्रक्रिया के लिए कहा जाता है—
(A) विकर्ण संचार
(B) संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन
(C) सहायक सेवा
(D) निर्णय निर्माण

100. मूनी के अनुसार संगठन का सार्वभौमिक सिद्धान्त कौनसा सिद्धान्त है ?
(A) नियंत्रण का विस्तार
(B) आदेश की एकता
(C) केन्द्रीकरण
(D) पदसोपान

101. कौनसे विभाग एक राष्ट्र की प्रशासनिक संरचना के साथ उच्चतम औपचारिक स्थिति में रहते हैं ?
(A) सरकारी विभाग
(B) निजी विभाग
(C) अर्ध संरचनात्मक विभाग
(D) अर्ध स्वायत्त विभाग

102. किस वर्ष में अमरीकी सरकार ने अपना पहला स्वतंत्र नियामक आयोग अर्थात् अंतर्राज्यीय वाणिज्य आयोग की स्थापना की थी ?
(A) 1884 (B) 1885
(C) 1886 (D) 1887

Vikas Bhadu

103. आन्तरिक रूप से भर्ती की प्रक्रिया को कहा जाता है–
(A) एकाधिक प्रणाली भी
(B) पदोन्नति प्रणाली भी
(C) विभाजन प्रणाली भी
(D) उन्नत प्रणाली भी

104. सेवा में प्रवेश करने से पहले सार्वजनिक सेवा के इच्छुक लोगों को किस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है ?
(A) पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
(B) सेवाकालीन प्रशिक्षण
(C) पूर्व प्रवेश प्रशिक्षण
(D) उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

105. सिविल सेवकों की उनके कार्य संगठन के प्रति अभिवृत्ति और दृष्टिकोण को संदर्भित किया जा सकता है–
(A) अनुशासन (B) मनोबल
(C) पदसोपान (D) दृढ़ निश्चय

106. प्रत्येक संसदीय प्रणाली में संसद की बैठकों में प्रश्नों के लिए अलग से समय निर्धारण किया जाता है, जिसे कहते हैं–
(A) अविश्वास प्रस्ताव
(B) ध्यान केन्द्रित प्रस्ताव
(C) प्रश्नोत्तर घण्टा
(D) शून्यकाल चर्चा

107. किसने कहा कि राजनीतिक विज्ञान राज्य के साथ प्रारम्भ और अन्त होता है ?
(A) गार्नर
(B) आर.ए. ढाल
(C) गैरिस
(D) हेराल्ड लासवेल

108. कौनसा तत्व राज्य की सर्वोच्च शक्ति के रूप में माना जाता है ?
(A) न्यायतंत्र (Judiciary)
(B) क्षेत्र (Territory)
(C) जनसंख्या (Population)
(D) सम्प्रभुता (Sovereignty)

109. निम्नलिखित में से कौनसा ऐतिहासिक सिद्धान्त माना जाता है ?
(A) बल सिद्धान्त
(B) मातृसत्तात्मक सिद्धान्त
(C) विकासवादी सिद्धान्त
(D) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त

110. राजनीति शास्त्र के अध्ययन के व्यवहारवादी उपागम के विकास के लिए उत्तरदायी राजनीतिक वैज्ञानिक कौन था ?
(A) कार्ल पॉपर (B) लॉर्ड ब्राइस
(C) डेविड ईस्टन (D) एमिल बोरेल

111. किस सिद्धान्त को सम्प्रभुता के एकत्व सिद्धान्त के विरोध के रूप में माना गया है ?
(A) बहुलवाद (Pluralism)
(B) अराजकतावाद (Anarchism)
(C) नाजीवाद (Nazism)
(D) उदारवाद (Liberalism)

112. निम्नलिखित में से किसका अर्थ है कि 'प्रकृति ने सभी मनुष्यों को समान बनाया है' ?
(A) सामाजिक समानता
(B) नागरिक समानता
(C) प्राकृतिक समानता
(D) राजनीतिक समानता

113. किस प्रकार की सरकार में सम्प्रभुता जनता में निहित होती है ?
(A) राजतंत्र
(B) जनतंत्र
(C) अधिनायक तंत्र
(D) अभिजात तंत्र

114. मनु के अनुसार निम्नलिखित में से कौन राज्य का अंग नहीं है ?
(A) राजा (King)
(B) पुरोहित (Purohita)
(C) अमात्य (Ministers)
(D) कोष (Kosha)

115. निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी दर्शन की क्रांति से प्रभावित थे ?
(A) जयप्रकाश नारायण
(B) महात्मा गांधी
(C) स्वामी विवेकानन्द
(D) राजा राममोहन राय

116. निम्नलिखित में से कौनसा भारतीय संविधान का अनुच्छेद, सार्वजनिक सेवाओं में अवसर की समानता प्रदान करता है ?
(A) अनुच्छेद 14 (B) अनुच्छेद 15
(C) अनुच्छेद 16 (D) अनुच्छेद 17

117. भारतीय संविधान के किस हिस्से में मौलिक कर्त्तव्यों को शामिल किया गया है ?
(A) भाग III (B) भाग IV-A
(C) भाग V-A (D) भाग IX

118. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 53 के तहत संघ की कार्यकारी शक्ति निहित है–
(A) राष्ट्रपति में (B) उपराष्ट्रपति में
(C) राज्यपाल में (D) प्रधानमंत्री में

119. 'आधुनिक दल-व्यवस्था' का उद्भव सर्वप्रथम हुआ–
(A) संयुक्त राज्य अमरीका में
(B) फ्रांस में
(C) इंगलैण्ड में
(D) बेल्जियम में

120. संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रीय विधानमण्डल के रूप में जाना जाता है–
(A) संसद (Parliament)
(B) संघीय संसद
(C) डायट (Diet)
(D) कांग्रेस (Congress)

121. सीनेट की कुल सदस्यों की संख्या कितनी है ?
(A) 100 (B) 435
(C) 545 (D) 200

122. फ्रांस की व्यवस्थापिका का निचला सदन कौनसा है ?
(A) सीनेट
(B) हाउस ऑफ लॉर्डस
(C) हाउस ऑफ कॉमन्स
(D) चेंबर ऑफ डेप्युटीज

123. निम्नलिखित में से कौनसा एक 'दबाव-समूह' (Pressere Groups) की विशेषता नहीं है ?
(A) लॉबींग
(B) हित सम्भरण
(C) राजनीतिक नेताओं को प्रभावित करना
(D) चुनाव में सहभागी होना

124. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में संतुलन या स्थिरता के निश्चित तत्व के रूप में शक्ति संतुलन का वर्णन किसने किया ?
(A) क्विंसी राइट
(B) जार्ज श्वारजेनबर्गर
(C) एन. जे. स्पाइकमैन
(D) लॉर्ड कासलैरी

125. सत्ता के लगभग बराबर वितरण के रूप में 'शक्ति का संतुलन' शब्द का उपयोग किसने किया था ?
(A) अर्नेस्ट बी. हैस
(B) मॉरगेन्थाऊ
(C) पामर एवं पर्किन्स
(D) औरगेन्सकी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) 2. (B) 3. (A) 4. (A) 5. (A)
6. (C) 7. (C) 8. (A) 9. (D) 10. (C)
11. (A) 12. (C) 13. (C) 14. (D) 15. (B)
16. (C) 17. (B) 18. (C) 19. (A)
20. (B) अरस्तू ने दास व विदेशी व्यक्तियों को नागरिकता से वंचित रखा है.
21. (D) सर्वोदय का अर्थ सभी का उदय अर्थात् उन्नति करना है. गांधीजी ने जॉन रस्किन की पुस्तक 'अन टू द लास्ट' का अनुवाद 'सर्वोदय' शीर्षक से किया था.

22. (D) 23. (D) 24. (D) 25. (A)

26. (D) कनाडा में संघात्मक सरकार है.

27. (C) 28. (B)

29. (D) केन्द्र सरकार के न्यायमूर्ति रणजीत सिंह सरकारिया की अध्यक्षता में सरकारिया आयोग की स्थापना 1983 में की थी.

30. (D) 31. (D)

32. (D) सामूहिक सुरक्षा का प्रथम बार 1950 में कोरिया संकट में प्रयोग हुआ था.

33. (C)

34. (B) सातवाँ गुट निरपेक्ष सम्मेलन नई दिल्ली में मार्च 1983 में हुआ था.

35. (D) आसियान (एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस ऑर्गेनाइजेशन की स्थापना 1967 में हुई थी.

36. (A) 1997 में नाटो के पेरिस (फ्रांस) सम्मेलन में रूस ने नाटो के साथ परस्पर सम्बन्ध, सहयोग एवं सुरक्षा के लिए हस्ताक्षर किए थे.

37. (A)

38. (C) 7S है—1. स्ट्रेटेजी, (रणनीति) 2. स्ट्रक्चर (संरचना), 3. सिस्टम्स (अवस्था), 4. सॉफ्ट टूल्स ऑफ स्टाइल, 5. स्टाफ, 6. स्किल्स, 7. शेयर्ड गोल्स.

39. (A) महाराष्ट्र लोकायुक्त नियुक्त करने वाला पहला राज्य था जिसने लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त अधिनियम 1971 के तहत् इनकी नियुक्ति की थी.

40. (A) 41. (A) 42. (A)

43. (A) ब्रेन स्टॉर्मिंग समस्याओं के मौलिक हल विकसित करने की प्रक्रिया है.

44. (B)

45. (A) यह विचार जीन जेकस रूसो ने अपनी पुस्तक 'सोशल कांट्रेक्ट' में प्रकट किया है.

46. (C)

47. (A) सम्प्रभुता का मूल शब्द लैटिन शब्द सुपरएनस है.

48. (B) 49. (C) 50. (D) 51. (C) 52. (B)

53. (B)

54. (B) अनुच्छेद 19 में दी गई छः स्वतन्त्रताएँ हैं—(1) वाक और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, (2) शांतिपूर्वक और निराभ्रम सम्मेलन की स्वतन्त्रता, (3) संगम या संघ या सहकारी सोसाइटी बनाने की स्वतन्त्रता, (4) भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र अबाध विचरण की स्वतन्त्रता, (5) भारत के किसी भी क्षेत्र में बसने की स्वतन्त्रता, (6) कोई वृत्ति, व्यापार करने की स्वतन्त्रता.

55. (C) 56. (C) 57. (A) 58. (B) 59. (C)

60. (A) फ्रांस के संविधान का अनुच्छेद 39–प्रधानमंत्री एवं संसद सदस्यों को विधायिका में विधायी पहल देता है.

61. (B) पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन) में केवल एक राजनीतिक दल-कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना है.

62. (C) जो देश शक्ति संतुलन सिद्धान्त का पालन करता है वह परिस्थितियों के अनुसार सह-सम्बन्धों में आवश्यकता पड़ने पर परिवर्तन करता रहता है.

63. (A) 64. (B)

65. (B) शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चार्ल्स मेरियम ने 1920-30 में शक्ति एवं समूहों के राजनीतिक व्यवहार के अध्ययन की आवश्यकता बताई इसलिए प्रायः इन्हीं को व्यवहारवाद का जनक माना जाता है.

66. (D) संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा में संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य शामिल होते हैं जिनकी वर्तमान में संख्या 193 है.

67. (D) 68. (B) 69. (A)

70. (C) सार्वजनिक निगम संसद के अधिनियम द्वारा विशेष आर्थिक वित्तीय या व्यावसायिक उद्देश्य के लिए बनाए जाते हैं जैसे—जीवन बीमा निगम आदि.

71. (C) 72. (B) 73. (D) 74. (A) 75. (B)

76. (C) 77. (A)

78. (D) हॉब्स, लॉक एवं रूसो द्वारा राज्य की उत्पत्ति का सामाजिक समझौता सिद्धान्त दिया है जिसके अनुसार राज्य के बनने से पहले प्राकृतिक अवस्था थी फिर समझौते के बाद राज्य बना.

79. (B) 80. (B) 81. (C) 82. (B) 83. (D)

84. (D) 85. (A) 86. (A) 87. (B)

88. (B) उच्च सदन लॉर्ड सभा है जिसके सदस्य निर्वाचित नहीं होते.

89. (D) 90. (A) 91. (D)

92. (A) चीन में 'नेशनल पीपुल्स कांग्रेस' (NPC) ही कानून बनाने वाली सर्वोच्च संस्था मानी जाती है.

93. (A)

94. (C) एक के विरुद्ध युद्ध सभी के विरुद्ध युद्ध माना जाता है और सामूहिक रूप से सभी इस प्रकार से प्रत्येक की रक्षा करते हैं. यही सामूहिक सुरक्षा का सिद्धान्त है.

95. (B)

96. (A) गुट निरपेक्ष आंदोलन के प्रथम बेलग्रेड सम्मेलन (1961) में भारत सहित 25 अफ्रीकी-एशियाई राष्ट्रों ने भाग लिया था.

97. (D) 98. (B) 99. (D) 100. (D)

101. (A)

102. (D) फेडरल सरकार ने 1887 में अन्तर्राज्यीय वाणिज्य आयोग की स्थापना की थी.

103. (B) 104. (B) 105. (B) 106. (C)

107. (A) 108. (D) 109. (C)

110. (C) डेविड ईस्टन राजनीति विज्ञान में व्यवहारवाद के एक प्रमुख प्रणेता थे.

111. (A) 112. (C) 113. (B)

114. (B) सप्तांग—1. राजा (स्वामी), 2. मंत्री (अमात्य), 3. क्षेत्र (जनपद), 4. किला (दुर्ग), 5. कोष, 6. सेना (बल), 7. मित्र.

115. (A) 116. (C) 117. (B) 118. (A)

119. (A) 120. (D) 121. (A) 122. (D)

123. (D) 124. (B)

125. (B) 'शक्ति का संतुलन' वाक्य का प्रयोग हैन्स जे मॉर्गेन्थाऊ ने किया है.

●●●

शेष पृष्ठ 113 का

117. संयुक्त राष्ट्र का 'ससाकावा पुरस्कार (Sasakawa Award)' किस क्षेत्र में किए गए कार्य को सम्मान देने के लिए दिया जाता है ?
(A) आपदा जोखिम न्यूनीकरण
(B) शांति स्थापना
(C) स्वास्थ्य सेवाएं
(D) गरीबी उन्मूलन

118. भारत की जी. एस. लक्ष्मी, हाल ही में चर्चा (समाचारों) में क्यों थीं ?
(A) इंग्लिश काउन्टी क्लब के लिए क्रिकेट खेलने वाली वे पहली भारतीय थीं
(B) वे पहली महिला ICC मैच रेफरी बनीं
(C) उन्हें वर्ष 2019 के लिए रेमन मैगसेसे अवार्ड से पुरस्कृत किया गया था
(D) उन्हें वर्ष 2019 में बुकर प्राइज़ मिला

119. निम्नलिखित में से किसे दूसरी अवधि के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित किया गया ?
(A) जोको विडोडो
(B) प्राबोवो सुबियान्तो
(C) सान्दिआगा ऊनो
(D) जुसुफ कल्ला

120. भारत में, 21 मई का दिन किस रूप में मनाया जाता है ?
(A) NRI दिवस
(B) राष्ट्रीय युवा दिवस
(C) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
(D) राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस

उत्तरमाला

1. (C)	2. (C)	3. (B)	4. (B)	5. (B)
6. (D)	7. (B)	8. (B)	9. (B)	10. (C)
11. (A)	12. (D)	13. (B)	14. (B)	15. (A)
16. (A)	17. (B)	18. (B)	19. (D)	20. (A)
21. (B)	22. (D)	23. (C)	24. (B)	25. (A)
26. (C)	27. (B)	28. (A)	29. (C)	30. (C)
31. (C)	32. (C)	33. (A)	34. (B)	35. (B)
36. (B)	37. (A)	38. (C)	39. (D)	40. (D)
41. (B)	42. (B)	43. (C)	44. (C)	45. (A)
46. (C)	47. (D)	48. (D)	49. (C)	50. (C)
51. (A)	52. (C)	53 (B)	54. (B)	55. (C)
56. (C)	57. (C)	58. (C)	59. (B)	60. (A)
61. (A)	62. (A)	63. (A)	64. (C)	65. (B)
66. (C)	67. (C)	68. (C)	69. (B)	70. (C)
71. (B)	72. (C)	73. (A)	74. (D)	75. (D)
76. (B)	77. (B)	78. (C)	79. (C)	80. (A)
81. (A)	82. (A)	83. (D)	84. (C)	85. (B)
86. (D)	87. (D)	88. (D)	89. (D)	90. (C)
91. (A)	92. (A)	93. (C)	94. (A)	95. (D)
96. (D)	97. (A)	98. (D)	99. (A)	100. (D)
101. (A)	102. (D)	103. (A)	104. (C)	105. (D)
106. (B)	107. (C)	108. (C)	109. (C)	110. (C)
111. (B)	112. (C)	113. (A)	114. (B)	115. (D)
116. (B)	117. (A)	118. (B)	119. (A)	120. (D)

●●●

Vikas Bhadu

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के बढ़ते चरण : नई ऊँचाइयों की ओर

(Growing Steps of Research and Development in Science and Technology Sector : Scaling New Heights)

Vikas Bhadu

नि:सन्देह ! भारत सरकार के अधीनस्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ('DST'–विज्ञान और प्रौद्योगिकी मन्त्रालय-MoS&T, GOI)–नई दिल्ली, एक नोडल एजेंसी के रूप में सरकारी विभागों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जोड़ने के लिए अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है. **'डीएसटी' (DST)**–सभी संस्थानों एवं विषयों के वैज्ञानिकों को प्रतिस्पर्धी मोड़ के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता और सामर्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए भारत में सबसे बड़ी **'एक्सट्राम्यूरल'** और विकास सहायता प्रदान करता है. इस उद्देश्य एवं कार्यनीतिक रूप से उल्लेखनीय कार्यों से अपने देश की शैक्षणिक तथा औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास **(आर एंड डी)** गतिविधियों/पहलों के परिणामों को निरन्तर/लगातार समर्थन मिलता है. फलतः देश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिदृश्य को रूपान्तरित करने में सहायता मिलती है.

देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षमता तथा सामर्थ्य बढ़ाने के प्रयास में कई योजनाएँ चलाईं, ताकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समुदाय को वैज्ञानिक एवं तकनीकी उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिल सके, जैसे–वैज्ञानिक अनुसन्धान में भारत की वैश्विक रैंकिंग बेहतर करने के लिए **'आर एंड डी'** (R&D) संस्थानों को प्रोत्साहन देना; ढाँचागत सुविधाएँ तैयार करने बहुपक्षीय समझौते की प्रणाली लागू करने, राष्ट्रीय अभियानों के जरिए प्रौद्योगिकी लागू करना, आदि अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिससे **'डी एस डी'** क्षेत्र नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है.

भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट 2018–19 के अनुसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science and Technology–DST) अधीनस्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मन्त्रालय (MoS&T, GOI) द्वारा अनेक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के सन्दर्भ में उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं, जिन्हें संक्षिप्त रूप से वर्णित किया जा सकता है–

प्रमुख उपलब्धियाँ एवं नई दिशाएं (Major Achievements and New Directions)—

- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (अधीनस्थ–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मन्त्रालय, भारत सरकार का संगठनात्मक ढाँचा/संरचना एवं क्रियाकलाप (Organisational Set-up/Infrastructure and Functional Activities of the Department of Science and Technology–Under the Ministry of Science and Technology–GOI)—**

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) अधीनस्थ–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मन्त्रालय (MoS&T)–भारत सरकार, टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 (मुख्यालय Hq.) स्थित है.
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) देश के बाह्य **आर एण्ड डी** (R&D) के लिए एक-मात्र सबसे बड़ा सहायता तन्त्र है. विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड के माध्यम से विज्ञान और इंजीनियरिंग के सभी क्षेत्रों में आधारभूत अनुसन्धान को प्रोत्साहन से अभिनव एवं अन्तर-विषयक क्षेत्रों में अनुसन्धान के विकास में तेजी आती है. राष्ट्रीय विकास और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धात्मकता की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकारी क्षेत्र में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों और औद्योगिकीविदों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम देश में **'एस एण्ड टी' (S&T)** में मानव क्षमता निर्माण हेतु कुछ कार्यक्रम हैं.

तथ्य एक दृष्टि में :

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (Science and Technology) क्षेत्र से सम्बन्धित

- *भारत में अन्तरिक्ष कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 1962 में, प्रसिद्ध अन्तरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई की अध्यक्षता में गठित भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान समिति के गठन के साथ तिरुवनन्तपुरम में हुई. इसी समिति का पुनर्गठन करके वर्ष 1969 ई. में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन (ISRO–इसरो बेंगलूरू–अनुसन्धान को मजबूती प्रदान करने हेतु 1972 ई. में केन्द्र सरकार ने एक अलग अन्तरिक्ष विभाग और अन्तरिक्ष आयोग का गठन किया गया.*
- *मिसाइल मैन ऑफ इण्डिया–डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, (**जन्म**–15 अक्टूबर, 1931, रामेश्वरम्, रमानाथपुरम, तमिलनाडु, **मृत्यु**–27 जुलाई, 2015 **83** वर्ष की अवस्था), शिलॉग, मेघालय (पूर्वोत्तर राज्य) में; भाषण देने के दौरान; भारत के 11वें राष्ट्रपति (25 जुलाई, 2002–25 जुलाई, 2007 तक); भारत रत्न से वर्ष 1997 में सम्मानित; भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान PSLV-3 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई; जनता के राष्ट्रपति के नाम से जाने जाते, आदि.*
- ***पहले** आसियान-भारत इन्नोटेक शिखर सम्मेलन (India Asean Inno-Tech Summit) का उद्घाटन/मेजबानी 29–30 नवम्बर, 2018 के दौरान नई दिल्ली में हुई.*

- **'राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद्'** (NCSTC) द्वारा वर्ष 2018-19 के दौरान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने एवं इनके संचार, साथ ही वैज्ञानिक प्रवृत्ति को उभारने हेतु एक नई पहल के एक हिस्से के रूप में अनेक सम्मेलन/प्रदर्शनियाँ की गईं, जैसे–राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मेलन 2018; भारत विज्ञान दर्शन; भारत अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान पर्व-2018; पहियों पर विज्ञान प्रदर्शनी; विज्ञान में अनुसन्धान और नवोन्मेष के लिए पहल **(IRIS)**; राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन तथा राष्ट्रीय शिक्षक विज्ञान सम्मेलन, आदि अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम किए गए. एक नई पहल **'ऑग्मेंटिंग राइटिंग स्किल थ्रू आर्टिकुलेटिंग रिसर्च' (AWSAR)** का आरम्भ **पी-एच.डी.** (Ph.D.) विद्यार्थी विज्ञान संचार के पोस्ट-डॉक्टरल शोधार्थी के प्रच्छन्न सामर्थ्य का प्रयोग करने हेतु किया गया है.
- दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में मथुरा से लॉंच किया–**'पशु टीकाकरण अभियान'**–पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) के प्रांगण में. इस **'राष्ट्रीय पशु निरोग अभियान'** के तहत् **'खुरपका एवं मुँहपका (एफएमड–**-Foot & Mouth Disease) एवं **ब्रेसेलोसिस टीकाकरण अभियान'** को लाँच किया. इसके तहत् देशभर में 51 करोड़ गाय-भैंसों को टीका लगाए जाएंगे. योजना पर 15,343 करोड़ खर्च होंगे. चूँकि पशुधन हमेशा भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग रहा है. केन्द्र सरकार की **'गोकुल योजना'** और **'कामधेनु आयोग'** के गठन द्वारा पशुधन पर प्राथमिकता है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री आदित्यनाथ योगी ने भी इस समारोह में गोबर गैस से सिलिंडर रीफिलिंग की परियोजना बनाने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए. **'राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम** एवं देश व्यापी **'कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम** तथा **'स्वच्छता ही सेवा**–2019 का शुभारम्भ श्रीकृष्ण की पावन नगरी मथुरा से किया गया. खुरपका-मुँहपका **(FMD)**–वाइरस से उच्च संचारी रोग हैं, जिनके नियन्त्रण हेतु वैक्सीनेशन लगाए जाते हैं.
- नैनो प्रौद्योगिकी (Nano Technology) के अन्तर्गत किसी द्रव्य के परमाण्विक तथा आण्विक पैमाने पर कार्यकुशलता का अध्ययन किया जाता है, ताकि नए पदार्थों तथा यन्त्रों का निर्माण हो, जिनका प्रयोग औषधि, विद्युत्, जैव पदार्थों तथा ऊर्जा

उत्पन्न करने के लिए किया जाता है. 'नैनो' (Nano) शब्द 'ग्रीक' भाषा के 'नैनोज' से बना है, जिसका अर्थ होता है 'बौना' (ड्वार्फ). लेकिन, विज्ञान की अन्तर्राष्ट्रीय मापन प्रणाली के अन्तर्गत 'नैनो' से तात्पर्य 'एक अरबवें' भाग से होता है, जैसे–'एक मीटर का एक अरबवाँ भाग एक नैनोमीटर' कहलाता है. ऑक्सीजन (O_2) के एक अणु का व्यास 0·1 नैनो मीटर होता है; नैनो मीटर के मानक हैं–पीकोमीटर, एटोमीटर और फेम्टोमीटर.

- राजस्थान राज्य में प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा कार्यान्वित **'विंड टर्बाइन ब्लेड'** के लिए संगमरमर की धूल से भरे प्रबलित पॉलिमर कम्पोजिट का विकास से मौजूदा सामग्री वाले **'विंड टरबाइन ब्लेड'** की तुलना में 20 भार % भराव सामग्री सहित ग्लास फाइबर प्रबलित पॉलीमर कम्पोजिट से बेहतर गुण प्रदर्शित होते हैं. **'एमएनआईटी'** (**MNIT**)–**इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर** (**MIIC**), जयपुर (राज.) में परियोजना की अवधारणा के आधार पर **स्टार्ट-अप–''विन्सेन्जो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड'** पंजीकृत किया गया.
- पूर्वोत्तर राज्य/क्षेत्र (NER–भारत की 7 बहिनें) में **'मणिपुर काउंसिल फॉर साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी'**, मणिपुर द्वारा मणिपुर राज्य के इम्फाल पश्चिम जिले में अनुसूचित जाति (SC)/अनुसूचित जनजाति (STs) क्षेत्रों में सार्वजनिक तालाबों में जल निस्पंदन इकाइयों की स्थापना और मूल्यांकन से पता चला है कि दूरस्थ अ.जा. (SC)/अनु.ज.जा.-STS) गाँवों में सामुदायिक तालाबों के पानी को पेय/पीने योग्य पानी में बदल दिया गया है; साथ-ही-साथ, इन गाँवों के लोगों को **'बीएआरसी'** (**BARC**)–**'यूएफ'** (**UF**) **वाटर फिल्ट्रेशन सिस्टम'** के संचालन और रखरखाव का प्रशिक्षण भी मिला है. फिल्ट्रेशन इकाई की जल निस्पंदन दर 90–100 लि/घण्टा है, जो एक अच्छी सफलता दर्शाती है.
- **'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान'** (**IIT**), दिल्ली द्वारा कार्यान्वित ग्रामीण/अर्धग्रामीण डेयरी संचालन के लिए भोपाल, (म.प्र.) में **'वायरलेस सेंसर नेटवर्क'** आधारित **'पशु विकास निगरानी योजना'** का ग्राम स्तर पर प्रायोगिक रूप से उपयोग किया जा रहा है. इस परियोजना के दौरान पूरे साबरमती आश्रम गौशाला (SAG) परिसर, अहमदाबाद (गुजरात) के लगभग 400 गायों वाली 5 पशुशालाओं को **दो वाईफाई पॉइन्ट्स** (**AP**) और **एक-'वाईफाई क्लाइंट'** का उपयोग करके वाईफाई नेटवर्क उपलब्ध कराया गया. **एपी** (AP) ग्राहक और कैस्केटर सौर ऊर्जा संचालित है और इस प्रकार **'एसएजी'** (**SAG**) को बिजली आपूर्ति से उसका कोई सम्बन्ध नहीं है.
- वर्ष 2018-19 में, 19–30 नवम्बर, 2018 को **'राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान'**, बैंगलूरू (कर्नाटक) द्वारा आयोजित विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष नीति के भागीदार लगभग 750 वैज्ञानिकों ने 33 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के आयोजन से लाभ उठाया, जिसमें लगभग 180 महिला वैज्ञानिकों को लाभ पहुँचाया गया.
- महिला वैज्ञानिकों के लिए **'किरण'** (प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसन्धान संवर्धन में ज्ञान की सहभागिता) **कार्यक्रम** में लैंगिक सन्तुलन के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी में स्त्री-पुरुष समानता लाने के अधिदेश सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) की महिला विशिष्ट स्कीमें शामिल हैं. वर्ष 2017-18 के दौरान, **'किरण'** के अन्तर्गत अनेक कार्यक्रमों की कई उपलब्धियाँ मिली हैं. सेवा में व्यवधान वाली चुनींदा 45% महिला वैज्ञानिकों ने अपने प्रोजेक्ट की अवधि में **'डब्ल्यू ओएस-ए'** (**WOS**–A) की सहायता से पी-एच.डी. (Ph.D) डिग्री प्राप्त की, जो स्कीम की प्रासंगिकता तथा लोकप्रियता को सिद्ध करती है. वर्ष 2017-18 के दौरान, इस घटक के तहत् वित्तपोषित जारी 145 प्रोजेक्ट्स् का मॉनीटरिंग भी किया गया, जिनमें सफलता एवं प्रगति दिखाई दी.
- **स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति**–भारत की आजादी के '**50वें**' वर्ष के अवसर पर वर्ष 1997 में **'स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति योजना' युवा** वैज्ञानिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसन्धान को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए शुरू की गई थी. वर्ष 2017-18 के दौरान, 392 आवेदकों में से **तीनस्तरीय कठोर स्क्रीनिंग प्रक्रिया'** के माध्यम से 14 अध्येताओं को योजना के तहत् चुना गया है. वर्ष 2017-18 के लिए **'स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति'** में गणितीय विज्ञान के 2; रसायन विज्ञान के 2, भौतिक विज्ञान के 2; जीवन विज्ञान के 3; अभियांत्रिकी विज्ञान के 3 तथा पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान के 2 आवेदकों की संख्या में चुने गए.
- **'सत्यम'** (योग और ध्यान की विज्ञान और प्रौद्योगिकी) ने न केवल विकारों वाले रोगियों में, बल्कि स्वस्थ लोगों में भी संरचनात्मक कार्य पर योग और ध्यान द्वारा पड़ने वाले प्रभाव के अतिरिक्त शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर वैज्ञानिक अनुसन्धान को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है. वर्ष 2017 में प्रस्तावों के **तीसरी** बार आमन्त्रण पर **'डीएसटी'** (**DST**) को देशभर में 214 अनुसन्धान प्रस्ताव मिले, जिनमें से 17 परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी गई है.
- **'डीएसटी'** (**DST**) पूरे देश में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूवेटर्स (DBT) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क (STEP) का नेटवर्क स्थापित करने में अग्रणी है. वर्ष 2018-19 के दौरान, **'NIDHI'**–(**एनआईडीएचआई**) कार्यक्रम के तहत् नए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूवेटर्स ने **11 टीबीआई** (**TBI**) स्थापित किए हैं.
- 'केन्द्रीय **बकरी अनुसन्धान संस्थान'** (CIRG), मखदूम, मथुरा (उ.प्र.)-ICAR के अधीनस्थ, में 5 सेल्फ-स्टेबल संसाधिक उत्पादों अर्थात् रिसोर्ट संसाधित बकरे का मांस की कढ़ी; बकरे के मांस की बिरयानी, पेटीज, कबाब, नगिट का विकास किया, जिस प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन प्रगतिशील किसानों, उद्यमें में लगे प्रशिक्षकों के सामने किया गया.

निष्कर्ष (Conclusion)

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि वर्ष 2018-19 के दौरान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST)–अधीनस्थ–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मन्त्रालय (MoS&T, GOI) नई दिल्ली द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास, संचार, सशक्तिकरण सुलभता, आदि क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों से निम्न निष्कर्ष निकाला जा सकता है–

(1) देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में **'विज्ञान-ज्योति'** के अधीनस्थ 15 प्रायोगिक प्रोजेक्टों को कार्यान्वित किया गया, जिसमें **9वीं** और **11वीं** कक्षा में पढ़ रही मेधावी छात्राओं के लिए 3 साप्ताहिक आवासीय कार्यक्रम आयोजित किए गए. विज्ञान एवं इंजीनियरी में उच्च अध्ययन और कॅरियर का अनुशीलत करने के लिए लगभग 450 विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया, जिससे छात्र/छात्राओं को आगे बढ़ने हेतु बल मिलेगा (Learning by Doing संदेश).

(2) संगठनात्मक विज्ञान अनुसन्धान पहल (CSRI)–बहुकेन्द्रीय बृहत प्रोजेक्टों, व्यक्तिगत प्रोजेक्टों, पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृत्ति (PDF) प्रदान करती है; और साथ ही, अवसरंचना विकास, अनुभवात्मक और नेट वर्किंग क्रियाकलापों के सहभाजन को सुदृढ़ बनाती है. वर्ष 2018-19 के दौरान, 44 व्यक्तिगत प्रोजेक्टों और **12 CSIR–PDF** प्रोजेक्टों को सहायता दी गई, ताकि भविष्य में और विकास हो.

(3) **'स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति योजना'** के तहत् 392 आवेदनों में से **तीन** स्तरीय कठोर स्क्रीनिंग प्रतिक्रिया के माध्यम से 14 अध्येताओं को चुना गया है.

(4) **NCSTC** (राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद्) द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T) के संचार को लोकप्रिय बनाने हेतु राष्ट्रीय दूरदर्शन (डीडी साइंस-ए विज्ञान समर्पित चैनल दूरदर्शन तथा भारत विज्ञान एक डिजिटल 24 × 7 विज्ञान चैनल (इन्टरनेट, TV अनुप्रयोग करने वाले) को प्रारम्भ किया गया है. इनके अलावा ऐसे अनेक कार्य वर्ष के दौरान किए गए.

Vikas Bhadu

स्मरणीय बिन्दु :

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (Science and Technology) क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास सम्बन्धी

- *नैनो विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन ने वर्ष 2018-19 के दौरान 21 नए वैज्ञानिक-केन्द्रित* ***'आर एंड डी'*** *(R&D) परियोजनाओं को सहायता प्रदान की प्रौद्योगिक विकास के तहत् देशभर के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों के 50 नए प्रस्तावों को लाभान्वित किया गया है.*
- *7 नए जाँच सुविधा केन्द्रों को उत्तम प्रयोगशाला पद्धति (GLP) अनुपालन पद्धति की श्रेणी प्रदान की गई. वर्तमान में देश में 50 GLP प्रमाणित सुविधा केन्द्र हैं.*
- *वर्ष 2018-19 में मेघालय राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्, शिलांग में राज्य S&T कार्यक्रम चालू है.*
- ***'एमएनआईटी'*** ***(MNIT)****, जयपुर द्वारा राजस्थान राज्य के एक छोटे से गाँव हेतु सौर तापीय ऊर्जा सहायता प्राप्त त्वरित थोक दुग्ध प्रशीतक का विकास किया गया है, जिससे 35°C से 04°C तक दूध ठण्डा करने हेतु औसतन समय 2 घण्टे 30 मिनट का रखा है.*
- *विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, कोलकाता द्वारा प. बंगाल राज्य में 6 कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए सूक्ष्म प्रसार प्रयोग-शाला एवं* ***EFY*** *(एलीफेंट फुट याम) हेतु विकेन्द्रीकृत बीज उत्पादन प्रणाली स्थापित करने हेतु प्रयास जारी.*

Vikas Bhadu

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **'नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसन्धान'** के उभरते क्षेत्र में अनुसन्धान तथा विकास (आर एण्ड डी) को बढ़ावा देने हेतु **'राष्ट्रीय नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अभियान'** किस वर्ष आरम्भ किया गया, ताकि बुनियादी ढाँचे-अनुसंधान, विकास-प्रौद्योगिकी, नैनो एप्लिकेशन में बल मिले ?
(A) 2005
(B) 2006
(C) 2007
(D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

2. **'वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसन्धान परिषद्'** (CSIR–Council of Scientific and Industrial Research–GOI) की स्थापना किस वर्ष की गई, जो एक स्वायत्तशासी संस्था-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास (R&D) जानकारी हेतु विख्यात है, जिसकी वेबसाइट www.csir.res.in है ?
(A) 1940 (B) 1942
(C) 1945 (D) 1946

3. **'परमाणु ऊर्जा विभाग'** **(DAE)** की स्थापना किस वर्ष हुई थी, जो परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास, कृषि, चिकित्सा, उद्योग के क्षेत्रों, अनुसन्धान में विकिरण प्रौद्योगिकियों के उपयोग में लगा है, जिसकी वेबसाइट : www.dae.nic.in जानकारी हेतु उपलब्ध है ?
(A) 1954 (B) 1960
(C) 1962 (D) 1965

4. राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में वर्ष 2018 के लिए **'आईआईजीपी'** (IIGP–India Innovation Growth Program) 2·0 शुभारम्भ कब किया गया, जिसकी अध्यक्षता भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा की गई ?
(A) 21 मार्च, 2018
(B) 21 अप्रैल, 2018
(C) 21 फरवरी, 2018
(D) 21 जनवरी, 2018

5. **'जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय'** **(JNU),** नई दिल्ली में वर्ष 2018-19 के दौरान **'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस'** समारोह ………… को आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय "जनता के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए जनता" था.
जनवरी, 2019
(B) 28 फरवरी, 2019
(C) 28 मार्च, 2019
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (C) 2. (B) 3. (A) 4. (A) 5. (B)

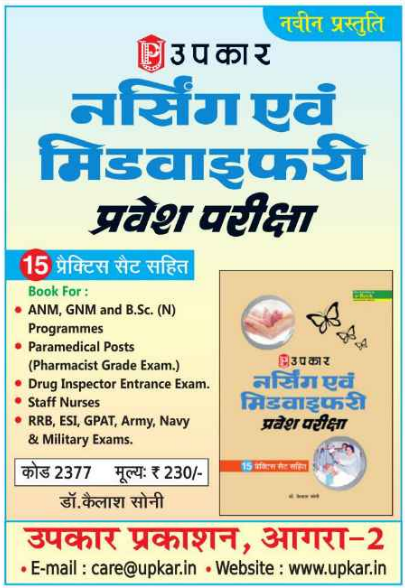

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

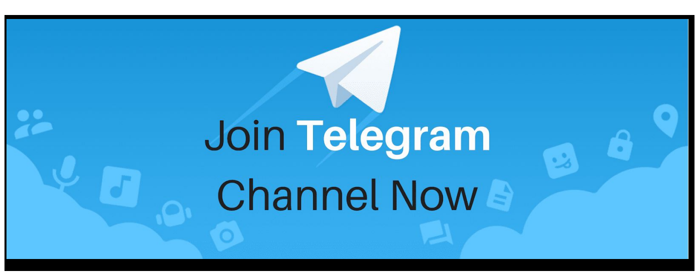

बिहार सरकार की नवीनतम योजनाएँ

✍ धीरज पाण्डेय

Vikas Bhadu

बिहार सरकार द्वारा बीपीएल वर्ग, विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों तथा गरीब बेरोज़गारों के लिए बहुत-सी योजनाएँ शुरू की गई हैं. इन योजना को सफल किया जा सके, इसके लिए राज्य सरकार केन्द्र सरकार की सहायता ले रही है. बिहार सरकार की प्रमुख योजनाएँ एवं विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

जल जीवन हरियाली अभियान, 2019

- बिहार सरकार ने मौसम में आ रहे बदलाव को देखते हुए राज्य में जल जीवन हरियाली अभियान (Jal Jivan Hariyali Campaign in Bihar) शुरू करने की घोषणा की है.
- मुख्यमन्त्री नितीश कुमार जल जीवन हरियाली अभियान को गांधी जयंती की 150वीं वर्षगाँठ पर लॉन्च करेंगे.
- राजस्व और भूमि सुधार विभाग (Revenue and Land Reforms Department–RLRD) ड्रोन या हेलीकॉप्टर के माध्यम से पूरे राज्य में सभी सार्वजनिक जल निकायों, जैसे तालाबों, आहर-पाइन और कुओं की पहचान करके उनकी पूरी रिपोर्ट तैयार करेंगे.
- राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए इस जल जीवन हरियाली अभियान को लेकर लोगों में जागरूकता पहले से ही शुरू कर दी गई है.
- इस सरकारी योजना में सरकार पाँच मोर्चों पर एक साथ काम करेगी, जैसे तालाबों, आहर-पाइन की उड़ाही, पौधे लगाना, रेन वाटर हार्वेस्टिंग (Rain Water Harvesting Under Jal Jivan Hariyali Campaign) और जहाँ सूखा पड़ता है वहाँ पर नदियों का पानी पहुँचाना.
- इसके अलावा आने वाले समय में लोगों को ज्यादा-से-ज्यादा सोलर लाइट इस्तेमाल करने के लिए भी सरकार प्रोत्साहित करेगी.

मुख्यमन्त्री वृद्धजन पेंशन योजना

- बिहार, 60 वर्ष और उसके ऊपर के सभी बुजुर्गों को पेंशन देने वाला पहला राज्य बन गया है.
- बिहार सरकार ने 1 मार्च, 2019 को यूनिवर्सल ओल्ड एज पेंशन स्कीम लॉन्च की.
- इस योजना के तहत् 60 वर्ष से अधिक आयु के गरीब लोगों को प्रति माह ₹ 400 और 80 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को प्रति माह ₹ 500 मिलेंगे.
- इस योजना का लाभ सभी जातियों और हर एक वर्ग के उस बुजुर्ग को मिलेगा, जिसे अब तक केन्द्र या राज्य सरकार की ओर से कोई पेंशन नहीं मिलती है.
- अन्य राज्यों में वृद्धावस्था पेंशन केवल बीपीएल परिवारों, एससी/एसटी, विधवा महिलाओं और विकलांगों को मिलती है. हालांकि बिहार में हर एक पुरुष या महिला जिसकी उम्र 60 या उससे ऊपर है और उन्हें राज्य सरकार या केन्द्र सरकार से अब तक पेंशन नहीं मिलती है, तो वे मुख्यमन्त्री वृद्धजन पेंशन योजना के तहत् पेंशन के हकदार होंगे.
- पहले से गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों को वृद्धा पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा था. विधवा पेंशन, दिव्यांगजनों को पेंशन जैसी अनेक योजनाएँ चलाई जा रही थीं, लेकिन 60 वर्ष से ऊपर के सभी वृद्धजनों चाहे स्त्री हो या पुरुष जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार से कोई वेतन, पेंशन, पारिवारिक पेंशन या सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त नहीं हो रही है, उन्हें इसका लाभ देने की योजना बनाई और इसे लागू कर दिया गया है.
- इस योजना का लाभ करीब 35 से 36 लाख बुजुर्गों को मिलेगा, जो अब तक किसी योजना के तहत् पेंशन नहीं पाते हैं.

पत्रकार सम्मान पेंशन योजना

- बिहार सरकार ने 13 फरवरी, 2019 से बिहार पत्रकार सम्मान योजना की शुरूआत की है.
- इसके तहत् 20 वर्ष तक का पत्रकारिता का अनुभव रखने वाले पत्रकारों को ₹ 6 हजार प्रति माह पेंशन मिलेगी.
- खास बात है कि इस योजना का लाभ अखबार, टीवी जनर्लिस्ट और वेब पोर्टल में कार्यरत् सभी पत्रकार उठा सकते हैं.
- पेंशन का लाभ ले रहे ऐसे पत्रकारों की मृत्यु होने पर, उनकी पत्नी या पति को भी तीन हजार रुपया प्रतिमाह पेंशन के रूप में आजीवन मिलता रहेगा.
- इस योजना के तहत् पत्रकार, छायाकार, सम्पादक, समाचार सम्पादक और व्यंग चित्रकार भी शामिल होंगे. पेंशन की राशि का भुगतान सीधे लाभान्वितों के खाते में किया जाएगा.

मुख्यमन्त्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना

- बिहार सरकार ने अनुसूचित जाति-जनजाति के युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमन्त्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना शुरू की है.
- इसके तहत् चयनित युवाओं को उद्योग विभाग प्रशिक्षण और सहायता देगा.
- इस योजना के तहत् सरकार युवाओं को उद्योग लगाने के लिए अधिकतम ₹ 10 लाख देगी.
- परियोजना लागत का 50 प्रतिशत यानी ₹ 5 लाख ब्याज मुक्त ऋण और 50 प्रतिशत (अधिकतम ₹ 5 लाख) विशेष प्रोत्साहन राशि सब्सिडी के रूप में दी जाएगी.
- लाभार्थी को प्रशिक्षण के लिए प्रति इकाई ₹ 25 हजार दिया जाएगा.
- इस योजना के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए पहले चरण में ₹ 102 करोड़ 50 लाख की व्यवस्था की गई है.
- लाभार्थियों के चयन की जिम्मेदारी उद्योग विभाग के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति को दी गई है.
- योजना का लाभ लेने वाले आवेदक को बिहार का निवासी होने के साथ एससी एवं एसटी वर्ग का होना चाहिए. उनकी शैक्षणिक योग्यता कम-से-कम 10 + 2 या इंटरमीडिएट आईटीआई, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा या समकक्ष होना जरूरी है. उनकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष हो.
- पर्यटन, परिवहन, ब्यूटी पॉर्लर, फोटो स्टेट मशीन व टाइपिंग, मसाला, पापड़, बड़ी बनाना, दाल मिल, तेल मिल, आटा चक्की, सिलेसिलाए वस्त्र, चमड़े के चप्पल, जूते, पर्स, बैग आदि के कारोबार को प्राथमिकता दी जाएगी.

मुख्यमन्त्री कन्या (बालिका) उत्थान योजना

Vikas Bhadu

- बिहार सरकार ने बालिकाओं के संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वावलम्बन को ध्यान में रखकर 'मुख्यमन्त्री कन्या उत्थान कार्यक्रम' की शुरूआत की है.
- इस योजना का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, कन्याओं के जन्म, निबन्धन और सम्पूर्ण टीकाकरण को प्रोत्साहित करना, लिंग अनुपात में वृद्धि लाना, बालिका शिशु मृत्यु दर को कम करना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना, बाल विवाह पर अंकुश लगाना और कुल प्रजनन दर में कमी लाना भी शामिल है.
- बालिकाओं को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना, सम्मानपूर्वक जीवनयापन करने के अवसर प्रदान करना और परिवार एवं समाज में उनका आर्थिक योगदान बढ़ाना भी इसी योजना का लक्ष्य है.
- 'मुख्यमन्त्री कन्या उत्थान योजना' एक यूनिवर्सल कवरेज योजना है, अर्थात् राज्य की सभी कन्याओं को जन्म से लेकर स्नातक पास होने तक के लिए होगी. इस योजना का लाभ परिवार के दो बच्चों तक ही सीमित रहेगा.
- इस योजना के तहत् कन्या शिशु के जन्म पर माता/पिता/अभिभावक के बैंक खाते में ₹ 2,000 देने का प्रावधान है. साथ ही 1 वर्ष पूरा होने और आधार पंजीकरण कराने पर माता/पिता/अभिभावक के बैंक खाते में ₹ 1,000 देने का प्रावधान किया गया है.

मुख्यमन्त्री ग्रामीण आवास योजना

- बिहार सरकार ने अपने पुराने घरों के पुनर्निर्माण के लिए 1996 से पहले इंदिरा आवास योजना या अन्य आवास योजनाओं के तहत् घरों को प्राप्त करने वाले परिवारों या अपनी भूमि पर नए घरों का निर्माण करने के लिए ₹ 1,20,000 की सहायता प्रदान करने के लिए एससी/एसटी/ओबीसी परिवारों के गरीब लोगों के लिए मुख्यमन्त्री ग्रामीण आवास योजना शुरू है.
- वित्त वर्ष 1996 से पहले इंदिरा आवास योजना या अन्य आवास योजनाओं के तहत् नए घर आवंटित किए गए सभी लोग अब पुनर्निर्माण उद्देश्यों के लिए ₹ 1·2 लाख की वित्तीय सहायता (Financial Assistance) प्राप्त कर सकते हैं. ऐसा इसलिए है, क्योंकि आवंटियों को दिए गए घर अब जर्जर स्थितियों में हैं और उन्हें पुनर्निर्माण की जरूरत है. विशेष रूप से एससी/एसटी/ओबीसी श्रेणी (SC/ST /OBC Category) से सम्बन्धित लोग इन घरों में रहते हैं.

मुख्यमन्त्री वास स्थल क्रय सहायता योजना

- अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के लोगों के लिए बिहार में मुख्यमन्त्री वास स्थल क्रय सहायता योजना (Mukhyamantri Vaas Sthal Kray Sahayata Yojana) शुरू की है.
- इस योजना के तहत् राज्य सरकार लोगों को उनके घरों को तैयार करने के लिए भूमि खरीदने के लिए ₹ 60,000 की वित्तीय सहायता (Financial Assistance) प्रदान करेगी. भूमि की खरीद के बाद, लोग प्रधानमन्त्री आवास योजना (PMAY–Grameen) के तहत् नए घरों के निर्माण के लिए ₹ 1·2 लाख की सहायता का लाभ उठा सकेंगे.
- मुख्यमन्त्री वास स्थल क्रय सहायता योजना और मुख्यमन्त्री ग्रामीण आवास योजना बिहार सरकार की 'सभी के लिए आवास' (Housing for All) के दृष्टिकोण को समझने के लिए 2 प्रमुख योजनाएँ हैं.
- इन दोनों योजनाओं को गरीब लोगों के कल्याण के लिए शुरू किया गया है और 15 अगस्त, 2018 को पहली बार घोषित किया गया था.
- राज्य सरकार नए घरों के निर्माण के लिए भूमि खरीदने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क (Registration Charges) नहीं लेगी.

मुख्यमन्त्री ग्राम परिवहन योजना

- मुख्यमन्त्री ने ग्राम परिवहन योजना की घोषणा 15 अगस्त, 2018 को की थी, जिसे 9 अक्टूबर, 2018 से प्रारम्भ कर दिया गया है.
- इस योजना के तहत् वाहनों का परिचालन ग्राम पंचायत से प्रखण्ड मुख्यालय तक किए जाने के लिए प्रत्येक पंचायत के लिए पाँच वाहनों की खरीद पर खरीद मूल्य के 50 प्रतिशत तक की राशि अथवा अधिकतम एक लाख रुपए अनुदान स्वरूप राशि का भुगतान परिवहन विभाग द्वारा किया जाएगा.
- आवेदनकर्ताओं में सबसे अधिक पढ़े-लिखे को प्राथमिकता दी जाएगी. इस योजना की एक शर्त भी है, जिसके अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए बेरोजगार युवकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी है.
- फॉर्म में लाइसेंस का नम्बर भी देना होगा, अनुदान राशि से वाहन खरीदने के बाद उसे 10 वर्ष तक वाहन बेचने की इजाजत नहीं होगी.
- मुख्यमन्त्री ग्राम परिवहन योजना में हर पंचायत से 5 बेरोजगार युवकों का चयन किया जाएगा और उन्हें अनुदान दिया जाएगा. इनमें 2 अति पिछड़ी व 3 अनुसूचित जाति जनजाति के होंगे.

राज्य फसल सहायता योजना

- बिहार के लाखों किसानों को मौसम की मार की वजह से होने वाले फसल नुकसान से निजात दिलाने के लिए मुख्यमन्त्री नितीश कुमार ने जून 2018 में राज्य फसल सहायता योजना की शुरुआत की है.
- राज्य फसल सहायता योजना के लागू होने के बाद प्रदेश में पहले से जो भी फसल बीमा योजनाएँ चल रही थीं, उसकी जगह इस नई योजना की शुरुआत की गई है.
- बिहार राज्य फसल सहायता योजना अपने आप में अलग तरह की और फसल बीमा से अलग योजना है.
- इसमें किसानों को कोई राशि नहीं देनी होती है. फसल सहायता का लाभ रैयती और गैर-रैयती दोनों तरह के किसानों को मिलेगा.
- किसानों की फसल उपज दर में 20 प्रतिशत की कमी आने पर सरकार ₹ 7500 प्रति हेक्टेयर की दर से राशि प्रदान कर सकती है.
- बिहार ऐसा पहला राज्य बन गया है जहाँ किसानों को फसल नुकसान पर राहत देने के लिए इस प्रकार की योजना की शुरुआत की गई है.
- राज्य सरकार की इस नई योजना के लागू हो जाने के बाद प्रदेश में किसानों को फायदा पहुँचाने के लिए पहले से चल रही प्रधानमन्त्री फसल बीमा योजना और अन्य किसी प्रकार की बीमा योजना अब बन्द हो जाएगी.

मुख्यमन्त्री हरित कृषि संयंत्र योजना 2018

- उपज को बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए राज्य के कृषकों को पैक्स के माध्यम से भाड़े पर कृषि संयंत्र उपलब्ध कराने के लिए यह योजना शुरू की गई है.
- मुख्यमन्त्री हरित कृषि संयंत्र योजना बिहार के तहत् राज्य सरकार ऋण के रूप में 50% राशि और प्राथमिक कृषि

सहकारी क्रेडिट सोसाइटी (पीएसीएस) को अनुदान के रूप में 50% राशि प्रदान करेगी.

- पैक्स को ₹ 20 लाख की लागत तक के कृषि उपकरण देने का लक्ष्य है.
- इसमें मुख्य रूप से ट्रैक्टर, ट्रॉली, थ्रेसर, कल्टीवेयर एवं अन्य महत्वपूर्ण उपकरण मुहैया कराए जाएंगे. कृषि यन्त्र की लागत ₹ 20 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए.
- अब जिन किसानों की अपनी कृषि मशीनरी नहीं है उन्हें अन्य किसानों से उच्च दरों पर किराए पर नहीं लेना पड़ेगा. इसके बजाय, ऐसे किसान आसानी से मशीनरी ले सकते हैं, नाममात्र किराए का भुगतान कर सकते हैं और अपने काम कर सकते हैं.

स्टार्ट अप नीति, 2017

- बिहार सरकार ने नए आइडिया को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट अप नीति, 2017 लागू की है.
- मार्च 2017 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम द्वारा बिहार में नए उद्यमियों और युवाओं को अपने उद्यम में सहयोग करने का संकल्प किया गया है.
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार में उद्यमिता का ईको सिस्टम विकसित करना है.
- इस योजना के तहत् सरकार इसमें शामिल उद्यमियों को ₹ 10 लाख तक का बिना ब्याज का कर्ज, शुरूआती पूँजी (सीड मनी) के रूप में देगी.
- इसके अलावा इसमें उद्यमियों को और भी कई प्रकार की छूट और रियायतों का प्रावधान किया गया है.
- स्टार्ट अप को सीड मनी देने वाला बिहार पहला राज्य है.
- नई स्टार्ट अप नीति, 2017 में 10 वर्ष के लिए ₹ 10 लाख का ब्याज रहित ऋण देने की व्यवस्था है.
- स्टार्ट अप का चयन और उनके लिए फंड की व्यवस्था करने के लिए सलाहकार समिति का गठन किया गया है.
- इस नीति के तहत् उद्यमियों के लिए ₹ 500 करोड़ का फण्ड बनाया गया है.
- चालू वित्तीय वर्ष के लिए सरकार ने ₹ 100 करोड़ आवंटित भी कर दिए हैं.

मुख्यमंत्री अत्यन्त पिछड़ा वर्ग छात्र-वृत्ति योजना, 2017

- बिहार सरकार ने बिहार राज्य के अत्यन्त पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए 'मुख्यमन्त्री अत्यन्त पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति योजना, 2017' के नाम से एक योजना (एमएमएसवाई) का शुभारम्भ किया है.
- इस योजना के तहत् राज्य के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी.
- इस योजना के अन्तर्गत बिहार राज्य सरकार ने अत्यन्त पिछड़े वर्ग के 10वीं कक्षा के मेधावी छात्रों को ₹ 10000 तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी.
- कल्याण विभाग ने इस योजना को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के लिए शुरू किया है.
- बिहार सरकार ने इस योजना को बिहार में 2008-09 को प्रारम्भ किया था.
- बिहार में वर्ष 2017 में दसवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण करने वाले अत्यन्त पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जाएगी.
- छात्रवृत्ति के लिए ₹ 32 करोड़ 54 लाख 70 हजार की राशि जारी की गयी है जो प्रति छात्र/छात्रा को दस-दस हजारे रुपए के हिसाब से प्रदान की जाएगी.
- विभाग ने सभी जिला कल्याण पदाधिकारियों को बैंक खाते में आरटीजीएस के माध्यम से छात्रवृत्ति का भुगतान करने का निर्देश दिया है.
- जो राशि खर्च नहीं होगी उसे जिला कल्याण विभाग को वापस करना होगा.

मुख्यमन्त्री प्रोत्साहन सहमेधावृत्ति योजना, 2017

- इस योजना के तहत् राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों प्रथम श्रेणी से मैट्रिक उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को ₹ 10 हजार तथा द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को ₹ 8 हजार का भुगतान दिया जाता है.
- बिहार मुख्यमन्त्री प्रोत्साहन सह-मेधावृत्ति योजना के तहत् इंटरमीडिएट में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाली केवल अनुसूचित जाति की छात्राओं को ₹ 15 हजार तथा द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाली केवल अनुसूचित जाति की छात्राओं को ₹ 10 हजार इस योजना के तहत् भुगतान किए जाते हैं.
- वहीं मैट्रिक परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण करने वाले अति पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को ₹ 10 हजार तथा पिछड़े वर्ग के केवल छात्र को प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने पर ₹ 10 हजार इस योजना के तहत् भुगतान किया जाता है.

कुशल युवा कार्यक्रम

- बिहार सरकार ने राज्य में युवाओं के लिए कुशल युवा कार्यक्रम (Kushal Yuva Program) के तहत् एक कौशल प्रशिक्षण योजना की शुरूआत की है.
- इस योजना की घोषणा राज्य के शिक्षित और कुशल कार्यरत् युवाओं की आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए चलाई गई 'आर्थिक हल, युवाओं को बल' (Arthik Hal, Yuvaon Ko Bal) पहल के तहत् की गई थी.
- कुशल युवा योजना (Kushal Yuva Scheme) का उद्‌घाटन मुख्यमन्त्री द्वारा 15 दिसम्बर, 2016 को किया गया था.
- कुशल युवा कार्यक्रम को बिहार के छात्रों और बेरोजगार के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई छात्र क्रेडिट कार्ड योजना और स्वयं सहायता भत्ता योजना के साथ शुरू किया गया था. कुशल युवा कार्यक्रम के तहत् राज्य सरकार द्वारा राज्य के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा.

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना

- स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड का उद्देश्य बिहार राज्य के 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन गरीबी के कारण वंचित रह जाते हैं, उन छात्र-छात्रों का क्रेडिट कार्ड खर्च उठाएगा.
- इस योजना के अन्तर्गत कार्ड द्वारा विद्यार्थियों को आर्थिक मदद की जाएगी.
- इस स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल से विद्यार्थियों को आसानी से शिक्षा लोन प्राप्त हो सकेगा.
- बिहार में ग्रॉस इनरोलमेंट रेशियो (GIR) के मुताबिक उच्च शिक्षा में केवल 13 प्रतिशत है.
- इस योजना की शुरूआत बिहार में अक्टूबर 2016 में की गई थी.
- इस स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत् पठन करने वाले आवेदक के लिए पढ़ाई के लिए कर्ज ले सकेंगे.
- इस योजना में 12वीं पास छात्र-छात्रा, बीए, बीएससी, इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबन्धन इत्यादि शामिल है.
- इस कर्ज की अधिकतम सीमा कुछ भी हो सकती है, लेकिन राज्य सरकार चार लाख रुपए तक की मूलधन राशि और ब्याज पर बैंकों को गारंटी देगी.

Vikas Bhadu

मुख्यमन्त्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना

- बिहार सरकार ने 2 अक्टूबर, 2016 को मुख्यमन्त्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना की घोषणा की. मुख्यमन्त्री स्वयं सहायता भत्ता योजना बिहार सरकार की एक नई परियोजना है, जिसके अन्तर्गत 12वीं पास छात्रों को 2 वर्ष तक ₹ 1000 हर महीने आर्थिक मदद दी जाएगी.
- यह योजना उन बेरोजगार नौजवानों के लिए है, जिन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है और बिहार के नागरिक हैं.
- बेरोजगारी भत्ते के साथ-साथ सरकार ने कुशल युवा प्रोग्राम की भी शुरूआत की है, जिसमें युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण के साथ भाषा का ज्ञान भी दिया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हो. यह कोर्स 240 घण्टे अथवा 3 महीने का होगा, यदि युवा इस कोर्स को नहीं करते हैं, तो उन्हें केवल 19 महीनों का भत्ता दिया जाएगा.
- मुख्यमन्त्री स्वयं सहायता भत्ता योजना में पंजीकरण हेतु सरकार ने एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है इस योजना का लाभ पाने के लिए इस वेबसाइट पर पंजीकरण अनिवार्य है.

योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु अर्हताएँ एवं शर्तें

- बिहार राज्य के निवासी 20-25 वर्ष के आयु वर्ग में आने वाले ऐसे बेरोजगार युवा जो अध्ययनरत् नहीं हों तथा रोजगार की तलाश कर रहे हों एवं जिनकी शैक्षणिक योग्यता राज्य में अवस्थित सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से इंटर (12वीं) उत्तीर्ण हों, परन्तु उच्चतर शिक्षा प्राप्त नहीं की हो, को इस योजना का लाभ अनुमान्य होगा.
- आवेदक बिहार राज्य का स्थायी निवासी हो तथा उसके पास स्वरोजगार नहीं हो.
- आवेदक को किसी अन्य सरकारी स्रोत से किसी भी प्रकार का भत्ता/छात्रवृत्ति/स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड/शिक्षा ऋण या किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता प्राप्त नहीं हो एवं उसे किसी प्रकार का सरकारी या गैर-सरकारी नियोजन (अनुबन्ध/स्थायी/अस्थायी रूप से) प्राप्त नहीं हो.
- आवेदक को श्रम संसाधन विभाग द्वारा संचालित भाषा संवाद एवं बुनियादी कम्प्यूटर ज्ञान (कुशल युवा कार्यक्रम) का अनिवार्य प्रशिक्षण भी दिया जाएगा.

मुख्यमन्त्री श्रमशक्ति योजना

- श्रमशक्ति योजना असहाय लोगों के लिए एक इच्छुक योजना है.
- इस योजना के माध्यम से राज्य के बेरोजगार लोगों को कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध करना है.
- यह योजना विशेष रूप से अल्पसंख्यक लोगों पर केन्द्रित है.
- हालांकि कई अन्य कल्याणकारी योजना पहले से ही राज्य में चल रही हैं. इस योजना का आयोजन मुख्यमन्त्री श्री नितीश कुमार ने किया है.
- राज्य में बेरोजगार लोगों के लिए नई नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं.
- 18 से 45 वर्ष के आयु समूह के तहत् बेरोजगार लोगों को मुक्त करने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा.
- योजना के अनुसार अल्पसंख्यक लोगों को ब्याज की बहुत कम दर पर ₹ 50,000 का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा.

श्रमशक्ति योजना का उद्देश्य

- मुख्यमन्त्री श्रमशक्ति योजना का उद्देश्य स्वरोजगार में या रोजगार कहीं भी इन कौशल का उपयोग कर अल्पसंख्यक समुदाय के मुसलमानों से सम्बन्धित लोगों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना है.
- मुख्यमन्त्री श्रमशक्ति योजना के तहत् ₹ 1500-2000 प्रति माह प्रति व्यक्ति अल्पसंख्यक/मुस्लिम कारीगरों और साक्षर श्रम को निखारने और अपने कौशल का उन्नयन करने के लिए प्रदान किया जाएगा.
- प्रशिक्षण खत्म होने के बाद वे बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम द्वारा ₹ 50,000 का ऋण अपने स्वरोजगार के लिए प्राप्त कर सकते हैं.
- बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम द्वारा इन 6 महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय/मुसलमान मजदूरों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है.
- मुस्लिम महिलाएँ जिनके पति या रिश्तेदारों ने उन्हें छोड़ दिया है, बिहार सरकार की ओर से ₹ 10,000 पाने की हकदार हैं.

राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना

- राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना या सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना बिहार के मुख्यमन्त्री नितीश कुमार की अगुवाई में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है.
- इस योजना को बीपीएल परिवारों के 60 वर्ष से अधिक और 65 वर्ष से कम के लोगों के लिए एक पेंशन के रूप में ₹ 200 की एक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है.
- विधवा, विकलांग, असहाय और बंधुआ मजदूर, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और सभी स्रोतों से वार्षिक आय शहरी क्षेत्रों के लिए ₹ 5500 और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ₹ 5000 से कम है. उनको प्रति माह ₹ 100 प्रति व्यक्ति पेंशन के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी.
- आयु सीमा विधवाओं, श्रमिकों और विकलांग के लिए लागू नहीं है.
- केन्द्रीय योजना के तहत् ₹ 75 वृद्धावस्था पेंशन धारकों के लिए प्रदान की जाती है.
- बिहार सरकार द्वारा इस योजना में ₹ 25 जोड़ने के बाद ₹ 100 प्रति माह प्रदान किए जाएंगे.
- इसके अन्तर्गत आवेदन-पत्र प्रखण्ड कार्यालय में दिए जा सकते हैं, जिसे प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सभी तथ्यों के जाँचोपरान्त अपनी अनुशंसा के साथ स्वीकृति हेतु अनुमंडल कार्यालय भेजते हैं और अनुमंडल पदाधिकारी उन आवेदन-पत्रों को अपनी सन्तुष्टि होने के उपरान्त स्वीकृति प्रदान करते हैं.
- पेंशनधारियों को पेंशन का भुगतान प्रखण्ड कार्यालय द्वारा किया जाता है.

मुख्यमन्त्री कन्या सुरक्षा योजना

- बिहार में भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने और गरीब परिवार की बेटियों का भविष्य सँवारने को लेकर मुख्यमन्त्री कन्या सुरक्षा योजना की शुरूआत 2007-08 में की गई थी. जुलाई 2012 से यह योजना बन्द हो गई. 2015 में इसे द्वारा शुरू किया गया है. इसके तहत् पूर्व में आए लगभग 4 लाख से अधिक आवेदन लम्बित पड़े थे.
- मुख्यमन्त्री कन्या सुरक्षा योजना के तहत् बीपीएल परिवार में 22 नवम्बर, 2007 के बाद जन्म लेने वाली बेटियों को सरकार की ओर से ₹ 2000 का सावधि प्रमाण-पत्र दिया जाता है. निवेश यूको और आईडीबीआई बैंक में किया जाता है. राशि कन्या के 18 वर्ष पूरे होने पर दी जाती है. पहले राशि यूटीआई के म्यूचुअल फण्ड में निवेश की जाती थी.
- मुख्यमन्त्री कन्या सुरक्षा योजना के तहत् अब ऐसी बेटियाँ भी लाभ के

शेष पृष्ठ 162 पर

Vikas Bhadu

तथ्य : एक दृष्टि में

लोक सभा : अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष

लोक सभा (अवधि)	प्रथम बैठक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सदन का नेता	विपक्ष का नेता
पहली (17.4.1952–4.4.1957)	13.5.1952	जी.वी. मावलंकर (15.5.1952–27.2.1956) एम.ए. आयंगर (8.3.1956–10.5.1957)	एम.ए. आयंगर (30.5.1952–7.3.1956) सरदार हुकुम सिंह (20.3.1956–4.4.1957)	जवाहर लाल नेहरू (2.4.1952–4.4.1957)	—
दूसरी (5.4.1957–31.3.1962)	10.5.1957	एम.ए. आयंगर (11.5.1957–16.4.1962)	सरदार हुकुम सिंह (17.5.1957–31.3.1962)	जवाहर लाल नेहरू (5.4.1957–31.3.1962)	—
तीसरी (2.4.1962–3.3.1967)	16.4.1962	सरदार हुकुम सिंह (17.4.1962–16.3.1967)	एस. वी. कृष्णमूर्ति राव (23.4.1962–3.3.1967)	जवाहर लाल नेहरू (2.4.1962–27.5.1964) गुलजारी लाल नंदा (27.5.1964–9.6.1964) लाल बहादुर शास्त्री (9.6.1964–11.1.1966) गुलजारी लाल नंदा (11.1.1966–24.1.1966) सत्य नारायण सिन्हा (24.1.1966–3.3.1967)	— — — — —
चौथी (4.3.1967–27.12.1970)	16.3.1967	एन. संजीव रेड्डी (17.3.1967–17.7.1969) जी. एस. ढिल्लन (8.8.1969–17.3.1971)	आर.के. खाडिलकर (28.3.1967–1.11.1969) जी. जी. स्वेल (9.12.1969–27.12.1970)	इंदिरा गांधी (4.3.1967–27.12.1970)	— —
पाँचवीं (15.3.1971–18.1.1977)	19.3.1971	जी.एस. ढिल्लन (22.3.1971–1.12.1975) बी. आर. भगत (15.1.1976–25.3.1977)	जी. जी. स्वेल (27.3.1971–18.1.1977)	इंदिरा गांधी (15.3.1971–18.1.1977)	—
छठवीं (23.3.1977–22.8.1979)	25.3.1977	एन. संजीव रेड्डी (26.3.1977–13.7.1977) के. एस. हेगड़े (21.7.1977–21.1.1980)	गुडे मुरहारी (1.4.1977–22.8.1979)	मोरारजी देसाई (24.3.1977–28.7.1979) चरण सिंह (28.7.1979–22.8.1979)	वाई. बी. चव्हाण (1.7.1977–11.4.1978) सी. एम. स्टीफन (12.4.1978–9.7.1979) वाई. बी. चव्हाण (10.7.1979–28.7.1979) जगजीवन राम (27.7.1979–22.8.1979)
सातवीं (10.1.1980–31.12.1984)	21.1.1980	बलराम जाखड़ (22.1.1980–15.1.1985)	जी. लक्ष्मनन (1.12.1980–31.12.1984)	इंदिरा गांधी (14.1.1980–31.10.1984) राजीव गांधी (31.10.1984–31.12.1984)	—
आठवीं (31.12.1984–27.11.1989)	15.1.1985	बलराम जाखड़ (16.1.1985–18.12.1989)	एम. थाम्बी दुराई (22.1.1985–27.11.1989)	राजीव गांधी (31.12.1984–27.11.1989)	—
नवीं (2.12.1989–13.3.1991)	18.12.1989	रबि राय (19.12.1989–9.7.1991)	शिवराज वी. पाटिल (19.3.1990–13.3.1991)	विश्वनाथ प्रताप सिंह (2.12.1989–10.11.1990) चन्द्रशेखर (10.11.1990–13.3.1991)	राजीव गांधी (18.12.1989–23.12.1990) एल. के. आडवाणी (24.12.1990–13.3.1991)
दसवीं (20.6.1991–10.5.1996)	9.7.1991	शिवराज वी. पाटिल (10.7.1991–22.5.1996)	एस. मल्लिकार्जुनय्या (13.8.1991–10.5.1996)	अर्जुन सिंह (9.7.1991–5.12.1991) पी. वी. नरसिम्हा राव (6.12.1991–10.5.1996)	एल. के. आडवाणी (21.6.1991–26.7.1993) अटल बिहारी वाजपेयी (26.7.1993–10.5.1996)
ग्यारहवीं (15.5.1996–4.12.1997)	22.5.1996	पी. ए. संगमा (23.5.1996–23.3.1998)	सूरजभान (12.7.1996–4.12.1997)	अटल बिहारी वाजपेयी (16.5.1996–31.5.1996) रामविलास पासवान (4.6.1996–4.12.1997)	पी.वी. नरसिम्हा राव (16.5.1996–31.5.1996) अटल बिहारी वाजपेयी (1.6.1996–4.12.1997)
बारहवीं (10.3.1998–26.4.1999)	23.3.1998	जी.एम.सी. बालयोगी (24.3.1998–20.10.1999)	पी. एम. सईद (17.12.1998–26.4.1999)	अटल बिहारी वाजपेयी (19.3.1998–26.4.1999)	शरद पवार (19.3.1998–26.4.1999)
तेरहवीं (10.10.1999–6.2.2004)	20.10.1999	जी.एम.सी. बालयोगी (22.10.1999–3.3.2002) मनोहर जोशी (10.5.2002–2.6.2004)	पी.एम. सईद (27.10.1999–6.2.2004)	अटल बिहारी वाजपेयी (13.10.1999–6.2.2004)	सोनिया गांधी (13.10.1999–6.2.2004)
चौदहवीं (17.5.2004–23.3.2009)	2.6.2004	सोमनाथ चटर्जी (4.6.2004–31.5.2009)	चरणजीत सिंह अटवाल (9.6.2004–18.5.2009)	प्रणब मुखर्जी (25.5.2004–26.6.2012)	एल. के. आडवाणी (22.5.2004–21.12.2009)
पन्द्रहवीं (18.5.2009–18.5.2014)	1.6.2009	मीरा कुमार (4.6.2009–4.6.2014)	करिया मुंडा (3.6.2009–18.5.2014)	सुशील कुमार शिंदे (3.8.2012–18.5.2014)	सुषमा स्वराज (21.12.2009–18.5.2014)
सोलहवीं (4.6.2014–25.5.2019)	4.6.2014	सुमित्रा महाजन (6.6.2014–17-6-2019)	एम. थाम्बी दुराई (13.8.2014–25-5-2019)	नरेन्द्र मोदी (26.5.2014–25-5-2019)	—
सत्रहवीं (17.6.2019–)	17.6.2019	ओम बिड़ला (19.6.2019–)		नरेन्द्र मोदी (17.6.2019–)	—

Vikas Bhadu

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

Vikas Bhadu

निर्देश–(प्रश्न 1 से 8 तक) सावधानीपूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बिन्दु Q, बिन्दु P के 5 मीटर दक्षिण में है. बिन्दु R, बिन्दु Q के 6 मीटर पूर्व में है. बिन्दु S, बिन्दु R के 2 मीटर दक्षिण में है. बिन्दु T, बिन्दु P के 2 मीटर पूर्व में है. बिन्दु F, बिन्दु T के 5 मीटर दक्षिण में है.

1. S और F के बीच न्यूनतम दूरी क्या है ?
   (A) $2\sqrt{5}$ मीटर (B) $2\sqrt{7}$ मीटर
   (C) 5 मीटर (D) $2\sqrt{3}$ मीटर
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. अगर P, Q और G, एक सीधी रेखा बनाते हैं, G के सन्दर्भ में, R का स्थान क्या है ?
   (A) दक्षिण-पूर्व
   (B) उत्तर-पूर्व
   (C) उत्तर
   (D) बताया नहीं जा सकता
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. बिन्दु F के सन्दर्भ में, बिन्दु P किस दिशा में है ?
   (A) उत्तर-पश्चिम (B) दक्षिण-पश्चिम
   (C) उत्तर-पूर्व (D) दक्षिण-पूर्व
   (E) दक्षिण

4. **कथन** : कुछ पेन, इरेज़र हैं. कुछ इरेज़र, मार्कर हैं. सभी मार्कर, लाइटर हैं.
   निष्कर्ष I : कम-से-कम, कुछ इरेज़र, लाइटर हैं.
   निष्कर्ष II : कुछ लाइटरों के पेन होने की सम्भावना है.
   (A) या निष्कर्ष I या II सत्य है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
   (C) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
   (D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
   (E) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है

5. **कथन** : कुछ पेन, इरेज़र हैं. कुछ इरेज़र मार्कर हैं. सभी मार्कर, लाइटर हैं.
   निष्कर्ष I : सभी पेन, मार्कर हैं.
   निष्कर्ष II : कुछ पेन, मार्कर हैं.
   (A) या निष्कर्ष I या II सत्य है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
   (C) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
   (D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
   (E) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है

6. **कथन** : कोई भी मेल, नोटिस नहीं है. सभी नोटिस, इन्टीमेशन हैं. कुछ इन्टीमेशन, वार्निंग हैं.
   निष्कर्ष I : कोई भी मेल, वार्निंग नहीं है.
   निष्कर्ष II : कम-से-कम, कुछ मेल, वार्निंग हैं.
   (A) या निष्कर्ष I या II सत्य है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
   (C) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
   (D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
   (E) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है

7. **कथन** : कोई भी मेल, नोटिस नहीं है. सभी नोटिस, इन्टीमेशन हैं. कुछ इन्टीमेशन, वार्निंग हैं.
   निष्कर्ष I : सभी इन्टीमेशन, नोटिस हैं.
   निष्कर्ष II : कुछ नोटिस के वार्निंग होने की सम्भावना है.
   (A) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
   (C) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
   (D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
   (E) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है

8. **कथन** : सभी सेकण्ड, मिनट हैं. सभी मिनट, घण्टे हैं. कुछ घण्टे, दिन हैं.
   निष्कर्ष I : कुछ दिन निश्चय ही मिनट नहीं हैं.
   निष्कर्ष II : सभी सेकण्ड, घण्टे हैं.
   (A) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है
   (B) सिर्फ निष्कर्ष I सत्य है
   (C) दोनों निष्कर्ष I और II सत्य हैं
   (D) सिर्फ निष्कर्ष II सत्य है
   (E) न ही निष्कर्ष I न ही II सत्य है

निर्देश–(प्रश्न 9 से 13 तक) सावधानीपूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ दोस्त A, B, C, D, E, F, G और H, एक गोलाकार मेज के चारों ओर, एक-दूसरे से बराबर दूरी पर बैठे हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में.

- D, H के बाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. H का मुख केन्द्र की ओर है. E, D के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है.
- E और A के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. A के निकटतम पड़ोसियों का मुख विपरीत दिशा में है (अर्थात् अगर एक पड़ोसी का मुख केन्द्र की ओर है, तो दूसरे का बाहर की ओर और इसका विपरीत भी).
- B और G के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति बैठे हैं. B, A का निकटतम पड़ोसी नहीं है.
- F, B के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. F के निकटतम पड़ोसियों का मुख एक ही दिशा में है. (अर्थात् अगर एक पड़ोसी का मुख केन्द्र की ओर है, तो दूसरे का मुख भी केन्द्र की ओर होगा और इसका विपरीत भी
- C के निकटतम पड़ोसियों का मुख विपरीत दिशा में है (अर्थात् एक पड़ोसी का मुख केन्द्र की ओर तो दूसरे पड़ोसी का मुख बाहर की ओर).
- दोनों E और A का मुख, D के मुख की दिशा में है (अर्थात् अगर D का मुख केन्द्र की ओर है, तो दोनों E और A का मुख केन्द्र की ओर है और ऐसे ही इसका विपरीत भी).

9. दी गई व्यवस्था के आधार पर, C के सन्दर्भ में, इनमें से क्या सत्य है ?
   (A) दिए गए विकल्पों में से कोई भी सत्य नहीं है
   (B) C और E के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं
   (C) A, C के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है
   (D) G और C का मुख एक ही दिशा में है
   (E) दोनों G और D, C के निकटतम पड़ोसी हैं

10. जब H के बाएं से गिना जाए, तो F और H के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
    (A) कोई नहीं
    (B) तीन
    (C) तीन से अधिक
    (D) एक
    (E) दो

11. E के दाएं से तीसरे स्थान पर कौन बैठा है ?
    (A) C (B) D
    (C) B (D) G
    (E) F

12. A के सन्दर्भ में G का स्थान क्या है ?
    (A) दाएं से दूसरा
    (B) दाएं से तीसरा
    (C) ठीक दाएं
    (D) ठीक बाएं
    (E) बाएं से दूसरा

13. दी गई व्यवस्था के आधार पर किसी तरह निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?

(A) B (B) D

(C) F (D) G

(E) E

Vikas Bhadu

निर्देश–(प्रश्न 14 से 18 तक) यह प्रश्न नीचे दी गई तीन अंकों वाली पाँच संख्याओं पर आधारित हैं–

415 764 327 542 256

14. अगर सबसे छोटी संख्या के दूसरे अंक को, सबसे बड़ी संख्या के तीसरे अंक से गुणा किया जाए, तो परिणाम क्या होगा ?

(A) 30 (B) 14

(C) 8 (D) 20

(E) 36

15. अगर सभी विषम संख्याओं के पहले अंक में '1' जोड़ा जाए और सभी सम संख्याओं के दूसरे अंक से '2' घटाया जाए, तो कितनी संख्याएं होंगी, जिनमें अंक दो बार आएं ?

(A) दो (B) तीन

(C) चार (D) कोई नहीं

(E) एक

16. हर एक संख्या के पहले और दूसरे अंकों का स्थान बदल दिया जाए. अगर बनी गई सबसे बड़ी संख्या के तीसरे अंक को बनी गई सबसे छोटी संख्या के दूसरे अंक से विभाजित करें, तो परिणाम क्या होगा ?

(A) 3 (B) 4

(C) 2·5 (D) 1·5

(E) 1

17. अगर हर संख्या में, दिए गए सभी अंकों को, बाएं से दाएं, संख्या के अन्दर, बढ़ते हुए क्रम में व्यवस्थित किया जाए, तो कितनी विषम संख्याएँ बनेंगी ?

(A) कोई नहीं (B) दो

(C) एक (D) चार

(E) तीन

18. अगर सभी संख्याओं को बाएं से दाएं, बढ़ते हुए क्रम में, व्यवस्थित किया जाए, तो बाएं से तीसरी संख्या के सभी अंकों का योग इनमें से क्या होगा ?

(A) 12 (B) 11

(C) 10 (D) 13

(E) 17

निर्देश–(प्रश्न 19 से 22 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

छः स्टोरों L, M, N, O, P और Q में से, हर एक, एक दिन में, अलग संख्या में कम्प्यूटर बेचता है. M, P से ज्यादा कम्प्यूटर बेचता है पर O और Q से कम. L, P से कम कम्प्यूटर बेचता है. पर N से ज्यादा, जो स्टोर तीसरी सबसे बड़ी संख्या में कम्प्यूटर बेचता है, उसकी संख्या 29 है, जो स्टोर सबसे कम कम्प्यूटर बेचता है, की संख्या 6 है.

19. अगर O द्वारा बेची गई कम्प्यूटर संख्या 30 है, तो इनमें से क्या सत्य है ?

(A) दिया गया कोई भी कथन सत्य नहीं है

(B) O और N मिलकर निश्चय ही 35 कम्प्यूटर से कम कम्प्यूटर बेचते हैं

(C) सिर्फ दो स्टोर O से ज्यादा कम्प्यूटर बेचते हैं

(D) O ज्यादा संख्या में कम्प्यूटर बेचते हैं

(E) Q, O से ज्यादा कम्प्यूटर बेचते हैं

20. अगर P द्वारा बेचे गए कम्प्यूटर की संख्या, 3 का गुणक है और 25 से ज्यादा है, तो P द्वारा कितने कम्प्यूटर बेचे गए ?

(A) 20 (B) 27

(C) 36 (D) 23

(E) बताया नहीं जा सकता

21. कितने स्टोर, L से कम कम्प्यूटर बेचते हैं ?

(A) एक (B) तीन

(C) दो (D) पाँच

(E) कोई नहीं, क्योंकि L सबसे कम कम्प्यूटर बेचता है

22. निम्नलिखित शृंखला, अंग्रेजी वर्णमाला पर आधारित है. दी गई शृंखला में, प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर इनमें से क्या आएगा ?

BDZ CFY DHX EJW ?

(A) GKV (B) FLU

(C) FMW (D) FLV

(E) GLU

निर्देश–(प्रश्न 23 से 25 तक) इन प्रश्नों में एक प्रश्न है, जिसके दो कथन I और II नीचे दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि कथनों में दी गई सूचना, प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है अथवा नहीं. दोनों कथनों को पढ़िए और सही विकल्प चुनिए–

(A) कथन I में दी गई सूचना, प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.

(B) कथन II में दी गई सूचना, प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.

(C) या तो कथन I की सूचना या कथन II की सूचना, प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.

(D) न ही कथन I की सूचना न ही कथन II की सूचना, मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है

(E) दोनों कथनों की सूचनाएँ मिलकर प्रश्नों का उत्तर देने के लिए जरूरी हैं.

23. पाँच अलग कक्षाएँ J, K, L, M और N, एक ही हफ्ते, जोकि सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार को खत्म होता है, के सभी अलग दिनों में होती हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. कक्षा M कौनसे दिन होती है ?

I. K, बुधवार से पहले किसी एक दिन होती है. L और K के बीच सिर्फ दो कक्षाएँ होती हैं. M, L से ठीक पहले होती है.

II. N और L के बीच सिर्फ तीन कक्षाएँ होती हैं. L और J के बीच सिर्फ एक कक्षा होती है. K कक्षा, J से ठीक पहले होती है.

24. P, Q, R, S और T एक सीधी रेखा में, उत्तर दिशा की ओर मुख करके, एक-दूसरे से बराबर दूरी पर बैठे हैं. Q के बाएं कितने लोग बैठे हैं ?

I. T, रेखा के अन्तिम छोर पर बैठा है. T और P के बीच सिर्फ दो लोग बैठे हैं. Q, P के ठीक बाएं बैठा है.

II. S, R के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. S और Q के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. T, Q के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है.

25. तीन पुस्तकें A, B और C, हर एक अलग विषय, भौतिकी, गणित और सोशियोलॉजी, की हैं और एक-दूसरे के ऊपर रखी हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में. भौतिकी की पुस्तक के नीचे कितनी पुस्तकें रखी गई हैं ?

I. गणित और भौतिकी के बीच सिर्फ एक पुस्तक रखी गई है. B, सोशियोलॉजी की पुस्तक के ठीक नीचे रखी है. B, गणित की पुस्तक नहीं है.

II. C, गणित की पुस्तक के ठीक नीचे रखी है. A, सोशियोलॉजी की पुस्तक के ठीक ऊपर रखी है. A और B के बीच सिर्फ एक पुस्तक रखी है.

निर्देश–(प्रश्न 26 से 32 तक) निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ लोग L, M, N, O, P, Q, R और S, एक ही सीढ़ी के, आठ अलग-अलग चरणों में बैठे हैं, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम

में. सबसे निचले चरण को नम्बर एक, उसके ऊपर की को नम्बर 2 और सबसे ऊपर के चरण को नम्बर 8 दिया गया है. उनमें से हर एक को बैंकिंग के क्षेत्र में अलग सालों के अनुभव हैं–10 साल, 13 साल, 15 साल, 18 साल, 20 साल, 23 साल, 25 साल तथा 27 साल, पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में.

Vikas Bhadu

R सबसे ज्यादा अनुभवी है और सम संख्या वाले चरण पर बैठा है, पर चरण 2 में नहीं. जिसका अनुभव सिर्फ R से कम है, वह सबसे निचले चरण पर बैठा है. P उस चरण पर बैठा है, जोकि R के चरण के ठीक नीचे है. L सबसे कम अनुभवी है. L, उस चरण पर बैठा है, जोकि N के चरण के ठीक नीचे है. L और S के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति बैठे हैं. S को 20 सालों का अनुभव है. Q, सिर्फ L से ज्यादा अनुभवी है. Q, O के चरण के ठीक नीचे के चरण पर बैठा है, जिन्हें 23 साल का अनुभव है, वह S के ठीक ऊपर वाले चरण पर बैठा है. N, O से ज्यादा अनुभवी है.

26. दी गई व्यवस्था के आधार पर इनमें से क्या सत्य है ?
(A) S, चरण नम्बर 6 पर बैठा है
(B) M, चरण नम्बर 2 पर बैठा है
(C) दिए गए कथनों में से कोई भी सत्य नहीं है
(D) N को 13 साल का अनुभव है
(E) Q को 15 साल का अनुभव है

27. जिसे 15 साल का अनुभव है और M के बीच कितने लोग बैठे हैं ?
(A) दो (B) कोई नहीं
(C) तीन (D) एक
(E) चार

28. इनमें से कौन तीसरे चरण पर बैठा है ?
(A) Q (B) L
(C) M (D) N
(E) S

29. दी गई व्यवस्था के आधार पर, निम्नलिखित पाँच में से चार, किसी तरह एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) चरण 5–Q (B) R–चरण 7
(C) N–चरण 2 (D) O–M
(E) जिसे 15 साल का अनुभव है–Q

30. O के सन्दर्भ में, इनमें से क्या सत्य है ?
(A) S, O के ठीक नीचे बैठा है
(B) O और S के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं
(C) दिए गए कथनों में कोई भी सत्य नहीं है
(D) R, O के नीचे रहता है
(E) O चरण 5 पर बैठा है

31. M कितना अनुभवी है ?
(A) 13 साल (B) 23 साल
(C) 15 साल (D) 18 साल
(E) 25 साल

32. शब्द WEIGHTS में कितने ऐसे अक्षरों के युग्म हैं, जिनमें हर एक अक्षर के बीच उतने ही अक्षर आते हैं, (आगे से और पीछे से भी) जितने अंग्रेजी वर्णमाला में आते है ?
(A) एक
(B) तीन से अधिक
(C) दो
(D) तीन
(E) कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 33 से 35 तक) निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

A%B का अर्थ है, A, B का भाई है.
A$B का अर्थ है, A, B का पति है.
A@B का अर्थ है, A, B की बहन है.
A#B का अर्थ है, A, B की माँ है.
दिए गए चिह्नों के आधार पर–
N@P%T#M$K#J@H

33. H का M से क्या सम्बन्ध है ?
(A) या 'भाई' या 'बहन'
(B) पिता
(C) या 'भतीजा' या 'भतीजी'
(D) या 'पुत्र' या 'पुत्री'
(E) मामा/चाचा

34. K का T से क्या सम्बन्ध है ?
(A) बहू (B) बहन
(C) पुत्री (D) माँ
(E) भतीजी

35. P का M से क्या सम्बन्ध है ?
(A) भाई (B) ससुर
(C) पिता (D) चाचा/मामा
(E) भतीजा

निर्देश–(प्रश्न 36 से 41 तक) सावधानीपूर्वक दी गई निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

12 लोग, दो समान्तर रेखाओं में, जिसमें हर एक रेखा में 6 लोग इस तरह बैठे हैं, कि उनके बीच की दूरी बराबर हो. रेखा 1 में–G, H, I, J, K और L बैठे हैं (पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में) और उन सबका मुख, दक्षिण की ओर है. रेखा 2 में–R, S, T, U, V और W बैठे हैं और उन सबका मुख, उत्तर की ओर है. इसीलिए, दी गई बैठने की व्यवस्था में, एक रेखा में बैठे गए सदस्य का मुख, दूसरी रेखा में बैठे गए सदस्य की ओर है.

I, V की ओर मुख करने वाले व्यक्ति के, बाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. न ही I और न ही G, रेखा के अन्तिम छोर पर बैठा है. I और G के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. W, T के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. T, V का निकटतम पड़ोसी नहीं है. T का मुख, I की ओर नहीं है, जिसका मुख K की ओर है, वह R के ठीक बाएं बैठा है. K, G का निकटतम पड़ोसी नहीं है. L और U की ओर मुख करने वाले के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. J, I का निकटतम पड़ोसी नहीं है.

36. V के सन्दर्भ में, T का स्थान क्या है ?
(A) बाएं से तीसरा
(B) दाएं से तीसरा
(C) दाएं से दूसरा
(D) ठीक दाएं
(E) बाएं से दूसरा

37. W के बाएं से तीसरा कौन बैठा है ?
(A) H
(B) S
(C) जिसका मुख R की ओर है
(D) J
(E) V

38. L और U की ओर मुख करने वाले के ठीक बीच, इनमें से कौन बैठा है ?
(A) G
(B) जिसका मुख S की ओर है
(C) J
(D) K
(E) जिसका मुख R की ओर है

39. दी गई व्यवस्था के आधार पर, किसी तरह, निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) W (B) V
(C) L (D) J
(E) R

40. H के सन्दर्भ में, इनमें से क्या सत्य है ?
(A) दिए गए कथनों में से कोई भी सत्य नहीं है
(B) H, I के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है
(C) H, K का निकटतम पड़ोसी है
(D) H और L के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं
(E) H का मुख, R के एक निकटतम पड़ोसी की ओर है

41. अंग्रेजी वर्णमाला के क्रम के आधार पर, निम्नलिखित पाँच में से चार किसी तरह एक हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?

Vikas Bhadu

(A) RVXU (B) TXZW
(C) KDPN (D) DHJG
(E) LPRO

निर्देश–(प्रश्न 42 से 45 तक) निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

कथन–हाल ही में, देश X में, बहुत से व्यापारि द्वारा खरीदे गए 10 सॉफ्टवेयर प्रोग्राम में से 8 प्रोग्राम पाइरेटिड हैं, जो गैर कानूनी व्यापार करते हैं, वह इन अनऑथराइज्ड सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हैं और वह अपने कर्मचारियों के कम्प्यूटर के लिए बहुत कम सॉफ्टवेयर का लाइसेंस लेते हैं. क्रिमिनल इण्टरप्राइज, सॉफ्टवेयर प्रोग्राम की नकली कॉपियाँ सस्ते दाम पर बेचते हैं.

(a) छोटी और मध्यमस्तरीय एण्टरप्राइज का सर्वे बताता है कि इनमें से ज्यादातर सॉफ्टवेयर प्रोग्राम को खरीदा जाए और सभी कम्प्यूटर में इंस्टॉल करा जाए, तो यह एण्टरप्राइजेज के लाभों को 37% गिरा देता है.
(b) मार्केट को ध्यान में रखकर, हाल ही में, ज्यादातर लोग, जो ऑथेन्टिक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम के विकास और बेचने में लगे हैं, वह बहुत बुरा वक्त देख रहे हैं.
(c) बहुत से मार्केट विश्लेषक और विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की पाइरेसी को रोककर, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में ज्यादा नौकरियाँ मिलेंगी और टैक्स रिवेन्यू भी बढ़ेगा.
(d) देश X के अधिकारी, उन व्यापारों पर भारी फाइन दे सकते हैं, जो सॉफ्टवेयर के पाइरेटेड वर्जन को खरीदते और प्रयोग करते पाया जाए.
(e) क्रिमिनल एण्टरप्राइज द्वारा पाइरेटेड सॉफ्टवेयर को बेचकर प्राप्त की गई इन्कम को डिकलेयर नहीं किया जाता, जिससे इसके लिए उन्हें कोई टैक्स नहीं देना पड़ता.
(f) हर एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम को सिर्फ ऑथराइज्ड विक्रेता से ही खरीदें.
(g) सॉफ्टवेयर प्रोग्राम की 95% पाइरेटेड कॉपियाँ, बिना गारण्टी के ही बेची जाती हैं.

42. इसमें से कौन इस आइडिया को मजबूत करता है कि व्यापार में पाइरेटेड सॉफ्टवेयर का प्रयोग खत्म होना चाहिए ?
(A) दोनों (d) और (f)
(B) सिर्फ (d)
(C) सिर्फ (a)
(D) सिर्फ (f)
(E) दोनों (c) और (e)

43. दिए गए कथन से इनमें से क्या निष्कर्ष निकलना चाहिए ?
(A) सिर्फ (f)
(B) दोनों (b) और (e)
(C) सिर्फ (d)
(D) दोनों (c) और (g)
(E) सिर्फ (a)

44. दिए गए कथन को प्रोब्लम मानें, तो इनमें से कौनसी कार्यवाही हो सकती है ?
(A) सिर्फ (e)
(B) सिर्फ (d)
(C) दोनों (f) और (g)
(D) सिर्फ (a)
(E) सिर्फ (g)

45. जो पाइरेटेड सॉफ्टवेयर प्रोग्राम बेचते हैं, उन एण्टरप्राइजेज के फेवर में, इनमें से कौन है ?
(A) सिर्फ (g) (B) सिर्फ (d)
(C) सिर्फ (b) (D) सिर्फ (f)
(E) सिर्फ (a)

निर्देश–(प्रश्न 46 से 50 तक) निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जब एक शब्दों और संख्याओं को व्यवस्थित करने की मशीन में, एक शब्दों और संख्याओं की इनपुट रेखा दी जाए, तो वह उन्हें एक नियम के अनुसार व्यवस्थित करती है. निम्नलिखित इनपुट और उसकी व्यवस्था का एक उदाहरण है–

इनपुट : wait 47 19 rose door 23 aim less 85 year 99 68

चरण I : year 19 wait 47 rose door 23 aim less 85 99 68.

चरण II : year 19 47 rose door aim less 85 99 68 23 wait.

चरण III : rose 47 year 19 door aim less 85 99 68 23 wait.

चरण IV : rose 47 year 19 door aim 85 99 23 wait 68 less.

चरण V : door 85 rose 47 year 19 aim 99 23 wait 68 less.

चरण VI : door 85 rose 47 year 19 23 wait 68 less 99 aim.

चरण VI उपर्युक्त व्यवस्था का आखिरी चरण है.

दिए गए चरणों में, प्रयोग हुए नियमों के आधार पर, दिए गए इनपुट के लिए, सही चरण ढूँढ़िए–

इनपुट : ban 85 zen 54 den fit 25 37 home 41 sun 73.

46. अन्तिम चरण में 'fit' तथा 'ban' के मध्य क्या आएगा ?
(A) zen (B) 85
(C) sun (D) 54
(E) इनमें से कोई नहीं

47. चरण IV में 'band' और '73' के बीच कितने तत्व आते हैं ?
(A) पाँच (B) एक
(C) दो (D) कोई नहीं
(E) चार

48. तीसरे चरण में, बाएं छोर से 9वें तत्व के बाएं से तीसरा तत्व कौनसा है ?
(A) zen (B) ban
(C) 85 (D) 54
(E) fit

49. निम्नलिखित में से कौनसे चरण में '41 73 37' इसी क्रम में पाए जाते हैं ?
(A) चरण IV (B) चरण I
(C) चरण II (D) चरण III
(E) चरण V

50. चरण V में, किसी पैटर्न से 'home' का सम्बन्ध '25' से है. इसी पैटर्न से '37' का सम्बन्ध 'fit' से है. चरण I में, 'ban' का सम्बन्ध किससे है ?
(A) fit (B) den
(C) 81 (D) sun
(E) home

उत्तर व्याख्या सहित

प्रश्न 1 से 3 तक के लिए :

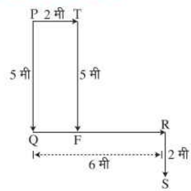

1. (A) SF $= \sqrt{(2)^2 + (4)^2}$
$= \sqrt{4 + 16} = \sqrt{20}$
$= 2\sqrt{5}$ मीटर

2. (D) 3. (A)
4. (C)

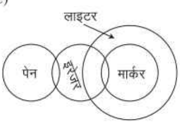

या

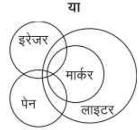

निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

Vikas Bhadu

5. (E)

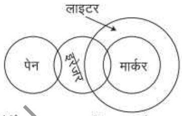

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

प्रश्न 6 एवं 7 के लिए :

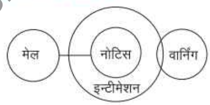

या

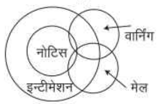

6. (A) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है.
7. (D) निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.
8. (D)

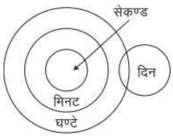

निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

प्रश्न 9 से 13 तक के लिए :

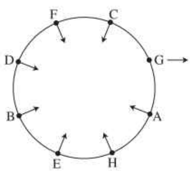

9. (C) 10. (B) 11. (D) 12. (C) 13. (D)

14. (D) सबसे छोटी संख्या का दूसरा अंक
= 5
सबसे बड़ी संख्या का तीसरा अंक
= 4
परिणाम = $5 \times 4 = 20$

15. (B) 515 744 427 522 236

16. (E) 145 674 237 452 526
$\therefore$ $4 \div 4 = 1$

17. (D) 145 467 237 245 256

18. (C) 256 327 415 542 764
$\therefore$ $4 + 1 + 5 = 10$

प्रश्न 19 से 21 तक के लिए :

$Q > \underset{}{\overset{30}{O}} > \overset{29}{M} > \underset{27}{P} > L > \overset{6}{N}$

19. (E) 20. (B) 21. (A)

22. (D)

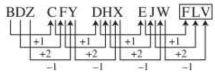

23. (C) सोम मंगल बुध गुरु शुक्र
(I) K M L
परीक्षा M बुधवार को हुई.
(II) N K J M L
कक्षा M गुरुवार को हुई.

24. (C) (I)

Q के बाएं कोई नहीं बैठा है.

(II)

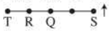

Q के बाएं दो लोग बैठे हैं.

25. (E) (I) और (II) :
- A गणित
- C सोशियोलॉजी
- B भौतिकी

भौतिकी के नीचे कोई किताब नहीं रखी गई है.

प्रश्न 26 से 31 तक के लिए :

8	R	27
7	P	23
6	S	20
5	O	15
4	Q	13
3	N	18
2	L	10
1	M	25

26. (A) 27. (C) 28. (D) 29. (D) 30. (E)
31. (E)
32. (B) GH, EG, EH, ST.

प्रश्न 33 से 35 तक के लिए :

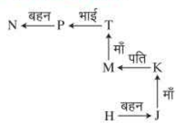

33. (D) 34. (A) 35. (D)

प्रश्न 36 से 40 तक के लिए :

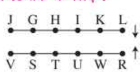

36. (C) 37. (B) 38. (D) 39. (A) 40. (D)
41. (C) 42. (D) 43. (B) 44. (B) 45. (A)

प्रश्न 46 से 50 तक के लिए :

इनपुट : ban 85 zen 54 den fit 25 37 home 41 sun 73.

चरण I : zen 25 ban 85 54 den fit 37 home 41 sun 73.

चरण II : zen 25 ban 85 54 den fit home 41 73 37 sun.

चरण III : home 41 zen 25 ban 85 54 den fit 73 37 sun.

चरण IV : home 41 zen 25 ban 85 den 73 37 sun 54 fit.

चरण V : den 73 home 41 zen 25 ban 85 37 sun 54 fit.

चरण VI : den 73 home 41 zen 25 37 sun 54 fit 85 ban.

46. (B) 47. (C) 48. (C) 49. (C) 50. (B)

●●●

शेष पृष्ठ 156 का

दायरे में आएंगी, जिनका जन्म दो वर्ष पहले हुआ है. महिला विकास निगम कन्या सुरक्षा योजना के तहत् इस वर्ष नए आवेदन के साथ पूर्व के पेंडिंग आवेदनों को भी लाभ देगा.

- इसके तहत् 2013 व 2014 में जन्मी बेटियाँ भी योजना का लाभ ले सकेंगी.

मुख्यमन्त्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना

- मुख्यमन्त्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना बिहार सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है. यह योजना उन छात्र-छात्राओं के लिए शुरू की गई है, जो पैसों की कमी के कारण पढ़ाई छोड़ देते हैं. इस योजना के अन्तर्गत सरकार छात्र-छात्राओं को ₹ 5 लाख तक की राशि तक का ऋण देगी. इस राशि में से सरकार हर वर्ष ₹ 1 लाख देगी, क्योंकि कुछ अच्छे छात्र-छात्राएँ पैसों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई चालू नहीं रख पाते हैं. इसी समस्या को दूर करने के लिए बिहार सरकार ने ऐसे अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को ऋण देने का फैसला किया है, जिससे वे अपनी पढ़ाई को जारी रख सकें.
- इस योजना के अन्तर्गत सरकार छात्र-छात्राओं को ₹ 5 लाख तक की राशि का ऋण (लोन) देगी. इस राशि में से सरकार हर वर्ष ₹ 1 लाख देगी और यह राशि सरकार केवल 5 वर्ष तक ही देगी. 5 वर्ष के बाद उसे कोई राशि नहीं दी जाएगी.
- इस राशि पर ब्याज की दर 4 से 5 होगी, जोकि बहुत कम है. ये राशि उनको दी जाएगी जिनके माता-पिता की वार्षिक आय ₹ 4·5 लाख से कम होगी यह योजना केवल अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं के लिए है.

●●●

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

Vikas Bhadu

1. A और B दोनों ने एक व्यापार आरम्भ किया. B द्वारा निवेश किया गया धन, A द्वारा निवेश किए गए धन से ₹ 200 ज्यादा है. व्यापार शुरू होने के 6 महीने बाद, B ने व्यापार छोड़ा. अगर कमाया गया कुल सालाना लाभ ₹ 2,800 था, जिसमें से A ने ₹ 1,600 प्राप्त किए, A द्वारा निवेश की गई राशि क्या थी ?
(A) ₹ 250 (B) ₹ 400
(C) ₹ 800 (D) ₹ 500
(E) ₹ 600

निर्देश–(प्रश्न 2 से 7 तक) सारणी को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

A, B, C और D, चार सोसायटी में पुरुषों और महिलाओं की संख्या के सन्दर्भ में दी गई सारणी–

सोसायटी	महिलाओं की संख्या	पुरुषों का प्रतिशत
A	220	60%
B	280	30%
C	105	40%
D	250	50%

2. सोसायटी A, B और C में लोगों (पुरुष + महिला) की औसत संख्या क्या है ?
(A) 315 (B) 390
(C) 375 (D) 320
(E) 405

3. सोसायटी B में पुरुषों की संख्या, सोसायटी D में पुरुषों की संख्या से कितने प्रतिशत कम है ?
(A) 57 (B) 50
(C) 62 (D) 52
(E) 59

4. सोसायटी A और सोसायटी B में, पुरुषों की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 12 : 5 (B) 11 : 4
(C) 8 : 3 (D) 5 : 2
(E) 7 : 3

5. सोसायटी B, C और D में मिलकर पुरुषों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 440 (B) 420
(C) 470 (D) 460
(E) 490

6. सोसायटी A और C में लोगों (पुरुष + महिला) की संख्या के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 245 (B) 350
(C) 325 (D) 225
(E) 375

7. अन्य सोसायटी E में, महिलाओं की संख्या, सोसायटी D में महिलाओं की संख्या से 20% ज्यादा है और पुरुषों की संख्या, सोसायटी B में पुरुषों की संख्या से 10% ज्यादा है. सोसायटी E में, लोगों (पुरुष + महिला) की संख्या क्या है ?
(A) 440 (B) 460
(C) 496 (D) 432
(E) 428

निर्देश–(प्रश्न 8 से 13 तक) ग्राफ को देखिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सोमवार को 5 स्टोरों द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या और स्टॉक में बैगों की संख्या के सम्बन्ध में ग्राफ

	A	B	C	D	E
स्टॉक में बैग	40	45	35	30	32
बेचे गए बैग	12	10	16	24	18

8. स्टोर B द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या और बिना बिके बैगों की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 3 : 14
(B) 9 : 14
(C) 2 : 7
(D) 4 : 7
(E) 4 : 9

9. स्टोर A और E में मिलकर, बिना बिके बैगों की कुल संख्या और स्टोर C और D में मिलकर, बिना बिके बैगों की कुल संख्या के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 12 (B) 16
(C) 15 (D) 17
(E) 14

10. स्टोर F में स्टॉक में बैग की संख्या, स्टोर C में स्टॉक में बैग की संख्या से 18 ज्यादा है. अगर स्टोर F द्वारा, स्टॉक में बैगों की संख्या का $\frac{1}{6}$ बेचा जाए, शेष में से स्टोर F द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या क्या है ?
(A) 40 (B) 50
(C) 35 (D) 45
(E) 30

11. स्टोर B, C और D में, स्टॉक में बैगों की औसत संख्या क्या है ?
(A) 35 (B) 37
(C) 36 (D) 38
(E) 34

12. मंगलवार को, स्टोर E और C द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या बराबर है. अगर मंगलवार को स्टोर E और C में मिलकर बिना बिके बैगों की कुल संख्या 18 थी. मंगलवार को स्टोर E द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या क्या थी ?
(A) 4 (B) 6
(C) 12 (D) 10
(E) 8

13. स्टोर E में, स्टॉक में, बैग की संख्या में से, कितने प्रतिशत बेचे गए ?
(A) 58·5 (B) $56\frac{1}{4}$
(C) 55·5 (D) $52\frac{1}{4}$
(E) 50

14. एक ट्रेन 360 मीटर लम्बी, 45 किमी/घण्टा की चाल से दौड़ रही है. 140 मीटर लम्बे प्लेटफार्म को पार करने में वह कितना समय लेगी ?
(A) 38 सेकण्ड (B) 35 सेकण्ड
(C) 44 सेकण्ड (D) 40 सेकण्ड
(E) 50 सेकण्ड

निर्देश–(प्रश्न 15 से 20 तक) पाई चार्ट को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

6 साल में एक पैट शॉप द्वारा बेचे गए कुल 1800 जानवरों का विभाजन

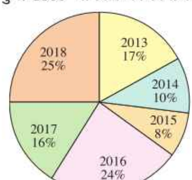

15. 2016, 2017 और 2018 में बेचे गए जानवरों की औसत संख्या क्या है ?
(A) 390 (B) 388
(C) 394 (D) 392
(E) 387

16. 2013 और 2016 में मिलकर बेचे गए जानवरों की संख्या और 2015 और 2017 में मिलकर बेचे गए जानवरों की संख्या के बीच अन्तर क्या है ?
(A) 294 (B) 302
(C) 296 (D) 288
(E) 306

Vikas Bhadu

17. 2016 में बेचे गए जानवरों की संख्या के बीच केन्द्रीय कोण क्या है ?
(A) 86·4° (B) 78·2°
(C) 90° (D) 79·8°
(E) 80·2°

18. अगर 2014 और 2015 में बेचे गए जानवरों का 35% और 25% खरगोश हैं, तो 2014 और 2015 में मिलकर बेचे गए खरगोशों की संख्या क्या है ?
(A) 102 (B) 90
(C) 104 (D) 95
(E) 99

19. 2013 में, अगर पैट शॉप में उपलब्ध जानवरों का 10% नहीं बिके, 2013 में कितने जानवर नहीं बिके ?
(A) 30 (B) 24
(C) 34 (D) 28
(E) 32

20. 2017 और 2018 में, बेचे गए जानवरों की बराबर संख्या श्वेत रंग की है. अगर 2017 और 2018 में, बेचे गए अश्वेत जानवरों की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः 4 : 7 है, तो 2018 में श्वेत जानवरों की संख्या क्या है ?
(A) 144 (B) 48
(C) 90 (D) 36
(E) 72

21. एक आयत का क्षेत्रफल 216 वर्ग मीटर है और उसकी लम्बाई और चौड़ाई के बीच अनुपात क्रमशः 3 : 2 है. वृत्त का व्यास, आयत की चौड़ाई का $1\frac{1}{6}$ भाग है. आयत के क्षेत्रफल और वृत्त के क्षेत्रफल के बीच अन्तर क्या है ? (मी^{2} में)
(A) 62 (B) 66
(C) 70 (D) 68
(E) 60

22. अगर 10 आदमी और 20 औरतें दिए गए कार्य को पूरा करने में 24 घण्टे लेते हैं और एक औरत की क्षमता, एक आदमी की क्षमता की आधी है. इसी काम को पूरा करने में 60 औरतें कितना समय लेंगी ?
(A) 20 (B) 30
(C) 16 (D) 27
(E) 21

23. राम और श्याम दोनों ने अपनी मासिक आय का 30% और 44% बचाए. उन्होंने हर महीने जो राशि खर्च की वह बराबर है. राम और श्याम की मासिक आय के बीच अन्तर ₹ 5,000 है. राम की मासिक आय क्या है ?
(A) ₹ 20,000
(B) बताया नहीं जा सकता
(C) ₹ 30,000
(D) ₹ 36,000
(E) दिए गए विकल्पों में से कोई भी नहीं

24. जार Y में दो तरल L और M के मिश्रण का अनुपात क्रमशः 3 : 4 है, जब जार Y में L का 4 लिटर और M का 6 लिटर मिलाया जाए, तो L और M के नई मात्रा के बीच अनुपात क्रमशः 8 : 11 है. अगर फाइनल मिश्रण का 19 लिटर जार X में डाला जाए, तो जार Y में M की मात्रा क्या है ? (लिटर में)
(A) 22 (B) 18
(C) 14 (D) 11
(E) 8

25. मोना ने, स्कीम A में, ₹ P (12% सालाना साधारण ब्याज) 2 साल के लिए और स्कीम B में ₹ 2P (15% सालाना साधारण ब्याज पर) 3 साल के लिए निवेश किए. अगर दोनों स्कीमों से कमाए गए ब्याज के बीच अन्तर ₹ 1,320 है, तो P का मान क्या है ?
(A) 6,000 (B) 5,000
(C) 2,000 (D) 4,000
(E) 8,000

26. स्कूल में, छात्रों की कुल संख्या का 40% प्राइमरी कक्षा में है. शेष छात्रों का $\frac{1}{5}$ भाग सेकण्डरी कक्षा में है और शेष 1200 हायर सेकण्डरी कक्षा में है. स्कूल में छात्रों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 3,500 (B) 2,250
(C) 3,000 (D) 2,500
(E) 2,000

27. मिनी P से 6 साल छोटा है और मिनी Q से 6 साल बड़ा है. 12 साल बाद, उस समय, P और Q की आयु के बीच अनुपात क्रमशः 4 : 3 होगा. P और Q की वर्तमान आयु का योग क्या है ? (सालों में)
(A) 50 (B) 42
(C) 48 (D) 64
(E) 60

28. कार की कीमत हर साल 15% घटती है. 2016 में कार की खरीद के लिए ₹ 2,40,000 लगे, 2 साल के अन्त में कार की कीमत क्या है ? (₹ में)
(A) 1,73,400 (B) 1,75,920
(C) 1,56,000 (D) 1,47,000
(E) 1,72,100

29. 180 किमी की कुल दूरी में से, एक कार उसका $\frac{1}{3}$ भाग, 30 किमी/घण्टा की चाल से और शेष दूरी, 45 किमी/घण्टा की चाल से तय करती है. कार की औसत चाल क्या है ? (किमी/घण्टा)
(A) 38 (B) 35
(C) 36 (D) 38·6
(E) 40

निर्देश–(प्रश्न 30 से 34 तक) दिए गए प्रश्नों में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

30. 8 9 17 26 90 ?
(A) 121 (B) 109
(C) 115 (D) 125
(E) 111

31. 96 48 72 180 ? 2835
(A) 570 (B) 630
(C) 575 (D) 612
(E) 484

32. 13 14 30 93 ? 1885
(A) 364 (B) 388
(C) 382 (D) 356
(E) 376

33. 1252 250 62 20 ? 7
(A) 13 (B) 7
(C) 11 (D) 12
(E) 9

34. 15 21 32 48 69 ?
(A) 85 (B) 103
(C) 100 (D) 89
(E) 95

निर्देश–(प्रश्न 35 से 38 तक) इस प्रश्न में, दो समीकरण I और II दिए गए हैं. आपको दोनों समीकरणों को हल करना है और सही उत्तर चिह्नित करना है–
(A) $x > y$ (B) $x < y$
(C) $x \geq y$ (D) $x \leq y$
(E) बताया नहीं जा सकता

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

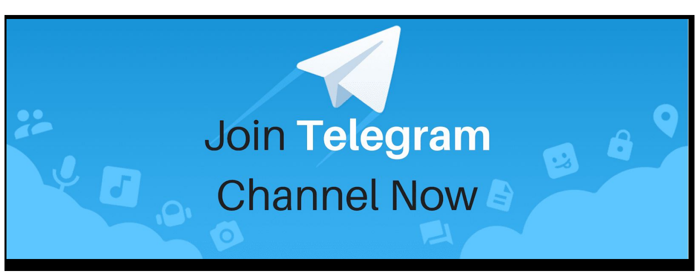

35. I. $x^2 + 8x + 12 = 0$

II. $y^2 + 14y + 45 = 0$

36. I. $2x^2 - 11x + 15 = 0$

II. $y^2 - 3y + 2 = 0$

37. I. $6x^2 + 17x + 12 = 0$

II. $3y^2 + 11y + 10 = 0$

38. I. $2x^2 - 3x + 1 = 0$

II. $5y^2 - 6y + 12 = 0$

Vikas Bhadu

निर्देश–(प्रश्न 39 से 45 तक) दिए गए प्रश्न में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर लगभग मान क्या आएगा ?

39. $\frac{31{\cdot}94}{(1{\cdot}98)^3} + \frac{42{\cdot}04}{?} = 7$

(A) 21 (B) 7
(C) 14 (D) 18
(E) 12

40. $7{\cdot}02 * 4{\cdot}99 - 3{\cdot}09 * ? = 2{\cdot}02^3$

(A) 27 (B) 9
(C) 18 (D) 15
(E) 3

41. $(1{\cdot}99 + 5{\cdot}02)^2 - (1 + ?) = 10{\cdot}93 * 3{\cdot}05$

(A) 11 (B) 19
(C) 15 (D) 7
(E) 22

42. $\frac{14{\cdot}12 + 7{\cdot}98}{3{\cdot}05 + 8{\cdot}01} \times (2{\cdot}98)^2 = ?$

(A) 12 (B) 30
(C) 24 (D) 18
(E) 9

43. $33{\cdot}87 + 19{\cdot}98 - ? - 8{\cdot}97 = 6{\cdot}11$

(A) 39 (B) 46
(C) 26 (D) 32
(E) 20

44. $\frac{44{\cdot}97}{2{\cdot}99 + 2{\cdot}03} \times 3^? = \frac{1}{81}$

(A) –6 (B) –5
(C) –4 (D) 3
(E) 4

45. $21{\cdot}0091 - 6{\cdot}085 + 13{\cdot}24 = (35 + ?) \times 2$

(A) 6·5 (B) 10·5
(C) 15·5 (D) 20·5
(E) 25·5

46. अगर आयत की लम्बाई 15% बढ़ा दी जाएं और चौड़ाई 12% घटा दी जाए, तो आयत के क्षेत्रफल में कितना प्रतिशत बदलाव आएगा ?

(A) 2·4% कमी (B) 1·2% वृद्धि
(C) 1·8% कमी (D) 1·2% कमी
(E) 1·8% वृद्धि

47. एक नल 8 घण्टे में टैंक को पूरा भर देती है. आधा टैंक भरने के बाद, एक अन्य नल खोला गया. टैंक को पूरा भरने में कुल कितना समय लिया गया ?

(A) 6 घण्टे (B) $6\frac{1}{2}$ घण्टे
(C) $5\frac{1}{2}$ घण्टे (D) $7\frac{1}{2}$ घण्टे
(E) 7 घण्टे

48. आयात का परिमाप x है और वृत्त की परिधि, आयत के परिमाप से 8 ज्यादा है. वृत्त की त्रिज्या और आयत की लम्बाई के बीच अनुपात 1 : 2 है और आयात की लम्बाई और चौड़ाई के बीच अनुपात 7 : 3 है. आयात की लम्बाई क्या है ?

(A) 14 (B) 21
(C) 28 (D) 35
(E) 7

49. 20 छात्रों की कक्षा के विज्ञान विषय में औसत अंक 68 हैं. अगर दो छात्रों के अंक 72 और 61 की जगह गलती से 48 और 65 पढ़ लिए गए, तो उसका सही औसत क्या होगा ?

(A) 68·5 (B) 69
(C) 69·5 (D) 70
(E) 66

50. 45 मैचों में एक बैट्समैन द्वारा स्कोर किए गए औसत रन 42 हैं. उसके सबसे ज्यादा और सबसे कम स्कोर किए गए रन के बीच अन्तर 114 है. अगर उन दो मैचों को निकाल दिया जाए, तो औसत स्कोर 40 होगा. सबसे कम स्कोर क्या है ?

(A) 25 (B) 32
(C) 34 (D) 28
(E) 36

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) माना A द्वारा निवेश की गई राशि

$= ₹\, x$

A और B के निवेशों में अनुपात

$= x \times 12 : (x + 200) \times 6$

$= 12x : (6x + 1200)$

A का हिस्सा

$$= \frac{\text{A का निवेश}}{\text{कुल निवेश}} \times \text{कुल लाभ}$$

$$\Rightarrow \quad 1600 = \frac{12x}{18x + 1200} \times 2800$$

$$\Rightarrow \quad 84x = 72x + 4800$$

$$\Rightarrow \quad 12x = 4800$$

$$\Rightarrow \quad x = 400$$

प्रश्न 2 से 7 तक के लिए :

A में कुल लोगों की संख्या

$$= \frac{220 \times 100}{(100 - 60)}$$

$$= \frac{22000}{40} = 550$$

A में पुरुषों की संख्या

$= 550 - 220 = 330$

B में लोगों की संख्या

$$= \frac{280 \times 100}{(100 - 30)}$$

$$= \frac{28000}{70} = 400$$

B में पुरुषों की संख्या

$= 400 - 280$

$= 120$

C में लोगों की संख्या

$$= \frac{105 \times 100}{(100 - 40)}$$

$$= \frac{10500}{60} = 175$$

C में पुरुषों की संख्या

$= 175 - 105$

$= 70$

D में लोगों की संख्या

$$= \frac{250 \times 100}{(100 - 50)}$$

$$= \frac{25000}{50} = 500$$

D में पुरुषों की संख्या

$= 500 - 250$

$= 250$

2. (C) A, B और C में लोगों (पुरुष + महिला) की औसत संख्या

$$= \frac{550 + 400 + 175}{3}$$

$$= \frac{1125}{3} = 375$$

3. (D) प्रतिशत कमी

$$= \frac{(250 - 120)}{250} \times 100$$

$= 52\%$

4. (B) अनुपात $= \frac{330}{120} = \frac{11}{4}$

5. (A) कुल योग $= 120 + 70 + 250$

$= 440$

6. (E) अन्तर $= 550 - 175 = 375$

7. (D) E में, महिलाओं की संख्या

$$= 250 + \frac{20}{100} \times 250$$

$= 300$

E में, पुरुषों की संख्या

$$= 120 + \frac{10}{100} \times 120$$
$$= 132$$

लोगों की कुल संख्या (पुरुष + महिला)

$$= 300 + 132$$
$$= 432$$

8. (C) अनुपात $= \frac{10}{(45-10)}$

$$= \frac{10}{35} = \frac{2}{7}$$

9. (D) अन्तर

$$= [(40-12)+(32-18)] - [(35-16)+(30-24)]$$
$$= (28+14) - (19+6)$$
$$= 42 - 25 = 17$$

10. (D) F में बैग का स्टॉक

$$= 35 + 18 = 53$$

F में बेचे गए बैग की संख्या

$$= \frac{1}{6} \times 53 = 8$$

नहीं बिके हुए बैगों की संख्या

$$= 53 - 8 = 45$$

11. (B) स्टॉक में बैगों की औसत संख्या

$$= \frac{45+35+30}{3}$$
$$= \frac{110}{3} = 36{\cdot}6 \approx 37$$

12. (E) मंगलवार को, E द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या = C द्वारा बेचे गए बैगों की संख्या

सोमवार को, कुल स्टॉक

$$= 67$$

दोनों E और C द्वारा मिलाकर बेचा गया सामान

$$= (67-34) - 17$$
$$= 16$$

तो, E द्वारा बेचा गया सामान

$$= \frac{16}{2} = 8$$

13. (B) अभीष्ट प्रतिशत

$$= \frac{18}{32} \times 100 = 56\frac{1}{4}\ \%$$

14. (D) S = 45 किमी/घण्टा

$$= \frac{25}{2} \text{ मी/से.}$$

तय की गयी दूरी

= ट्रेन की लम्बाई + प्लेटफार्म की लम्बाई

= 360 + 140 = 500 मीटर

$$T = \frac{500}{\frac{25}{2}} = 40 \text{ सेकण्ड}$$

15. (A) औसत

$$= \frac{\frac{1800}{100} \times (24+16+25)}{3}$$
$$= \frac{18 \times 65}{3} = \frac{1170}{3}$$
$$= 390$$

16. (E) अन्तर

$$= \left(\frac{17}{100} \times 1800 + \frac{24}{100} \times 1800\right) - \left(\frac{8}{100} \times 1800 + \frac{16}{100} \times 1800\right)$$
$$= (306 + 432) - (144 + 288)$$
$$= 738 - 432$$
$$= 306$$

17. (A) केन्द्रीय कोण

$$= \frac{24}{100} \times 360 = 86{\cdot}4°$$

18. (E) 2014 और 2015 में मिलकर खरगोशों की संख्या

$$= \left(\frac{10}{100} \times 1800 \times \frac{35}{100}\right) + \left(\frac{8}{100} \times 1800 \times \frac{25}{100}\right)$$
$$= 63 + 36 = 99$$

19. (A) 2013 में बिना बिके जानवरों की संख्या $= \frac{17}{100} \times 1800 \times \frac{10}{100}$

$$= 30$$

20. (E) 2017 में बेचे गए कुल जानवर

$$= \frac{1800 \times 16}{100} = 288$$

2018 में बेचे गए कुल जानवर

$$= \frac{1800 \times 25}{100} = 450$$

माना 2017 तथा 2018 में प्रत्येक वर्ष x श्वेत जानवर बेचे गए

तब प्रश्नानुसार,

$$\frac{(288-x)}{(450-x)} = \frac{4}{7}$$
$$2016 - 7x = 1800 - 4x$$
$$2016 - 1800 = 7x - 4x$$
$$3x = 216$$
$$x = \frac{216}{3}$$
$$= 72$$

21. (A) आयत का क्षेत्रफल

$$= l \times b$$
$$\Rightarrow \quad 216 = 6x^2$$
$$\Rightarrow \quad x^2 = 36$$
$$\Rightarrow \quad x = 6$$

लम्बाई $= 3x = 3 \times 6$

= 18 मीटर

चौड़ाई $= 2x = 2 \times 6$

= 12 मीटर

वृत्त का व्यास $= \frac{7}{6} \times 12 = 14$ मी.

वृत्त का क्षेत्रफल $= \frac{22}{7} \times 7 \times 7$

= 154 मी^{2}

अन्तर = 216 − 154

= 62 मीटर

22. (C) 1 औरत $= \frac{1}{2}$ आदमी

⇒ 20 औरतें = 10 आदमी

∴ 10 आदमी + 20 औरतें

= 40 औरतें

अभीष्ट समय $= \frac{40 \times 24}{60}$

⇒ = 16 घण्टे

23. (A) माना प्रत्येक का खर्च = ₹ x

∴ श्याम की आय − राम की आय

= 5000

$$\frac{100x}{(100-44)} - \frac{100x}{(100-30)} = 5000$$
$$\frac{x}{56} - \frac{x}{70} = \frac{5000}{100}$$
$$\frac{5x - 4x}{280} = 50$$
$$x = 50 \times 280$$

= ₹ 14000

∴ राम की आय $= \frac{14000 \times 100}{(100-30)}$

$$= \frac{140000}{70}$$

= ₹ 20000

24. (D) L की मात्रा $= 3x$

M की मात्रा $= 4x$

दिया है, $\frac{3x+4}{4x+6} = \frac{8}{11}$

⇒ x = 4 लिटर

L की नई मात्रा $= 3x + 4$

= 16 लिटर

M की नई मात्रा $= 4x + 6$

= 22 लिटर

कुल मिश्रण = 16 + 22

= 38 लिटर

जार Y में शेष मिश्रण = 38 − 19

= 19 लिटर

M की मात्रा $= \frac{11}{19} \times 19$

= 11 लिटर

Vikas Bhadu

Vikas Bhadu

25. (C) अन्तर

$$\Rightarrow \quad \frac{90\,P}{100} - \frac{24\,P}{100} = 1320$$

$$\Rightarrow \quad P = \frac{1320 \times 100}{66}$$

$$= ₹\,2000$$

26. (D) माना, छात्रों की कुल संख्या $= x$

प्राइमरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र

$$= \frac{40x}{100}$$

सेकण्डरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र

$$= \frac{1}{5} \times \frac{60x}{100} = \frac{12x}{100}$$

$$\Rightarrow \quad \frac{48x}{100} = 1200 \text{ (दिया है)}$$

$$\Rightarrow \quad x = 2500 \text{ छात्र}$$

27. (E) दिया है,

$$M = P - 6 \quad \ldots(1)$$

और $M = Q + 6 \quad \ldots(2)$

और $\dfrac{P+12}{Q+12} = \dfrac{4}{3}$

$$\Rightarrow \quad 3P = 4Q + 12 \quad \ldots(3)$$

हल करने पर, $P = 36$ साल

$Q = 24$ साल

P और Q का योग $= 36 + 24$

$= 60$ साल

28. (A) 2016 में, कार की खरीद

$= ₹\,2{,}40{,}000$

2017 में, कार की कीमत

$$= 2{,}40{,}000 - 2{,}40{,}000 \times \frac{15}{100}$$

$= ₹\,2{,}04{,}000$

2018 में, कार की कीमत

$$= 2{,}04{,}000 - 2{,}04{,}000 \times \frac{15}{100}$$

$= ₹\,1{,}73{,}400$

29. (D) औसत चाल

$$= \frac{180}{\frac{1}{3} \times \frac{180}{30} + \frac{2}{3} \times \frac{180}{45}}$$

$$= \frac{180}{2 + \frac{8}{3}} = \frac{180}{\frac{6+8}{3}}$$

$$= \frac{180 \times 3}{14}$$

$= 38{\cdot}57 \approx 38{\cdot}6$ किमी/घण्टा

30. (C) 8 9 17 26 90 [115]

+1 +8 +9 +64 +25

$(1)^2$ $(2)^3$ $(3)^2$ $(4)^3$ $(5)^2$

31. (B) 96 48 72 180 [630] 2835

÷2 × 1 ÷2 × 3 ÷2 × 5 ÷2 × 7 ÷2 × 9

32. (E) 13 14 30 93 [376] 1885

×1 + 1 ×2 + 2 ×3 + 3 ×4 + 4 ×5 + 5

33. (E) 1252 250 62 20 [9] 7

−2 ÷ 5 −2 ÷ 4 −2 ÷ 3 −2 ÷ 2 −2 ÷ 1

34. (E) 15 21 32 48 69 [95]

+6 +11 +16 +21 +26

+5 +5 +5 +5

35. (E) (I) $x^2 + 8x + 12 = 0$

$$\Rightarrow \quad x^2 + 6x + 2x + 12 = 0$$

$$\Rightarrow \quad x(x+6) + 2(x+6) = 0$$

$$\Rightarrow \quad x = -2, -6$$

(II) $y^2 + 14y + 45 = 0$

$$\Rightarrow \quad y^2 + 5y + 9y + 45 = 0$$

$$\Rightarrow \quad y(y+5) + 9(y+5) = 0$$

$$\Rightarrow \quad y = -5, -9$$

सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है.

36. (A) (I) $2x^2 - 11x + 15 = 0$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{11 \pm \sqrt{121 - 120}}{4}$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{11 \pm 1}{4}$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{12}{4}, \frac{10}{4}$$

$$\Rightarrow \quad x = 3, 2{\cdot}5$$

(II) $y^2 - 3y + 2 = 0$

$$\Rightarrow \quad y^2 - 2y - y + 2 = 0$$

$$\Rightarrow \quad y(y-2) - 1(y-2) = 0$$

$$\Rightarrow \quad y = 1, 2$$

$$x > y$$

37. (A) (I) $6x^2 + 17x + 12 = 0$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{-17 \pm \sqrt{289 - 288}}{12}$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{-17 \pm 1}{12}$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{-18}{12}, \frac{-16}{12}$$

$$\Rightarrow \quad x = -1{\cdot}5, -1{\cdot}33$$

(II) $3y^2 + 11y + 10 = 0$

$$\Rightarrow \quad y = \frac{-11 \pm \sqrt{121 - 120}}{6}$$

$$\Rightarrow \quad y = \frac{-11 \pm 1}{6}$$

$$\Rightarrow \quad y = \frac{-12}{6}, \frac{-10}{6}$$

$$\Rightarrow \quad y = -2, -1{\cdot}66$$

$$x > y$$

38. (E) (I) $2x^2 - 3x + 1 = 0$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{3 \pm \sqrt{9 - 8}}{4}$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{3 \pm 1}{4}$$

$$\Rightarrow \quad x = \frac{4}{4}, \frac{2}{4}$$

$$\Rightarrow \quad x = 1, 0{\cdot}5$$

(II) $5y^2 - 6y + 12 = 0$

$$\Rightarrow \quad y = \frac{6 \pm \sqrt{36 - 240}}{10}$$

$$\Rightarrow \quad y = \frac{6 \pm \sqrt{-204}}{10}$$

सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है.

39. (C) $\dfrac{31{\cdot}94}{(1{\cdot}98)^3} + \dfrac{42{\cdot}04}{x} = 7$

$$\Rightarrow \quad \frac{32}{8} + \frac{42}{x} = 7$$

$$\Rightarrow \quad x = 14$$

40. (B) $7{\cdot}02 \times 4{\cdot}99 - 3{\cdot}09 \times x$

$$= (2{\cdot}02)^3$$

$$\Rightarrow \quad 7 \times 5 - 3x = 8$$

$$\Rightarrow \quad 3x = 27$$

$$\Rightarrow \quad x = 9$$

41. (C) $(1{\cdot}99 + 5{\cdot}02)^2 - (1 + x)$

$$= 10{\cdot}93 \times 3{\cdot}05$$

$$\Rightarrow \quad 49 - (1 + x) = 11 \times 3 = 33$$

$$\Rightarrow \quad 1 + x = 16$$

$$\Rightarrow \quad x = 15$$

42. (D) $\dfrac{14{\cdot}12 + 7{\cdot}98}{3{\cdot}05 + 8{\cdot}01} \times (2{\cdot}98)^2$

$$\Rightarrow \quad \frac{22}{11} \times 9 = 18$$

43. (A) $33{\cdot}87 + 19{\cdot}98 - x - 8{\cdot}97 = 6{\cdot}11$

$$\Rightarrow \quad 44{\cdot}88 - 6{\cdot}11 = x$$

$$\Rightarrow \quad x = 38{\cdot}77$$

$$\approx 39$$

44. (A) $\dfrac{44{\cdot}97}{2{\cdot}99 + 2{\cdot}03} \times 3^x = \dfrac{1}{81}$

$$\Rightarrow \quad \frac{45}{5} \times 3^x = \frac{1}{81}$$

$$\Rightarrow \quad 3^x \times 9 = \frac{1}{81}$$

$$\Rightarrow \quad 3^x = \frac{1}{729} = \frac{1}{3^6}$$

$$\Rightarrow \quad x = -6$$

45. (B) $21{\cdot}0091 - 6{\cdot}085 + 13{\cdot}24$

$$= (3{\cdot}5 + x) \times 2$$

$$\Rightarrow \quad 28{\cdot}1641 = (3{\cdot}5 + x) \times 2$$

$$\Rightarrow \quad 3{\cdot}5 + x = 14{\cdot}082$$

$$\Rightarrow \quad x = 10{\cdot}5$$

46. (B) वास्तविक क्षेत्रफल $= l \times b$

नया क्षेत्रफल $= \dfrac{115l}{100} \times \dfrac{88b}{100}$

$$= \frac{10120lb}{10000}$$

शेष पृष्ठ 173 पर

Vikas Bhadu

कि राशि चक्र (Zodiac) क्या है ?

☛ आकाशीय गोले पर (Celestial Sphere) पर 16° की चौड़ाई पर निर्मित एक काल्पनिक पेटी जो उन दो वृत्तों के मध्य स्थित है जो क्रांति वृत्त (Eliptic) से दोनों ओर 8° की दूरी पर तथा उसके समानांतर स्थित है, इसमें सूर्य, चन्द्रमा और अन्य ग्रहों के आभासी पथ स्थित है. यह 12 समान खंडों (राशियों) में बँटे हुए हैं और प्रत्येक राशि के अन्तर्गत 30° क्षेत्र सम्मिलित है. इसका निर्धारण आज से लगभग 2000 वर्ष पूर्व बसंत विषुव (Spring equinox) पर सूर्य की स्थिति में किया गया था प्रत्येक राशि को उसके प्रखंड में स्थित एक विशिष्ट तारामंडल द्वारा व्यक्त किया गया है. इस प्रकार वर्ष के 12 महीनों से प्रत्येक महीना राशि चक्र के तारामंडलों में से किसी एक तारामंडल से सम्बद्ध होता है.

कि रिया (Ria) क्या है ?

☛ यह कीपाकार सागर तटीय जलमार्ग (Inlet) या खाड़ी है जिसका निर्माण सागर तल में उत्थान अथवा तटीय स्थल के निमज्जन के परिणामस्वरूप तटवर्ती नदी घाटी के जलमग्न होने से होता है. इसका निर्माण प्रायः उन क्षेत्रों में होता है जहाँ पूर्ववर्ती पहाड़ियाँ तथा नदी घाटियाँ तट से लम्बवत् रूप में पाई जाती हैं. तट के जलमग्न हो जाने पर कठोर शैलों से निर्मित टीले और पहाड़ियाँ जल के ऊपर द्वीपों तथा अंतरीपों के रूप में दृष्टिगोचर होती हैं. यह निमग्न घाटियाँ एश्चुअरी (ज्वासद) के रूप में परिवर्तित हो जाती हैं. नदी घाटी के निमग्न होने से निर्मित इस प्रकार के तट को रियातट कहते हैं. इंगलैण्ड के उत्तरी पश्चिमी भाग, आयरलैण्ड तट तथा ब्रिटेन के पश्चिमी तट पर इस प्रकार के तट पाए जाते हैं.

कि लुटेरी अर्थव्यवस्था (Robber Economy) क्या है ?

☛ यह वे आर्थिक क्रियाएं हैं जिनके अन्तर्गत त्वरित लाभ के लिए प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन किया जाता है जिससे भविष्य के लिए उपयोगी विविध संसाधनों का अनावश्यक विनाश किया जाता है और निकट भविष्य में उनकी पूर्ति सम्भव नहीं होती है. आर्थिक विकास के दौर में मनुष्य अनेक ऐसे कार्य भी करता है जो भूतल पर दूरगामी आर्थिक प्रभाव भी छोड़ जाते हैं. ऐसी अर्थव्यवस्था को फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता ब्रंश ने लुटेरी अर्थव्यवस्था की संज्ञा दी है. उन्होंने इसके अन्तर्गत खनिजों के विदोहन तथा पौधों और पशुओं के विनाश को सम्मिलित किया है. इन विनाशकारी आर्थिक क्रियाओं को आर्थिक लूट भी कहा जाता है.

कि लुप्त सरिता (Disappeared Stream) क्या है ?

☛ यह एक ऐसी सरिता है जिसका जल कुछ दूरी तक भूसतह पर प्रवाहित होने के पश्चात् प्रवेश्य शैलों की संधियों तथा छिद्रों से होकर भूमिगत हो जाता है और सरिता सतह पर अदृश्य हो जाती है. इस प्रकार की सरिताएँ प्रायः चूना पत्थर (कार्स्ट) प्रदेशों में मिलती हैं. हिमालय की तलहटी में कंकड़-पत्थर वाले भाबर प्रदेश में भी छोटी-छोटी सरिताएं लुप्त हो जाती हैं जो आगे चलकर तराई के मैदानों में पुनः सतह पर बहने लगती हैं.

कि लैगून (Lagoon) क्या है ?

☛ यह सागर तट पर स्थित एक उथला जल क्षेत्र है जो संकीर्ण स्थलीय पेटी या अवरोध (रोध, रोधिका, भित्ति आदि) द्वारा सागर से अंशतः अथवा पूर्णतः पृथक् होता है. इसका निर्माण अधिकांशतया अपतट रोधिका, रोध, प्रवालभित्ति अथवा प्रवाल वलय द्वारा तटवर्ती जल को मुख्य सागर से पृथक् कर देने से होता है. किसी खाड़ी या लघु निवेशिका के सम्मुख पंक, रेत, बजरी आदि के निक्षेप से जब तक किसी रोधिका या रोध का निर्माण होता है. सागर तट और रोधिका या रोध के मध्य उथला सागरीय जल बन्द हो जाता है तथा लैगून का निर्माण होता है. उड़ीसा के तट पर चिल्का झील इसका उदाहरण है. इसी प्रकार तटीय प्रवाल भित्ति, अवरोधक भित्ति अथवा प्रवाल वलय से आबद्ध सागरीय जल लैगून के रूप में पाया जाता है.

कि फल पकने की प्राकृतिक प्रक्रिया होती है. इसे जानिए.

☛ **'फलों का पकना'**—एक प्राकृतिक प्रक्रिया होती है, जिसमें फल ज्यादा मीठे, कम हरे, मुलायम, रसीले और सुस्वादु हो जाते हैं. आमतौर पर यह प्रक्रिया पेड़ों/वृक्षों की डाली/शाखाओं पर ही होती है, लेकिन कारोबार हेतु पके फलों को दूर तक भेजने में काफी नुकसान होता है, फलतः उनका भंडारण करके पकाया जाता है. पकने के लिए किए गए भण्डारण के दौरान इनकी रासायनिक और एंजाइम संरचना में बदलाव होता है. पकने की इस प्रक्रिया में एन्जाइम टूटते हैं, साथ ही स्टार्च जैसे पॉली-सैकेराइड्स हाइड्रोलिसिस प्रक्रिया से गुजरते हैं. यह प्रक्रिया स्टार्च को फ्रक्टोज, ग्लूकोज, सुक्रोज जैसे—छोटे अणुओं में तोड़ देती है.

कि क्या करेला में कोई औषधीय गुण भी है ?

☛ करेला तो औषधीय गुणों का भंडार है. करेले की कड़वाहट भले ही पसंद न हो, लेकिन स्वास्थ्य के लिए यह अमृत है. अभी तक लोग स्वाद बदलने के लिए या डायबिटीज दूर करने के लिए करेले का उपयोग करते थे.

अमरीका के सेंट लुई यूनिवर्सिटी के शोध दल द्वारा किए गए एक अन्वेषण के अनुसार करेले के सेवन न केवल मधुमेह को दूर करने में मदद मिलती है, बल्कि इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व कैंसर से भी बचाते हैं. इस शोध के अनुसार, करेले में विभिन्न प्रकार के एण्टीआक्सीडेन्ट्स एवं एसिड्स पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं. करेले में विटामिन 'ए' और 'सी' के साथ ही, इसमें पोटेशियम, फाइबर, जिंक, आइरन आदि पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने के साथ ही आँखों की रोशनी भी बढ़ाते हैं.

यह हड्डियों को मजबूत करने के साथ ही, घावों को भरने में भी मदद करता है. इसके सेवन से वजन भी कम होता है.

कि ग्रीष्मकाल में 'आम' (Mango) फल का सेवन करें, जो प्रकृति का एक अच्छा वरदान है. इसकी उपयोगिता जानिए.

☛ **'आम'** (फलों का राजा), **वैज्ञानिक नाम**—मेंजीफेरा इण्डिका, **कुल**— एनाकार्डि-एसी; **उत्पत्ति**—इण्डो-वर्मा प्रक्षेत्र से, एवं अन्य फल-शहतूत, नारियल पानी, बेल, फालसा, खरबूजा, तरबूज आदि का सेवन गर्मी के मौसम में करना अति लाभप्रद है. आम में अमीनो अम्ल; विटामिन 'A' **'सी'** और **'ई'**, नियासिन, फ्लेवोनाइड्स, कैल्सियम, आइरन, मैग्नीशियम आदि तत्व पाए जाते हैं. साथ ही, यह पोटेशियम और बीटाकैरोटीन से भी भरपूर है. ये दोनों ही त्वचा सम्बन्धी समस्याओं से बचाव करते हैं. साथ ही साथ, इसमें मौजूद विटामिन्स-आँखों के लिए काफी लाभदायक हैं?. विटामिन 'C' त्वचा के लिए उपयोगी है. यह इम्यून तंत्र को मजबूत करती है और सर्दी में जुकाम से बचाव करती है. इसमें मौजूद लाभदायक एसिड जैसे—ग्लूटामिन, टारटैरिक आदि स्मरण शक्ति बढ़ाने में मददगार है. अच्छी मात्रा में फाइबर/रेशे होने से लम्बे समय तक पेट भरे होने का अहसास कराता है. कुल मिलाकर गर्मियों में **'आम'** का सेवन-एक वरदान है. ●●●

Vikas Bhadu

प्रश्न–एम जी हेक्टर क्या है ?

उत्तर–भारत में अब जल्द ही ऐसी इंटरनेट कार दौड़ती नजर आएगी, जो आपकी आवाज से न केवल स्टार्ट होगी, बल्कि एसी, विंडो, लॉक-अनलॉक जैसे सारे काम करेगी. ब्रिटेन की ऑटोमोबाइल कम्पनी एम जी मोटर ने भारत की यह पहली इंटरनेट कार, एम जी हेक्टर तैयार कर ली है.

टच या वॉयस (आवाज) कमांड के जरिए हेक्टर कार को संचालित करने वाले आई स्मार्ट को अभी हाल ही में नेक्स्ट जेनेरेशन एप को लांच किया गया.

इस कार की विशेषताएं

- *रिमोट व मोबाइल एप से नियंत्रण से पूरी कार को नियंत्रित किया जा सकेगा.*
- *जियो फेंसिंग से आप तय कर सकते हैं कि कार कितनी दूरी के आगे न जा पाए.*
- *360 डिग्री पार्किंग कैमरा, पैनारोमिक सनरूफ, और क्रूज कंट्रोल से लैस.*

इस कार की अनुमानित लागत लगभग 17 से 20 लाख रुपए होगी. अनुमान है कि जून 2020 में यह कार भारत आ जाएगी. यह कार पूरी तरह बटन रहित होगी. कार में शीशा ऊपर करने, एसी को तेज करने और गाना चलाने के लिए किसी बटन की जरूरत नहीं. ये सारे काम वॉयस कमांड के जरिए बोलकर किए जाएंगे. इसमें सौ से अधिक कमांड के साथ आपात सेवा का फीचर भी है.

प्रश्न–केंचुआ खाद (वर्मी कम्पोस्ट) से खेती में क्या लाभ हैं ? इसे जानिए.

उत्तर–'**केंचुआ**' (पृथ्वी की आंत/प्रकृति का हलवाहा/मृदा उर्वरता का बैरोमीटर/किसान का सच्चा मित्र-Earth worm) से कृषि में अनेक लाभ हैं जैसे–मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों में सुधार लाना, मृदा संरचना/संचार में सुधार हो जाना; नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होना; कूड़े-कचरे से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण होना; **वर्मी-कम्पोस्ट**–एक लघु कुटीर उद्योग के रूप में रोजगार के नए अवसर प्रदान करता है तथा रासायनिक उर्वरकों की खपत कम करके मृदा स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का एक प्रभावी उपाय है तथा फलों, सब्जियों तथा खाद्यान्नों की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा उनकी उपज में वृद्धि का होना, आदि ऐसे अनेक लाभ हैं.

प्रश्न–'तुलसी'–एक औषधीय पौधा के गुण जानिए, जिसे घर के आंगन में लगाएं.

उत्तर–औद्योगिक मिशन के तहत् किसानों को '**तुलसी**' की खेती करने हेतु 2 हैक्टेयर तक के लिए उत्पादन पर सब्सिडी की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई. '**तुलसी**' के ये गुण हैं–वायु को शुद्ध करने में मददगार; प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में; सर्दी, खांसी दूर करने में; कैंसर के इलाज में; चहरे की चमक के लिए; सांस की दुर्गन्ध दूर करने में; तनाव दूर करने में; **तुलसी** का तेल कई दर्द के इलाज में, आदि में मददगार हैं.

प्रश्न–'एलोवेरा' (ग्वारपाठा) के औषधीय गुण क्या हैं ? इसे जानिए.

उत्तर–'**एलोवेरा**'–औषधीय गुणों से भरपूर है, जिसके गुणों में–मधुमेह रोगियों के लिए उपयोगी; जोड़ों के दर्द में आराम पहुँचाता है; रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है; रक्त में शुगर लेबल को नियंत्रित रखता है; रक्त शोधन, पाचन क्रिया में सहायक; एंटी-बैक्टीरिया और एंटी-फंगल गुण के कारण घाव को जल्दी भरता है, आदि आते हैं.

प्रश्न–क्या बकरी का दूध, मानव दूध के करीब है ?

उत्तर–बकरी के दूध की विलक्षण विशेषताओं के सम्बन्ध में **ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन** में एक विस्तृत शोध लेख प्रकाशित हुआ है. इस अन्वेषण के अनुसार बकरी के दूध में शक्तिशाली प्रीबायोटिक और एण्टी-इंफेक्शन अर्थात् संक्रमणरोधी गुण पाए जाते हैं. जो बच्चों को पेट-सम्बन्धी संक्रमणों (गैस्ट्रोएन्टराइटिस) से बचाती है. गैस्ट्रोएन्टराइटिस एक प्रकार का पेट-फ्लू है. इस रोग के सामान्य लक्षण उल्टी और दस्त हैं.

इस शोध के अनुसार बकरी के दूध में आलिगोसैकराइड्स होता है, जो लाभकारी बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है तथा हानिकारक बैक्टीरिया से आँत की रक्षा करता है. इस अनुसंधान में बताया गया है कि प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले 14 प्रीबायोटिक आलिगोसैकराइड्स को बकरी के दूध में पाया गया है. इनमें से पाँच मानव-स्तन के दूध में भी पाए जाते हैं.

बकरी का दूध कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया को रोकने में सहायक है. शोधकर्ताओं ने पाया कि आलिगोसैकराइड्स के दो प्रकार, फ्यूकोसिलेटेड और सिलेलेटेड, बकरी के दूध में सबसे अधिक मौजूद है.

प्रश्न–अधिवृद्धि (Aggradation) क्या है ?

उत्तर–अधिवृद्धि वह प्रक्रम है जिसके द्वारा निचले भाग में मलवा अथवा अन्य ठोस पदार्थों के निक्षेप से भूतल (Land Surface) का निर्माण होता है. अधिवृद्धि शब्द का प्रयोग नदी के सन्दर्भ में किया जाता है, जिसके द्वारा मलवे का जमाव नदी की तली में होता है. नदी की भार वहन क्षमता में ह्रास होने, नदी जल में मलवा आपूर्ति में वृद्धि होने, प्रवाह गति में ह्रास होने अथवा नदी के आधार तल में उत्थान होने पर अधिवृद्धि की क्रिया होने लगती है, अधिवृद्धि द्वारा मलवा निक्षेप से निर्मित भूतल की ऊँचाई कालानुसार बढ़ती है.

प्रश्न–अध्यारोपित अपवाह या पूर्वारोपित अपवाह (Super imposed drainage) क्या है ?

उत्तर–यह एक विशिष्ट प्रकार का अपवाह तन्त्र है, जिसका विकास पहले ऊपरी शैल संस्तर होता है और बाद में उसके नीचे स्थित शैल संस्तर पर भी हो जाता है. नदी घाटी का विकास पहले ऊपरी आवरण शैल पर होता है. नदी निम्नवर्ती (गहरे) अपरदन द्वारा ऊपरी आवरण शैल को काटकर निचली शैल पर पहुँच जाती है, और अपनी घाटी का विकास करती है, इस प्रकार ऊपरी आवरण पर निर्मित घाटी का अध्यारोपण निचली शैल संरचना पर होने से अध्यारोपित नदी घाटी का विकास होता है. इस प्रकार की घाटी में प्रवाहित नदी अध्यारोपित या पूर्वारोपित नदी कहलाती है. अध्यारोपित नदियों का विकास प्रायः स्थानीय संरचना के विपरीत पाया जाता है.

प्रश्न–अनाधारभूत कार्य (Non-basic functions) क्या हैं ?

उत्तर–किसी अधिवास विशेष रूप से नगरीय केन्द्रों पर सम्पन्न होने वाले वे कार्य जिनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं एवं सेवाएं नगरीय सीमा के अन्दर रहने वाले लोगों (नगरवासियों) को ही प्राप्त होती हैं. इन वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात नहीं होता है, अतः इनसे नगर की आर्थिक आय नहीं प्राप्त हो पाती है, उदाहरणार्थ नाई या धोबी का कार्य जो केवल सम्बन्धित नगरवासियों के लिए ही होता है. ऐसे निर्वाहमूलक कार्यों से नगर का विकास नहीं होता है. इन कार्यों को नगरीय गौण कार्य या सेवा कार्य भी कहा जाता है.

●●●

प्रथम पुरस्कृत समीक्षा

वाद-विवाद प्रतियोगिता

Vikas Bhadu

विषय : "भारत में लोकतान्त्रिक प्रणाली ने जातिवाद को और अधिक मुखर कर दिया है."

पक्ष में – *– मोहन लाल गुर्जर*

प्राचीनकाल में हमारे देश में गुण एवं कर्म के अनुसार वर्ण व्यवस्था का निर्धारण किया गया था. एक व्यक्ति, जो मन्दिर में पूजा एवं बच्चों को शिक्षा प्रदान करता था वह ब्राह्मण, जबकि उसी का बेटा यदि समाज की रक्षा के कार्य में संलग्न रहता, तो उसे क्षत्रिय माना जाता था अर्थात् तब जाति निर्धारण का आधार व्यक्ति का कर्म था, किन्तु समय के साथ-साथ वर्ण व्यवस्था विकृत हो गई और जाति निर्धारण का आधार कर्म न होकर जन्म हो गया. फिर धीरे-धीरे ऊँच-नीच, छुआछूत इत्यादि सामाजिक बुराइयों ने अपनी जड़ें जमा लीं. स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद जाति प्रथा हमारे समाज के लिए तब अभिशाप बन गई, जब क्षुद्र एवं स्वार्थी राजनेताओं ने जातिवाद की राजनीति कर हमारी एकता एवं अखण्डता को चोट पहुँचाना शुरू कर दिया. जातिवाद समाज के विघटन के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार रहा है.

भारतीय लोकतन्त्र में जातिवाद को बढ़ावा देने वाले कारणों को निम्नलिखित बिन्दुओं के रूप में रूपायित किया जा सकता है–

1. **चुनावी राजनीति–**भारतीय लोकतान्त्रिक प्रणाली में राजनीतिक दलों ने जातियों के संगठन का उपयोग चुनावों में करना प्रारम्भ कर दिया है. बिहार में चुनावों में जबर्दस्त जातीय प्रतिद्वन्द्विता दिखाई देती है. तमिलनाडु में ब्राह्मणवाद और गैर-ब्राह्मणवाद, आन्ध्र प्रदेश में रेड्डी और कम्मा, कर्नाटक में लिंगायत और वोक्कलिंग का संघर्ष सर्वत्र छाया हुआ है. जातिवाद से यह भावना बलवती हुई है कि दूसरी अन्य जातियाँ निम्न स्तर की होती हैं और उनकी उपेक्षा की जानी चाहिए. चुनावों में जातीय द्वेष व वैमनस्य बढ़ा है और वातावरण गन्दा हुआ है. जातीय भावना के कारण प्रत्येक गाँव विभाजित-सा प्रतीत होता है. जाति भेद लोकतन्त्र के आदर्श, एकता और समता के प्रतिकूल है और आपस में द्वेष, वैमनस्य बढ़ाने वाला है. जातीय भेद संकीर्णता का द्योतक है. जातीय भेदभावों से गुटबन्दी बढ़ती है, पक्षपात की भावना बढ़ती है और कभी-कभी आन्दोलन भी होते हैं. तमिलनाडु में गैर-ब्राह्मणों ने उच्च जातियों के विरुद्ध कई बार संगठित रूप से आन्दोलन किए हैं.

2. **भारतीय लोकतन्त्र में जातिगत आरक्षण व्यवस्था–**प्राचीन भारतीय वर्ण व्यवस्था में जातियों को चार वर्गों में बाँटा गया था, जो इस प्रकार हैं–ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र. भारतीय समाज में ब्राह्मण, क्षत्रिय एवं वैश्य को उच्च वर्ग में तथा शूद्र को निम्न वर्ग में मान्यता दी गई थी, जो पहले व्यवसाय प्रधान थी. बाद में जाति प्रधान हो गई. इसी तरह की सामाजिक असमानता लोकतन्त्र के सुचारु संचालन में बाधक बनती है. फिर भी भारतीय लोकतन्त्र में जातिगत नीतियाँ बनाई गई हैं, जिससे समाज में एकरूपता लाई जा सके. भारतीय लोकतन्त्र में सभी को मुख्य धारा में लाने के लिए सबसे पहले अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ी जातियों को आरक्षण प्रदान किया गया. 26 जनवरी, 1950 को भारतीय लोकतन्त्र के संविधान में सामाजिक न्याय के बुनियादी एवं मूल सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में जनता के कमजोर एवं पिछड़े वर्गों मुख्यतया अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के शैक्षिक और सामाजिक हितों के प्रोत्साहन के लिए उन्हें जातिगत आधार पर आरक्षण प्रदान किया गया. भारतीय लोकतन्त्र में सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के नागरिकों के लिए, जिनका प्रतिनिधित्व राज्य की सेवाओं में पर्याप्त नहीं है, उन्हें नियुक्तियों या पदों के लिए जातिगत आरक्षण प्रदान किया गया है, जिससे जातिवाद और अधिक मुखर हो उठा है.

3. **कल्याणकारी राज्य के रूप में जनसमूह का सशक्तिकरण–**भारत न केवल भौगोलिक रूप से विविधताओं से परिपूर्ण देश है, अपितु सामाजिक-आर्थिक स्तर पर यहाँ विविधता विद्यमान है. भारत एक बहुधार्मिक, बहुजातीय व बहुसांस्कृतिक देश है. यहाँ विभिन्न समूह के व्यक्तियों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति भी भिन्न है. एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते शासन-प्रशासन का यह दायित्व होता है कि किसी माध्यम की सहायता के द्वारा विभिन्न समूहों के व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित कर, पर्याप्त मात्रा में सहायता व कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से, उनका सशक्तिकरण किया जाए. औपनिवेशिक काल के दौरान ब्रिटिश शासकों की समझ थी कि भारत में न केवल जाति व्यवस्था विद्यमान है; अपितु विभिन्न समूहों की तुलनात्मक सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जाँच हेतु सहायक भी है. इसी धारणा के परिप्रेक्ष्य में सन् 1881 (पहली दशकीय जनगणना) से लेकर लम्बे समय तक प्रत्येक जनगणना में जातियों का उल्लेख होता रहा.

4. **संविधान प्रदत्त विशेष उपबन्ध–**स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् समतामूलक समाज के लक्ष्य के चलते जातियों के उल्लेख के विचार को अस्वीकृत कर दिया गया. चुनावों, रोजगार आदि में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को आरक्षण संविधान प्रदत्त है. इस कारण प्रशासनिक कार्यकुशलता व विभिन्न क्षेत्रों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के सदस्यों की भागीदारी की माप हेतु जनगणना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का उल्लेख जारी रखा गया. संविधान का अनुच्छेद 340 केन्द्र सरकार को अन्य पिछड़े वर्गों की पहचान सुनिश्चित करने हेतु एक आयोग गठित करने का निर्देश देता है.

5. **मण्डल आयोग और जातिवाद का मुखरित स्वरूप**–1990 के दशक में बहुचर्चित मण्डल आयोग की रिपोर्ट के प्रकाशन ने भारतीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था में जातिवाद की बहस को एक नई दिशा दे दी. आयोग द्वारा देश की लगभग 52% जातियों को पिछड़े वर्ग में सम्मिलित किया गया, किन्तु आयोग द्वारा पहचान जाति आधारित थी. इस घटना ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया तथा जाति आधारित राजनीति करने वाली विभिन्न पार्टियाँ उभरकर सामने आईं.

इस प्रकार चुनावों में जातिवाद के बढ़ते लक्षण, आरक्षण व्यवस्था, कल्याणकारी राज्य के रूप में जाति व्यवस्था के स्वरूप की महत्ता, भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त जाति व्यवस्था हेतु विशेष उपबन्ध एवं अनुच्छेदों के चलते भारतीय लोकतान्त्रिक प्रणाली ने जातिवाद को और अधिक मुखर कर दिया है. ●●●

उपकार नवीन पुस्तक
मध्य प्रदेश
वस्तुनिष्ठ
सामान्य ज्ञान
(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)
लेखक : बी. एस. रावत 'चंचल'
कोड 2484 ₹ 120/-
सामान्य परिचय एवं तथ्य, ऐतिहासिक परिदृश्य, भौगोलिक परिदृश्य, आर्थिक परिदृश्य, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक परिदृश्य, खेल परिदृश्य, विविध.
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

बढ़ते जातिवाद के दौर में सामाजिक समरसता

Vikas Bhadu

✍ डॉ. लाल बाबू सिंह

वर्तमान भारत, धर्म-संस्कृति के साथ-साथ विज्ञान-तकनीकी पर आधारित भारत है. भारतीय समाज की जातिवादी जड़ों को अब तर्क और विज्ञान के आधार पर कसा जा रहा है. समय की माँग और जरूरत के अनुसार अमन एवं तरक्की पसन्द कारकों को सहर्ष स्वीकारा जा रहा है. इस क्रम में जाति प्रथा के गुण-दोष की समीक्षा देश के हर समूह, समाज एवं समुदाय में एक गम्भीर मुद्दा बन चुका है.

हम सभी जानते हैं कि परम्परागत भारत, धर्म व जाति प्रधान देश रहा है, लेकिन इक्कीसवीं सदी का वर्तमान भारत कुछ प्रथागत बन्धनों से काफी आगे निकल चुका है. अर्थात् अब भारत अर्थ-वित्त, तर्क-तकनीकी और कौशल प्रधान भारत बनता जा रहा है. निःसन्देह, अब सामाजिक सम्बन्ध हेतु जाति-धर्म के साथ-साथ और कुछ अर्थों में शान्ति एवं विकास के कारणों एवं कारकों ने सामाजिक समरसता के तार-सूत्रों को मजबूत करने में पहले से कहीं ज्यादा पुरजोर भूमिका निभा रही हैं.

ऐतिहासिक काल में जाति प्रथा का एक सकारात्मक पक्ष भी था. यह भारतीय खासकर हिन्दू संस्कारों एवं त्योहारों में साफ-साफ दीखता था. विवाह जैसे संस्कार में ब्राह्मण का पुरोहित रूप से लेकर मोची द्वारा बनाया गया 'मउर', हजाम द्वारा नख-बाल काटना, तेली के तेल का 'अपटन', एवं कुम्हारजनित दीपक-घड़ों की अवदान की परम्परा इस प्रकार कायम थी कि सदियों तक समाज का स्वरूप भेदभाव रहित बना रहा, क्योंकि रोजी-रोटी वाली इन कौशलों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी धार्मिक जामा पहनाकर पूर्वजों ने सभी जातियों-उपजातियों की भूमिका निर्धारित कर दी थी.

प्राचीन भारतीय समाज में चार वर्ण—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र के रूप में विद्यमान थे. ऐतिहासिक काल में प्रजातीय मिश्रण, मौर्यकालीन भारत का भौगोलिक विस्तार, गुप्तकाल में हस्तशिल्प का विकास और सम्बन्धित व्यवसायों के कारण ये प्रारम्भिक कबीलाई वर्ण, जाति रूप में परिवर्तित होकर कई उपजातियों में भी दृष्टिगोचर होने लगे. निःसन्देह यह जाति प्रथा अब हिन्दू धर्म की एक मजबूत 'लौह ढाँचा' और महत्वपूर्ण 'पहचान' बन चुकी थी.

कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था अब जाति प्रथा का रूप लेकर जन्म आधारित बन चुकी थी. जन्म के आधार पर भी एक पदानुक्रमिक व्यवस्था इस प्रथा में निहित थी कि प्रत्येक जाति अपनी नीची जाति से श्रेष्ठ और ऊपर की जाति से निकृष्ट थी.

इसी आधार पर उसकी सामाजिक स्थिति व स्थान निर्धारित होता था. स्पष्टतः आदमी का सामाजिक अस्तित्व उसके जन्म पर निर्भर था न कि योग्यता-कुशलता पर. अपने जन्म से पूर्व ही उसका पेशा निर्धारित हो जाता था. अतः जाति प्रथा एक पेशेवर व्यवस्था भी थी. यही नहीं जातिगत जन्म ही जीवन साथी अर्थात् शादी-विवाह करने का भी अकाट्य कारण था. इस अर्थ में जाति अपरिवर्तनीय थी.

निश्चित रूप से यह विशिष्ट प्रथा 'जाति' सामाजिक समानता एवं समरसता के बुनियादी सिद्धान्तों के विरुद्ध थी. जाति प्रथा में समाज का 'असमान' स्वरूप वंशानुगति के आधार पर संगठित रूप में दिखता है. बारीकी से सोचने-विचारने से महसूस होता है कि जाति प्रथा में, जो कुछ भी खूबियाँ थीं, उसमें वैसे तत्वों का सामंजस्य नहीं था, जिनका 'मूल्य' समान हो, बल्कि यह ऐसी समूहों व समाजों का सामंजस्य था, जो परस्पर 'आश्रित' थे.

विभिन्न ऊँच-नीच जातियों की पारस्परिक निर्भरता का मूलाधार उत्पादन के साधनों का असमान बँटवारा रहा है, जिसके चलते वर्तमान व आधुनिक समाज में अमीर-गरीब वर्ग का उदय हुआ. इसकी महान् विचारक कार्ल मार्क्स ने भौतिकवादी सिद्धान्त के अन्तर्गत 'वर्ग संघर्ष' के नाम से व्यापक व लोकप्रिय विवेचना की है. स्पष्टतः 'वर्ण' हो, 'जाति' हो या 'वर्ग' हो—भिन्नता, विविधता, असमानता अथवा भेदभाव की भावना तो अवश्यम्भावी है. इसीलिए, जाति प्रथा और इसके गुण-दोषों पर जब गम्भीरता से विचार करते हैं, तो इसके कतिपय 'कारण' ही 'परिणाम' बनकर उभरते नजर आते हैं. जैसे अभी भी भारत के राजस्थान-हरियाणा जैसे राज्यों में 'खाप पंचायत' के रूप में जातिगत पंचायतों की अर्द्ध-कानूनी पहचान देखने को मिलती है.

हमारा अनुभव बताता है कि गरीबी एवं बेरोजगारी के कारण भी जाति प्रथा सदियों तक फली-फूली. गाँवों का स्थानीय स्वशासन, विनिमय सम्बन्धों का अपूर्ण विकास और यातायात के पिछड़े साधन, जाति व्यवस्था के स्थायी आधार सिद्ध हुए. आजाद भारत में जिस नए राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन के परिणाम हुए उसके चलते जाति प्रथा के जो भी फायदे रहे, वे खत्म होते चले गए. यदि आज वर्तमान समाज में जातिवाद कहीं दिखता है, तो इसका मूल कारण घरेलू तौर पर 'अशिक्षा' है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 'वोट बैंक की राजनीति' है. अशिक्षा तो परिवार की जागरूकता से धीरे-धीरे खत्म हो रही है, लेकिन पार्टीगत "चुनाव के पहले, दौरान और जातिगत समूहों को आधार बनाकर चुनाव जीतने की नियोजित रणनीति में सत्तापक्ष एवं विपक्ष दोनों शामिल हैं." यह सम्भवतः हमारे सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनैतिक रहनुमाओं की या तो 'जरूरत' है या 'मजबूरी' है या समयानुसार उक्त दोनों तत्वों की भागीदारी है, जिससे इस लेख का शीर्षक 'जाति प्रथा के दौर में सामाजिक समरसता' सटीक व सारगर्भित लगता है.

जाति प्रथा के बावजूद, सामाजिक समरसता के भी कारण इसी समाज में आश्चर्यजनक रूप से दिखाई पड़ते है, जोकि निम्नलिखित हैं—

1. **औद्योगीकरण की प्रक्रिया**—आजाद भारत में जिन आर्थिक शक्तियों का जन्म हुआ, उन्होंने जाति का आर्थिक आधार ही खत्म कर दिया. भूमि आधारित सम्पत्ति और तत्जनित सामाजिक सम्बन्धों का सृजन और ग्रामीण उद्योग-धन्धों के कारण अनेक नए पेशों का जन्म हुआ. आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के उद्भव और इनके इस्तेमाल के कारण, नई मशीनों-औजारों के कारण परम्परागत उद्योगों में वैज्ञानिक संसाधनों के प्रयोग एवं प्रबन्धन ने जातिगत जड़ों पर कड़ा प्रहार किया. कृषि के व्यवसायीकरण ने ग्रामीण-शहरी औद्योगीकरण प्रक्रिया को हवा दी; फलतः समाज के परम्परागत बन्धन ढीले पड़ते गए और सामंजस्य आधारित दिल-दिमाग को वरीयता दी जाने लगी.

2. **नए सामाजिक सम्बन्धों का प्रभाव**—भूमि आधारित साम्पत्तिक अधिकार और इनमें हेरफेर करने की स्वतन्त्रता और प्रशासनिक व्यवस्था ने समाज को उदार बनाया. डॉक्टरी एवं वकालत जैसे पेशों के कारण गाँवों के संयुक्त परिवारों में विकेन्द्रीकरण की प्रवृत्ति उभरती चली गई. जिन परिवारों ने शहरों में जाकर अपना पेशा व व्यवसाय प्रारम्भ किया, उन्होंने अपनी घरेलू ग्रामीण सम्पत्ति में विभाजन व हिस्सेदारी की माँग करनी शुरू की.

3. **यातायात के साधनों का विकास**—यातायात के साधनों—रेल-मार्ग, सड़क-मार्ग

और वायु-मार्ग के स्वदेशी साधनों के बड़े पैमाने पर विस्तार के कारण राज्यों के बीच एवं खुद उनके भीतर बड़े पैमाने पर 'विशेषज्ञों एवं मजदूरों' का प्रवसन सम्भव हुआ. रेल एवं बसों के नेटवर्क के जबर्दस्त विस्तार के कारण हजारों-लाखों लोग एक ही व्यवस्था में यात्रा करने लगे और कम समय में ज्यादा एवं जल्द सम्पर्क में आते गए. यहाँ सिर्फ भाषाई समानता की दरकार थी, जाति-उपजाति पीछे छूट गए. किसी भी जाति का बांग्लाभाषी, मिथिलाभाषी, मलयालमभाषी से लेकर पंजाबी जबान बोलने वालों में एक अद्भुत आत्मीयता दिलचस्प रूप से दिखने और महसूस की जाने लगी.

Vikas Bhadu

4. **जाति के पेशागत आधार में ह्रास**–कृषि पिछड़ापन, कृषक ऋणग्रस्तता, असंगत औद्योगिक विकास और जनसंख्या विस्फोट आदि कारणों के चलते ऊँची जाति के लोगों ने अपने से इतर जाति के पेशों को अपनाकर जीवन गुजर-बसर करना शुरू कर दिया. जैसे पुरोहित या शिक्षक के काम के बदले ब्राह्मणों एवं कायस्थों ने डॉक्टर, व्यापारी, मिल-मालिक एवं क्लर्क का काम करना शुरू कर दिया. यही नहीं आधुनिकता और भौतिकता की मार ने शिक्षित ब्राह्मण वर्ग को चर्म उद्योग जैसे कार्य करने पर मजबूर कर दिया है. अतः समरसता एक हकीकत बनती जा रही है.

5. **आधुनिक शहरों का प्रभाव**–आधुनिक उद्योग-धन्धों एवं यातायात के साधनों के कारण जिन सैकड़ों शहरों का आविर्भाव हुआ. उनमें बड़े-बड़े होटल, रेस्तरां, कॉफी हाउस, थिएटर-सिनेमा और मेट्रो सिस्टम का निर्माण एवं संचालन सफलतापूर्वक सम्भव हुआ. विभिन्न जातियों के 'उत्कृष्ट' एवं 'निकृष्ट' लोग खानपान व शारीरिक सम्पर्क के प्रश्न पर सदियों से जिन 'पृथकतावादी मानकों' का निर्वाहन नियमित रूप से करते आ रहे थे, वह अब निर्णायक समाप्ति की ओर था. ताज होटल में ब्राह्मण मिलमालिक, शूद्र व वैश्य मिल मालिक के साथ भोजन पर हमजोली के रूप में देखे गए. 'पानी पेट के सवाल' से लेकर विलासपूर्ण जिन्दगी की चाह तक, सभी स्थितियों में समरसता के अकल्पनीय एवं अतुलनीय उदाहरण साफ-साफ देखे गए. रेलवे स्टेशन पर बैठा भिखारी, भीख देते-लेते समय कोई जाति नहीं पूछता और न ही सोचता, बल्कि सहृदयता व करुणावश मदद कर देता है. बड़े-बड़े व्यापारिक करार व समझौते में 'जाति' के बजाय 'अर्थ-वित्त' सर्वोपरि रहता और सैकड़ों ऐसे उदाहरण हैं, जब यही आधार उनके भावी पारिवारिक व वैवाहिक सम्बन्धों के आधार बने.

6. **नई संवैधानिक एवं न्याय व्यवस्था**–देश में समरूप न्याय व्यवस्था लागू कर ब्रिटिश सरकार ने प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय समाज में फैली सामाजिक एवं न्यायिक असमानताओं पर गहरी चोट पहुँचाई. पूर्वकाल में न्याय सम्बन्धी दण्ड एवं पुरस्कार जातिगत प्रतिष्ठा से निश्चित होती थी. ब्रिटिश भारत में गोरे-काले की नस्लीय-प्रजातीय भेद की शिकार न्याय प्रणाली में भी देखे गए. आजाद भारत में न्यायसंगत व्यवस्था जाति निरपेक्ष हो गई. फलतः एक मायने में पहली बार समाज के पिछड़े वर्गों में समानता एवं सादृश्यता का प्रमाण व अहसास दिखा, जिसे आज भी सर्वत्र महसूस किया जाता है.

आजाद भारत की संवैधानिक सरकार ने जातिगत पंचायतों से दण्ड एवं निर्णयाधिकार वापस ले लिया. इस अर्थ में जाति अब स्वैच्छिक संगठन भर रह गया. लोग अब करीब आते गए; मनभेद और मतभेद के तार-सूत्र टूटते चले गए. कास्ट डिसेबिलिटीज रिमुवल एक्ट (1850), दी स्पेशल मैरिज एक्ट (1872), स्पेशल मैरिज अमेंडमेंट एक्ट (1923) आदि कानूनी व्यवस्थाओं ने परम्परागत जाति महलों को ध्वस्त करने और सामाजिक समरसता बढ़ाने में निर्णायक एवं स्थायी भूमिका निभाई है.

धर्म-सुधार आन्दोलन का प्रभाव

हम जानते हैं कि राष्ट्रीय आन्दोलन के परिणामस्वरूप सामाजिक समरसता के पुराने धार्मिक रीति-रिवाज एवं नए आर्थिक सम्बन्धों में परस्पर विरोध के कारण देश में सांस्कृतिक सुधार आन्दोलनों का जन्म हुआ. राजा राममोहन राय, केशवचन्द्र सेन, महात्मा ज्योतिबा फूले से लेकर स्वामी दयानन्द, विवेकानन्द, रामकृष्ण परमहंस जैसे समाज-सुधारकों ने समाज में राष्ट्रीयता के अलावा प्रजातान्त्रिक सिद्धान्तों व विचारों को सशक्त जगह दिलाई. प्रायः सभी समाज सुधारकों ने जाति प्रथा को स्पष्ट तौर पर नकार दिया. छुआछूत एवं ऊँच-नीच का पुरजोर विरोध मानवता, समरसता, समानता, स्वतन्त्रता और भाईचारे का सफल सन्देश दिया. फलतः सार्वजनिक तौर पर व्यक्तिवाद, अस्तित्ववाद और तर्कवाद को सामाजिक प्रश्रय मिला. दयानन्द द्वारा मूर्ति पूजा के विरोध ने निराकार ईश्वरवादियों को एक मंच पर लाया गया. राममोहन राय एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर ने विश्व मानववाद का समर्थन किया. स्त्री शिक्षा एवं जागरूकता के आन्दोलनकारी सरोकारों ने वास्तव में समरसता की जड़ें घरेलू स्तर पर गहरी कीं. गांधीजी की 'हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई' तथा नेहरूजी की 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' के नारों व विचारों ने देश के भीतर एवं विदेशी नीति के तहत् भारतीय समाज के परम्परागत पाचन शक्ति को और मजबूत किया.

हम जानते हैं कि भारत का बहुसंख्यक समाज किसान-मजदूरों एवं खेतिहर ग्रामीणों का समाज सदियों से दलित-पीड़ित-शोषित और दमित रहा है. ऐसा वर्ग, जो मेहनतकस समाज का एक बड़ा हिस्सा है की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर एक सशक्त विचार के रूप में उठाने का सफल प्रयास मानवेन्द्रनाथ राय, श्रीपाद अमृत दांगे, अच्युत पटवर्धन, आचार्य नरेन्द्रदेव और राहुल सांस्कृत्यायन आदि विचारकों ने किया. फलतः ऐसे विशेष वर्गों के बीच पारस्परिक समानता व समरसता के कारण एक नवचेतना गरीब व मध्यम वर्ग के बीच जो पनपा वह आज भी समयानुसार देखा-महसूस किया जा सकता है. भारत का श्रमिक संघ आन्दोलन एवं सहकारिता आन्दोलन इसकी जीती जागती मिशाल है. जहाँ 'जाति की पूछ दूर-दूर तक निषेध' है. सिर्फ और सिर्फ इंसानियत के नाते सम्बन्धों का निर्वाहन वह भी पहले पेशेवर रूप में बाद में सामाजिक धरातल पर किया जाता है.

गांधीजी द्वारा हरिजन सेवक संघ के द्वारा विशेषकर अछूतों को समान सामाजिक अधिकार दिलाने का सफल प्रयास किया गया. डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने ऑल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसियेशन और ऑल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लासेज फेडरेशन इन जातियों को उच्च जातियों के बराबर हक दिलाने और समतामूलक समाज निर्माण के लिए निर्णायक प्रयास किया, जिसका उदाहरण संवैधानिक प्रावधान एवं उपबन्ध हैं. यही उपबन्ध आज भी भारतीय समाज में उठने वाली असमानता की समाप्ति और विशेषाधिकार के बल पर समता की वकालत करते हैं. उनके द्वारा अस्पृश्यता का निषेध एक महान् वैज्ञानिक देन है.

सन् 1937 के बाद कुछ वर्षों तक विभिन्न प्रान्तों में, जो कांग्रेसी सरकारें बनीं, उन्होंने भी खासकर दलित जातियों को उच्च जाति की बराबरी के लिए काफी अच्छे कार्य किए. बम्बई की कांग्रेस सरकार ने हरिजन टैम्पल वर्शिप (रिमुवल ऑफ डिप्सेविलिटीज) एक्ट पारित कर हरिजनों को मन्दिर प्रवेश दिलाकर दम लिया. इसका सकारात्मक प्रभाव सम्पूर्ण देश में व्यापक तौर पर फैला. शिक्षा के क्षेत्र में सरकारों ने संवैधानिक प्रावधानों के अन्तर्गत 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा, प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए, गरीब बच्चों के लिए पोशाक-बस्ता-खानपान की निःशुल्क व्यवस्था सम्बन्धी प्रतिवेदन सामाजिक समरसता की दूरदर्शी सोच के सफल प्रमाण के परिचायक हैं.

इस तरह की सोच को हमें निरन्तर गति देने की जरूरत है, क्योंकि अभी भी हमारे समाज का एक हिस्सा जंगलों में रह रहा है, जो आदिवासी-वनवासी कहे जाते हैं.

Vikas Bhadu

कुछ वर्ग कुएं पर पानी नहीं पी सकते, गाँवों के बजाय अलग बाहर टोले के रूप में बसे हुए हैं, वे एक पांत (पंक्ति) में संस्कारों के समय खानपान नहीं कर सकते. इससे यह संकेत मिलता है कि कुछ मामलों में यह महान् भारतीय समाज, जो 'विश्वगुरु' और 'सोने की चिड़िया' जैसी उपमाओं से विभूषित था, अभी भी गम्भीर सुधार की पूरी गुँजाइश रखता है.

सन् 1991 की नई आर्थिक नीति के चलते वैश्वीकरण, निजीकरण और उदारीकरण जैसे नवोन्मेषित विचारों एवं कार्यक्रमों की शुरूआत हुई. वैश्वीकरण के कारण जहाँ एक तरफ भारतीय अर्थव्यवस्था दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था के सीधे सम्पर्क में आई, वहीं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की पैठ भारतीय बाजारों में सम्भव हुई. फलतः खानपान एवं पहनावे से लेकर मोबाइल-इंटरनेट ने भारतीय समाज में एक 'खास तरह' की समरसता के आधुनिक संस्करण का प्रमाण प्रस्तुत किया है. निजीकरण के कारण लाभ-हानि की कसौटी पर व्यापारिक सम्बन्ध एवं प्रबन्ध कसे जा रहे हैं, जिसका दूरगामी प्रभाव समाज की वचनबद्धता एवं समयबद्धता के रूप में देखा जा रहा हैं. घोर प्रतिस्पर्धापूर्ण वातावरण में जाति प्रथा कहाँ लुप्त हो गई ? कभी-कभी सोचना पड़ता है. उदारीकरण की प्रक्रिया के अन्तर्गत हमने अपनी 'तथाकथित' जातिगत भाषा हिन्दी-उर्दू को छोड़कर संचार की एडवांस भाषा के तौर पर वैश्विक अंग्रेजी को अपनाया है. मार्केट में ब्राण्डों की होड़ ने जाति के साथ-साथ धार्मिक जड़ों पर भी प्रहार किया है और जीवन शैली से लेकर सोचगत स्तर पर समरसता की जमीनी हकीकत को प्रोत्साहित किया है.

नई शिक्षा नीति, नई किसान नीति, नई विज्ञान नीति और सबसे बढ़कर नई संचार नीति ने सामाजिक समरसता की नई परिभाषा गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. नई शिक्षा नीति ने जहाँ परम्परा के साथ आधुनिकता में सामंजस्य, धर्म के साथ विज्ञान का सम्मिलन किया, वहीं नई किसान नीति ने हल-बैल और शरीर तो किसान का, लेकिन उसका दिमाग डिजिटल इण्डिया, बैंक-बीमा के चौराहे पर ला खड़ा किया है. नई संचार नीति ने धर्म, जाति, मूल्यों एवं नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करके 'समय' एवं अवसरों की समानता को पहली बार श्रेष्ठ रूप में अहसास कराया है. विचार अभिव्यक्ति और 'इथिक्स' पर किसी तरह का सवाल खड़ा न हो और सामाजिक व बौद्धिक सौहार्द भी बरकरार रहे, इस पर घोर मंथन जारी है. विज्ञापनों के जरिए हमारी सोच न केवल सामाजिक एवं राष्ट्रीय हुई है, बल्कि सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक भी बनती जा रही है, जिससे समरसता की स्वतःस्फूर्ति एवं प्राकृतिक आधार तैयार हो रहा है.

हाल के वर्षों में लैंगिक समानता की मिशाल तीन तलाक पर बनी आम सहमति, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ के सफल विचार का कार्यान्वयन, आर्थिक जगत् में महिला उद्यमियों की बढ़ती संख्या व भागीदारी हमें भावी भारत के निर्माण हेतु प्रोत्साहित करती है. दूसरी ओर पिछले दशकों से साम्प्रदायिक हिंसा में आई भारी कमी से भी धार्मिक सौहार्द में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं. हाँ भ्रूणहत्या, किशोरापराध, बलात्कार और विद्यमान भ्रष्टाचार जैसी अभी भी संगीन समस्याएं हैं, जो हमारी सामाजिक समरसता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती हैं और चुनौती भी हैं. इन समस्याओं व चुनौतियों से निपटने और सामाजिक समरसता को और प्रगाढ़ बनाने के लिए हमें सकारात्मक कदमों के साथ-साथ निदानात्मक एवं सुरक्षात्मक कदम भी उठाने की जरूरत है. इस क्रम में बुद्धिजीवी वर्ग, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एनजीओकर्मी, राजनीतिज्ञों की दृढ़ इच्छाशक्ति, जन-जागरूकता, प्रशासनिक सतर्कता, असामाजिक तत्वों की निगरानी और धर्म गुरुओं के बीच पारस्परिक तालमेल कुछ ऐसे उपाए हैं, जिससे भविष्य में भी सामाजिक समरसता न केवल सुरक्षित रहेगी, बल्कि मजबूत होती जाएगी, क्योंकि सामाजिक समरसता की जड़ें समाज से, तो शुरू जरूर होती हैं. साथ-ही-साथ इसके सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक आयामों के साथ मानसिक-मनोवैज्ञानिक व बौद्धिक पक्षों पर भी गम्भीर सोच-विचार रखने एवं कार्यान्वित करने की जरूरत है.

●●●

शेष पृष्ठ 167 का

$$\text{प्रतिशत बदलाव} = \frac{120lb}{10000} \times \frac{1}{lb} \times 100$$

$$= 1 \cdot 2\% \text{ वृद्धि}$$

47. (A) एक नल द्वारा आधी टंकी को भरने में लगा समय $= \frac{8}{2} = 4$ घण्टे

दो नलों द्वारा 1 घण्टे में भरा गया भाग

$$= 2 \times \frac{1}{8} = \frac{1}{4}$$

$$\text{शेष भाग} = \left(1 - \frac{1}{2}\right) = \frac{1}{2}$$

$$\therefore \quad \frac{1}{4} : \frac{1}{2} :: 1 : x$$

$$\Rightarrow \quad x = 2 \text{ घण्टा}$$

$$\text{कुल समय} = 4 + 2$$

$$= 6 \text{ घण्टे}$$

48. (C) आयत का परिमाप $= x$

$$\Rightarrow \quad 2(l + b) = x$$

$$\Rightarrow \quad l + b = \frac{x}{2} \quad \ldots(1)$$

और वृत्त की परिधि $= x + 8$ ...(2)

$$\text{और} \quad \frac{r}{l} = \frac{1}{2}$$

$$\Rightarrow \quad 2r = l \quad \ldots(3)$$

$$\text{और} \quad \frac{l}{b} = \frac{7}{3}$$

$$\Rightarrow \quad 3l = 7b \quad \ldots(4)$$

हल करने पर,

$$l = 28$$

49. (B) दिया है,

$$\frac{x_{18} + (48 + 65)}{20} = 68$$

$$\Rightarrow \quad x_{18} = 1247$$

$$\text{तो, सही औसत} = \frac{1247 + (72 + 61)}{20}$$

$$= \frac{1380}{20} = 69$$

50. (D) माना सबसे कम स्कोर $= x$ रन

∴ सबसे अधिक स्कोर

$$= x + 114 \text{ रन}$$

प्रश्नानुसार,

$$45 \times 42 = 43 \times 40 + x + 114 + x$$

$$1890 = 1720 + 2x + 114$$

$$2x = 1890 - 1720 - 114$$

$$2x = 56$$

$$x = 28 \text{ रन}$$

●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–186 का परिणाम

विषय : "भारत में लोकतान्त्रिक प्रणाली ने जातिवाद को और अधिक मुखर कर दिया है."

विजेता

पक्ष में :

1. मोहन लाल गुर्जर (व.अ.)
ग्राम एवं पोस्ट–काँकरिया, बाया–पौंख
जिला–झुन्झुनू (राजस्थान)
पिन–333053

विपक्ष में :

कोई भी उपयुक्त लेख प्राप्त नहीं हुआ.

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

English Language

(Based on Memory)

Vikas Bhadu

Directions—(Q. 1–8) Read the passage carefully and answer the questions given. Certain words/ phrases have been given in **bold** to help you locate them while answering some of the questions—

The issue of whether companies should **indulge** in philanthropy or should it be left to individual shareholders outside the company, is an intensely debated subject. One perspective argues that since shareholders provide capital to managers for securing a return on their investment; as long as the managers operate the business within legal and ethical frameworks, there is no need for philanthropy at the company level; shareholders can do personal philanthropy, if they desire so. Alternative perspectives argue strongly for the company to give back to the society and to key stakeholders like staff, suppliers, customers, communities and the environment, at whose cost, profits are being made by the shareholders, if not, the business will not be sustainable in the long run. Hence corporate social responsibility initiatives at the company level, are essential for the wellbeing of all stakeholders and for the business to be sustainable.

Corporate Social Responsibility is a more focused form of philanthropy directed towards specific stake-holders with clear expectations of a continued profitability in the long run. However, as a part of corporate social responsibility, companies' contribution pattern mostly includes setting up schools, hospitals, community development, women's empowerment, planting trees, nurturing art and culture. These are of course noble gestures, but more in the nature of philanthropy, remotely connected with their **core** business. Such initiatives are unsustainable, and can happen only till the point the company is profitable; more importantly, these **'giveaways'** per se will not drive the company to remain profitable.

Integrating business strategies with sustainability initiatives, successful companies allocate resources to ensure wellbeing of stakeholders which also enables the companies to acquire a key differentiator vis-a-vis its competition, thereby making the business sustainable. For example, one of the biggest companies in the FMCG sector, in its personal care business, is moving towards 'dry shampoo' which refreshes hair between washes, reducing hot water consumption thereby reducing global warming. These initiatives not only position the products distinctively vis-a-vis the competitors and **enhances** the brand equity, but also ensure wellbeing of customers and the environment. The Companies Bill stipulates a minimum spend towards corporate social responsibility, companies anyway realise the need to focus on social and environmental aspects for their sustainability. They are also becoming **highly vocal** in publishing their achievements on these dimensions. Their sustainability reporting is **bound** to become more sophisticated to capture the changing face of corporate social responsibility irrespective of regulations, companies will have to tread this path, if they aspire to be successful.

1. Which of the given words is most nearly the SAME in meaning as the word 'core' used in the passage ?
   (A) main (B) interior
   (C) spirit (D) quality
   (E) sole

2. As per the passage, which of the given statements is TRUE about Corporate Social Responsibility?
   (a) Corporate Social Responsibility should generally be carried out without expectations of any returns.
   (b) It is directed towards specific stakeholders with clear expectations of continued profitability in the long run.
   (c) Most corporate social responsibility initiatives are profitable.
   (A) Only (a)
   (B) None of (a), (b) and (c)
   (C) Only (b)
   (D) Only (c)
   (E) Only (b) and (c)

3. As per the passage, for which of the following reasons it is believed that philanthropy is not required at a company level ?
   (a) As long as business is operated with the legal guidelines and in an ethical manner.
   (b) If sufficient funds are received from the government.
   (c) If foreign investments in a company exceeds a certain level.
   (A) All (a), (b) and (c)
   (B) Only (b) and (c)
   (C) Only (b)
   (D) Only (a)
   (E) Only (c)

4. What does the expression 'highly vocal' mean in the context of the passage ?
   (A) Many FMCG companies to not adopt environment friendly practices and disturb the environment with their operations
   (B) Companies are increasingly publishing their corporate social responsibility achievements in social and environmental spheres
   (C) The companies are not necessarily truthful about publishing their achievements
   (D) Companies only care about publishing their achievements and sometimes publish things that they do not even do
   (E) None of these

5. Which of the given words is most nearly the SAME in meaning as the word 'bound' as used in the passage ?
   (A) connected (B) border
   (C) certain (D) separated
   (E) leap

6. Which of the given words is most nearly the OPPOSITE in meaning as the word 'indulge in' as used in the passage ?
   (A) acknowledge with
   (B) refrain from (C) oblige to
   (D) please (E) decimate

7. Which of the given words is most nearly **Same** in meaning as the word 'enhances' as used in the passage ?
(A) increases (B) diminishes
(C) empowers (D) separates
(E) relinquish

8. Which of the given words is most nearly the **Opposite** in meaning as the word giveaways as used in the passage ?
(A) gifts (B) contributions
(C) donations (D) taking away
(E) None of these

Vikas Bhadu

Directions—(Q. 9–14) In this question, a sentence has been divided into four parts denoted by (a), (b), (c) and (d). Read the sentence to find out whether there is any grammatical error in it. The error, if any, will be in one part of the sentence. Mark that part as the answer. If there is no error, the answer is 'No error'. Ignore the errors of punctuation, if any.

9. To reduce the risk of cancer, you (a) need / to be aware of the many (b) factors / that working together to (c) caused cancer and then / do your (d) best to avoid or reduce exposure.
(A) (a) (B) (d)
(C) No error (D) (c)
(E) (b)

10. Pantheism is the belief (a) / that God (b) / exists (c) / in all natural things. (d)
(A) (c) (B) (a)
(C) (b) (D) No error
(E) (d)

11. Millenials' preference for expo- (a) nential travel also applies / to the (b) way they learn, and hospitality institutes / have had to adapt (c) their curricula, teaching methods and / course delivery in the (d) process, and are still doing so.
(A) (b) (B) (c)
(C) (d) (D) (a)
(E) No error

12. It must be emphasis on replacing / (a) a natural forest with a plantation (b) does not / really serve the cause (c) of nature / wildlife or the forest (d) dwelling communities.
(A) (d) (B) (b)
(C) (a) (D) (c)
(E) No error

13. Out of the millions of creatures (a) on Earth, / humans are one of the (b) three species / capable of laugh- (c) ter, the / other two being chim- (d) panzees and rats.
(A) (b) (B) (c)
(C) (a) (D) No error
(E) (d)

14. In June 2017, the 'Facebook' (a) community / reached 2 billion (b) active users which / means Face- (c) book is used by / more than a (d) quarter in the world's population.
(A) (b) (B) (c)
(C) (a) (D) (d)
(E) No error

Directions—(Q. 15–17) In this question, two sentences I and II are given with one blank each. Each blank indicates that something has been omitted. Choose the option with words that best fit the meaning of both the sentences as a whole and mark it as your answer.

15. **Sentence I :** The strategy is based on long term partnerships, ……… of our brands and strong customer relations.
Sentence II : A policy of internal ……… for key positions is very helpful in keeping the employees motivated.
(A) provocation
(B) audacity
(C) promotion
(D) practice
(E) interrogation

16. **Sentence I :** A great way to achieve work-life balance is to strive for both a …… of achievement and enjoyment in your job and personal life.
Sentence II : In a general ……... a rapid rate of technological change creates uncertainty in the business environment.
(A) character (B) sense
(C) constraint (D) desire
(E) mark

17. **Sentence I :** The line between learning to …… and getting paid to write a computer program as a profession is not an easy line to cross.
Sentence II : A well written …... of conduct clarifies an organisations mission, values and principles, linking them with standards of professional conduct.
(A) write (B) design
(C) dance (D) charter
(E) code

Directions—(Q. 18–20) In this question, four words/group of words (a), (b), (c) and (d) have been given in **bold**. One of these words/group of words (a), (b), (c) and (d) given in bold type may be wrongly spelt or inappropriate in the context of the sentence. Find out the word/group of words that are wrongly spelt or inappropriate, if any. That word/group of words is your answer. If all the words/group of words given in bold in the sentences are correctly spelt and appropriate in the context of the sentence then mark 'All correct' as your answer.

18. Guidelines to **regulate** (a) fares are necessary to **ensure** (b) greater **complainance** (c) with **rules** (d) and regulations.
(A) (d) (B) (a)
(C) No error (D) (b)
(E) (c)

19. Some of the most **powerful** (a) stones on **sustainable** (b) future were **brought** (c) to the life by the **narrattor**. (d)

(A) (c) (B) (a)
(C) (b) (D) (d)
(E) No error

20. Researchers have **identified** (a) a **protein** (b) which could **serve** (c) biomarker for early **diagnosis** (d) of lung cancer.
(A) (c) (B) (b)
(C) (d) (D) No error
(E) (a)

Vikas Bhadu

Directions—(Q. 21–25) Rearrange the given six sentences/group of sentences (a), (b), (c), (d), (e) and (f) in a proper sequence so as to form a meaningful paragraph and answer the given question.

(a) The team made this discovery while examining the structure of a natural enzyme thought to have evolved in a waste recycling centre in Japan.

(b) Work on improving the enzyme further, to see if they can make use of this capability of faster consumption of PET plastic on an industrial scale is in progress.

(c) On finding that this enzyme was helping a bacteria to break down or digest PET plastic, the researchers decided to tweak its structure by adding some amino acids.

(d) Thus in the coming years we will see an industrially viable process to turn PET plastics back to their building blocks so that they can be sustainably recycled.

(e) Scientists in Britain say they have engineered a plastic eating enzyme that could help in the fight against pollution in future.

(f) This led to a serendipitous change in enzyme's actions, allowing its plastic eating abilities to work faster.

21. Which of the following should be the Fifth sentence after the rearrangement ?
(A) (a) (B) (c)
(C) (f) (D) (e)
(E) (d)

22. Which of the following should be the Second sentence after the rearrangement ?
(A) (c) (B) (e)
(C) (f) (D) (a)
(E) (d)

23. Which of the following should be the First sentence after the rearrangement ?
(A) (a) (B) (c)
(C) (d) (D) (e)
(E) (b)

24. Which of the following should be the Third sentence after the rearrangement ?
(A) (a) (B) (c)
(C) (f) (D) (b)
(E) (d)

25. Which of the following should be the Sixth (Last) sentence after the rearrangement ?
(A) (b) (B) (c)
(C) (f) (D) (e)
(E) (d)

Directions—(Q. 26–28) Which of the following words/group of words given against the sentence convey the same meaning as the phrase given in bold and can replace it in the sentences grammatically and contextually ? If none of the words/group of words conveys the same meaning as the phrase given in **bold** and can replace it in the sentence grammatically and contextually, select 'None of the given options' as the answer.

26. Helipads have been **springing up** rapidly in recent years but a large number have not been certified as safe by aviation authorities.
(A) None of the given options
(B) destroyed
(C) built
(D) required
(E) invited

27. The committee recently **brought** in fresh regulations promising increased autonomy to institutions.
(A) abandoned (B) introduced
(C) acquired (D) surrender
(E) None of the given options

28. As a leader, the challenge is not only to **spot** talent but also to convince your people that you value their talents and that they should too.
(A) amass (B) identify
(C) mess (D) deny
(E) None of the given options

Directions—(Q. 29 and 30) In this question, four sentences are given. Decide which sentence(s) is/are correct with regard to grammar, meaning and usage and mark your answer accordingly.

29. (A) The newly introduced flights between the two cities have been so designed allowing them to serve the business and leisure travellers alike
(B) All are correct
(C) New flights introduced between the two cities are designed to cater to business and leisure travellers alike
(D) The design of the newly introduced flights is such that they cater to business and leisure travellers alike
(E) The newly introduced flights have been designed in such a way as to cater to business and leisure travellers alike

30. (A) The Prime Minister has instructed the Ministries to submit a detailed note on the projects and programmes undertaken by them
(B) Ministries have been instructed by the Prime Minister to submit a detailed note on the projects and programmes undertaken by them
(C) The instructions to submit a detailed note on the projects and programmes undertaken have been given by the Prime Minister to the ministries
(D) A detailed note on the projects programmes undertaken has to be submitted by the ministries as per the instructions of the Prime Minister
(E) All are correct

Answers with Hints

1. (E) 2. (C) 3. (D) 4. (B) 5. (C)
6. (B) 7. (A) 8. (D)
9. (D) working—work
caused—cause
10. (D) 11. (E)
12. (C) emphasis—emphasised
13. (B) laughter—laughing
14. (D) in—of
15. (C) 16. (B) 17. (E) 18. (C) 19. (D)
20. (D) 21. (C) 22. (D) 23. (D) 24. (D)
25. (E) 26. (C) 27. (B) 28. (B) 29. (B)
30. (E)

●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now